অশক্ত **अशक्त**—वि०। निर्बल, कमजोर, असमर्थ। [सं०] तु० क० अस०, हि०, बं०, ने०, **अशक्त**, प्राकृ० **असत्त**। राम० ४७ (अयलहुँ शरण **अशक्त** पड़ाय); पारो ६९ (पीसी अपन **अशक्त** कण्ठसँ ठोढि पाड़ि कानऽ लगलीहि)। *aśakta—Adj.* Weak, incapable.

অশক্য **अशक्य**—वि०। नहि ौयबा योग्य, असम्भव, असाध्य, असमर्थ। [सं०]। तु० क० **असक्क**; हि०, ने०, **अशक्य** पा०, प्राकृ० असक्क। राम० ३१३ (हमहुँ **अशक्य** अहाँकाँ माय); मोद उद० १५९-६ (अधिक आग्रह कयला पर **अशक्य** भै)। *aśakya—Adj.* Unable to act.

অশগুণ **अशगुण**—अशकुन (दे०) केर का० रू०। राम लालदास २५१ (शिर कटलै नहि **अशगुण** लेश) *aśaguṇa*—P. F. of *aśakuna* (q. v.)

অশন **अशन**—१. भोजन २. भोजनक क्रिया ३. अशन वृक्ष (जकरा आसन सेहो कहल जाइछ, ई बहुधा तराइ क्षेत्र दिसि भेटैत छैक)। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, पा० **अशन**, प्राकृ० **असण**। राम ७० (गरल **अशन** कए त्यागल प्राण); मोद उद०। १५२-१६ (भूषन वसन **अशन** सुधि नाही)। *aśana*—Food, eating; kind of tree.

অশনা **अशना**—भोजनक इच्छा, भूख। [सं० अशनाय, अशनाया > अशना]। तु० क० हि० **अशना**। चन्द्र० ५ (जय काल विभव **अशना**); महेश० ४५ (जत विष **अशना**)। *aśanā*—Desire of eating, hunger.

অশনি **अशनि**—१. वज्र, आकाशीय विद्युत, ठनका २. विजलोका (विजलोता) ३. महास्त्र। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० **अशनि**, पा० **असनी**, प्राकृ० असणि; प० आहण, आहिण, ऐहण, सिं० **सेण**। राम० ७० (**अशनि** पतन तरुगण गति जेहन); अमर० १२ (दम्भोलि, **अशनि**)। *aśani*—Thunderbolt, lightening.

অশব্দ **अशब्द**—वि०। १ अव्यक्त, शब्दरहित २. जे शब्द-मे प्रकट नहि कएल जाए सकए। [सं०]। तु० क० निःशब्द (दे०); हि० **अशब्द**। *aśabda—Adj.* That which cannot be expressed through words.

অশরণ **अशरण**—हि०। जकरा कतहु शरण नहि होइक, निराश्रय, अनाथ, गृहरहित। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, **अशरण**। मि० ३६ (**अशरण** मिथिलाक राजपद फेर मैथिलहिक हाथ आएल); शतदल १८ (रभसि रहल कहु के भै **अशरण**)। *aśaraṇa*—*Adj.* Destitute.

অশরফী **अशरफी**—दश मासाक सुवर्ण मुद्रा, सोनाक कोनो-सिक्का, मोहर। [फा०]। **अशरफीक लूटि कोइलापर छाप**—मिथ्या आरोप कए मूल्यवान वस्तु बनाएब। *aśaraphi*—A gold coin.

অশর্ম **अशर्म**—वि०। १. दुखी, बेचएन २. अमङ्गलशील, लाज रहित। [अ+का० शर्म] पुरु० २२ (निज अपराध **अशर्म**) *āśarma—Adj.* Sorrowful, shameless.

অশস্ত্র **अशस्त्र**—वि०। शस्त्रविहीन। [सं०]। तु० क० हि०, बं० **अशस्त्र**; प्राकृ० **असत्थ**। महेश्वर विनोद ३४। *aśastra—Adj.* Without weapons.

অশান্ত **अशान्त**—वि०। जे शान्त नहि हो, जतए शान्ति नहि रहए, अस्थिर, चंचल। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, ने० अशान्त; प्राकृ० असंत। प्रणम्य० २१४ (**अशान्त** मस्तक पर हाथ फेरए लगलथिन्ह); आमक जलखरी ७७ (हमर चित्त तऽ **अशान्त** अछि)। *aśānta—Adj.* Restless.

অশান্তি **अशान्ति**—चंचलता, अस्थिरता। [सं०]। तु० क० हि० **अशांति**। मोद ६६-१८ (**अशान्ति** रहला सँ सदाचारक परिपालन नहि भै सकैत छैक)। *aśānti*—Restlessness, disturbance.

অশিল্পতা **अशिल्पता**—शिल्पता वा कारीगरीक अभाव। [अ+शिल्पता]। व्य० वि० १४८। *aśilpatā*–Lack of skill.

অশিষ্ট **अशिष्ट**—वि०। अविनीत, दुःशील। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अशिष्ट। बिडम्बना ३७। *aśiṣṭa—Adj.* Rude.

অশিষ্টতা **अशिष्टता**—अभद्रता, उजड्डता, अविवेकिता। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **अशिष्टता**। सीता स्वयम्बर ३७; आमक जलखरी ३० (जे नहि करथि के **अशिष्टता**)। *aśiṣṭatā*—Lack of culture, boorish.

অশিক্ষিত **अशिक्षित**—वि०। जे शिक्षित नहि अछि, अलूरि; मूर्ख। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **अशिक्षित**। मोद १७१-८ (पहिन **अशिक्षित** भयावह घोड़ाकें अहाँ लै जाउ)। *aśikṣita—Adj.* Foolish, illiterate, untrained.

অশিক্ষিতা **अशिक्षिता**—अशिक्षित (दे०) केर स्त्रो० रू०। द्विरा० ६० (**अशिक्षिता** स्त्रीक स्वामी भेलाक अपेक्षे तऽ अहाँक सुशिक्षिताक सेवक बननाइ लाख कच्छे नीक)। *aśikṣitā*—Fem. form of *aśikṣita* (q. v).

অশুচি **अशुचि**—वि०। मैल, अपवित्र, कारी। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **अशुचि**; प्राकृत **असुइ**। महेश० ३५ (कि विष अमृत **अशुचि** शुचि कि थिक)। *aśuci—Ādj.* Dirty, polluted, black.

অশুদ্ধ[1] **अशुद्ध**[1]—वि०। जे शुद्ध वा ठीक नहि अछि, गलती, अपवित्र, कुटिलहृदय। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० **अशुद्ध**। पुरु० १५७ (कह **अशुद्ध** अज्ञान सौं, सभा अबुधकाँ हास); महेश० ४७ (जग व्यवहार **अशुद्ध**)। *aśuddha*[1]*—Adj.* Not Right, crooked.

অশুদ্ধ[2] **अशुद्ध**[2]—वि०। एहन समय जखन उपनयन, विवाह आदि शुभ कार्य नहि कएल जाए सकैत अछि, जतबा समय बृहस्पति क्षीण वा अस्त रहथि। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **अशुद्ध**। (अशुद्ध रहलाक कारणें नीराक विवाह एहि साल नहि होएतन्हि)। *aśuddha*[2]*—Adj.* A period or time not fit for auspicious ceremonies.

অশুভ **अशुभ**—वि०। अधलाह, अमंगल, दुर्भाग्य। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, पा०, प्राकृ० **असुभ**। मोद उद० १५७-४

(अशुभ अमंगल इत्यादि); खट्टर० ६८ (अशुभ होएत)। *aśubha*—*Adj.* Inauspicious, ill-fated.

अशेष—वि०। सम्पूर्ण, शेष रहित। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अशेष; प्राकृत असेस। चन्द्र० २४१ अशेष दोष हारि श्रीगणेशनाथ)। *aśeṣa*—*Adj.* Entire.

अशोआसल—क्रि०। आश्वासन देल गेल। भू० रू०। [सं० आश्वासन]। गो० श्र० १ अमर २५ (गोविन्द दास निसिस अशोआसल रोय रोय चलु बरु कान)। *aśoāsala*—*V. P. F.* Assured.

अशोआसलि—क्रि०। आश्वासन देलन्हि। आश्वासन केर भू० स्त्री० रू०। का० रू०। अशोआसल (दे०)। गो० श्र० १ अमर १४ (माधव काह अशोआसलि रामा)। *aśoāsali*—*V. Fem. P. F*; Assured.

अशोक—१. एक प्रसिद्ध देववृक्ष, २. एक हिन्दू राजाक नाम, ३. शोकक अभाव। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० अशोक; प्राकृत असोग, असोअ; सिं० हों। व०ं० ३८ (अमर, अशोक, तेन्दु, तिलक;) राम० १४० (जाय अशोक वाटिक राखथ); मोद उद० १५८-१६ (अशोकक लेख भेटल अछि); शतदल ७ (जग जागृत जा, अहिना अशोक)। *aśoka*—A tree, the name of a Hindu king, absence of grief.

अशोकतीर्थ—एक गोट प्रसिद्ध तीर्थक नाम। [सं०]। वर्ण० ५६ (पुरुषोत्तम, अशोकतीर्थ, गौरीतीर्थ)। *aśokatīrtha*—A place of pilgrimage.

अशोकवाटिका—ओ फुलवारी जाहिमे अशोक वृक्ष लागल हो, रावणक ओ फुलवारी जाहिमे सीताकेँ चोराय रखने छलन्हि। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० अशोकवाटिका। किरा० २१३ (बाजब नाचब सीखि अशोकवाटिकामे टहलितथि)। *Aśokavāṭikā*—A garden full of Aśoka trees, famous Aśokavāṭikā of Rāvaṇa in Laṅkā.

अशोचनीय—वि०। जे शोचनीय नहि हो। [सं०]। शकुन्तला नाटक ५०। *aśocanīya*—*Adj.* Not to be lamented.

अशोचि—वि०। का० रू०। जकर चिन्ता नहि रहए वा नहि करए पड़ए। [सं० अशोच्य]। राम० ६५ (तोँ अशोचि भए जयदेँ)। *aśoci*—*Adj.* P. F. Not fit to be lamented.

अशोथकित—अपसेहाँत, एकदम थाकल। असोथकित (दे०) केर बिक० रू०। श्रमदुर्वहतेँ चलबा-फिरबासँ असमर्थ। [अ॰ (दे०)सं० स्थगित]। तु० क० अस्थकित। भलमानुष ५०। *asothakita*—*Adj.* Alternate P. F. of *asothakita* (q. v.)

अशौच—शुचि नहि, हिन्दू शास्त्रक अनुसार कोनो आप्त सम्बन्धिकक मुइला पर वा जन्म भेला पर अशौच प्राप्त होयब, अपवित्रता। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० अशौच; प्राकृत असोय। राम० १०६ (भेल अशौचक काहक समाप्त); मि० ६३ हुनक अशौच ओजीकाँ मानब विशात भेल)। *aśauca*—Defilement especially after death or birth in the family or that of close relatives.

अशौचान्त—हिन्दू शास्त्रानुसार एकादशाहसँ एक दिन पूर्व क्रियाकेँ करबाक समयकेँ अशौचान्त कर्म कहल जाइछ। [सं०]। *aśaucānta*—End of the *aśauca* (q. v.) period.

अशंकित—वि०। बिनु शंकाक; निडर, निर्भय। [सं०]। राम० १७५ (लंकापुरी अशंकित जाय)। *aśaṅkita*—*Adj.* Fearless.

अश्मसार—लोह। [सं०]। तु० क० हि० अश्मसार। अमर० २२२ (अयस्, अश्मसार); एकावली परिणय ६६। *āśmasāra*—Iron.

अश्मारोहण—विवाहमे पाथर पर कनिआँक पयर राखि विवाहक विधि सम्पन्न होएब। [सं०]। वर्ण०, ६५ (करग्रहण, अश्मारोहण, प्रदक्षिण, सप्त-पदाक्रमन निर्व्वाहि)। *aśmārohaṇa*—Name of a ceremony of placing the bride's foot on a piece of stone at the time of marriage.

अश्रद्धा—श्रद्धा, आदर वा विश्वासक अभाव। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अश्रद्धा। (हुनकापर अश्रद्धा होएबाक अनेक कारण भेल)। *aśraddhā*—Absence of faith or respect.

अश्रये—आश्रय (दे०) केर का० रू०। वर्ण० १५ आपदहि छाया अश्रये कर)। *aśraye*—P. F. of *āśrayā* (q. v.).

अश्रान्त—वि०। विश्रामरहित, निरन्तर श्रमशील। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अश्रान्त। (अश्रान्त रहलाक कारणेँ किछु कष्ट नहि सकैत छी)। *aśrānta*—*Adj.* Without rest, active.

अश्रु—नोर, मोनमे कोनो प्रकारक आवेगक कारण आँखिमे आयल जल। [सं०]। वर्ण० ७ (कम्प, वैवर्ण्य, अश्रु), मोद ६६-२२ (कान्हि विरह पावकमे पाओत ओकर अश्रु जल); प्रणम्य० १८८ (आँखिमे अश्रु बिन्दु आबि गेलैन्ह)। *aśru*—Tear.

अश्रुत—वि०। १. जे सुनल नहि गेल हो २. अज्ञात ३. अशास्त्रज्ञ, मूर्ख। [सं०]। तु० क० हि० बं०, अस०, ने०, राज० अश्रुत। मि० २४५ (तेहना अश्रुत असम्भाबितो कथाकेँ); नवतुरिया २११ (वाचस्पति भाक कीर्ति अज्ञात अश्रुत नहि छलइन)। *aśruta*—*Adj.* That which is not heard of, unknown; gnorant.

अश्लील—वि०। अशोभनीय, असुन्दर, लज्जास्पद, फूहड़ नग्न वा निर्लज्ज। [सं०]। तु० क० हि०, ने०, अस०, बं० अश्लील; प्राकृत असलील। मोद उद० १५७-८ (अश्लील सभकेँ ओढ़िआए); रंग० १३२ (कतेको ठाम परम अश्लील बात छपि गेल रहैक)। *aślīlta*—*Adj.* Shameful, obscene.

𑒁𑒬𑓂𑒪𑒲𑒪𑒞𑒰 **अश्लीलता**—अमङ्गल, घृणास्पद, लज्जाजनक, निर्लज्जता। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **अश्लीलता**। निहिर ३८-५-३७ (विद्यापतिक काव्यपर अश्लीलताक जे आक्षेप कैल जाइछ); वेकफिल्डक पादरी १६३। *aśīlatā*—Obscenity.

𑒁𑒬𑓂𑒪𑒹𑒭𑒰 **अश्लेषा**—राशि चक्रक २७ गोट नक्षत्रमेसँ नवम नक्षत्र। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **अश्लेषा**; प्राकृत **असिलेषा**। प्रणम्य० १३१ (किएक त अश्लेषा नक्षत्रमे जन्म भेल छैन्ह)। *aślesā*—The ninth lunar mansion or Nakṣatra.

𑒁𑒬𑓂𑒫 **अश्व**—१. घोड़ा २. सातक संख्या। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० **अश्व**; प्राकृत **अस्स**। राम० २० (अश्व चढ़ल कर धनुष सुवाण)। *aśva*—Horse, the number seven.

𑒁𑒬𑓂𑒫𑒞𑓂𑒟 **अश्वत्थ**—पीपरक गाछ, सूर्यक नाम, अश्विनी नक्षत्र। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० **अश्वत्थ**; प्राकृत **अस्सत्थ**। वर्ण० ४३ (दुर्व्वा, उदुम्बर, अश्वत्थ); अमर० ८० (अश्वत्थ वेणु)। *aśvattha*—Peepal tree, name of the aśvinī Nakṣatra.

𑒁𑒬𑓂𑒫𑒥𑒢𑓂𑒡 **अश्वबन्ध**—१. घोड़ा पकड़बाक वा बन्हबाक कला २. छन्दक नामविशेष, चित्रकाव्य। [सं०]। वर्ण० ३ (**अश्वबन्ध**, गजबन्ध)। *aśvabandha*—A device to catch a horse, a groom. Name of a metre.

𑒁𑒬𑓂𑒫𑒧𑒰𑒯𑒱𑒭 **अश्वमाहिष**—शाश्वत विरोध, जन्म भरिक झगड़ा। [सं०। अश्वमहिषिका] तु० क० **महिषाबध; महिषाबइर**। आमक जलखरी ८६ (रेबाक मध्य कतहु अश्वमाहिष हो)। *aśvamāhiṣa*—The natural enmity between a horse and a buffalo, hence bitter difference between any two.

𑒁𑒬𑓂𑒫𑒧𑒹𑒡 **अश्वमेध**—एकटा वैद यज्ञ जाहिमे घोड़ाकेँ विजय पत्र बान्हि घुमाओल जाइछ यदि ओ ककरहु द्वारा पकड़ल गेल तँ यज्ञ पूर्ण नहि होइछ अन्यथा पूर्ण मानल जाइछ। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० **अश्वमेध**। राम० ६८ (अश्वमेध जे कएल); खट्टर० ७२ (अश्वमेध यज्ञक फल हो)। *aśvamedha*—The name of a yajña in which a horse is sacrificed.

𑒁𑒬𑓂𑒫𑒧𑒹𑒡𑒱𑒏𑒣𑒩𑓂𑒫𑓂𑒫 **अश्वमेधिकपर्व्व**—महाभारतक १८ गोट पर्वमेसँ एकेर नाम। [सं०]। वर्ण० ६० (शान्तिपर्व्व, अनुशासनिकपर्व्व, **अश्वमेधिकपर्व्व**)। *aśvamedhikaparvva*—Name of a conto of the Mahābhārata.

𑒁𑒬𑓂𑒫𑒩𑒟 **अश्वरथ**—घोड़ाक रथ, जाहि रथकेँ घोड़ा द्वारा चलाओल जाए। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० **अश्वरथ**। वर्ण० २१ (सहस्र **अश्वरथ**); राम० ४१ (शत सहस्र देल **अश्वरथ**)। *aśvaratha*—A chariot driven by horse.

𑒁𑒬𑓂𑒫𑒫𑒰𑒩 **अश्ववार**—सवार, असवार, घोड़सवार। [सं० अथवा अ+सवार]। राम० ६७ (**अश्ववार** घोड़ा दौड़ाए)। *aśvavara*—A horseman.

𑒁𑒬𑓂𑒫𑒫𑒰𑒯𑒏 **अश्ववाहक**—घोड़सवार। [सं०]। वर्ण० ६ (**अश्ववाहक** हस्तिपक कीडक नर्मसचिव, दण्डपाले), *aśvavāhaka*—A horseman.

𑒁𑒬𑓂𑒫𑒫𑒻𑒠𑓂𑒨 **अश्ववैद्य**—अश्वरोग चिकित्सक, घोड़ाक वैद्य। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **अश्ववैद्य**। वर्ण० ६ (विषवैद्य, नरवैद्य, गजवैद्य, **अश्ववैद्य**)। *aśvavaidya*—Veterinary doctor.

𑒁𑒬𑓂𑒫𑒬𑒱𑒏𑓂𑒭𑒰 **अश्वशिक्षा**—घोड़ा सम्बन्धी विद्या। [सं०]। वर्ण० ३ (**अश्वशिक्षा**, गजशिक्षा)। *aśvaśikṣā*—The science of horse training, horsemanship etc.

𑒁𑒬𑓂𑒫𑒯𑒵𑒠𑒨𑒫𑒹𑒞𑓂𑒞𑒰 **अश्वहृदयवेत्ता**—वि०। घोड़ाक समस्त विषयक जानकार; चतुर सवार। [सं०]। वर्ण० ३० (आठ आये अश्वहृदयवेत्ता)। *aśvahṛdayavettā*—*Adj.* An expert in horsemanship.

𑒁𑒬𑓂𑒫𑒰𑒩𑒼𑒯𑒲 **अश्वारोही**—घोड़सवार। [सं०]। तु० क० हि०, बं० असवार (हि०); **अश्वारोही**। रंग० १५१ (अश्वारोहीक झुण्ड आदि)। *aśvārohī*—A rider.

𑒁𑒬𑓂𑒫𑒰𑒮 **अश्वास**—असास पड़ब, परिश्रान्त भेला पर थाकनि मेटाएब। [सं० आश्वास]। तु० क० **दम मारब; उसास**। मधुश्रावणी ४८। *aśvāsa*—Breathing freely.

𑒁𑒬𑓂𑒫𑒱𑒢𑒲 **अश्विनी**—१. सत्ताइस नक्षत्रमेसँ पहिल नक्षत्र। [सं०]। तु० क० हि०, बं० अस०, ने० **अश्विनी**; प्राकृत **अस्सिणी**। प्रणम्य० १४० (चुचे चो ल अश्विनीएमे लटकल छइ)। *aśvinī*—First lunar mansion out of twenty-seven Nakṣatras.

𑒁𑒬𑓂𑒫𑒱𑒢𑒲𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩 **अश्विनीकुमार**—त्वष्टाक पुत्री प्रभा नामक स्त्रीसँ जनमल सूर्यक दुइ पुत्रक नाम, एक गोट देववैद्यक नामविशेष। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज०, अव० **अश्विनी कुमार**। वर्ण० ६२ (धन्वन्तरि, अश्विनीकुमार...देववैद्य अधिकछ) *aśvinīkumāra*—Name of the sons of the sun, Name of a doctor of the gods.

𑒁𑒭𑒪𑒳 **अषलु**—क्रि० लु० रु०। देखबा मे अवैछ। [अच=अष+लु] वर्ण० ३६ (परिमल से कइसन अषलु)। *aṣalu*—*V. obs.* Is seen.

𑒁𑒭𑒰𑒜𑓃 **अषाढ़**—आषाढ़, ओ मास जाहिमे पूर्णिमा पूर्वाषाढ़ नक्षत्रमे पड़ैक। [सं० आषाढ़] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अषाढ़। चन्द्र १६२ (अषाढ़मे नवीन मेघ); चित्रा २२ (सेवि कै थिकैक मास ई अषाढ़)। *aṣāḍha*—Name of a month in the rainy season.

𑒁𑒭𑒜𑓃𑒱𑒄[1] **अषढ़िआ**[1]—वि०। अखाड़ा पर लड़निहार। ५।

रू० । [अषाढ़ + इआ] चन्द्र २१ (हाथी ओ घोड़ा अषढ़िया) । *ashaḍhiā—Adj.* Fit to give a fight.

𑒁𑒭𑒜𑓃𑒱𑒂² अषढ़िआ²—'असढ़िआ ताक' बजइत छन्हि—खेतीक हेतु गृहस्थक व्यग्रता पानि भेला पर भए जाइत छन्हि। *asaḍhiā*²—Belonging to *asāḍha*.

𑒁𑒭𑓂𑒙 अष्ट—वि० । आठ । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस० ने०, अव०, अष्ट । वि० पदा० मजु० ११, न० गु० (३२) ५ अ० ६१४ (अष्ट भैरवि सङ्ग मालिनी); राम० २६५ (सुखित आज छथि दिग्गज **अष्ट**) । *aṣṭa– Adj.* Eight.

𑒁𑒭𑓂𑒙𑒏 अष्टक—श्राद्धका श्राद्ध विशेष, ज्यौतिषक टीपनि फल.देशाक गणनारीति विशेष । [सं०] । *Aṣṭaka*—Name of a method of *śrāddha* or in jyotiṣa.

𑒁𑒭𑓂𑒙𑒠𑒪 अष्टदल—वि० । पैपनक प्रकार, आठ दल वा पातक, आठ कोनकेर, आठ खाढ़ीक । [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० अष्टदल । मि० ५०१ (नौदा पिपरक पैघ पातकेँ **अष्टदल** कमलाकार राखि); नव० ४० (पुरइनिक पात आ बीच-बीच मे अष्टदल कमल आंकल रहइक) । *aṣṭadala—Adj.* Having eight petals, name of a form of common folk painting on the floor on auspicious occasions in the form of an eight-petalled (lotus-like;) figure.

𑒁𑒭𑓂𑒙𑒠𑒬𑒍 अष्टदशओ—वि० । अठारहो । तु० रू० । [सं०] अष्टदश + हु (ओ) । वर्ण० ४७ (गन्धार प्रभृति **अष्टदशओ** ये जाति से अलंकृत) । *aṣṭadaśao—Adj.* All the eighteen.

𑒁𑒭𑓂𑒙𑒠𑓂𑒩𑒫𑓂𑒨 अष्टद्रव्य—आठ द्रव्य—अश्वत्थ, गुलरि, पाकड़ि, बड़, तिल, सर्षप; दूध तथा घृत—जे हवनकेर कार्यमे अबैछ । [सं०] । तु० क० हि०, बं० अस०, ने० अष्टद्रव्य । *aṣṭadravya*—The eight sacrificial substances.

𑒁𑒭𑓂𑒙𑒡𑒰 अष्टधा—वि० । आठ प्रकारेँ । [सं०] । मि० ४२२ (एहि स्मृति बचनक अनुसार अष्टधा विभक्त दिनक अठम सातम भागमे कएल करथि) । *aṣṭadhā— Adj.* Eightfold

𑒁𑒭𑓂𑒙𑒦𑒳𑒖𑒰 अष्टभुजा—आठ बाँहि वाली दुर्गा । [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **अष्टभुजा** । जगन्नाथपुरी यात्रा ५५ । *aṣṭabhujā*—Goddess having eight arms.

𑒁𑒭𑓂𑒙𑒧 अष्टम—वि० । आठम । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **अष्टम** । पुरु० १६४ (ततय लोकक आधिक्यसौं **अष्टम** अंजलि सुवर्ण ग्रहणार्थ माङ० मध्यहि हस्तक्षेपण कयल), मोद ६६–६ (अरिष्टकर **अष्टमो** वितल वर्ष ई मोदकेँ) । *aṣṭama*—Eighth.

𑒁𑒭𑓂𑒙𑒧𑒱(𑒧𑒲) अष्टमि(मी)—शुक्लपक्ष तथा कृष्णपक्षक आठम तिथि । [सं०] । तु० क० बं०, हि०, अस०, ने० **अष्टमी** । वि० पदा० मजु० ५७८ (अष्टमि दिन महापूजा निसि बलि); मन० ८ (भादव कृष्ण **अष्टमी** जानी); राम लालदास १२१; प्रण० १३८ (ओहि दिन अष्टमी बुध रहैक) । *aṣṭami(mī)*—The eighth day of the lunar fortnight.

𑒁𑒭𑓂𑒙𑒨𑒰𑒧 अष्टयाम—आठो पहर वा दिन रात्रि, बहुधा एतेक कालक भगवन्नाम आदिक कीर्तन । [सं०] । राम० १६ (कृतार्थ लोक **अष्टयाम**) । *aṣṭayāma*—Eight equal parts of the day and night.

𑒁𑒭𑓂𑒙𑒮𑒰𑒯𑒮𑓂𑒩𑒱𑒏𑒰 अष्टसाहस्रिका—वि० । आठहजार श्लोक जाहि ग्रन्थमे रहैत छैक । [सं०] । वर्ण० ६१ (अष्ट**साहस्रिका** नारायणी) । *aṣṭasāhasrikā—Adj.* Work containing eight thousand verses.

𑒁𑒭𑓂𑒙𑒮𑒱𑒠𑓂𑒡𑒱 अष्टसिद्धि—योगद्वारा प्राप्त भेनिहार आठ अलौकिक शक्ति यथा अणिमा, लघिमा, गरिमा, महिमा, आदिकेर प्राप्ति, प्रकाश्य, ईशित्व, वशित्व । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, राज० अष्टसिद्धि । पुरु० १० (**अष्टसिद्धि** तोहरा प्राप्त) । *aṣṭasiddhi*—The eight superhuman powers.

𑒁𑒭𑓂𑒙𑒯𑒳 अष्टहु—अष्ट (दे०) केर निश्च० रू० । पुरु० २३३ (ध्यान धारण अष्टहु अङ्गे योग करयित सात्त्वाकार होइ निर्बन्धी) । *aṣṭahu*—Emphatic form of *aṣṭa* (q.v.)

𑒁𑒭𑓂𑒙𑒰𑒓𑓂𑒑 अष्टाङ्ग—वि० । आठो अंग, यौगक क्रियाक आठ भेद यथा—यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान आओर समाधि । आयुर्वेद शास्त्रक आठ अंग । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अष्टाङ्ग । *aṣṭāṅga—Adj.* Having eight parts.

𑒁𑒭𑓂𑒙𑒰𑒠𑒬 अष्टादश—अठारह । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अष्टादश । वर्ण० ५१ (**अष्टादश** जातिरत), मो० २२–२६ (६४ वेद व्यास जनिकाँ **अष्टादश** पुराण ख्यात भय) । *aṣṭādaśa*—Eighteen.

𑒁𑒭𑓂𑒙𑒰𑒡𑓂𑒨𑒰𑒨𑒲 अष्टाध्यायी—संस्कृत व्याकरणक प्रसिद्ध ग्रन्थ, जाहिमे आठ अध्याय छैक । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **अष्टाध्यायी** । मि० उदा० १५८–१२ (व्याकरण सूत्रक प्रणेता पाणिनि अष्टाध्यायीमे) । *aṣṭādhyāyī*—Name of famous Sanskrit Vyākaraṇa work having eight chapters.

𑒁𑒭𑓂𑒙𑒰𑒫𑒏𑓂𑒩 अष्टावक्र—१. एक ऋषि २. ओ मनुष्य जकर अंग आठ ठाम टेढ़ होइक । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अष्टावक्र । राम० १४४ (**अष्टावक्र** देखल हम जखना); कन्या २३ (हम **अष्टावक्र** मुनिक साक्षाते मसियौत थिकहुँ) । *aṣṭāvakra*—Name of a sage.

𑒁𑒭𑓂𑒙𑒼𑒞𑓂𑒞𑒩 अष्टोत्तर—वि० । आठ अधिक (एक सए) । [सं०] । तु० क० हि०, बं० अस०, ने०, **अष्टोत्तर** । मि० ४२१ (गायत्री जप **अष्टोत्तर** सहस्र ठाद भेल कएल करथि); कन्या २६ (**अष्टोत्तर** शत रुद्राक्षमाला देखि); मिथा ६६ (जपति सदखण **अष्टोत्तर**

...त नाम !) । *āṣṭottara—Adj.* Eight more (used with hundred or thousand)

अस[1] **अस[1]**—लु० का० रू० । क्रि० वि० । एहि प्रकारें, एहि तरहें, एना कएलन्हि अछि । [सं० ईदृश अथवा एना] । तु० क० हि० **ऐसा** । कीर्तिलता ५८ (अस पथ एक चोड़ गणिअ न होइ सरह चासर भाषा) । *asa¹—Obs. P. F. Adv.* Like this.

अस[2] **अस[2]—क्रि०** । लु० का० रू० अछि । ई अर्थ मजु० कयलन्हि अछि । [सं० अस्ति > असि > अस] । वि० पदा० मजु० २२ (आकास पाताल बस से ओ कइसे गेल अस) । *asa²—Obs. P. F. V.* Is.

असओड **असओड**—नावीक साजक एक नाम । लु० रु० । [सं०] । वर्ण० ६८ (सारी वेढलि **असओड** नौका संभृति समन्वित ह) । *asaoḍa - Obs.* An epuipment for the boat.

असक(क्क) **असक(क्क)—वि०** । शक्तिहीन । गर्भिणी (स्त्री), असमर्थ, रोगी [सं० अशक्त] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, **असक** प्राकृ० असक्क । कीर्तिलता ४८ (पुहवी तासु **असक्क** की जसु प्रसन्न सुरुतान); गौरी परिणय १३ (**असक** परलि गिरिरानी) *asaka(kka)—Adj.* Weak, pregnant (wo nan).

असकताइ(ए)ब **असकताइ(ए)ब—क्रि०** । आलस्य करब (दी०) । [आसकति + इ (एव)] । मि० भा० वि० ११८, मि भा० प्रकाश ५८ *asakatāi(e)va—V.* To feel sluggish.

असकताह(हि)[2] **असकताह(हि)²**—वि० । आलस्यसँ युक्त, रोगी [आसकति + आह(+ इ)] । भलमानुस १६८ *asakatāha (hi)—Adj.* Full of laziness.

असकति **असकति**—वि० । शक्तिहीन । [सं० अशक्ति) । तु० क० मै० **असकति** हि० असकति । *asakati—Adj.* Without strength.

असकसाहि **असकसाहि—स्त्री०** वि० । दुर्निवारि । वि पदा० [अशक्य + साहब]मजु० १६३; न० गु० ७२४ (रितुपति वेकताएल **असकसाहि**) । *asakasāhi—Adj.* Fem. Difficult to control.

असकुर **असकुर**—असंनिधि (दी०) । [सं० असौकर्य] । असौकर्य *asakura*— Distantness, difficult.

असकृत **असकृत**—पुनः पुनः, बारम्बार । [सं० अ + सकृत्] । मि० ६७ (एवं एहन **असकृत** त्रुटि हाए शब्दे); मि० ५४ (बेतिआधीशकाँ अमुक्त बुझैने **असकृत** पलें) । *asakṛta*—Agan and again.

असक्त **असक्त**—अशक्त (दे०) केर वा० रू० । राम ३५७ (संग **असक्त** विरक्त); मो० उदा० १५७-१२ (बनथि फकीर **असक्त**) । *asakta*—Coll. of *aśakta*.

असगनी **असगनी**—नूआ वा वस्त्र टंगबाक डोर । [असज्यति अथवा आलम्बयति, आलस Turner 61 IAL, Turner 67 1479)] तु० क० **अरगनी** । प्रण० ५२ (**असगनी**क फन्दासँ गरदनि छोड़वैत); रंग १० (**असगनी**परसँ सभक धोती कुर्त्ता उतारि ल क गेलैक) । *asaganī*— A stick or rope for hanging clothes.

असगन्ध **असगन्ध**—अश्वगन्ध औषध विशेष (दी०) [सं०] । तु० क० हि० **असगन्ध** । *asagandha*—A kind of medicine.

असगर **असगर**—वि० । एकसर, एकगोटे, एक सँ बेशी नहि । [सं० एकशः] । तु० क० बं० एकला, हि० अकेला; उत्तर राम० ६६ फुलवारी ५ । *asagar—Adj.* Alone, lonely.

असगुन **असगुन**—वि० । अशुभ, अमंगल अकल्याण । [सं० अशकुन] । तु० क० हि०, ने० **असगुन** । मि० १४५४ । राम० ५० (**असगुन** मुनि मन चिन्ता भाव) । *asaguna—Adj.* Inouspicious.

असगोत्र **असगोत्र**—वि० । आन भिन्न वंशक । [सं०] । महि० ३८-१३-६ (**असगोत्र** सपिण्ड पुनि जाकर शरीर निरोगा) । *asagotra—Adj.*—Not belonging to the same *gotra.*

असघनी **असघनी**—असगनी (दे०) केर वा० रू० । भारती १६१ (बाँसक फट्टी हथजोड़सँ **असघनी** बन्हैते देखलक) । *asaghanī—Coll.* of asagani (q.v.).

असङ्क **असङ्क**—वि० । शंका विहीन, शंका वा भयसँ रहित । [सं० अशङ्क] । राम० १४५ (पुरी **असङ्क** दसानन धाम) । *asanka—Adj.*—Fearless, withont doubts.

असङ्गत **असङ्गत**—वि० । १. संगतिहीन, युक्तिशून्य, २. अन्याय । अन्याय । [सं०] तु० क० हि०, बं०, ने० **असङ्गत** । *asṁgata—Adj.* Incongruous.

असज्जन **असज्जन**—वि० । दुर्जन, जे सज्जन नहि हो, जे आदरणीय नहि हो । [सं०] । तु० क० ने० बं० **असज्जन** पुरु० ७७ (एखन **असज्जन** मैत्रीक विपत्ति छुटल); मेघनाद ८१ । *asajjana—Adj* Not respectable, not gentle.

असत (त्त) **असत (त्त)**—वि० । १. मिथ्या अस्तित्वहीन, सत्तारहित २. खराप । [सं० असत्, असत्य) तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, **असत** । राम० २७६ (ओतय न लेस **असत** व्यवहार); महेश० ६ **असत** अभिलाषित मोर मन); म० वि० १३६ (**असत** धटक धर भेल उपहास), मोद उदा० १५७४ (अनाचार अधर्म **असत**) कन्या० १२४ (**असत्त**क विश्वास भय गेलैन्ह जे हमही वैसल छी) । *asata* (tta) *Adj.*—Unreal.

असता (त्ता) **असता (त्ता)**—असत (दि०) केर वि० रू० । १. सत्तारहित २. बिनु सत्ताक वा अधिकारक । [अ + सत्ता] । (माधव आब कि बौलव **असता** है); मिहि २८-२-११ (कोनो वस्तुक सत्ता वा **असत्ता**क व्यवस्थासँ कोनो प्रयोजन नहि) *asata (tta)*—Alt. form of *asata* (q. v.) Powerless, not existent.

असती **असती**—वि० । जे सती नहि हो, कुलटा व्यभिचारिणी स्त्री । [सं०] । तु० क० हि० बं०, **असती**; प्राकृ० **असई** । चन्द्र १३३ (जानि बुझि **असती**); मोद १२४-४ (दुख सौं कतै सती तथा

असती दुख पावै); स्त्री कर्त्तव्य २१। *asatī—Adj.* Unchaste। (woman).

𑒁𑒮𑒞𑓂𑒨 **असत्य**—वि०। मिथ्या, १. झूठ २. अवास्तविक ३. अनिश्चित फलवला। [सं०]। तु० क० हि० बं० अस०, ने०, अस०, असत्य; प्राकृ० असच्च; तु० असाच। खट्टर० ७७ (सत्यक नाम पर कतह असत्यक)। *asatya—Adj.* untrue unreal.

𑒁𑒮𑒞𑓂𑒨𑒞𑒰 **असत्यता**—मिथ्यात्व। [सं०] तु० क० हि० बं० असत्यता। खट्टर० १०१ (राजयोगक असत्यता प्रत्यक्षे देखा देलहुँ)। *Asatyatā*—untruthfulness.

𑒁𑒮𑒠𑒩𑒹 **असदरे**—वि०। १. अकरे २. असकरे। [अ+सरदर (सर्वत्र)]। वर्ण० १। (तकराँ उपर पलिके असदरे) *asadare*—Naked, Alone.

𑒁𑒮𑒠𑒩𑓂𑒟 **असदर्थ**—[सं०]। अनुचित विषय, प्रतिकूल अर्थ। सं०। वर्ण० (अनेक ये असदर्थ)। *asadartha*—Improper objects.

𑒁𑒮𑒠𑒰𑒔𑒰𑒩 **असदाचार**—अधलाह आचरण। (सं०)। तु० क० हि०, बं०, असदाचार। मि० मि० २६४ (कतेकटा असदाचार स्वकर्म भ्रष्टता पहि हिन्दू समाज कें आ सबसँ अधिक ब्राम्हण वर्ग कें अधःपतित कैलक)। *asadācāra*—Evil conduct.

𑒁𑒮𑒠𑒵𑒬 **असदृश**—वि०। १. असमान २. अयोग्य, अनुचित। [सं०]। तु० क० हि० बं० असदृश। *asadṛiśa—Adj.* Inequal, improper.

𑒁𑒮𑒠𑓂𑒦𑒰𑒫 **असद्भाव**—१. अस्तित्वक अभाव २. कुटिल वा शत्रुतापूर्ण विचार वाभाव। [सं०]। तु० क० हि० बं०, असद्भाव प्राकृ० असब्भाव। *asadbhāva*-Non-existence, wicked, or inimical feeling.

𑒁𑒮𑒠𑓂𑒦𑒰𑒫𑒢𑒰 **असद्भावना**—नीक भाव वा विचारक अभाव। [सं०]। शिव प्रसाद १२ *asadbhāvanā*—Lac of good feeling.

𑒁𑒮𑒠𑒦𑒱𑒧𑒰𑒢 **असदभिमान**—अनुचित गर्व। [सं०]। अमदूत ७। *asadabhimāna*—Improper pride.

𑒁𑒮𑒠𑓂𑒫𑓂𑒨𑒫𑒯𑒰𑒩 **असद्व्यवहार**—अधलाह व्यवहार। [सं०]। मो० १०४-६ (इतबा मुसलमान असद्व्यवहार करैत कनेको नहि लज्जित भेल)। *asadvyavahāra-Adj.* Evil behaviour.

𑒁𑒮𑒠𑓂𑒫𑒵𑒞𑓂𑒞𑒬𑒰𑒪𑒲 **असद्वृत्तशाली**—वि०। अनाचारी, अधलाह वृत्तिवला। [सं०]। मो० ३०-३१-१२७ (असद्वृत्तिशाली मेलासँ तिरस्कार ओ दण्डक भागी थिकथि) *asadvṛttaśālī—Adj.* Illbehaved.

𑒁𑒮𑒢[1] **असन**[1]—भोजन। [सं० अशन]। तु० क० हि० बं०, अस० ने० असन। वि० वि० (असन धुतुरफल बसन बघम्बर)। *asana*—Food.

𑒁𑒮𑒢[2](𑒢𑒼) **असन**[2] **(नो)** एक प्रकारक वृक्ष, पीतशाल। [सं०]। तु० क० प्रा० असण; असन; म० असन। वर्ण० ६७ असन गोक); वि० पदा० मजु० २. राग त० २१०; अ० २६१ (नयन देखिअ जनि असन कमल दल)। *asana* (no) A kind of tree.

𑒁𑒮𑒢𑒰𑒢(𑒢𑒹) **असनान(ने)**—स्नान (दे०) केर ग्राम्य रूप। (सं० स्नान)। तु० क० हि० असनान। वि० पदा० मजु० १७५ (कामिनी करु असनाने); गो० शृं० १ अमर म (हृदयक ताप तवहु मोर मटत अमिआँ करब असनान), वि० द० १७ (आवि कयल असनाने); वि० व० १६ (श्री सब असनान कयल मल); (३१३ प्रथमहि कमल करत असनान); चन्द्र० ८४ (तनकहि जल असनान)। *asanāna* (e) Folk of form *snāna*. (q.v.)

𑒁𑒮𑒢𑒲 **असनी**—अश्वनी (दे०) केर ग्राम रु०। अम्ब १६। *asani*—Folk form of *aśvani* (q.v.)

𑒁𑒮𑒢𑓂𑒞𑒞𑒱 **असन्तति**—वि०। बिनु सन्तानक। (सं०)। मि० ४२० (चारु भाइक छोट भेलें असन्तति भे रहलाह); मि० ५११ (राज्य कय असन्ततिके परलोक सिधारल)। *asantati—Adj.* issueless.

𑒁𑒮𑒢𑓂𑒞𑒳𑒭𑓂𑒙 **असन्तुष्ट**—वि०। जे सन्तुष्ट नहि हो, जे अघाय नहि, अतृप्त। [सं०]। तु० क० हि० बं० अस० ने० असंतुष्ट; मि० मा० वि० १४७; पुरु० २१६ (असंतुष्ट अति धूर्त मन); रंग० (ओ सर्वदा सबसँ असन्तुष्टे रहथि। *asantuṣṭa—Adj.* Dissatisfied.

𑒁𑒮𑒢𑓂𑒞𑒳𑒭𑓂𑒙𑒱 **असन्तुष्टि**—१. सन्तोषक अभाव, २. अतृप्ति, ३. अप्रसन्नता। [सं०]। वर्ण० १५ (असंतुष्टि व्रण)। *asantuṣṭi*—Dissatisfaction.

𑒁𑒮𑒢𑓂𑒞𑒼𑒭 **असन्तोष**—सन्तोषक अभाव, अतृप्ति। [सं०] पुरु० १६१ (असन्तोष सन आपलहु वित्त)। *asantoṣa*—Discontentment.

𑒁𑒮𑒢𑓂𑒞𑒼𑒭𑒲 **असन्तोषी**—वि०। जकरा सन्तोष नहि होइक, जैकरा तृप्ति नहि होइक। (सं०)। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० असन्तोषी, असंतोषी। *asantoṣī—Adj.* Dissatisfied.

𑒁𑒮𑒣𑒞𑒰𑒪 **असपताल**—अस्पताल (दे०) केर अशु० रु०। अम्ब ५५। *asapatāla*— Err. of *asapatāla* (q.v.)

𑒁𑒮𑒣𑒩𑒮 **असपरस**—अस्पर्श केर अशु० रु०। [सं० अस्पर्श] व्य० वि० ११४ (भूतक असपरस जे कहल से फोना हैत से की कहै छी)। *asaparasa*—Err. form o *sparśa.*

𑒁𑒮𑒣𑒱𑒝𑓂𑒛 **असपिण्ड** वि०। जे सपिण्ड नहि हो; एक गोत्रहुँ मे जकरा सँ सात खाढ़ी उपर वा नीचाँ बढ़ि जाय। [सं०]। तु० क० बं०, अस०, ने० असपिण्ड। मिहि० ३६-१२-६ (असगोत्रा असपिण्ड पुनि जकर शरीर निरोग)। *asapinda Adj.*—Not or other than *sapinda.*

𑒁𑒮𑒤𑒪 **असफल** वि०। जे सफल नहि हो। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, असफल। द्विरागमन ५३ (स्वाभाविक वनैबाक असफल चेष्टा करैत बजलाह)। *asaphala—Adj.* unsucessful

𑒁𑒮𑒤𑒪𑒞𑒰 **असफलता**—सफलताक अभाव, हारि, पराजय। (सं०)। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० असफलता। मो० १३४-२५ (असफलताक समीक्षा करैत-करैत हृदय हारि गेल)। *asaphalatā*—Unsuccessfulness.

𑒁𑒮𑒦𑓂𑒨 **असभ्य**—बि० । १ अशिष्ट, जे सभ्य नहि हो २ जे सभा । मे वैसबा योग्य नहि हो । (सं०) । तु० क० हि०, बं०, अस० ने० राज० असभ्य । प्राकृ० असभ *asabhya—Adj.* uncivilised.

𑒁𑒮𑒦𑓂𑒨𑒞𑒰 **असभ्यता**-सभ्यता वा शिष्टताक अभाव । [सं०] । तु० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० असभ्यता द्विरा० १६७ (पान के असभ्यता सूचक बुझि लिपिष्टिक केँ महत्व देबय लगलीह) । *asabhyatā*—Incivility.

𑒁𑒮𑒧 **असम** बि० । जे समान वा तुल्य नहि हो [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस, ने० राज० असम । पुरु० ७ (असम समर संसार विक्रमादित्य) । *asama—Adj.* Inequal.

𑒁𑒮𑒧𑒁 **असमअ**—असमय (दे०) केर रूप। राम० ३५ [असमअ पसि अनला पाप) । *asamaa—Coll* of *asamaya*

𑒁𑒮𑒧𑒘𑓂𑒖𑒮 **असमञ्जस**—१. दुविधा, किंकर्त्तव्यविमूढ़, पेशोपेश २. कठिनाइ । [सं०] । तु० क०, हि०, बं०, अस०, ने० राज०, प्राकृ० असमंजस असमञ्जस । राम० ३६ (असमञ्जस अपयश बन सहब); चन्द्र ८१ (संग्रह असमञ्जस समुदाय); मि० उदा० १५६-२० (ई असमञ्जस देखि उक्त प्रिंसिपल कहलथिन); मो० ६०-१८ (केहन असमञ्जस !); प्रग० ३ (हमरा असमंजस मे पड़ल देखि; कन्या० १२६ (मि० मिश्राकेँ असमञ्जसमे पड़ल देखि) । *asamañjasa* In dilemma.

𑒁𑒮𑒧𑒢𑓂𑒡𑒱𑒏 **असमन्धिक**—बि० । असम्बन्धितक, अशु० रू० । [सं०] । सम्बन्धित नहि रहनिहार । राम० २६२ (असमन्धिक जनकेँ) *asamandhika*—A nonrelative. erform of asambandhika. (q. v.)

𑒁𑒮𑒧𑒨 **असमय**—विपत्तिक समय, अघलाह समय, कुअवसर । [सं०] । तु० क० हि०, बं० ने०, अस०, रा०, अव०, असमय । वि० ने० १४८ (समय न वरिसस असमय मोर); वि० प०१० मजु० १०८ रामभद्रपुर पोथी १८८ (असमय पसि आलाना पाप); गो० श्० १ अमर० २६ (ए धनि दूर करु असमय मान); राम० २०५ असमय ज्ञान धर्म्म ही लोप); चन्द्र० २०८ (परिहरु मानिनि असमय मान); मि० २४७ (पद्मावती साहेबक असमय ओ अज्ञान अनवरत मेला सँ ओहू ठामसँ मन उछटलैन्ह); नव ७१ (बाप असमय ये मुइल रहइक); शतदल १८ (जल बनि असमय मे देत बना) । *asmaya*—Bad times.

𑒁𑒮𑒧𑒩𑓂𑒟 **असमर्थ**—बि० । १. सामर्थ्यहीन, निर्बल, २. अयोग्य । [सं०] । तु० क० हि०, अस०, ने०, राज० असमर्थ । मै० हि० सा० (३-४) ३० (सर्वथा असमर्थ रहै छथि); मो० १००-६ (असमर्थ पुरुष कदापि विवाह नहि करथि); रुद्र० ३३ (भोग करबामे असमर्थ भ गेलाह); प्रग० २७ (जमाय असमर्थ भ गेलाह); द्विरा० २३ (स्त्री अबला ओर आत्मरक्षामे असमर्थ छथि); । *asamartha—Adj.* weak, incompetent.

𑒁𑒮𑒧𑒮𑓂𑒞 **असमस्त**—बि० । सम्पूर्ण नहि, खण्डशः । [सं०] । मि० मा० प्र० ३३ । *asamasta—Adj.* Not all, incomplete.

𑒁𑒮𑒧𑒮𑒰𑒢 **असमसान**—समसान (दे०) केर बा० रु० [सं० श्मशान] । ग्रि० । *asamasāna*—Coll of śmasāna (q. v.)

𑒁𑒮𑒧𑒰𑒡𑒹𑒨 **असमाधेय**—बि० । जे समाधान करबा योग्य नहि हो । [सं०] । मि० ४३३ (अपन अपन प्रश्न असमाधेय जानि ठेकनौने स्वदेशसँ लबैत छलाह) । *asamādheya—Adj.* Insolvable.

𑒁𑒮𑒧𑒰𑒢[1] **असमान**[1]—आसमान (दे०) केर ग्रा० रू० । मि० २७८; B. P. L 385; पारो ३३ (फेर असमान दिस ताकड लगलहुँ) । *asamāna*[5]—Folk f. of *āsamāna* (q. v.)

𑒁𑒮𑒧𑒰𑒢[2] **असमान**[2]—बि० । समान नहि, छोट-बा बैध । *asrmāna—Adj.* not identital, but less or more.

𑒁𑒮𑒧𑒰𑒢𑒲 **असमानी**—आकाशक नीलिमा सदृश रंग । [असमान+ई] । -य० वि० २६६ (असमानी रंग) । *asamānī*—Colour corresponding to that of the sky, agu e.

𑒁𑒮𑒧𑒰𑒢𑒹 **असमाने**—असमान (दे०) केर का० रु० । राम० ७७ (संग कलंक हुअओ असमाने) । *asamāne*—Poet f. of *asamāne* (q. v.)

𑒁𑒮𑒧𑒰𑒯𑒱𑒞 (𑒯𑒴𑒞𑒼) **असमाहित (हूतो)**—बि० । चंचल, अस्थिर, असावधान, एकाग्रतासँ रहित चित्त । [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, असमाहित । उपनिषद दीपक ११; मि० ४३५ *asamāhnt*—Emph. form of *asamāhita* (q. v.)

𑒁𑒮𑒧𑒲𑒣 **असमीप**—बि० । जे लग नहि हो, दूर । [सं०] । नि० भा० वि० ४८ । *asamīpa—Adj.* Not near distant.

𑒁𑒮𑒧𑒳𑒢𑒱 **असमुनि**—एक मुनिक नाम । [सं०] । वर्ण ५३ (जेठलीक असमुनि अइसन कान) । *asamuni*—Name of a sage.

𑒁𑒮𑒧𑒹𑒡 **असमेध**—अश्वमेध (दे०) केर का० रु० । बि० पदा० मजु० ८. बं० सा० प० पत्रिका १३०१ पृ० ३० न० गु० ०. अ० १००७ (राजसूय असमेध जहाँ) । *asamedha—Poet* of *aśvamedha* (q. v.)

𑒁𑒮𑒧𑓂𑒣𑒳𑒭𑓂𑒙𑒱 **असम्पुष्टि**—सम्पुष्टिक अभाव [सं०] । मै० ग० संग्रह ११ । *asampuṣṭi*—Absence of confirmation.

𑒁𑒮𑒧𑓂𑒥𑒠𑓂𑒡 **असम्बद्ध**—बि० । परस्पर सम्बद्ध नहि, फराक-फराक [सं०] तु० क० अस० असम्बद्ध । शिव प्रसाद ११; मृच्छकटिक १६३; रुद्र० १० (ततेक असम्बद्ध नहि) । *asambaddha*—*Adj.* Unrelated, out of context.

𑒁𑒮𑒧𑓂𑒦𑒫 **असम्भव**—बि० । जे सम्भव नहि अछि, जे होअएवला नहि अछि । [सं०] । तु० क० हि०, बं० ने० असम्भव । वि० पदा० मजु० १३७, न० गु० तालपत्र ३०, अ० २६ (अरथ असम्भव केँ पातआए); राम० १६८ (युद्ध असम्भव असुरसौं नहि होइछ मन थीर); पुरु० १६७ (सपरिवारक दूर गमन असम्भव; मि० उदा० १५८-१२ (लिखय असम्भव बुझि पड़ैछ); मो० ६६-१५ (समावेश होएबो

असम्भव): पारो ४८ (हाय धक अनितवीन ऐ **असम्भव**)। *asambhava—Adj.* Impossible.

अ॰सम्भावित **असम्भावित**—वि सम्भावना रहित। [सं०]। तु० क० असa०, **असम्भावित**। मि० २४३ (असमथ ओ असम्भावित आशाक अनवरत मेलासँ ;)। *asambhāvita—Adj,* Improbable

अ॰सम्मत **असम्मत**—वि०। १ विरुद्ध, प्रतिकूल। [सं०] तु० क० हि०, बं०, ने० **असम्मत**; असa० आसैमात। कपाल कुण्डला परिच्छेद २। *asammata—Adj.* Opposed, unacceptable.

अ॰सम्मति **असम्मति**—१ सम्मतिक अभाव, विरुद्ध मत, २ अनादर, अश्रद्धा। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, ने० **असम्मति**। (हमरा अहाँ पर बड़ असम्मति भ गेल)। *asammati.*—Loss of faith.

अ॰समरन **असमरन**—स्मरण (दे०) केर ग्राम्य रूप। [सं० स्मरण FML 120]। *asamarana*—Folk form of *smaraṇa* (q. v.)

अ॰सम्वादित **असम्वादित**—वि०। अतुलित। [सं० असंवादित]। मिथिला २-४६ (बङ्गला भाषा एवं साहित्यक असम्वादित आदि कवि एवं अनमोल रत्न रहताह)। *asamvādita—Adj.* Unparalleled.

अ॰सयान **असयान**—वि०। चतुर नहि, [अ+सयान]। तु० क० बं० **असयान**। वि० प०। मजु० १३०, मिथिला न० गु० ७२६, अ० ७२४ (नागर भइ पहु भेल असयान)। *asayāna—Adj.* Unskilful.

अ॰सर **असर**—प्रभाव, चिन्ह, गुण। [अर]। तु० क० हि०, ने० **असर**। खट्ट० ६६ (बातमे लुत्तीक असर रहैत अछि)। *aasar*—Result, sign.

अ॰सरण **असरण**—अशरण (दे०) केर बा० रु०। एकावली परिणय १७। *asaraṇa—Coll.* of *aśaraṇa* (q. v.)

अ॰सरन **असरन**—असरण (दे०) केर वि० रुप। वि० पदा० मजु० १०५ असरन सरन चरन सिर नाओल ; गौरी परिणय (असरन सरन सकल भय सुनिअ दुख नाशन एक बौल)। *asarana—Alt. asaraṇa* (q. v.)

अ॰सरफी **असरफी**—सोनाक बनल सिक्का। [फा॰]। मि०। तु० क० ने० **असर्फी**; असa० आचरफि। *asarāphī*—Golden coin

अ॰सरस **असरस**—वि०। १ सरस नहि, शुष्क, तु० क० नीरस। [सं०]। स्मृति कथा १४। *asarasa—Adj.* Without relish or charm.

अ॰सरा[1] **असरा**[1]—आसरा (दे०) केर ग्रा० रु०। मि० १३ (नाहर जकाँ आनक असरा धए चलैत छथि)। *asarā*[1]—Folk form of *āsarā* (q.v.)

अ॰सरा[2] **असरा**[2]—लक्कीक उपरका भाग। [सं० शिरः < सिरा, सीरा, सरा]। तु० क० उ०, बं० **असरा**। *asarā*[2]—Top part of a wooden log.

अ॰सरा[3] **असरा**[3]—आसाम देशक कछारमे उत्पन्न होअएवला एक प्रकारक धान। [सं० आषाढीय]। *asarā*[3]—A kind of paddy which is grown in Assam.

अ॰सराएब **असराएब**—क्रि०। धातुकेँ ठोकि ठोकि कए पसारब (दी०)। [अ+सं० सारय् > सरा + एब, धात्वन्त प्रत्यय]। *asarāeba—V.* lengthening of a metal piece by beating it

अ॰सरेखा (अ) **असरेखा (अ)**—असलेखा (दे०) केर विक० रु०। डाकवचनामृत १४ BPL 1082; अपूर्व रसगुल्ला १। *asarekhā* (Sa)—Alt. form of *aśleṣā* (q.v.)

अ॰सर्ध **असर्ध**—वि०। १ जकरामे नीक आचार-विचारक प्रति श्रद्धा नहि होइक। २. घृणित, जकरा पर श्रद्धा नहि होयत। [सं० अश्रद्धा]। चित्रा ३३ (बुभि पड़थिन्ह असर्ध जकाँ)। *asardha—Adj.* Disgustling, repulsive

अ॰सल **असल**—वि०। १. सत्य, ठीक २. श्रेष्ठ, पैघ, ३. शुद्ध, बिना मिलावटिक। [अर० अस्ल]। तु० क० हि० बं०, असa०, ने०, म० **असल**। वर्ण २३ (अनेका **असल** वाक्य बोलइतै आह); पुरु० १७ (क्षत्रधारी क्षत्री **असल**); पारो १३ असल बात पीसीसँ ज्ञात भेल); नव० २ (**असल** खेतो रहइन्हि पण्डितक विद्या सएह); *asala—Adj.* True, pure, authentic.

अ॰सलाण(न) **असलाण(न)**—राजा कीर्त्ति सिंहक समकालीन मुसलमान राजा . नाम। कीर्त्तिलत. ३७ (जेहीँ तोहेँ तहाँ **असलान** कीर्त्तिलता ३६ (पकलि दौभी असलाण गइ)। *asalāṇa* (na)—A muslim king contemporary of Raja Kirttisimha.

अ॰सलिअ(य)त **असलिअ(य)त**—१ वास्तविकता, तथ्य २ मूल कारण। [आर० अस्लियत]। तु० क० उर्दू **असलियत**। (वस्तुक **असलियत** पर मनुष्यक ध्यान नहि जाइछ)। *asalia (ya) ta*—Reality, main reason.

अ॰सलिल **असलिल**—अश्लील (दे०) केर अशु० रु०। मिहिर ४०८२०–२६ (बजबैत गीत असलिल गबैत)। *asalile*—Err. form of *aślīla* (p.v)

अ॰सली **असली**—वि०। १ सत्य, ठीक, विशुद्ध २ मूल, प्रधान [अर० अस्ली]। तु० क० हि०, उर्दू० असली। प्रण० १७ (**असली** चौर बजारसँ मगा दिऔन्ह)। *asalī—Adj.* Appropriate, pure, significent.

अ॰सले **असले**—असल (दे०) केर निश्च० रुप। प्रण० १५७ (असले वस्तु छुटि गेल); कन्या० ६५ **असले** सत्ययुगी अवतार)। *asale—Emph.* of *asala* (q. v.)

अ॰सलेखा **असलेखा**—अश्लेषा (दे०) केर ग्रा० रु०। BPL 108। *asalekhā*—Folk form of *aśleṣā* (q. v.)

अ॰सवर्ण **असवर्ण**—वि०। भिन्न वर्ण वा जाति केर। [सं०]। तु० क० हि०; बं०, असa०, ने०, राज०, अव० असवर्ण। व्यवहार

वि० १३६; शकुन्तला ना० ११ । *asavarṇa—Adj.* Of a different caste, loss, *Caṇḍāla*.

𑒁𑒮𑒫𑒰𑒩 **असवार**—वि० । कोनो सवारी वा पशुपर चढ़ल व्यक्ति । का० रू० [सं० अश्ववार > अस्सवार > असवार] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० असवार । वर्ण० ३२ (एक असवार देखुआह); कीर्तिलता ५२ (आस पुरावह असवार कइ); ऐ० ८८ (असवार चलन्ते पाअ धलन्ते पुहवी भए जा छोटी); मन० ४४ नेरुक पिठि नारद असवार); राम० २१० (बहुत पदाथि अश्व असवार); चन्द्र १०० (हर बूढ़ बड़द असवार); गौरी परिणय (बूढ़ बड़द असवार दिगम्बर की देखिवइलह ताही); मै० लोक गीत ३३४ । *asavāra—Adj.* P. F. Driver, rider.

𑒁𑒮𑒫𑒰𑒩𑒢𑓂𑒯𑒱 **असवारन्हि**—असवार (दे०) केर बहुवचन रूप । वर्ण० ३५ (असवारन्हि के विलन्हञ) । *asavāranhi*—Horsemen.

𑒁𑒮𑒫𑒰𑒫(𑒥) **असवाव(ब)**—सामान, वस्तु, । [अर०] । वि० व० ४० (सिजिल कयल असवाव); कन्या० ७० (ओहिगे असवाव रखबावय लगलाह); रंग ६७ (हुनक कुली असवाव लय हमरा लग ठाढ़); ढिरा० ११६ (हम एसगरे सभ असबाबो चढ़ा लेब); ससरफानी २७ । *asavāva(ba)*—Luggage.

𑒁𑒮𑒫𑒰𑒬𑒪 **असवाशल**—क्रि० । का० रू० । आश्वासन देल [सं० आश्वासन] । गो० शृं० २ अमर २३ (गोविन्द दास मिसहि असवाशल अवपु न नोलल कान) । *asavāśala—V.* Poet F. consoled.

𑒁𑒮𑒫𑒰𑒮 **असवास**—वस्त्रादि । का० रू० । [सं० वास] वि० पदा० मञ्जु० १०८, रामभद्रपुर पोथी १८८ (साजनि अबकैत देह असवास) । *asavāsa*—P. F. Garments.

𑒁𑒮𑒮𑒢 **असमन**—वि० । एहन सन, एहन सन कम [सं० अस्य > अस + सं० सम > सन] । चन्द्र ७५ (असमन व्रत नहि) । *asasana—Adj.* of this likely kind.

𑒁𑒮𑒯 **असह**—वि० । नहि सहबा योग्य, असाध्य [सं० असह्य] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, असह । वि० पदा० मञ्जु० ३६५ (हिय नहि सहय असह दुख रे); गो० शृं० १ अमर० ६१ (समर शर सम शर शशिकर, सशिकर असह सहय तनु शेषे); राम० १६३ (असह विपति विच कंसक घातक); मै० हि० सा० ३ (२-३) (पतित लोकक असह दुर्दशा); शतदल २ (रखलें नुकाय ई असह क्लान्ति) । *asaha—Adj.* Unbearable.

𑒁𑒮𑒯𑒨𑒼𑒑 **असहयोग**—संग मिलिकए कार्य नहि करबाक भावना । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज०, असहयोग मि० उद० १५८-७ (आब असहयोगक वायु चलाओल अछि) । *asahayoga*—Non-cooperation.

𑒁𑒮𑒯𑒨𑒼𑒑𑒱𑒞𑒰 **असहयोगिता**—सहयोगीक अभाव, वा विरोध होएब । [सं०] । मि० १११ (परिवारसँ श्रोत्रियलोकनि असहयोगिता कै हुनका बारि देल) । *asahayogitā*—Absence of cooperation.

𑒁𑒮𑒯𑒨𑒼𑒑𑒲 **असहयोगी**—वि० । जे असहयोग करए । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०; राज० असहयोगी । मि० उद० १५६-१५ (दीसर दिश असंख्य असहयोगी) । *asahayogī—Adj.* Non-cooperator.

𑒁𑒮𑒯𑒰𑒖 **असहाज**—वि० । असाध्य (दी०), जे सहाज वा सह्य नहि कएल जाए सकए । [सं० असह्य] । *asahāja—Adj.* Intolerable.

𑒁𑒮𑒯𑒰𑒢𑒳𑒦𑒴𑒞𑒱 **असहानुभूति**—सहानुभूतिक अभाव । [सं०] । *asahānubhūti*—Absence of sympathy.

𑒁𑒮𑒯𑒰𑒨 **असहाय**—वि० । जकर केओ सहाय नहि होइक, निराश्रित, अनाथ । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० असहाय; उ० असाहा । राम० ११० (सीता नहि जानय असहाय); राम० २५० (चिन्तातुर रावण असहाये); एकावली परिणय १२६; मो० ८७-६ (दीन-दुखी असहाय) । *asahāya—Adj.* Helpless.

𑒁𑒮𑒯𑒱𑒭𑓂𑒝𑒳 **असहिष्णु**—वि० । जे सहन नहि कए सकए, असहनशील । [सं०] । तु० क० हि०, बं० अस०, ने०, राज० असहिष्णु । मि० उद० १५०-२१ (असहिष्णु भए संगीसँ कहलन्हि); नव० ६८ (आधुनिक युग दिश हुनक नजरि असहिष्णु नहि होइन्ह) । *asahiṣṇu—Adj.* Intolerant.

𑒁𑒮𑒯𑒲-𑒠𑒳𑒮𑒯𑒲 **असही-दुसही**—वि० । जकरा दोसराक नीक देखल नहि जाय, नीक सँ नीक वस्तुकेँ दुसि देनिहारि । अधिकतर एकर प्रयोग स्त्रिगणक लेल होइत अछि । (हेपा दीदी आजुक नहि सबदिनक असही-दुसही थिकी); मै० लोक गीत १३३ । *asahīdusahī—Adj.* A habitual fault-finder (esp. a woman)

𑒁𑒮𑒯𑓂𑒨 **असह्य**—वि० । सहन नहि करबा योग्य, असहनीय । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, ने०, राज० असह्य । राम० १७५ बुरला वस्तु असह्य विचारि); महेश० ३४ (असह्य आधि व्याधि कर्म;) (मो० १००-१३ (असह्य भए जाइछ); नव० ५ (बाबूकेँ असह्य बुझि इतैन्ह कोनो कोठलीमे बन्द कर देताह) । *asahya—Adj.* Unbearable.

𑒁𑒮𑒰𑒃 **असाइ**—कीटविशेष (दी०); पशु आदिक घाओ पर माछी द्वारा छोड़ल गेल एक प्रकारक पिलुआ । [उर्दू अंशाइ] । (महिसक घाव पर असाइ बहुत विशेष पड़ि गेलैक अछि) । *asāi*—An insect.

𑒁𑒮𑒰𑒜𑓃𑒲𑒏𑒼𑒩(𑒢) **असाढ़ीकोर(न)**—आषाढ़ मासक कोड़नि वा कमैनी । [आषाढ़ + कोड़व] B.P.L 1009, 866 । *asāḍhīkora(na)*—A special hoeing in the month of *āsāḍha* (q. v.)

𑒁𑒮𑒰𑒠𑓂𑒡 **असाद्ध**—वि० । असाध्य (दे०) केर ग्राम्यरूप । तु० क० उर्दू असाद्ध । *asāddha—Adj.* folk form of *asādhya* (q. v.)

𑒁𑒮𑒰𑒡 **असाध**—वि० । असाद्ध (के०) केर विकल्प रूप । अप्रतीकार्य (दी०) । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० असाध । *asādha—Adj.* Alt. form of *asāddha* (q. v.)

असाधन असाधन—वि० । साधन सँ भिन्न, जे साधन नहि हो । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, असाधन; प्राकृ० असाहण । *asādhana—Adj.* That which is not the means.

असाधारण असाधारण—वि० । जे साधारण नहि हो, असामान्य । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, ने०, अस० असाधारण; प्राकृ० असाहारण । प्रय० ३ (ई कैओ असाधारण व्यक्ति थिकाह) । *asādhāraṇa—Adj.* Extraordinary.

असाधु असाधु—वि० । १ साधु नहि, २ दुर्जन, अनुचित, ३ अशिष्ट । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० असाधु । राम० १४१ (साधु असाधु करु मन ज्ञात); चन्द्र १०३ (साधु असाधु हृदय मन पूरल); मिहि० ४०–१–७ (असाधु संसर्गक पाप नाश लै उपाय प्राणान्तक कष्ट संगमे) । *asādhu—Adj.* Not Saintly, incorrect usage.

असान असान—वि० । किछु कम (दी०) । असाओन सेहो वा० रू० होइछ (दी०) । [हि० आसान] । *asāna—Adj.* Easy.

असामञ्जस्य असामञ्जस्य—सामञ्जस्यक अभाव । [सं०] । साहित्य पत्र १–१४ । *asāmañjasya*—Absence of goodwill.

असामयिक असामयिक—वि० । जे समय पर नहि होअए; प्रसङ्गक विरुद्ध वा अननुकूल । [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० असामयिक । मि० उद० १५७–२५ (असामयिक पितृकरण महाविघ्न भए गेलन्हि); मो० १४७–६५ (कलानन्द सिंहक असामयिक मृत्यु सँ बड़ चति भेल अछि) । *asāmayika—Adj.* Untimely, out of context.

असामर्थ्य असामर्थ्य—१. दुर्बलता २. समुचित शक्तिक अभाव । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० असामर्थ्य । पुरु० ८१ (बालकक प्रति पालन असामर्थ्यसँ माता लागि गेलथिन्ह) । *asāmarthya*—Weakness, inability.

असामान्य असामान्य—वि० । जे सामान्य वा साधारण नहि हो, असाधारण । [सं०] । तु० क० हि०, अस० असामान्य । नव० १२ (व्यक्ति ओ कोनो असामान्य थिकाह) । *asāmānya Adj.*—Extraordinary.

असामी असामी—रैयति, मालगुजारी दए जमीन जोतनिहार । [अर० आसामी] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, उर्दू असामी । महेश० ५१ (बंधुआ विवश असामी); प्रय० १८ (असामीसभक डरे घोतीमे लगही करैत छैक); द्विरा० १७६ (ककरो असामी छैक जे तार पढ़िकए हाजिर भए रहैत) । *asāmī*—A tax-paying tiller of the land (esp. of a landlord).

असार असार—वि० । १. बिनु तत्त्वक, साररहित २. शून्य ३. खाली, तुच्छ ४. कमजोर, निर्बल ५. दरिद्र ६. सारिलसँ भिन्न (दी०) । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, ने०, अस०, राज०, पा० असार । वि० पदा० मजु० ७८ रामभद्रपुर पोथी पद ३११ (सानिनि मन्दिर भेल असार); वि० वि० ३३ (सुत मित धन जन सकल असार); राम० ८० (ई संसार असार सर्वदा); महेश० ७५ (ई असारमे मोहित); मि० उद० १५८–१८ (ई शरीर धिक परम असार) । *asāra—Adj.* Worthless, poor.

असार-पसार असार-पसार—वस्तुसभकेँ पसारब, पसारल वस्तुजात । [सं० अ + सारयति > सारअइ > सारइ > सार + प्रसारयति > पसारइ > पसार] । *asāra-pasāra*—Lay-out.

असारब असारब—क्रि० । पीटि कए चाकर बनाएब (दी०) । [अ + सं० सारयति > सार + अब धात्वन्त प्रत्यय] । *asāraba—V.* To lengthen (a piece of metal etc.) by beating.

असारे असारे—असार (दे०) केर निश्च० रू० । पुरु० २६८ (स्वर्गक सौख्य असारे) । *asāre*—Emph. form of *asāra* (q. v.)

असावधान असावधान—वि० । जे सावधान किम्बा सचेत नहि हो । [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० असावधान । पुरु० २११ (सखाक वचन सौं असावधान भए गेलहुँ); मि० २४२ (बहुत काल असावधान रहैत छथि; वेकफिल्डक पादरी ३८ । *asāvadhāna—Adj.* Inattentive, careless.

असावधानी असावधानी—प्रमाद, बेफिकिर रहनाइ, [सं० असावधानता] तु० क० हि० बं० अस०, ने० असावधानी । कन्यादान १४ (फुलमतिआक असावधानी सुनि लालकाकी अपन फुचुकरानीक मन बहलावथि) । *asāvadhānī*—Carelessness.

असाहित्य असाहित्य—१. सहयोगक अभाव २. संग नहि रहब, फराक रहब । [अ + साहित्य] । पुरु० १६६ (हमरा पुत्र सभजनक असाहित्य कदापि नहि कएल जाए) । *asāhitya*—Separateness.

असि असि—तरुआरि, खड्ग । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०; पा०, ने०, अव० असि; प्राकृ० ओइय । वि० पदा० मजु० २९९ (ई जदि असि कि कसि कइ काटी); राम० ३५६ (अपन सज्ज रहु असि लए हाथ); शतदल १३ (असि की भेल ज्ञानक) । *Asi*—Sword.

असिआ असिआ—असि (दे०) केर का० रू० । चन्द्र० ४४ (पहिलैं भल लागइ क्यो असिआ) *asiā*—Poet. form of *asi* (q. v.)

असिआस असिआस—अत्यायास (दी०), थाकनि । [सं० अत्यास] । *asiāsa*—Excessive effort (esp. tiredness as a result of it).

असिआ सै असिआ सै—एकसए अस्सी । [सं० अशीत्यधिकशत] । (FML 870) । *asiā sai*—One hundred and eighty.

असिक असिक—ओष्ठ आ ठुड्डीकेर मध्यकेर भाग । [सं०] । तु० क० हि०, अस०, बं० असिक । बीर प्रसून ३३ । *asika*—The part of the face between the lower lip and the chin.

असिढाक डार असिढाक डार । (?) वृन्दा विशेष (प्रायः ढाकक प्रभेद) केर ठारि । [असि + ढाक + डार] । वर्षा० ५२ (असिढाक डार अहसन वाह) *asiḍhāka ḍāra*—(?) Branch of a *ḍhāka* (q. v.) tree.

अस्ति **असित**—वि० जे उज्जर नहि हो, कारी । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० असित । प्राकृ० असिअ । अमर ३४ (कृष्ण नील असित श्याम); मि० उदा० १५७-६ (असित हृदय धिक के) । *Asita—Adj.* Black.

असिताङ्ग **असिताङ्ग**—वि० । १. कारी शरीरवला २. कारी अंगक । [सं०] । तु० क० हि० असिताङ्ग; ब०, ने० असिताङ्ग । वर्ण० असिताङ्ग रुक कोनु । *asitāṅga—Adj.* Whose body is black.

असिद्ध **असिद्ध**—वि० । १. जे सिद्ध व सिजहल नहि हो, पाकल नहि, काँच २. अकृत ३. निष्फल, व्यर्थ ४. अप्रमाणित । [सं०] । तु० क० हि०, ने० असिद्ध; बं० आसिजा; उ० असिष्मा । *asiddha Adj.*—Unboiled, immature.

असिद्धि **असिद्धि**—असफलता, अपूर्णता, अप्राप्ति । [सं०] । तु४ क० हि०, बं०, अस०, ने० असिद्धि । पुरु० ८२ (इच्छित कार्यक विषय असिद्धि) । *asiddhi*—Incompleteness, non-attainment.

असिधारा **असिधारा**—तरुआरिक धार वा तादृश भयप्रद कोनो विषय । [सं०] । तु० क० हि०, अस०, ब० असिधारा। द्विरा० १६४ (किन्तु एहन असिधारा व्रतक पालन करक हेतु) । *asidhārā*—Edge of a sword.

असिधारिणी **असिधारिणी**—वि०, स्त्री० । तरुआरि वा खड्ग धारण करनिहारि । [सं०] । प्रण० १६६ (असिधारिणी दुर्गा जकाँ महिषासुर मर्दन करू) । *asidhāriṇī—Adj.* (A woman) carrying sword

असिनहट **असिनहट**—आसिन (दे०) ओ तत्समीपक समय (दी०) । (आसिन + आहट) (एहिबेर असिनहट धरि वर वान्हवाक विचार कय रहल छी) । *asinahaṭa*—The month of āśvina or the period or time immediately before and after it.

असिनी **असिनी**—आसिन (दे०) केर अशु० रू० । अथवा आसिन सम्बन्धी (ग्राम्य रू०) । [सं० आश्विन] । FML 80 । *asinī*—Erratic form of *āsina*, Folk Form for something conerning *āsina* (q. v.)

असिलाए **असिलाए**—अलसाए (दे०) केर क्रा० रू० । अथवा अरुआएब, मलिन होएब । तु० क० अलसाएब । वि० ने० (परसे जाए असिलाए) । *asilāe*—To wither up, P. form of *alasāe* (q. v.)

असिलाएल **असिलाएल**—असिलाए (दे०) केर भूत रू० । वि० पदा० मजु० ६८ तालपत्र न० गु० ३७१, अ० ३६८ (सरोवर साँसे कमल असिलाएल) । *asilāela*—Past tense form of *asilāe* (q. v.)

असी **असी**—क्रि० वि० । एहन । तु० क० लु० रू० अइसन । वि० पदा० मजु० १८६ नेपाल २४० पृ० ८६ (कथा असी कथा ओसी पारि ओ आरि बासा) । *asī—Adv.* such.

असीत **असीत**—वि० । उष्ण, शीत वा ठण्ढा नहि । [सं० अशीत] । राम० ३४६ (असीत बिलास) । *asīta—Adj.* Not cold, hot.

असीतर **असीतर**—वि० । अस्सीसँ किछु कम वयसक लोक (दी०) । [अस्सी + तर] । *asītara—Adj.* A person less than eighty years of age.

असीति **असीति**—वि० । अस्सी । [सं० अशीति] । रस निर्भरणी ३५ । *asīti—Adj.* Eighty.

असीम **असीम**—वि० । १. सीमारहित २. अनन्त ३. अपार, अगाध । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० असीम । मि० २७४ (श्रीमान्क असीम कृपासँ ब्राह्मण मानल जाएव) । *asīma—Adj.* Unlimited.

असीमित **असीमित**—वि० । १. जे सीमित नहि होअए । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० असीमित । मधु० ३४ । *asīmita—Adj.* Unlimited.

असीश(ष)(स) **असीश(ष) (स)**—आशिष दे० केर का० रू० । गोरक्ष विजय १२ (क) (सेवा अरजहुँ देहु असीष); मि० उद० १५८-२० (मिथिला करथि असीस) । डा० उ० ना० ति० २५१ असीस । *asīśa* (ṣa) (sa)—Poet. form of *āśiṣa* (q. v.)

असु **असु**—१ प्राण २ प्राणवायु ३ चित्त ४ जल ५ विचार ६ हृदय ७ वेदना, गरमी, ताप । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस० असु । वि० पदा० नगु १६०, रामभद्रपुर पोथी पद ४१० (अनल फुकिअ हेरि असु) । *asu*—Breath, life.

असुआ **असुआ**[1]—असुआएब (दे०) केर संक्षिप्त रुप । तु० क० असुआ = (मार: असुआ गेल आब ओ सिद्ध नहि होयत) । *asuā*—१ Short form of *asuāeba* (q. v.)

असुआ **असुआ**[2]—आंउस (दे०) केर विक० रुप । एक प्रकारक भदइ धान । *asuā*[2]—Alt. form of *āsu* (q. v.)

असुआएब **असुआएब**—क्रि० । अत्यन्त शान्त भए पड़ि रहब [सं० असु विपरीतार्थक] (भरि दिनक थाकल मारल साँझे असुआ कए पड़ि रहैत छथि) । *asuāeba*—V. Lying down tired, lifeless.

असुआएल **असुआएल**—वि० । असुआएब (दे०) केर भू० रू० । गाढ़ निद्रामे पड़ल । राम० १३३ (असुआएल अछि तें नहि जाए); नवग्र ४५: क० कू० ६८ । *asuāela—Adj.* Tired or exhausted.

असुजन **असुजन**—वि० । का० रू० । अस्वजन । तु० क० असौजनिया । एक दोसरासँ सम्बन्ध विच्छेद । [सं० अ + स्वजन] । मन० ३६८ (कौन कएन एहो असुजन) । *asujana—Adj.* One who is not a relation.

असुस्त **असुस्त**—वि० । दुःखित, रोगी । लु० रू० । [सं० अस्वस्थ] । अकबरनामा २५ । *asusta—Adj.* Unwell.

असुस्ताह **असुस्ताह्**—वि० । किछु दुखित, किंचित् दुःख युक्त (दी०) । [अस्वस्थ + आह] । *asustāha—Adj.* A little unwell.

𑒁𑒮𑒳𑒢𑓂𑒠𑒩 **असुन्दर**—वि०। सुन्दर नहि, अधलाह। [सं०]। ज्वाला ६६। *asundara*—*Adj.* Not beautiful.

𑒁𑒮𑒳𑒧𑒰𑒩 **असुमार**—वि०। अत्यधिक, अगणित। [फा०]। तु० क० बेशुमार। अम्ब चरित १६५। *asumāra*—*Adj.* Countless.

𑒁𑒮𑒳𑒩 **असुर**—१ दैत्य, राक्षस २. नीचवृत्ति, कायर ३. पृथ्वी, ४. सूर्य ५. मेघ। [सं०]। मन० ४४ (एहि **असुरक** डर इन्द्र डराथि); श्रीकृष्णकेलिमाला १४ (सुनु सुनु अधम **असुर** रे); राम० ६७ (**असुर** भयंकर समर विरुद्ध); खट्ट० ११६ (जहां **असुर** सभ चढ़ाई करैन्ह)। *asura*—Demon.

𑒁𑒮𑒳𑒩𑒰𑒩𑒱 **असुरारि**—असुरक शत्रु, देवता। [सं०] तु० क० हि०, बं०, ने०, अस० असुरारि। राम० २६ (अपनहि सौँ **असुरारि**) *asurāri*—Enemy of demons, god.

𑒁𑒮𑒳𑒩𑒰𑒪𑒲 **असुराली**—असुरक समूह। [सं०]। एकावली परिणय १३१। *asurālī*—Group of demons.

𑒁𑒮𑒳𑒩𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 **असुरेन्द्र**—असुरसभहिक राजा, असुर सभहिमे श्रेष्ठ। [सं०]। तु० क० प्राकृ० **असुरिन्द**। राम लाल दास० २१५। *asurendra*—King of the demons.

𑒁𑒮𑒳𑒩𑒹𑒬 **असुरेश**—असुरक ईश वा राजा। [सं०]। राम० ६७ (दशमुख बिश भुज दस **असुरेश**)। *asureśa*—King or lord of demons.

𑒁𑒮𑒳𑒪𑒦 **असुलभ**—वि०। जे सुलभ नहि हो, कठिन। [सं० अ+सुलभ]। दिनमणि ४। *asulabha*—*Adj.* Inaccessible.

𑒁𑒮𑒳𑒫𑒱𑒡𑒰 **असुविधा**—असौकर्य, कठिनता। [सं०]। *asuvidhā*—Hardship, inconvenience.

𑒁𑒮𑒴𑒞𑒰 **असूता**—वि०। प्रसव रहिता (स्त्री), बाँझ। [सं०]। रंग० १२५ (असूता प्रसूता बनि गेलीहि)। *asūtā*—*Adj.* Issueless (woman).

𑒁𑒮𑒴𑒨𑒰 **असूया**—१. असहिष्णुता २. दोसराक गुणमे दोष देखब ३. क्रोध। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, ने०, अस० **असूया**। वर्ण० ४६ (असूया मद श्रम आलस्य); मालविकाग्निमित्र ४६; मि० वि० १ (न कि **असूया** वा अवहेला); मो० १४४-३६ (गर्व **असूया** उग्रता व्यभिचारी)। *asūyā*—Envy.

𑒁𑒮𑒴𑒩 **असूर**—असुर (दे०) केर का० रुप मन० २ (अमर समर जत जूझत असूर)। *asūra*—Poet. form of *asura* (q.v.).

𑒁𑒮𑒴𑒪 **असूल**—ओसूली, कर आदि केर प्राप्ति। [अर० उसूल]। तु० क० हि०, बं०. अस०, ने० असूल। नव ८७ (**असूल** तहसील लए हम एकटा खाता आओर खोलल)। *asūla*—Collection.

𑒁𑒮𑒹𑒮𑒩 **असेसर**—१. ओ व्यक्ति जे जजक फैसलामे विचार देबाक हेतु चुनल जाइछ २. कर लगओनिहार ३. ओ व्यक्ति जे बही-खाता जाँचि कए रकम निश्चित करैछ। [अं० असेसर]। तु० क० हि० **असेसर**। पारो ४३ (जमादार **असेसर** कोतवाल सभ त्रुटि क पहुँचलैन्ह); सहोदर १२; त्रिवेणी २६। *asesara*—Assessor.

𑒁𑒮𑒼𑒏 **असोक**—वृक्ष विशेष (दे०)। का० रू०। [सं० अशोक]। FML, ग्रि०। *asoka*—P. F. A kind of tree.

𑒁𑒮𑒼𑒐 (𑒐𑒰) **असोख (खा)**—वि०। बिचार शून्य, धृष्ट। [फा० शोख]। तु० क० निशोख। मै० लो० गीत ७७। *asokha* (*khā*)—*Adj.* Impudent.

𑒁𑒮𑒼𑒑 **असोग**—अशोक (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मञ्जु० १०६, तालपत्र न० गु० ६१३, अ० ६१६, । (अरुन **असोग** दीप दहु आनि)। *asoga*—*P. F.* of *aśoka* (q.v.).

𑒁𑒮𑒼𑒡𑒰𑒩𑒰 **असोधारा**—दहोबहो, बहइत नोर। [सं० अश्रु+धारा]। तु० क० बसोद्धारा। पारो ४ (असोधारा नोर बहल चल जाइत)। *asodhārā*—Unending flow of tears.

𑒁𑒮𑒼𑒩𑒰 **असोरा**—घरक बाहरक हिस्सा वा भाग, बरंडा। [सं० आश्रय, प्रसर]। तु० क० असओरा, ओसारा, ओसार। *asorā*—Out side portion adjacent to a living room, verandah.

𑒁𑒮𑒾𑒏𑒩𑓂𑒨 **असौकर्य**—सौकर्यक अभाव, असुविधा। (सं० सौकर्य]। पुरु० ५० (असौकर्य नहि पाब); मिहिर ४१•११-१७ (प्रेसक **असौकर्यसँ** असम्भवप्राय अछि); नवतुरिया ५ (हुनकालोकनिकेँ **असौकर्य** बुझाइन)। *asaukarya*—Inconvenience.

𑒁𑒮𑒾𑒖𑒢 **असौजन**—खएबाक वा सिद्ध खएबाक अव्यवहार (दे०)। [सं० अ+सौजन्य सं० स्वजन+युक्त]। *asaujana*—Absence of eating terms (esp. between two families)

𑒁𑒮𑒾𑒖𑒢𑒱𑒨𑒰𑒿 (𑒢𑒰) **असौजनियाँ(ना)**—वि०। असौजन-(दे०) वला। एक दोसराक ओहिठाम सिद्ध अन्न नहि खेनिहार। [असोजन+इयाँ]। कन्या० ५४ (आओर जे कैयो **असौजनियाँ** छथि)। *asaujaniyā*(*ñā*)—*Adj.* One who is not on terms of *saujanya* (q.v.).

𑒁𑒮𑒾𑒩𑒰 **असौरा**—**असोरा** (दे०) केर अशु० रू०। *asaurā*—F. form of *asora* (q. v.)

𑒁𑒮𑓀𑒏𑒪𑓂𑒣𑒱𑒞 **असंकल्पित**—वि०। जे संकल्पित नहि हो। [सं०]। मिहिर ३-६२-१०६। *asaṁkalpita*—*Adj.* Undesired, unintended.

𑒁𑒮𑓀𑒐 (𑒐𑓂𑒨) **असंख(ख्य)**—वि०। असंख्य केर वा० ग्रा० रू०, जकर गनती नहि हो अनगिनती, बहुत अधिक। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, **असंख**। राम० ३४७ (मुनि **असंख्य** लेल संग लाय); एकावली परिणय ३५; मि० उद० १५६-१३ (सड़कक दोबगली लोक **असंख्य** छल); मो० ६६-११ (**असंख्य** निज पूर्व पुरुषाक सञ्चितो स्वंश); प्रण० १६७ (**असंख्य** सैन्यमर्दिनी)। *asaṁkhya*—*Adj.* Innumerable, countless.

𑒁𑒮𑓀𑒐𑓂𑒨𑒰𑒞 **असंख्यात**—वि०। असंख्य, अगणित संख्यामे। [असंख्य+आत]। मि० ४७७ (यवनेश्वरो अपन **असंख्यात** म्लेच्छ सेना सहित हुनका सामुख्य कए लड़लाह); रावणवध ४४। *asaṁkhyāta*—*Adj.* Countless.

𑒁𑒮𑓀𑒑𑒞 **असंगत**—वि० । १ अयुक्त २. अनुचित । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, ने०, असंगत । मि० १२ (हमरा जनैत असंगत होयत); मो० ११०–१३ (क्षुद्र बुद्धि लै बोधव होइछ परम **असंगत**); रंग २० (कोनो ततेक **असंगत** नहि); आमक० ४५ (आर्थिक परिस्थितिक प्रत्यक्ष अनुभवसँ **असंगत** नहि बुझि पड़ल) । *asaṅgata—Adj.* Improper.

𑒁𑒮𑓀𑒗𑒯𑒱 **असंझहि**—असँझा केर निश्च० रू०, साँझसँ पहिने । [अ + साँझ + हि] । कीo ल० ३४ (तौँ **असंझहि** मज्जुपुर विषयरहि करु वास) । *asaṁjhahi*—Emph. form of *asaṁjhā*, meaning before dusk.

𑒁𑒮𑓀𑒮𑓂𑒏𑒵𑒞𑒱𑒏 **असंस्कृतिक**—वि० । अशु० रू० । सांस्कृतिक नहि । [सं० असांस्कृतिक] । गो० काव्यालोक ४० । *asaṁs-kṛtika—Adj.* E. F. Not pertaining to culture.

𑒁𑒮𑓀𑒪𑒑𑓂𑒢 **असंलग्न**—वि० । जे संलग्न नहि हो, फराक, अ] सम्बद्ध । [सं०] । मि० ८६ (कतहु **असंलग्न** कथा कियो बजलाह); अलयांकुल प्रकाश ६ । *asaṁlagna—Adj.* Unconnected.

𑒁𑒮𑓀𑒮𑒰𑒩𑒲 **असंसारी**—वि० । जे संसारी नहि हो, विरक्त । सं०] । उपनि० दी० १२ । *asaṁsārī—Adj.* Unworldly (person).

𑒁𑒮𑓂𑒞 **अस्त**—वि० । १. तिरोहित, विलीन, अदृश्य । २. अवनति-ग्रस्त । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० **अस्त**; प्राकृ० **अस्त** । राम० २४ (तरनि **अस्त** भेल); चन्द्र १६१ (धर्म कर्म **अस्त**); मि० उद० १५७-२ (प्रताप सूर्यक **अस्त** कए देलक); चित्रा ५३ (ताहीठाँ होइत अछि **अस्त**) । *asta—Adj.* Setting in general, finished.

𑒁𑒮𑓂𑒞𑒓𑓂𑒑𑒞 **अस्तङ्गत**—वि० । डुबल, अधोगत । [सं०] । कुमार २२ । *astaṅgata—Adj.* Having set, fallen or declined.

𑒁𑒮𑓂𑒞𑒣𑓂𑒩𑒰𑒨 **अस्तप्राय**—वि० । पूर्ण अस्त नहि, अस्त जकाँ । [सं०] । गल्पाञ्जलि ६७ । *astaprāya—Adj.* Almost set or vanished.

𑒁𑒮𑓂𑒞𑒥𑒪 **अस्तबल**—घोड़सार । [अर० अस्तब्ल] । तु० क० हि०, ब०, अस०, ने० **अस्तबल** । *astabala*—Stable.

𑒁𑒮𑓂𑒞𑒩 **अस्तर**—वस्त्र (जेना कोट, पैण्ट, आदि) केर तरका आधार मजबूत कर लेल देल गेल मोटका कपड़ा । [फा०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, उर्दू **अस्तर** । मो० ८२–११ (एकरङ्गाक **अस्तर** लगबाए); प्रण० १८६ (एक क्षण पहिने वैराग्य **अस्तर** चढ़ा देने छलाह) । *astara*—Lining.

𑒁𑒮𑓂𑒞𑒫𑓂𑒨𑒮𑓂𑒞 **अस्तव्यस्त**—वि० । छितराएल, पसरल, उनटल-पुनटल । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **अस्तव्यस्त** । मै० हि० सा० (३–४) २८ (अस्तव्यस्त देखि पड़त); वेकफिल्डक पादरी ६; मै० नवीन सा० ८४ । *astavyasta—Adj.* Scattered.

𑒁𑒮𑓂𑒞𑒰𑒔𑒪 **अस्ताचल**—कल्पित पर्वत जे कि पश्चिम दिशामे अवस्थित अछि आ जकरा अढ़मे सूर्यास्त होइछ, अधोगतिक पराकाष्ठा । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **अस्ताचल** । वर्ण० ५५ (चिन्ताकड़ **अस्ताचल** गइ) । *astācala*—The imaginary western mountain behind which the sun sets.

𑒁𑒮𑓂𑒞𑒱𑒞𑓂𑒫 **अस्तित्व**—१. सत्ता, भाव २. विद्यमानता । [सं०] । तु० क० हि०, ब०, अस०, ने०, **अस्तित्व** । मि० ३१३ (अपनेक **अस्तित्व** हुनका ज्ञान कराओल); मि० उद० १५८; आमक० ३२ (तहिसँ एकरा कोनो **अस्तित्व** छैक) *astitva*—Existence, reality.

𑒁𑒮𑓂𑒞𑒳 **अस्तु**—अव्य० । वेस, बड़ नीक, वार्ताक्रममे कोनो निर्णय वा प्रसङ्गक समाप्तिसूचक शब्द । तु० क० हि०, ब०, अस०, ने० **अस्तु** । मै० हि० सा० (८–१२) ३ (अस्तु परामर्श नीके); मि० उद० १५८–७ (**अस्तु** जाइत अछि); मो० ८७–२ (**अस्तु** ई रूपै मुदित होथु); प्रण० ११ (**अस्तु** कोनो तरहेँ गजेन्द्र मोक्ष कैल गेल) । *astu*—*Ind.* All right, well (the matter ends).

𑒁𑒮𑓂𑒞𑒳𑒞𑒱 **अस्तुति**—स्तुति (दे०) केर ग्रा० वा० रू० । तु० क० हि०, ब०, अस०, ने०, **अस्तुति** ललितेश्वर रंजन २ *astuti—Folk* form of *stuti* (q.v.)

𑒁𑒮𑓂𑒞𑒳𑒞𑒲 **अस्तुती**—अस्तुति (दे०) केर वि० रू० । सुक्ति सुधा ५ । *astuti—Alt.* form of *astuti* (q. v.)

𑒁𑒮𑓂𑒞𑒳𑒩𑒰 **अस्तुरा**—छूरा । [का० उस्तरा] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, **अस्तुरा** । धातुपाठ ५ । *asturā*—Razor.,

𑒁𑒮𑓂𑒞𑒼𑒢𑓂𑒧𑒳𑒐 **अस्तोन्मुख**—वि० । अस्त हैबालय उद्यत [सं०] । मि० दर्शन १६ (**अस्तोन्मुख** सूर्यक प्रतिबिम्ब पोखरिक स्वर्णिम तरंगमालापर हिलि डोलि रहल छलैक) । *astonmukha*—*Adj*—Almost setting, nearly vanished.

𑒁𑒮𑓂𑒟𑒰 **अस्था**[1]—धन, स्थिति । [सं० अवस्था] तु० क० **अस्था-**पात (पात = सं० पात्रत्व) । अपूर्व २ (हुनका किछु **अस्था** छन्हिए नहि) *asthā*[1]—Wealth, status.

𑒁𑒮𑓂𑒟𑒰 **अस्था**[2]—विशेष सेवा-शुश्रूषा वा आदर । तु० क० अवस्था । *asthā*[2]—Special service or respect.

𑒁𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 **अस्थान**—स्थान (दे०) केर ग्रा० रू० । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अस्थान) । *asthāna*—*Folk* form of *sthāna* (q v.)

𑒁𑒮𑓂𑒟𑒰𑒨𑒲 **अस्थायी**—वि० । स्थायी (दे०) केर ग्रा० रू० । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **अस्थायी** । *asthā(yi)—Adj.* Folk Form of *sthāyī*.

𑒁𑒮𑓂𑒟𑒱 **अस्थि**—हड्डी । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अस्थि; प्राकृ० अट्ठि । वर्ण ५३ (त्वच **अस्थि** शिरा एतन्मय शरीर); राम० १२० (अस्थि कपाल पड़ल छल ढेर); मि० उद० १५७–२२ (अनेरो **अस्थि** पड़ि जाइन्हि); चित्रा ५० (**अस्थि** संचित भेल); रंग ६६ (केवल अस्थि ओ चमड़ा शेष रहि गेल छैन्ह) । *asthi*—Bone.

𑒁𑒮𑓂𑒟𑒱𑒣𑓂𑒩𑒰𑒨 **अस्थिप्राय**—वि० । हड्डी-हड्डी जागल, अत्यन्त दुर्बल । [सं०] । चौनीक लड्डू ६० । *asthiprāya*—*Adj.*

Emaciated, very weak, (reduced to) mere bones.

𑒁𑒮𑓂𑒟𑒱𑒩 **अस्थिर**[1] —वि० जे स्थिर नहि हो, चंचल। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० अस्थिर; प्राकृ० अथिर; कुमार ४०। *asthira*[1]—*Adj.* Unfixed, Confused.

𑒁𑒮𑓂𑒟𑒱𑒩 **अस्थिर**[2]—स्थिर (दे०) केर ग्रा० रू०। (अस्थिर रहू)। *asthira*[2]—*Folk* form of *sthira* (q. v.)

𑒁𑒮𑓂𑒟𑒱𑒩𑒞𑒰 **अस्थिरता**—चंचलता, व्यग्रता, परिवर्तनशीलता। [सं०]। तु० क० हि० अस्थिरता। *asthiratā*—Unsteadiness, confusion.

𑒁𑒮𑓂𑒟𑒱𑒫𑒱𑒫𑒩 **अस्थिविवर**—हड्डीक भितरका भूर। वर्ण० ५४ (अस्थिविवर प्रविष्ट थे वतास)। *asthivivara*—Hollow space inside or between the bones.

𑒁𑒮𑓂𑒟𑒱𑒮𑓀𑒔𑒨(𑒢) **अस्थिसंचय(न)**—अंत्येष्टि संस्कारक तेसरा दिन मृतकक जरल वाँचल अस्थिकेँ एकत्र करबाक क्रिया। एहि अस्थिकेँ बाद मे गंगा आदिमे प्रवाहित कए देल जाइछ। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० अस्थिसंचय। *asthisañcaya(na)*—The act of collecting the bones (esp. those of a burnt dead human body).

𑒁𑒮𑓂𑒢𑒰𑒢 **अस्नान**—स्नान (दे०) केर ग्राम्य रूप। [सं० स्नान]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० असनान, अस्नान। राम० २६६ (करबाओल तनिका अस्नान)। *asnāna*—Folk form of *snāna* (q. v.).

𑒁𑒮𑓂𑒣𑒞𑒰𑒪 **अस्पताल**—डकखाना, चिकित्सालय, औषधालय। [अं० हॉसपिटल]। तु० क० हि० हस्पताल। मि० (?) (कलकत्ताक अस्पतालमे प्रत्येक दिन आठ दस मृत्यु होइत छलैक); पारो २ (अस्पतालमे जा क देखीने छलियै)। *aspatāla*—Hospital.

𑒁𑒮𑓂𑒣𑒢𑓂𑒠(𑒢) **अस्पन्द(न)**—वि०। गतिहीनता, बिना कम्पनकेर रहब। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, राज० अस्पन्द। वनकुसुम ४४, ४२। *aspanda(na)*—*Adj.* Unmoving, non-vibrating.

𑒁𑒮𑓂𑒣𑒩𑓂𑒡𑒰 **अस्पर्धा**—स्पर्धा (दे०) केर ग्रा० रू०। [सं० स्पर्धा]। F. M. L. 120 *aspardhā*—Folk form of *spardhā* (q. v.).

𑒁𑒮𑓂𑒣𑒭𑓂𑒙 **अस्पष्ट**—वि०। स्पष्ट नहि, अस्पष्ट; स्पष्ट (दे०) केर ग्रा० रू०। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० अस्पष्ट; अव० अस्पष्ट। नव० ६७ (अस्पष्ट न आयल)। *aspaṣṭa*—*Adj.* Indistinct.

𑒁𑒮𑓂𑒣𑒵𑒬𑓂𑒨 **अस्पृश्य**—वि०। स्पर्श नहि करबा योग्य। [सं०]। जोश चन्द्र १३। *aspṛśya*—Adj. Untouchable.

𑒁𑒮𑓂𑒤𑒳𑒙 **अस्फुट**—वि०। अस्पष्ट। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० अस्फुट। कीचक वध १०; कथा पराग २४। *asphuṭa*—*Adj.* Unclear (esp. such pronunciation).

𑒁𑒮𑓂𑒧 **अस्म**—पाथर। [सं० अश्मन्]। तु० क० हि०, बं०, ने० अश्म। शतदल १८ (अस्मक लग सदिखन माथि मरए)। *asma*—Stone.

𑒁𑒮𑓂𑒧𑒠𑒰𑒠𑒱 **अस्मदादि**—सर्व० बहुवचन प्र० पु० केर रू०। हमसभ, हमरालोकनि। [सं० अस्मद् + आदि]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अस्मदादि। मिथिला १–३४८ (अस्मदादि स्थूल जनक बुद्धि प्रवेश नहि करो से भिन्न विषय थिक); मि० उद० १५७–२ (दहनहुँ अस्मदादि गौरवान्वित भै चुकल छी); मोद ६२–१० (प्रथम पूर्वागत व्यवहारे अस्मदादिक सम्बन्धक अछि)। *asmadādi*—*Pronoun*. We people.

𑒁𑒮𑓂𑒧𑒰𑒢𑒐𑒼𑒔𑒰 **अस्मानखोचा**—क्रि०। असाध्य कार्य करब (दे०)। [आसमाँन + खोंचारब]। *asmānakhocā*—*V.* To hit the sky.

𑒁𑒮𑓂𑒧𑒰𑒢𑒞𑒰𑒩𑒰 **अस्मानतारा**—स्वाइतक प्रभेद (दे०)[आसमान + तारा]। *asmānatārā*—A kind of fireworks.

𑒁𑒮𑓂𑒨𑒰𑒮 **अस्यास**—असिआस (दे०) केर वि० रू०। वैदेही १६–२०१ (तैसी वज्रेँ अस्यास न जैत)। *asyāsa*—*Alt.* form of *asiāsa* (q.v.).

𑒁𑒮𑓂𑒫𑒖𑒢𑒣𑒞𑓂𑒩 **अस्वजनपत्र**—सिद्ध खएबाक अव्यवहारक विषय मे देल गेल पत्र वा लेख। विवाहक स्वीकृतिपत्र; ने० सं० ओ सभ्यता भाग १–२२। तु० क० असौजनिका। *asvajanapatra*— A document spelling out the custom of eating boiled rice (as relations).

𑒁𑒮𑓂𑒫𑒮𑓂𑒟 **अस्वस्थ**—वि०। दुखित, रोगी। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अस्वस्थ; प्राकृ० अस्वस्थ। राम० २३ (एक समय अस्वस्थ रहने); मि० ४२८ (नौ मास बितला पर अधिक अस्वस्थ भेला पर)। *asvastha*—*Adj.* Unwell.

𑒁𑒮𑓂𑒫𑒮𑓂𑒟𑒞𑒰 **अस्वस्थता**—रोग, दुःख। [सं०]। मिहिर ३३–२०–१३ (अस्वस्थताकेँ दूर करबाक हेतु औषधिक व्यवहार करैछ)। *asvasthatā*—Loss of health, the state of being unwell.

𑒁𑒮𑓂𑒫𑒰𑒦𑒰𑒫𑒱𑒏 **अस्वाभाविक**—वि०। जे स्वाभाविक नहि हो, प्रकृति-विरुद्ध, कृत्रिम। [सं०] तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अस्वाभाविक। मि० २६४ (नारायण चैत्र अस्वाभाविक कहबैछ)। *asvābhāvika*—*Adj.* Unnatural, artificial.

𑒁𑒮𑓂𑒫𑒲𑒏𑒰𑒩 **अस्वीकार**—स्वीकारक विपरीतार्थक शब्द, इनकार। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० अस्वीकार। मैं० हि० सा० (३-४) ३० (यदि पण्डितजी अस्वीकार करथि); प्रया० १३२ (दुहू कथा अस्वीकार क लेल); हिरा० १७१ (हाउस वाइफ बनि कए रहब अस्वीकार क देलथिन)। *asvīkāra*—Non acceptance.

𑒁𑒮𑓂𑒫𑒲𑒏𑒵𑒞(𑒞𑒱) **अस्वीकृत(ति)**—वि०। अस्वीकार कएल गेल। [सं०]। तु० क० उ० अस्वीकृत; हि०, बं०, ने०, असं० अस्वीकृत, अस्वीकृति। *asvīkṛta (ti)*—*Adj.* Disapproved (-al).

𑒁𑒮𑓂𑒮 **अस्स**—अश्व (दे०) केर प्रा० लु० रू०। कीर्त्तिपताका ६ (मुख पसन्न हिय अस्स)। *assa*—*Obs.* old form of *asva* (q.v.).

अस्सल—असल (दे०) केर निश्च० रू० । नव० २३ (अस्सल बयस की थिकइन्ह) । *assala—Emph.* form of *asala* (q.v.).

अस्सी—वि० । दसक अठगुना; एकटा संख्या विशेष । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, ने० अस्सी; अस० आशी । प्रग० ३५ (अस्सी बीघाक चकला त घरे लग छैन्ह); नव० ५६ (अस्सी भरि सूति चारि भरिक माँड़) । *assī*—Eighty.

अस्त्र—आयुध, हथियार । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अस्त्र । वि० वि० ७ (गुरु पाद पद्म सेवि शस्त्र अस्त्र;) राम० ४२ (स्थापित अत्र त्रिपुरारिक अस्त्र) । *astra*—Weapon.

अस्त्रागार—हथियार रखबाक सुरक्षित स्थान । [सं०] । तु० क० अस० अस्त्रागार *astrāgāra*—An arsenal.

-अह्[1]—प्रत्यय लु० रू० । भेल छल । [सं० असवत्] तु० क० रहए (य) । वर्ण० २४ (लल मनत विचारइतेँ अह) । *aha[1]*—*Suffix ob*. Was (thus engaged).

अह्[2]—१. दिन, २. विष्णु, ३. सूर्य, ४. आकाश । [सं० अहन्] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अह । राम० ४ (अह अभिसार डर रतिला) । *aha[2]*—Daytime.

अह्[3]—अव्यय । सम्बोधन सूचक शब्द, एकर व्यवहार आश्चर्य, खेद आ दुःखमे होइछ । [सं० अह] । तु० क० अह, उह; हि० बं०, अस० अह । (अह हमरा ई सब नहि नीक लगैत अछि) । *aha*, —*Interjection* Used for expresseing surprise or sorrow.

अहँ[1]—क्रि० वि० । नहि । नहि-नहि कहब । (अहँ नै चाही हमरा आर वस्तु) । *ahā̃[1]*—*Adv.* (oh!) no.

अहँ[2]—अहाँ (दे०) केर का० रू० । राम १८ (सुन्दर शिशु सरुप अहँ थिय) । *ahā̃[2]*—Poet. form of *ahā̃* (q. v.).

अह(हँ)इ(ई)—अहीं (दे०) केर का० रू० । राम० २५६ (अहइ रहीं हनुमान भौं कात); पुरु० ४१ (अहई दूनू व्यक्ति जकाँ जन्मान्तरमे हमरहु स्वामिक अनुराग हयत) । *aha(hā̃)i(ī)* Poet form of *ahī̃* (q.v.).

अह(हँ)इक—अहांक (दे०) केर का० रू० । राम ६३ (नाम हमर अहइक सम काज); राम० १६६ (कार्य सिद्ध अछि अहइक साथ) । *aha(hā̃)ika*—Poet. form of *ahā̃ka* (q.v.).

अहँई—अहाँ (दे०) केर निश्च० रू० । तु० क० अहीं । सीता स्वयम्बर २ । *ahā̃ī*—Poet. of *ahā̃hi*—*Emph.* form of *ahā̃* (q. v.)

अहगर—वि० । अथाह, अधिक । [सं० अथाह > अथह + गर > अहगर] । तु० क० अहरी, गहिँड़गर वैदेही-१९५४-१६ । *ahagara*—Very much.

अहङ्कार—गौरव, घमंड, गर्व । [सं०] । तु० क० हि० अहंकार । *ahaṅkāra*—Pride, egoism.

अहणिसि—अहर्निशि (दे०) केर प्रा० लु० रू० । चर्या १६/४ । *ahaṇis.*—*Obs.* old form of *aharniśi* (q. v.).

अहदनाम(मा)—प्रतिज्ञापत्र, एकरारनामा, ओ लेख वा पत्र जकरा द्वारा दू वा दूसँ अधिक व्यक्ति कोनो विषय पर प्रतिज्ञा करए । तु० क० अहदनामा । [फा०] । लघु मैथिली साहित्य ८८ । *ahadanāma(mā)*—A written agreement.

अहदाएब—क्रि० । अहदी (दे०) केर क्रि० रूप । 'विलम्ब करब', आलस्य देखाएब । (एतेक अहदाएब शोभा नहि दैत अछि) । *ahadāeba*—*Verb.* Verbal form of *ahadī* (q. v.)

अहदाय—अहदाएब (दे०) केर प्रेर० रू० । वि० ने० २३६ (तुअ अहदाय सहए के पारत) । *ahadāya*—Causative form of *ahadāeba* (q. v.)

अहदिनामा—अहदनामा (दे०) केर विक० रू० । अकबरनामा ४१ । *ahadināmā*—*Alt.* of *ahadanāmā* (q.v.).

अहदिपन(ना) (नी)—आलस्यशीलता (दे०), अहदी (दे०) । *ahadipana (nā) (nī)*—Laziness.

अहदी—वि० । आलसी, अकर्मण्य, ओ व्यक्ति जे कार्य नहि करए । [अर०] । तु० क० हि०, उर्दू अहदी । मि० स० रा० इ० (प्रस्तावना); खट्ट० १२१ (कतहु एहन अहदी भेटल रहय) । *ahadī*—*Adj.* Lazy.

अहनिशि(सि)—क्रि० वि० । अहर्निशं केर का० रू० । दिन आओर राति [सं० अहर्निशं] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अहनिशि; अहनिसि । गो० श्र० ३ अमर ३५ (अहनिशि स्खलत परान); वि० पदा० मजु० १२७, तालपत्र न० गु० ६४८ अ० ८६८ (तो जे जानसि दुख अहनिसि हमरा) । *ahaniśi (si)*—*Adv.* Day and night.

अहनीश—अहर्निश (दे०) केर का० रू० । मा० का० २४१ (अबे चलू मने अहनीश) । *ahanīśa*—Poet. form of *aharniśa* (q. v.).

अहम—घमण्ड, गौरव । [सं० अहम् + कार] । तु० क०, बं०, ने०, अस० अहम् । *ahama*—Egotism.

अहमदाबादी—वि० । अहमदाबादक वस्तु वा लोक । [फा०] । व्यवहार वि० ४ (अहमदाबादी स्कौट, बूक, पन्जी, मोएल, आबराबाँ, पनिमोखा तेहन-तेहन जे एहि पारसँ ओहि पार ओहिना झल-झल) । *ahamadāvādī*—*Adj.* Belonging to Ahmedabad.

अहमहमिका—हम पहिने तँ हम पहिने एहि प्रकारक स्पर्धा (विशेष कए कोनो लाभप्रद व्यवसाय वा अवसरपर जेना नैवेद्य परसए काल); स्वतस्कृत कोलाहल । *ahamahamikā*—Emulation, competition, assertion of superiority.

𑒁𑒯𑓂𑒧𑒠𑒰𑒥𑒰𑒠 **अहम्मदावाद**—भारतक एक प्रसिद्ध शहर, गुजरातक राजधानी। [फा०]। अकबरनामा १०६, १०८। *ahammadāvāda*—Capital of Gujarat.

𑒁𑒯𑓂𑒧𑒧𑒢𑓂𑒨 **अहम्मन्य**—वि०। अहङ्कारी, गर्वयुक्त। [सं० अहम्मान्य]। कुमार १६। *ahammanya*—*Adj.* Proud.

𑒁𑒯𑓂𑒧𑒧𑒢𑓂𑒨𑒞𑒰 **अहम्मन्यता**—घमण्डक भाव। [सं० अहम्मन्यता]। मिथिला १–१८८ (एहि **अहम्मन्यता**मे चूर-चूर अछि)। *ahammanyatā*—Sense of superiority (esp. in persons).

𑒁𑒯𑒿𑒨𑒱𑒏 **अहँयिक**—अहींक (दे०) केर अशु० का० रू०। राम लाल दास ११४ (ख)। *ahãyika*—Poet. Err. form of *ahĩka* (q.v.)

𑒁𑒯𑒩[1] **अहर**[1]—अधर (दे०) केर प्रा० लु० रू०। कीर्तिलता ३८ (**अहर** बिम्ब पप्फुरिअ)। *ahara*—*Obs.* old of orm *adhara* (q.v.).

𑒁𑒯𑒩[2] **अहर**[2]—दिन [सं० अहन्]। तु० क० हि० **अहर**; पा० प्राकृ० **अह** (अहर देखल पहर देखल) महा० ना० ५१ (किराट किराटि दशुहुँ अहर जाय)। *ahara*—Daytime.

𑒁𑒯𑒩𑒥𑒱𑒧𑓂𑒥𑒿 **अहरबिम्बँ**—अधरबिम्ब केर पु० मा० विक० रू०। कीर्तिलता ३८ (**अहरबिम्बँ** पप्फुरिअ नयने कोकनदे कान्ति धरिअउँ)। *aharbimba*—*Obs.* Old alt form of *adharbimba.*

𑒁𑒯𑒩𑒯 **अहरह**—दिन प्रति दिन। [सं०] मेघनाद ८०। *aharada*—Daily.

𑒁𑒯𑒩𑒰[1] **अहरा**[1]—पक्षीक आहार (दे०)। [सं० आहार]। *aharā*—Food for the birds.

𑒁𑒯𑒩𑒰[2] **अहरा**[2]—पैघ अहरी (दे०) [सं० आहार्य]। *ahara* big *ahari* (q.v.).

𑒁𑒯𑒩𑒰𑒝𑒲 **अहराणी**—राग विशेष। मा० का २२८ (अहरागी ॥ ८ ॥)। *aharāṇi*—Name of a musical melody.

𑒁𑒯𑒩𑒲(𑒩𑒰) **अहरी(रा)**—भोजन बनएबाक हेतु धरतीपर बनाओल गेल चूल्हि। तु० क० उ० अहिआ। [सं० आहार्य ?] *ahari(rā)*—Oven dug on the ground for temporary cooking.

𑒁𑒯𑒩𑓂𑒢𑒱𑒬 **अहर्निश**—क्रि० वि०। दिन-राति। [सं०]। मि० १० (अहर्निश मेघाच्छन्न घेरापुँजीमे नहि अनुभूति भै सकैछ); मि० उद० १५७-१६ (तथापि **अहर्निश** आनन्द मग्न सकैछ); मि० उद० १५७-१६ (तथापि **अहर्निश** शक्ति, भक्ति, श्रवण); द्विरा० ४७ (हृदय मन्दिरमे **अहर्निश** पूजन करैत रहलो उत्तर)। *aharnisa*—*Adv.* Day and night.

𑒁𑒯𑒪 **अहल**—वि०। १. बिनु जोतल (खेत) 2. ध्वंसयोग्य। [सं० अहल्य]। तु० क० हि० **अहल**; बं० **अहल्य**। वि० वि० १३ (घोर दशन रावतो न **अहल** जाय)। *ahala*—*Adj.* Uncultivated (land), without crushing.

𑒁𑒯𑒪𑒦𑒼𑒩 **अहलभोर**—क्रि० वि०। १. एकदम अन्हरोखे, दिन होएबासँ पूर्वहि। [सं० अहल्य अथवा अहन् + भोर]। मिहिर १३-२४-१३ (श्रीमान मिथिलेश्वरक सवारी **अहलभोरे** बेतिया गेल छल); पारो ६१ दोसर दिन **अहलभोरे** सीक पदई उठौलक); कथा पराग २३। *ahalabhora*—*Adv.* Early in the morning or before the day (dawns).

𑒁𑒯𑒪𑒠𑒱𑒪𑒲 **अहलदिली**—क्रि० वि०। हलदिली (दे०) केर वि० रू०। विशेष घबराहटि वा धरफड़ाहटि। तु० क० **हलदली** पैसि गेलनि। (अ + हल्ला + दिल + ई)। माधवी माधव ५०। Excessive anxiety or hurry.

𑒁𑒯𑒪𑒰𑒠 **अह्लाद**—वि०। १. आनन्द २. आदर। [सं० आह्लाद]। बहुधा बा० बो० का० रू०। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० **अहलाद**। महेश० १५ (कतहु न किछु **अहलाद**)। *ahalāda* ५०। *ahalāda*—*Adj.* Excessive joy, respect.

𑒁𑒯𑒪𑒳𑒁𑒯 **अहलुअह**—क्रि०। रहल अछि। विद्यमान अछि, प्रा० लु० प्रेरणा० रू०। [रहल + अछि > अहि > अह]। वर्ण० १४ (संख रणतुला अनेक बाजन बाजइ **अहलुअह**)। *ahaluaha*—*V.* Is taking place.

𑒁𑒯𑒪𑓂𑒨𑒰 **अहल्या**—गौतम ऋषिक स्त्री। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, **अहल्या**। राम० २४ (तनिक **अहल्या** नारि सुकुमारी)। *ahalyā*—Wife of sage Gautama.

𑒁𑒯𑒯 **अहह**—अव्यय। आश्चर्य एवं शोकसूचक शब्द। [सं०]। तु० क० हि०, बं० **अहह**। पुरु० २१४ (**अहह** अखण्डित भैल)। *ahaha*—*Ind.* Used for expressing wonder or grief.

𑒁𑒯𑒰 **अहा**—अव्यय। अकस्मात प्राप्त दुःख अथवा आनन्दकेँ अभिव्यक्ति करएबला शब्द। [सं०]। तु० क० हि०, बं० **अस०** ने० अव० **अहा**। मै० हि० सा० ३ (२-३) (अहा ! आइ आशालता फड़ि गेल); मो० W–१७ (अहा ! धन विहीन भै रहत मोद जौं बालकें)। *ahā*—*Ind.* Used for expressing sudden joy or sorrow.

𑒁𑒯𑒰𑒿 **अहाँ**—सर्व०। अहाँ, अपने। आदरार्थक मध्यपुरुष एकवचन मे सम्बोधन सूचक शब्द ! तु० क० ओहाँ, **अहाँ**। [सं० अहम् अर्थ विपर्यय]। तु० क० हि० आप। मन० २६ (के जछि एहन **अहाँ** का हरत); राम ३१ (हे राम **अहाँ** फूल तोड़ि लाउ); मौ० उद० १५१-४। *ahā*—*Pronoun.* Hon. II person singular—You.

𑒁𑒯𑒰𑒞𑒰 **अहाता**—घेरा, हता, छहरदेवालीसँ घेरल जगह। तु० क० **हाता**। [अर०]। चारिआना कैआ २२। *ahātā*—A ground enclosed by a boundary wall. A defined area or sphere.

𑒁𑒯𑒰𑒩 **अहार**—आहार (दे०) केर विक० रू०। तु० क० हि० **अहार**। चन्द्र ६२ (**अहार** की !); महेश० ३५ (भूष लाग बिन भाग **अहार**); पुरु० ३४५ (करथि निराकुल दूब **अहार**), FML ३८६. *ahāra*—*Alt.* form of *āhāra* (q.v.).

𑒁𑒯𑒰𑒩𑒱𑒪 **अहारिल**—अहार (दे०) कएल केर प्रा० लु० रू०। चर्या ३५।८; FML 72 C 35 MIA. *Ahārila*—*Obs.* old verb form of *ahāra* (q.v.)

अहारी—वि० । भोजन कयनिहार । [सं० आहार + ई] । तु० क० हि० **अहारी** । चर्य्या ३६।१ । *ahārī—Adj.* One who takes food.

अहारे(रो)—अहार (दे०) केर का० रू० । वि० ने० २५६ (विभूति भुषण कर बीस **अहारे**) । *ahāre (ro)*—Poetic form of *ahāra* (q.v.)

अहाहा—अ० । विस्मय वा खेदमे व्यवहृत होएबला शब्द । [सं० अहह] । तु० क० अहह । कन्या० १३६ (**अहाहा** हिनका नहि किछु ...) । *ahāhā*—Ind. Used for expressing surprise or pity.

अहि[1]—एहि (दे० केर विक० अशु० रू० । (**जौं अहि सं** हुनक रक्षा होन्हि) । *ahi*—*Alt.* F. form of *eh.* (q. v.).

अहि[2]—१. साप २. सूर्य, ३. पृथ्वी, ४. पथिक ५. सीमा ६. अश्लेषा नक्षत्र ७. राहु ८. नाभि ९. मेघ १० जल । [सं०] । तु० क० हिं०, बं०, अस०, ने०, राज०, अव० **अहि** । कीर्तिलता ५४ (पअ-भोरे कोल **अहि** मोल कर कुरम उलटि करवट्ट रे); वि० ने० ३८ (तरुण तिमिर दिन न जानए (पद) **अहि** सिर गए रोपि); वि० पदा० मजु० ८४ रामभद्रपुर पोथी पद ४०४ (कत महि **अहि** देहे दसमल चरने तिमिर घोर); राम २३१ (कच्छप **अहि** इल चल); चन्द्र० २३४ (**अहि** कुण्डल हारे); चर्य्या ७ (भनइ कान्ह मोहि **अहि** न पइसेइ); मि० भा० वि० २०७ । *ahi*[2]—A snake.

अहि[3]—अछि (दे०) केर वा० रू० । *ahi*[3]—Colloq. form of *achi* (q.v.).

अहिआरी—एक प्रकारक प्रहेलिका, अहल्या स्थान । वि० व० (तहँ सौं चल अएला **अहिआरी**) । *ahiārī*—name of a riddle song in marriages, folk f. *Ahalyasthāna.*

अहि(हिँ)क—अहींक (दे०) केर का० रू० । आनन्द विजय नाटक २१; मै० हि० सा० २ प्र० ३-४-१ (सतत **अहिँक** पद पंकज सेवी,; चित्रा ३२ (अहिँक मधुमय भावना) । *ahi-(hĩ)ka—Alt.* of *āhĩka* (q.v.).

अहिकान्त—एक प्रकारक पानिमइँक मूल्यवान पाथर । [सं०] । तु० क० वर्ण० ५५ (मुक्ता प्रवाल वावद, मेघ **अहिकान्त**) । *ahikānta*—A kind of precious stone.

अहिकारिक—प्राचीन राजाक ओहिठाम ३६ गोट पद वा स्थान सम्मानित सेवकक रहैत छलैक, ओहिमेसँ एक प्रभेद । [सं० अधिकारिक] । वर्ण० ६ (राजवल्लभ, स्थगीवित, **अहिकारिक,** नैवन्धिक) । *ah.kār.ka*—A kind of honoured courtier

अहिँकारी—अहिकारिक (दे०) केर वि० रू० । वर्ण० ६ (महसुआर, महत, अखडलि अहिँकारी आसनउधि) । *ahĩkārī*—*Alt.* of *ahikār.ka.* (q.v.)

अहिछ(च्छ)त्र—प्राचीन दक्षिण पांचाल जकरा तिकए अर्जुन गुरुदक्षिणामे द्रोणाचार्यकेँ देने रहथिन्ह । [सं०] । तु० क० हिं०, बं०, **अहिच्छत्र** । वर्ण० ४१ (कुर्म्म महाकुर्म्म अहिछत्र श्यामसन्ध) । *ahicha(ccha)tra*—An old historical name of a particular territory.

अहित—वि० । १. अधलाह २. शत्रु वा विरोधी, हानिकयनिहार । [सं०] । तु० क० हिं०, बं०, अस०, ने०, राज०, अव० **अहित** । वि० पदा० मजु० १३०, तालपत्र न० गु० ७१६ अ० ७१५ (परहित अहित सदा विहि वाम); राम० १८६ (आयल निकट तेहन दिन अहित); पुरु० २०० (अहित मे पराक्रम करइत किलासँ); मो० ८-२ (शुभ दिनहु **अहितहु**काँ होऔ) । *ahita—Adj.* Evil, bad, enemy.

अहिद्रा— निद्राक देवी । स्त्रि० । *ahidrā*—The Goddess of sleep.

अहिनवाल—प्राचीन ३० प्रकारक पटम्बरक (नीक वस्त्रक) एक प्रभेद । [अ + हीन + वाला, वाल] । वर्ण० २१ (गजवन्ध **अहिनवाल** देवाङ्ग) । *ahinavāla*—A kind of superior cloth.

अहिना—क्रि० वि० । एना (दे०) केर नि० रू० । तु० क० एहिना । एहि तरहेँ । कन्या० ७ (भौजीकेँ त **अहिना** रहै छैन्हि); चित्रा ३४ (घूमैत अहिना बूढ़); पारो ६६ (**अहिना** ओहू दिन इएह छितन मड़ड़ हमरा वजा अनने छल); शतदल ७ (जग जाग्रत जा अहिना अशोक) । *ahinā—Adv.* Emph. of *enā* (q.v.)

अहिनाथ—१. शेसनाग २. श्रेष्ठ साप [सं०] । तु० क० हिं०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० । **अहिनाथ** । मा० का० २१३ (हिम हिमकर-सित उर अहिनाथ) । *ahināttha*—The lord of the snakes, *śeṣanāga*.

अहिनि—अहिना (दे०) केर लु० प्रा० विक० रू० । वर्ण० ६८ (अहिनि सेनाओक लोके देषु) । *ahini—Obs.* old alt. of *ahinā* (q.v.)

अहिनी—नागिन, सर्पिणी । [सं०] । तु० क० हिं० अहिनी; प्राकृ० अहिणी । *ahinī*—A she-snake.

अहिनो—अहिना (दे०) केर निश्च० रूप । *ahinā*—Emph. form of *ahinā* (q. v.)

अहिनौ—अहिनो (दे०) केर अशु० रू० । मिहिर ३८-४०-२५ (**अहिनौ** मे जनिक ही कृपा नित्यस्वरूप मे) । *ahinau*—*Erro. form of āhino* (q.v.).

अहिपन—अइपन (दे०) केर बा० रू० । तु० क० **अरिपन** । मो० ८७-२३ (उत्तमोत्तम रेखा अहिपन बनाइ); स्वरगन्धा २; कोबर गीत २७ । *ahipana—Coll.* form of *aipana* (q. v.).

अहिबात—सौभाग्य, सोहाग (दे०) । [सं० अविधवात्व > प्राकृ० अइहात > अहिवात] । तु० क० **अइहब, ऐहब** (दे०), अहिवातक पातिल पात्र जाहिमे बरैत दीप सोहागक निरन्तरताक द्योतक होइछ । *ahibāta*—Married bliss of a woman.

अहिबाती—स्त्री वि० । सौभाग्यवती स्त्री, जाहि स्त्रीक स्वामी जिवैत हो । [अहिवात + ई] । *ahibātī— Adj.*

Concerning a woman whose husband is alive.

अहिबी गहिबी—वि० । हेय वा नहि हेय । [अग्राह्य-ग्राह्य] । मिहिर २-६१-६३ (१४) । *ahibīgahibī—Adj.* Sometimes useful (or welcome) and sometimes not.

अहिमान—अभिमान (दे०) केर प्रा० रू० । कीर्ति० ३७ (अबे करिअउ अहिमानक अउज उलंकलि दान) । *ahimāna—old* form of *abhimāna* (q. v.)

अहियारी—अहिल्या स्थान केर नाम । तु० क० अहिआरी (दे०) । मिथिलाचारादर्श २ । *ahiyārī*—Name of *Ahalyāsthāna.*

अहिर—अहीर (दे०) केर विक० रू० । वि० पदा० मजु० १४४, तालपत्र न० गु० १५५ अ० ८७३ (पुनु अहीर कुल जनम लेलहु); मि० उद० १५७-१० (अहिर वैश्य कुरमी सूर्यवंशीय क्षत्रीय); शि० वि० २८ । *ahira—Alt.* of *ahīra* (q. v.).

अहिरिनि—अहीर (दे०) केर स्त्री रू० । वि० पदा० मजु० ४८, न० गु० तालपत्र २२७, अ० २१७. (आओर कइव कत अहिरिनि नाह) । *ahirini*—Fem. form of *ahīra* (q.v.).

अहिरेवा—आह रे बाप (दे०) केर वा० रू० धीरेन्द्र० २० । *ahirevā—Coll.* form of *āhi re bāpa* (q.v.) Oh ! god.

अहिर्बुध्न—१ एगारह रुद्रमेसँ एक २ उत्तर भाद्र पद नक्षत्र । [सं० अहिर्बुध्न्य] । तु० क० हि०, बं०, अहिर्बुध्न । वर्ण० ५८ (अहिर्बुध्न पिनाकी) । प्रा० वैष्णव सम्प्रदाय १६ । *ahirvudhna*—One out of the eleven Rudras.

अहिवर—नाग राजा, महासर्प । [सं०] । मै० हि० सा० ३ (२-३) ४ (मृत्युञ्ज काशीपति गिरिवर अहिवर धारीना) । *ahivara*—The Lord of snakes.

अहिवात—अहिबात (दे०) केर विक० रू० । महेश० ६८ (युग-युग अहिवात उमाक मनाउ); कन्या० ३ (भगवती अहिवात बनौने रखथुन्ह); चित्रा ४ (अहिवातक पातिल फोड़ि-फाड़ि) । *ahivāta—Alt.* form of *ahibāta* (q.v).

अहिवाती—अहिवाती (दे०) केर विक० रू० । *ahivātī—Alt.* form of *ahibātī* (q. v.).

अहिषेक—अभिषेक (दे०) केर प्रा० लु० रू० । कीर्तिलता ६८ (चारि वेअ भँकार सुद्ध महुत्त अहिषेक किज्जिअ) । *ahiṣeka—Obs.* old form of *abhiṣeka* (q. v.).

अहिंसक—वि० । १ जे हिंसा नहि करए, जे ककरो दुःख नहि देअए । [सं०] । तु० क० हि० बं० असं० ने० अव० अहिंसक; प्राकृ० अहिंसण । खट्ट० २२ (सभसँ बड़का अहिंसक थिक जनेरक गाछ) । *ahiṁsaka—Adj.* Non-violent.

अहिंसा—ककरो दुःख नहि देब वा वध नहि करब । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असं० ने०, अव० अहिंसा । गी० १-५ (अहिंसा धर्मवाचक शब्द थिक) । *ahiṁsā*—Non-violence.

अहिहव—वि० । अइहव (दे०) केर अशु० रू०, सधवा, जकर पति जिबैत हैक । तु० क० ऐहव (दे०) । [सं० अविधवा > प्राकृ० अइहव > अहिहव] । व्यवहार विज्ञान २०३ । *ahihava—Adj.* One whose husband is alive.

अही—वि० । अहि (दे०) केर निश्च० रू० । चित्रा ३३ (अही चिन्तामे सदैव लागल रहै छी); (ओ अही वेर एन्ट्रेन्स पास कैलन्हि अछि) । *ahī—Emph.* form of *ahi* (q. v.).

अहीँ—अहाँ (दे०) केर निश्च० रू० । मन० १६ (अह हमर मन केर मेल छी); राम० ३०२ (विरञ्चि अहीँ छी); मि० ३२ (अहीँ दुनू व्यक्ति मुख्यतया); प्रण० ४४ (फुच्चुन अहीँ दौड़ जाउ) *ahī̃—Emph.* form of *ahā̃* (q. v.).

अहीँक—अहाँक (दे०) केर निश्चय रू० । [अहाँ + ही > (ई) + [क] राम० २०७ (मानल वचन सदर्थ अहीँक); महेश २० (मानसँ मन साधय गावर अहीँक); प्रण० १६६ (अहीँक बहिन अहल्याबाइ) पारो १४ (अहीँक भरोस अछि); नव ३३ (अहीँक है हराएल रही); रात० ४ (अहीँक मुस्कैठी पर) । *ahī̃ka—Emph.* *ahā̃ka* (q.v.)

अहीर—एक जाति जकर कार्य मात्र गाए महिस राखब तथा दही-दूध बेचब होइछ, गोआर । [सं० आभीर] । तु० क० हि०, बं०, अव०, ने०, अस०, राज० अहीर । वि० पदा० मजु० (आगर मेटल अहीर); चन्द्र १८३ (नहि थिक लोक अहीरक भाय) । *ahīra* form of —Cowherd.

अहु[1]—प्रत्यय । निश्चयात्मक अर्थमे जेना घरहु, करबहु । FML 577 । *ahu—Suff.* added to words to indicate the inclusive sense i. e. to make an emphatic orm.

अहु(हुँ)[2]—अहूँ (दे०) केर प्रा० का० (अशु०) रूप । अहाँ + अहु उ] । वि० पदा० मजु० ५६८ (अहुँ मन न करिअ गेयान) मि० २४० (सम्प्रति अहुँ दुनक सन्तति) । *ahu (hũ)*[2]—Old poet. (Erra.) form of *ahū̃* (q. v.).

अहुखन—अइखन (दे०) केर विक० रू० । सुमति २ । *ahukhana—Alt.* form of *aikhana* (q. v.)

अहुठ—साढ़े तीन, तीन आ आधा । [सं०] अध्युष्ट अथवा अर्ध + चतुर्थ > प्राकृ० अद्धउत्थ > अद्धउट्ठ > अहुट्ठ] । तु० क० हुट्ठा, हि० अहुँठ, अस० अहुठ । वर्ण० १४ (अहुठ हाथ दीर्घ) । *ahuṭha*—Three and a half.

अहुना—अ(ए)हना (दे०) केर निश्च० रू० । पारो ३५ (फुर्सा अहुना क्यों बजैये); नव० २२ (अहुना कियो करइए) । *ahunā*—Emph. form of *ahinā* or *ehinā* (q. v.).

अहुरिआ(या) काटब—क्रि० । खुरछाही भतक मोना विकार्य नहि भेला पर मौन औनाए लागब । [सं० आपूर + इअ] । चित्रा १४ (अहुरिआ कटलक मलसक हाथ) । द्विरा० ११८ अहुरिआ काटय लगलीह) । *ahuriā(yā) kāṭaba*—V. to

be extermely embarrassed.

अहू—एहू (दे०) केर बा० रू० । पारो १७ (तोरा गामक फुचाइ भा अहू गाम छेल रहथि) । *ahū—Coll.* form of *ehū* .(q.v.)

अहूँ—अहाँ (दे०) केर निश्च० रू० । मि० उत्ता० ११–६ (अहूँ लोकनि आइ राजा छथिनहुँ) । *ahū̃—Emph.* of *ahā̃* (q.v.)

अहूछिआ(या)—(क्रि०) अहुरिआ (दे०) केर बा० रू० । मिहि० २१–११–४ (आप अहूछिया कटत अछ) । *ahuchiā(yā)—Coll.* form of *ahur.ā* (q. v.)

अहूठाँ—ए (अ) ठिहान (दे०) केर निश्च० रू० । विद्या ६३ (अहूठाँ सखि सूसलधार वर्षा हएत) । *adūṭhā̃*—Emph. form of *eiṭhāma* (q. v.)

अहे—अव्यय । सम्बोधन सूचक शब्द । [सं० हे (दे०)] । तु० क० हि०, अव०, बं०, अहे । तु० क० आहे (दे०) । वि० पदा० मजु० २०४ (अहे सखि अहे सखि लए जुनि जाहे); गो० शृ० १ अमर० १५ (गोविन्ददास भन अहे नन्द नन्दन रह किय पिरितिक रीति) । *ahe—Ind.* Interjection of address.

अहेतु—वि० । बिना हेतुक वा कारणक, व्यर्थ । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, अहेतु । राम० ३५७ (भक्ति अहेतु विचार करथि); राम० लालदास ६५ । *ahetu—Adj.* Without assigning any reason.

अहेन—एहन (दे०) केर प्रा० विक० रूप । FML 433 । वि० ने० १०० (एखने ईखसि अहेन संग ओ अति सैसवे न बुझ(ए) रङ्ग) । *ahena—Alt.* of *ehana* (q.v.)

अहेर—१ शिकार २. ओ जन्तु जकर शिकार कएल जाइक । [सं० आखेट] । तु० क० हि०, बं०; अस०, ने०, अव०, राज०, अहेर; प्राकृ० इहेड, अहेड; म० सिं० आहेरो; पा० हेरा । *ahera*—Hunting.

अहेरा—अहेरी (दे०) केर का० रू० । गो० शृ० १ अमर १३ (माधव मनमथ फिरए अहेरा सपेरा) । *aherā—Poet.* form of *aherī* (q.v.)

अहेरि—अहेरी (दे०) केर का० रू० । महेश० १ (हमर गन न तजय अहेरि); चर्च्या २३-१ *aheri—Poet.* form of *aherī* (q.v.).

अहेरी—सपेरा, शिकारी आदमी, आखेटक । [सं० अहि > अह + एरी] । तु० क० सं० आहेय, हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० अहेरी । चर्य्या ६ (खनह न छाड़अ भुसुक अहेरी) । *aheri* —Snake-charmer, hunter.

अहेलाक—शिकारी । [सं० आखेटक] । तु० क० अव-हेलना । वर्ण० ३५ (अहेलाक साजन करल रजा एस भउ) । *Ahelāka*—Hunter.

अहैं—अहीं (दे०) केर का० रू० । राम ३४ (सदा सच्चिदानन्द रूपा अहैं छी) । *ahaẽ—Poet.* form of *ahī̃* (q.v.)

अहो—अव्यय । आश्चर्यसूचक शब्द । [सं०] । तु० क० बं०, अस०, अहो; प्राकृ० अम्हो । कीर्त्तिलता ३३ (अहो अहो आश्चर्य) *aho—Ind.* Used for expressing wonder, grief or joy).

अहोभाग्य—आनन्दसूचक शब्द । (दी०) [सं०] । प्रश्न० ३६ (अहोभाग्य जे एतेक दिन पर दर्शन भेल) । *ahobhāgya* —Good fortune.

अहोनिसि—अहर्निशि (दे०) केर बा० रू० । मन० १८ (अहोनिसि चौदसि संचर बीक); गौरी परि० ४ (जय करी अहोनिशि जागि) । *ahonisi—Coll.* form of *aharniśi* (q. v.).

अहोर बहोर—क्रि० वि० । दूर बहुर, आवागमन, आएब जाएब । [सं० अभ्यन्तरः बहिः] । तु० क० अहर पहर BPL 1294. *ahora-bahora—Adv.* Coming and going.

अहोरात्र—दिन आओर राति, एक दिनप्रातिक समय । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, ने०, राज०, अव० अहोरात्र । मि० भा० वि० ४६; मि० ४२३ (अहोरात्रमे छौ बेरि मूतओ तीन मलत्याग कएल करए); मो० ६६—११ (अहोरात्रक परिश्रमसँ सफलता प्राप्त कैलन्हि); प्रश्न० ८५ (आव एक अहोरात्र अनध्याय भ गेलाह); नव० ८३ (अहोरात्र ओकर मन घिरनी भेल नचइत रहइक) । *ahorātra*—Day and night.

अहौं—अहूँ (दे०) केर का० रू० । तु० क० अहँहु । मै० हि० सा० मि० ३० ५ (अहौं सँ पहिने हमरा दए चुकल छथि) । *ahaũ* —*Poet.* form of *ahū̃* (q.v.).

अहँउ—अहँहु, अहूँ केर लु० का० रू० । [अहाँ + हुँ] । पुरु० २०६ (ततय अहँउ जौ हमरा संगहि जाएब) । *ahā̃u*—*Obs.* Poet. Form of *ahā̃hu, ahū̃.*

अहँ(हं) कार—अहङ्कार (दे०) केर वि० रू० । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०; अव०, राज०, अहंकार । वर्ण० (अहँकार को मलवलित); कीर्त्तिलता ५२ (तन्हिकैरओ अहंकार; सारि ओ) राम० १७६ (अहँकार जड़ अति अनादि); महेश ५१ (अहंकार मनसौं नहि छुटै); मो० १७४–२० (अहँकार कुविचार शान्ति मन सबकै कातर) । *ahā̃kāra—Alt.* form of *ahaṅkāra* (q.v.)

अहँकृत—वि० । अहङ्कार-प्रयुक्त, अहंकारक कारणेँ । [सं० अहङ्कार + कृत] । मि० मित्र ३४ (मानि विषय ई उँह अहँकृत तौं नहि धार डोलावए ठान) । *ahā̃kṛia—Adj.* Self-conceited.

अहँजरा—स्त्री० वि० । अहङ्कारकेँ निर्मूल कएनिहारि (आदि शक्ति) । ज्वाला १ । *ahā̃jarā—Adj.* Destroyer of egoism.

अह्म—सर्व० । हमर । प्रा० लु० रू० । [सं० अस्मत्] । कीर्त्तिलता ४६ (सरवस्स उपे करवइ अह्म काज) । *ayma*—

Pronoun. My.

अह्लाद अह्लाद—आह्लाद (दे०) केर का० रु० । [सं० आह्लाद] । तु० क० अह्लाद (हि०) । राम० २५३ (लड़इ चलल रावण अह्लाद); राम० (बालकाण्ड) ५ (मनमे मेल अति अह्लाद); शिक्षा सुधा ५ । *ahlāda*—Pleasure.

अक्ष अक्ष—१ घेराव २. पचीसी आदिकेर घर ३. गाड़ाक धुरी ४. गाड़ी ५. जुआक गोटी जे कनैलक बीआ प्रभृतिक बनाओल जाइछ । ६. ओ कल्पित स्थिर रेखा जे पृथ्वीक भीतरी केन्द्रसँ ओकर आर-पार होइत दूनू ध्रुवकेँ मिलबैछ । १० क० अक्षभाग, अक्षांश । ७ कोनो गोल वस्तुमे बीचोबीच लागल छड़ । ८. तराजूक डंटी ९. सोहागा १०. व्यवहार ११. आत्मा १२. नापक एक मान १३. रुद्राक्ष १४. साप १५. गरुड़ १६. शिव । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० अक्ष । राम० ६७ (दशरथ रचक अक्षसौँ कील); अमर० (अक्ष, तुष, कार्य, फल) । *akṣa*—Axle, name of a measure.

अक्षकुमार अक्षकुमार—अक्षयकुमार (दे०) केर विक० रु० । राम० २०१ (अगुआ चलल अक्षकुमार) । *akṣakumāra*—*Alt.* form of *Akṣayakumāra* (q.v.).

अक्षक्रीड़ा अक्षक्रीड़ा—१. पासाक खेल, चौपाड़ि २. जुआक खेल । [सं०] । तु० क० हि० अक्षक्रीड़ा । गोविन्द काव्यालोक ५२ । *akṣakrīdā*—Game of gambling.

अक्षत अक्षत—जौ; धान आदि जे खत नहि भेल हो वा (बिनु टुटल) अरबा चाउर जे पूजाक निमित्त धोएल हो । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० अक्षत । वर्ण० २२ (अक्षत दुर्वा सर्वेषिधी); प्रया० ६३ (कुश चाहि अक्षत चाही); कन्या० १४६ (अक्षत चन्दन ओ पुष्प राखि); द्विरा० ५७ (फूल अक्षत नहि चढ़ा सकैत छियैन्ह); शतदल १ (नहि अक्षत अछि) । *akṣata*—Barley, paddy, Unbroken washed *arabā* rice for worship.

अक्षपति अक्षपति—वि० । जुआमे पारंगत वा जुआमे खेलोनिहार । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस० अक्षपति । वर्ण० ५१ (अक्षपति दर्पण) । *akṣapati*—Veteran gambler, gamble-leader.

अक्षम अक्षम—वि० । १. (कार्यविशेष) करबामे असमर्थ । २. अशक्त । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज०, अक्षम । पुरु० (की विचारल जे अक्षम जानि करुणासँ केवल आलसीकैँ स्वामी वस्तु देअबयित); मै० हि० सा० १६ (अक्षम हएबाक सम्भावना); मो० १७४–३७ (भेल सब अक्षम) । *akṣama*—*Adj.* Unable, unfit.

अक्षमा अक्षमा—क्षमाक अभाव, असहिष्णुता । [सं०] । तु० क० हि०, अस० अक्षमा । रामायण शिक्षा ७५ । *akṣamā*—Absence of forgiveness.

अक्षमाला अक्षमाला—१. रुद्राक्षक माला २. अ सँ क्ष धरिक अर्थात् सम्पूर्ण वर्णमाला । ३. वशिष्ठक पत्नी अरुन्धती । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अक्षमाला । वर्ण० ४३ (वृक्षो अक्षमाला दारुपत्र) । *akṣamālā*—Garland of *Rudrākṣas*.

अक्षय[1] अक्षय[1]—वि० । जकर क्षय वा नाश नहि हो, अविनश्वर । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० अक्षय । राम० ३२८ (अक्षय होयत जाउ सुख वास); रुद्र० १३८ (ई रस अक्षय ओ अनन्त थिकाह); जगन्नाथपुरी यात्रा २६; गजग्राह उद्धार २४ । *akṣaya*—*Adj.* Indestructible.

अक्षय[2] अक्षय[2]—क्षय (दे०) केर का० रु० । राम० २३८ (अक्षय वैरि न मेलइ सहाय) । *akṣaya*[2]—*Poet.* form of *kṣaya* (q.v.).

अक्षयकुमार अक्षयकुमार—रावणक पुत्र । [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अक्षयकुमार, अक्षकुमार (दे०) । राम २११ (अक्षयकुमारकेँ पटकि भट मारलक) । *akṣayakumāra*—Son of *Rāvaṇa*.

अक्षयतृतीया अक्षयतृतीया—वैशाख मासक शुक्ल पक्षक तृतीया, एहि तिथिमे मिथिलाक नारी व्रत करैत छथि, तथा एकरा एकगोट विशेष पर्व मानैत छथि । एहिमे (ब्राह्मणकेँ वा समस्त समाजकेँ) चीनी शर्बत अछोँह पिअएबाक प्रथा अछि । [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० अक्षयतृतीया; (दे०) । मैथिल संस्कृति ओ सभ्यता भाग २. ५० मो० १३१–७२ (अक्षयतृतीयामे एक एक लोटा देल) । *akṣayatṛtīyā*—Third day (or tithi) of the bright fortnight of *vaiśākha*, name of a festival.

अक्षयवट अक्षयवट—प्रयाग आ गयामे एक गोट सुप्रसिद्ध बड़केर गाछ । ई अक्षय एहि दुआरेँ मानल जाइछ जे पौराणिकलोकनिक मत एकर नाश प्रलयो भेला पर नहि होइछ से मानैत छथि । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज०, अव०, अक्षयवट; अक्षयबट (दे०) । (गयामे अक्षयवट केर प्रणाम करैत अछि) । *akṣaybaṭa*—A *vaṭa* tree which is situated at Gaya and Prayag.

अक्षयबाण अक्षयबाण—वि० । जे बाण चुकएबला नहि हो । [सं०] । पञ्चरात्र ८१ । *akṣayavāṇa*—*Adj.* An arrow which does not fail to hit the mark.

अक्षर अक्षर—१. आखर, मनुष्यक मुँहसँ बहराएल ध्वनिकेँ सूचित करबाक संकेत वा चिन्ह २. ओँकार ३. आत्मा ४. ब्रह्म ५. शिव ६. परमात्मा ७. शब्द (वाक्) । [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज०, अव० अक्षर; अच्छर (दे०) राम० १३१ (कहइ अशुद्ध न अक्षर आध); चन्द्र० ७६ (निरलधि अक्षर वैखरि उज्वर); वि० गीता १४० (दुइ संसारी पुरुष छथि क्षर ओ अक्षर); मै० हि० सा० ५ (अक्षरमे की भेद छैक ?); मि० उद० १५८–१० (ककहराक अक्षर ब्रह्माक रचित थिक); चित्रा ५६ (हमरा चारि अक्षर पढ़ा गेल बाप) । *akṣara*—A letter of the Alphabet, the ultimate abiding reality.

अक्षरजीवा(वी) अक्षरजीवा(वी)—लिखिकए कमाएबला व्यक्ति, लिपिक, लेखक । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, अक्षरजीव, अक्षरज विक, अक्षरजीवी । *akṣarjīva(vī)*—One

who earns his livelihood by writing, a scribe.

अक्षरमुष्टिका—चौसठि कलामेसँ एकक ला। सम्भव छैक ई कोनो जूआ वा बुझौअलिक प्रतियोगिता छल जाहिमे अक्ष [(? अक्ष)] (दे०) ओ मुट्ठीक उपयोग रहैत छल। [सं०] । तु० क० हि० अक्षरमुष्टिका। वर्ण० २० (शिल्प विद्या, हमर अक्षरमुष्टिका)। *akṣaramūṣṭikā*—One out of the 64 arts, a kind of game.

अक्षरशः—क्रि० वि०। १. एक-एक अक्षर हू बहू, मन-मेन, पूर्णतः, यथार्थमे। [सं०] । तु० क० हि० अक्षरशः। मो० ९८–२३ (अक्षरशः सत्य घटना घटि गेल) *akṣaraśaḥ—Adv.* Letter by letter, true or conforming entirely i. e. in every detail.

अक्षरारम्भ—एकटा संस्कार, जाहिमे छोट नेनाकेँ ५ वर्ष भेला पर पहिले पहिल अक्षर लिखब सिखाओल जाइत छैक। चाउर पर आँजीक चिन्ह दए सरीकाँटसँ पहिने तिरहुतामे 'आँजी सिद्धिरस्तु' तान्त्रिक मंत्र चाउरेपर बहुधा लिखल जाइत छलैक। आब देवाक्षरमे 'ओनामासीधं' गणेशकेँ प्रणाम कहि लिखल जाइछ। [सं०] । तु० क० हि० अक्षरारंभ। एकावली परिणय ४०; नव० २१ (अक्षरारम्भ कए कोनहुना स्वस्ति कहलथिन्ह)। *akṣarārambha*—A ceremony in which a child is first introduced to the art of writing.

अक्षान्तर (अक्षाँश)—अक्ष (दे०)। मिहि० ४६-४७-५ (जीवनक देशान्तर अक्षान्तर वा देशान्तरसँ नहि केवल कार्यान्तरसँ प्रशासित भए सकैत छैक)। *akṣāntara*—Degree of latitude.

अक्षि—आँखि, नेत्र। [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अक्षि; प्राकृ० अच्छि। मो० १७४-२५ (अक्षि अरुण ओ भृकुटि-भङ्ग पुनि)। *akṣi*—Eye.

अक्षीण—वि०। जे क्षीण नहि हो, अविनष्ट। [सं०]। तु० क० हि० अक्षीण। गणेश खण्ड ८। *akṣīṇa—Adj.* Undiminished, not become lean or worn out.

अक्षुणता—अक्षुण्णता केर अशु० रू०। अक्षुण्ण रहबाक विशेषता। [सं० अक्षुण्णता]। तु० क० हि० अक्षुणता। मि० मित्र २२९ (मुक्तकक रचनामे रसक अक्षुणतापर कविकेँ पूर्ण ध्यान राखए पड़ैछ)। *akṣuṇatā*—Err. form of *akṣuṇṇatā*, the characterstic of being *akṣuṇṇa* (q.v.).

अक्षुण्ण—वि०। १. भग्न नहि, लगातार, अपराजित, अबाधित, व्यवधान रहित, स्थायी, अमिट २. बिन चलल (मार्ग), नवीन। [सं०] । तु० क० हि० अक्षुण, अक्षुण्ण। कपालकुण्डला २— परिच्छेद; शिव प्रसा० १६; मिथिला २–६३ (अक्षुण्ण टेक धएने रह निर्निमेष); मो० २६–२०–१८ (अध्यात्मिक शक्ति अक्षुण्ण रहतनि); विडम्बना ३३; भामक० ८१ (प्रेमके अमर एवं अक्षुण्ण बनएबाक हेतु)। *akṣuṇṇa—Adj.* Untrodden, unhampered, asting,

अक्षै—अक्षय (दे०) केर प्रा० लु० रू०। कीर्तिलता ४६ (अक्षै मन्ति विग्रकखणा तिरहुति केरा खंभ)। *akṣai—Obs.* Old form of *akṣaya* (q.v.).

अक्षोदक—नोर। [सं०]। अपूर्व रसगुल्ला ३२; झँकार ६। *akṣodaka*—Tears.

अक्षो(क्षौ)हिणी—१ समस्त चतुरंगिणी सेना, (सेनाक) एक नियमित संख्या २१८७० रथ, २१८७० हाथी, ६५६१० घोड़ा तथा १०९३५० पदाति सेना मिलाए अक्षौहिणी कहबैत छल। [सं०] । तु० क० हि०, ने०, अक्षौहिणी; प्राकृ० अक्खोहिणी। राम० २११ (कय अर्व्व अक्षोहिणी); अमर १८६; मै० व्या० १२। *akṣo(kṣau)hiṇī*—Army consisting of 21870 elephant riders, 21870 charicteers, 65610 horsemen and 109350 foot-soldiers.

अत्रत्य—वि०। एतुका, एहि जगकेर, एहिठामक। [सं०]। तु० क० हि० अत्रत्य। मो० १-४-४६ (हमर अत्रत्य विद्यार्थीकेँ कहलथिन्ह)। *atratya—Adj.* Belonging to this place (or this world).

अत्रि—सप्तर्षिमेसँ एक ऋषिक नाम। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० अत्रि। राम० ११४ (जाय अत्रिकाँ कएल प्रणाम); अमर० २२ (अत्रि आदि सातो भाइ ऋषिक नाम)। *atri*—Name of a *Ṛṣi*.

अत्रिमुक्त— ९ वायुमेसँ एक वायुक नाम। [सं०]। वर्ण ५६ (अत्रिमुक्त, युगभ्रम्ह, ऋष्यपाद)। *atrimukta*—One of the 49 winds.

अज्ञ—वि०। १. मूर्ख वा अज्ञानी, जड़ २. एहन व्यक्ति। [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अज्ञ। राम० १५८ (बालि न बुझलक वानर अज्ञ), अम० २४९ (अज्ञ मूढ़); मो० ३–१ (अज्ञ रसज्ञ होथि नहि तैँ ओ दूरहि मौँ फटकारथि)। *ajña—Adj.* Foolish (person.)

अज्ञा—आज्ञा (दे०) केर वा० रू०। तु० क० 'अज्ञाक पान'। व्य० वि० १२। *ajñā—Coll.* of *ājñā* (q.v.).

अज्ञात—वि०। बिनु परिचयक, अनचिन्हार, अविदित। [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० अज्ञात। मो० १ ५–३ (अज्ञात नहि अछि); विरा० १६५ (कोनो अज्ञात कारणसँ रियुमर कय); नव० ११ (ओहुना वाचस्पति भाक कीर्ति अज्ञात अश्रुत नहि छलइन)। *ajñāta—Adj.* Unknown.

अज्ञातनाम(मा)—वि०। १. जकर नामक पता नहि हो, जकरा केओ नहि चिन्हैत होइक २. जे विख्यात नहि हो, तुच्छ। [सं०] । तु० क० ने०, हि०, बं०, अज्ञातनामा। कन्या० १५ (तखन कोनो अज्ञातनाम व्यक्तिसँ झगड़ा करए लागलि)। *ajñātanāma(mā)—Adj.* Unknown.

अज्ञातयौवना—१. मुग्धा नायिकाक दुइ भेदमेसँ एक २. जकरा अपना यौवनक आगमनक ज्ञान नहि हो। [सं०] । तु० क० हि० अज्ञातजौवना, बं०, अस०, ने० अज्ञातयौवना। कन्या० १५४ (अज्ञातयौवना; ज्ञातयौवना मुग्धा)।

ajñātayauvanā—A lady who is ignorant of her new youth.

अज्ञातवास **अज्ञातवास**—एहन स्थानमे वास जकर ककरो पता नहि लगैक, नुका कए रहब। [सं०] तु० क० हि०, बं०, असु०, ने०, प्रव० अज्ञातवास। (रामचन्द्रकेँ चौदह वर्षक अज्ञातवास वनमे करए पड़लैन्हि)। *ajñātavāsa*—Living at a place hidden from public (anybody's) knowledge.

अज्ञाति **अज्ञाति**—ओ व्यक्ति जकरासँ देआद रहलो पर नइ कोनो कटम्बाक सम्बन्ध नहि हो। गोतीँलि (दे०)। [सं०]। तु० क० हि० अज्ञाति। *ajñāti*—A non-relative.

अज्ञातिनी **अज्ञातिनी**—अज्ञाति (दे०) केर स्त्री० रूप। [सं०]। स्वगन्धा ११। *ajñātinī*—Fem. form of *ajñāti* (q.v.).

अज्ञान **अज्ञान**—मूर्खता, जड़ता, ज्ञानक अभाव। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असु०, ने०, राज० अज्ञान, प्रा० अण्णाण। वर्ण० १६ (अज्ञान अहमन सम्मोहक); राम० १८ (हम अबला अज्ञान के आम); मो० १७१–१ (तम अज्ञान निशारिणी); दिरा० (अज्ञान आन्हार कुसंस्कारसँ आच्छन्न); शतदल ६ (हम ज्ञान मान अज्ञानक भर)। *ajñāna-Adj.* Ignorance, stupidity.

अज्ञानकृत **अज्ञानकृत**—वि०। अज्ञानमे विनु जानल कएल गेल। [सं०]। तु० क० हि० अज्ञानकृत। प्रय० ६७ (अज्ञानकृत अल भक्षण केने पुनः उपनयन आवश्यक)। *ajñānakṛta—Adj.* Performed due to ignorance.

अज्ञानता **अज्ञानता**—१. अज्ञान (दे०) होएबाक स्थिति। २. अज्ञानताक कारणेँ कएल गेल कार्य। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असु०, ने०, राज० अज्ञानता। प्रय० ९५ (हम औवरासँ अज्ञानता कर तै नहि)। *ajñānatā*—Ignorance. ignorance.

अज्ञानतः **अज्ञानतः**—क्रि० वि०। अज्ञान वा मूर्खताक कारणेँ। [सं०]। तु० क० हि० अज्ञानतः। *ajñānataḥ*—*Adv.* unknowingly, out of ignorance.

अज्ञानान्ध **अज्ञानान्ध**—वि०। मूर्खतासँ आन्हर, ज्ञान बिनु दयनीय। [सं०]। मिथिला १. ३३४ (बनक उपयोग कए जातिक अज्ञानान्ध नवयुवक मध्य विद्या प्रचारक हेतु खर्च करी)। *ajñānāndha—Adj.* Miserably devoid of knowledge.

अज्ञानी **अज्ञानी**—वि०। बिनु ज्ञानक, मूर्ख, बिना बुद्धिक, अनुभवरहित। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असु०, ने०, अज्ञानी। राम० २० (इहु प्रधान अज्ञानी नीच); मो० ६६–८ (ओ अज्ञान थिकाह); दिरा० १५ (अज्ञानी नारी ई नहि बुझलन्हि)। *ajnānī–Adj.* Foolish.

अज्ञाने **अज्ञाने**—अज्ञान (दे०) क का० रू०। राम० १०८ (बालि कहल अनुचित अज्ञाने)। *ajñāne—Poet.* form *ajñāna* (q.v.).

अज्ञेय **अज्ञेय**—वि०। नहि बुझबा–जनबा योग्य, ज्ञानातीत। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असु०, ने०, राज० अज्ञेय, अणेग्ग। लविकाग्निविद ३५; चित्रा ८४ (की रहल अज्ञेय)। *ajñeya—Adj.* Unknowable.

आ

आ¹ **आ¹**—वर्णमालाक दोसर स्वर वर्ण। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असु०, ने० आ। *ā¹*—The second vowel of the alphabet.

आ–² **आ–²**—उपसर्ग। ई गमनार्थक धातुक पहिने लगैत अछि तथा ओकर अर्थमे किछु विशेषता आनि दैत अछि। यथा, आनव, आयाल, आरोहण, आघ्राग आदिमे धातुकेर पहिने लगैछ मुदा शब्दक अर्थकेँ बदलि दैत अछि यथा आगमन, आदान, इत्यादि। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असु०, ने० आ। *ā–²Pref.* in the sense of difference.

–आ³ **–आ³**—प्रत्यय। संज्ञा, अथवा मनुष्यक नामसँ पर अनादर बोधित करबाक हेतु जोड़ल जाइछ। [सं०]। ल० वि० ४८ बुहारितिआ, बुधना, सोमना, छमना)। *–ā³—Suffi.* added in the sense of calling a lower class person.

आ⁴ **आ⁴**—अव्यय। एकर प्रयोग मर्यादा, अर्थमे होइछ। [सं०]। यथा, आमरण = मरण धरि। तु० क० हि०, बं०, असु०, ने०, आ। *ā⁴—Ind.* in the sense of 'inclusive'.

आ⁵ **आ⁵**—सोर करबाक लेल सम्बोधन सूचक शब्द। [FML 45]। (आ तू = कुकुरकेँ बजेबाक हेतु); (आ अरर = बकरीकेँ सोर करबाक हेतु)। *ā⁵*—Interjectional word for calling.

आ⁶ **आ⁶**—आबह (दे०) केर संक्षिप्त रू०। (तो गेनवा समहर आ)। *ā⁶*—Short form of *ābaha* (q.v.).

आ⁷ **आ⁷**—आओर (दे०) केर वि० रू०। पुरु० २११ (आ यार कका सेहो जैता)। *ā⁷*—Alt. f. of *āora* (q.v.)

आ⁸ **आ⁸**—संगीत केर आलापक पहिल ध्वनि- आ आ। [सं०]। *ā⁸* One of the primary sounds used in Indian music.

–आ⁹ **–आ⁹**—आउब (दे०) केर प्रेरणा-रू०। चर्या ३ (दशमि दुआरत चिह्न देखि आ)। *ā⁹*—Causative form of *āoba* (q.v.).

आअत **आअत**—आयत्त (दे०) केर प्रा० तु० रू०। कीर्तिलता ४० (फल दैवह आअत पुरिस कम्म साहस करिज्जइ)। *āata* Obs. old form of *āyatta* (q.v.)

आआ—आइआ (दे०) केर प्रा० लु० रू० । कीर्तिलता ४६, कीर्तिलता ३७ (जिनकर राजा सेवो आआ तें बहुआनी जाही) । *āā*—Obs. old form of *āeba* (q.v.).

आइ¹—क्रि० वि० । अद्य, वर्तमान दिनमे (दी०) [सं० अद्य]। तु० क० हि० आज; प्राकृ० अज्ज ; अव० आइ । मि० । वि० पदा० मजु० ११६ (आइ सुपरुष कैके बोलिव आइ); मै० हि० उदा० ३ (२-३) (आइ आशा लता फड़ि गेल); मो० ७३–१ आइ चतुर्दशीक सङ्ग अमावस्यासँ श्यामा देवीक पूजन दिन थिक; प्रम० ६ (आइ सौंसे पटना दहाए देत) । *āi¹*—*Adv*. Today.

-आइ²—प्रत्यय । १ भाव अर्थमे गुणवाचक शब्दसँ पर । यथा अमरसँ, अमराइ; पण्डितसँ पण्डिताइ आदि; पूर्वस्वरकें दीर्घ रहला उत्तर ह्रस्व कए देल जाइछ यथा चाकर + आइ चकराई + २. ठीक, आदि क्रियामे आइ प्रत्यय लगैछ यथा ठेकाइ, सिआइ, घिसाइ, अराइ, ३. बिक आदि धातु जे धातु पाठमे परिगणित अछि ताहिसँ पर प्रत्ययादि ऐ केँ आइ आदेश तथा इच्छार्थक इं केँ आइ आदेश होइछ ४. आदर सूचकबाक हेतु संज्ञामे आइ जोड़ल जाइछ । भोला-भोलाइ, गङ्गा-गङ्गाइ । *ā²*—Suffix.

आइअ—अएलाह (दे०) केर प्रा० लु० रू० । कीर्तिलता ३१ (किर्त्तिसिंह वर नृपति लए पसाओ बाहरओ आइअ) । *āia*—*Obs*. old form of *aelāha* (q.v.)

आइए(ओ)—आइ (दे०) केर निश्च० रू० । पुरु० २०७ (सुखरात्री पर्व आइए अछि); मो० ७३–१ (आइओ कि अहाँक नहि ?); चित्रा ७ (आइओ हम पड़लि कमला कातमे); नव० १४ (आइए राति सिन्दुरदान भए जेतइ) । *āie(o)*—*Emph*. form of *āi¹* (q.v.).

आइकालिह—क्रि० वि० । वर्तमान समयमे । आइकालिह करब = समयक ठीक हिसाब नहि राखब, प्रतिज्ञासँ विचलित होएब । [आइ (q.v.) + सं० कल्य] । तु० क० हि० आज और कल; उ० आजि कालि; बं० आज काल । मै० शि० सा० (३-४) ३० (आइकालिह मिथिला मध्य एक शोभा मानल जाइत अछि); मो० ६७–११ (आइकाल्हि अधिक चरितार्थक रहल छथि); पारो ३० (आइ कालिह भी पुराउ लोकनि ... इजत मे बेस बहादुर)ह *āikālhi*—*Adv*. Now-a-days.

-आइत—वर्तमान काल द्योतक प्रत्यय । आइत केँ अइत वा ऐत आदेश सेहो विकल्पसँ होइछ । ल० वि० १५७ (नहाइत देखलैन्हि, नहइतहिँ देखलैन्ह, नहैतहुँ अछि) । *āita*—Suffix in the present tense.

आइन(नि)—प्रत्यय । व्यवहार, गन्ध वा रस विशेष आदिसँ युक्त रहबाक द्योतक, विशेषण बनावए लेल संज्ञासँ पर जोड़ल जाइछ । यथा दुधाइन, घुआइनि, दुहिआइन, पठिहराइन, कैथाइन (कायस्थ > कायथ > कैथ + आइन), तेलाइन आदि । FML 206. *āina(ini)* Suff.

आइना—दर्प । हिन्दी शब्द । [फा० आइनह] तु० क० हि० आइना । आशाक बिन्दु ६० । *āinā*—Looking glass.

आइ पाइ—क्रि० वि० । शीघ्र कार्य समाप्त करबाक प्रयास । [सं आ + परिधि + अनुकरण अग्र + पश्चात्] । आगू पाछू करब, खुशामद करब, सेवा करब । मि० 352 A (बोलहा के आइ पाइ चमरा के विहान) जोलहा काज खुशामदेँ करैछ चमरा टारैछ । *āi pāi*—*Adv*. Trying for finishing a work, flattering.

आइमाइ—माए आ पितामही, घरक वा समाजकेर प्रतिष्ठित स्त्रिगण । [सं० आर्या > आजी > आई > आइ + माए > माइ) तु० क० ने० आइमाइ । मि० । (कि आइमाइ के सोर करै छिअन्हि) । *āi māi*—Respected ladies.

आइये(यो)—आइए(ओ) (दे०) केर विक० रू० । मि० ३६५ (हायाघाटमे खेमामे आइये सरकारक स्नान मजनार्थ पठाय देथुन्ह); द्विरा० ६१ (से फेर आइये देखै छिऐन्ह; विद्या २६ (आइयो तँ छी समुद्रक कातमे हम ठाढ़) । *āiye(yo)*—*Alt*. of *āie(yo)*, (q.v.)

आइरि(रि)—आगरि (दे०) प्रा० स्त्री० रूप । कीर्तिपताका १० । *āiri*—Obs. old form of *āgari* (q. v.).

आइल—क्रि० आएल (दे०) केर प्रा० स्त्री० रू० । वि० पदा० मजु० १८, न० गुप्त तालपत्र २०, अ० ६४ । (सुरपुर सओ चलि आइल गजगमनी); चर्या ३ (आइल गराहक अपणे वहिआ); BPL 853, FML 401. *āila*—*Alt*. of *āela* (q. v.).

आइला—अएला (दे०) केर लु० का० रू० । चर्या ७–८ । *āilā*—Poet. obs. form of *aelā* (q.v.).

आइलि—आएल (दे०)केर स्त्री० रू० । वि० ने० (सन संकेत निकेतन आइलि); वि० पदा० मजु० ००, रामभद्रपुर पोथी पद २६६ (जमुना तीर धनि आइलि राति); मि० उदा० १५७–२ (देह विसर्जन करबा लेल आइलि छी); FML 464; पारो १ (ताहि प्रसंगे पीसी आइलि रहथि) । *āili*—Fem. form of *āela* (q.v.).

आइलेसि—आइल (दे०) केर प्रा० लु मध्य० रू० । चर्या ४४–४; FML 505. *āilesi*—*Obs*. Second person of *āila* (q.v.).

आइस¹—एना-एना, एहन । [सं० ईदृश] । चर्या० २६–१; FML 433. *āisa¹*—such.

आइसँ²—निम्नवर्गद्वारा प्रयुक्त सम्मान सूचक सम्बोधन शब्द । [सं० आयुष्मत्] । (आइसँ ! हमरा बजऔने रहथीन) । *āisã²*—Hon. Term of address used by lower classes for upper classes, your gracious self.

आइसँ³—अव्य० । अद्यारभ्य (दी०) । प्रम० ३० आइसँ कतेक हल्ला करए लगली) । *āisã³*—*Ind*. From Today.

𑒂𑒄 **आई**—आइ (दे०) केर अशु० रू०तथा का० रू० । वि० पदा० मजु० २७८ (अबे पचताबेक आई); मन० ७१ (छमिअ-छमिअ हलधर अब आई); पुरु० १६४ (आई रात्रि चरित्र देखव); मि०, भा०, वि० ८६; प्रणु० ३६ (आई कौना भानस होइत अछि) । *āi*—Err. form and poet form of *āi* (q.v.).

𑒂𑒄𑒪𑒱 **आईलि**—आइलि (दे०) केर का० रू० । पुरु० २६५ (कल्पादिहिसँ आईलि रीति) । *āili*—P. F. of *āili* (q. v.).

𑒂𑒅[1] **आउ[1]**—आएब (दे०) केर प्रेरणा० आद० मध्य पु० वर्त० रू० । FML 349. तु० क० अव० आउ । वि० पदा० मजु० १८, रामभद्रपुर पोथी पद ६७ (पुनु लोचन पथ सीम न आउ); राम० ७५ (कौशल्या उठि कहलन्हि आउ); चित्रा २५ (आउ स्वागत हे हृदय हे प्राण); प्रण० १५६ (कंतोरसँ भोजन भस्म चूर्ण लेने आउ); नव १३ (आउ पाठक जी आउ) । *āu*[1]—*Hon.* Present tense second person imperative form of *āeba* (q. v.)

-𑒂𑒅[2] **-आउ[2]**—**प्रत्यय** । विक आदि धातु जे धातु पाठमे परिगणित अछि ताहिसँ पर प्रत्ययादि -औ कें -आउ आदेश होइछ (ल०) । वि० १०६, प्रेरणामे क प्रत्ययकें आउ आदेश होइछ । ल० वि० ११२ (पठब+क=पठाउ) । *āu*[2]—Suffix.

𑒂𑒅𑒑𑓂𑒢 **आउग्न**—पाँच प्रकारक हृदयमे सँ एक । [सं० आ+? उग्र] । वर्ण ५१ [क] (पत आउग्न पञ्च प्रकारक हृदय देखु) । *āugna*—one among five hearts.

-𑒂𑒅𑒖𑒱 **-आउजि**—**प्रत्यय** । स्त्रीबोधक अभिप्रेत रहला पर उभयलिङ्ग शब्दसँ जोड़ल जाइछ [भाएसँ-आउजि=भाउजि, भौजी) । तु०क० कटाउज] । [सं० जाया] । *āuji*—Suffix to form fem.

𑒂𑒅𑒞𑒱 **आउति**—आओत (दे०) केर स्त्री० रू० । वि० ने० १ (कैसे कए आउति पार); वि० पदा० मजु० ६६, तालपत्र न० गु० अ० २३५ (से कइसे आउति जमुना पार), गौरी परिणय २ (रति आउति निज पतिक उद्देश) । *āuti*—Fem of *āota* (q.v.)

𑒂𑓀𑒅𑒡𑒱 **आँउधि**—क्रि० । औन्हल, प्रकाशित नहि । [सं० अन्ध+इ] वि० पदा० मजु० २८३ (अवसओ रहव आँउधि भइ लाज); । (कोदा आँउधि कए राखल छैक) । *ā̃udhi*—Past participle of the root *āundhaba*.

𑒂𑒅𑒣𑒰𑒬𑒲𑒮 **आउपाशीस**—लु० रू० । मालिश्त करक एक प्रभेद । [सं० अङ्ग<पाश] । वर्ण० ११ (मर्िड आन्ह आउपाशीस) *aupāśisa*—*Obs.* A kind of massage of the body.

𑒂𑒅𑒩[1] **आउर[1]**—आओर (दे०) तथा अन्य (दे०) केर ग्रा० रू० । ग्रि० ६०४, चित्रा ५३ (हमरा आउर बरण्डामे चलिअइए) । *āura*[1]—Folk form of *āora* (q.v.).

𑒂𑒅𑒩[2] **आउर[2]**—कन्दविशेष, एकर लत्ती होइछ तथा एकर पात पानक पात सन होइछ तथा जड़ि एक मनसँ उपर एक गाछमे होइछ जे ई मिथिलाक प्रसिद्ध तरुआ तरकारीमे गनल जाइत अछि । [सं० अरुआ] । तु० क० पेँची आउर, खम्हारु । (आउरक चक्का तथा तिलकोड़ाकपाते टा भूरकफकें हमरा नीक लगैत अछि) । *āura*[2]—an edible bulbous root used as vegetable.

𑒂𑒅𑒩𑒼𑒪 **आउरोल**—प्रेरणा नृत्यमे नर्त्तक केर संग पुरानिहार वा बाजा बजौनिहार । [?] वर्ण० ५१ (तंका पाछा आउरोल) ! *aurola*—One who acompanies the principa dancer in a kind of dance.

𑒂𑒅𑒪 **आउल**—आकुल (दे०) केर प्रा० लु० रू० । वि० पदा० मजु० १७, न० गु० तालपत्र १८६, अ० १६० (लाजे वेआकुलि नासुन हैरए, आउल नयन तरङ्गे) । *āula*—Obs. old form of *ākula* (q.v.)

𑒂𑒅𑒪 𑒥𑒰𑒅𑒪 **आउल बाउल**—दिक्कमे पड़ल मनक अवस्था, एकदम हतप्रभ, गर्मीमे व्याकुल । [सं० आकुल > आउल + व्याकुल > बाउल] । तु० क० अव० आउल बाउल । (गाड़ा के दूर-दूर पर रुकबाक कारणें मन तँ आउल-बाउल भइ रहल अछि) । *āula-bāula*—Totally tired or overworked state especially due to physical strain.

𑒂𑒅𑒮[1] **आउस[1]**—वि० पदा० मजु० १३ अ० १०२४ (पटेवा आउस परम हरि बाल हिआ) [?] । *āusa*[1]—Obs. ?

𑒂𑒅𑒮[2] **आउस[2]**—धानक एक प्रभेद अगता, अगहनक पूर्वं भादवेमे होइछ । तु० आउँस । [सं० आशु] । तु० क० हि० आउस; बं० आउश । *āuse*[2]—A kind of early growing paddy which grows in the month of *Bhādrapada* itself.

𑒂𑒆 **आऊ**—आएब क्रिया केर आज्ञा-अनुरोध अर्थमे मध्यमपुरुष एक व० केर रूप । मि० भा० वि० ८६ । तु० क० अव० आऊ । *āū*—Imperative second person singular declension of the root *āeba*, Come.

𑒂𑒋[1] **आए[1]**—**प्रत्यय** । बिक्आदि धातुसँ पर -इ प्रत्ययकें-आए आदेश होइछ यथा बिक+इ=बिकाए, खाए, जाए; अनेक स्वर वाला अबन्त धातुसँ पर इर कें आए आदेश तथा अन्तिम अब केर लोप भए जाइछ यथा पठब+इ=पठाए; बजबब्+इ=बजबाए । ल० वि० १४५, १४६ । -*āe*—Suffix.

𑒂𑒋[2] **आए[2]**—आइ (दे०) केर प्रा० लु० रू० । गोरक्ष विजय ७ (ख) (प्रतिहारी अवसर आए) । *āe*[2]—Obs. old form of *āi* q. v).

𑒂𑒋[3] **आए[3]**—आएब (दे०) केर संक्षि० ओ का० रू० । वर्ण० ३० (आए भए गउ); वि० ने ३८ (अवधि समापिल आए); वि० पदा० मजु० ११७ रागत० ७५, न० गु० ६२६ अ० ६३२ (आए मिलत पिय तोर); श्रीकृष्ण जन्म रहस्य २८ (गृह आए नन्द आनन्द भा) । *āe*[3]—*Short* and Poet. of *āeba* (q. v).

𑒂𑒋𑓀 **आएँ**—अव्य० । १ विस्मय २ सम्बोधनोत्तर सावधानता [आएँ > आएँ] *āe*—expression of surprise; expression showing alertness of a person, esp. on being addressed.

𑒂𑒋𑒞[1] **आएत[1]**—आओत (दे०) केर बा० रू० । वि० ने० ८

…गिरि अएलाहु पए आएत काज)। *āeta—Coll.* of *āota* (q.v.).

आएत² आएत²—वि०। सुन्दर (दी०), विपुल, पैघ, [सं० आयत] नव० ५ (श्याम कान्ति आ आएत आँखिबला तरुण कहल-कइन)। *āeta²—Adj.* Beautiful.

आएब¹ आएब¹—भविष्यमे अएबाक क्रिया, भविष्य कालक प्र० ओ मध्य० पु० केर रूप, आगमन। [सं० आगमन] तु० क० बं० आयइच; उ० अइव। (कालिह हम आएब भ सकत त आइयो)। *āeba¹—V.* To come (in future).

आएब² आएब²—दोष, अवगुण। [फा०] तु० क० उर्दू आएब, ऐब (हि०)। (ओहि कन्याक हेतु कौनो आएबवला वर आनब अनुचित)। *āeba²* —Fault, defect.

आएल¹ आएल¹—आएब (दे०) केर वर्त० रू०। तु० क० हि० आया; बं० एल; उ० अइल; अस० आएल। गोरक्ष विजय ७ (ख) (कृष्णपति आएल सयन तत्र); वि० ने० ६८ (तहिखने पहिआ पाहोन आएल वरिसए लागल देबा); वि पदा० मजु० ४८ न० गु० तालपत्र २१७, अ० २१८ (आएल बइसल पाव दोआर); राम० २१ (आएल छथि मुनि जनिक निमित्त); गौरी परिणय ४ (गौरि वर कारण आएल निकट महेश हे); मो० ६७-७ (पण्डितसभ आएल छथि)। *āela¹—V.* Present tense of *āeba* (q. v.).

आएल² आएल²—आएब (दे) केर भूत० रू०। तु० क० हि० आया; बं० एल; उ० अइल, अस० आएल। चित्रा ५ (निंद छल आएल कतेक प्रयाससँ)। *āela²—V.* Past tense of *āeba* (q. v.).

आएला आएला—आएल (दे०) केर का० रू०। वि० ने० २७० (पाउस निअर आएला रे से देसि सामि डराओ)। *āelā—Poet.* of *āela* (q. v.).

आएलाहु आएलाहु—आएल (दे०) केर लु० निश्चयात्मक रू० वि० ने० २३८ (कान्ध आएलाहु)। *āelāhu—Obs.* Emph. of *āela* (q v.).

आएलि आएलि—आएल (दे०) केर स्त्री० रू०। वि० पदा० मजु० ५६ प० त० २५३, न० गु० १८८ अ० १६७ (फेरि आएलि तुहुँ पुरुबक पूने); मो० ३४-१६५ (लज्जा नेत्रसँ मुखमे आएलि)। *āeli—Fem.* of *āela* (q. v.).

आएव आएव—आएब (दे०) केर विक० रु०। राम० ३१ (हम आएव घुमि फिरि कए बेरि); प्रण० २६ (लहेरिया सरायसँ किनने बेसाहने आएव); चित्रा ४१ (आनहु नहि आएव त हम अवस्स तार देव)। *āeva—Alt.* of *āeba* (q. v.).

आओ¹ आओ¹—आओर (दे०) केर प्रा० संक्षि० रूप। वर्ण० ३६ (आओ जइसनि विपक्षक वनक धूमकेतु); वि० ने० १३० (कत एक नागर आओ चौघौल); वि० पदा० मजु० ८८, नेपाल ५, न० गु० ४२१, अ० ४१७ (साजनि आवे कि बोलव आओ)। *āo¹—Old* coll. form of *āora* (q.v.).

आओ² आओ²—प्रत्यय। भाव अर्थ मे जोड़ल जाइछ। ल० वि० १४७। [उठ+आओ=उठाओ-उठाव]। *āo*—Suffix for forming abstract nouns from adjectives.

आओँ आओँ—अन्नक विकारविशेष (दी०)। एक प्रकारकेर चिक्कन उज्जर लसलस मल जे अन्न ठीकसँ नहि पचलासँ उत्पन्न होइछ। [सं० आम]। तु० क० हिन्दी आँव; अमांसे (दे०), अमारय (आओँ खसत सब विकार दूर भ जाएत)। *āõ*—Undigested food, found as white watery segments in stool, dysentery.

आओत आओत—क्रि०। आएब (दे०) केर इच्छा० रू०। वि० पदा० मजु० १८३, न० गु० तालपत्र ६६ (मनक मनोरथ पुरत मधुरिपु, आओत आजे); मन० ५५ (कहलक सौभ हमर जौं आओत); राम० २८२ (निकट न आओत हमर दूत); महेश २७ (अन्तमे केओ ने आओत काज); कन्या० ११६ (जिला जयवारसँ धाङि आओत)। *āota—V.* Optative form of *āeba* (q. v.).

आओति आओति—आओत (दे०) केर स्त्री रू०। गो० श्र० १ अमर ३२ (तुअ सखी होयति यतने चलि आओति थीरे करह इह श्यामा); मो० २०-६ (भरोसी आओति ने किएक)। *āoti*—Fem. of *āota* (q. v.).

आओन¹-आओन¹-१. प्रत्यय। व्यंजित अर्थमे प्रयुक्त कएल जाइछ। ल० वि० ५७ (निछाओन, निकाओन, कमाओन); (ल० वि०) ४६ युक्त अर्थमे अल्प मेघसँ युक्त मेघाओन। (ल० वि०) सदृश अर्थमे वदरओन। *āona*—Suffix added in the senses of something partially similar or endowed with.

आओन² —आओन²—गाड़ीमे पहियाक सामी (दी०)। ग्रि० १७० । *āona²*—The iron axle box of a carriage.

आओर आओर—अव्यय। अन्य, दोसर, आन, अतिरिक्त, समुच्चयबोधक (दी०), पुनः। [सं० अपर > अवर >] तु० क० हि० और, अस० आओर; उ० आउरि, आउर। वर्ण० २ (आओर कइसन देषु); मन० ७५ (मगह मुङ्गेर आओर नेपाल); मि० ३३० (पोखरि आओर खुनवाओल गेलैन्ह); पारो ३५ (आओर चाही त से कहू); आमक० १ (आओर आकृति आतंककारी।) *āora—Ind.* And, besides, another.

आओल आओल—आएल (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० ११० नेपाल १०८, न० गु० ३४, ३८, ४०, ४३-४ (कुसक धरम पहिलन्हि अलि आओल)। *āola—Poet.* of *āela* (q.v.).

आओव आओव—आएव (दे०) केर का० रू०। वि० पदा०

मजु० ७८, न० गु० तालपत्र २२१ रामभद्रपुर पोथी ३६६; अ० २८८ (पङ्कज लोमे भमरे चलि आओव); गो० श्व० १ अमर ५१ (सुन्दर माधव आओव जव गेह); मन० ४४ (कंस जङ्का परसू आओव)। *āova—Poet.* of *āeva* (q. v.).

आक(का)¹ -आक (का)¹-प्रत्यय। तच्छील्य अर्थमे, कोनो क्रियामे अभ्यास ओ कौशल प्राप्त करनिहार कर्त्ता लेल क्रियामे जोड़ल जाइछ। ल० वि० १३५ (उड़ + आक = उड़ाक; लड़ + आक (+ आ) = लड़ाका; चल + आक = चलाक)। *-āka¹*—Suffix added) in the sense of thoroughness or having experience and specialization.

आक(का)² आक(का)²—अर्क, पुष्पविशेष (दी०)। ई फूल महादेवकेँ विशेष प्रिय छन्हि। [सं० अर्क] । तु० क० हि० आक, अकवन; प्राकृ० अक्क। वि० पदा० मजु० ५७१ (आक धुथुर फल देय मोह जोही); गौरी परिणय ४ (आक धुथुर फुल नवदल श्रीफल पुजल चरन करि प्रेम है); मि० ३११ (उजरा आकक गाछ छैके); मद्दृ० १२३ (आक धथूर बिछौने)। *āka²*—A small tree bearing flowers of the same name with medicinal sap and rind.

आँक आँक—१ एकसँ नओ तक केर संख्या। २ चिन्ह (दी०) ३ परीक्षण। तु० क० आँकब (दे०)। [सं० अङ्क] । *āka*—Numbers zero to nine, mark, evaluation.

आँकड़ आँकड़—कंकड़, बहुत छोट-छोट पाथर (दी०), पाथर छोट-छोट कुची। [सं० कर्कर > कक्कड़ > काँकड़] । नव० २१८ (छोटि जनि बिलमैसँ आँकड़ बिछइ छली)। आँकड़ पाथर। *ākaḍa*—Very small stones (especially those often found mixed in grains).

आकण्ठ आकण्ठ—वि०। कण्ठ धरि, पूर्णतः। [सं० आ + कण्ठ] प्रण०, ११६ (आकण्ठ जलमे पैसलाह); द्विरा० ५७ (अहाँ जखन आकण्ठ जलमग्नमे रहै छी); (आकंठ भोज खाए क आबि रहलहुँ अछि)। *ākaṇṭha—Adj.* Up to the brim, full.

आकण्णे आकण्णे-क्रि०। तु० का० रू०। अकानि, सुनिबुझि। तु० क० अकानि। [सं० आकर्ण्य] । कीर्तिलता १५ (मोर वअन आकण्णे करहु)। *ākaṇṇe—V. Obs. Poet.* form. After having heard (something).

आकन आकन—एक प्रकारक दारु वा लकड़ी। वर्ण० ११ (मरण मोखा आकन)। *ākana*—A kind of wood.

आँकब आँकब—क्रि०। परीक्षण करब, गनब, चिन्हित करब। [आँक (दे०) + अब्] । *ākaba—V.* To evaluate, count or mark.

आकर आकर—समूह [सं०] । *ākara*—Group.

आकरि¹ आकरि¹—आकर (दे०) केर स्त्री० रू० मि० मित्र १-२२ (रोग इत्यादिक आगरि-आकरि थिकीह)। *ākari¹*—Fem. form of *ākara* (q. v.).

आकरि² आकरि²—बहिला (माल) (दी०), जाहि मालकेँ सन्तान नहि होइक। [? सं० अक्रिय]। *ākari²*—An animal (female) which has no issue.

आकर्षक आकर्षक—वि०। १ ओ वस्तु, जे अपना दिसि खीचए, आकर्षण करनिहार। २ सुन्दर। ३ चुम्बकीय शक्ति सम्पन्न धातु। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आकर्षक। [सं०] । (वाह! केहन आकर्षक फूल अछि)। *ākarṣaka—Adj.* Attractive.

आकर्षण आकर्षण—१ कोनो वस्तुक दोसर वस्तु लग ओकर शक्ति वा प्रेरणासँ आबि जाएब। २ विशेष गुण। [सं०] तु० क० हि० अस०, ने० आकर्षण। वर्ण० ३ (आकर्षण); पुरु० (लोह गुटिका आकर्षण करति)। *ākarṣaṇa*—attraction.

आकर्षक्रीड़ा आकर्षक्रीड़ा—६४ प्रकारक कलाकेर एक प्रभेद [सं०] । वर्ण० २० (आकर्षक्रीड़ा वनिता विहार)। *ākarașa-krīḍā*—One of the 64 traditional Indian arts.

आकर्षित आकर्षित—वि०। खीचल गेल, अपना दिसि आनल देल। [सं० आकृष्ट = आकर्षित] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०; आकर्षित; पा० आकस्सति; प्राकृ० आगासिव; सिं० हुव। मि० उद० १५७-१६ (आकर्षित भेल अछि); भो० १७-१८ (ध्यानकेँ आकर्षित करै चाहैत छी); नव० ४५ (पेट्रोमेक्सक प्रकाशसँ आकर्षित भेने मारि कीड़ा फतिंगा उड़ि-उड़ि लोकक पीठपर बइसइ)। *ākarṣita—Adj.* Attracted.

आँकल आँकल—वि०। चिन्हित, लिखल, बनाओल। [सं० अंक] । नव० ४० (अष्टदल कमल आँकल रहइक)। *ākala—Adj.* Marked, sketched, outlined.

आकलइतेँ आकलइतेँ—क्रि० वि०। लिखैत-लिखैत; गनैत। [सं० आकलन + निश्चयात्मक अहि = अइ > ए, एँ] । वर्ण० २६ (कोटि प्रभृति अकाशहिँ सहिआर आकलइतेँ लेल पुरवइते आह)। *ākalaitẽ —Adv.* While figuring or counting.

आकलन आकलन-क्रि०। लेवाक, कार्य संग्रह, सञ्चय, गनब, सम्पादनँ अनुसन्धान, जाँच, इच्छा, कामना, वर्णन करब। [सं०] । तु० क० हि०, बँ०, अस०,ने०, अव०, आकलन। मिहिर २-६१-६० (१०)। *ākalana—V.* Collection, amount, investigation.

आकस्मिक आकस्मिक—क्रि० वि०। अकस्मात भेनिहार; जे बिना कोनो कारण घटित होअए, जकरा होएबाक पहिनेसँ कोनो अनुमान नहि हो। [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०,राज० आकस्मिक; प्राकृ० आकस्मिय। पुरु० १७४ (नीतिहि काल बिताव आपत आकस्मिक पड़य); मि० ३०१ (आकस्मिक पहना धनघोर रातिमे); प्रण० १६६ (एहि आकस्मिक पति परिवर्तनक रहस्य नहि बुझि पड़लैन्ह)। *ākasmika—Adv.* Sudden.

𑒂𑒏𑒰𑒥𑒰𑒏𑒰 **आकाबाका**—अव्यय। का० रू०, अन्ट सन्ट बात-विचार उचित-अनुचित । [आँकव < सं० अंकन = आँक > आक, अथवा बाक क शब्दानुकरण + बाक (बजबाकाल पुनरुक्ति + सं० वक्र > बाक्) तु० क० अकबक, हि० हक्का-बक्का । रुपैया राज० ५ (किछु चलय न आकाबाका । टनकाय टनाटन टाका) । *ākābākā*—Ind. P.F. Right or wrong words.

𑒂𑒏𑒰𑒩 **आकार**—आकृति, स्वरूप (दी०), मूर्ति, रूप सूरति, बनावट, संघटन, चिन्ह, चेष्टा, दीर्घ 'आ'क मात्रा। [सं० । तु० क० हि० बं०, अस०, ने०, अव० राज०, आकार; पा० ओअक; प्राकृ० आयार; सि० आयुर; आग्र; आ । वर्ण० १२ (पृथ्वीतल खसल अइसन आकार); वि० पदा० मजु० १७८ (नयन युगल भृंग आकार); राम० ७८ (स्वयं ज्योति रहित आकार छथि); मि० उद० १५७–१७ एकटा नारिकेरिक आकार भारुड बहार कै); द्विरा० १२८ (नीमकीक आकार ग्रहण केने छलैन्ह)। *ākāra*—Shape, appearance, the *mātrā* (q.v.) or mark of *ā* added to a letter.

𑒂𑒏𑒰𑒩𑒲 **आकारी**—वि० । आह्वान कएनिहार, बजओनिहार। [सं० आका > आकारण + इक < ई।] तु० क० सं० आकारिक जकर अर्थ होइछ खानि केर अधीक्षण लेल नियुक्त व्यक्ति। तु० क० हि० आकारी। मो० १२२-३-३१ (केवल आकारी बनि उक्त पाठशालाक नामावलीकेँ भरथि)। *ākārī*—*Adj.* (One) who calls out especially by name; who convenes, who takes the attendance.

𑒂𑒏𑒰𑒩𑒹 **आकारे**—आकार (दे०) केर का० रू० । वि० पया० मजु० ७१ प० ता० २१६ न० गु० २५०, अ० २४६ (जिनि कम्बुकण्ठ आकारे) । *ākāre*—Poet form of *ākāra* (q.v.),

𑒂𑒏𑒰𑒪 **आकाल**—अकाल (दे०) केर अशु० वा का० रू०। मो० ६३–१० (नियम छैक आकाल (रौदी) अवश्य हो) । *ākāla*—Err. or poetic form of *akāla* (q. v.).

𑒂𑒏𑒰𑒪𑒯𑒱 **आकालहि**—आकाल (दे०) केर निश्चय० रू० । राम०२६५ (तनिकर मरण आकालहि भेल) । *ākālahi*—*Emph.* of *ākāla* (q.v.).

𑒂𑒏𑒰𑒬 **आकाश**—अन्तरिक्ष, गगन । [सं०] तु० क० हि०, बँ०, अस०, राज०, गु०, अव० आकाश, पा० आकाश, प्राकृ० आकास आगओ; अआओ; सि० अहस; अस । वर्ण० १० (कृष्ण पक्षक आकाश सन देखू); राम० १५१ (हा आकाशक पन्थ राक्षस बली से दुष्टनीता छली); मो० ६७–३ (आकाश सर्व व्यापक अछि); चित्रा ६१ (भए रहल अछि व्याप्त ई आकाश) । *ākāśa*—Sky.

𑒂𑒏𑒰𑒬𑒏𑒰𑒧𑒱𑒢𑒲 **आकाशकामिनी**—मन्त्रसंचारित योनि विशेष । ६४ योगिनीमेसँ एक । [सं०] । तु० क० डाइन-योगिन, योगिनी-पिशाचिनी । वर्ण० ५२ (अन्धरोविका, मूका, मोहिणी, आकाशकामिनी प्रभृति चउसठि योगीनीतेँ अ र्या) *ākāśa-kāminī*—One of the 64 *yoginīs*.

𑒂𑒏𑒰𑒬 𑒏𑒳𑒮𑒳𑒧 **आकाश कुसुम**—मात्र काल्पनिक सत्ता बला मिथ्या (वस्तु, फूल वा विषय) जे हास्यास्पद हो। [सं०] । तु० क० हि०, बं०, ने०, अस०, आकाशकुसुम ; मृगतृष्णा (दे०) । मिहिर २–६१–५३ (१२), (की आकाशकुसुम तोड़बामे लागल छी) । *ākāśa-kusuma*—Flower of the sky. Figuratively used for an imaginary object.

𑒂𑒏𑒰𑒬 𑒑𑓀𑒑𑒰 **आकाश गंगा**—पौराणिक स्वर्गङ्गा (जकर निर्माता विश्वामित्र कहल जाइत छथि), छोट छोट ताराक एक विस्तृत समूह जे आकाशमे उत्तरसँ दक्षिण दिसि पसरल अछि । [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस, ने०, आकाश गङ्गा । (मेघमे आकाश गङ्गा प्रत्यक्ष ओह्निा देखि पड़ैछ) । *ākāśagaṅgā*—Ganges of the sky, the Milky Way in the heavens.

𑒂𑒏𑒰𑒬𑒠𑒲𑒣 **आकाशदीप**—आकाशमे पितरलोकनिक बाट इजोत कइबाक लेल खूब ऊँचपर गाड़ि क जराओल जाएबला दीप (विशेषतः कार्तिक मासमे) । ई धार्मिक दीपदान कहबैत अछि। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, आकाशदीप । (आकाशदीप कार्तिकमे कल्पवास कएनिहार वा कएनिहारि, दडै़त छथि) *ākāśadīpa*—A lamp in the sky to act as light for the path of the dead ancestors in the month of kārttika.

𑒂𑒏𑒰𑒬𑒮𑓂𑒟 **आकाशस्थ**—वि० । आकाशमे स्थित, आकाशमे होमएवला । [सं०] । मि० उद० १५७–२० (आकाशस्थ नव कादम्बिनी) । *ākāśastha*—*Adj.* Belonging to the sky.

𑒂𑒏𑒰𑒬𑒫𑒰𑒝𑒲 **आकाशवाणी**—देववाणी, अप्रत्यक्ष शून्यसँ सुनाओल जाइत बाणी (नाटक आदिमे), बेतारक युक्तिसँ प्रसारित ध्वनि, भारतीय रेडिओक नाम। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आकाशवाणी । पुरु० १६६ (ई आकाशवाणी केहनि ?) *ākāśavāṇī*—A voice from heaven, an incorporeal speech, Indian Name of the All India Radio.

𑒂𑒏𑒰𑒬𑒖𑓂𑒘𑒰𑒢 **आकाशज्ञान**—शून्य आकाशक अनुभव वा वर्षा विषयक ज्ञान । [सं०] । वर्ण० १६ (मेघक शब्दें आकाशज्ञान) *ākāśa-jñāna*-Knowledge about the existence of the sky or of the conditions of the weather (esp. as regards the planets, rains, etc).

𑒂𑒏𑒰𑒬𑒲𑒨 **आकाशीय**—वि० । आकाश सम्बन्धी; आकाशमे स्थिति, ग्रह आदिसँ सम्बद्ध, आकाशमे घटएवला, दैवात्, दिव्यज्ञानसँ, अकस्मात । [सं०] तु० क० हि०, बँ०, अस०, ने०, आकाशीय । मो० १७४–५८ (आकाशीय भविष्य ज्ञानसँ पूर्वहि कहल जाय तँ लोकमे चमत्कार होइछ) *ākāśīya*—*Adj.* Belonging to the heavens, unforeseen.

𑒂𑒏𑒰𑒮 **आकास**—आकाश (दे०) केर बा० रू० । वि० पदा० मजु० २२ (आकास पाताल बस से ओ कइसे मेल अस) *ākāsa* *Coll.* of *ākāśa* (q. v.)

𑒂𑒏𑒰𑒮𑒲 𑒂𑒪𑒼𑒔𑒢𑒰 **आकासी आलोचना**—व्यर्थकृत

आलोचना; निरर्थक आलोचना। [सं आकाशीय, आकाशी + आलोचना] मिहि० ३८-२५-८ (आकासी आलोचना नहि कए सभ बातक पता लगाए आलोचना करथि) *ākāsī ālocanā*—Easleess criticism.

आकांक्षा **आकांक्षा**—मनोरथ, महत्वाकांक्षा, इच्छा। [सं०] वर्ण० १३ (यें वं वस्तुक अधिक आकांक्षा); मि० उद० ३५७-१६ (कालिकाक प्रसादक आकांक्षासँ)। मो० १७१३- (आकांक्षाकें बढ़ाय कथं क्षेत्रमे अवतीर्ण होइत छथि)। *ākāṅkṣā*—Wish, desire.

आकीर्ण **आकीर्ण**—भरल, पसरल वा छितराएल। [सं०] वर्ण० ४२ (चटकतें आकीर्ण), मलमानुस ६२। *ākīrṇa*—Filled.

आकुर **आकुर**—आंकुर (दे०) केर का० रू०। वि० ने० ४० (प्रेम आकुर अगुरत मेल)। *ākura*—Poet. of *aṅkura* (q. v.).

आँकुर **आँकुर**—अंकुर (दी०), अँकुरा। [सं० अंकुर]। वि० पदा० मजु० १४३ तालपत्र न० गु० ७१७, मि० ३०२, अ० ७६८ (पेमक आँकुरे पल्लव देल), ऐ० ३६, न० गु० तालपत्र ७५ अ० ३ (नदन आँकुर साँगु)। *ākura*—Sprout.

आकुल **आकुल**—वि०। (१) व्यग्र, घबराएल, (२) व्यस्त (३) उद्विग्न, क्षुब्ध, (४) बिह्वल (५) चिन्तित, (६) अस्वस्थ (७) तारतम्यहीन। [सं०] l तु० क० हि०; बं०, अस०, ने०, अव०, राज० आकुल; पा० आकुल, ओभक; प्राकृ० आउल; अउलिया; उ० आउला, ओला; प्रा०गु० आकुलई। वि० पदा० मजु० ३१, न० गु० १०४ तालपत्र ने० १८ पृ० ८, क० ११६ (आकुल कुटिल अलिकुल समरी); मन० २२ अति आकुल भए सभ पहुँचल धाय); राम० ६८ (शोक आकुल भरत खसला); पारो ६८ (आकुल स्वरमे बाजलि), आमक० ८३ (हृदय आकुल भ गेलैन्ह)। *ākula*—*Adj*. Distressed, anxious.

आकुला (लि) **आकुला (लि)**—आकुल (दे०) केर स्त्री रू०। वि० पदा० मजु १६६, न० गु० ८०३, अ० ८०४ (कि करत हियरा आकुला रे); मन० १३ (ततय सुतओलन्हि आकुल भेलि); गोरी परिणय ६ (अति आकुल भए रति परवेश)। *ākulā (lī)*—Fem. of *ākula* (q.v.)

आँकुस **आँकुस**—अंकुश, अंकुसी (दी०), कोनहु प्रकारक रोक [सं० अंकुश]। कीर्तिलता ५१ (महाउओक आँकुस माहेते मान); वि० पदा० मजु० १८६ तालपत्र न० गु० १३० (धरि हरि पियन आकुस) लाय)। *ākusa*—Pointed or hooked, iron-rod for controlling (esp. elephants),

आकृति **आकृति**—स्वरूप, गढ़नि, काट, आकार। [सं०]। तु०क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० आकृति। राम० ४१ (आकृति जनिक देखि सभ सटकल); मो० २६-२७-३ (आने आकृतिकें धय मिथिलाक्षर नाम सँ ख्यात भेल); शतदल १४ (आकृतिओ नम घनश्याम सनक); आमक० १ (आओर आकृति आतंककारी)। *ākṛti*—Shape, appearance, form.

आकृष्ट **आकृष्ट**—वि०। आकर्षित, [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आकृष्ट। पुरु० १०५ (निश्वास औ आकृष्ट मद गन्ध तें परम आकुल), मि० ४५२ (इन्हर आकृष्ट करबाक हेतु आक्रोश छनि कए रहल छी); मै० हि० सा० १६ (चित्त आकृष्ट करथि); मो० ६६-२ (आकृष्ट देखि); द्विरा० ५ (आब एहि दिश आकृष्ट भ रहल छैन)। *ākṛṣṭa*—*Adj*. Attracted.

आकेकरा **आकेकरा**—वि०। प्रा० लु० प्रयोग अर्धमीलित (आँखि)। [सं०]। तु० क० हि० आकेकर। वर्ण० ४१ (आकेकरा कुञ्चित)। *ākekarā*—*Adj*. Half-shut (eyes)

आक्रन्द **आक्रन्द**—१. कानब २. हल्ला, चीत्कार करब ३. ध्वनि, ४. घोर युद्ध। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस० ने० आक्रन्द। आम० ३०१; मो० १-१८ (नरकक आक्रन्द देखि)। विशेषरूपसँ रक्षार्थ लोकके सोर पाड़ि-पाड़ि कए जोरसँ कननाइ (चिकरब) शतदल ३६। *ākranda*—Cry.

आक्रन्दन **आक्रन्दन**—कानब, चिकरब, भोकरब, विलाप। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आक्रन्दन। चवनिका ७८। *ākrandana*—Lamentation.

आक्रमण **आक्रमण**—चढ़ाइ, हमला, घेरब, आक्षेप वा निन्दा करब। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आक्रमण; प्राकृ०, पा० आक्कमण; सिं० आक्रमन। पुरु० १२८ (पाशबद्ध कष्टसौं आक्रमण थिक); मि० उद० १५६-६ (असहयोगक आक्रमण बनारस गवर्नमेन्ट संस्कृत कालेजक परीक्षापर पूर्ण रूपेण पड़ल); मो० १७४-४ (भिक्षु सन आक्रमण कैने छल); रक्त १५० (महाराजक हाथीपर आक्रमण क देलकैन्ह)। *ākramaṇa*—Attaek, siege.

आक्रमत **आक्रमत**—क्रि०। आँक्रमण करत। [आक्रमण सँ आक्रम् + अत] अत प्रत्यय भविष्य प्रथम पुरुष लेल। तु० क० मार + अत = मारत, माख + अत = माखत। घनाद ४ मे ६। *ākramata*—V. Will attack.

आक्रान्त **आक्रान्त**—वि०। १. जकरापर आक्रमण कएल गेल होअए २. घेरल, आवृत ३. वशीभूत, पराजित ४. पीड़ित, दलित, ५. व्याप्त। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, आक्रान्त; पा० आक्कान्त; प्राकृ० आकाँत; गु० आकाँतिउ। पुरु० १६२ (दारिद्र्य दोषसौं आक्रान्त रहय लगलाह)। *ākrānta*—*Adj*. Which has been overcome or occupied.

आक्रीड़िता **आक्रीड़िता**—नृत्यक छओ भङ्गिमामेसँ एक। [सं०]। वर्ण० ४६ (आक्रीड़िता, विलम्बिता संपङ्क्षी छह भंगक व्युत्पन्ना)। *ākrīḍitā*—One of the six poses in dancing.

आक्रोश **आक्रोश**—१. गारि, गंजन, २. आह्वान। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आक्रोश। अम० ३६ (शाप आक्रोश दुरेषणा); सुभद्राहरण ३२; मि० ४५२ (इन्हर आकृष्ट करबाक हेतु आक्रोश कै रहल छी); स्वर्गन्धा २४। *ākrośa*—An

abuse or discrediting one.

𑒂𑒐𑒩 आखर—अक्षर (दे०) केर विकल्प रू० । [सं० अक्षर] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आखर । मै० अच्छर शब्दवत विकल्प वा० रू० । वि० पदा० मजु० १४६, न० गु० ६१४, अ० ६२० (मधुकरमाला अ खर पान्नि); मो० १३८–३९–३० (अपन शुद्ध मैथिलीक अ खरहुक दिशि ध्यान रखैक थिक), द्विरा० २०६ (दुइए आखर अंग्रेजी पढ़ि कए तोरा एतेक बुद्धि भ गेलौक); पारो २७ (कोनो बैबें जँ इ आखर पारोकें लिखि पठबितियै); नव० १३ (आगाँ एको आखर हुनका मुँहसँ नहि बहरेलन्हि); कनेक गीतक आखर कहिऔक । *ākhara*—A letter of the alphabet.

𑒂𑒐𑒩𑒲 आखरी—वि० ! अन्ततः, कमसँ कम । [फा० आखिर] आमक० ८४ (ऋतुओ आखरी चल्ले गेल), (मासक आखरी तारीखमे हमर सभक प.इ वेमाक अवश्य कए देब) । *ākharī*—At the end, lastly.

𑒂𑒐𑒱 आखि—आँखि (दे०) केर अशु० रू० । वि० ने० ३४ (आखि देखइते कुपथ धसिलहु); वि० पदा० मजु० ७० पंडित बाबा पोथी पद १०४ (प्रथमइ दुति पठायलि आखि)। *ākhi*—Err. form of *ā̃khi* (q.v.).

𑒂𑓀𑒐𑒱 आँखि—नेत्र, चक्षु, नयन । [सं० अक्षि] । तु० क० हि० बं०, अस०, ने०, अव०, राज० आँखि । वि० पदा० मजु० ३४ न० गु० तालपत्र ५२, नेपाल २६, क्षणदा ३४८, अ० ७६ (मँउइ सुरे-खलि आँखि), गो० श्रृ० १ अपर २ (निन्दह निन्द नयन नहि हेरिय नै जानिय कि भेल आँखि); मन० ४५ (मरदक नलिन मलि । करु आँखि) राम० २४ (मुनि कोप ल ल वड़ आंखि), मै० हि० सा० ३–४–२ (कत दिन साय संध्या देखव कत दिन आंखि बहाने) । *ā̃khi*—eye.

𑒂𑓀𑒐𑒱𑒋 (𑒨𑒹) (𑒨𑒼) आँखिए (ये) (यो)—आँखि (दे०) केर निश्च० रूप । कन्या० ७ (काजर कर जैथिन्ह त वरक आँखिये फोड़ि कए वैसि रहथिन्ह); प्रय० २७ (आंखिए आंखसँ इशारा भेल); पारो ६८ (ईरुम हरना पहि आंखिए नहि देखल हैत), मैथिली लोकगीत १४६ । *ā̃khie (ye) (yo)*—Emph. of *ā̃khi* (q.v.).

𑒂𑓀𑒐𑒱𑒦𑒾𑓀𑒯 आंखि भौँह-नेत्र एवं भौँह (कपारक नीचाँ भाग में आँखिसँ उपर केशसँ आच्छादित स्थानके भौँह कहल जाइछ) । [सं० अक्षि+भ्रू] तु० क० ने० आंखिभौं । आंखिभौंह बिगाडब=भ्रूवा प्रदर्शित करब—क्रोध प्रकट करब । *ā̃khi bhaũha*—Eyes and eyebrows.

𑒂𑒐𑒱𑒩 आखिर—अन्ततोगत्वा, अन्तमे [फा०] । तु० क० मै० आखीर (दे०) हि०, बं० अस०, उर्दू, ने० आखिर । राग० ६४ (आखिर त ओ अञ्जन लागे); प्रय० १६७ (अ खिर नहि रहि भेलैन्ह); पारी २१ (अनन्त आखिर नहियै बुझलियै) । *ākhira*—In the end, after all, however.

𑒂𑒐𑒱𑒩𑒲 आखिरी—आखिर (दे०) केर निश्च० रू० । द्विरा० १६ (आखिरी दर्जा धर स्त्रीक इज्जति कें पहुँचा देलथिन्ह) । *ākhirī*—Emph. of *ākhira* (q v.).

𑒂𑓀𑒐𑒲 आँखी—आँखि (दे०) केर का० रू० । वि० ने० १४६ (ते भोर लागल आँखी); वि० पदा० मजु० ४, नेपाल ३२१ पृष्ठ ७६ (खँजन नयन ताहि परिहर तैतनि लोलुमि आँखी); राम० ११७ (छवि देखल भरि आँखी); महेश० ६६ (एहन दुलह सखी देखल न आँखी) । *ā̃khī*—Poet. of *ā̃khi* (q. v.)

𑒂𑒐𑒲𑒩 आखीर—आखिर (दे०) केर अशु० रू० । गोनू-विनोद २० । *ākhīra*—Err. of *ākhira* (q.v.)

𑒂𑒐𑒳[1] आखु[1]—आँखि (दे०) केर का० रू० । श्रीकृष्णकेलिमाला ६ (आखु चढ़ल शिर चक मक चन्द) । *ākhu*—Poet. of *ā̃khi* (q.v.).

𑒂𑒐𑒳[2] आखु[2]–पमही, अखुआ, पनुगी । [सं० अंकुर] । *ākhu*[2]—Sprout.

𑒂𑒐𑒹𑒙 आखेट—शिकार, मृगया । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आखेट । अम० २३१ (मृगव्य,आखेट, मृगया); महेश० ४६ (जग आखेट पेट लय केवल) । *ākheṭa*—Hunt.

𑒂𑒐𑒹𑒙𑒏 आखेटक—शिकार कएनिहार; शिकारी, अहेरी । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, आखेटक । उदयन कथा ३३ *ākheṭaka*—*Adj.* Hunter.

𑒂𑒐𑒱𑒁 आखिअ—क्रि० । का० रू० । कहलक, कहल गेल [सं० आख्यातवान्; आख्यातन्] । कीर्ति पताका ८ (तेन आखिअ । *ākhkhia*—V. Said, was said.

𑒂𑒐𑓂𑒨𑒰𑒞 आख्यात-वि० । प्रसिद्ध,नामवर, विख्यात, कहल गेल [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आख्यात, प्राकृ० आह्किअ । अमर २६३ (जल्पित आख्यात) । *ākhyāta*—*Adj.* Said, told, declared, made known, famous.

𑒂𑒐𑓂𑒨𑒰𑒢 आख्यान—वर्णन, वृत्तान्त, उपदेश, खिस्सा, उपन्यासक नओ भेदमेसँ एक । तु० क० हि०, बं०, अस, ने०, आख्यान, प्रा० आइक्खण । *ākhyāna*—Story, description, tale, one of the nine forms of fiction.

𑒂𑒐𑓂𑒨𑒰𑒨𑒱𑒏𑒰 आख्यायिका—कथा, खिस्सा । एक कल्पित कथा जाहिसँ किछु उपदेश बहराइक, एक प्रकारक आख्यान जाहिमें पात्र स्वयं अपन चरितक उल्लेख अपनहि मुँहसँ करैछ [सं०] । तु० क० हि०, बं, अस०, ने० आख्यायिका । अम० ३६ (आख्यायिका अनुभूत वृत्तान्त प्रतिपादक वासवदत्ता आदिक नाम) । *ākhyāyikā*—Story, tale, a narration (as if) from the mouth of the author (narrator) about himself.

𑒂𑒑 आग—आगाँ, आगि अथवा आङ्ग (दे०) केर अशु० का० रू० । वर्ण० ५ (काञ्चि वरली अइसन आगक वान); वि० ने० ४२ (अवता आग अनाइति भेजि), वि० पदा० मजु० २०४ (आगि जारि पुनु आगह आश) । *āga*—Err. Poet. form of *āgā̃*, *āṅga* or *āgi* (q.v.).

𑒂𑒑𑒃 **आगइ**—आगू (दे०) केर प्रा० तु० रू० । वर्ण० ३० (धूलि उड़ि आगइ) । *āgai—Obs.* Form of *āgū* (q.v.)

𑒂𑒑𑒛 𑒥𑒰𑒑𑒛 **आगड़ बागड़**—बकलेल, तुच्छ, अर्थहीन, धियापुताक खेल विशेषक ध्वनि । तु० क० (ओल कतरा बौल कतरा), अगड़ बगड़ अस०, आगड़-बागड़ ['गड़बड़' सँ आगड़ + शब्दानुकरण अथवा बागड़ > वक = बताह, बकलेल] (खेलमे) (आगड़ बच्चा मारै छी बागड़ बच्चा मारै छी); (आगड़-बागड़ [देह = एक—एकसँ बेसी]सौ असी नब्बे बोल) । *āgaḍe—bāgaḍe*—Miscellaneous, Meaningless, children's rhyme

𑒂𑒑𑒞 **आगत**— वि० । अतिथि भेल (व्यक्ति) पाहुन, आएल, प्राप्त, उपस्थित । [सं०] । तु० क० हि०, अस०, ने० आगत; प्राकृ० आगय. आय आइय; दमोली आयेय सि० आयो, लहन्दा आइआ, ग्रा० मा० आइयो; बं० आइल; म० आला । राम० १०६ (आगत जे पुरलोक बुलाह), महेश० १ (आगत नव ऋतुराअ); पुरु० १४६ (वाँछित दाता आगत सन्ता हमर दान स्मरण रक्षार्थ किछु माँगह); वि० ३५४ (प्राप्त स्वीकार पत्र सङ्गमे आगत कोलुआर्थीक प्रतिष्ठित दू टयक्तिक गवाही करा देब कहल); मै० हि० सा० ५ (आगत लोकक मेला लगै अछि); द्विरा० ६७ (आगत स्वागत करबामे लगलीह) । *āgata—Adj.* Arrived, guest, present.

𑒂𑒑𑒞𑒰 **आगता**—आगत (दे०) केर स्त्री रू० का० प्र० महेश० १८६ (वर्षा आगता रे); पुरु० २४४ (तरुणी नृपप्रान्त में आगता छथि); उदयन कथा २५६ । *āgatā*—Fem. of *āgata* (q.v.)

𑒂𑒿𑒑𑒢 **आँगन**—अङ्गन (दे०) केर विक० रू० । वि० पदा० मञ्जु० ३६८ (कतेय भवन कत आँगन); गो० श्व० १ अमर १६ (ककर आँगन के पुनु नाँच); मन० १२ (अपन अपन सभ आँगन गेल); राम० ३७ (मिथिलेश आँगन अबितहुँ) । *āgana*—*Alt.* Of *aṅgana* (q. v.).

𑒂𑒑𑒢𑒲𑒭𑒼𑒯 **आगनीषोह**—रत्न विशेष । [अग्नि + षोह] । तु० क० सूर्यकान्त मणि । वर्ण० ४५ (आगनीषोह काकर कएल अछ) । *āganīkhoha*— Ent.

𑒂𑒑𑒢𑓂𑒞𑒳𑒏 **आगन्तुक**—अयनिहार (दी०) आबएवला, अतिथि [सं०] । तु० क० अस०, बं०, ने० आगन्तुक । मो० १७१—२२ (एतै आगन्तुक मैथिल तथा अन्यदेशीयहु ब्राह्मणक मातृ स्वरूपा मै मै छथि);प्रए० १२० (आगन्तुक कहलथिन्ह), कन्या० ५७(ईसुमैत आगन्तुक हँसि देलन्हि), रङ्ग० ८० (आगन्तुक शत्रुसँ मोर्चा लेबाक हेतु) । *āgantuka*—A newcomer, a guest.

𑒂𑒑𑒧 **आगम**—भाविवर्षादिक चिन्ह (दी०), आबएवला समय, सम्भावना, समागम, आमदनी, आय, उत्पत्ति, योगशास्त्रानुसार शब्द प्रमाण, वेद, शास्त्र, ज्ञान, प्रवाह, धारा, सिद्धान्त, व्याकरणमे प्रकृति ओ प्रत्यय, लिखित प्रमाण पत्र । [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० आगम चर्या ४०११, २६१३; वि० वि० ३० (आगम पुरुष बेद नीति सुजान); मै० हि० सा० १७ (५—६) (आगम निगम पुराण विशारद); मो० ६७—१० (दर्शन आगम ज्योतिष व्याकरण) । *āgama*—Coming future, the Veda; theory; origin; knowledge; flower; happening; written certificate etc.

𑒂𑒑𑒧𑒢 **आगमन**—आएब; प्राप्ति; आय । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, पा० आगमन; प्राकृ० आगमन । राम० ६० (कहइत छी आगमनक काज) पुरु० १०३ (हुनक आगमनक हेतु हम कहै छी); मि० २४६ (एहि तरहक आगमन शिरोधार्य); द्विरा० ११६ (अपना आगमनक सूचना द देलकैन्ह) । *āgamana*—Arrival, income, origin.

𑒂𑒑𑒧𑒰 **आगमा**—आगम (दे०) केर अशु० रू० । वर्ण० ६० (साखाली प्रभृति चौदह आगम) । *āgamā*—old Err. form of *āgama* (q. v.)

𑒂𑒑𑒩[1] **आगर**[1]—अप्रतिरुद्धवातागम, हवादार, आकर, खानि (दी०), समूह वा ढेरा । [सं० अग्र,आकर] । तु० क० अस० आगर । वि० ने० ४८ (सेओल सामि सब गुण आगर),वि० पदा० मञ्जु० १५ रामभद्रपुर १५६ (पिअ बिमरल मनहुँ तह आगर); गो० श्व०, अमर० १० (श्याम सुनागर गुण गण आगर के धनि बिछुरै पार) । *āgara*[1]—airy front, open airy (room), collection, mass, heap.

𑒂𑒑𑒩[2] **आगर**[2]—पचीसी आदि खेलमे कोष्ठसम, पासाक खाना वा कोष्ठक अर्थात एक घर । तु० क० दोगर; तेगर; चौगर, चौरा । वर्ण० २६ (आगर दोगर–चौगर नेओट एक पानि करइतेँ आह) । *Āgara*[2]—Squares (in the game of chess etc.).

𑒂𑒑𑒩𑒰 **आगरा**—उत्तर प्रदेशक एक प्रसिद्ध ऐतिहासिक शहर । तु० क० अस० आगरा । अकबरनामा ६७, ६८ । *āgarā*—A famous city of Uttar Pradesh.

𑒂𑒑𑒩𑒱 **आगरि**—आगर (दे०) केर स्त्री० रू० । कीर्त्तिलता २२ (रूप जोब्बन गुणे आगरि); वि०ने०१५२ (जगत नागरि कत न आगरि); गो० श्व० १ अमर० ४ (जे रस आगरि विदग्ध नागरि हेरितहि तनिकर साथ); वि० वि० ७ (रूप गुण आगरि रति तह सुन्दरि); मि० मि० १–२२० (कलह रोग इत्यादिक आगरि आकरि थिकीहि) । *āgari*—Fem. form of *āgara* (q.v.)

𑒂𑒑𑒪𑒱 **आगलि**—वि० । अलगी स्त्रिगण, लप लप बजनिहारि । आगाँ भए, अनकासँ बढ़ि कए । तु० [सं० अग्र > अग्गर > अग्गल, स्त्री, रू० अग्गलि = आगलि] । तु० क० हि० अग्गल-पिच्छल; मै० अगिलही, अगरजित । FML ३/२ (छोम्बित आगलि नाहि बिनाली) । *āgali*. *Adj*—In the front, impudent, insolent.

𑒂𑒑𑒫𑒢 **आगवन**—आगमन (दे०) केर अशु० वा का० रू० राम० लालदास १२५ । *āgawana*—Err. or poetic form of *āgamana* (q.v.).

𑒂𑒑𑒰 (𑒑𑒰𑒿) **आगा (गाँ)**—क्रि० वि० । कोनो वस्तु वा प्रकरणक अगुलका भाग । [सं० अग्र, प्राकृ० अग्ग] । वर्ण० १३ (एकँ कते आगाँ भएल); वि० ने० १२४ (जग आगा सूह उत्तर छाइत); वि० पदा० मञ्जु० १११, ग्रि० न० गु० ४७३, अ० ४८७ (आगा सम केयो शील

निर्वेदय); गो० श्रृं० १ अमर ४६ (गोपीक मरन दैवे अनुमान करै सबै सबक आगाँ); राम० ५१ (देखलि किछु दुरि आगाँ जाय); महेश० २ (यम दण्ड आगाँ); मो० ६७–४ (आगाँ भाग लेबै चाहैत छी); प्रद्यु० २२ (आब आगाँ गप्प सुनू); चित्रा १४ (आगाँ माय झुलौलक माथ)। *āgā (ā)*—*Adv.* Front portion, further.

आगाँ पाछाँ **आगाँपाछाँ**—क्रि०वि०। आगू पाछू, इतस्ततः, धकधुकाएब। [सं० अग्र > आगाँ + सं० पश्चात् < पाछाँ]। तु० क० उ० आगापाछु, ने० आगाँपाछाँ, आगा पिछा। *āgā pāchā*—*Adv.* Hither and thither, pros and cons, hesitatingly.

आगामिनी **आगामिनी**—वि० स्त्री०। अपनिहारि। [सं०] मो० १२१ (आशा अछि जे आगामिनी), शन्दल ५ (चिन्ता न करथि आगामिनी)। *āgāminī*—*Adj.* (A woman) Coming in the (imminent) future.

आगामी **आगामी**—वि० पु०। भविष्य होअएबला, आबए-बला। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आगामि आगामी। अम० २५ (ई आगामी आओर वर्तमानादि दिन सहित)। *āgāmī*—*Adj.* A person coming in the (often imminent) future.

आगार[1] **आगार**[1]—घर, मन्दिर, स्थान, जगह, निधि, खजाना। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० आगार पा० आँगार, ओअक, प्राकृ० आगार अगोगर। राम० ४५ (वास अयोध्यापति आगार); चन्द्र० १० (महासहिम आगार); ग० मि० २ (कहल जाम मंगल आगार)। *āgāra*[1]—House, temple, spot, place of plenty, treasury.

आगार[2] **आगार**[2]—सेनाक विभिन्न अलङ्कारमे सं एक। [सं०]। वर्ण० ३६ (ध्वज, चिन्ह, चित्र,छत्र, टग, आगार प्रभृति अनेक सैन्याल-ङ्कार तें आकाश छन्न भइ गउ)। *āgāra*[2]—A decoration of the army.

आगि[1] **आगि**[1]—(दे०) आगी केर का० रू०। बि० वि० ११ (पहिरब आगि छूठि सोहा रे)। *āgi*[1]—Poet of *āgī* (q. v.).

आगि[2] **आगि**[2]—अग्नि, अनल। [सं० अग्नि]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० आगि, प्राकृ० पा० अग्नि, अग्गिनि, गिनी; प्रा० सि० अग, प्रा० मार०, गु०, प्रा० गु० आगि; भोज० आगी; लहन्दा अग्ग, अघान; सिंहाली अगि; आगो। चर्या ४७/२; कीर्ति-लता ५६ (दूर दुग्गम आगि जारथि); बि० पदा० मजु० १६४ तालपत्र न० गु० ४१२, अ० ६१८ (केसु उपजल आगि); गो० श्रृं० १ अमर० १७ (ए सखि हृदयज्वलित मोर आगि); मन० १५ (कए बेरि आगि हाथसँ छीनु); मो० ६७–१३ (खड़काँ आगिसँ विरोध); प्रद्यु० १२७ (बात कहइत देखि आगि बबूला भ उठलाह); चित्रा १८ (आगि छुबैत छी त जरैत नहि छी)। *āgi*—Fire.

आगिल (ला) **आगिल (ला)**—वि०। अगिला (दे०) केर का० रू०। [आगाँ + इल]। वि० पदा० मजु०, ७३, नेपाल १०३, न० गु० तालपत्र २०६, अ० ५६ (जेकर आगिल खेम); ऐ० ३२६ (आगिला विषय अधिक परबन्ध)। *āgila (lā)*—*Adj.* Poetc form of *agilā* (q.v.)

आगिलि **आगिलि**—आगिल (दे०) केर स्त्री० रू०। तु० क० अगिली। पुरु० ११४ (हो ताबत आगिलि रात्रि जे समुचित से करबे)। *āgili*—*Fem.* of *āgila* (q.v.).

आगिहुँ **आगिहुँ**—आगि (दे०) केर निश्च० रू०। चन्द्र १७३ (आगिहुँ न जरय न जारत तोर)। *āgihũ*—*Emph.* of *āgi* (q.v.).

आगी **आगी**—आगि (दे०) केर का० रू०। वि० ने० १४५ (कओन सुगुधि आलिङ्गित आगी); वि० प० मजु० ३७, न० गु० ७५, तालपत्र अ० ३ (तनु पसाहल आगी)। *āgī*—Poet. of *āgi* (q. v.).

आँगी **आँगी**—आङ्गी, देहमें (अंगमे) पहिरबाक हेतु कुर्त्ता विशेषतः आब स्त्री केर देह में पहिरबाक वस्त्र। [सं०अङ्ग + ई]। वर्ण० ३५ (हराउ आँगी पहिरने)। *ãgī*—*Kurtā*, Blouse.

आगु **आगु**—आगू (दे०) केर वि० रू०। वर्ण ११ (आगु-पाछु); वि० ने० ३९ (आगु गुनि जे काज न करए, वि० पदा० मजु० ३४; न० गु० तालपत्र ५२, नेपाल २६, क्षणदा (मणिताही) ३ अव० ७६ (बाम चरण आगु सारल), मन० ६१ (कथा प्रसङ्ग आगु हम कहल); राम० ५१ (दशरथ आगु ठाढ़ की कहल); मि० २५३ (हिनक स्वाग-तार्थ तीन कोशे आगु)। *āgu*—*Alt.* of *āgū* (q.v.).

आगुग **आगुग**—आगाँ गेनिहार वा भेनिहार। लु० तु० क० हि०, मै० अगुआ। [सं० अग्र + गः = अग्रगः]। महा० ना० ६८ (निश्चित आगुग भोर सहइ त्वरित आवे)। *āguga*—Obs. One who goes ahead or in front (of others).

आँगुठ **आँगुठ**—आँठा, दुठ्ठा आङ्गुर। [सं० अङ्गुष्ठ]। *ãgutha*—Thumb.

आगुणि **आगुणि**—आगुणाए केर पू० क्रि० रू०। आगुण जोर जोरसँ प्रशंसामे सोर पाड़ब वा सम्बोधन करब [सं० आगुर् + यत > इ]। गो० श्रृं० १ अमर ५४ (कपट कानक पिरित आगुणि दरश करथि जनि होइ रे)। *āguṇi*—Part. of *āguṇa*—Having pronounced applauding or approving exclamation (s).

आगु-पाछु **आगु पाछु**—आगाँ पाछाँ (दे०) केर वा० रू०। मो० ६६–२ (हम हिनक आगु पाछु जे करैत छी)। *āgu-pāchu*—Coll. of *āgā pāchā* (q. v.)

आगुर **आगुर**—अङ्गुर (दे०) केर प्रा० लु० रू०। वर्ण० ६६ (एगारह आगुर बरली पललि)। *āgura*—Obs. Form of *ãngura* (q. v.)

आँगुर (रि) **आँगुर (रि)**—आङ्गुर (दे०) केर वि० का० रू०। वि० ने० २० (हम जल आँगुरि देवा);राम० १४१ (कान आँगुर मुनि); आमक० १७ (आँगुर गनैत आगू बढ़लाह)। *ãgura (ri)*—

P. F. *ãṅgura* (q. v.)

आगुसारि—पू० क्रि० स्त्री० रू०। अग्रसर कय, अथवा काल आगाँ अथवा सबेरे (अपनासँ पूर्व) मेमिहारि वा तकर भाव। [सं० अग्र > आगु + √सृ > सर् + त्वा > अर + इ]। गो० शृं० १ अमर० २१ (गोविन्ददास चलल **आगुसारि** आएल मन्दिर कोइ लखय न पारि)। *āgusāri*—Part. going ahead or early.

आगू—क्रि० वि० आगाँ। [सं० अग्र > आगे > आगू]। तु० क० हि० आगे, अव० अग्गु। मि०। वि० पदा० मजु० ५६, नेपाल ५; न० गु० तालपत्र ३२८, मि० ४०, अव० ३२५ (देखहि न पारल आगू); मन० (सङ्ग देव ब्रह्मा भेल आगू); चन्द्र० ६२ (ससुर सासुक आगू); प्रण० ४४ (जाउ आगू); चित्रा ४७ (आगू मे बड सलि); पारो ४१ (आगुक सूप एक कात हटा क कहलनि)। *āgū*—*Adv.* in front of, forward.

आगे¹—क्रि० वि०। आगाँ; आगुअहि, पहिनहि। [सं० अग्रे > अग्गरिम > अग्गमहि > अग्गहि > आगे]। वि० ने० ६८ (आगे बहल जनु); वि० पदा० मजु० ८८; नेपाल ३४२, न० गु० ४२१, अ० ४१७ (आगे गुनि जे काज न करए); गो० शृं० १ अमर० १६ (**भाषव** अब कि कहब तुअ आगे)। *āge¹*—*Adv.* Before, earlier, further, later.

आ गे²—अव्यय [सं० आर्ये > आए > आगए = आगे] तु० क० मै० आ गे;*एवं आदरार्थक अएँगे, अएँ ऐ—ई सभ पद मूलतः एके थिक। चर्या० १५/३; मन० १३ (आगे माइ आगे माइ अजगुत भेल); गौरी परिणय ३ (आगे माइ गौरी सहित शुलपाणि जानि शरनागत है)। *āge²*-*Ind.* A word used for addressinsg Women.

आगेआन—अज्ञान वा आगेआन (दे०) केर का० प्रा० तु० रू०। वि० पदा० मजु० ६३, न० गु० तालपत्र ३५४, अ० ३५७ (रसहते आनहु बोल आगेआन)। *ageāna*—Alt. P. F. of *ajñāna*, *ageāna* (q.v.)

आ गै¹—आ गे¹ (दे०) केर का० रू०। चन्द्र ६ (लहत मुक्ति पद आगै)। *āgai*—P. F. of *ā ge¹*.

आगै²—अव्यय। स्त्रिगणकेँ सोर पाड़ब जे आउ। [आ + गे]। तु० क० आ गे (दे०)। *āgai*—Ind. O lady, woman, come.

आँगो—अङ्ग (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० ४६, मि० २७, न० गु० १५३, अ० ४७६ (ठारि भेजहि धनि आँगो न डोले)। *ãgo*—Poet. of *aṅga* (q.v.).

आङ्गी (ङ्गी) आङ्गी (ङ्गी)—कुर्ता विशेषतः आब स्त्रीक उपरका वहिरबाक वस्त्र। [अङ्ग + ई]। तु० क० बं०,अस० ने० आङ्गि; आङ्गी; आङ्गी। पारो ६१ (तिनपड़िया साड़ी बिसहली आङ्गी)। *ãṅi* (*ṅgi*)—Blouse.

आङ्गुठ—औँठा (पएरक वा हाथक) (दी०), अङ्गुष्ठि—Thumb.

आङु (ङ्गु) र (रि)—अङ्गुलि (दी०), अङुरी। [सं० अङ्गुलि]। वर्ण० ५२ (आरोगक छीमुलि अइसनि अङ्गुरि); मि० उद० १५७–२६ (ठोँठमे आङ्गुर कै वमन करैत छलाह); खट्ट ६६ (परन्तु सोमे आङ्गुरे त घी बहराय नहि); कन्या० ६० (दिने आङ्गुरे कै पार क दैत छल);पारो १७ (आङ्गु पैमाक फारि देलि-वैक)। *ãṅu* (*ṅgu*) *ra* (ri)—Finger.

आङे (ङ्गे)—आङ (दे०) केर का० रू०। वर्ण० ११ (सुप्तै पद्मासन अङ्गे); वि० ने० २५४ (मसृण विलेपित आङ्गे); चन्द्र० ३५ (छाउर लेप आङे है)। *ãṅ(ṅge)* —Poet. of *ãṅa* (q.v.).

आच—क्रि०। सन्धान करब। लु० रू० [सं० अंच] तु० क० प्रत्यञ्चा। चन्द्र० ३४४ (पंक जाति आच तोर)। *āca*—V. Obs. To aim at (something).

आँच—चूल्हिमे लगाओल जारनिक ज्वाला (दी०) ताप, गर्मी। (फा० अथवा सं० अर्चि)। तु० क० उर्दू, अस०, आँच। राम० १४० (वालि वन्धु मूर मन अति आँच); महेश० ५ (अनेक अछि आँच); चन्द्र० ६८ (आबि महानल आँच मे बाँचे); प्रण० २८ (अपन आँच पजारै ग); पारो ८६ (आँच मद्धिम अवश्य पड़ि जाइत छैक); नव० ३८ (टूटा चेरा एकटा फट्टो चेरा मद्धिम आँच)। *āca*—Flame, heat, blaze.

आचमन—जलसँ मुँहक शुद्धि (दी०), शुद्ध जलसँ कुरूर करब वा मुह धोएब, हाथ पएर धोए पवित्र भए बैसब, पानि पिअब। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, पा० आचमन; प्राकृ० आचमण म० आचवणु; अचो; अचाएब। वर्ण० १३ (आचमन कए); राम० ३६२ (कएल आचमन शुद्धमन); कपाल कुण्डला २७ (पुजेगरी आचमन कएलन्हि); मो० ३१–१३६ आचमनादि शिष्टाचारमे ओ परीक्षोत्तीर्ण भेलाह); प्रण० ८९ (धोती बदलि क आचमन करह ग); *ācamana*—Rinsing the mouth with pure water, sipping water before religious ceremonies, or before and after meals, with the palm of the hand.

आचमनीय—आचमनक पात्र विशेष (दी०); जाहि पात्रसँ आचमन कएल जाय, छोट अर्घाविशेष, आचमनीयक अध भेल आचमनीसँ ग्रहण करए बला वस्तु। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आचमनी, आचमनीय)। वर्ण० ६४ (विष्टर आचमनीय मधुपर्कक निर्वेदु)। *ācamanī(ya)*—A small spoon for performing *ācamana* (q. v.)

आचर¹—राजाक विभिन्न जातिक विभिन्न कार्य कएनिहारि, परिचारिका वा सेविकाक एक भेद। [सं०] तु० क० चरचाइक (दे०)। वर्ण० ६३ (वारिनी, कलवारिन आचर चाचर)। *ācara*—A maidservant of the king.

आ(आँ)चर²—अंचल (दी०), वस्त्रादिक अग्र-भाग। [सं० अंचल] तु० क० हि० बं० आचर-आँचर। वर्ण० २१ (आँचर चामर पदम) वि० पदा० मजु० १६६, न० गु० तालपत्र ७६, अ० ४ (आचर धरइत करे लउलि लाज भरे); ऐ० १६ मि० २४,

न० गु० २७, ७१ (आब अनुखन देअ **आँचर** हाथ); गो० शृं० १ अमर० २१ (भागलि सहचरि न बोलय कोइ । पलटि चललि मुख आँचर गोइ); पारो २ (ओकरा **आँचरमे** बान्हि देलिऐक) । *ā(ā̃)cara*—The end of *sāri* (q.v.).

𑒂𑒔𑒩𑒝(𑒢) आचरण(न)—व्यवहार, चालि, अनुष्ठान, आचार शुद्धि, चिन्ह, लक्षण । [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **आचरण** । राम० ३३९ (विप्रक सन करइत **आचरण**); पुरु० ३६ (केहन **आचरण** सम्प्रति करै छथि); सुशीला ४४ । *ācaraṇa(na)*—Conduct, behaviour.

𑒂𑒔𑒩𑒝𑒲𑒨 आचरणीय— वि० । व्यवहार करबा योग्य, अनुष्ठान करबा योग्य । [सं०] तु० क० हि०, बँ०, अस०, ने० **आचरणीय** । (आचरणीय विषयक समर्थन करवासँ पहिने किछु ओकर प्रसंग ज्ञान आवश्यक) । *ācaraṇīya—Adj.* Fit for observance.

𑒂𑒿𑒔𑒩𑒰(𑒩𑒹)(𑒩𑒼) आँचरा(रे) (रो)—आँचर (दे०) केर का० ओ बा० नि० रू० । वि० पदा० मञु० १६७, रामभद्रपुर पोथी पद ४६४ (अधरा सिरिफलओ रे आँचर **आँचरा**); ऐ० १६ न० गु० तालपत्र २०, अ० ६४ (अमिय धोए **आँचरे** धनि पोछलि); रङ्ग १२६ (**आँचरोक** सुधि नहि) । *ā̃carā (re) (ro)*—Poet. and coll. emph. form of *ā̃cara* (q. v.)

𑒂𑒔𑒰𑒩 आचार—नियम, व्यवहार, शील, भोजन । [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, उ०, ने०, पा० **आचार**, प्राकृ० **आचार**; प्रा० सि० अजर । वर्ण० (निर्लज्ज **आचारहीन** निर्गति); वि० पदा० मञु० ८, बं० सा० पत्रिका १३०१ पृ० ३०, न० गु० ६, अ० १००७ (पण्डित घर **आचार** बखानिअ); राम० बालकाण्ड ३ (शूद्र निरत ब्राह्मण **आचार**); मौ० उद० १५८–८ (धर्म **आचार** कै); प्रश्न० १०४ (**आचार** शास्त्र मे पारंगत भ गेलाह) । *ācāra*—Behaviour, conduct, usage, custom.

𑒂𑒔𑒰𑒩𑓂𑒨(𑒩𑓂𑒨)[1] आचार्य(र्य्य)[1]—उपनयन करौनिहार गुरु (दी०),विद्या वा मन्त्र देनिहार । [सं०] पुरु० ८५ (हमर गुरु **आचार्य्य** चाणक्य); मै० हि० सा० ३ (**आचार्य** पूछल गेलाह); पारो ४८ (**मैयाक आचार्य** पीसे मेल रहथिन्ह) । *ācārya(yya)*[1]—Teacher (especially one who gives initiation at the sacred thread bestowal ceremony of the Hindu).

𑒂𑒔𑒰𑒩𑓂𑒨[2] आचार्य[2]—पंडित, निष्णात, संस्कृत शिक्षाक एक कक्षा । [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **आचार्य** । मि० उद० १५६–६ (**आचार्य** परीक्षा कालेजिएट स्कूलमे); मौ० ६७–१८ (मध्यमा ओ **आचार्य** परीक्षा); नव० १३ (चउधरीक भागिन सेहो **आचार्य** पास रहथीन) । *ācārya*[2]*—Adj.* A class of Sanskrit education, learned or skilled.

𑒂𑒿𑒔𑒳 आँचु—क्रि० । आँच (दे०) ईन्धन द्वारा प्रज्वलित करू, आँच तेज करू । वन कुसुम ५; (तु० क० आँच उसकाउ) । *ā̃cu—V.* To fan the fire.

𑒂𑒔𑓂𑒕𑒢𑓂𑒢 आच्छन्न—वि० । झाँपल, आवृत, नुकाएल, तिरोहित । [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, आच्छन्न । मौ० उद० १५७–२० (कोनो उत्कट भावसँ **आच्छन्न** होइत); द्विरा० ४४ (अज्ञान आओर कुसँस्कारसँ **आच्छन्न**); नव० ४८ (हुनक हृदय एक अपूर्व आशंकासँ **आच्छन्न** भ गेलन्हि) । *acchanna—Adj.* Covered, hidden.

𑒂𑒔𑓂𑒕𑒰𑒠𑒢 आच्छादन—आवरण, वस्त्र, छाजन, परिधान । [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **आच्छादन** । अमर० १५० (वस्त्र **आच्छादन** वासस्) । *acchādana*—Piece of cloth, a cover, a garment.

𑒂𑒔𑓂𑒕𑒰𑒠𑒱𑒞 आच्छादित—वि० । जे झाँपल अतएव अदृश्य अछि, आवृत । [सं०] तु० क० हि०, बं० अस०, ने०, **आच्छादित** । राम० २१२ (अर्क **आच्छादित** धूरि); मि० ५२० (कीर्ति पताकासँ मिथिलाकेँ **आच्छादित** कए देल); द्विरा० ३३ (केश बिन्याससँ **आच्छादित** ई स्त्रिगण); रङ्ग० ६४ (एक रेशमी दोलाइसँ **आच्छादित**) *achādita—Adj.* Covered.

𑒂𑒕𑒃𑒞𑒹 आछइते—अछइते (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मञु० १३३ पदामृत समुद्र १३१, पदकल्प तरु १८८५, न० गु० ७४६, अ० ७४१ (**आछइते** आछल कांचन पुतला) । *āchaite*—P. F. of *achaite* (q.v.).

𑒂𑒕𑒞 आछत—अछत (दे०) केर प्रा० का० रू० । वि० पदा० मञु० ५०७ (**आछत** चानन अवर गंगाजल) । *āchata*—Old poetic form of *achata* (q.v.).

𑒂𑒕𑒨 (𑒨𑒹) आछय (ये)-अछि (दे) केर प्रा० लु० का० रू० । गो० शृं० १ अमर ५६ (केहन **आछय** ब्रजकुल नारि); वि० पदा० मञु० २६, राग० ५६, नेपाल २३५, न० गु० तालपत्र २२८, प० त० १०६१ (चान्द **आछये** मेर कलङ्क) । *āchaya (ye)*—Old poetic form of *achi* (q. v.).

𑒂𑒕𑒪 आछल—छल (दे०) केर प्रा० लु० रू० । वि० पदा० मञु० १३३ पदामृत समुद्र १३१, पद कल्पतरु १८८५, न० गु० ७४६, अ० ७४१ (आछइते **आछल** कांचन पुतला) । *āchala*—old obs. form of *chala* (q. v.).

𑒂𑒕𑒪𑒱 आछलि—आछल (दे०) केर स्त्री० रू० । वि० पदा० मञु० ५ (एते दिन छली सब **आछलि** ठाढे) । *āchali—Fem. of āchala* (q. v.).

𑒂𑒕𑒰𑒠 आछाद—छाजन, ढाकन, झपना, आवरण । [सं० आच्छादन] राम० २७६ (जकर धूम अम्बर **आछाद**) । *āchāda*—Cover.

𑒂𑒕𑒰𑒠𑒱𑒞 आछादित—आच्छादित (दे०) केर वि० का० रू० । वर्ण० १८ (**आछादित** रात्रि भअइ गउ) । *āchadita*—Alt. of *acchādita* (q. v.).

𑒂𑒖 आज—अव्य० । प्रा०का०रू० अद्य, वर्तमान दिनमे (दी०), आइ । [सं० अद्य] तु० क० हि०, बं०, अस०, अव०, राज०,ने०, उ०,

म०, गु०, भोज०, अ.ज; पा० अज्जाँ; पंडारी अज्ज;सि० अद०; प्रा० मार० अ.जाँ । वि० पदा० मजु० ५, रागत० ८६, न० गु० ३२, अ० ४१ (अ.ज देखल धनि जाइत रे); मन० ३ (सर्वसहा नाम सौं आज); राम २० (बहुत कृतार्थ कएल मुनि आज); गौरी परिणय ३ (हम नहि छोड़ब समाज अ.ज सखि छिनकर रे); मि० उद० १५७-८ (आब आजक चर्चा औंटल जाइछ); शत० (अ.ज यौवन राज मम लखि) । *āja*—Ind. Obs. P.F. Today.

𑒂𑒖𑒠𑒹𑒫 आजदेव—आर्य देव । [सं० आर्य, आज + देव] चर्या० ३१/१ । *ājadeva*—Obs. Āryadeva, your honour.

𑒂𑒖𑒢 𑒫𑒰𑒖𑒢 आजन वाजन—वाजा आदि, मनोरंजक वाद्य सामग्री । ग्रा० प्र० । [शब्दानुकरण + सं० वाद्य > वाजा] तु० क० आजा वाजा । मै० लो० गीत १४० । *ājana vājana*—musical instruments.

𑒂𑓀𑒖𑒢 आँजन—अक्षिरोगक औषधि वा शृंगार विशेष (दी०); ग्राम्य रीतिसँ घरपर बनाओल आँखि उठवामे लगेबाक औषधि । तु० क० अव० आँजनी; पा० अञ्जन; प्राकृ० अंजन, ओनग; सि० अनँदन, अतुँदन; गु० आँजन । [सं० अञ्जन] । गो० शृं० २ अमर १२ (कुवलय नील रतन दलिताँजन मेघ पुंज जनि वरण सुछाँद); पुरु० ७७ फूलसाँ आँजनि करि); कन्या० १० (पहिने आँजन वनाव लेल घी मैनैक); आमक० १७ (काजरक आँजन कए) । *ãjana*—An eye ointment, collyrium.

𑒂𑒖𑒢𑓂𑒧 आजन्म—क्रि० वि० । १. जन्मसँ, जन्मसँ लपकेँ २. जीवन भरि, ३. जखन तक जीवए । [सं०] तु० क० हि० बं०, अस०, ने० अजन्म । पुरु० १७१ (आजन्म हम आनपर हिंसा नहि कएल); मो० ६६-५ (आजन्म दुख होइतन्हि); कन्या० १५० (अन्तमे आजन्म रोदनक कारण बनि जाइत अछि) । *ājanma—Adv.* For a life time, since birth.

𑒂𑓀𑒖𑒪 आँजल—आँजब (दे०) केर आद० भू० रू० । वि० पदा० मजु० ५५६ (आरसि काजर पारलि आँखि आँजल); पे० ५ न० गु० तालपत्र ५४ (अल्प काजरे नयन आँजल) । *ãjala*—Hon. Past tense form of *ãjava* (q. v.).

𑒂𑓀𑒖𑒪𑒱 आँजलि—अञ्जलि (दे०) केर वा० रू० । वि० पदा मजु० ५०६ (आँजलि भर कुसुम तोड़ल); श्रद्धांजलि । *ãjali*-Coll. of *añjali* (q.v.).

𑒂𑓀𑒖𑒫 आँजव—क्रि० । आँजन (दे०) केo आद० व० ओ भ० का० उ० पु० क्रि० रू० । वि० पदा० मजु० ५५६ (ताहि लय आँजव आँखि परचारव) । *ãjava—V. Hon.* Pres. Future tense first person form of *ãjana* (q. v.)

𑒂𑒖𑒰𑒠 आजाद—वि० । लापरवाह, स्वतन्त्र, निर्भय, कोनो एक स्थान पर नहि रहएबला, एक प्रकारक फकीर (मुसलमिन साधू) जे दाढ़ी मोछ आ भवौंह कटओनो रहैत तथा ने रोजा रखैत अछि आ ने निमाज पढ़ैत अछि—ई सूफी सम्प्रदायक अन्तर्गत होइछ एवं अद्वैतवादी कहबैत अछि । [फा०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज०, उर्दू, उ० आजद । *ājāda—Adj.* Independent, fearless, a member of a Sufi sect.

𑒂𑒖𑒰𑒢𑒳 आजानु—क्रि० वि० । ठेहुन धरि लटकल (बाँहिवला) । [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आजानु । राम० लालदास १५१; अमरवाणी ३० । आजानुबाहु एहन बाँहिवला व्यक्ति विशेष जे बहुधा कोनो महापुरुषे होइछ । *ājānu—Adv.* Up to or beyond the knees.

𑒂𑓀𑒖𑒱 आँजि—क्रि० । आँखिमे आंजन करब सँ पू० क्रिया । तु० क० आँजि । [अंजन > आंजन करब >] वि० ने० ३४ (संगु चल नयन काजरे आँजि); वि० ने० ६१ (काजरे चंचल लोचन आँजि) *ãjit. V.P.P.* Having applied collyrium.

𑒂𑒖𑒱𑒖 आजिज—वि० । तंग, हरान, दीन, अकच्छ । [अर०] तु० क० हि०, बं०, अस० आजिज । (एहु एहिसभसँ मन आजिज भ गेल) । *ājjia—Adj.* Utterly disturbed, harassed.

𑒂𑒖𑒲 आजी—आज (दे०) केर का० रू० वि० ने० २३८ (अवधि समापलि आजी) । *ājī*—Poetic form of *āja* (q.v.).

𑒂𑓀𑒖𑒲 आँजी—बालककेँ विद्यारम्भ करवाक पहिल तिरहुता आखर, भट्ठा धरएबा काल एकरे प्रयोग आरम्भमे कएल जाइछ, चिट्ठी पत्री वा कोनो शुभ लेखक आदिमे एकरे प्रयोग कएल जाइछ । सम्भवतः ई चिन्ह कुण्डलिनीक प्रतीक थिक एवं तेँ तान्त्रिक महत्व रखैछ जेना तिरहुता वर्णमाला प्रत्येक अक्षर कहल जाइछ (कामधेनुतंत्र देखू) । केओ केओ आइकालि एकरा गणेशजीक सूँढ़क प्रतीक मानि अक्षरारंभक पूर्व गणेशक वन्दना बुझैत छथि—ओ मने 'ओनामासीधं' क संगे आँजीक व्याख्या होइक से सम्भव—मुदा मूलतः तिरहुताक आदिमे तँ तान्त्रिके अर्थसँ कुण्डलिनी जगएबाक सिद्धि प्राप्तः हो तकरे प्रतीक आँजीक रेखा थिकैक से बुझाइछ । [सं० आदि] । तु० क० असम देशमे कुण्डलिनीक प्रतीक; हि० ओनामासीधं । (आँजी सिद्धिरस्तु) *ãjī*—Symbolic Tantric letter before the Tirhuta alphabet, said to symbolise the ***Kuṇḍalini*** whose successful arousal is said to be the Highest Aim of Tantric worship. The idea is to pray for it before beginning to learn the alphabet, or writing a letter.

𑒂𑒖𑒲𑒑𑒳𑒖𑓂𑒖𑒲 आजीगुज्जी—क्रीड़ाविशेष जाहिमे धिआ पुता कानमे आंगुर दए बजैत अछि "आजी गुजी" कौन घर ? "कान गुजी" कौन घर ? [सं०] [आदि (आज) + गुह्य (अथवा शब्दानुकरण)] सुमति २६ । *ājī gujjī*- Name of a children's game.

𑒂𑒖𑒲𑒖 आजीज—आजिज (दे०) केर विक० रू० । मिहि० ४२-२२-६ (एक दिन सरला आजीज भै बजलीह) । *ājīja* —Alt. of *ājija* (q. v.).

आजीव आजीव—आजीविका, धन्धा, उचित आय। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आजीव। कीर्तिलता ६८ (जै ध कें जीवसि आजीव जञो जाहि जाहि असलान); अमर० १६८ (आजीव जीविका); *ājīva*—Livelihood.

आजीवन आजीवन—क्रि० वि०। जीवन पर्यन्त। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० आजीवन)। चन्द्र० ३२ (आजीवन जीवित जीवनक घाव); महेश० ५१ (आजीवन नहि त्यागै); मि० २१३ (शेष आजीवन रहिए गेलैन्ह); प्रण० १५२ (अदृष्ट शास्त्रसँ आजीवन सान्त्वना भेटैत रहैत छैक); नव० ५ (अ जीवन नगर निवासिक कल्पना असह्य लगलैन्ह)। *ājīvana*—*Adv.*—Life-long.

आजीवनार्थ आजीवनार्थ—क्रि० वि०। आजीवनक वा जीवन पर्यन्तक हेतु, जावत जीवय तावत तकक हेतु। [सं०] मि० २६० (आजीवनार्थ जाय बसल छलाह)। *ājīvanārtha*—*Adv.* For or till life span.

आजीविका आजीविका—वृत्ति, रोजी, नौकरी, सेवा। [सं०] तु० क० हि०, बं० अस०, ने० आजीविका। (आजीविकाक हेतु पढ़ल लिखल सभ कत-कत ने बौआइत अछि)। *ājīvikā*—Service, livelihood.

आजु¹ आजु¹—आज (दे०) केर वि० का० रू०। वि० पदा० मजु० ६८, तालपत्र ३७१, अ० ३६८ (आजु कि रुसलि कालि जञो बउसलि); गो० शृं० १, अमर० २२ (आजु धनि साजल वासक सेज)। *āju*¹—Poet. of *āja* (q.v.)

आजु² आजु²—आँजव (दे०) केर आज्ञा रू०। वि० पदा० मजु० ६, नेपाल ८४ (क), न० गु० १५; अ० २०२६ (सम्कुल लोचने काजर आजु)। *āju*²—Imper. of *ā̃java* (q.v.).

आजुक आजुक—वर्तमान दिन सम्बन्धी (दी०) [सं० अद्य > आज + उक] तु० क० उर्दू आजिका। वि० पदा० मजु० ६३, पण्डित बाबाजी पोथी ६५; (कि कहब सखि हे आजुक रंग); गो० शृं० १ अम० ४० (आजुक बात भल तुहुँ सखि जानसि कान्हे उपेख्ख राइ); मो० २७२-२० (आजुक पैह चिकैक); द्विरा० १६५ (तों आजुक नेना भ क परतारए आएल छलाह); चित्रा ७४ (आजुक टटका रङ्ग)। *ājuka*—Of today, modern.

आँजुर आँजुर—मिलल दुहू हाथ (दी०), दूनू हाथकेँ मिलाए कल जोड़ल जकाँ अवस्था। [सं० अञ्जलि] प्रण० १५५ (ओहिठाम आँजुर आँजुर चीनी); नव० ६६ (वामनलोकनिकेँ भरि भरि आँजुर देने छलइन्ह)। *ā̃jura*—A measure confined to as much as can be held in the palms of both hands combined or spread out jointly,

आ(आँ)जुरि आ(आँ)जुरि—आँजुर (दे०) केर वि० रू०। वि० पदा० मजु० १४०, नेपाल २०, न० गु० ७७२, ७६६ (हम जल आँजुरि देब); पुरु० १६३ (सात आँजुरि सुवर्ण ग्रहण कै); मि० उद० १५६-१६ (आँजुरि जोडिठाढ़ भै गेल)। *ā(ā̃)juri*—Alt. of *ā̃jura* (q.v.).

आजे (जै) आजे (जै)—आज (दे०) केर निश्च० रू० वि० ने० २४४ (के जान कि होइति आजे), वि० पदा० मजु० १८३, न० गु० तालपत्र ६६ (मनक मनोरथ पूरत मधुरिपु आओत आजे); राम० ६४ (जाउ अयोधा आजे); महेश० ७२ (जे सहाय होय आजे)। *āje (jai)*—*Emph.* of *āja* (q.v.)

आज्य आज्य—घृत आदि अग्निमे आहुति देबाक पदार्थ। [सं०] तु० क० हि० आज्य। वर्ण० ६४ (अग्निस्थापन, आज्य वह्नि); अम० २११ (घृत, आज्य हविष्य); सुभद्रा हरण १३३। *ājya*—Dried butter etc. esp, offered as oblations to Hindu gods.

आज्यस्थाली आज्यस्थाली—आज्य रखबाक पात्र वा थारी विशेष। [सं०] वर्ण० ४३ (आज्यस्थाली चरुस्थाली)। *ājyalsthālī*—A plate for ghee etc. used in sacrificial ceremonies.

आञ्जनेय आञ्जनेय—अञ्जनिक पुत्र हनुमान। [सं०] मेघनादवध १५। *āñjaneya*—Son of Añjani; Hanumāna.

आट¹ आट¹—अटब (दे०) केर का० रू०। वि० ने० ११४ (दिवसक योजने वर्ष न आट); वि० ने० २३६ (भौंह न अटए चान्दक रेष)। *āṭa*¹—Poet. of *aṭaba* (q. v.)

आ(आँ)ट² आ(आँ)ट²—क्रि० वि०। ऐंठि जाएब, सुखा जाएब; परन्तु पं० दीनबन्धु झा एकर अर्थ प्रायः अटकब, ओट (देब) सँ मिलाए अवधि, समय लिखलनि अछि। [सं० अ.वट्यते ऐंठब > आँट] वि० पदा० मजु० ४०२ (सखि गेल तनु आट); राम० ७६ (भूख पिआसेँ होएब आँट); चन्द्र० १६६ (रहैछ चित आँट); (पित्त भूखसँ आँट भ गेल अछि)। *ā(ā̃)ṭa*²—*Adv.* Dried up; restless (esp. out of thirst or hunger), dehydration pains and uneasiness.

आँ(आ)टा आँ(आ)टा—गोधूमादि चूर्ण (दी०), कोनो अन्नक चूर्ण, पिसल कोनो अन्न। [सं० आवर्त्तन] तु० क० हि० बाटना (पिसबाक अर्थमे), बं० आटा, फ० ओड़, फा० ओड़ु, फा० आर्द (जोरसँ बनाएब अर्थमे) हि० आटा। प० आट्टा कु० आटो। कन्या० १४० (बरक आँटा गील भ जेतैन्ह); द्विरा० १५७ (लालकाकी आँटा सनैत बजलीह)। *ā̃(ā)ṭā*—Grinded dust of grain.

आँटी आँटी—प्रमाण विशेष परिछिन्न बद्ध तृण, थोड़ेक खड़ वा अन्नादिक काटल गाछ, बान्हल बोझसँ बहुतो छोट। [अँटब, दे०] तु० क० बोझपरक आँटी। (=अपन निर्वाह होएब कठिन अछि ताहिपरसँ उपर्दिष्टा मालिक मङैत छथि से कोना देल जाएत)। एहिठाम पूर्वक साभाजिक प्रथाक संकेत छैक। प्रत्येक कटलाह बोझक हेतु गृहस्थ केँ एक आँटी (वा आदिमे आँटी अधिक देबाक बटाइदार वा जनसँ ओसूल करबाक सामन्ती प्रथा छल कतहु कतहु अछिओ)। *ā̃ṭī*—A small measare of grain reaped whieh forms a larger measure called *bojha* (q.v.), a handful of (paddy or grass).

আটোপ **आटोप**—फैलाव, आच्छादन, आडम्बर, गर्व, घमण्ड, आधिक्य, प्राचुर्य, फुलब, शोथ, पेटक गुड़गुड़ाहट । [सं०] तु० क० हिं०, बं० आटोप । मि० उद० १५७–१ (आटोप टङ्कार देखैत); कन्या० ८ (मेघक आटोप बनले रहल); चित्रा ८० (अवइ अछि किछु काज नहि ई पुरनका आटोप) । *āṭopa*—Swelling, pride; radiance.

আঠ **आठ**—वि० । एक अधिक सात (दी०); नओसँ एक कम । [सं० अष्ट] तु० क० हिं०, बं०, अस०, ने०, अव०, गु०, म०, मार०; राज०, उ०, उर्दू० आठ; प्राकृ०, पा० अट्ठ; दामीली अष्ट; काती ओट,लहन्दा, सिद्दाली अठ;सि० अट । वर्ण० ३३ (आठ पहर); गो०श्र० १ अम० ७८ (आठ प्रहरै तौ वितु साजइ आठहु नायिका साज); सम० १७२ (चिन्तित आठ पहर निज धाम); मो० उद० १५७-१३ (आठ वर्षसँ नियुक्त केने छथि);चित्रा ४५ (चारि फ्राँक ओ आठ खण्डमेसँ खण्डो भरि नेवो); पारो २८ (ओ आठ सए टाका देलकन्हि अछि) । *āṭha*—*Adj.* Eight.

আঠও **आठओ**—आठहु (दे०) केर वि० रू० । वर्ण० ३ (आठओ जे महासिद्धि); गोरक्षविजय ८ (क) (धूरिक धूसर आठओ अङ्ग) । *āṭhao*—Old form of *āṭhahu* (q.v.)

আঠম **आठम**—वि० । संख्यामे आठक स्थान परक । [सं० अष्टम] तु० क० पा० अट्ठम, ओअक; प्राकृ० अट्ठम; आटम; प्रा० अव० आठव; हिं० आठवाँ; प्रा० मार० आठवु; गु० आठ्युँ ; म० आठवा; अठो; सि० अठँइँ । मन० ४ (आठम भय हम अपनहि आयब); मो० ६८–२ (ई गेल आठम वर्ष) । *āṭhama*—*Adj.* Eighth.

আঠমহি **आठमहि**—आठम (दे०) केर नि० रू० । कन्या० ३३ (हम त आठमहि वर्षसँ चुल्हिक भूँहमे आँच लगावय लगलहुँ) । *āṭhamahi*—Emph. of *āṭhama* (q. v.).

আঠরক **आठरक**—आठ रंगक (?) । वर्ण० ६३ (वेकवद्दीक आठरक औबास कैं) । *āṭharaka*—Of eight types (?).

আঠহু **आठहु**—आठ (दे०) केर निश्च० रू० । वर्ण० ३ (आठहु जे उपसिद्धि); चन्द्र ०२१ (पाप वटोरल आठहु पहर) । *āṭhahu*—Emph. of *āṭha* (q. v.).

আঁঠী **आँठी**—आम्रादिक बीज (दी०), कोनो फलक विचला कठोर भाग, बीआ । [सं० अष्टि] प्रण० ७ (आँठी ओ नेढ़ा मात्र शेष रहि गेलैन्ह); नव० ४ (बिलैरीकेँ वनइलक आँठी पीसिकेँ पिआ देवाक थीक); ससरफानी ३५ । *ā̃ṭhī*—Stone-like seed of fruits.

আঠো **आठो**— आठहु (दे०) केर वा० रू० । राम० २४३ (आठो लोकपाल भउ कम्पित); चन्द्र० ५ (हरि आठोयाम); मो० ६७–७ (रक्षा करवन्हि आठोयाम); कन्या० १३८ (आठो गोटाकेँ परिवेष्टित कै लागल) । *āṭho*—Coll. of *āṭhahu* (q. v.).

আডম্বর **आडम्बर**—गम्भीर शब्द, फूसि फटक केर आयोजन, निरर्थक तड़क-भड़क, अधिक, अपार । [सं०] तु० क० हिं०, बं०, अस०, उ० आडम्बर । वि० ने० २५६ (आडम्बरे आदर हो सबतहू); मि० उद्दगा० १५७-५ आडम्बर आकाश लागल जाइत अछि); मो० १००–१७ (आडम्बर करी तँ गाँमहुँक लोक नहि चिन्हत); प्रण० ६३ (अपन आडम्बर पसारल); नव ११० (कोनो प्रकारक आडम्बर नहिं हेवाक चाही) । *āḍambara*—Deception, Hypocricsy.

আডবাল **आडवाल**—क्रि० वि० । विशेष इन्तजाम, अति उद्योग,जाहिसँ बेसी नहि हो । [सं० आडम्बर + वाला] चि० ३४ (एहिना आडवाल रचि विचरैत छथि) । *āḍvāla*—*Adv.* With special arrangements, excessive show.

আড়হসি **आड़हसि**—क्रि० । ओठमे हँसि कए जिद करब । [आड़ + हँसि] वि० ने० २२२ (आलस कोपे आड़हसि हेरलन्हि) । *āḍahasi*—Part. Insisting with a suppressed smile.

আড়[1] **आड़[1]**—प्रत्यय । युक्त अर्थमे लगाओल जाइछ । तु० क० आर । ल० वि० ४६ (पाँजि जननिहार पँजिआड़) । *āḍa*[1]—Suff. in the sense of 'full of.'

আড়[2] **आड़[2]**—आर (दे०) केर अशु० रू० । मो० ६७–४ (आड़ जाति ओ धर्मक प्रेमीलोकनि) । *āḍa*[2]—Err. of *āra* (q. v.).

আড়[3] **आड़[3]**—डेर (दे०) अथवा (दे०), अथवा अड़ (दे०) अथवा अड़ (दे०) केर वा० रू० । वि० दपा० मजु० ३६, न० गु० तालपत्र५०, कीर्तनानन्द १२२, अ० ७४(आड़ वदन कए मधुर हास दए); ऐ० १७३ ने० ७८ न० गु० ११, अ० ५६ (भौंह भाँगि लोचन भेल आड़) । *āḍa*[3]—Coll. of *āḍha* (q. v.).

আড়[4] **आड़[4]**—आण (दे०) केर वि० रू० । (बच्चाकेँ पैब भेला पर बधिया कराय देला उत्तर ओकरा आड़ नहि रहैछ) । *aḍe*—Alt. of *āṇa*[2] ((q. v.)

আড়তী **आड़ती**—आरती (दे०) केर अशु० रू० । मेरुप्रभा ५१ । *āḍatī*—Err. of *āratī* (q. v.)

আড়া **आड़ा[1]**—व्यवधानकारक लम्ब उच्च आरि (दी०); आरिसँ अत्यधिक उच्च आ मोट बनाओल गेल माटिक ढेर । [आरि > आर > आड़ा] । *āḍā*—A long high mound which causes obstruction.

আড়া[2] **आड़ा[2]**—आरा (दे०) केर वा० रू० । (आड़ा सँ लकड़ी चिरवामे सुलभ होइछ) । *āḍā*[2]—Coll. of *ārā* (q. v.)

আঁড়া[3] **आँड़ा[3]**—अण्डबीज । [सं०अण्ड] (माछक आँड़ा खएबामे अत्यन्त स्वादिष्ट होइछ) । *ā̃ḍā*—Egg.

আড়ী **आड़ी**—आड़[3] (दे०) केर प्रा० लु० रू० । कीर्तिलता २७ (आड़ी डीठि निहारि दबलि दाढ़ी थुक बाहइ) । *āḍī*—*Old* obs. of *āḍa*[3] (q. v.).

আঢ্য **आढ्य**—वि० । सम्पूर्ण, पूर्ण, युक्त, विशिष्ट धनिक । [सं०] तु० क० मै० धनाढ्य (दे०), हिं०, बं०, अस०, ने०, आढ्य । राम० ३४१ (आढ्य की जनरंगदुख भोग);अम० २४० (हम्यँ आढ्य धनिन) । *āḍhya*—*Adj.* Rich, whole.

श्राढ़¹ **आढ़¹**—एक प्रकरक बाजी, गड्डी। तु० प्र०। [अढ़= व्यवधान, आढ्य, समूह, ढेर [सर्वनन्दन]। (M P 236) 11. 10. 43 *āḍha*¹—Bet.

श्राढ़² **आढ़²**—अढ़ (दे०) केर विक० रू०। [हि० आढ़] (रौ गेनवा कनि आढ़ क दही ने)। तु० क० **आड़**³। *āḍha*²—Alt. of *aḍha* (q. v.).

श्राढ़त **आढ़त**—कोनो अन्य व्यापारिक माल लए किछु कमीशन वा लाभ लए ओकर बिक्री करएबाक व्यवसाय, स्थान जतए उक्त तरहक माल रहैछ, ओ धन जे बेचबाक बदलामे भेटैछ। [सं० आढ्य] (I.A.L. Turner आधापयति अथवा आर्धी)। तु० क० हि०, ने० **आढत** प्राकृ० **आधवइ**; आढ्त्त; लहन्दा आहृति; कु० आढ़त; गु० आड़ति; म० आड़त। (नेपाल बिदेशसँ आढ़त पर माल बिकी करैत अछि(टा) *āḍhata*—Mercantile agency.

श्राढ़ति **आढ़ति**—आढ़त (दे०) केर का० रू०। एकावली परिणय १७; मि० १७६ (कौतुक आढ़ति कीना); गीत रत्नावली ६। *āḍhati*—Poet. of *āḍhata* (q. v.).

श्राढ़तिया **आढ़तिया**—आढ़त सम्बन्धी। अढ़तिया केर वि० रू०। तु० क० हि०, बं०; **आढ़तिया**, जिपातसँ जिरतिया (दे०)। *āḍhatiyā*—Alt. of *aḍhatiyā* (q.v.), Agent.

श्राढ़ती **आढ़ती**—आरती (दे०) केर श्र० रू०। मो० १७४-५ (आढ़ती देखवैत गङ्गाजी केँ चढ़वैत छल)। *āḍhatī*—Err. of *ārati* (q. v.).

श्राढ़ा **आढ़ा**—अढ़ाए (दे०) केर बा० रू०। F M L 378. *āḍhā*—Coll. of *aḍhāe* (q. v.).

श्राण¹ **आण¹**—आन=दोसर (दे०) केर प्रा० तु० रू०। कीर्तिलता ४० (अ ण करइते आण भउँ); चर्य्या० ४४/३; FML 424. *āṇa*¹— Obs. form of *āna* (q.v.).

श्राण² **आण²**—अण्ड, मनुष्य वा कोनो जीव जन्तुक अण्डकोश। [सं० अण्ड] मि० (अरना महिँसक **आण** विशेष पैध होइछ); (कस्तूरी मृगक आँणसँ कस्तूरी बहराइत छैक)। *āṇa*—Testicle.

श्राणा¹ **आणा¹**—आँड़ा³ (दे०) केर बा० रू०। (काछुक **आणा** आ सापक अण्डामे मात्र कनिएँ अन्तर होइछ)। *āṇā*¹—Coll. of *āṇā*³ (q.v.).

श्राणुतु **आणुतु**—क्रि० वि०। बिनु उत्तरक वा जबाबक। [सं० अनुत्तर] चर्य्या १६/३। *āṇutu*—*Adv.* Without answer.

श्राँत **आँत**—प्राणीक पेटक भीतर केर ओ लम्बा नली जे गुदा मार्ग तक रहैछ। [सं० अन्त्र] तु० क० हि० बं०, अस०, ने० **आँत**। (आँत उतरब=अण्डकोष रोग विशेष;) (आँत ममोड़ब=पेटक व्यथा विशेष)। *āta*—Intestine.

श्रातए **आतए**—क्रि०। पीड़ा दैत अछि, सतबैत अछि। तु० का० प्र०। [सं० आर्तयति] राग० ८७ (पाँचे बान आति आतए धैरजे)। *ātae*—V. *Obs.* Pains.

श्रातङ्क **आतङ्क**—भय; शंका, प्रताप; रोग। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० राज० **आतङ्क**। वर्ण० १६ (आतंकक नगर अइसन भयानक); गो० श्रृं० १ अमर० ७१ आर केह लेपय मलयज पङ्क। जलतहि शतगुण मदन **आतङ्क**); राम० २३७ (तखनहि सौं मन बाढ़ आतङ्क); नव० ३२ (आतंके; ओकर प्राण सुखाएल जाइ) रंग, ७८ (जाहिसँ खूब आतंक भ जाए)। *ātaṅka*—Fear, Influence.

श्रातंककारी **आतंककारी**—वि०। आतंक करनिहार; भय देखौनिहार। [सं०] आमक० १ (आओर आकृति, **आतंककारी**)। *ātaṅkakārī*—*Adj.* One who causes fear or panic.

श्रातङ्कित **आतङ्कित**—वि०। भयभीत, त्रस्त, डरल। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०; ने० **आतंकित**। (हमर प्राण हरदम अशुभ घटना घटलासँ पूर्वहि आतङ्कित भए जइत अछि)। *ātankita*—*Adj.* Full of fear-

श्राततायिता **आततायिता**—अधलाह वा क्रूर कार्य करबाक भावना, दुःख देबाक कार्य। [सं०] मिहिर ३४-१० (जाहि आततायितासँ ओ एहि प्रकारक कुकृत्य कय गेल)। *ātatāyitā*—Inclination for cruelty or vices.

श्राततायी **आततायी**—वि०। क्रूर, अत्याचारी; संताप देनिहार। [सं०] तु० क० हि०, बं० **आतताई, आततायी**। मि० ८८ (ओ **आततायी** भै आब हमरा नहिएँ आबथि); मो० १३२-३४। *ātatāyī*—*Adj.* (One) who gives great trouble to others, dangerous character.

श्रातप **आतप**—रौद, गर्मी, उष्णता, सूर्यक प्रकाश, ज्वर। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, पा० **आतप**; प्राकृ० **आयव**; उ० उवा; म० आव; सिं० **आवुव**। वर्ण० ५५ (आतपक मित्र अइसन); वि० ने० १३० (आतप दोसे रौसे चलअइलिहु); गो० श्रृं०, अमर १४ (नयन पुतलि तनु **आतप** मिलय जनु मिलब दुकुल चित्त वासे); चन्द्र० २६६ (**आतप** तापित व्याकुल भेल); साओन-भादव १० *ātapa*—Heat. snnshine, fever.

श्रातपचर **आतपचर**—वि०। उत्तापतप्त। [सं०] वि० पदा० मञ्जु० ३६१ (**आतपचर** विधु रविकर चरन परस की कर भीमा रे)। *ātapacara*—*Adj.* Excessively hot.

श्रातपत्र **आतपत्र**—पैघ छतरी, छाता। [सं०] तु० क० हि०, बँ०, अस०, राज० **आतपत्र**; प्राकृ० **आयवत्र**; आवत बं० **आओता**। अम० १७७ (छत्र आतपत्र)। *ātapatra*—An umbrella.

श्रातपे **आतपे**—आतप (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मञ्जु० नेपाल ६६, न० गु० तालपत्र २६६, अ० २६२, (आतपे मुइलि मृणाल लता)। *ātape*—Poet. of *ātapa* (q.v.)

श्रातपोष्ण **आतपोष्ण**—रौदायल, रौदसँ गरम। [सं०] मि० ६ (शिशिर हेमन्तक आतपोष्ण मध्याह्नो बड़ मधुर)। *ātap-orṇa*—*Adj.* Warm with the heat of the sun.

श्रातम **आतम**—आत्मा (दे०) केर का० रू०। वि० ने० २७०

(अ तम ग इ बड़े पुने पुनमत); राग० ६८ (पापअ अतम बध रे) महेश ४१ (आतममे अतम जौं देखब, हु० ह० १११)। *ātama*—Poet. of *ātmā* (q. v.).

𑒂𑒞𑒩 **आतर**—धारक बिचला प्रदेश, धार पार करबाक भाड़ा। [सं० अन्तर] वि० ने० १ (अति भयान् नि **आतर** जमुनि); अमर ५६ (**आतर** तरपण्य)। *ātara*—Middle portion of the stream, fare for crossing a river.

𑒂𑒿𑒞𑒩¹ **आँतर**¹—प्रथम सिराउढ़क मध्य भाग (दी०)। [सं० अन्तर] (**आँतर** बान्हिःकए जोतब)। *ãtara*—(Leaving out) space in between two furrows.

𑒂𑒿𑒞𑒩² **आँतर**²—अन्तर (दे०) केर बा० रू०। कीर्तिलता १७ (धसल पाओल **आँतरे** आँतरे); राग० ११६ (**आँतर** चाँदहु कुमुद कत दूर); उ० गी० १०८ (**आँतर** भय रहु लागे) तु० क० आँवर पाँतर। *ãtara*—Coll. of *antara* (q. v.).

𑒂𑒞𑒩𑓂𑒣𑒝 **आतर्पण**—मंगल द्रव्य। [सं०] वर्ण० १३ (पंचसम **आतर्पण**, अलङ्कार)। *ātarpaṇa*–Auspicious matter.

𑒂𑒞𑒪 **आतल**—नुकायल, अव्यक्त। [आ+तल] वि० ने० १०४ (कुलक धरम पछिलहि अलि **आतल**)। *ātala*—Hidden.

𑒂𑒞𑒫 **आतव**—आतप (दे०) केर प्रा० बा० रू०। वि० पदा० मजु० ५७ (**आतव** दोसे रोसे चलि अगलिहि)। *ātava*—Old Coll. of *ātapa* (q. v.).

𑒂𑒞𑒰 **आता**—फल विशेष (दी०), सीताफल। अत्ता (दे०) केर विक० रू०। तु० क० हि० **सरीफा**। *ātā*—*Alt.* of *attā* (q.v.)

𑒂𑒞𑒱𑒐 **आतिख**—आतिक्त, कषाय (दी०)। [सं० आतिक्त]। *ātikha*—Bitter.

𑒂𑒞𑒱𑒟𑒹𑒨 **आतिथेय**—अतिथिक सत्कारक सामग्री। [सं०] तु० क० हि०, बं०, ने०, **आतिथेय** शिवप्रसाद २। *ātitheya*—Things meant for a guest.

𑒂𑒞𑒱𑒟𑓂𑒨 **आतिथ्य**—अतिथिक सत्कार वा आदर। [सं०] तु० क० हि०, बं०, ने० **आतिथ्य**। कीर्तिलता १८ (काहु **आतिथ्य** विनय करू); राम० २१ (अति **आतिथ्य** कमल नृप जाय); मि० (१८१ सेवामे उपस्थित भ यातिथ्य कयल)। *ātithya*—Hospitality.

𑒂𑒞𑒱𑒪 **आतिल**—वि०। सक्त, कठोर, कड़ा, कोमल नहि। [सं०] तु० क० अस० **आतिल**। स्वरगन्धा २। *ātila*—*Adj.* Not Soft or delicate.

𑒂𑒞𑒱𑒬𑒥𑒰𑒖𑒲 **आतिशबाजी**—विभिन्न प्रकारक मनोरंजक रवाहस खेल। [फा०] तु० क० हि०, ने० **आतिशबाजी**। कोबर गीत २२। *ātiśabājī*—Fireworks.

𑒂𑒞𑒲 **आती**—एक प्रकारक तरकारी (फल) विशेष, घेरा सन पैघ उज्जर रेखा युक्त फल। तु० क० अत्ता। ब्य० धि०३१ (**आती** पीच, कच्चू परोड़ तँ अपनहि बाड़ीमे यथेष्ट अछि)। *ātī*—A kind of vegetable or fruit.

𑒂𑒿𑒞𑒲 **आँती**—अँतड़ी वा अन्त्र सम्बन्धी, अण्डकोषमे अँतड़ीक प्रवेश, रोग विशेष (दी०)। (१) मिरगी वा तत्समकक्ष रोग विशेष; (२) हर्निआ, (३) माल-जालक बेहोशी। [सं० अन्त्र]। *ãtī*—Hernia.

𑒂𑒞𑒳𑒩 **आतुर**—वि०। अति उत्सुक (दी०), व्याकुल, व्यग्र, अधीर, रोगी। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, म०, राज० **आतुर**; प्राकृ० **आतुर**। वि० ने० २२८ (**आतुर** भइए जत मरन्हि निबारब); वि० पदा० मजु० ३८७ (रोइअते तोरे **आतुर** भेल लोचन); राम० १३७ (छथि सुतु **आतुर** हाक); कन्या० ७५ (लाल काकी **आतुर** भए पुछलथिन्ह); चित्रा १४ (ओ रहथि आतुर)। *ātura*—*Adj.* Distressed, anxious.

𑒂𑒞𑒳𑒩𑒞𑒰 **आतुरता**—व्याकुलता, बेचएनी, तत्परता। मि० २७७ (तखन एतेक **आतुरता** किएक); मो० १०३-५ (ओ मिथिलाक उपकारक हेतु सर्वदा आतुरता)। *āturatā*—State of distress.

𑒂𑒞𑒳𑒩𑒱 **आतुरि**—आतुर (दे०) केर स्त्री रू०। राम० १३० (**आतुरि** लंका गेल समाय)। *āturi*—Fem. of *ātura* (q.v.).

𑒂𑒞𑒴 **आतू**—अव्यय। कुकुरकेँ आह्वान करबाक शब्द (**आतू** लपइ लपइ)। *ātū*—*Ind.* A word for calling dogs.

𑒂𑒞𑓂𑒧 **आत्म**—अपन, स्वकीय, निज। [सं० आत्मन्] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आत्म; पा० अत्ता; प्रा० अत्ता, अप्प, आदा, आया; प्रा० अव० आपु; गु० आपूँ; म० आपण; सि० आत; कु० आप्णो, भोज० आपन; प्रा० मार० अपणउ। राम १२५ (**आत्म** बुद्धि शरीरादिमे); मि० उद० १५७-२३ (वथ आत्मरक्षार्थ पड़ाएल)। *ātma*—Belonging to (onefsel).

𑒂𑒞𑓂𑒧𑒑𑒾𑒩𑒫 **आत्मगौरव**—अपन गुरुता वा प्रतिष्ठा। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आत्मगौरव। द्विरा० १६ (**आत्मगौरव** नष्ट भ गेलैन्ह)। *ātmagaurava*—One's own dignity or stature.

𑒂𑒞𑓂𑒧𑒒𑒰𑒞 **आत्मघात**—अपनहि हाथेँ अपनाकेँ मारब। आत्महत्या, अपन हानि। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, आत्मघात। पुरु० २३१ (विपत्तिमे नहि स्वामीकाँ तेजैछ वा **आत्मघात** कै नहि मरैछ); मो० १३६-२८ (जहाँ किएक **आत्मघात** करैत छी)। *ātmaghāta*—Suicide.

𑒂𑒞𑓂𑒧𑒒𑒰𑒞𑒲 **आत्मघाती**—वि०। अपन हत्या कएनिहार। [सं०] तु० क० हि०, बं० अस०, ने० आत्मघाती। प्रण० ११६ (**आत्मघातीकेँ** गति नहि)। *ātmaghātī*—*Adj.* (One) who commits suicide.

𑒂𑒞𑓂𑒧𑒖(𑒰) **आत्मज(जा)**—पुत्र, पुत्री, खून, रक्त, स्वयं उत्पन्न। [सं०] तु० क० हि०, बँ०, अस०, ने० **आत्मज**; आत्मजा। नरोत्तम ३। *ātmaja(ā)*—A son (or daughter).

𑒂𑒞𑓂𑒧𑒖𑒲𑒫𑒢 **आत्मजीवन**—अपन जीवन वा प्राण। [सं०] मो० उद० १५७-१९ (**आत्मजीवन** विसर्जन करबामे)। *ātmajīvana*—Own life.

आत्मतत्त्व—आत्मा पदार्थ, आत्माक स्वरूप। तु० क० हि०, बँ०, अस०, ने०, आत्मतत्त्व। चन्द्र० २४४ (विवेक आत्मतत्व निष्ठ)। *Ātmatatva*—Soul, knowledge of the nature of self.

आत्मतुल्य—अपन सदृश वा आत्माक समान। [सं०] राम० (बालकाण्ड) ४ (आत्मतुल्य धन दीनकाँ देथि)। *ātmatulya*—Similar to (one's own) self.

आत्मतुष्टि—अपन प्रसन्नता किम्वा सन्तोष, आत्मज्ञानसँ उत्पन्न तुष्टि। [सं०] (आत्मतुष्टि कएने बिना ककरो चएन नहि होइछ)। *ātmatuṣṭi*—Self-satisfaction.

आत्मत्याग—दोसरक हितक हेतु अपन स्वार्थक त्याग, अपन सांसारिक स्वार्थकेर त्याग। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आत्मत्याग। (आत्मत्यागसँ बैढ आर किछु नहि छैक)। *ātmatyāga*—Self-sacrifice.

आत्मदमन—अपना कैँ (विशेषतः इन्द्रियसभक वृत्तिकेँ) संयमित करब, मनकेँ मरमसि कए राखब)। [सं०] तु० क० हि० बं०, अस०, ने० आत्मदमन। द्विरा०१७ (आत्मदमनक पाठ पढ़बि)। *ātmadamana*—Self-control.

आत्मनिर्भरता—अपना पर निर्भर रहब स्वावलम्बिता। [सं०] द्विरा० २३ (आत्मनिर्भरता ओ स्वावलम्बनक महत्व ओहो बूझय लगलीह)। *ātmanirbharatā*—Self- reliaace.

आत्मनिवेदन—आत्मसमर्पण, अपन कथ्य कहब। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आत्मनिवेदन। गो० २० १ अमर० ८० (पुजन ध्यान आत्मनिवेदन गोबिन्ददास अभिलाष) द्विरा० ८७ (हृदय खोलिकए आत्मनिवेदन करए लगलाह); *ātmanivedana*-Selt-dedication of one's own self especially to god, Presenting own thoughts (etc.).

आत्मनीन—आत्माक हेतु हितकर। [सं०] का० २०। रावण वध २०। *ātmanīna*—Beneficial to self.

आत्मबल—अपन शक्ति वा बल। [सं०] कन्या० १५२ (अपनामे आत्मबल ओ साहसक सञ्चार करथि)। *atmabala*—The power of self-confidence.

आत्मरक्षा—अपन रक्षा वा हिफाजति,आत्मरक्षण। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आत्मरक्षा। वर्ण० ३ (व्यसन परिहार आत्मरक्षा); मो० १७१–१३ (आत्मरक्षाक अभिप्राय शरीर रक्षा नहि)। *ātmarakṣā*—Self-defence.

आत्मलीन—अपनहिमे वा आत्मामे डुबल, आत्मज्ञानी। [सं०]—*ātmalīna*—Absorbed in the thought of the Self.

आत्मवञ्चना—अपनाकेँ अपनहि ठकब। [सं०] मो० २६–२६–२० (ताहिसँ आत्मवञ्चनाक अतिरिक्त फल नहि)। *ātmavañcanā*—To cheat oneself.

आत्मविद्या—आत्मा (आदि) सम्बन्धित ज्ञान, वेदान्त, ब्रह्म विद्या, आध्यात्म विद्या। [सं०] तु० क० हि०,बं०, अस०, ने० आत्मविद्या। मो० ९–११ (केवल ई आत्मविद्या मात्र मे रहति जेना कि उपनिषद)। *ātmavidyā*—Knowledge of the Self.

आत्मविस्मृत—वि०। अपनाकेँ वा स्वयं केँ बिसरब। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आत्मविस्मृत बढ़ैं सवर्धक प्रकृति प्रेम २१। *ātmavismṛta*—*Adj.* Forgetful of one's own existence (origin).

आत्मविसर्जन—आत्मत्याग, प्राणत्याग। [सं०] मि० उद० १५७-१६ (जहि सँ ओ आत्मविसर्जन करबा लए)। *ātmavisarjana*-Giving up one's self (for some greater causes).

आत्मसमर्पण—अपनाके ककरो प्रति समर्पित करब। [सं०] द्विरा० १८६ (ओहि सेनाक बीच आत्मसमर्पण करय पड़लैन्ह)। *ātmasamarpaṇa*—Selt snrrender.

आत्मसम्मान—आत्मगौरव, अपन (उचित) सम्मानकेर भाव। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०,ने० आत्मसम्मान प्रण० ८१ (चुलहाइक्षाक आत्मसम्मान अगि मिक्षा क छाउड़ भ गेल छलैन्ह)। *ātmasammāna*—Self-respect.

आत्मसात—वि०। अपना अधीन, अपनामे लीन। [सं० आत्मसात्] तु० क० अस० आत्मसात। मो० ३–५ (ओ गुजराती आत्मसात नहि कए सकल); मिहि० ३५–३५–१० (केवल वसात ओकरा शबकेँ आत्मसात कए लेलक)। *ātmasāta*—Lost into essential property of some person or objecti's natural self.

आत्मस्थ—वि०। अपन बुद्धि वा विचारमे मग्न, ध्यानस्थ, प्रकृतिस्थ। [सं०] नव० ६२ (खोखाइ मा आत्मस्थ नहि लाइ)। *ātmastha*—*Adj.* Self-conscious, alert.

आत्महत्या—अपन बध स्वयं करब। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आत्महत्या। प्रण० १४६ (आत्महत्या करबा पर तैयार भ गेलाह)। *ātmahatyā*—Suicide.

आत्मा—जीव, अन्तःकरण, बुद्धि, अहंकार, मन, परमतत्त्व। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज०, गु० म० आत्मा। वर्ण० ५८ (चान्द, सूर्य, आत्मा); राम० ११ (आत्मामे नहि मानथि); मो० १३–२ (सद्य; संकल्पित पवित्र आत्मा कैं देखाय नञ्ञा जो केँ राखि लेलन्हि)। *ātmā*—Soul, intellect, the ultimate reality.

आत्मानन्द—आत्माक आनन्द। [सं०] श्रीमद् भा० २०। *ātmānanda*—Bliss of the Soul.

आत्मार्पण—आत्माक अर्पण। [सं०] नव० ७०

(पूर्ण आत्मार्पण)। *ātmārpaṇa*—Complete surrender of one's self.

आत्मीय—वि०। अपन, अपनासँ सम्बन्धित। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस० ने० आत्मीय। पुरु० १०९ (सकल आत्मीय लोकसँ निष्कासित); मि० ३३१; मै० हि० सा० ६ (आत्मीय मैथिल गणक प्रतेक दुर्दशा देखैत छी); मो० ६१–२२ (आत्मीय लोकसभ उत्तम व्यवहार करैत छथि), रंग० ८३ (कोनो आत्मीय सम्बन्धी होइथिन्ह); *ātmīya—Adj.* Related to oneself.

आत्मीयता—मैत्री, अपनत्व, स्नेहसम्बन्ध। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आत्मीयता। प्रश० २ (अयाचित कृपा कए प्रतेक आत्मीयता देखा रहल छथि); नइ० ३२ ओकरा सभ परस्पर आत्मीयताक सम्बन्धमे आबद्ध भेल छल)। *ātmīyatā*—Fiendliness.

आथरि—वि०। अथार-पथार लागल रहब, विशेष मात्रामे पसरल। [सं० आस्तीर्ण अथवा आ + स्थल > थाल > थरि)। (गाछीमे आम अथरि लागल छल)। *āthari–Adj.* Spread widely.

आथि—आबथि (दे०) केर प्रा० तु० रू०। का० प्र०ह FML 393 (V; 3n, 3)। वि० ने० ८० (चेतन कान्ह तोहि जहि आथि); गो० वि० ५ (कदलिपुर पाटन नगर एडु आथि)। *āthi Old* obs. of *ābathi* (q. v.)

आद—एक प्रकारक कन्द विशेष जकर आकार हरदि सन देखबा मे होइछ। [सं० आर्द्रक] तु० क० हि०, उ०, अदरक। प्रश० ६६ (निर्लज्ज ढेकरथि आद गुड़ माङथि); प्रश० १६५ (बानर कि जान गेल आदक स्वाद); द्विरा० ६१ (आद गुड़ खएबाक बयस भेल जाइत छैन्हि) = बच्चा जनमएबाक समय जखन आद गुड़ खुआओल जाइछ; पारी १९ (आद देल कुर्थीक दालि)। *āda*—Ginger.

आदङ्क—भय, डर, आतंक। [सं० आतंक] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आदङ्क। राम० लालदास १६८ (नहि छथि बालि वृथा आदङ्क); म० वि० ६६ (अछि मनमे बड़गोट आदंक)। *ādaṅka*—Fear.

आदति (त)—स्वभाव, प्रकृति, लति (दी०)। [अर०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आदत। आमक० ३८. (हुनका बीस वर्षक आदति रहैन्ह)। *ādati*—Habit, nature

आदमी—मनुष्य, व्यक्ति, भृत्य (दी०)। [अर० आदम + ई) तु० क० हि०, बं०, अस०, अर०, ने० आदमी। मै० हि० सा० (३–४) २८ (एहि तरहे दोसरे आदमी कयलक); मो० २०–३ (तुरत आदमी मालिकक निकट गेल); प्रश० (हम गरीब आदमी छी) आदमी (बनब) = सभ्यता ओ संस्कृति सीखब (दी०)। *ādamī*—Man, servant.

आदर—सम्मान, प्रतिष्ठा, इज्जति, सत्कार। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० भव०, पा० आदर; सि० आद; कु० आद्रो। वि० ने० २२ (आदर अधिक काज न बन्ध); वि० पदा० मनु० १४; रामभद्रपुर पोथी १८७ (हरओ आदर आधन लाथ); गो० भ० १ अमर० ३५ (आदर साध माद करि तासह अहनिशि ज्वलत पराग); मन० ४६ (अपन भगत बुझि आदर कएल); राम० ४० (तथा जनकसँ आदर पाब); महेश० ३१ बिधु दरबारमे आदर पाब); मि० ६ (ओलोकनि एहि पुस्तकक आदर करताह); मि० उद० १५७–४ (अवर्णक आदर सर्वत्र); मो० ६७–७ (हुनक आदर सभठाम भ सकैछ); प्रश० ५७ (जमायक खूब आदर सत्कार भेलन्हि); द्विरा० ८५ (पुरुष खाली गुणक आदर नहि करै छथि)। *ādara*—Respect, reputation.

आदरणीय—वि०। सम्माननीय, आदर करबाक योग्य। [सं०] तु० क० हि०, बँ० अस०, ने० आदरणीय। मि० २५८ (राज्य मे विशेष आदरणीय छलाह); कोबरगीत, ७। *ādaraṇīya—Adj*, Respectable.

आदरास्पद(दा)—वि०। आदरक पात्र (पात्री)। [सं०] मिथिला १–३०१ (अत्यन्त शोभायुक्त भए लोकमे विशेष आदरास्पद भए जायत); मि० मित्र १०४ (स्त्री घरसँ बाहर घरिक सर्वसाधारणक आदरास्पद (भै सकैत छथि)। *ādarā-spada(dā)—Adj.* Worthy of respect.

आदरार्थ—क्रि० वि०। आदरक हेतु वा निमित्त। [सं०] मि० ३७४ (अतः आदरार्थ सम्प्रति एहि शब्दें हिनका बढ़ाय चढ़ाय); मो० ६२–२२ पण्डितक आदरार्थ धोती किछु नहि); भलमानुस ४६। *ādarārtha—Adv.* For showing respect.

आदरि—आदर (दे०) केर का० रू०। वि० ने० १६२ (भल परिहर नहि आदरि आँनि)। *ādari*—Poet. of *ādara* (q.v.).

आदर्श[1]—उत्कृष्ट, युक्ति गत (सिद्धांत वा मान्यता)। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, आदर्श। मो० १०२–२० (लोक आदर्श मानैत अछि)। *ādarśa*[1]*—Adj.* Noble, idea (principal).

आदर्श[2]—दर्पण, अएना, शीशा, जकर रूप आ गुणक अनुकरण प्रत्यक्ष कएल जाय। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अव०, राज०, आदर्श; प्रा० आदाश; ओअक प्राकृ० आनंस ओअग, अ.यंस आयास; सिंहाली आहिरी; लहन्दा अन्हीं; आशि; गु० अरिसो, आरसि; उ० आरिसि, ओआसि; म० आरसा, अरो; हि० मै० आरसि। वर्ण० [१] (आदर्श आनि उपनीत कए)। *ādarśa*[2]—Mirror.

आदर्शवाद—सर्वत्र, उपलब्ध, यथार्थ या व्यवहारिक सँ भिन्न, जेना दृश्य आदर्श (सर्वोत्तम) होइछ ताहरा वर्णन ओ अपेक्षा करब। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज०, आदर्श। द्विरा० ७७ (आदर्शवादक रक्षा करैत बजलाह)। *ādarśavāda*—Idealism.

𑒂𑒠𑒩𑓂𑒮𑒹 **आदर्से**—आदर्श (दे०) केर का० रू०। चन्द्र २१ (सुरी किन्नरी आदर्से)। *ādarse*—Poet. of *adarśe* (q. v.).

𑒂𑒠𑒰𑒢 **आदान**—लैब, ग्रहण करब। [सं०] तु० क० हि०, बं०, पा०, अस०, ने० आदान प्राकृ० आयाण। (आहाँ आदान कें प्रदानसँ विशेष महत्त्व देने छिऐक)। *ādāna*—The act of taking.

𑒂𑒠𑒰𑒥 **आदाब**—नमस्कार, प्रणाम, सलाम, जोहार, तौर तरीका, कायदा। [अर०] तु० क० हि०, अर० उर्दू० फार० आदाब। (आदाब मौलवी साहेब)। *ādāba*—Salutation, manner.

𑒂𑒠𑒱[1] **आदि**[1]—वि०। प्रथम, पहिल, आरम्भ। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, पा० आदि; प्राकृ० आइ, आइए। वर्ण० ५६ (आदिपर्व, सभापर्व, अरण्य पर्व); राम० २१ (आदि अन्त हुहू देलक मारि;) महेश० २६ (आदि करम मोर की मेल), मि० उद० १५७–१ (आदि कालहिंसँ सर्वजन्य मान्यता); मो० १७–२ (नवम वर्षक आदि काँ) (आदि विरोध नीक अन्त विरोध त्रिवि नीक); (आदि धरिसे अरदरा, अन्त ने वरखे हस्त। मध्य वरखे मघा, तँ कि करत गिरहस्त)। *Ādi*[1]—*Adj*. Beginning.

𑒂𑒠𑒱[2] **आदि**[2]—अव्य०। इत्यादि, आओर-आओर। [सं०] वि० वि० ४ (वीरसिंह राजादि) राम० ७६ (नृपति किरीटि आदि नहि अङ्ग); मै० हि० सा०, १५ (अलसता दीर्घसूत्रता आदि); मो० ७३ अपन नाम गामादि स्पष्ट लिखथि); चित्रा ८२ (पौत्र, पौत्री, नाति-नतिनी आदि)। *ādi*[2]—Ind. Etc, so and so.

𑒂𑒠𑒱𑒁𑒯𑒱 **आदिअहि**—आदि[1] (दे०) केर निश्च० रू०। मि० उद० १५८–६ (सृष्टिक आदिअहिसँ अछि)। *ādiahi*—Emph. of *ādi* (q. v.).

𑒂𑒠𑒱𑒋 **आदिए**—आदिअहि (दे०) केर बा० रू०। रंग ५४ (दाम्पत्य जीवनक आदिएमे हम परास्त भए जाएब)। *ādie*—Coll. of *ādiahi* (q.v.)

𑒂𑒠𑒱𑒏𑒰𑒪 **आदिकाल**—प्रारम्भिक काल वा समय। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, आदिकाल। (आदिकाल सँ सुब सब अपन अपन पूर्वजक रक्षा करैत आबि रहल अछि)। *ādikāla*—Early period, beginning time.

𑒂𑒠𑒱𑒏𑒰𑒫𑓂𑒨 **आदिकाव्य**—सबसँ पहिल काव्य, बाल्मिकी रामायण। [सं०] तु० क० हि० बं०, अस०, ने० आदिकाव्य। (आदिकाव्यक रचना कए बाल्मिकी अमर भए गेलाह)। Run *ādikāvya*—First (literary) composition (especially *Vālmīki. Rāmāyana* epic)

𑒂𑒠𑒱𑒞𑒱 **आदिति**—अदितिक ग्रा० रू०। तु० प्र०। अठारह पतिव्रता नारीमे सँ एककेर नाम। [सं० अदिति] वर्ण० ५६ (जानकी, गान्धारी आदिति)। *āditi*—Folk form of Aditi (q.v.), name of a woman in Hindu mythology, the mother of Gods.

𑒂𑒠𑒱𑒞𑓂𑒨 **आदित्य**—सूर्य, अदितिक पुत्र, देवता, इन्द्र, वामन, वसु, विश्वेदेव, मंदार पुष्प। [सं०] तु० क० हि० बं० अस०, ने०, आदित्य। वर्ण० १५ (आदित्य संसारक चिन्ताकइ अस्ताचल गइ उपगत भउअइ); अम० ४ (आदित्य विश्व वसु)। *āditya*—The sun.

𑒂𑒠𑒱𑒞𑓂𑒨𑒣𑒳𑒩𑒰𑒝 **आदित्यपुराण**—एकटा पुराणकेर नाम। [सं०] वर्ण० ६० (नरसिंह पुराण, आदित्यपुराण)। *ādityapurāṇa*—Name of a *Purāṇa*.

𑒂𑒠𑒱𑒧 **आदिम**—पहिलुका, प्राचीन। [सं० आदि + म] पुरु० १८६ (वर्ग पड़ आदिम नाम रेख); द्विरा० २६ (आदिम समयक सँ पुरुषक अत्याचारसँ पीड़ित)। *ādima*—First, earliest days.

𑒂𑒠𑒱𑒫𑒰𑒮𑒲 **आदिवासी**—वि०। सबसँ पहिले पहिल बसनिहार, प्रथमे प्रथम निवास कएनिहार। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आदिवासी। मै० इ० मा० ६ (भारतवर्षक आदिवासी लोकनि दक्षिण बिहारमे रहैत छथि, एखनहु धरि हिनकालोकनिमे सभ्यताक पूर्ण प्रसार नहि भेलैन्ह अछि)। *ādivāsī*—*Adj*. First inhabitant, aborigine.

𑒂𑒠𑒱𑒬𑒏𑓂𑒞𑒱 **आदिशक्ति**-मूल वा आदिशक्ति, महामाया दुर्गा। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज०, आदिशक्ति। पुरुष १८६ (आदिशक्तिकैं प्रणाम सदा करैत छी); ऐ० (पद युगल कमले तैं आदिशक्ति प्रणाम); द्विरा० २१४ (सम्प्रति आदिशक्ति पुरुषक गोष्ठीमे रंग बिरंगी वेष भूषाक छटा देखा); *ādiśakti*—Divine power of God.

𑒂𑒠𑒱𑒭𑓂𑒙 **आदिष्ट**-वि०। आदेश प्राप्त, जकरा आज्ञा देल गेल छैक आदेश पाओल। [सं०] तु० क० हि० आदिष्ट। *ādiṣṭa*—*Adj*. Who has been ordered.

𑒂𑒠𑒲[1] **आदी**[1]—वि०। अभ्यस्त। [अर०] रुपैया राज २७। *ādī*—*Adj*. Habituated.

𑒂𑒠𑒲[2] **आदी**[2]—आद (दे०) केर ग्रा० रू०। (आदी, हरदी, धनियाँ लेबै यै)। *ādi*[2]—Folk of *āda* (q. v.).

𑒂𑒠𑒵𑒞 **आदृत**—आदर वा सम्मानित कएल गेल। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आदृत। मि० उ० १५७–२५ (आदृत सदपंडितक अभाव भै गेल अछि)। *ādṛta*—*Adj*. Who is respected.

𑒂𑒠𑒹𑒬 **आदेश**—आज्ञा, हुकुम, उपदेश, विवरण। [सं०] तु० क० हि०; बं०, अस०, ने० आदेश, प्राकृ० अ.एस आएएस; मि० ३०२ (यथा विधान करबाक आदेश देल); प्रण० ४२ (आंगनमे किछु आदेश द)। कन्या० १३६ (आदेशसँ ढुनमुनका की पीठ झाड़ए लगलथिन्ह) *ādeśa*—Order.

𑒂𑒠𑒹𑒬𑒰𑒢𑒳𑒮𑒰𑒩 **आदेशानुसार**—आज्ञाक अनुसार वा

अनुकूल। [सं०आदेश + अनुसार] प्रण० १३८ (यजमानक **आदेशानुसार** होम कर लगलाह), रंग ४४ हुनक **आदेशानुसार** एक टा बनबाओल गेल)। *ādeśānusāra*—According to the instruction.

𑒂𑒠𑓂𑒨𑒢𑓂𑒞 **आद्यन्त**—अव्यय। आदिसँ लय अन्त तक, समस्त, सम्पूर्ण। [आदि + अन्त] मि० ३०२ (सब समाचार **आद्यन्त** सुनि प्रसन्न भेलीह)। *ādyanta*—*Ind.* From the beginning to the end.

𑒂𑒠𑓂𑒨𑒏𑓂𑒭𑒩 **आद्यक्षर**—पहिल अक्षर। [सं०] । मि० ४०७ (पुरोहितक दृष्टि दोषें सुमङ्गली नामक **आद्यक्षर** अकार पड़ला गेले)। *ādyakṣara*—First letter.

𑒂𑒠𑓂𑒨𑒰 **आद्या**— दुर्गा, प्रधानशक्ति, दश महाविद्यामेसँ प्रथम देवी, आदिमे उत्पन्न सृष्टि आदि। [सं०] तु० क० हि० **आद्या**। मो० १३४-२ (आद्या देवीक मन्दिरसँ किछु दूर)। *ādyā*—Primitive Goddess, Durgā.

𑒂𑒠𑓂𑒨𑒼𑒣𑒰𑒢𑓂𑒞 **आद्योपान्त**—क्रि० वि०। शुरूसँ आखिर धरि। [सं०] तु० क० हि० आद्योपान्त। मै० हि० सा० (१) (**आद्योपान्त** समान रूपसँ कयल गेल अछि); मि० ३४६ (**आद्योपान्त** इतिवृत्त माडनिक मूँह सुनल); द्विरा० ८७ (**आद्योपान्त** अपना विवाहक उपाख्यान कहि सुनौलथिन्ह); पारो ३५ (तखन **आद्योपान्त** सबटा सुनि त लैह)। *ādyopānta*-*Adv.* From the beginning to the end.

𑒂𑒠𑓂𑒩𑒏 **आद्रक**—आद (दे०) केर प्रा० रू०। वर्ण० ६५ (जमानि **आद्रक**)। *ādraka*—Old form of *āda* (q v.).

𑒂𑒠𑓂𑒩𑒰 **आद्रा**—आर्द्रा (दे०) केर बा० रू०। तु० क० अरदरा कट्ठ० ६७ (आद्रा नक्षत्रमे आम खोआ)। *ādra*—Coll. of *ārdrā* (q.v.).

𑒂𑒡 **आध**—आधा (दे०) केर संक्षि० रू०। (समस्त पद अथवा चमत्कारिक प्रयोगमे सेहो अबैछ) । वि० ने० ७८ (आध नयन दए तहु कर आध); वि० पदा० मजु० ६०,नेपाल ५८ (ख) तालपत्र न० गु० २०६; अ० २०७ (रजनी आध समाजे); मो० मृ० १ अमर ४ (आधक **आध आध** दिठि अञ्चल जब धरि पेखल कान)। मन० ३६ (प्रातहिँ आध देश देव बाँटि); राम० १३० (आध पहर धरि कयलक मारि); प्रण० १०३ (सूर्योदयसँ **आध** पहर पहिलहि)। *ādha*—*Short* Form of *ādhā* (q.v.).

𑒂𑒡𑒯𑒱 (𑒯𑒳) **आधहि (हु)**—आध (दे०) केर निश्चय रू०। वि० पदा० मजु० ३७७ (आधहु अधिक संकोचित अंग); राम० ७ (**आधहि** पथ ससी हसि उगल) । *ādhah* *(hu)*—Emph. of *ādha* (q.v.).

𑒂𑒡𑒰 **आधा**—वि०। कोनो वस्तुक दुइ बरोबरि भागमेसँ एक भाग। [सं० अर्द्ध] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज०, आधा; प्राकृ० अद्ध; FML ३७८ **आध आधे**; प्रा० मै० अध; पा० अद्ध; कसी अड; ओड्‌; लहन्दा अध्ध, आधो; कु० आद; **आधो**; म० आधा; मार० आधो; सि० अड, अडु; उ० अध। वि पदा० मजु० ५६६ (चालिस कोटि **आधा** हरि लेल); मो० ६०-१२ (**आधा** नहि होइछ);प्रण० ५४ (आधा घण्टामे बालक बनि ठनि कए बाहर ऐलाह); पारो ६ (आबत आँखी **आधा** बिसरिए गेल अछि); **आधा** आधी = परस्पर आधा (दे०) । *ādhā*—*Adj* Half.

𑒂𑒡𑒰𑒢 **आधान**—स्थापन, राखब, ओ स्थान जतए वस्तु राखल जाए। [सं०] तु० क०, हि०, बं०, अस०, ने०, राज०, पा० आधान। रस निर्झरणी ४१ । *ādhāna*—The act of keeping or placing (something) the place where things can be kept.

𑒂𑒡𑒰𑒩 **आधार**—आश्रय, अवलम्ब, भक्षण (दे०); पात्र (नाटक), मूल, नेओँ। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज०, पा० आधार; प्राकृ० आहार; सि०अहुरु; कु० आ ; म० आहार; आहा; गु० आरो। वर्ण० ६५ (आधार आज्यभाग); राम० १२३ (सब जीवक धरणी आधार); मै० हि० सा० (३-४) २७ मूल रहस्यक **आधार**पर कोनो काज कयल जाए); मो० १७१-६ (इतिहासक आधार पर लिखैत छी); कन्या० ७२ (आधार रूपमे परिणत भ गेलैन्ह); नव० ६५ (पुरान खिस्सा पिहानी के **आधार** बनाकेँ नाटक लिखथि) । *ādhāra*—Support.

𑒂𑒡𑒱 **आधि**—मानसिक व्यथा, चिन्ता, फिक्र, शोच, उदासी; विपत्ति; दुर्भाग्य। [सं०] तु० क० हि०,बं०,अस०, ने०, अव०; राज० आधि, प्राकृ० आहि; उ० आहिआ,आह्या); गोरख वि० २ (क) (रति एक दीन मेटाव × × = हि आधि); वि० ने० (तैओ न जाए तसि आधि बाहर); वि० पदा० मजु० ८६, ता० पत्र न० गु० ३३०, अ० ३२७ (आधि सब अधर मधुपान देवी); राम० ३७ (आधि विवाद हृदय विस्तर); राम० १५० (आधिक अवधि अन्त दिन आज); शत० ८ (बनि गेलहुँ **आधि** परवश अति कारी)। *ādhi*—Malady, anxiousness, trouble.

𑒂𑒡𑒱𑒏𑓂𑒨 **आधिक्य**—अधिकता, प्रचुरता। [सं०] तु० क० हि०, बं०; अस०, ने०आधिक्य। पुरु० ९६४ (ततय लोभक **आधिक्य** सौं); मो० १७४-४८ (सुन्दरताक **आधिक्य**; व्यभिचार नहि); खट्ठ० ३ (सत्त्वगुणक आधिक्य होअक चाही)। *ādhikya*—Excess, abundance.

𑒂𑒡𑒱𑒖𑒰𑒪 **आधिजाल**— चिन्ता, उदासी, वा व्यथाक जाल। [आधि + जाल] चन्द्र ३६४ (वियोग दुख आधिजाल)। *ādhijāla*—Net of worries or mental agonies.

𑒂𑒡𑒱𑒣𑒞𑓂𑒨 **आधिपत्य**—अधिकार, प्रभुत्व, स्वामित्व। [सं०] तु० क० हि०, बं० अस०, ने०, राज० आधिपत्य। मो० १०१-१५ (मैथिल महासभाक **आधिपत्य** रहतन्हि); प्रण० १६ (स्वयं सिद्ध **आधिपत्य** जमि गेल छन्हि)। *ādhipatya*—Supremacy, sovereignty, power.

𑒂𑒡𑒱𑒦𑒾𑒞𑒱𑒏 **आधिभौतिक**—शरीरधारीकृत वा सम्बद्ध।

[सं०] तु० क० हि० आधिभौतिक। प्रण० १८७ (आधिभौतिक जगतमे आबि गेलाह); चित्रा ५७ (आधिभौतिक शक्ति दासी बनौने जा रहल अछि)। *ādhibhautika*—Caused by, concerned with living beings.

श्राधिव्याधि **आधिव्याधि**—दुःख, शोक, चिन्ता, रोग। [आधि + व्याधि = आधि (मानसिक) + व्याधि (शारीरिक)] (मो० ६७–२२ आधि-व्याधि पूर्ण संसार मे भक्ति कतै)। *ādhi-vyādhi*—Mental and physical griefs or agonies.

श्राधी[1] **आधी**[1]—शतरंजमें आधा जीत, खेतक बटेदारी। [आधा + ई] (औं! आब अहाँ कि खेलाइब हमरा संग, पांच बाजीमे एक बाजी बुझि काथि क आधीसँ जीतल)। *ādhī*—Half victory in chess, when the king aloneremains in the end, Cultivation on half-share as payment.

श्राधी **आधी**[2]—आधि (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० १८५, नेपाल ७३, न० गु० ७६ (अबुध सखीजन न बुझए आधी)। *ādhī*[2]—Poet. of *ādhi* (q.v.)

श्राधीन **आधीन**—अधीन (दे०) केर वा० रू० ओ का० रू०। राम० लाल दास १४६। *ādhīna*—Coll. and poet. of *adhīna* (q. v.).

श्राधीस **आधीस**—अधीश (दे०) कैर का० रू०। मन० कृष्ण ५ (माटि काटि कयल आधीस)। *ādhīsa*—P. F. of *adhīsa* (q. v.).

श्राधुत **आधुत**—नृत्यक तेरह प्रकारक भाव भंगिमामेसँ एक। [सं० आ + ध्वनि; धुनि] व० र० ५० (धुत, विधुत, आधुत)। *ādhuta*—Name of a kind of gesture in dancing.

श्राधुनिक **आधुनिक**—वि०। आइ कालिहक, वर्तमान समयक, नवीन। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, नेo, अव०, राज० आधुनिक; प्राकृ० आहुणिय। मि० २०५ (आधुनिक भूमिहार कुलपांसन सभ अपनाकें षटकर्म्मा तथा मैथिल ब्राह्मण तनक कहैत लज्जित भै); मि० उद० १५८–१४ (आधुनिक जकाँ अनेक ठाम चौपाहि छन्ह); मो० ९८–१ (जाहि आधुनिक कपटधर्मी कें निश्चय करैक होइन्ह); प्रण० २०० (आधुनिक नारी सर्वथा बन्धनमुक्त भ क रहए चाहैत छथि); चित्रा ५५ (नीक हमरा लगइ अछि ई आधुनिक संसार)। *ādhunika*—*Adj*. Modern, of to-day.

श्राधुनिका **आधुनिका**—आधुनिक (दे०) केर स्त्री० रू०। पारो ३० (आधुनिकालोकनिक किछु पद्य ल क पीसीकें किछु कह नाइ आवश्यक बुझि पड़ल)। *ādhunikā*—Fem. of *ādhunika* (q. v.).

-श्राधुर-**आधुर**-प्रत्यय। तच्छील कर्त्तामे अर्थात् ओहि क्रियामे अभ्यास ओ कौशल प्राप्त कएनिहार कर्त्तामे खा धातुसँ—आधुर जोड़ल जाइछ। ल० वि० १३६ (खाधुर)। —*ādhura*—Suffix in the sense of excess.

श्राधे **आधे**—आधहि (दे०) केर वा० रू०। वि० पदा० मजु० ८७, तालपत्र न० गु० २२५ अ० २२६ (किनल कन्हाइ लोचन आधे); नव० ७४ (चकेरीमे सेर आधेक गोटा सुपारी); आमक० १६ (आधे आँखिये हुनका दिस तकैत)। *ādhe*—Coll. of *ādhahi* (q. v.).

श्राधेय **आधेय**—आधारपर स्थिर वस्तु, जे वस्तु ककरो आधारपर रहए; रखबाक योग्य। [सं०]। द्विरा० ८६ (ओ आधेय गुणसँ अधिक आधार द्रव्यपर लट्टू छथि)। *ādheya*—The thing which ought to be or is supported, kept or held.

श्राधो **आधो**—आधहु (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० १८६ मि० १० (ताहि दिअ विधि सुख आधो)। *ādho*—Coll. of *ādhahu* (q. v.)

श्राध्यात्मिक **आध्यात्मिक**—वि०। अध्यात्मसँ सम्बन्ध रखनिहार, मन सम्बन्धी, आत्मसम्बन्धी। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० आध्यात्मिक। मि० उदा० १५७–१६ (आध्यात्मिक टा एहि लौकिक) मो० १०२–१ (आध्यात्मिके विषय पर वार्तालाप कै रहल छलहुँ); खट्ट० १३४ (वैह आध्यात्मिक हमरालोकनिकें अकर्म्मण्य बना देलक); प्रण० १४८ (पंडितजी एकाएक आध्यात्मिक जगतसँ आधिभौतिक जगतमे आबि गेलाह); द्विरा० (शुद्ध आध्यात्मिक प्रेम रखैत छी)। *ādhyātmika*—*Adj*. Spiritual, concerning the soul or mind. (q. v.).

श्राध्वान **आध्वान**—उद्गार, ढेकार (दी)। [सं०] तु० क० भुआइन ढेकार। *ādhvāna*—Belch.

-श्रान[1]-आन[1]- प्रत्यय। भाववाचक। पिसान, उड़ान। -*āna*[1]—Suffix in the sense of belonging.

श्रान[2] **आन**[2]—अन्य, भिन्न (दी०), दोसर। [सं० अन्य] तु० क० पा० अन्नँ; अनँअ; प्रा० अण्ण; अरण, लहन्दा अञ्ञ; कु० आन; उ० आन; म० आन अण, आर्णा आग; गु० सि० अन। वर्ण० ६५ (आन प्रजापत्य); कीर्तिलता २८ (चरण नाच तुरुकिन आन किछु काहु न भावइ); गोरक्ष विजय ११ (क) (राजा शिवसिंह रूपनारायन बुझि बुझाओब आन); गो० शं० १ अमर (नोदन मूरति रव श्रुति परिपूरित नै सुनै आन प्रसङ्ग); वि० वि० ३ (विदित भुवनतर केओ नहि आन); श्री कृ० ज० १० २३ (भेल आन सौँ आने); पुरु० २०० (आन लालच मन आबै); मो० ६७–८ (आन देशक अपेक्षामे थोड़ नहि छथि); खट्ट० २ (आन ठाम सुनि सकबह); चित्रा ८२ (आन वाणी थीक दूरक ढोल)। *āna*[2]—Other.

श्रान[3] **आन**[3]—आनब (दे०) केर वा० रू० क्रि०। मन० ४८ (से मोर मित्र जे सत्रुहि आन)। *āna*[3]—Coll. of any form *ānaba* (q.v.).

श्रानए **आनए**—आनब (दे०) केर प्रेरणा० रू०। वि० पदा० मजु० १३, न० गु० (३२) ३ य, अ० ६४५ (निति मोर्वे जाओ भिखि आनओ माँगि); प्रण० ७ (थारी बाटी माँजि क आनब

আনএ তাবত কমরী লগেত কোঅ সাফ); আমক০ ৩৩ (কিছু আনএ কহৈত হেতাহ)। *ānae*—Caus. of *ānaba* (q.v.).

আনক **আনক**—অনবাক, দোসরাক। [আন + ক] বর্ণ০ (আনক মারি সৈ তন্হিক সিরাল); রাম০ ২৫ (আশ্রমমে মেল আনক আন); মৈ০ হি০ সা০ ২ (২ ২) ২ (আনক মরণ ন কথল ভৃত্য জানি আনক); মি০ উদ০ ১৫৩-১০ (খনে আনক উপদেশ); হিরা০ ১৪০ (আনক তরকীব)। *ānaka*—Of others.

আনকই **আনকই**—আনক (দে০) কের প্রা০ রু০ রু০। বি০ পদা০ মজু০ ১৪৪, তালপত্র ন০ গু০ ৬২৫ অ০ ৮৩২ (আনকই রূপহিত পরা রহহ)। *ānakai*—Old obs. form of *ānaka* (q. v.).

আনকা **আনকা**—আনক (দে০) কের কা০ রু০। বি০ নে০ ৩৬ (আনকা রূপ হিতে পর হোঅএ)। *ānakā*–P.F. Of *ānaka* (q. v.).

আনঙ্গ **আনঙ্গ**—অনঙ্গ (দে০) কের কা০ রু০। বি০ নে০ ৬৪ (কলিযুগ গতি কে সাধু মন ভঙ্গ সবে বিপরীত করব আনঙ্গ)। *ānaṅga*—P. F. of *anaṅga* (q. v.).

আনঠাঁ(ঠাম) **আনঠাঁ(ঠাম)**—আন জগহ, অন্যত্র, দোসর স্থান। [আন + ঠাম] FML 436; পুরু০ ২০২ (ঈ বিচারি আনঠাম জায়ব)। *ānaṭhā̃* (*ṭhā̃ma*)—Elsewhere

আনত **আনত**—আনব (দে০) কের অনা০ ভবি০ মধ্য পু০ রূ০। গো০ শ্রৃ০ ১ অমর ২৮ (পামরি গোবিন্দ মরি জায়ব সাজি আনত তহু তীরে); রাম০ ১৬৬ (কে হিত আনত তনিক সন্দেশ); রং০ ২৪ (ই আভোর বস্তু আনত)। *ānata*—Nonh. second person future tense of *ānaba* (q.v.)

আনথি **আনথি**—আনব (দে০) কের আদ০ অন্য পু০ রূ০। রাম ১২৪ (লছমণ আনথি ভরি-ভরি বারি); মি০ উদ০ ১৫৮-৮ (আনথি রুপৈআ মাঁগি কৈ); হিরা০ ২ (বাহরসঁ মাস কয আনথি)। *ānathi*—*Hon.* third person form of *ānaba* (q.v.).

আনন **আনন**—মুঁহ; চেহরা, আকৃতি; [সং০] তু০ ক০ হি০, বং০, অস০, নে০, অব, আনন। বি০ পদা০ মজু০ ২৩, রাগ ত০ ১২; ন০ গু০ তালপত্র ৫৪০, অ০ ৫৫২ (জনু মধুর হাক পসাহি আনন করয বচন বিকাস); মন০ ১৭ (আনন চুম্বি পযোধ ধয়ল); বি০ বি০ ১৩ (আনন অনন্দকন্দা রে); রাম০ ৭৪৪ (বক্ষস্থলমে আনন); মো০ ১০১-৮ (আনন মুখ উপমান অছি দেখল অব সংসার); শত-দল ১৭ (আননমে পাবন ভূমি লগল)। *ānana*—Face, Mouth.

আননহি **আননহি**—আনন (দে০) কের নিশ্চ০ রু০ রু০। বি০ নে০ ६ (কুচ দুহু উপর আননহি হের); রাম০ ४৭ (এহি সময দৈবে আননহি বিহুলে ঐসন বুঝিঅ বিশেষা)। *ānanahi*—Emph. of *ānana* (q. v.)

আননা **আননা**—আনন (দে০) কের কা০ রু০। আনন্দ বিজয় ३৭ (আননা)। *ānanā*—Poet. of *ānana* (q. v.).

আনন্দ **আনন্দ**—প্রসন্নতা, হর্ষ, খুসী, আহ্লাদ। [সং০] তু০ ক০ বং০, অস০, নে০ অব০ রাজ০, পা০ আনন্দ; হি০আনংদ; গু০ আণংদ; প্রা০ গু০ আণংদ। গোরক্ষ বিজয ৩ (ক) (সংগহি মাননিয়া হৃদয আনন্দ); বি০ নে০ ৪০ (আনন্দ নন্দ নোরে নযন ভরি গেল); বি০ পদা০ মজু০ ৮, বং০ সা০ পত্রিকা ১৩০१ পৃ০ ३০, ন০ গু০ ६, অ০ ১০০৭ (মানব মন আনন্দ ময়ঔ); গো০ শ্র০ ১ অমর ३ (দুহু সুখ সাগর আনন্দ ভাসল দুহু রসেঁ নিমগন ভেলি); মন০ ১১ (আনন্দ নন্দক উর ন সমাএল); বি০ বি০ ৮ (করত আনন্দ বিলাসে); রাম ২৭ (কৃত সুকৃত্য আনন্দ বিশাল); মি০ উদা০১৫৮-৭ (ক্যৌ ভরল ছথি আনন্দ); মো০ ৪৩-৫ (কী করতি আনন্দ বাজত বধৈয়া); পারী ১৭ (জে সুনি মৌন আনন্দ হো)। *ānanda*—Happiness, pleasure.

আনন্দকন্দ **আনন্দকন্দ**—আনন্দক মূল স্রোত, ঈশ্বর, ভগবান। [সং০] কীর্তিপতাকা ६ (তদ্‌··· আনন্দকন্দোঘমিন্দু); মন০ ४৫ (তাহি বিচ দেখল আনন্দকন্দ); শ্রীকৃষ্ণ কেলিমালা १४ (আব জে সে আনন্দকন্দ রে)। *ānandakanda*—God.

আনন্দকন্দা **আনন্দকন্দা**—আনন্দকন্দ (দে০) কের কা০ রু০। লোচন রাগ০ ४१ (মম তু আনন্দকন্দা রে)। *ānandakandā*—Poet. of *ānandakanda* (q. v.).

আনন্দঘনা **আনন্দঘনা**—বি০। আনন্দ সঁ ভরল। [সং০] তু০ ক০ হি০ আনন্দঘন। মহেশ০ १३ (অহাঁ কী আনন্দ-ঘনা)। *ānandadhanā*—*Adj.* Full of pleasure.

আনন্দময়ী **আনন্দময়ী**—বি০ স্ত্রী০। আনন্দ বা প্রসন্নতাসঁ পরিপূর্ণ। [সং০] মো০ ६৭-२१ (হমর আনন্দময়ী মায)। *ānandamayī*—*Adj. Fem.* One full of pleasure

আনন্দা **আনন্দা**—আনন্দ (দে০) কের কা০ রু০। চন্দ্র০ ३१५ (শিব সেবা বিনু নহি আনন্দা)। *ānadā*—Poet. of *ānanda* (q v).

আনন্দিত **আনন্দিত**—বি০। মুদিত, হর্ষিত, জে সভ আনন্দ বা প্রসন্ন অছি। [সং০] তু০ ক০ হি০ আনন্দিত। রাম १६ (পায়স লেল নৃপতি আনন্দিত)। প্রণ০ १६७ (মধুর কল্পনাসঁ আনন্দিত ভ উঠলহ)। *ānandita*--*Adj.* Pleased, happy,

আনন্দে **আনন্দে**—আনন্দ (দে০) আনন্দেঁ, আনন্দসঁ কের

का० रू० । वि० पदा० मजु० १११, न० गु० तालपत्र ४६७, अ० ४६२ (दरसने कत **आनन्दे**); वि० वि० ४ (**आनन्दे** जाएब चातु कलावति); चर्या० ३०/४; नव० ११४ (दुहु मुख मंडल आनन्दे उद्भासित) । *ānande*—Poet. of *ānanda* (q. v.).

𑒂𑒢𑒢𑓂𑒠𑒼𑒞𑓂𑒣𑒰𑒠𑒏 **आनन्दोत्पादक**—वि० । आनन्दक वा प्रसन्नताक उत्पादक वा उपजओनिहार । [आनन्द + उत्पादक] मि० मित्र २४१ (लौकिक मेलहुँ सन्ता अलौकिक **आनन्दोत्पादक** छो) । *ānnadotpādaka*—*Adj.* Creator of pleasure.

𑒂𑒢𑒥(𑒰) **आनब(ा)**—क्रि० । आनयन (दी०), आनबाक वा लएबाक क्रिया । [सं० आनयन] । (हमरा लए अहाँ किछु आनब कि नहि ?) कन्या० ६१ (वर आनबाक कोन कथा) । *ānaba*—*(ā)* –V. To bring forth.

𑒂𑒢𑒨 **आनय**—आनए (दे०) केर वि० रू० । वि० पदा० मजु० ५, न० गु० तालपत्र ५४, अ० ७८ (आनय गुआ पान); राम० १०३ (**आनय** हेतु राम नृपवरकाँ) । *ānaya*—Alt. of *ānae* (q v.).

𑒂𑒢𑒨𑒢 **आनयन** लाएब, उपनयन संस्कार । [सं०] तु० क० हि० आनयन । विश्वेश्वर चम्पू (अ); साहित्य पत्र १–१–४३ । *ānayana*—Bringing, the upanayana ceremony.

𑒂𑒢𑒪 **आनल**-आनब (दे०) केर भू० आ० रू० । वि० पदा० मजु० ३१, नं० गु तालपत्र ६४; अ० ११ (ततहु सञे हठे हटि **आनल**); राम० १०५ (गुरु आनल सभ सौं भल देवि); चित्रा १३ (उठा कए **आनल**); पारो १३ (हाथ धक आनल जैताह) । *ānala*—Hon. past tense of *ānaba* (q. v.).

𑒂𑒢𑒪𑒱 **आनलि**—आनल (दे०) केर स्त्री० रू० । वि० ने०, ५२ (बालि बिलासिनी जतने **आनलि** रमण करव सखि); वि० पदा० मजु० १०८; रामभद्रपुर पोथी पद ३१ (आस दइअ पर पेअसि **आनलि**) । *ānali*—Fem. of *ānala* (q. v.).

𑒂𑒢𑒪𑒴𑒿 **आनलूँ**—आनल (दे०) केर प्रा० लु० रू० । वि० पदा० मजु० ६८, अं० ८४५ (सा० प० २०१ सं पोथी) (**आनलूँ** धर्म परतोले) । *ānalū̃*—Old obs. of *ānala* (q, v.).

𑒂𑒢𑒪𑒹 (𑒪𑒼) (𑒪𑒾) **आनले (लो) (लौं)**—आनल (दे०) वा अनलहुँ केर का० रू० । वि० पदा० मजु० ५१ (कत अनरोधी **आनलो** परबोधि); सुभद्राहरण १२१ (**आनले**); चन्द्र० ३३३ (दुरमति **आनलौं**) । *ānale (lo) (lau)*—Poet. of *ānala* (q.v.). analahu.

𑒂𑒢𑒫 **आनव**-आनब (दे०) केर वि० अशु० का० रू० । वि० ने० ६६ (आनव नागर नयने बभाए); वि० पदा० मजु० ३३, तालपत्र १५, अ० ६० (**आनव** कओन उपरि); वि० वि० २१ (कौन जुगुति कय **आनव** से जन मोय); राम० १५ (**आनव** हम ठानव (प्रपंच;) अण० १५४ (औ सब बथीमे **आनव** ?)। *ānava*— Alt. Err. Poetic. of *ānaba* (q. v.).

𑒂𑒢𑒫𑒱 **आनवि**-आनव (दे०) केर स्त्री० रू० । वि० पदा० मजु० ६६, तालपत्र न० गु० २३४, अ० २३५ (बारि बिलासिनि आनवि कहाँ) । *ānavi*—Fem. of *ānava* (q. v.).

𑒂𑒢𑒯 **आनह्**—आनब (दे०) केर आद० म० पु० आज्ञा० रू० । वि० पदा० मजु० ९८, तालपत्र न० गु० ३७१, अ० ३६८ (पउसि **आनह** गजगामिनि रे); मन० ४ (**आनह** छओ गोट दानव बाल); राम० १३१ (हरि **आनह** मन इच्छित नारी); चन्द्र० १८३ (**आनह** ताकि यतन बधछाल) । *ānaha*—Hom. Imp. second peron of *ānaba* (q.v.).

𑒂𑒢𑒯𑒱 **आनहि**—आन² (दे०) केर निश्च० रू० । वि० पदा० मजु० १८९, नेपाल ८६ (ख) (**आनहि** **आनह** पेम बयना); गो० शृं० १ अमर ४७ (चुम्बन बदन बदन रहु मेलि । **आनहि** भाँत रभस रस केलि) । *ānahi*– Emph. of *āna*² (q.v.).

𑒂𑒢𑒯𑒲 **आनही**—आनहि (दे०) केर का० रू० । राम० २०८ (आनही सँ आन भेल) । *ānahī*—Poetic. of *ānahi* (q. v.).

𑒂𑒢𑒯𑒳 **आनहु**--आन² (दे०) केर निश्च० रू० । वि० पदा० मजु० १००; राग त० ६३, न० गु० तालपत्र ३५४, अ० ३५१ (रुसइते आनहु बोल आगेआन) । *ānahu*—' mph. Of *āna*² (q. v.).

𑒂𑒢𑒰 **आना**- रुपैआक (तहिना कोनो वस्तुक) सोडहम भाग । [सं०आणक] तु० क० हि०,बं०, ने० आना; काश्मीरी आन,अन्न; म० आणा उ०ण; सि० आनो; लहन्दा आना, प० आंना; उ० अणा, अणि; गु० आनो, आनी । चित्रा ४४ (नौ आनाक सौदपर बैसल); (एक आनाक मुर्गा नओ आनाक मसाला) = नीक छोट वस्तुमे अधिक खर्च लागि जाइछ । *ānā*—A coin of the value of one-sixteenth of the Indian rupee at one time.

𑒂𑒢𑒰𑒃𑒞𑒱 **आनाइति**—अनाइत (दे०) केर विक० रू० । राम० १६ (तकर **आनाइति** तोहें दए नाथ) । *ānāiti*—Alt. of *anāita* (q.v.).

𑒂𑒢𑒰𑒏𑒰𑒢𑒲 **आनाकानी**—नहि ध्यान देवाक भाव, अनसुनल जकाँ । [सं० अनाकर्णन] तु० क० हि०, ने० आनाकानी । त्रिफला ७ । *ānākāni*—Hesitation.

𑒂𑒢𑒱¹ **आनि**¹—आनब (दे०) केर पू० क्रि० रू० । वर्ण० ३५ (कइ महाउतन्हि आनि); वि० वि० ४ (त्याग करव हमे घृत आनि); वि० वि० १७ (से जन कतय अच्छ **आनि** देहि जोहि) । *āni*—P. P. form of *ānaba* (q.v.).

𑒂𑒢𑒱² **आनि**²—ईर्ष्या [फा० आन] तु० क०, हि० आन । ग्रि० । (आनि निमाहब = बात पर अटल रहब; (आनि छोड़ब) = प्रतिज्ञा भंग करब । *āni*²—Self-respect, determination (especially one undertaken by oneself).

आनिअ—आनि¹ (दे०) केर वर्त० रू० । लु० का० प्र० । वि० ने० ७० (कोकिल कानन आनिअ सार); वि० पदा० मञ्जु० ८४, रामभद्रपुर पोथी ४०९ (तत राखब जत आनिअ बोलि); मन० ४० (आनिअ न्योति बिलम्ब न लाग); चन्द्र० १४१ (शिवक प्रिय आनिअ) । *ānia*—Caus. of *āni*¹ (q. v.).

आनिए (य)—आनिअ (दे०) वा आनिकए केर वि० रू० । मालविकाग्निमित्र १५ (आनिए); राम० २३८ (आनिय बाँधि वैरि दश माँथ) । *ānie(ya)*—Alt of *ānia* (q.v).

-आनी¹—प्रत्यय । बसबाक स्थान (बस्ती) अर्थमे -आनी लगैछ । ल० वि० ४७, मि० भा० वि० ८२ । पाँती + आनी (स्थानी ?) —*ānī*¹—Suffix in the sense of place.

आनी²—आनि¹ (दे०) केर का० रू० । वर्ण० १२ (सुवर्णक कलशे आनी); वि० ने० ८६ (हिम सन चान्दन आनी); वि० प० मञ्जु० ७०, राग त० ८५, न० गु० तालपत्र २४८, अ० २४८ (कब-रिहि धोएलक आनी;) मन० ६ (से दिन लग तोहि पहुँचल आनी); राम० २७७ (पति सिर दिअ आनी) । *ānī*²—Poet of *āni*¹ (q. v.).

आनीट—शिक्षाक प्रभेद । वर्ण० ६७ (आनीट, प्रत्यानीट, समपाद, मण्डन, विशाख, विकटार्जुन प्रभृति अनेक स्थान-काह (सुस)चितह । *ānīṭa*—Name of a training.

आनीत—त्रि० । आनल [सं०] तु क० हि०, ने० आनीत । पुरु० १४९ (पक्षधर मिश्र सौं आनीत भोजन करयित भेलाह) । *ānīta*—*Adj.* Taken, brought.

अनीय—आनिअ (दे०) केर का० रू० । महेश० ९ (फूल शिवक प्रिय आनीय) । *ānīya*-Poet. of *ānia* (q'v.).

आनु¹—आनल (दे०) केर प्रे० रु० । कीर्तिलता ५२ (लाख संख आनु घोर जासु मूलें मेरु थोर) । *anu*—Caus. of *ānala* (q. v.).

आनु²-आन² (दे०) केर प्रा० बा० रू० । वि० पदा० मञ्जु० २५० (आनु किछु जनु बोलसि मोहि) । *ānu*²—Old *Coll.* of *āna*² (q. v.).

आनुकूल्य-दयालुता, अनुकूलताक स्थिति वा भाव । [सं०] तु० क० हि० आनुकूल्य । मि० १३८ (सभक स्वभाव आनु-कूल्य देखि) निबन्ध चन्द्रिका ४९ । *ānukūlya*—Suitable-ness, conformity.

आनुपातिक—बि० । अनुपात सम्बन्धी; अनुपात युक्त । [सं०] तु० क० हि० आनुपातिक । मिहिर २-६१-५४ (३) । *ānupātika-Adj.* Proportionate.

आनुपूर्विक—वि० । क्रमानुसार, एक केर बाद दोसर, पूर्णतः पहिलुके समान । [सं०] मि० उदा० १५८-१३ (गद्यकें आनुपूर्विक कण्ठस्थ राखब) । *ānupūrvika*—*Adj.* One after the other, exactly as before, successive.

आनुभाविक—बि० । अनुभावसँ सम्बद्ध, अनुभवसँ प्राप्त । [सं०] मिहिर २-२२-८७ (१३) (श्री अपन आनु-भाविक ज्ञानपर काव्य सम्बन्धी सिद्धान्त निरूपित कयलक) । *ānu-bhāvika*—*Adj.* Related to experience.

आनुमानिक—वि० । अनुमान सम्बन्धी; अभ्यास सम्बन्धी । [सं०] तु० क० हि० आनुमानिक । (अपन आनु-मानिक आधारपर विचार कएलैन्ह) । *ānumānika*—*Adj.* Based on an inference

आनुर—आङुर (दे०) केर बा० रू० । FML 175 *ānura* —Coll. of *āṅura* (q. v.)

आनुव—आनब (दे०) केर प्रा० का० रू० । राम० ३९ (आनुव निज जउतन थोला) । *ānuva*—Poet. of *ānaba* (q. v.).

आनुषङ्गिक—त्रि० । जकर पूर्ति कोनो मुख्य कार्य करबाक संगहि वा अनायास भए जाए [सं०] तु० क० हि० आनुषङ्गिक । मैथिलीक गद्य शैली २० । *ānuṣaṅgika*—*Adj.* Adherent, implied, concommitant.

आनू—आनब (दे०) केर आज्ञा० रू० । राम० १४ (आनू तनिका अपनहि जाय); राम० २७६ (लय आनू लिखि सूचित कयल); प्रण० ८ (इविवा कतय सँ आनू) । *ānū*—Imper. of *ānaba* (q. v.).

आने—आन² (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मञ्जु० ७, न० गु० ७१३, अ० ७५८ (कमलिनी सूर आने आने अनुभाव); वि० वि० ५ (वीर सिंह सन नृप न देखल आने); महेश० ९ (एतै विषय विवश किछु आने); राम० ७८ (मानव मन नहि आने); प्रण० १५२ (हम नहि ठकवैक त आने कैओ ठकि लेतैह) । *āne*—Poetic. of *āna* (q. v.)

आनेठाम—आनठाम (दे०) केर निश्च० रू० । मि० २४९ (श्रीमानक मन तँ आनेठाम बसल छलैन्ह) । *āne-ṭhāma*—Emph. of *ānaṭhāma* (q.v.).

आनै—आनए (य) (दे०) अथवा आनेकेर बा० रू० । चन्द्र० २२१ (विश्व उपाय न आनै); मै० हि० सा० १२ (कर्तव्यतामे। आनैक चाही); गो० ९७-९६ (जहिना आनै घेरि); चन्दनिका ३७ *ānai*—Coll. of *ānae (ya)* (q. v.). or *āne*² (q. v.)

आनो आन² (दे०) केर निश्च रू० । गो० अं० १ अमर ५ (उरपर कमल पाणि अवलम्बन दूर कयल आनो आन); मि० उदा० १५८-१४ (आनो प्रमाण देखू); चित्रा २ (जाहिसँ आनो कहइछ); नव० १७ (आनो सएह कहइन्ह) । *āno* —Emph of *āna*² (q. v.).

आन्त—आँत (दे०) केर प्रा० लु० रू० । वर्ण० ५३

(आन्त भेद वशा मस्तिष्क)। *ānta—Old Obs.* of *āta* (q.v.)

𑒂𑒢𑓂𑒞𑒩 आन्तर—आँतर (दे०) केर वा० रू०। वि० ने० १५८ (से आबि देशान्तर **आन्तर** भेला); वि० पदा० मजु० ७८, रामभद्रपुरपोथी ३११ (**आन्तर** पान्तर बाट डगि गेल चन्दा करय चंडार) *āntara*—Coll. of *ātara* (q. v.).

𑒂𑒢𑓂𑒞𑒩𑒱𑒏 आन्तरिक—वि०। हृदयक, आत्माक, भीतर। [सं०] मै० हि० सा० ८ (**आन्तरिक** पूर्ण अभिलाषा अछि); मो० ६६–१८ (**आन्तरिक** उत्साहसँ प्राप्त कैलन्हि); कन्या० (तथापि **आन्तरिक** भावकेँ दबा कय कहलथिन्ह); आमक० ७८। (हम **आन्तरिक** प्रसन्नताकेँ गुप्त राखि)। *āntarika—Adj.* Internal.

𑒂𑒢𑓂𑒞𑒩𑒼𑓀 आन्तरों—अन्तरहु (दे०) केर वा० ओ का० रू०। वि० पदा० मजु० ११८, नेपाल ५२, न० गु० ६२७, अ० ६३३ (कोर सुतल पिया **आन्तरो** ने देय हिया)। *āntaro*—Coll. and poetic of *antarahu* (q. v.).

𑒂𑒢𑓂𑒠𑒩 आन्दर—अन्दर (दे०) केर का० रू०। गो० शृं० १ अमर ४४ (**आन्दर** प्रेम पहिल नहि हेरल से बहुवल्लभ कान)। *āndara*—Poet. of *andara* (q.v.).

𑒂𑒢𑓂𑒠𑒼𑒪 आन्दोल—क्रि० वि०। धड़फड़ाएल, दलमलित करैत। [सं० आन्दोलन] वि० वि० २३ (हारावती मालावती **आन्दोल** पैसार)। *āndola—Adv.* Making an agitation, a fuss.

𑒂𑒢𑓂𑒠𑒼𑒪𑒢 आन्दोलन—कम्पन, हल्ला मचाएब (दी०); कोलाहल करब। [सं०] तु० क० हि० ने० **आन्दोलन**। वर्ण० ५० (मोचय **आन्दोलन** विशेय निग्रह); मै० हि० सा० १४ (**आन्दोलन** सँ देश तबाह होइत छल); मो० १३५–७ (उपदेश तथा **आंदोलन** करवाक हेतु समाचार पत्र बहुत उपयोगी अस्त्र होइछ)। *āndolana*—Agitation.

𑒂𑒢𑓂𑒠𑒼𑒪𑒱𑒞 आन्दोलित—वि०। कँपैत, हल्ला वा कोलाहल कयल गेल, कोलाहलपूर्ण। [सं०] वर्ण० ४० (तिरिय हाथक **आन्दोलित**); मि० उद० १५७–२४ (**आन्दोलित** होइत कपालकुण्डला ओ नव कुमार बतै गेलाह); आमक० ६१ (चित्त ओहीसँ **आंदोलित** छल)। *āndolita—Adj.* Having agitation.

𑒂𑒢𑓂𑒡𑒩 आन्धर—अन्हार (दे०) केर प्रा० रू०। पुरु० २४५ (तौं **आन्धर** अखिगर हो)। *āndhara—Obs.* of *anhāra* (q. v.).

𑒂𑒢𑓂𑒡𑒰𑒩 आन्धार—अन्हार (दे०) केर प्रा० रू०। वि० पदा० मजु० ८१, रामभद्रपुर पोथी १५६ (कालि दिवस सओ होएत **आन्धा**)। *āndhāra—Old.* of *anhāra* (q. v.)

𑒂𑒢𑓂𑒡𑒱𑒨𑒰𑒩 आन्धियार—अन्हियारि (दे०) केर प्रा० रू०। वि० पदा० मजु० ७० पं० बाला पोथी पद १०४ (ताहे जानल हो निशि **आन्धियार**)। *āndhiyāra*—Old. of *anhiyāri* (q. v.)

𑒂𑒢𑓂𑒫𑒲𑒏𑓂𑒭𑒱𑒏𑒲 आन्वीक्षिकी—एकटा विद्या, गौतम दर्शन। अम० ३६ (**आन्वीक्षिकी** ई तर्क प्रधान शास्त्रक नाम); मिहि० ३७–१७–१८–१२ (**आन्वीक्षिकी** विद्या सदा जनिका द्वारा धन्य); मो० १–११ (**आन्वीक्षिकी** श्रेयस्कर होइछ)। *ānvīkṣikī*—A branch of classical Indian philosophy which is concerned with logic.

𑒂𑒢𑓂𑒯𑒩 आन्हर—वि०। जकरा सुझैक नहि, देखवामे असम, दर्शन शक्ति रहित नेत्र द्वय युक्त (दी०)। [सं०] राम० ६६ (**आन्हर** वृद्ध पिता जननी छथि); मि० ८ (दिनमे **आन्हर** उल्लूक पक्षीकेँ सुस्कै खेर नहि भे सकैत छन्हि); मो० ६७–३ (**आन्हर सुजन** बनाए); चित्रा ७४ (भ गेलाह वाला कपिलेश्वर, **आन्हर** आ बहीर); (**आन्हर** गुरु बहीर चेला नरकमे होअए ठेलम ठेला); (**आन्हर** कुकुर बसाते भूक) = बिनु देखनहि जेहन काज हो। *ānhara—Adj.* Blind.

𑒂𑒢𑓂𑒯𑒩𑒱 आन्हरि—आन्हर (दे०) केर स्त्री० रू०। वि० पदा० मजु० ३१३ (सामु वर **आन्हर** नैन नहि सुझै); राम० ६७ (गेलहुँ हम जत **आन्हरि** अन्ध); शतदल ५२। *ānhari*—Fem of *ānhara* (q. v.).

𑒂𑒢𑓂𑒯𑒲 आन्ही—बिहाड़ि (दी०) खड़, पात, गर्दा नेने बसातक झोँक। ग्रा० रू०। [सं० अन्ध] । तु० क० अन्धड़, अन्हड़ हि० आँधी। (ई **आन्ही** बिहाड़िमे फतउ, बहराएब उचित नहि)। *ānhī*—Folk form. Storm.

𑒂𑒣 आप[1]—जल, पानि। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, गु०, ने०, म० आप। वर्ण० ५८ (**आप** अनल अनिल); आप आप कैँ मरला पुत्ता अपने सिर विसानी = ईर्द्विध लोक। B.P.L. (आप आप कए मुएला पुत्ता, खटिया तर मे पानी। ऐसन पाठ ने पढ़लह पुत्ता, अपने सिर विसानी)। *āpa*[1]-Water.

𑒂𑒣 आप[2]—सर्व। स्वयं, खुद। [सं० आत्मन्] तु० क० हि०, बं०, अ०, ने०, म०, गु०, अव० राज० आप। वि० पदा० मजु० ५७५ (**आप** ओढ़ए मृगछलवा); गो० शृं० १ अमर० ४ (कान्हक परश जतहु अनुभाव। अनुभावि **आप** परकैं समुझाव); चन्द्र० ७७ (**आप** जप तप विचार)। *āpa*[2]—*Pron.* Self.

𑒂𑒣𑒋 आपए—अपन (दे०) केर प्रा० लु० रू०। वि० ने० १६ (चरण सबद चौदिसि **आपए** काने)। *āpae—Obs.* Old form of *apana* (q. v.).

𑒂𑒣𑒏(𑒞𑒰) आपक(ता)—वि०। व्यवहार कुशलता, सामाजिकतामे निपुणता। [सं० आपक्व] तु० क० ध्यापक (ता); पकठोस। *āpak(tā)—Adj.* Sociable (ness)

𑒂𑒣𑒏𑒋 आपकए—अव्य०। दोष समुच्चय, सेहो अपनहि [अपन > आप अथवा बाप > आप अथवा अप् (जल) हेतु अथवा अप-अशुद्ध दोषावह + कए] दी० (ई वृद्धि गाए **आप आपकए** मरखाहि पड़ाएल)। *āpakae—Ind.* Itself.

𑒂𑒣𑒏𑓂𑒫 आपक्व—वि० पाकल सन, कम पाकल; ने कँच ने पाकल। [सं० आ + पक्व] तु० क० म० अवकी, **अविक्के**।

श्रम० २१० (आपक्व मौलि)। *āpakva—Adj.* Nearly ripe.

𑒂𑒣𑒙 **आपट**—जिद करब, अनुचित आग्रह [दी०]। [फारसी आफत] (ई बच्चा भरि दिन आपट कएने अछि)। *āpaṭa*—Improper request.

𑒂𑒣𑒞 **आपत**—आपद (दे०) केर बा० रू०। राम० २७५ (आपत कि मर्यादा लाज); पुरु० १७४ (नीतिहि काल विताव आपत आकस्मिक पड़य)। *āpata*—Coll. of *āpatti* (q.v.).

𑒂𑒣𑒞𑒱 **आपति**—आपत्ति (दे०) केर बा० रू०। पारो० ४८ (आपति विपति किछु होइक)। *āpati*—Coll. of *āpatti* (q. v.).

𑒂𑒣𑒞𑓂𑒞𑒱 **आपत्ति**—दुख, विपत्ति, कष्ट, क्लेश, संकट, अधलाह, विघ्न, शंका। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, पा०, म० गु० आपत्ति; प्राकृ० आवत्ति, सिं० अवत। मै० हि० सा० ३-५ [आपत्तिक सम्भावना अछि); मो० ११-२२ (मन्तव्यक आपत्ति कैल अछि); प्रण० १५५ (केवल एकटा आपत्ति ओकरामे छैक); कन्या० १०६ (अहाँलोकनिकेँ आपत्ति बुझना जाय); नव० १५ एहि काजमे कोनो आपत्ति हुनका लोकनिक नहि रहबन्हि)। *āpatti*—Fault, trouble, misfortune, objection.

𑒂𑒣𑒠 **आपद**—विपत्ति, कष्ट, विघ्न, दुख। फा० आफत मै० विपद तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० आपद। वर्ण० ६६ (आपद अइसन दुखदायक); राम० १३८ (पद-पद आपद धयल); उ० गी० ६८ (त्रिभुवन आपद भञ्जन); पुरु० २१७ (आपद पङ्कजवन)। *āpada*—Trouble, misfortune.

𑒂𑒣𑒠𑓂𑒡𑒩𑓂𑒧 **आपद्धर्म**—आपत्तिकालक धर्म जखन कोनो बन्धनक विचार नहि कए मात्र जीवन निर्वाह ध्यान देबाक होइछ। जेना भयंकर रौदीमे जावत प्राण बाँचए तावत अइँठ-अपैतक विचार त्यागि दी। *āpaddharma*—Duties during emergency.

𑒂𑒣𑒢 **आपन**—अपना (दे०) प्रा० वि० रू०। वि० पदा० मजु० १४ रामभद्रपुर पोथी १८७ (हरओ आ.र आपन साथ); मोदलता ६। *āpana*—Old folk. of *apanā* (q. v.).

𑒂𑒣𑒢𑒰 **आपना**—अपना (दे०) केर बा० रू०। वि० पदा० मजु० १३, न० गु० (३१) ३८, अ० ६४१ (आपना पुतके न जानए काज)। *āpanā*—Coll. of *apanā* (q. v.)

𑒂𑒣𑒢𑒱 **आपनि**—आपन (दे०) केर स्त्री रू०। वि० पदा० मजु० १४, रामभद्रपुर पोथी १८७ (आपनि छाहरि तेज न पास); भन० ८१ (कृष्ण समनि आपनि कहलाबए)। *āpani*—Fem. of *āpana* (q.v.).

𑒂𑒣𑒢𑓂𑒢𑒫𑒵𑒞𑓂𑒞𑒱𑒏 **आपन्नवृत्तिक**—आपदग्रस्त अवस्था प्राप्त करबाक कार्य। [सं०] मि० ३६४ (अपना राज्यसँ आपन्नवृत्तिक कै आहिमे राखौल। *āpannavrittikā*—The act of receiving aid meant for destitutes.

𑒂𑒣𑒨 **आपय**—आपए (दे०) केर वि० रू०। वि० पदा० मजु० १६६, न० गु० ८०३, अ० ८०४ (करिअ विनति सीँ ए आपय)। *āpaya*—Alt. of *āpae* (q.v.)

𑒂𑒣𑒩𑒳𑒔𑒱 **आपरुचि**—अपन रुचि वा इच्छाक अनुसार। [अपन+रुचि] तु० क० बं० आपरुचि। (आपरुचि भोजन पररुचि शृङ्गार)=अपन इच्छाक अनुसार भोजन तथा दोसराक इच्छानुसार शृङ्गार करबाक चाही)। *āparuci*—According to ones taste.

𑒂𑒣𑒪𑒱 **आपलि**—क्रि०। आक्रमण कएलक। का० रू० [आवि पड़ल] राम० १० (केशरी केसरि जनि कुरङ्गिनि आपलि)। *āpali V.*—P.F. Attacked.

𑒂𑒣𑒮[1] **आपस**[1]—परस्पर, अपनामे एक दोसराक संग। [सं० परस्पर] तु० क० हि० आपस। द्विरा० १३४ (आब ओहू दुनूके आपसमे बझि गेल); पारो ४७ (आपसमे ओ लोकनि कतबो झगड़ा करै जाथि); (आपसमे मतभेद ठीक नहि)। *āpasa*[1]—Indeclinable. Between one another.

𑒂𑒣𑒮[2] **आपस**[2]—क्रि० वि०। घुमा कए देब, लेल वस्तु केँ फिरा कए देब। [अर० वापस] तु० क० उ०, बं० आपोस, ने० आपिस, आपस। मि० ३५५ [बौधा बमोत्तर हुनक देलो आपस कैं)। *āpasa*[2]—*Adv.* Giving back.

𑒂𑒣𑒮𑒲 **आपसी**—वि०। १. आत्मीयजनसँ वा एक दोसरा सँ सम्बद्ध, आन्तरिक। २. घुरब, वर आपस ३. लौटेबाक वा ताहि सँ सम्बद्ध, घुरती। [अर०] तु० क० हि०, उर्दू० आपसी। (आपसी झगड़ाक कोनो अर्थ नहि बुझाइछ) (सुधा के आपसी भार सेहो उत्तम अएलन्हि)। *āpasī—Adj.* Concerning intimate persons, on returing.

𑒂𑒣𑒮𑓂𑒫𑒰𑒩𑓂𑒟 **आपस्वार्थ**—अपन स्वार्थ वा लाभ [अपन< आप+सं० स्वार्थ] तु० क० ने० अपस्वय० आपस्वार्थ। (आपस्वार्थक भावना प्रत्येक मनुष्य के रहैछ)। *āpasvārtha*—Self-interest.

𑒂𑒣𑒮𑓂𑒫𑒰𑒩𑓂𑒟𑒲 **आपस्वार्थी**—वि०। अपन स्वार्थ वा लाभ देखनिहार। [सं०] तु० क० ने० आपस्वार्थी। (आपस्वार्थी मनुष्य विवेकहीन होइछ)। *āpasvārthī—Adj.* Who cares only for self-interest.

𑒂𑒣𑒰𑓀𑒑 **आपाङ्ग**—अपाङ्ग (दे०) केर बा० रू०। पार्वती परिणय ३६। *āpāṅga*—Coll. of *apāṅga* (q. v.).

𑒂𑒣𑒰𑒞𑒏𑒰𑒪 **आपातकाल**—संकट काल। [सं०]। तु० क० आपत्तिकाल आपात्काल। *āpātakāla*—Emergency

𑒂𑒣𑒰𑒞𑒞𑓁 **आपाततः**—क्रि० वि०। स्थूल दृष्टिएँ, उपर-। उपरसँ। [सं०] तु० क० हि० आपाततः। मै० हि० सा० ३-

२४ (आप.ततः भासित होइत हयत)। *āpātatah—Adv.* Apparently.

আপাতভীষণ आपातभीषण—वि०। बाह्यदृष्टि मात्रसँ भयङ्कर लगनिहार। वर्ण० १६ (बौद्ध पक्ष अइसन आपातभीषण)। *āpātabhiṣaṇa—Adj.* Apparently (but not really) terrible or inassailable.

আপাতল आपातल—क्रि० वि०—आपाताल, पाताल पर्यन्त, (गहींड़) बहुत गहीड़। वर्ण० ५६ (तेँ रम्य आपातल गम्भीर)। *āpātala—Adv.* As far deep as *Pātāla.*

আপাদমস্তক आपादमस्तक—क्रि० वि०। पएरसँ माथ धरि। [सं०] तु० क० बं० आपादमस्तक। प्रयास २०। *āpādamastaka—Adv.* From top to bottom; all over the body.

আপামর आपामर—वि०। मूर्ख पर्यन्त, साधारण लोक सहित। [सँ०] मिहि० ४०–२२–६ (मिथिलाक पांडित्य वैभवक पूर्णतया आपामर जनता एवं विद्वान काँ जाहिसँ भेटि सकन्हि से कयल जाए); मो० १–१६ (जाहि तारा कें लोक आपामर कहैछ)। *āpāmara—Adj.* Even the lay man.

আপি आपि—झाँपि[2] (दे०) अथवा स्थपित (दे०) केर का० रू०। तु० क० आपी (दे०) गो० श्रं० १ अम० २ (पीन पयोधर थिर करु आपि मृगमद रंजइ नख पर छापि)। *āpi—*Poetic. of *jhāpi* (q. v.) or *sthāpita* (q. v.).

আপিস आपिस—कार्यालय, कार्य करबाक स्थान। [अं०] FML 172 *āpisa—*Office.

আপী आपी—क्रि०। स्थापित कए, थापी कए; हाथसँ झाँपि कए। आपि (दे०)। केर का० रू० वि० पदा० ५६६ (सुरत समापि सुतल वर नागर पीन पयो धर आपी)। *āpi—V.* Having covered.

আপু आपु—आप[2] (दे०) केर प्रा० का० रू०। वि० पदा० मजु० ३७, राग त० २०४, तालपत्र न० गु० ६७, नेपाल ६ क अ० १०६ (आपु सराहहि पुन)। *āpu—Old.* Form of *āpa*[2] (q. v.).

আপুস आपुस—आपस[1] (दे०) केर वा० रू०। FML 402, *āpusa—Coll.* of *āpasa*[1] (q. v.).

আপূর্তি आपूर्ति—भरण; पूर्ति। [सं०] तु० क० हि०, बं०, ने०, अस० आपूर्ति। (आपूर्ति निरीक्षकसभ अन्नक वितरण नहि करैछ)। *āpurti*—Supply.

আপে आपे—आप[2] (दे०) केर का० रू०। वि० ने० (तरि आरति देवह आपे); वि० प० मजु० ४२, पं० बाबा पोथी ६८ (आपे करह पयान)। *āpe—*Poet. of *āpa*[2] (q. v.).

আপেক্ষিক आपेक्षिक—वि०। अन्य (बहुधा समकोटि वा विपरीत) वस्तु आदिक अपेक्षा रखनिहार; सापेक्ष; निर्भर रहनिहार। [सं०] तु० क० हि० आपेक्षिक। प्रय० १२३ (धर्म आपेक्षिक वस्तु थिकैक)। *āpekṣika—Adj.* Dependent, Relative.

আপ্ত आप्त—वि०। अपन, कुशल, दक्ष, गुप्त, प्रतिष्ठित, प्रामाण्य, पहुँचल, प्राप्त। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आप्त प्रा० अत्त; सिं० अत। वर्ण० १४ (प्रतिष्ठित आप्त); शतदल ६६। *āpta—Adj.* Confidential, reached, dependable.

আপ্যায়ক आप्यायक—तृप्त करएबला। [सं०] वर्ण० १३ आप्यायक आठहु गुणे)। *āpyāyaka—*One that satisfies.

আপ্যায়িত आप्यायित—वि०। तृप्त, संतुष्ट, परिवर्धित, बढ़ल, अवस्थान्तर प्राप्त। [सं०] तु० क० हि० आप्यायित। मिथिला १–३६२ (आइ गोविन्ददासक कविता सौरभसँ आप्यायित नहि होइत); चित्रा ४५ (आप्यायित भ श्री ठाकुर पाठक पुनि बजलाह)। *āpyāyita—Adj.* Satisfied.

আপ্লাবিত आप्लावित—वि०। बोरल, सपूर्ण डुबिगेल सराबोर, भिजाओल, स्नात। [सं०] तु० क० हि० आप्लावित। मिहि० ३८–१५–१६–७ (हिनक गुणक संग आप्लावित भै अत्यन्त हर्षक संग हमरालोकनि एहि महानुभावकक अभिनन्दन करैत छी); कन्या० १३२ (अपना मधुर स्वरसँ आप्लाबित करैत)। *āplāvita—Adj.* Immersed, deeply impressed or heavily surrounded.

আফত आफत—आफद (दे०) केर वा० रू०। तु० क० हि० उर्दू आफत। रंग १७० (हमरा हेतु आफत कैल)। *āphata—*Coll. of *āphada* (q. v.).

আফদ आफद—उपद्रव, आपद (दे०), झंझट, अधलाह घटना, कष्ट। [फा०] (आफदक पुड़िया)=झंझटिक जड़ि वा मूल कारण। *āphada—*Evil, accident. injustice, riot, trouble.

আফদী आफदी—वि०। उपद्रव कएनिहार, अधलाह कएनिहार। [आफद+ई] (आफदी व्यक्तिसँ हटले रही से नीक)। *āphadī—Adj.* Troublesome.

আফন তোড়ব आफन तोड़ब—क्रि०। व्यग्र होएब; खुरछाड़ी वा खुरछाही काटब; कोनो वस्तुक हेतु अति उत्सुक होएब। [फा० आफत] मिहि० ३८–२७–८ (हमरा हेतु आफन तोड़ैत छैत)। *āphana toḍaba—V.* Anxious to do something.

অফসোচ अफसोच—अफसोस (हि०) केर वा० रू०। (अफसोचक कारण विभिन्न अछि)। [हि० अफसोस सँ प्रभावित भए विशेष अर्थमे [सं० अप+शोच] *aphasoca—*Coll. of the Hindi word *aphasosa* (q. v.).

আফিস आफिस—कार्यालय, दफ्तर, समुचित ओ सुव्यवस्थित ढङ्गसँ कार्य करबाक स्थान। [सं०] तु० क० मै० आपिस। मो० १७१–११ (आफिसक कार्य मनेजरक रहतन्हि); द्विरा० ४ (बनारसक आफिसमे टाइपिस्टक कार्य करैत छथि); नव० ६ (आफि-

सक कार्यक उपरान्त ओ हि बड़ा बाबू सबहक)। *āphisa*–Office.

-**आब¹** प्रत्यय। भाव अर्थमे क्रियामे जोड़ल जाइछ। ल० वि० १४१ (उठसँ आब = उठाब)। *-āba—Suffx.* Added to the verb in the sense of abstract noun.

आब²—क्रि० वि०। इदानीम् (दी०), सम्प्रति, वर्त्तमानमे, कहबाक समयमे वा कार्यक समय। [अर० अब] तु० क० हि० अब। गो० शृं० १ अम० ३९ (आब विचारह तुहुँ से प्रबन्ध कान्हक जै सौं होय निरबन्ध); मो० ७३ (आब ई सातम वर्ष थिक; प्रण० ४ (आब ई चारू भाय पहिरताह की)। *āba²—Adv.* Now.

आब³—आबए (दे०) केर संक्षि० रू०। वि० ने० ४ (बाटे घाटे नहि आब); वि० पदा० मञ्जु० १४, रामभद्रपुर पोथी ६० (पथिक पिआसल आब अनेक); मन० १२ (नचितहि जाय पुनि नचितहि आब)। *āba³*—Short form of *ābae* or *āeba* (q. v.).

आबए—आएब (दे०) केर प्र० पु० अनादर मे आज्ञार्थक वा इच्छार्थक केर ए० व० रू०। वि० ने० (निते से आएब); वि० पदा० मञ्जु० ५३; रामभद्रपुर पोथी ४०४ (पुनु आबए अनुरागी। *ābae*—First person nonh. Imperative form of *āeba* (q.v.).

आबक—अव्य०। एखुनका, हि समयक [आब + क] राम० ५५ (सुन्दर कि कहब आबक सिनेहा)। *ābaka—Ind.* Of this time.

आबकार—मद्य बनऔनिहार वा बेचनिहार, कलाल। [फा०] तु० क० हि० आबकार। BPL 3711 *ābakāra*—One who makes wine.

आबकारी—मादक वस्तुसँ सम्बन्धित सरकारी कार्यालय, मद्य बनएबाक स्थान, भट्ठी। [फा०] तु० क० हि०, उर्दू, आबकारी। *ābakārī*—Relating to the manufacture and trade in intoxicant drugs.

आबजोश—मोनक्कासँ पैघ एक प्रकारक मेवा विशेष। तु० क० अबजूस। [फा०] अन्हेर नगरी ६। *ābajośa*—A kind of fruit.

आबत—अबैत (दे०) केर प्रा० लु० रू०। कीर्तिलता ५७ (ता पच्छेँ आबत हुअ हिन्दू दल गमनेन)। *ābata—Obs.* Old form of *abaita* (q.v.).

आबथि—आएब (दे०) केर आदरा० इच्छा० रू०। वि० पदा० मञ्जु० २३, ग्रि० १४; न० गु० १० (राहु हरि बसु नियरो न आबथि); राम० ४८ (सब महीपति आबथि लौं द्वार); कन्या० ६६ (ई कतहु हमरा ओहिठाम आबथि)। *ābathi—Opta.* Hon. Form of *ābae* (q.v.).

आबथु—आबथि (दे०) केर बहु० रू०। वि० ने० १८२ (भल मेल भमि आबथु)। *ābathu—Coll.* of *ābathi* (q.v.).

आबद्ध—वि०। बान्हल, मिलल, एकसंग। [सं०] (रस्सीसँ आबद्ध पशु निरीह भए जाइछ)। *abaddha—Adj.* Tied on, fixed, bound.

आबय—आबए (दे०) केर विक० रू०। वि० पदा० मञ्जु० २१० (खन पारतेजय खन आबय पास); गो० शृं० १ अम० १४ (गर गर अन्तर वचन नहि आबय भट-भट नयनक नीर)। *ābaya—Alt.* of *ābae* (q. v.).

आबयवला—वि०। अएनिहार, आगन्तुक। [आबय + बला] द्विरा० ११५ (पाछाँसँ आबयवला लोक सभ चढ़ि क चलि जाय)। *ābayavalā—Adj.* One who will come.

आबह—आएथि (दे०) केर मध्य० पु० आज्ञा० रू०। प्रण० ४२ (कादि कए लए आबह)। *ābaha*—Imp. II Pers. of *ābathi* (q. v.).

आबा—मृद्भाण्ड पाकानल (दी०), काँच माटिक बर्तनकेँ पकएबाक हेतु बनाओल गेल आगिसँ भरल खाधि। तर्क चन्द्रिका ६ (आबामे जरल वर दैत छैक रखन,); नव० १० (खुनलन्हि खाधि बनओलनि आबा)। *ābā*—A potter's furnace.

आबाज—शब्द, ध्वनि, धुन। [फा०] (आबाज उठौनश) = विरोध करब। *ābāja*—Sound, voice, tone.

आबाद—वि०। फाड़ल कएल (खेत) (दी०), भरल-पुरल फलिल वा अन्य वस्तुसँ युक्त, लहलहाइत। [फा०] तु० क० उर्दू, हिन्दी आबाद। मि० ३२९ (पुत्रघरि आबाद रहब कहल गेल अछि), (हमर सभ खेत आबाद भयरहल अछि)। *ābāda—Adj.* Cultivated (land).

आबादी—१. ओ भूमि जाहिमे खेती होइछ २. बस्ती ३ जनसंख्या। [फा०] BPL 1183; देशक आबादी दिन प्रतिदिन बढ़ले जाइछ)। *ābādi*—Population, A field which is cultivated.

आबि—आएब केर (दे०) पू० क्रि० रू०। मन० ४ (कंस आबि तोहि लेत उठाय); मो० ९७–१४ (आबि चन्द्रगुप्तहि केँ पड़ैलौं); प्रण० २ (बारह बजे रात्ति क आबि पहुँचल छथि)। *ābi*—Part. of *āeba* (q. v.).

आबे—आब (दे०) केर निश्च० रू०। वि० पदा० मञ्जु० ३०, न० गु० तालपत्र ६३, अ० १० (अबे मोरा भरम लगल पचबाने)। *ābe*—Emph. of *āba* (q. v.).

आबेस—स्नेह (दी०), प्रेम, वात्सल्य। [सं० आवेश] (आबेससँ अतिथिक सत्कार होएबाक चाही)। *ābesa*—Affection.

आबै—आबए (दे०) केर वि० रू०। राम० … (आबै जे कि कथा सभा कहै किछु); मो० १७१–८ (नहि आबै

कहलकन्हि)। *ābai*—Alt. of *ābae* (q.v.).

আবৌ आबौ—आबहु (ओ) (ए) (दे०) केर वि० रू०। द्विरा० ७० (कोनो कोढ़िया ने आबौ)। *ābau* —Alt. form of *ābahu* (ao) (ae) (q. v.).

আভ आभ—आभा (दे०) केर का० रू०। वि० ने० ९० (सुग्गा बोल चकमक आभ)। *ābha*—Poet. of *ābhā* (q.v.).

আভড়খুভড় आभड़खुभड़-उच्चावच्च; ऊँच नीच (दी०) समतल नहि। [अभड़ब (पएरमे ठेकब) आभरब > आभड़ + खुभड़ शब्दानुकरण]। *ābhaḍa khubhaḍa*—Uneven.

আভরণ आभरण—गहना, सजावटि, अलङ्कार। [सं०] तु० क० हि०, बं०, असo, ने०, राज०, पा० आभरण; प्राकृ० अहरण; सि० वरण, अम्बरण। गो० श्रं० १ अम० ६३ (दिन दिन खिण तनु हीन आभरण गलि गलि भीलत धरणी); राम० ६२ (आभरण पूर्वहि राखु आनि); मि० ५ (प्राचीन आभरण अनुसार हुनक सदृश्यता होएब); मो० १७१-१८ अपन आभरण एक बस्त्रमे बान्हि खसाए देलथिन्ह); प्रण० ७३ (बत्तीसो आभरणसँ युक्त भए); रंग ५ (बत्तीसो आभरण कैने)। *ābharaṇa*—Ornament, decoration.

আভরণে आभरणे—आभरण (दे०) केर का० रू०। चर्या० ११/३। *ābharaṇe*-Poet. of *ābharaṇa* (q.v.).

আভা आभा—कान्ति। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज०, पा०, प्राकृ० आभ; प्राकृ० आहा; प्रा० म० अहे; आहीं, आहाई; म० अहलो; अहलो; आहो, आहालें अहल्ले। मो० १७-११ (अनुदासक आभा देखि पड़ैछ); द्विरा० २८ (वदन पर आभा प्रकट भेलैन्ह); चित्रा ३ (आभा अमल अहाँक)। *ābhā*—Lustre, light.

আভাপূর্ণ आभापूर्ण—वि०। आभासँ पूर्ण। [सं०] प्रण० २४७ (मंजुलाक आभापूर्ण भालपर लज्जा भंगिमा दौड़ि गेलैन्ह)। *ābhāpūrṇa*—*Adj.* Full of lustre.

আভাৰ आभार—समस्त वा मुख्य बोझ, समस्त भार सहित [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असo, ने० आभार। (घरक आभार हमरहि उपर लादल गेल अछि)। *ābhāra*—Load, burden, responsibilty.

আভাৰী आभारी—वि०। उपकृत, उपकार पओनिहार। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आभारी। (यदि हमर कामना सफल हो, त हम अहाँक आभारी रहब)। *ābhārī*—*Adj.* Obliged.

আভাষক आभाषक—समादया [सं०]। विश्वेश्वर चम्पू। *ābhāṣaka*—Messenger.

আভাস आभास—प्रतिबिम्ब, छाया, कनिक्बो संकेत वा दृष्टिसाम्य। [सं०] तु० क० हि०, बं, अस०; ने० आभास। मो० १७१ (एहि देशक प्राचीन पुरुषक ताहि विषयक आभासो मात्र बड़ कठिनतासँ प्राप्त होइछ); कन्या० १०६ (एहि बातक आभास बुझना जाइत); नव० १९ (असल बातक आभास पाबि ओ हुनका परामर्श देलथिन्ह)। *ābhāsa*—Appearance, semblance.

আভিজাত্য आभिजात्य—वि०। श्रेष्ठता, कुलीनता। [सं०]। तु० क० हि० आभिजात्य। गपशप विवेक १०। *ābhijātya*—*Adj.* Characteristically belonging to a high variety or lineage.

আভীৰ आभीर—गोआर, गोप, अहीर। [सं०]। तु० क० अस०, ने० आभीर। राम० २२९ (जे आभीर जरथ समुदाय)। *ābhīra*—A caste name.

আভূত आभूत—वि०। उत्पन्न, अस्तित्ववला। [सं०] तु० क० हि० आभूत। साहित्य पत्र १-१-११। *ābhūta*—*Adj.* Produced, Extant.

আভূষণ आभूषण—गहना, आभरण, जेवर। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आभूषण। (आभूषणसँ सुसज्जित भेलि नायिकाक कटाक्ष एवं भाव भंगिमा अपूर्व चमत्कारपूर्ण बुझि पड़ैछ)। *ābhūṣaṇa*—Ornament.

আভ্যন্তরিক आभ्यन्तरिक—वि०। आन्तरिक, भीतरी हृदयक वा मनसँ सम्बद्ध, अन्तरंगक। [सं०] तु० क० हि० आभ्यन्तरिक। प्रण० ५४ (आभ्यन्तरिक स्थिति वसुंहारलोकनिकें किछु विदित नहि छैन्हि), स्त्री शिक्षा ६९ (आभ्यन्तरिक काट रहलनि)। *ābhyantarika*—*Adj.* Internal.

আভ্যুদয়িক¹ आभ्युदयिक¹—नान्दी श्राद्ध (दी०), कृत्य विशेष जे शुभ कार्य उपनयन विवाहादिमे कएल जाइछ। एहिमे पितर लोकनि तथा त्रिक विश्वेदेवकें प्रसन्न करबाक हेतु नान्दी श्राद्ध वा नान्दीमुख श्राद्ध होइछ। [सं०] तु० क० हि०, ने० आभ्युदयिक। एकावली परिणय ३३; कन्या० १२२ (हम कहि दैत छी आभ्युदयिक)। *ābhyudayika*¹–A śrāddha ceremony which is performed (especially) on auspicious occasions of *upanayana* and marriage.

আভ্যুদয়িক² आभ्युदयिक²—वि०। अभ्युदय सम्बन्धी वा तत्प्रयुक्त पुण्यकारक। [सं०] (पूजा पाठ जोग तप समटा कर्म आभ्युदयिक थिक)। *ābhudayika*²—*Adj.* Relating to well-being or virtue.

-আম¹-आम¹-प्रत्यय। संज्ञा अर्थात नाममे धारण करबाक

अर्थमे आम प्रत्यय प्रयुक्त होइछ। ल० वि० ५२ (पण्डित + आम = पण्डिताम) । -$\bar{a}ma^1$-Suffix for making abstract noun.

आम² आम³—एक प्रकारक फल, आमक गाछ। [सं० आम्र] तु० क० हि०, बं०, असo, नेo आम, प्रा० पा० अम्ब, प्राकृ० ओअम; सि० आमो; आर्मो; कु० अ० आम उ० आम्ब; भोज० आम; गु० आँब, आम, म० आँबा; अँरा लहन्दा, पं आम्ब। राम० १०७ (आम सफल भल-भल फल कटहर), चन्द्रा० ६३ (आमक फल लोभें); प्रण० ३६ (मालदह आम जोहैत छथि); चित्रा १३ (पकैत रहै गाछीमे मरिखरि आम)। $\bar{a}ma^2$—Mango, Mango tree.

आम³आम³—वि०। सामान्य। [अर०] तु० क० हि० आम। मि० ३८४ (आम मोख्तार उक्त बूलन भा पर ३ लाखक खाइन खसला पर)। $\bar{a}ma^3$—*Adj.* Ordinary, common people.

आम⁴ आम⁴—वि०। काँच (अन्न)। [सं०] तु० क० आमाशय। $\bar{a}ma^4$—Raw, undigested (food).

आमद आमद—कोनो वस्तुक प्राप्ति, लाभ। [फा०] तु० क० हि० आमद। रमेशचन्द्र मजु०। $\bar{a}mada$—Income, profit

आमदनी आमदनी—आय। [फा०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० आमदनी। मि० ३३६-४० (हजार आमदनीक एक तालुकै); प्रण० ७४ (चालीस पचास हजारक आमदनी छैन्ह); पारो ३ (तकर आमदनी से फराके); नव० ७६ (तकर बिक्रीसँ नगद आमदनी होइक)। $\bar{a}mad\bar{a}n\bar{i}$—Income.

आमनइकह आमनइकह—वैदिकलोकनि। लु० प्र०। [सं० आम्नायिक]। वर्ण० ३० (अनेक वे आमनइकह तें अनेक)। $\bar{a}manaikaha$—Scholar of the Vedas.

आमने-सामने आमने-सामने—अव्यय। एक दोसराक समक्ष रहब, सोझां सोझी। [हि०]। छहु० ४६ (आमने सामने लडि क)। $\bar{a}mane\ s\bar{a}mane$—*Ind.* Facing each other.

आमनैक आमनैक—आम्नायिक वा वेदपाठी केर। [सं० आम्नायिक]। वर्ण० ३१ (दशओ ये आमनैक गुण तें संयुक्ताह)। $\bar{a}manaika$—Pertaining to a veda scholar.

आमन्त्रण आमन्त्रण-बजाएब वा आबए लेल कहब [सं०]। राम० ६३ (आयल आमन्त्रण काज); मि० ७ (सार्वजनिक आमन्त्रण पर उपस्थित भेलाह)। $\bar{a}mantrana$—Invitation.

आमन्त्रित आमन्त्रित—वि०। बजाओल गेल, जनिका आमन्त्रण भेटल छैन्हि। [सं०] मि० २५० (हिनकहु आमन्त्रित कयल गेलैन्ह)। $\bar{a}mantrita$—*Adj.* Invited.

आमय आमय—रोग, अस्वस्थता। [सं०]। तु० क० हि० आमय। राम० १२५ (ओ परमात्मा आमय रहित); अमर० १२५ (व्याधि गद आमय)। $\bar{a}maya$—Disease.

आमरखित आमरखित—वि०। क्रोधयुक्त, आमर्षयुक्त। [सं० आमर्ष]। श्रीकृ० ज० रहस्य २५ (यदुकुल होय फुलवरखित अति आमरखित रे)। $\bar{a}markhita$—*Adj.* Angry.

आमरण आमरण—अव्यय। जीवन पर्यन्त, मृत्युक समय तक, आजीवन। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आमरण। विरा० ११ (स्त्री आमरण वैधव्य दण्ड भोगओ)। $\bar{a}marana$—*Ind.* Till death.

आमर्ष आमर्ष—क्रोध, असहनशीलता। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस० ने० आमर्ष। पुरु० २०३ (आतंक आमर्ष नहि सहि सकै छी); मि० मित्र १०-१४ (नहि अहूँक आमर्ष); कन्या० २३५ (जे ई कोनो बातक आमर्ष राखथि)। $\bar{a}marṣa$—Anger, impatience.

आममहु आममहु—आमक गाछ ओ महुक गाछ। अनेक शुभ विधिक हेतु आम ओ महुक गाछक प्रतीकात्मक विवाह कराओल जाइछ। [आम + महु उच्चारण काल शब्द ध्वनि साम्य महु]। $\bar{a}mamahu$—trees of mango and *mahuā*, often treated as objects of tree worship on auspicious occasions.

आमहुक आमहुक—आम² (दे०) केर निश्चय रू०। मि० २२८ (पत्र पल्लव नहि त आमहुक डरसा राखि)। $\bar{a}mahuka$—Emph. of $\bar{a}ma^2$ (q.v.).

आमाघौर आमाघौर—गुच्छा लागल, शीशवला, सुगन्धित धान्य विशेष। [आम + आ + घौर]। $\bar{a}m\bar{a}ghaura$—A kind of paddy.

आमात्य आमात्य—प्राचीन समयमे राजमन्त्री। [सं०] तु० क० ने० आमात्य। $\bar{a}m\bar{a}tya$—Minister.

आमाशय आमाशय—पेटक भितरका ओ नली जाहिमे भोजन पचैत छैक। [सं०] तु० क० हि०, बं०, आमाशय, अमासय (दे०)। $\bar{a}m\bar{a}\acute{s}aya$—Inestine.

आमि आमि—हम (दे) केर प्रा० लु० रू०। [सं० अहम्] गोरक्ष विजय ३ (ख) (आमि नया बोलिजा...जोल जाओ)। प्रायः बङ्ला शब्द। $\bar{a}mi$—*Obs* Old form of *hama* (q. v.)

आमिल आमिल—काँच आमक सोहल वा सुखाएल फाँक। [आम + इल प्रत्यय विकार अर्थमे] [सं० अम्ल]। ग्रि० १२४०; मि० मि० १३६ (एहि पदमे 'मुलुक' 'आमिल' रकम आदि शब्दक चमत्कारिक प्रयोग सँ पढ़ल मान होइत अछि); मौ० १७१-१५ (मेरिचाइ आमिल इत्यादिक ज्ञान नहि); प्रण० ६० (आमिल, मेरचाइ बिना नोटले नहि जाइत)। $\bar{a}mila$—Dried slice of unripe mangoes, used in cooking as a souring agent.

आमिष आमिष—मांस। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, ने० आमिष। राम० १६६ (आमिष भक्षण मदिरा पान)। $\bar{a}mi\d{s}a$—Meat.

ꢄꢪ꣄ꢭ आमूल—अव्यय। सम्पूर्ण, आदिसँ अन्त तक, आरम्भसँ। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आमूल। मो० ६७–१ (दुख द्वन्दनकेँ आमूल विनाशिनी); रंग० ११३ (एहन आमूल परिवर्तन)। *āmūla—Ind.* From or to the root, entirely.

ꢄꢪꢵꢮ आमेख-ईर्ष्या (दो०)। [सं० आमर्ष]। *āmekha*—Jealousy.

ꢄꢪꢵꢣ आमोद—प्रसन्नता, हर्ष, आनन्द। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आमोद। अम० ३० (हर्ष प्रमोद आमोद) मो० १७–२० (करथु नित्य आमोद); द्विरा० ११ (समस्त आमोद-प्रमोदक द्वार ओकरा हेतु बन्द); शतदल ३१। *āmoda*—Pleasure.

ꢄꢪꢵꢣꢥ आमोदन—सुगन्धि युक्त करबाक, प्रसन्न करबाक क्रिया। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आमोदन। मिहि० ३४–४७ (नित आमोदन)। *āmodana*—Pleasing.

ꢄꢪꢵꢣꢶꢡ आमोदित—वि०। प्रसन्न, आनन्दित, सुगन्धित। [सं०] तु० क० हि०, बँ०, अस०, ने० आमोदित। मिहि० ३८–१८–११ (अपनेक महाकाव्य कानन नित्य आमोदित अछि)। *āmodita—Adj.* Pleased, Scented.

ꢄꢪ꣄ꢥꢫꢶꢑ आम्नायिक—वि०। वेदक अभ्यास कए निहार। [सं०] वर्ण० ६ (छुरिमार आम्नायिक ऐन्द्रजाल)। *āmnāyika—Adj.* Who recites Scriptures.

ꢄꢪ꣄ꢬ आम्र—आम[2] (दे०) केर वि० रू०। [सं०]। द्विरा० २०२ (तत्पश्चात् आम्र पल्लव लक घृत परसैला उत्तर ज्योतिषीजी कहलथिन्ह)। *āmra*—Alt. Form of $\bar{a}ma^2$ (q. v.).

ꢄꢪ꣄ꢬꢒꢸ꣄ꢘ आम्रकुञ्ज—आमक गाछक सघन वन। [सं०] मि० १० (मलय समीर वीजित आम्रकुञ्जमे)। *āmrakuñja*—Thick forest of mango trees.

ꢄꢪ꣄ꢬꢦꢮ꣄ꢮꢮ आम्रपल्लव-आमक किसलय वा पात। [सं०]। वर्ण० २१ (महकार आम्रपल्लव कदली कर्पूर)। *amrapallava*—Leaves of the mango tree.

ꢄꢪ꣄ꢭ आम्ल—अम्ल (दे०) सम्बन्धी। शतदल ८३। *āmla*—Relating to *amla* (q.v.).

ꢄꢪ꣄ꢭꢦꢶꢡ꣄ꢡ आम्लपित्त—एक प्रकारक रोगविशेष। [सं०]। मि० उद० १५७–२५ (मुख्यरोग आम्लपित्त छलैन्ह)। *āmlapitta*—A kind of disease.

ꢄꢫ[1] आय[1]—आबि (दे०) केर वा० रू०। वि० पदा० मजु० २४५ (दामिनि आय तुलाइलि रे); राम० २७ (शिव धनुष तोड़ल जे आय); वि० वि० २२ (अनुचित बोल तोहे कहलि आय)। FML 182. *āya*—Coll. form of *ābi* (q.v.).

ꢄꢫ आय[2]—आमदनी; कोनो रूपसँ कमाएल वा आनल गेल धन, लाभ, प्राप्ति। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस० आय। *āya*[2]—Income.

ꢄꢫꢒꢬ आयकर—वि०। सरकार द्वारा आमदनीपर लेल गेल किछु प्रतिशत धन। [सं०] मो० १०६ (प्रचुर आयकर क प्रबन्ध नहि कैल जाइछ)। *āyakara—Adj.* Income tax.

ꢄꢫꢡ आयत—वि०। सुन्दर (दो०), (विशेष कए नेत्र आदि) विस्तीर्ण, नमहर। [सं०] तु० क० हि०, बं० अस०, ने० आयत. प्राकृ० आउत। मालविकाग्निमित्र १८। *āyata—Adj.* Stretched wide, attractive eyes.

ꢄꢫꢡꢥ आयतन—घर, मन्दिर, विश्राम स्थान, रहबाक जगह, भगवानक प्रार्थनाक स्थान। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, उ० आयतन। वर्ण० १४ (देवक आयतन), FML 614. *āyatana*—House, temple, the place of worshipping God.

ꢄꢫꢮ आयब—आएब (दे०) केर वि० रू०। मन० कृष्णा० ४ (आठम भय हम अपनहि आयब); राम० ६३ (अपने आयब भोर सबेरि); महेश० ६४ (पुनि भव पलट न आयब)। *āyaba*—Alt. form or *āeba* (q.v.).

ꢄꢫꢭ आयल—आएल (दे०) केर वि० रू०। वि० ने० २३४ (परक वयने पहु आयल कान); वि० वि० (बहिनिक तनय आयल मोरा); वि० पदा० मजु० २५२ (जाहि सय गेलहुँ से चलि आयल); मन० ११ (हरखक नोर नयन भरि आयल); राम० २३ (खल आयल मध्याह्ने वेरि); प्रयु० ४ (तावत दरवान लालटेम लेसि क नेने आयल)। *āyala*—Alt form of *āela* (q.v.).

ꢄꢫꢮꢶ आयलि—आयल (दे०) केर स्त्री० रू० १ वि० पदा० मजु० ६८, अ० ८४५ (सा० प० २०१ सँ पोथी) (अपन बसन देइ हुनक बसन लेइ आयलि कोन चरीते)। *āyali*—Fem. form of *āyala* (q.v.).

ꢄꢫꢮꢸꢀ आयलुँ-आयल (दे०) + हुँ प्र० पु० दर्त केर प्रा० लु० रू०। वि० पदा० मजु० ८४५ (सा० प० २०१ सं० पोथी) (आअलुँ तुया पाशा)। *ayalũ*—Old obs. form of *ayala* (u. v.) 1st pers past. tense.

ꢄꢫꢮ आयव—आएव (दे०) केर अशु० रू०। वि० वि० ८ (आयव चलु आवे शशि मुख संगे)। *āyava*—Ess. form of (q.v.).

ꢄꢫ-ꢮ꣄ꢫꢫ आय-व्यय—आमद आओर खर्च। [सं०] तु० क० हि०, बँ०, अस०, ने० आय-व्यय। (आयव्ययक व्यवस्था समुचित होबबाक चाही)। *āyavyaya*—Income and expenditure.

ꢄꢫꢞꢶ आयाची—अयाची (दे०) केर अशु० रू०। मि० उदा० १५६–२ (संकर आयाची मिश्र, मण्डन मिश्र

āyaci—Err. of *ayaci* (q. v.).

𑒂𑒨𑒰𑒞 **आयात**—आयल, ओ वस्तु वा माल जे व्यापार निमित्त विदेशसँ अपना देशमे आनल वा मंगाओल जाए। [सं] । तु० क० हि०, बं०, असo, ने० आयात पा० आयाति; प्राकृ० आयाण। मिथिर २–६–७६ (२३); अमृतरित १०३; रावणबध ६४। *āyāta*—Import, imported item.

𑒂𑒨𑒰𑒧¹ **आयाम¹**–क्रि० वि०। एक पहर तक। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असo ने०, आयाम। पुनर्जन्म ५५; फुलडाली। *āyāma*¹—Up to one *yāma* (q. v.).

𑒂𑒨𑒰𑒧² **आयाम²**—लम्बाइ, विस्तार करबाक क्रिया। [सं०] तु० क० हि०, बं० असo, ने०, प्राकृ० आयाम। *āyāma*²—Length, extension.

𑒂𑒨𑒰𑒮 **आयास**—प्रयास, परिश्रम, मेहनति। [सं०]। [सं०] तु० क०, हि०, बं०, असo ने० उ० आयास। मो० १००–६ (आयास मै रहल अछि); चि० ८१ (सत्य आश, सत्यार्थक आयास); बैकफिल्डक पादरी १३३। *āyāsa*–Labour, effort, attempt.

𑒂𑒨𑒱𑒪𑒲𑒯 **आयिलीह**—अएलीह (दे०) केर प्रा० अशु० रू०। पुरु० २४८ (अहाँक शरण आयिलीह कोन)। *āyilīha*—*Old* obs. of *aelīha* (q. v.)

𑒂𑒨𑒳 **आयु**–वयस, जीवन समय। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असo, ने०, आयु; प्राकृ० आयु, आउ, आउस। वि० पदा० मजु० ५८० (आब मेलहुँ हम आयु विहीन); राम० ७७ (बरइल आयु क्रमहि जन ततसौं); महेश० १८ (जावत नहि आयुक अवसान); चित्रा (बिताएब नहि आयु आब प्रवासमे)। *āyu*—Age, life.

𑒂𑒨𑒳𑒏𑓂𑒞 **आयुक्त**—अधिकार प्राप्त आयोग सदस्य; नियुक्त प्राप्त, कमिश्नरीक मालिक वा पदाधिकारी। [सं०] तु० क० हि०, बं०, असo, ने० आयुक्त। *āyukta*—Appointed, Commissioner.

𑒂𑒨𑒳𑒡 **आयुध**—शस्त्र, हथियार। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असo, ने०, पा० आयुध प्राकृ० आउह; आजुह महा० ना० १०४ (आयुध बिनु तोहर हरब प्राण); राम० २५१ (तरु उखाड़ि आयुध कयल); लाल० राम० ११। *āyudha*—Weapon.

𑒂𑒨𑒳𑒩𑓂𑒠𑒰 **आयुर्दा**–आयु० जीवन काल, वयस,। [सं०]। रंग० ७६ (दुनकालोकनिक आयुर्दा और बढ़ि गेलैन्ह); सुशीला ३७। *āyurdā*—Age, life.

𑒂𑒨𑒳𑒩𑓂𑒠𑒰𑒨 **आयुर्दाय**—फलित ज्योतिषमे ग्रहक फलक अनुसार आयुक निर्णय, आयु, जीवन काल। [सं०]। तु० क० हि० आयुर्दाय। मो० २७–४३ (कलियुगाबे प्रमितो आयुर्दाय नहि देल)। *āyurdāya*—Life, division according to stars.

𑒂𑒨𑒳𑒩𑓂𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒪𑒨 **आयुर्विद्यालय**—आयु सम्बन्धी विद्यालय, जतय आयु केर विषयमे शिक्षा देल जाइक। [सं०] मो० १६–२० आयुर्विद्यालयो होएत)। *āyurvidyālaya*—A School devoted to studies in life span

𑒂𑒨𑒳𑒩𑓂𑒫𑒹𑒠 **आयुर्वेद**—वैद्यविद्या, चिकित्साशास्त्र, आयु सम्बन्धी शास्त्र। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असo, ने० आयुर्वेद। खट्ट० २६ (भावप्रकाश आयुर्वेदिक प्रामाणिक ग्रन्थ थिकैक); पुरु० १२० (अहाँ आयुर्वेदमे परिश्रम कयल)। *āyurveda*—The Medical Science of Hindus.

𑒂𑒨𑒳𑒭 **आयुष**—जीवन काल; आयु। [सं०]। तु० क० हि० आयुष। अम० १६८ (आयुष जीवितकाल); स्त्रीशिक्षा ५१। (स्वामीक आयुष घटै छन्हि)। *āyuṣa*—Life.

𑒂𑒨𑒳𑒭𑓂𑒧𑒰𑒢 **आयुष्मान**—वि०। दीर्घजीवी, चिरंजीवी, अधिक दिन तक जिअब, आयुसँ युक्त होएब। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असo, ने०, उ० आयुष्मान। FML 397. *āyuṣmāna*—*Adj.* Who has a long life, longevity

𑒂𑒨𑒳𑒭𑓂𑒨 **आयुष्य**—आयु, जीवन। [सं०]। तु० क० हि० आयुष्य। राम० ३३७ (सुख अनन्त आयुष्य); पुरु० १ (पुत्रक होयु आयुष्य)। *āyuṣya*– Life.

𑒂𑒨𑒹𑒪 **आयेल**–अएल (दे०) केर बा० रू०। राम० १५५ (की पुन आयेल सहर पुष्प)। *āyela*—*Coll.* of *āela* (q.v.),

𑒂𑒨𑒼𑒑 **आयोग**—नियुक्ति, कमीशन; सम्बन्ध, कोनो कार्य विशेषकेँ पूर्ण करब। [सं०] तु० क० हि०, बं०, असo, ने० आयोग। (भारत सरकारक सेवा आयोगक व्यवस्था उत्तम मानल जाइछ)। *āyoga*—Appointment, Commission, the performance of an action.

𑒂𑒨𑒼𑒖𑒏 **आयोजक** वि०। आयोजन व व्यवस्था कएनिहार। [सं०] तु० क० हि०, बं०, असo, ने० आयोजक। (प्रत्येक पैघ कार्यमे सभ दोष राग आयोजककेर मानल जाइछ)। *āyyjaka*—*Adj.* Organiser.

𑒂𑒨𑒼𑒖𑒢 **आयोजन**—प्रबन्ध, इन्तजाम, सामग्री सम्पादन, सामग्री उद्योग। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असo, ने० आयोजन। मिथि० १० (किछु विशिष्ट आयोजन देखलो गेल); मि० उदा० १५७–१४ (अलौकिक आयोजन कैलन्हि); मो० १६–६७–६६ (आगमनक आयोजन); प्रणा० ३८ (एक भोजक आयोजन हैत तँ अनुभवि जकाँ बुझना जाइछ); शतदल ११ (आयोजन यत्न जोर); रंग० २८८ (महाभोजक आयोजन कैने रहथि)। *āyojana*—To collect things for any performance.

𑒂𑒨𑒼𑒖𑒱𑒞 **आयोजित**—वि०। तैयार ठीक कएल गेल। [सं०] तु० क० हि०, बं०, असo, ने० आयोजित। (आयोजित वस्तुक अलावे अन्य वस्तुक आयोजन करब आवश्यक)। *āyojita*—*Adj.* Ready, collected together.

𑒂𑒩¹ **आर¹**—प्रत्यय। १. भूतकालमे कर्ममे देख ओ चिन्ह

धातुसँ –आर लगओलासँ देखार, चिन्हार। २. ल० वि० ५१ संज्ञा अर्थात मनुष्यक नामसँ व्यवसाय अर्थमे प्रयोग कएलापर लोहार, चमार, चमार; कुम्हार आदि होइछ। ३. ल० वि० ४६, युक्त अर्थमे प्रयोग भेला उत्तर गाय तथा बुद्धिसँ गोआर ओ बुधिआर होइछ। ४. ल० वि १४० भा० (अर्थात् क्रियामे) प्रयोग भेला उत्तर वक् धातुसँ बकार होइछ। —*āra*[1]—Suffix.

आर² आर²—आओर, दोसर, अन्य [आओर] वि० ने० १३० (ई संसार हाट कए मानहु सबो नेक बाँनिजए आर);; वि० पदा० मजु० १२४ तालपत्र न० गु० ६५६, ग्रि० ७३ अं० ८७४, (आर दिने दिने भेल प्रेम पुराने); गो० श्र० अमर ५६ (समय समापन की फल आर। प्रेम समुचित अबहुँ निवार); FML 634; चित्रा ७४ (बाबा कपिलेश्वर आम्हर आर बहीर)। *āra*[2]—And.

–आरए –आरए—प्रत्यय। सब भाव ओ कर्म दूनू अर्थमे आरए प्रत्यय केर प्रयोग होइछ। ल० वि० ४२ (पण्डित ओ व्यक्ति शब्दसँ पण्डितारए व्यक्तितारए)। –*ārae*–Suffix for making abstract nouns.

आरकत आरकत—आरक्त (दे०) केर का० रू०। गो० श्र० १ अम० ७ (श्यामर तन किय तिमिर विराज। सिन्दूर चिन्ह किय आरकत साज)। *ārakata*—Poet. form of *ārakta* (q.v.)

आरक्त आरक्त—वि०। लाल, किछु ललौन नेने। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आरक्त, प्रा० मै० आरत। चयनिका ४८। *ārakta*—*Adj.* Reddish.

आरजसमाजी आरजसमाजी—आर्य समाजक नियमकेँ माननिहार। ग्रा० रू०। [सं०] सूक्ति सुधा ३३। *ārajasamājī*—*Folk form.* Follower of *Āryāsamāja* (q.v.).

आरजि आरजि—राग विशेषक नाम। वर्ण० ६३ (आरजि पजाधति)। *āraji*—Name of a Rāga.

आरण्यक आरण्यक—वेदकेर एकटा बानप्रस्थीक हेतु उपयोगी अंश। [सं०] तु० क० हि०। *āraṇyaka*—A part of the Vedic lore.

आरण्यकपर्व आरण्यकपर्व—महाभारतक आरण्यपर्व केर प्रा० रू०। वर्ण ५६ (सभापर्व अरण्यकपर्व)। *āraṇyaka-parva*—*Old* Form of the Mahābhārata *āraṇya-parva.*

आरण्य काण्ड आरण्य काण्ड—रामायणक अरण्यकाण्ड वर्ण ५६ (अयोध्याकाण्ड, आरण्यकाण्ड)। *āraṇyakāṇḍa*—Name of a canto in *Rāmāyaṇa.*

आरत आरत—लाक्षारस सम्भृत पात (दे०), खूब लाल आरतक पात जे मिथिलामे शुभ अवसर पर वरक बुरखुर एवं गोसउनिक सीरमे साटल जाइछ, (दे०।तुल = आर्त आर्त = लाल [सं० आरक्त, आलक्तक] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आरत। गो० श्र० १ अम० (ए सखि आरत कहल न जाय); महेश० ३८ (आरत अन्तिम बेला); गौरी स्वयम्बर ६ (गणनायक हर आरत पीर); मालविकाग्निमित्र ३०। BPL 133, FML 417, IAL Turner 58. (1996)। *ārata*—Reddish, anxious, leaf made of cotton soaked in red ink or blood for worshipping shakti.

आरती आरती—कोनो देवी वा देवताकेँ दीप देखाए वा ओहिसँ ककरो अर्चना करब। [सं० आरात्रिक] तु० क० हि०, बं०, अस०, उ०, ने० आरती; प्राकृ० आरत्तिय। IAL Turner 59 (1315); खट्टर ० ८७ (आरती देखाए अरिआति दैत छहुन); हिरा० १४६ (श्रृंगारक उपरान्त आरती भ रहल छलैन्ह); रंग १७० (आरती देखाओल जाइत छैन्ह)। *ārati*—A special kind of worship with lamp.

आरदरा आरदरा—वर्षाऋतुक एक नक्षत्र विशेष। [सं०] ग्रि०। *āradarā*—The sixth Nakṣatra of lunar mansion of the rainy season.

आरब आरब—अरबा (दे०) केर वि० रू०। तु० क० [सं० आमतण्डुल]। (दसरा गारी हमरा बारी के ठबके। राजकोतवाल, की कि मँगैये? आरब चाउर नव ढकना, राजा पठौलनि एकटा कटहर ले)। *āraba*—*Alt.* Form of *arabā* (q. v.)

आरभटी आरभटी—क्रोध दिक उग्र भावक अभिव्यक्ति, चेष्टा, एक प्रकारक नृत्यशैली। [सं०]। तु० क० हि० आरभटी। मो० ६६-६ (तखन एतबो आरभटी नहि करताह); अम० २६७, एकावली परिणय १३१। *ārabhaṭī*—A kind of dance, gesticulation.

आरम्भ आरम्भ—कोनो कार्यक प्रथमावस्था, शुरू, प्रारम्भ, उत्थान, अनुष्ठान। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आरम्भ। वर्ण० ३१ (उपट्य आरम्भ उत्काल); वि० ने० १०४ अधर पिवए के कर आरम्भ); वि० पदा० मजु० २७, राग० न० गु० तालपत्र ५४०, अ० ५५२ (बैरम कौमल कर सुशोभित जंघयुग आरम्भ); मै० हि० सा० ५ (आरम्भ कएले छन्हि), राम० ५२ (से पुछलन्हि मखविधि आरम्भ); मि० उदा० १५८–१६ (उच्च कलरव आरम्भ करैत छी); पारो; ५३ (हम आरम्भ कैल त देखलियैक जे पारोक मुँह कने तनि गेल छैक)। *ārambha*—Beginning.

आरम्भा आरम्भा—आरम्भ (दे०) केर का० रू०। (अथवा 'रम्भा' केराक थम्भ जएक जाँघ बनाओल) वि० ने० २३० (मदन विटपि आरम्भ); वि० पदा० मजु० १३६, नेपाल १६२, न० गु० ४०५ (सिरिजल दुइ आरम्भा)। *ārambhā*—Poet. form of *ārambha* (q.v.).

आरसि आरसि—ऐना, दर्पण, एक प्रकारक आभूषण जे आँगुरमे पहिरल जाइछ तथा ओहिमे छोट कटोरी जकाँ भूर होइछ। [सं० आदर्श]। तु० क० हि० आरसी; अव० आरस। वर्ण ६४ (अलंकार आरसि); वि० ने० ४० (आरसि कए मोरि देखिनइ देइ); वि० पदा० मजु० ५५६ (आरसि काजर पारब निसि डरबे)। *ārasi*—A kind of ornament, mirror.

𑒂𑒩𑒯𑒪 आरहल—? प्रा० रू० । वर्ण० १२ (जन आरहल) । *ārahala*—?

𑒂𑒩𑒰[1] आरा[1]—एकटा बहुत पैघ लोहाक दाँतवला पातर पटरी जकरा रेतीसँ रेति कए काठक फ्रेममे लगाए काठ चीरल जाइछ । [सं० आरद] । तु० क० सं० अरा, हि० आरा । BPL. 154,396 828 । गी० प्र० १ अम० ७६ (अंग अनंग ज्वर भरत बिषम शर कंठहि जीवन आर.); प्रण० ७८ (छाती पर आरा चलए लगलैन्ह) । *ārā*[1]—A (usually large) saw, or a knife of the cobbler.

-𑒂𑒩𑒰[2]-आरा[2]—प्रत्यय । भाव (अर्थात् क्रियामे) जोड़ल जाइछ । ल० वि० १४० (भोंक धातुसँ -आरा प्रत्यय लगऔलासँ भोंकारा) । *-ārā*[2]—*Suffix.* for forming abstract nouns.

𑒂𑒩𑒰𑒏𑒮 आराकस—अरकसिया; आरासँ जे लकड़ी चीरए [आरा + कसि > कस] । BPL. 395. *ārākasa*—A sawer.

𑒂𑒩𑒰𑒑𑒖 आरागज—पहिआक ओ छड़ जे धुरीकेँ पुट्टीसँ मिलबैत अछि [सं० अरा + फा० गज] । *ārāgaz*—The spoke of a wheel.

𑒂𑒩𑒰𑒡𑒏 आराधक—वि० । उपासक, पूजा करनिहार । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आराधक । (आराधककेँ आराधना शुचिपूर्वक करबाक चाही) । *ārādhaka*—*Adj.* A worshipper.

𑒂𑒩𑒰𑒡𑒢 आराधन—आराधना, (दे०) केर का० रू० । चन्द्र ३१० (हुनकर आराधनसँ सत्वर छुटै); पुरु० १५२ (जे नहि आधार आराधन करथि) । *ārādhana*—Poet. form of *ārādhanā* (q. v.)

𑒂𑒩𑒰𑒡𑒢𑒰 आराधना—पूजा, उपासना, सेवा । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, आराधना । पुरु० १० (हम अपनैक आराधना कएल); मै० हि० सा० १५ (आराधनामे दृढ़ परिकर भय गेलाह) । *ārādhanā*—Worship, Service.

𑒂𑒩𑒰𑒡𑒢𑒲𑒨 आराधनीय—वि० । आराधनाक योग्य, पूजनीय । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आराधनीय । (सभ देवता हिन्दूक हेतु आराधनीय छथि) । *ārādhanīya*—*Adj.* Fit to be worshipped.

𑒂𑒩𑒰𑒡𑒪 आराधल—आराधना (दे०) केर आ० भू० रू० । गजग्राह उद्धार ७ । *ārdhala*—*Hon.* Past tense form of *ārādhanā* (q.v.).

𑒂𑒩𑒰𑒡𑒱 आराधि—आराधना (दे०) केर पू० क्रि० रू० । कीर्तिलता १० (पातिशाह आराधि) । *ārādhi*—P.P. Having worshipped.

𑒂𑒩𑒰𑒡𑒱𑒞 आराधित—वि० । पूजित, जनिक पूजा कएल गेल हो । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आराधित । कान्ति० ८ । *ārādhita*—*Adj.* Worshipped.

𑒂𑒩𑒰𑒡𑓂𑒨 आराध्य—वि० । पूजनीय, पूज्य । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आराध्य । मि० १२ (अपनासँ आराध्यकेँ भिन्न मानैत छथि); मो० १०२–८ (ओ आराध्य देवताक शिक चिन्ह); पुरु० ८५ (तखन आराध्य चाणक्य हमरा प्रति निश्चित होइत भेलाह); द्विरा० ४६ (जहाँ हमर आराध्य देवीक क्रीड़ास्थल बुझि सकैत छी) । *ārādhya*—*Adj* Fit to be worrhipped.

𑒂𑒩𑒰𑒧 आराम—सुख, आनन्द, चयन, प्रफुल्लता; फुलवारी, [फा० सं०] तु० क० हि०, बं, अस०, ने०, पा०,सं० आराम; प्राकृ० आराम; सिं० अरम । राम ३३ (देखथि चलि भल आराम); मिहिर २–६१–५३ (६); कन्या० ३६ (ओहिमे खूब आरामसँ सुति रही); नव० ४५ (वउवरिक लेल बड़का पंखा आयल रहइत सेहो आब आराम करइत रहए); शतदल २ (आरामक हा आराम जारि); पारो २३ (आराम भेवाक भैरै कैल) । *ārāma*—Relief, garden.

𑒂𑒩𑒰𑒧𑒏𑒳𑒩𑓂𑒮𑒲 आरामकुर्सी—सुख सुविधासँ बैसबाक लम्बा मचिआ । [फा० आराम + हि० कुर्सी] । प्रण० १५ (आरामकुर्सी पर गजेन्द्रक फाटल पंजी सुखाइत); (नव० ६ आरामकुर्सी पर ओङठल ओङठल व्यतीत होइन्ह) । *ārāmakursī*—Easy Chair.

𑒂𑒩𑒰𑒧𑒞𑒪𑒥 आरामतलब—वि० । सुस्त, निरर्थक बेकार समय बितओनिहार । [फा० आराम + उर्दू तलब] । तु० क० उर्दू आरामतलब । (आइ काल्हिक युग आरामतलब केर नहि रहि गेल अछि) । *ārāmatalaba*—*Adj.* Fond of idleness.

𑒂𑒩𑒰𑒯𑒱𑒁𑒃 आराहिअइ—क्रि० । आराधना (दे०) करथि केर प्रा० लु०का० रू० । वि० पदा० मजु० ८७, तालपत्र न० गु० ३३०, अ० ३१७ (नारि आर हिअइ पंचबान) । *ārāhiai*—*V.* Obs. Poet. of *ārādhanā* (q.v.)

𑒂𑒩𑒱 आरि—कोन, खेत वा सीमा निर्धारणक हेतु एवं एक खेतसँ दोसर खेतमे पानि नहि टपबाक निमित्त उच्च माँटिसँ बनाओल धूर वा रेखा । [सं० आल] । तु० क० सं० आल, हि० आरी; उर्दू अड़िया; पा० आलि; प्राकृ० आली; उ० आड़ि; म० आली, आल; B.P.L 834, 165. वि० पदा० मजु० ३०६ (चौदसि बाँधलनि सिलकि आरि); सु० हरण २८ (बान्हीअ आरि); राम० ६५ (आरि न बान्हल गेलहु पानी); चन्द्र० ४० (बाँधिअ गेलहुँ बरषा आरि); वि० ८६ (हम रही ठहलै धानक आरि पर); नव० ७२ (हम पए दुहु दिसि मेलिहु आरि पर); मो० १३३–२३ (गर्दनि कट्ठ आरिधुरकट्ठ बसैत छथि); (आरि छाँटब = अपन खेतकेँ बढ़ाएब); (आरिक चुकल गिरहस्त डारिक चुकल बानर = खेती पथारीक दिश ध्यान नहि देनिहार कृषक केर दशा डारि परसँ चुकल बानरे जकाँ होइछ) । *āri*—The boundary line of a field.

-𑒂𑒩𑒲[1]-आरी[1]—प्रत्यय । स्थान वा पाँती जोरक अर्थमे

आरी प्रत्यय लगओलासँ दे० ल० वि० ४० तेलीक बसबाक स्थान **तेलि-अरी**; गोढ़िकँ बसबाक स्थान **गोढ़िआरी**; प्रशस्त स्थानमे प्रयोग भेला पर दे० ल० वि० ४८ माँटि सँ **मटिआरी**; बूढ़ ओ नव शब्दमे प्रयोग भेला पर दे० ल० वि० ४० बूढ़सँ **बुढ़ारी** = (वार्धक्य), नवसँ **नवारी** = (तारुण्य)। -*ārī*¹—Suffix added in the sense of place or row.

𑒂𑒩𑒲² आरी²—आर.सँ छोट काठ चिरबाक लोहकेर बनल हथिआर। [आरा + ई]। (आरी सँ नारिकेरिक ओड़िका बहुत सुलभतया बनाओल जा सकैछ)। *ārī*—A saw.

𑒂𑒩𑒳 आरु—तरकारी विशेष। एकर पात पानक पात जकाँ होइछ तथा ई ओल, हरदि, सुथनी एवं आलू जकाँ माटिक तरमे होइछ। एकर गणना (फलहार हेतु) कन्दमे कएल जाइछ। [IAL Turner आडु]। व्य० वि० १२३ (आरु मानकन्द); नव० ७१ (तीमन तरकारी आरु ओल बाड़िए सँ)। तु० क० हि० अाइ; बगडा पेंची आरु। *āru*—A root type vegetable.

𑒂𑒩𑒳𑒚𑓂𑒚𑒰 आरुठ ठा—आरुष्ट (म० म० उमेश मिश्र), रुष्ट, क्रोधित। तु० प्र० [सं० आ + रुष्ट]। कीर्तिलता ६३ (आरुठ्ठा सुरा आवन्ता उमग्गे मग्गे धावन्ता)। *āruṭhṭhā*—Angry.

𑒂𑒩𑒳(𑒩𑒴)𑒜𑓃 आरु(रू)ढ़—वि०। चढ़ल, सवार, स्थिर। [सं० आरूढ़]। तु० क० हि०, बं०, असु०, ने० आरुढ़। राम० ३६० (राजा कार्यान्तर आरुढ़);राम० (६१ विषय मनोरथ रथ आरुढ़);महेश० ४ (निज पदमे आरुढ़); चन्द्र० २७५ (अपने काज सतत आरुढ़); पुरु० ७५ (श्रेष्ठ घोड़क पृष्ठ आरुढ़); मों० ११-१२ (अपन धर्म पर आरुढ़ भए मातृ भाषाक सेवा करैत चलू)। *ārūḍha*—Ridden, firm

𑒂𑒩𑒳𑒜𑓃𑒱 आरुढ़ि—आरुढ़ (दे०) केर स्त्री। आरुढ़ होएबाक भाव, तत्परता। [सं०] तु० क० हि०, असु०, बं० आरुढ़ि। (वि० ने० २२८ (हरि आरुढ़ि सेव न परसए); राम० १२५ (प्रभु सेवामे अति आरुढ़ि)। *āruḍhi*—Fem. of *āruḍha* (q. v.)

𑒂𑒩𑒳𑒝𑓂𑒨 आरुण्य—लालिमा, अरुणता। [सं०] तु० क० हि०, बं०, असु०, ने० आरुण्य। रस नि० ८८ पद; साहित्य पत्र १-१-२०। *āruṇya*—Reddishness.

𑒂 𑒩𑒹 आ रे—आश्चर्यसूचक ओ सम्बोधन सूचक शब्द विशेष एवं गीत काव्यमे छन्द पुरएबाक शब्द। [सं० FML 67 Vid P 6] वि० पदा० मंजु० ५३२ (कि आरे देखिअ अनूपे); वि० वि० ५ सुनू आ रे सुबदनिवानी); मन० ३८ (आ रे आ रे अनुचर तोहिं मोर भाए)। *ā re*—O, oh, a part of a refrain.

𑒂𑒩𑒼 आरो—आर (दे०) केर नि० रू०। F.M.L 425। नव० २६ (दूटा अपरिचितो चेहरा आरो)। *āro*–*Emph.* of *āra* (q. v.).

𑒂𑒩𑒼𑒑𑒏 आरोगक—आरोग्य (दे०) केर वा० रू०। धर्म ५२ (आरोगक छीमुलि अइसनि अड्डुरि)। *ārogaka*—*Coll.* Emph., of *ārogya* (q.v.).

𑒂𑒩𑒼𑒑𑓂𑒨 आरोग्य—वि०। निरोग, स्वस्थ, तन्दुरुस्त, रोगरहित। [सं०] तु० क० हि०, बं०, असु०, ने० आरोग्य। राम० ६६ (बालक बधसँ ई आरोग्य)। *ārogya*—*Adj.* Healthy, free from sickness.

𑒂𑒩𑒼𑒑𑓂𑒨𑒞𑒰 आरोग्यता—आरोग्य (दे०) भा० वा० रू०। गोनू० २२। *ārogyatā*—Abstract noun form of *ārogya* (q.v.).

𑒂𑒩𑒼𑒣 आरोप क्रि०। स्थपित करब, लगाएब, लाँछना, दोष, एक पदार्थमे दोसरा पदार्थक आरोपसँ मिथ्या ज्ञान उत्पन्न करब। [सं०] तु० क० हि०, बं०, असु०, ने० आरोप। राम० ६, (ई आरोप कि तनिका ठाम); राम० २७१ (कत शर मारत जिव आरोप)। *āropa*—*V.* accuse, blame.

𑒂𑒩𑒼𑒣𑒏 आरोपक—वि०। दोष वा अपराध लगओनिहार। [सं०] तु० क० हि०, बं०, असु०, ने० आरोपक। *āropaka*—*Adj.* Who blames.

𑒂𑒩𑒼𑒣𑒝 आरोपण—रोपब, स्थापित करब, कोनो गाछकेँ उखाड़ि दोसर स्थान पर रोपब, अपराध दोष लगाएब, मिथ्याज्ञान। [सं०] तु० क० हि०, बं०, असु०, ने० आरोपण। (वृक्ष आरोपण समारोह प्रत्येक वर्ष भारतवर्षमे मनाओल जाइछ)। *āropaṇa*—Plantation, Accusation.

𑒂𑒩𑒼𑒣𑒪 आरोपल—आरोप (दे०) केर आद० प्र० पु० भू० रू०। वि० ने० २४ (कुडु भरमे पय पद आरोपल; चन्द्र० १८१ (मनमथ दृढ़ आरोपल)। *āropala*—*Hon.* Past tense first person of *āropa* (q. v.)

𑒂𑒩𑒼𑒣𑒱 आरोपि—आरोप (दे०) केर पू० क्रि० रू०। राम० १०६ (रामचन्द्र पद मन आरोपि); राम० ३४८ (तनिका लेल अंग आरोपि)। *āropi*—Part. form of *āropa* (q.v.).

𑒂𑒩𑒼𑒣𑒱𑒞 आरोपित—वि०। लगाओल, स्थापित कएल, लांछित, रोपल। [सं०] तु० क० हि०, बं०, असु०, ने० आरोपित। राम० ३०१ (वैदेही आरोपित अंक); मों० १७-१-२३ (योग्यता हुनकामे आरोपित होइछ); पार्वती परिणय २२; पुरु० २१५ (जखन देश देश लोकक मुख आरोपित)। *āropita*—Mounted, planted.

𑒂𑒩𑒼𑒣𑓂𑒨 आरोप्य—वि०। लगएबाक योग्य; रोपबाक योग्य, स्थापित करबाक योग्य, दोष लएबाक योग्य। [सं०]। *āropya*—*Adj.* Fit to be mounted, to be blamed.

𑒂𑒩𑒼𑒯 आरोह—उपर दिश चढ़ब वा गमन, आक्रमण, चढ़ाइ, स्वरमे लयकेर उपर दिसि चढ़ाव। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असु०, ने०, पा० प्राकृ० आरोह, म० ओहँ; गु० आरोड़ो। मि० उद्० १५८-३ (ताल स्वर, लय; आरोह, अवरोह); द्विरा० १५७ (जेना जेना आरोहक स्वर तीव्र भेल जाइक); रंग० ६६ (ओकर आरोह अवरोह हृदयमे स्पन्दन उत्पन्न करएवला छल)। *āroha*—Ascent, growth, a term in music.

𑒂𑒩𑒼𑒯𑒝 **आरोहण**—चढ़ब, सवार होएब, उपर उठब। [सं०] तु० क० हि० आरोहण। पुरु० ३५५ (वृक्ष आरोहण कर्त्ता भो वृक्षक); मिथिला १-३६३ (विबुध भुवन आरोहण सुसरणि); उदयन कथा २३३; मिहि० २८-१०-६ (महिष पर एक आरोहण)। *ārohaṇa (ṇa)*—The act of riding, ascending.

𑒂𑒩𑒼𑒯𑒪 **आरोहल**—आरोह (दे०) केर आ० पु० भू० रू०। मेघनाद १२। *ārohala—Hon.* 1st person past tense of *āroha* (q.v.).

𑒂𑒩𑒼𑒯𑒰𑒫𑒩𑒼𑒯 **आरोहावरोह**—आरोह आर अवरोह केर संयुक्त रू०। वैदेही १३५४-४१ (कुमार मे जीवनक विशेष आरोहावरोह नहि देखाओल गेल अछि)। *ārohāvaroha*—Rise and fall.

𑒂𑒩𑒼𑒯𑒲 **आरोही**—वि०। चढ़निहार, उपर जाएवला, उन्नतिशील। [सं०] तु० क० हि०, बं०, असo, ने० आरोही। व्यवहार विज्ञान ३८६ (आरोही, अवरोही सात सुर होइत)। *ārohī*—*Adj.* Rising.

𑒂𑒩𑓂𑒞𑓂𑒞 **आर्त्त**—वि०। क्लेशित, दुःखी, व्यग्र, उद्विग्न। [सं०] तु० क० ने० आर्त्त; पा० अरत; बं० आरत; कुमा० अताइ; प्राकृ० अत्त। राम० ६६ (आर्त्त भरत की होएत कानि); मिथि० ४२० (जकर आर्त्त दोखा अनेक वर्षक किछु किछु करक विमुक्ति दै)। *ārtta—Adj.* Pained, worried.

𑒂𑒩𑓂𑒞𑓂𑒞𑒒𑒼𑒭 **आर्त्तघोष**—वि०। क्लेशित वा पीडित स्वर, दुखनामा। [सं०] मि० ३०८ (प्रजाक आर्त्तघोष सुनि)। *ārtta-ghoṣa*—Painful noise or voice.

𑒂𑒩𑓂𑒞𑓂𑒞𑒞𑒰 **आर्त्तता**—आर्त्त (दे०) केर भा० वा० रू०। वन कुसुम २८। *ārttatā—Abst.* Noun of *ārtta* (q.v.).

𑒂𑒩𑓂𑒞𑓂𑒞𑒢𑒰𑒠 **आर्त्तनाद**—भयंकर पीड़ित वा क्लेशित वाणी। [सं०]। चन्द्र० २४ (भक्त आर्त्तनाद कानमे धरु); मि० वि० १ (आर्त्तनाद करि कानथि जहिं तहिं); पुरु० ७६ (ताहि जंगल मे आर्त्त-नाद करइत); प्रण० ११ (आर्त्तनाद सुनबामे आयल)। *ārtta-nāda*—Painful cry or shriek.

𑒂𑒩𑓂𑒞𑓂𑒞𑒫𑒰𑒝𑒲 **आर्त्तवाणी**—कष्टसँ भरल शब्द वा वाणी। [सं०] मो० १०३-५ (आर्त्तवाणी हेतु पिशुनजन धनकिए देखोल)। *ārttavāṇī*—Painful shriek.

𑒂𑒩𑓂𑒞𑓂𑒞𑒰 **आर्त्ता**—आर्त्त (दे०) केर स्त्री० रू०। राम० १६१ (अबलाओं की ज्ञान वियोगिन आर्त्ता)। *ārttā*—Fem. form of *ārtta* (q. v.).

𑒂𑒩𑓂𑒞𑓂𑒞𑒱 **आर्त्ति**—दुख, दर्द, कष्ट। [सं०] सुभद्रा हरण १३३; राम० २२७ (प्रणत आर्त्ति हर जय रघुनाथ); मि० ना० २ (आर्त्तिये सौराठहि जेबाक)। *ārtti*—Pain, worry.

𑒂𑒩𑓂𑒟𑒱𑒏 **आर्थिक**—वि०। धन सम्बन्धी, द्रव्य सम्बन्धी, महत्वपूर्ण, कोनो शब्दक अर्थसँ निःसृत। [सं०] तु० क० हि०, बं०, असo, ने०, अ० आर्थिक। मि० उदा० १५७-२ (शारीरिक ओ आर्थिक परिश्रम); मै० हि० सा० ७ (आर्थिक दशा ठीकछि); नहि अद्विरा० १६ (आर्थिक दासताक जिजिरमे बन्हा गेलीह)। *ārthika*—*Adj.* Financial.

𑒂𑒩𑓂𑒠𑓂𑒩 **आर्द्र**—वि०। भीजल, सानल, लथपथ, ओल। [सं०] तु० क० हि०, असo ने० आर्द्र प्राकृ०, पा० अद्द; प्रा० मार० आलो; गु०, बं० आला। पुरु० ६ (आर्द्र मांस संयोगसं तेल कड़ कड़ाय उठल); रुद्र० २३ (मिथिला ओ बंगालाक आर्द्र भूमिमे); प्रण० ४ (शुष्क फाटल आर्द्र भ गेल अछि)। *ārdra—Adj.* Wet.

𑒂𑒩𑓂𑒠𑓂𑒩𑒰 **आर्द्रा**—सत्ताइस नक्षत्रमे सँ छठम नक्षत्र। [सं०] तु० क० हि०, बं०, असo, ने० आर्द्रा, अ(आ)रदरा (दे०)। (आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य श्लेषा)। *ārdrā*—The Sixth Nakṣatra.

𑒂𑒩𑓂𑒨 **आर्य**—श्रेष्ठ पुरुष, आर्य जाति, श्रेष्ठ गुरु, पूज्य, आर्य जाति, श्रेष्ठ कुलमे उत्पन्न। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असo, ने० आर्य अज्जन। पुरु० १२९ (कहल हे आर्य गुरुजी); मि० उद० १९७-२६ (केवल आर्य धर्मक पक्षपाती); रुद्र० १२६ (आर्य कुलक नाम किएक हँसैबैन)। **आर्यसमाज** स्वामी उत्कट सुधारवादी हिन्दू सम्प्रदाय जकर प्रवर्त्तक दयानन्द सत्यार्थ **प्रकाश** नामक पोथी लिखि बीसम शताब्दी मे प्रचार कएल। सनातन धर्म विरोधी। कथा० ४१ (मानि लिय जे अपनहि आर्य समाजी थिकी)। *ārya*—Father, great, belonging to higher class.

𑒂𑒩𑓂𑒨𑒰𑒫𑒩𑓂𑒞 **आर्यावर्त**—मनुक अनुसार उत्तरी भारत जकर उत्तरमे हिमालय, दक्षिणमे विन्ध्याचल, पूर्वमे बंगालकेर खाड़ी एवं पश्चिममे अरब सागर अछि, सएह आर्यावर्त्त भेल। परन्तु आइ काल्हि समस्त भारत आर्यावर्त्त कहबैत अछि। [सं०] मिथिला तत्त्व विमर्श पूर्वार्द्ध २; मो० ६१-८ (देशक नाम आर्यावर्त्त थिक); द्विरा० २१२ (आर्यावर्त्तक 'आचार' कैं विलायती सिरकामे फुला अचार बनबैत अछि)। *āryāvarta*—The old name of North India.

𑒂𑒩𑓂𑒭 **आर्ष**—वि०। वैदिक ऋषि सम्बन्धी वा सेवित ऋषि-कृत। दोषयुक्त (मुदा ऋषिक प्रयोग कएल तैं दोषावह नहि, ग्राह्य) (व्याकरण मे आर्ष प्रयोग)। [सं०] तु० क० हि०, बं०, असo, ने० आर्ष। मि० २७२ (एहि प्रकारक आर्ष दृष्टान्त मानुषी सृष्टिक बाध्य भेलें); वन कुसुम ३२। *ārṣa—Adj.* Belonging to seers.

-𑒂𑒪 **-आल**—**प्रत्यय**। स्थान अर्थमे काष्ठ शब्दसँ जारनिक अर्थ प्रयोग भेला पर (दे०) ल० वि० १४८ कठाल।-*āla*—Suffix.

𑒂𑒪𑒉 **आलए**—घर, मकान, अपन सीमा वा अपन जमीनक भीतर। [सं० आलय]। वि० ने० २६ (तन्हि पुनु कुशले आओब निज आलए)। *ālae*—P. F. of *ālaya* (q.v.). One's area,

house.

আলজ্জ **आलज्ज**—वि० । ठीककर, जनिका लाजक कोनो गप्पे नहि । का० प्र० । [सं०] । पुरु० ११६ (अधम आलज्ज से नाम धराय) । *ālagga*—*Adj.* Shamless, P.F.

আলতা **आलता**—अलता (दे०) केर वि० रू० । द्विरा० ३३ (अपन आलता सँ निज चरणसँ शतरंजीकेँ सुशोभित कैलन्हि) । *ālata*—*Alt.* of *alatā* (q. v.)

আলতি **आलति**—गेयधर्म, संगीतक एक गुण । [सं०] । वर्ण० ४४ (कलाश्र, लओल आलति कोनित) । *ālati*—A musical term. Obs.

আলন **आलन**—टाट वा भीतक माटिक दाबा आदि बनेबामे देल गेल खढ़-पात (दी०) । [सं० आलम्ब] BPL 42511 तु० क० सं० आलान । *ālana*—Rubbish, straw etc. used in making earthen walls.

আলপিন **आलपीन**—एकटा छोट सुइया जकरा अन्तिम छोर पर बुण्डा जकाँ रहैछ, एकरा पीन सेहो कहल जाइछ । [पुर्त० आलफिनेत] । तु० क० हिं०, बं०, असं०, बं० आलपीन । FML—178. *ālapīna*—Pin.

আলম্বন **आलम्बन**—सहारा, रस निर्णयक एक भाव । [सं०] मो० १३४–३९ (किछ आलम्बन भाव प्रकट हो), पुरु० १६७ (आलम्बन स्त्री पुरुष प्रधान) । *ālambana*—A support, basis of aesthetic pleasure (technical term).

আলমারী **आलमारी**—अलमारी (दे०) केर वि० रू० । मि० उदा० १५७–७ (मेज मोढ़ा आलमारी बूढ़, हैन); प्रवा० ८ (दवाइक आलमारी से एक डिब्बा माल्टेड मिल्क) । *ālamārī*—*Alt.* Form of *alamārī* (q.v.).

আলমোনিয়ম **आलमोनियम**—एक प्रकारक धातु जाहि सँ विभिन्न प्रकारक छोट पैघ जीवनोपयोगी वस्तु बनाओल जाइछ तथा ई तौलमे हल्लुक होइछ । [आंग्ल] व्य० वि० १३ (लोह गिलट आलमोनियम तकरो कलश थारा जड़ल अछि) । *ālamoniama*—Aluminium.

আলয় **आलय**—आलए (दे०) केर शुद्ध रू० । वर्ण० ५४ (रात्रिक आलय काँ सन्निधान); पुरु० १११ (अपन आलय अइलाह) । *ālaya*—Correct form of *ālae* (q. v.)

আলয়া **आलया**—संगीतमे श्रुति विशेषक नाम । [सं०] । वर्ण० ४४ (माला आलया कला) । *ālayā*—Name of of a śruti in music.

আলবাল **आलबाल**-कियारी, थाला । [सं०] तु० क० हिं० आलवाल । शतदल ७७; माटिक दीप ६ । *ālavāla*—bed (flower bed).

আলস **आलस**—आलस्य । [सं० आलस्य] । गो० वि० १० (ख) (मोह आलस चनचोर); वि० ने० २२२ (आलस कोये आइसि हेलन्हि); गो० १० १ अम० ८ (स्यामक कोर यतन धरि सूतलि मदन आलस दुहु मोर); राम० २५३ (काथु सकल जब आलस दूर); महेश० ८ (शिवक किंकर वनु आलस कए जनु) । *ālasa*—Idleness.

আলসিনী **आलसिनी**—आलसी (दे०) केर स्त्री० रू० । सुमति ६६ । *ālasinī*—Fem. of *ālasī* (q. v.)

আলসী **आलसी**—वि० । सुस्त, लापरवाह, काजसँ हट-निहार । [हिं० आलस+ई] । तु० क० हिं०, बं०, अस०, ने० आलसी । मो० ६७–१७ (लोक आलसी निरुद्यमी होमए लागल); पुरु० ५० (आलसी लोकक सुख निर्वाह सुनि) । *ālasī*—*Adj.* Idle, lazy.

আলস্য **आलस्य**—कार्य करबामे अनुत्साह, सुस्ती, कामचोर । [सं०] । तु० क० हिं०, बं०, अस०, ने०, अव० आलस्य । चन्द्र० २६६ (राग कहबामे आलस्य प्रधान); मि० उदा० १६८–२४ (आलस्य छाड़ि उत्साह कै); मो० ६७–२२ (आलस्य त्यागू); पुरु० ५० (सुख स्थान आलस्य); प्रवा० १६७ आब आलस्य करबाक समय नहि अछि); शतदल ८ (की आलस्यक) । *ālasya*—Sloth, idleness.

আলা **आला**-वि० । सबसँ बढ़ियाँ, सर्वोपरि, यंत्र [अर० आलह] । तु० क० हिं० आला । वन कुसुम ८५ । *āla*—*Adj.* Best, gadget (such as stethoscope).

আলানা **आलाना**—खुट्टा । [सं० आलान+आ] वि० पदा० मनु० १०८, रामभद्रपुरपोथी पद १८८ (असमय पवि आलाना पर्थे चैओ चैओ) । *ālānā*—Post.

আলাপ **आलाप**—बातचीत, भाषण, कथोपकथन । [सं०] । तु० क० हिं०, बं०, अस०, ने०, आलाप; प्राकृ० आलाव; पा० आलाप व लहन्दा आलाव; सिं० अलाउ । वर्ण० २७ भुजङ्ग आलाप; मि० २५६ (उक्त रूपक आलाप कलाप सुनि चिन्हि गेलन्हि); कन्या० १३६ (अपना आलाप ... स्वर खरजसँ निषाद पर्यन्त पहुँचाबय लगलाह); मो० २८–२६ (पण्डितलोकनिक आलाप विलाप दिश ध्यान दिअ); व्यल० वि० ३८६ (आलाप भेद आरोही अवरोही सातो सुर जेना); नव० २५ (पण्डितक आलाप आलोचनासँ सुननिहारकेँ होइक जे व्यक्ति आओर जे किछु रहथु) । *ālapa*—Speech.

আলাপি **आलापि**—आलाप (दे०) केर पू० क्रि० रू० । मिहि० ३५–३–२१ (निर्जन वन प्रान्तमे आलापि उठै) । *ālāpi*—*Part.* Form of *ālāpa* (q v.).

আলি¹ **आलि**¹—लु० रू० । इडा पिङ्गला नाड़ी । चर्या० ११/३ । *āli*—*Obs.* Technical name of a nerve.

আলি² **आलि**²—आली (दे०) केर का० रू० । वि० पदा०

मजु० १६५, नव० गु० तालपत्र ७६; अ० ४ (आलि दिठि दए गेलि सन्देस)। *āli*²— Poetic. of *ālī* (q.v.).

𑒂𑒪𑒱𑒓𑓂𑒑𑒋 **आलिङ्गए**—आलिङ्गन (दे०) केर आ० वर्त्त० मध्य० रू०। वर्ण० ५ (अनि एहि आलिङ्गस); गोरक्ष विजय ७ (ख) (काहु आलिङ्गए काहु निहार); वि० पदा० मजु० ५३५ (उठि आलिङ्गए अधनि छाओ); EMI 311. *āliṅgae—Hon.* Present tense second person of *āliṅgana* (q.v.).

𑒂𑒪𑒱𑒓𑓂𑒑𑒞𑒱 **आलिङ्गति**—आलिङ्गन (दे०) केर आद० वर्त्त० अन्य० पुरु० रू०। वि० ने० १४२ (कओन सुगधि आलिङ्गति आँगी)। *āliṅgati—Hon.* present tense third person of *āliṅgana* (q. v.).

𑒂𑒪𑒱𑒓𑓂𑒑𑒢 **आलिङ्गन**—हृदय वा गर्दनिसँ लगाएब, परिरंभण। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असo, ने० आलिङ्गन। वर्ण० २ (वरुणा आलिङ्गन); गोरक्ष विजय ८ (क) (देल तनय आलिङ्गन दान); वि० पदा० मजु० ३७, राग० त० पृ० २०४, तालपत्र न० गु० ६७, अ० १०६ (आलिङ्गन दए पाछु निहारए); गो० शृं० १ अमo ३४ (जब दुहु मिलि आलिङ्गन देल। गोविन्द दास कहइत किये भेल); राम० १२७ (आलिङ्गन दय राखि प्राण); मि० उद्० १५६–९२ (ई कहि आलिङ्गन पूर्वक सुतला); रङ्ग १३५ (सप्रेम आलिङ्गन और स्नेहमयी वच्चीकेँ बारम्बार चुम्बन); प्रण० १६८ (हम जाइछी मृत्युक आलिङ्गन करिअ)। *āliṅgana*—Embrace.

𑒂𑒪𑒱𑒓𑓂𑒑𑒨 **आलिङ्गय**—आलिङ्गए (दे०) केर वि० रू०। गो० शृ० अमर० ६६ (घूमें अलसक तक परयंक रभस आलिङ्गय करि कत छन्द)। *āliṅgaya—Alt.* of *āliṅgae* (q. v.)

𑒂𑒪𑒱𑒓𑓂𑒑𑒪 **आलिङ्गल**—आलिङ्गन (दे०) केर आद० भू० उ० पु० रू०। वि० पदा० मजु० ६१ तालपत्र न० गु० २७३, अ० ३६० (चन्दन भरम सिमर आलिङ्गल)। *āliṅgala—Hon.* Past tense first person form of *āliṅgana* (q.v.)

𑒂𑒪𑒱𑒓𑓂𑒑𑒱𑒞 **आलिङ्गित**—वि०। हृदयसँ लगाओल, गर्दनिसँ लगाओल, परिरंभित। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आलिंगित। पुरु० २४६ (आलिंगित कदपूछल); साओन-भादव १०। *āliṅgita—Adj.* Embraced.

𑒂𑒪𑒱𑒓𑓂𑒑𑒱𑒞𑒰 **आलिङ्गिता**—आलिङ्गित (दे०) केर स्त्री रू०। पुरु० २०१ (धूर्तसौं आलिङ्गिता रति प्रवृत्ता भेलौं)। *āliṅgita*—Fem of *āliṅgita* (q.v.)

𑒂𑒪𑒱𑒣𑓂𑒞 **आलिप्त**—वि०। अलेप, निर्लेप, [सं०] तु० क० हि०, अस०, ने० अलिप्त। अम्ब० ५। *ālipta—Adj.* Smeared.

𑒂𑒪𑒲 **आली**—सखी, सहेली, नीतल। [सं०] तु० तामिल आली। भा० का० २२४ (आली आवे मिलत, कतय माधव ओहे गुणधामे); शतदल ८ (जरैत कतउ चराचर आली)। *ālī*—Wetty, woman friend.

𑒂𑒪𑒲𑒜𑒣𑒠 **आलीढ़पद**—दहिना जाँघकेँ पसारि आओर वामा जाँघकेँ मोड़ि वाण चलयबाक आसन। [सं०]। मि० २२० (प्रत्यालीढ़पद आलीढ़पद समपदा)। *ālīṛhapada*—A posture fit for throwing arrows.

𑒂𑒪𑒲𑒫𑒰𑒪𑒲 **आली वाली**—किदन, कहाँदन, अकर-धकर। [आइली-वाइली]। मि० (खाए लै आलीबाली तेल लगबै ले तीन-तीन माली)। *ālivāli*—Worthless irrelevant thing.

𑒂𑒪𑒴 **आलू**—एक प्रकारक प्रसिद्ध कन्द। एकर कन्द गोल आ हरियर होइछ। लाल लाल आ उज्जर दूनू रंगक होइछ। [सं० आलु]। तु० क० हि० आलू आलु, पा० ओउक, ओउप; प्राकृ० ओअ; उ० आलू; म० आलूँ; सि० अलय। व्य० ३१ (लती, आलू ओ मूर); प्रण० १५८ (तामे आलू, भाटा, सीम, ओलक अचार; नव० १८ (भरि चंगेरी आलू पटोर)। *ālū*—Potato.

𑒂𑒪𑒴𑒥𑒼𑒐𑒰𑒩𑒰 **आलूबोखारा**—मेवा विशेष। [सं० आलु + फा० बोखार] अहेर नगरी ६। *ālūbokhārā*—A knid of dry fruit.

𑒂𑒪𑒹 **आले**—निष्फल, निरर्थक। [आलय् + ए]। चर्या० ४०/३। *āle*—useless.

𑒂𑒪𑒹𑒣 **आलेप**—लेप, पलस्तर। [सं०]। तु० क०, हि० बं०, पा० आलेप। प्राकृ० आलेव। *ālepa*—Smearing, plastering.

𑒂𑒪𑒹𑒣𑒢 **आलेपन**—लेप वा पलस्तर करबाक कार्य। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, पा० आलेप, प्राकृ० आलेवण; सि० अलबुन। *ālepana*—The act of smearing or plastering

𑒂𑒪𑒼 **आलो**—सम्बोधन करबाक शब्द विशेष। [सं० अरे]। राग० १०८ (आलो विश्वम्भर तुमी शिव शम्भू), चर्या १०/२। *ālo*—Interjectional word.

𑒂𑒪𑒼𑒏 **आलोक**—प्रकाश, रोशनी, चमक। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० पा० आलोक; प्राकृ० आलोग; आलोअ; उ० आलुअ; आला। नव० ५० (तीक्ष्ण आलोकसँ सँ से दलान उद्भासित)। *āloka*—Light, brightness.

𑒂𑒪𑒼𑒏𑒢 **आलोकन**—अवलोकन, दर्शन। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस० आलोकन। मि० वि० २०४ (पक्षधर) मिश्रक आज्ञाकेँ कहियो आलोकन मात्रो नहि)। *ālokana*—The act of looking at, or contemplating.

𑒂𑒪𑒼𑒏𑒢𑒲𑒨 **आलोकनीय**—वि०। देखबा योग्य, दर्शनीय। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, आलोकनीय। *āloka-*

niya—Adj. Worthy to be looked at.

আলোকিত **आलोकित**—वि०। उद्भासित, प्रकाशित, देखल। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस० आलोकित। (राणा प्रतापक यश सर्वत्र आलोकित अछि)। *ālokita—Adj.* Seen, well-known.

আলোচক **आलोचक**—गुण-दोषक विवेचना कएनिहार, गुण-दोषक निरूपक। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस० आलोचक। (आलोचकगण त आलोचना करबे करताह)। *ālocaka*—A critic.

আলোচন **आलोचन**—गुण-दोषक विचार, नीक अधलाहक निर्णय। [सं०]। तु० क० हि० आलोचन मो० ११-११ (बौद्ध मतक आलोचन कैल जाइछ)। *ālocana*—Consideration, critical assessment.

আলোচনা **आलोचना**—कोनो वस्तुक गुण दोषक विचार गुण-दोषक निरूपण। [सं०] तु० क० हि०, बं०, आलोचना। मो० १७१-३८ (प्रधान पात्र लौकनिक आलोचना एहि ठाम कैल गेल अछि); रुद्र० ८० (तकर आलोचना करैत छियैक)। *ālocanā*—Survey, criticism.

আলোচনীয় **आलोचनीय**—वि०। आलोचना करबाक योग्य, गुण-दोष निरूपण योग्य। [सं०]। (आलोचनीय वस्तुक समुचित थिक)। *ālocaniya—Abj.* Fit to be considered.

আলোচিত **आलोचित**—वि०। जकर गुण दोषक निरूपण वा विचार कएल गेल हो। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस० आलोचित। मि० २७२ (श्रीमद्भागवतक कथाकेँ पूर्णरूपेँ आलोचित कएल)। *ālocita—Adj.* Considered.

আলোড়ন **आलोड़न**—मथि ए, हिलकोरिकए एमहर ओमहर सँ तकि कए वा छान-बीन कए। [सं० आलोड़न]। तु० क० हि०, आलोड़न। मि० मित्र० ५६ (न्यूटन आदि विद्वजन अपन जीवन लगा कए ज्ञानसागरक आलोड़न कएकेँ जाहि अमूल्य रत्नसभकेँ प्राप्त कैल हि)। *āloḍana*—Movement to and fro, act of kneading or agitating.

আলোড়িত **आलोड़ित**—वि०। मथल, सौचल। [सं०]। वैदेही १४-३३० (अपन रुदनसँ आलोड़ित करैत देश अपन)। *āloḍita—Adj.* Kneaded.

আব **आव**—आब (दे०) केर वा० रू०। पुरु० १६७ (हिताहित मति हो विवेक से दोष जतय न आव); मि० उद० १५७-२ (आव ठहर लगैवाक समय); चित्रा ६ (बितायत नहि आयु आव प्रवासमे)। *āva—Coll.* of *āba*—(q.v.)

আবই **आवइ**—आबइ (दे०) केर वा० रू०। चर्या० ४२/५, ४३/४। *āvai—Coll.* form of *ābai* (q.v.).

আবএ **आवए**—आबए (दे०) केर वा० रु०। प्र० ३३ (देह नहि काज आवए)। *āvae—Coll* of *ābae* (q.v.)

আবও **आवओ**—आबए (दे०) केर इच्छा० रू०। चित्रा ४० (गाड़ी ल क कनहा आवओ)। *āvao—Opta.* of *ābae* (q.v.).

আবত(তি) **आवत (ति)**—आओत (दे०) केर वा० रु०। श्री श्याम सुधा ५६; तपस्वी २७; वनकुसुम ४८। *āvata (ti)*—*P.F.* of *āota* (q.v))

আবথি **आवथि**—आबथि (दे०) केर वि० रू०। राम० १५ (अपन निमित्त ऋद्धि ऋषि आवथि); प्रण० ४६ (कुटि पीसि आवथि जीरा, माड़ पसाबथि हीरा); धारो ४३ (हुल द आवथि उत्तर दहिना चल जाथि)। *āvathi*—Alt. form of *ābathi* (q. v.).

আবথু **आवथु** (दे०) केर वा० रू०। राम० ५४ (आवथु हमर समीप); द्विरा० २६ (आवथु द वहिना)। *āvathu—Coll.* of *ābathu* (q.v.).

আবদ্ধ **आवद्ध**—आबद्ध (दे०) केर वि० रू०। मोद १०१-१२ (सीमामे आवद्ध नहि अछि); कन्या० १४८ (वैवाहिक प्रतिज्ञासँ आवद्ध होथि); चित्रा० ५५ (बन्धुतामे परस्पर आवद्ध); नव० ३२ (ओकरा सम परस्पर आत्मीयताक बन्धनमे आवद्ध छल)। *āvaddha—Alt.* of *ābaddha* (q.v).

আবয় **आवय**—आबए (दे०) केर वि० रू०। वि० बि० १० (आवय सबे केर देखय लायि हारे); प्रण० ६४ (वर नहि आवय दैत अछि); रंग ३१ (मालपूआक सुगन्ध आवय लागल)। *ābaya*—Alt. of *ābae* (q.v.).

আবরণ **आवरण**—आच्छादन, झँपना, बचएबाक वस्तु [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, पा०, प्राकृ०, आवरण। महेश० ४८ (भूषण भुजङ्ग अङ्ग आवरण चाम); प्रण० २०१ (रहस्यक आवरणमे)। *āvaraṇa*—Cover, portection.

আবর্জাত **आवर्जात**—आबरजात (दे०) केर वा० रु०। [अवउर्य+यात] मि० २४६ (भवानीदत्त मिश्रहुक आवर्जात रुकि गेल); मि० २७० (जाहिसँ गाड़ीक आवर्जातक समय कोनो प्राणी आहिमे प्रवेश नहि कए सकै)। *āvarjāta—Coll.* of *ābarajāta* (q.v.).

আবর্জিত **आवर्जित**—वि०। त्यागल, जकरा छोड़ि देल गेल हो, छोड़ल, परास्त। [सं०] तु० हि० आवर्जित। मि० २४८ (हुनक चित्त काँ अपना प्रति आवर्जित कयल)। *āvarjita—Adj.* Forbidden.

আবর্জ্জন **आवर्ज्जन**—सरजा नायिकाक गुणविशेष। रुद्र

रूपेँ निषेध करब। [सं]। वर्ण० ७ (विनयशील)। *āvarjjana*—The quality of declining modestly, in a beloved.

𑒂𑒫𑒩𑓂𑒞𑓂𑒞 **आवर्त्त**-पानिकेर भमर, घुमल, टेढ़, ओ मेघ जाहिसँ पानि नहि बरसय। [सं०] तु० क० हि०, बं, अस०, नै० आवर्त्त; पा० आवट्ट; म० आट्ट; सि० आवट। वर्ण० ५५ (आवर्त्त भाँकार); कीo ल० २१ (आवर्त्त विवर्त्त रौलहीँ नअर नहि नर समुद्र ओ); एकावली परिणय ८८; उदयन कथा २०४। *āvartta*—Recoiling, whirlpool.

𑒂𑒫𑒩𑓂𑒞𑒱𑒞 **आवर्तित**—वि०। मथल; घुमल; टेढ़। [सं०]। तु० क० हि० आवर्त्तित। पुरु० २०६ (पतवार निपात औ आवर्त्तित वस्तुलौकनिक शब्द)। *āvartita—Adj.* Turned.

𑒂𑒫𑒩𑓂𑒨𑒰𑒞 **आवर्यात**—आवर्जात (दे०) केर वि० रू०। लाल० राम० १२४ (रहए सदा तहँ आवर्यात); मि० मित्र ७१ (पितासँ सहायताक कोन कथा जे आवर्यातो धरि बन्द); उदयन कथा १७४। *āvaryāta—Alt.* of *āvarjāta* (q v.).

𑒂𑒫𑒪𑒱 **आवलि**—वि०। कमजोर, रुग्ण (स्त्री)। [सं० आवल्य]। तु० क० नै० आवलि। तपस्वी १। *āvali—Adj.* Weak (Female).

𑒂𑒫𑒪𑓂𑒨(𑒞𑒰) **आवल्य(ता)**—कमजोरी, दुर्बलता। [सं०] तु० क० अस०, बं०, हि०, नै० आवल्य आवल्यता। मि० मित्र २५० (कतहुँ कतहुँ चरण आवल्यता सँ पृथ्वीपर खसि पड़ैत अछि); वेकफिल्डक पादरी १०६; सुशीला २५। *āvalya (tā)*—Weakness.

𑒂𑒫𑒬𑓂𑒨𑒏 **आवश्यक**—वि०। जे अवश्य हेबाक चाही, जरूरी, सापेक्ष, प्रयोजनी। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०; नै० आवश्यक; प्राकृ० आवुस्सिय। मौ० ६३४ (आवश्यक थिक); मि० उदा० १५७-१४ (किन्तु आवश्यक रोज कार्य प्रयुक्त); प्रश० १२ (कोनो तेहेन आवश्यक नहि); नव० ६ (मीहक संकट मोचन मालिक कैँ परम आवश्यक कर्त्तव्य बुझना गेलहक); पारो ३० (अत्यन्त आवश्यक पड़ल)। *āvasyak—Adj.* Necessary.

𑒂𑒫𑒬𑓂𑒨𑒏𑒞𑒰 **आवश्यकता**—जरूरति, अपेक्षा; प्रयोजन। [सं] तु० क० हि०, बं०, अस०, नै० आवश्यकता। मि० ६ पुस्तकालय आवश्यकता बुझि एक सैँ टाकाक प्रस्ताव स्वीकृत भेल); मि० उद० १५७-१६ (अनुग्रहक बड़ आवश्यकता अछि); पारो २० (चिट्ठीक जवाब देबाक कोनोटा आवश्यकता नहि रहैक)। *āvasyakatā*—Need, want.

𑒂𑒫𑒬𑓂𑒨𑒏𑒲𑒨 **आवश्यकीय**—वि०। प्रयोजनीय, जरूरी। [सं०]। तु० क० हि० आवश्यकीय। मै० हि०, सा० (३-४) २९ आवश्यकीय ज्ञानक बिना कर्म निष्फल भय जायत संभव थीक)। *āvaśykiya—Adj.* Necessary.

𑒂𑒫𑒮𑒱 **आवसि** -आवथि (दे०) केर प्रा० लु० रू०। वि० पदा० मजु० ६१, तालपत्र न० गु० ३६३, अ० ३६० (पुनु चलि आवसि पुनु चलि जासि)। *āvasi—Old.* Obs of *āvathi* (q. v.).

𑒂𑒫𑒮𑓂𑒮𑒏 **आवस्सक** -आवश्यक (दे०) केर ग्रा० रू०। चित्रा ३८ (अति आवस्सक अछि घर करैब)। *āvassaka*—Folk. of *āvaśyaka* (q.v.)

𑒂𑒫𑒯 (𑒯𑒱)(𑒯𑒳)(𑒯𑒳𑒿) **आवह (हि) (हु) (हुँ)**—आबह(हि) (हु) (हुँ) (दे०) केर वि० रू०। गी० वि० ४ (आवह कानसिपा रचह उपाय); वि० नै० १४२ (पुनु जनि आवह आइसना काजे); प्रश० ११६ (अपना खातिर फलाहारोक सामग्री नेने आवह); पारो ५२ (कते लग आवह); पारो ५६ (फेर आवहि कहवलि); चित्रा ४१ (आवहु नहि आएब त); चित्रा ७७ (आवहुँ जाउ दनुज विसुन बिलाडी)। *āvaha (hi) (hu)(hū̃)—Alt* of *ābaha (hi) (hu)(hū̃)* (q.v.).

𑒂𑒫𑒰 **आवा**—आबा (दे०) केर वि० रू०। लाल० राम० १०२; शतदल ६१। *āvā—Alt.* of *ābā.* (q. v)

𑒂𑒫𑒰𑒑𑒧𑒢 **आवागमन**—आवा जाही, आएब-जाएब [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस० नै० आवागमन। मि० ३६२ (दरबारमे आवागमन हुनक निरर्गल अनुवर्तमान भै चुकल); चित्रा ३० (क दितथिन्ह कलिक आवागमनक साहस बन्द)। *āvāgamana*—The act of coming and going.

𑒂𑒫𑒰𑒖 **आवाज**—शब्द, ध्वनि, बोली, वाणी, स्वर, नाद, हल्ला-गुल्ला। [सं०]। तु० क० हि०, फा० आवाज; पा० आवज्ज। (तीन आवाजसे ककरो बजाएब उचित नहि)। *āvāja*—Voice, noise.

𑒂𑒫𑒰𑒠 **आवाद**—आबाद (दे०) केर वि० रू०। मि० २०३ (गोचर भूमि छूटल नेने आवाद नहि कयल जाय)। *āvāda—Alt.* of *ābāda* (q. v.)

𑒂𑒫𑒰𑒢𑓂𑒞𑒩 **आवान्तर**-अवधि, अन्तरमे वा समयक भीतर। [सं०]। वि० प० २३ (करथि कतेक तीर्थ आवान्तर); मि० ४७ (एहि आवान्तरमे सर फ्रेडरिक हैलीडेक स्थानापन्न सर जान पिटर ग्रैन्ड लेफ्टिनेन्ट गवर्नर नियत भेलाह)। *āvāntara*—In between the time.

𑒂𑒫𑒰𑒪 **आवाल**-छोट-छोट शिशु वा बच्चा आदि पर्यन्त। [आ+बाल]। मि० मित्र १-१४ (पर्वतकेँ उठैवामे आवाल वृद्ध सहायता कैने छलथिन्ह); मौ० १३१-२४ (जाहिसँ आवाल वृद्ध वनिता हृदय मे उत्साह बढ़े); मि० उदा० १५७-७५ (आवाल वृद्ध सबहि नर नारी कै); वन कुसुम; २८; शतदल ६०; कोबर गीत २३। *āvāla*—Including children.

आवास—रहबाक स्थान, घर, मकान, कुटी, निवास स्थान। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, प्राकृ०, असा० ने० **आवास**; उ० उवास; प्रा० हि० अवास; गु० अवास; म० आवास। कीर्तिलता ६ (मर्यादा मङ्गल्यावास); वर्ण० २६ (अनेक पे आवास तैं मण्डित); राम० ३४६ (यमुनाक तीर मुनिक **आवास**); मि० २४६ (नीक नीक लोकक आवास कराय); मि० ६१ (आस सङ्ग सन्निवेश कराओल); चित्रा० ८० (स य थिक आवास)। *āvāsa*—House, abode.

आवासित—वि०। बसल, स्थित। [सं०]। मि० ५४४ (एकरे **आवासित** अमरावती नामक नगरी कोइलखसँ वाजितपुर धरि छलि)। *āvāsita—Adj.* Situated.

आवाहन—निमंत्रित करब, बजाएब, मन्त्र द्वारा देवताकेँ बजेबाक कार्य। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असा०, ने०, अव० **आवाहन**। वि० प० ५३ (आवाहन होइतहि प्रतिमामे); खट्ठ० ८७ (पहिने आवाहन करैत छहुन); प्रण० १ (निद्रा देवीक आवाहन करब लगलहुँ); स्त्री शिक्षा ३६ (आवाहन विसर्जन नहि करबाक थिक)। *āvāhana*—Invocation (of the Gods).

आवि- आबि (दे०) केर का० रू०। राम० २५ (सानुज से आश्रम आवि); मि० उदा० १५७–१ (नोदिस आवि गेल छैक); चित्रा १८ (जान लेलकन्हि रोग आवि कए)। *āvi—Coll.* of *ābi* (q.v.)

आविए—आबिए (दे०) केर का० रू०। प्रण० ४१ (जौं आविए गेलैक त ई विनौअलि होएत)। *āvie—Coll.* of *ābie* (q. v.)

आविर्भाव-उत्पत्ति, प्राकट्य, प्रकाश। [सं०]। तु० क० हि०, बं० असा०, अव०, आविर्भाव। पुरु० २५० (जनि सौं आविर्भाव संसार); मो० १–१० (आइ आविर्भाव मोदक भेल)। *āvirbhāva*—Origin, birth, manifesta ion.

आविर्भूत—वि०। प्रकटित, प्रकाशित, उत्पन्न। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असा०, ने० आविर्भूत। रंग० ४ (आकाशक परी जकाँ आविर्भूत भेलीह)। *āvirbhūta—Adj.* Manifested.

आविर्भूता—आविर्भूत (दे०) केर स्त्री० रू०। मिथिला नाटक १७; सीता स्वयम्बर ३१। *āvirbhūtā*—Fem. of *āvirbhūta* (q.v.).

आविष्कार-प्राकट्य, कौनो एहन वस्तुकेँ बनाएब जकर बनएबाक युक्ति ककरो पहिनेसँ नहि अबैत हो। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असा०, ने०, अव० **आविष्कार**। मि० २३६ (एकर आविष्कारक प्रसंग कहिओ बख्शी उमानाथे भा भेल छलाह); खट्ठ० ८; नव० १२ (उपह एहि सत्पात्रक आविष्कार कएने रहथि)। *āviṣkāra*—Inventor.

आविह—आएब (दे०) केर आद० म० पुरु० का० रू०। वि० पदा० मजु० १०२, नेपाल २५७; न० गु० ६५३; अ० ७६८ (आविह शिव सिंह राजा); FML 496; राम० ८२ (कत न बासर पलटि आविह)। *āviha*—Hon. Second person P. F. of *abiha* (q.v.).

आवी-आबी (दे०) केर का० रू०। राम० ३३ (मुनि लगइत छथि आवी); प्रण० १०८ (स्वयं अपन श्राद्ध कए **आवी**); चित्रा ११ (बिनु बजौने कतौं जाइ ने **आवी**)। *āvī—Coll* of *ābī* (q.v.).

आवृत—वि०। भाँपल, नुकाओल, घेरल। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असा०, ने० आवृत; प्राकृ० आउद; पा० आउट। राम० १३१ (लता गुल्म तृण आवृत देश)। *āvṛta—Adj.* Covered, surrounded.

आवृत्ति—पाठक आवृत्ति देब, पुनः-पुनः कौनो बातकेँ स्मरण करब, कौनो कार्यकेँ फेर-फेर करब। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असा०, ने० **आवृत्ति**। मो० १०–१३ (आवृत्ति कए रहल छथि); द्विरा० २१० (आवृत्ति त सुनावह); पारो ४८ (अन्तर्धाई एक आवृत्तिक दुर्गा पाठ हमरा सभैक हेतु करैत रहि गेलाह)। *āvṛti*—Repetition of a work.

आवे—आब (दे०) केर का० रू०। वि० ने० १२० (दिने-दिने आवे नैसनि होएवह)। *āve*—Poet of *āva* (q.v.).

आवेग—जोश, जोर, मनक भोंक, चित्तक प्रबल वृत्ति। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असा०, ने० **आवेग**। रंग ७६० (बड़ी काल नोर भोरक आवेग सँ बाजि नहि सकलहुँ); नव० ४ (ई त आवेगक बात)। *āvega*—Volition, forec

आवेदक—वि०। निवेदन वा प्रार्थना कएनिहार, प्रार्थी। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असा०, ने० अव० **आवेदक**। (आवेदकलोकनि अपन अपन आवेदन पत्र ठीक समयपर पठाबथि)। *āvedaka—Adj.* Applicant.

आवेदन—निवेदन, अर्जी, प्रार्थना। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असा०, ने०, अव० **आवेदन**। (अपन अपन आवेदन सत्य सत्य लिखि पठाउ)। *āvedana*—Statement, prayer.

आवेश—स्नेह, भोंक, वेग, आतुरता, जोश, चित्त केर प्रेरणा। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असा०, ने०, अव०, **आवेश**। राम० २२ (रामचन्द्र कौशिक **आवेश**); पुरु० २१६ रमण रभस आवेश विनु); मैं० सा० इ० ५२; पारो १४ (हिनका हमर से बड़ आवेश)। *āveśa*—Affection, inclination.

आवेशी—वि०। स्नेह कएनिहार, जोश वा वेगसँ अएनिहार। [आवेश+ई]। चर्या० ३३/१; पारो १६ (मन्त्र बड़ आवेशी छलाह)। *āveśī—Adj.* Enthusiastic.

𑒂𑒫𑒹𑒭𑓂𑒙𑒱𑒞 **आवेष्टित**—वि० । नुकाओल, झाँपल । [सं०] । तु० क० हि० आवेष्टित । द्विरा० ४६ (भुजपाशमे आवेष्टित कैने बहैलाह); भलमानुस ६२ । *āveṣṭita—Adj.* Surrounded, wrapped.

𑒂𑒫𑒹𑒭𑓂𑒚𑒪 **आवेष्ठल**—वि० । लपटाओल, बान्हल । [सं० आवेष्टन] । कीचक वध २६ । *āveṣṭhala—Adj.* Bound, embraced.

𑒂𑒫𑒹𑒮 **आवेस**—आवेश (दे०) केर ग्रा० रू० । वि० १७ (वाणि आवेस रूप कहिय मोहि) । *āvesa*—Folk form of *āveśa* (q.v.)

𑒂𑒫𑒹𑒮𑓂𑒞𑒰 **आवेस्ता**—फारस देशक प्राचीन प्रसिद्ध एवं पवित्र धर्म ग्रन्थ । [फा०] मै० सा० इ० ११ । *āvestā*—A famous Parsee book of religion.

𑒂𑒫𑒻 **आवै**—आवए (दे०) केर विक० रू० । चन्द्र० ६ (कबहु निकट विपद नहि आवै); महेश० ५१ (दुस्सह रोग भोगतँ आवै); मि० २४५ (एहि गढ़ीक भीतर आवै देतैक); पुरु० २२१ (कृपण काँ सम्पत्ति आवै) । *āvai*—Alt. of *āvae* (q.v.).

𑒂𑒫𑒼𑒞 **आवोत**—आओत (दे०) केर अशु० रू० । गोधूलि २७ । *āvota*—Err. of *āota* (q. v.).

𑒂𑒬 **आश**—आशा (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मञ्जु० २८; प० त० २०१, यशोदा ११, कीर्तनानन्द १३१ (मोरी दरसने आश न पूरल); गो० श्र० १ अमर १५ (तुअ रस परश आश अब जीवइ गोविन्ददास परमान); राम० १५ (कि कहब आश पुराउ); चन्द्र० १०४ (आशक कबहु न ओर) । *āśa*—Poet. of *āśā* (q.v.).

𑒂𑒬𑒏𑓂𑒞 **आशक्त**—वि० । आसक्त (दे०) केर अशु० रू० । लीन, व्यस्त, रमल । [सं० आसक्त] । पुरु० ३१ (चौर्य्य कर्म्म आशक्त); पुरु० १६२ (अन्य स्त्रीक न रति आशक्त) । *āśakta—Adj.* Err. of *āsakta* (q v) Busy, attached.

𑒂𑒬𑒏𑓂𑒞𑒱 **आशक्ति**—योग्यता, बल, ताकत, आसक्तिकेर अशु० रू० । [सं०] । तु० क० ने० आशक्ति । पुरु० ११७ (मनक बुद्ध आशक्ति सौं प्रकृति बुद्ध धर्म नहि हान हेतु); मि० ६६ (जिनक आशक्तिक कयल गेल) । *āśākti*—Power, ability. Err. of *āsakti* (q v.).

𑒂𑒬𑒓𑓂𑒏𑒰 **आशङ्का**—डर, भय, सन्देह, अनिश्चय भावना । [सं०] । तु० क० बं०, अस०, ने०, आशङ्का हि० आशंका । मै० हि० सा० (८–१२) ४४ (एहि ठाम ई आशङ्का भए सकैत अछि) । *āśaṅkā*—Fear.

𑒂𑒬𑒓𑓂𑒏𑒱𑒞 **आशङ्कित**—वि० । डेराएल, भयभीत भेल । [सं०] । तु० क० हि० आशङ्कित; बं० अस०, ने०, अव० आशङ्कित । (चोर दुआरे राति मे आशङ्कित भए सुतैत छी) । *āśankita—Adj.* Who is afraid

𑒂𑒬𑒨 **आशय**—मतलब, अभिप्राय, इच्छा । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आशय । राम० ३६० (के बुझ नृपतिक आशय गूढ़); मो० १०४–१८ (जकर आशय ई छलन्हि); प्रण० ३१ (आशय बुझबामे भाङठ नहि रहल) । *āśaya*—Motive, intention.

𑒂𑒬𑒰 **आशा**—(१) अभिलषित वस्तुक प्राप्तिक थोड़ बहुत सम्भावनासँ सन्तोष । (२) दुष्प्राप्यकेँ पएबाक इच्छा तथा थोड़ बहुत सम्भावना । [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० आशा । गो० श्र० १; अमर १३ आशा पास जलाशय बैसलि प्रेम कलपतरु भूले); राम० १०७; मो० ६७–३३ (आशा एतबै); मै० हि० सा० १८ (इनकासँ देशोपकारक कोन आश); प्रण० ३१ (आशाकेँ परित्याग क अजवलालकेँ कहलथिन्ह); चित्रा ८१ (सत्य आशा सत्य थिक आयास) । *āśā*—Hope.

𑒂𑒬𑒰𑒞𑒲𑒞 **आशातीत**—आशासँ अत्यधिक बेशी । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आशातीत । मि० उद्० १५७–१७ (इनकालोकनिक आशातीत उत्तर); शकुन्तला १४ । *āśātīta*—Beyond hope.

𑒂𑒬𑒰𑒢𑓂𑒫𑒱𑒞 **आशान्वित**—वि० । आशासँ सन्तोष पावि, आशापर विश्वास कए, अभिलषित वस्तु पएबाक आशासँ । [सं०] । प्रबु० २६६ (पं० जी आशान्वित भए पूजा पर बैसि गेलाह) । *āśānvita—Adj.* Hopeful.

𑒂𑒬𑒰𑒪𑒞𑒰 **आशालता**—आशा रूपी लत्ती, अभिलषित वस्तु रूपी लत्ती । [सं०] । मै० हि० सा० ३ (२–३) (विविध १) (आइ आशा लता फड़ि गेल) । *āśālatā*—P.E. A creeper of hope.

𑒂𑒬𑒰𑒫𑒰𑒠𑒲 **आशावादी**—वि० । आशापर विश्वास कए-निहार । [सं०] । वेकफिल्डक पादरी १२१ । *āśāvādī—Adj.* Optimist.

𑒂𑒬𑒱𑒩𑓂𑒫𑒔𑒢 **आशिर्वचन**-आशीर्वादसँ ओत-प्रोत वचन, वाणी । [सं०] । राम १८० (आशिर्व्वचन कहल पढ़ि मन्त्र) । *āśirvvacana*—A speech full of blessing.

𑒂𑒬𑒱𑒩𑓂𑒫𑒰𑒠 **आशिर्वाद**—शुभ कामना, जीवाक हेतु देल गेल वचन । [सं०] । तु० क० ने० आशिर्वाद; आशिर्वाद । मो० १०६–१६ (ओ अहाँके आशिर्वाद करताह) । *āśrvāda*—Blessing.

𑒂𑒬𑒱𑒭 (𑒂𑒬𑒲𑓁) **आशिष (आशीः)**—आशिर्वाद (दे०) केर का० ओ संक्षि० रू० । राम २२ (नृपतिकाँ आशिष देलनि); मै० हि० सा० (३-३) (ई आशिष बारम्बार); सुभद्रा० ६ । *āśikha* (also watten as *āshīh* but prowned as *āśīkha*—*Poet.* and short forn of *āśīrvāda* (q.v.).

आशी आशी—सापक विषवला दाँत। [सं०]। तु० क० हि० आशी। राम० २५५ (आशी विष सम मारल बाण); अमर० ५२ (दाँतक नाम आशी)। *āśī*—Poisonous tooth of a snake.

आशीर्वाद आशीर्वाद—आशिर्वाद (दे०) केर वि० रू०। दर्श० २३ (लवङ्ग आशीर्वाद महैत); मो० ६७-३ (आशीर्वादक प्रार्थना करैत छी); प्रण० ७३ (तोर आशीर्वादसँ ई बहुत नीक ठाम गेल); चित्रा १२ (विधाताक संग आशीर्वाद लेल हमरा); पारो० १६ (आशीर्वाद देलन्हि मुदा मौन सँ नहि)। *āśīrvāda*—Alt. Sanskrit form of *āśirvāda* (q.v.).

आशीर्वादी आशीर्वादी—शुभ कामनाक हेतु देल गेल वचन, वस्तु रुपैआ वा प्रसङ्ग। [आशीर्वाद+ई]। मि० १४१ (एहि आशीर्वादी श्लोककेँ अर्थ सहित सुनला पर)। *āśīrvādī*—A gift or blessing in the form of money, words or things.

आशीविष आशीविष-जकरा दाँत मे विष हो अर्थात साप। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस० आशीविष। उदयन कथा २०२; २३६। *āśīviṣa*—Snake.

आशी(:)ष आशी(:)ष—आशिष (दे०) केर वि० रू० तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आशीष; सं० आशिस्, आसिख (दे०)। वि० पदा० मजु० १५०, ने० २४०, न० गु० १४, अ० ६६२ (अम्बर देख लेख दए आशीष); मैथिली भाषा २। *āśikha*—Alt. of *āśikha* (q.v.).

आशु¹ आशु¹—क्रि० वि०। (१) तीव्र; तेज। (२) शीघ्र, त्वरित। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस० आशु। राम० ३१४ (करथि प्रणाम आशु); महेश० ६५ (अगति देखि आशु उद्धारक)। *āśu¹*—*Adv.* Quick, Soon.

आशु² आशु²—आ(आँ)सु (दे०) केर विक० रू०। तु० क० बं० आशु। चन्द्र० २४६ (फेर अन्न आशु सूर्य देव सौं सुखाय); अमर २०० (खात गम्हड़ी आशु)। *āśu²*—*Alt.* of *āsu* (q.v.).

आशुतोष आशुतोष—वि०। तुरत होएनिहार, जल्दी सन्तुष्ट भेनिहार (महादेव)। तु० क० हि०, बं०, अस० आशुतोष। महेश० ५० (सुनु आशुतोष शिव दाता); मो० १३४-२ (मन्दिर आशुतोष शिवलिङ्गसँ विभूषित भै गेल); रुद्र० १२३ (परन्तु महादेव जी आशुतोष छथि)। *āśutoṣa*—*Adj.* Who is satisfied soon, Lord Siva.

आशे आशे—आश (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० १२३ (अवधि ओर भेल समय वेयापति जीवन वहि गेल आशे); गो० शृ० १, अम० १० (हिय बनसार हार नहि पहिरल जनिक परश रस आशे)। *āśe*—Poet. of *āśa* (q.v.).

आशेध आशेध—विनय पूर्वक माँग करब। [सं०]। वीर प्रसून २। *āśedha*—Respectful demand.

आशोआश आशोआश—समगतिवला श्वास। [सं० आश्वास]। गो० शृं० १ अम० २८ (से वर नागर कातर अन्तर छाँड़ल तसु आशोआश)। *āśoāśa*—Free breathing.

आशंका आशंका—आशङ्का (दे०) केर वि० रू०। प्रजा० (एक वेर अज्ञात आशंका सँदेह सिहरि उठलि); रुद्र० ४३ (यदि प्रजा विद्रोहक आशंका बुझि पड़तैक); रंग ४८ (प्रत्येक क्षण आशंका होय जे ल क कतहु खाथिमे नहि खसाबय); नव० ४८ (हुनक हृदय एक अपूर्व आशंकासँ आक्रन्न भ गेलन्हि)। *āśankā*—*Alt.* spelling of *āśaṅkā* (q.v.).

आशंसा आशंसा—(१) इच्छा (२) आशा (३) संकेत (४) कथन (५) कल्पना। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, आशंसा। मि० ४ (आशंसाक संग आर्तघोषणा हुनक कर्ण पर होएवे दुर्वह भै रहल अछि)। *āśansā*—Wish, speech, hope etc.

आशंसित आशंसित—वि०। (१) इच्छित (२) परिकल्पित (३) कथित (४) सोचल। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आशंसित। मि० २३३। *āśansita*—*Adj.* Wished, feared.

आश्चर्य आश्चर्य—अचम्भा, विस्मय, अजगुत; ओ मनोविकार जे कोनो नव, असाधारण, अभूतपूर्व वा बहुत पैघ बात बुझबामे नहि आबएवला देखला, सुनलासँ वा ध्यानमे अएला उत्तर उत्पन्न होइछ। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० आश्चर्य। राम० ६४ (कहि आश्चर्य लगाओल अंक); मि० उद्० १५८-२ (सबकेँ आश्चर्य होइत छल); मो० ६६-७ (निराकार आश्चर्य सुरुप); प्रण० १३६ (किन्तु आश्चर्य जे होम पूजा कैलो उत्तर); पारो २४ (हमरा आश्चर्य लागै जे ओहन मधुर पीतीक स्वभाव)। *āścarya*—Wonder.

आश्चर्यजनक आश्चर्यजनक—वि०। अद्भुत, अजगुत। [सं०] द्विरा० १६६ (बुच्ची दाइ आश्चर्यजनक उन्नति क गेलीह)। *āścaryajanaka*—*Adj.* Wonderful.

आश्चर्यान्वित आश्चर्यान्वित—क्रि० वि०। आश्चर्यसँ अन्वित अर्थात् अत्यधिक विशेष आश्चर्यसँ भरल। [सं०]। मि० ३०१ (समीपस्थ लोक विस्मित (आश्चर्यान्वित) भ गेल)। *āścaryānvita*—*Adv.* Excessively astonished.

आश्चर्यित आश्चर्यित—वि०। विस्मित; चकित। [सं०]। तु० क० हि०, बं०; अस०, ने० आश्चर्यित। मि० ५३८ (सभ लोक परिजन आश्चर्यित भेलाह)। *āścaryita*—*Adj.* To be astonished.

आश्य आश्य—माल जाल द्वारा खाएल वस्तुकेँ पाउजि करबाक हेतु मुँहमे आनब वा तकरा हेतु इच्छा। [सं०]। मो० उद्० १५८-२ (बैसाड़ परक पशु जकाँ आश्य उठला पर)। *āśya*-Taking out eaten food for rechewing.

आश्रम आश्रम—(१) ऋषि मुनिक निवास स्थान,

सन्त केँ रहबाक स्थान। (२) समस्त परिवार रहबाक स्थान, गृहस्थी। (३) जाति। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आश्रम। राम० २४ (एहि आश्रमक कहू की नाम); मो० ६७-१२ (एक आश्रममे निर्वाह करताह से नहि); प्रण० ३७ (आश्रम सम्मिलित छैन्ह की भिन्न); प्रण० १०२ (फिरल-फिरल पुरुक आश्रममे आबि); (अपने कोन आश्रम)। *āśrama*—The abode of saints or sages, household, one of the four stages of life, caste.

आश्रमी आश्रमी—वि०। (१) गृहस्थ आश्रम सम्बन्धी, सपत्नीक। (२) आश्रममे रहनिहार। (३) ब्रह्मचर्यादि चारू आश्रममेसँ कोनो एकके धारण करनिहार। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०; ने० आश्रमी। (आइकालिहक नवयुवक आश्रमी बनब पसिन्न नहि करैछ)। *āśramī*—*Adj*. Relating to household, married life.

आश्रय आश्रय—अवलम्ब, सहारा, आधार। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आश्रय। वर्ण० (आश्रय देखु कहसन); मो० ६७-१६ (सापक आश्रय सम्प्रति भेल अछि); मै० हि० सा० ६ (आश्रय नहि भेटलैक); मि० उद्० १५७-७ पाश्चात्य विद्याक आश्रय पर); पुरू० १४० (रस आश्रय थिक नाच); खट्ट० ३ (राजकीय आश्रय प्राप्त नहि छैन्हि); नव० २१ (दूनू एक दोसराक आश्रय छल)। *āśraya*—On which anything depends or rests.

आश्रयण आश्रयण—सहारा वा आधार लेबाक कार्य। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अ० आश्रयण। मो० ६८-१ (उक्त स्थानक आश्रयण करथु); पु० ३४ (जीविकाक आश्रयण करै छै)। *āśrayaṇa*—Having recourse to, relating.

आश्रयापेक्षणी आश्रयापेक्षणी—वि०। आश्रय वा सहाराकेर अपेक्षा वा चाहनिहार (स्त्री)। [सं० आश्रयापेक्षणी]। द्विरा० ३ (नारी लताक समान अबला तथा आश्रयापेक्षणी होइ छथि)। *āśrayāpekṣaṇī*—*Adj*. Fem. Who needs to depend on somebody.

आश्रवाणा आश्रवाणा—मुरजक ध्वनि विशेष। [सं० आश्रवण]। वर्ण० ४६ (म्रहके माने आश्रवाणा)। *āśravāṇā*—The sounds of a drum.

आश्रित आश्रित—वि०। दोसराक सहारा पर, सेवक, दास, दोसराक भरोसपर रहनिहार। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अव० आश्रित। वर्ण० ५ (तेँ आश्रित केश कपाल), राम० २३६ (वानर दल आश्रित दुइ भ्राता); चन्द्र० ६६ (बड़ लोकक आश्रित मङ्गन); द्विरा० ६ (ओ सर्वदासँ पुरुष पर आश्रित रहैत आइलि छथि)। *āśrita*—*Adj*. Dependant.

आश्लेष आश्लेष—(१) आलिंगन (२) थोड़ परिचय। [सं०]। तु० क० हि० आश्लेष। गणेश खण्ड २१; धातु पाठ ६०। *āśleṣa*—Slight, contact, embrace.

आश्वस्त आश्वस्त—निर्भय, मनमे सन्तुष्टि। [सं०]। रंग १४१ (ई विचारि क जी किछु आश्वस्त भेल)। *āśvasta*—Some satisfaction, fearless.

आश्वादन आश्वादन—स्वादि-स्वादि कए स्वाद बुझब। [सं०]। प्रण० ८ (घृतक आश्वादन करए लगलाह) *āśvādana*—To taste.

आश्वास आश्वास—(१) सांत्वना, आशा प्रदान (२) पूर्ण रूपेण श्वास लेब। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० आश्वास। वर्ण० ३ (आहारख आश्वास); राम० ८६ मिलि मिलि देल बहुत आश्वास)। *āśvāsa*—Conrolation.

आश्वासन आश्वासन—सांत्वना, आशा प्रदान, धैर्य। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अव० आश्वासन। मो० ३ ३ (अछि विश्वास देब आश्वासन वैसब नहि अनठाए); प्रण० ७ (पाहुन आश्वासन देबए लगलाह); कन्या० २४ (आश्वासन देबय लगलथिन्ह); न० ३३ आशा ओ आश्वासन केर संकर हरण मन्त्र)। *āśvāsana*—Consolation.

आश्विन आश्विन—ओ मास जकर पूर्णिमा अश्विनी नक्षत्र मे पड़ैक, आसिन। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० आश्विन। राम० ३६८ (आश्विन शिशि सम्प्राप्त); मि० उद्० १५७-३ (आश्विनक पूर्णिमाक ग्रहणक अवसर पर); मो० १७१-४ (आश्विन धरि पञ्चआएल अङ्क कै प्रकाशित भेला पर कातिकसँ यथा समय पूर्णिमाक प्रातः कालसँ प्रकाशित होएब)। *āśvina*—Name of a month, *āsina*.

आषाढ़ आषाढ़—ओ चान्द्रमास जकर पूर्णिमाकएँ पूर्वाषाढ़ नक्षत्र हो, मैथिलक हिसाबेँ चारिम मास। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस० ने०, अव० आषाढ़। वर्ण० १३ (आषाढ़क छणीक काटल वीर); गी० सं० १-५२ (अन्तर आवय आषाढ़। विरही वेदन वाढ़); चित्रा ६१ (आइ थिक आषाढ़ वदि षष्टि)। *āṣārha*—Name of a month.

आषाढ़दण्ड आषाढ़दण्ड—सन्यासीक दण्ड। [सं०] वर्ण० ४३ (आषाढ़दण्ड कृष्णाजिन, कमण्डलु)। *āṣārhadaṇḍa*—The staff of a *sannyāsī*.

आषाढ़ी आषाढ़ी—आषाढ़ मासक पूर्णिमा। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, आषाढ़ी। आमक० ५६ (आषाढ़ी वृष्टिक संग स्वादक अनुभव सासुरहिमे पाँच सात दिनक कएल जाय)। *āṣārhī*—Full moon night of *āṣārha* (q.v.).

आषि आषि—आँखि (दे०) केर प्रा० लु० रू०। वर्ण० ५ (भ्रमरक बइसल अइसन आषि); वि० ने० २३४ (मलेहु तेजल आबे आषिक लाज)। *āṣi*—*Old*. Obs. of *ākhi*. (q.v.).

आस आस—आसा (दे०) केर का० रू०। का० २१३ (धूर जाहि रहजित आस); मा० का० २१६ (धुरब भगत जन सबहुक आस); FML 90, 310, 96; 189, BPL 1080, 1091, चन्द्रा० 914, 0 AL 66, भौरङ्ग विजय ३ (ख) (भनइ विद्यापति

दुरे-दुरे आस); वि० पदा० मजु० १३, न० गु० (हर) ३८, अ० ६४५ (उपोसि होयत परतरक **आस**); मन० (६३ कवि मन कृष्ण पुरा-बथु **आस**); राम० १०५ (तनिको दास एक मन **आस**); कन्या ११ (हिनके परत **आस**) मो० ६७—७ (दै **आस**,; (आउ वाउ जे बहे वसात, त करिह वग्खाकेर आस) । *āsa*—Poet. of *āsā* (q.v.).

𑒂𑒮𑒏𑒞𑒱 आसकति—अशक्त, आलस्य (दी०) । [सं० आलस्य] । (**आसकतिक** लेखे गंगा बड़ी दूर) = आलस्यसँ सब किछु कठिन बुझि पड़ैछ । *āsakati*—Laziness.

𑒂𑒮𑒏𑒞𑒲 आसकती—वि० । आलस्य करनिहार । [सं० आलस्य] । प्रवास जीवन ३० । *āsakatī—Adj.* Lazy.

𑒂𑒮𑒏𑒴𑒩 आसकूर—दूर, असमीप (दी०) । [अ + सुकर] । *āsakūra*—Far, not near.

𑒂𑒮𑒏𑓂𑒞 आसक्त—वि० । अनुरक्त, लीन, व्यस्त, लिप्त । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० आसक्त । प्रण० १७७ (विषयमे **आसक्त** नहि होथि) । *āsakta—Adj.* Devoted, attached.

𑒂𑒮𑒏𑓂𑒞𑒱 आसक्ति-लगन, चाह, लिप्तता, अनुरक्ति । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० **आसक्ति** । *āsakti*—D evotionattachment, bsfatuation.

𑒂𑒮𑒓𑓂𑒑 आसङ्ग—संग, अनुरक्ति, लिप्तता, सम्बन्ध । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० राज० **आसङ्ग**; प्राकृ० **आसंग**, म० **आसंगो** । पुरु० २६१ (एक **आसंग** ओ ईसर आधीन) । *āsaṅga* Attachment, devotion.

𑒂𑒮𑒞𑒱 आसति—आसक्ति (दे०) केर का० रू० । वि० वि० ने० ११ (जैसनि सम्पति तैसन **आसति**) । *āsati—Poet.* of *āsakti* (q.v.)·

𑒂𑒮𑒞𑒹 आसते—आस्ते (दे०) केर अशु० रू० । FML 551 । *āsate*—Err. of *āste* (q.v.).

𑒂𑒮𑒢 आसन—वैसवाक वस्तु, जाहि पर वैसल जाए, योगी-सभक वैसवाक विभिन्न ८४ आसन । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० पा० आसन; राज० प्राकृ० आसण । वर्ण० १२ (**आसन** आसनओट); गोरच विजय ५ (ख) (**आसन** के अवकासह ठाम); वि० ने० ५८ (चरण पखालन (कए) **आसन** दान); राम २८४ (दृढ़ **आसन** से अनत न ताक); मो० १००—४ (**आसन** देवाके अभिलाषा केने छलाह); मै० हि० सा० १७ (**आसन** वैसि अनामय कहिय उदार); महेश० २७ (जगदाधर के **आसन** दैह); गौरी परिणय ४ (**आसन** गोरि मृग छाल बनाओल); प्रण० ७ (**आसन** पानि धरबा लेलन्हि); पारो ६५ (इय अचल मेल **आसन** पर वैसल रही) । *āsana*-Seat, sitting, yogic exercise or devotional posture.

𑒂𑒮𑒢𑒅𑒡𑒱 आसनउधि—लु० रू० । प्राचीन समयमे राजाक सन्निकट सभामे रहनिहार अधिकारीक नाम । [सं० आसना-रूढ़] । वर्ण० ६ (**आसनउधि** अङ्गिमानी) । *āsanaudhi—Obs.* Name of a ramk in the court.

𑒂𑒮𑒢𑒍𑒙 आसनओट—लु० रू० । आसन पर वैसवाक समय ओङठबाक हेतु देल गेल वस्तु [आसन + ओङठव > ओट] । तु० क० **मसनद** । वर्ण० १२ (आसन **आसनओट**) । *āsanaota—Obs.* Back support or cushion.

𑒂𑒮𑒢𑒰𑒮𑒲𑒢 आसनासीन—वि० । आसनपर आसीन वा वैसल । [आसन + आसीन] । मि० मित्र २२ (जे देश अथवा जाति कहियो उन्नतिक **आसनासीन** छल से आइ अवनतिक गर्तमे धसल जाइछ) । *āsanāsīna—Adj.* Euthroned.

𑒂𑒮𑒢𑒲 आसनी—छोट आसन, वैसवाक आसनसँ छोट । [आसन + ई] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० राज० उर्दू **आसनी, आसनि**; BPL 773; नव० २६ (कंवलक **आसनी** पर वैसल रहथि) । *āsanī*—A small mat for sitting.

𑒂𑒮𑒢𑓂𑒢 आसन्न—वि० । (१) मृत्युकाल, (२) लग, प्राप्त (३) जकर समय लग आबि गेल छैक । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज०, पा० **आसन्न**; प्राकृ० **असरण**; सि० **असही** । श्री श्याम ६४ । *āsanna—Adj.* Near, approximate.

𑒂𑒮𑒢𑓂𑒢𑒦𑒴𑒞 आसन्नभूत—भूतकालक एक भेद । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० **आसन्नभूत** । *āsannabhūta*—Present continuous tense.

𑒂𑒮𑒣𑒰𑒮 आसपास—क्रि० वि० । अगल-बगल, एमहर ओमहर, लगमे । [पदव्यत्यय, शब्दानुकरण आस + सं० पार्श्व > पास] तु० क० हि०, बं०, अस० ने०, अव०, राज **आस-पास** । (**आस-पास**मे कियो नहि रहए जे ककरो कहितिऐक) । *āsapāsa—Adv.* Near.

𑒂𑒮𑒧𑒩𑓂𑒠 आसमर्द—जोरसँ हल्ला होएब, सर्वत्र हल्ले, [आ + फा० गर्द] । चि० १८ (ढोल मरिमे भ गेल **आसमर्द**); पारो १३ (ओ **आसमर्द** कैलथिन्ह) । *āsamardu*-Clamour, din.

𑒂𑒮𑒧𑒰𑒢 आसमान—आकाश, गगन, व्योम । [फा०] । तु० क० हि० **आसमान**; राज० **आसमाण आसमान**; उर्दू **आस्मान** । (**आसमान टूटब**) = आकस्मिक विपत्ति पड़ब; (**आसमान** पर चढ़ब) = घमण्ड करब । *āsamāna*—Sky.

𑒂𑒮𑒧𑒰𑒢𑒲 आसमानी—वि० । (१) आसमान (दे०) क रंगक सदृश, हल्लुक नील सन (२) दैवी, ईश्वरीय । [फा०] । तु० क० हि०, उर्दू **आसमानी**; राज० **आसमाणी** । (**आसमानी** रंगक ब्लाउज त आओर आइकालिहक फएसन भ गेल अछि) । *āsamānī—Adj.* Azure.

𑒂𑒮𑒧𑒳𑒠𑓂𑒩 आसमुद्र—क्रि० वि० । समुद्र तक, समुद्र पर्यन्त । [सं०] । तु० क० हि०, राज० **आसमुद्र** । पुरु० २६ (**आसमुद्र** पृथ्वीक शासन करयित छलाह); उदयन कथा ६८ । *āsamudra—Adj.* Up to the sea shore.

𑒂𑒮𑒩 **आसर**—सीमा, अन्त, छोर। [सं० प्रसार शब्दानुकरण]। तु० क० हि०, राज०, बं० आसर। मि० इ० ४२६ (राजभवनक आसर प्रसार बढ़ैबाक हेतु एक मीलक)। *āsara*—Expanse.

𑒂𑒮𑒩𑒧 **आसरम**—आश्रम (दे०) केर ग्रा० रू०। [शब्द कोष दी०; FML 634]। तु० क० हि०, राज० आसरम। *āsarama*—Folk form of *āśrama* (q.v.).

𑒂𑒮𑒩𑒰 **आसरा**—अवलम्ब, सहारा, आधार, आश्रय। [सं० आश्रय]। तु० क० म०, हि०, आसरा; आश्रय; कु० गु० आसरो; प्राकृ० आउरअ। नव० १०५ (तोरे आसरा अछि आब); चन्द्रकला ११। *āsarā*—Retreat, hope.

𑒂𑒮𑒫 **आसव**—मात्र जड़ी बुटी एवं फलसँ बनाओल। गेल मद्य वा औषधि; अर्क, उत्तेजन। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज०, अव०, प्राकृ० आसव। रंग १५३ (आसव पिआ होश करबै छथिन्ह); विद० १३६ (अंगूरमे जे आसव बनि जाइत अछि); शत० ८ (की आलस्यक आसव सेवी); कोबर गीत २४। *āsava*—Juice of fruit, wine, intoxicant drug.

𑒂𑒮𑒫𑒧𑒰𑒞𑒰 **आसवमाता**—लु० रू०। मद्यसँ मत्तल ए [आसव + मत्त > माता]। चर्या० ६/२२ (कान्ह विलसय आसवमाता)। *āsavamātā*—Intoxicated with wine.

𑒂𑒮𑒯𑒱 **आसहि**—आस (दे०) केर नि० रू०। वि० पदा० मजु० १.७, तालपत्र न० गु० ८०२, अ० ८०३ (आज धरिये हम आसहि अछलिहु)। *āsahi*—*Emph.* of *āsa* (q.v.).

𑒂𑒮𑒰 **आसा**—आशा (दे०) केर ग्रा० रू०। गोरक्ष विजय २ (क) (भनइ विद्यापति पुरबधु आसा); वि० पदा० मजु० २४, न० गु० तालपत्र ५२, नेपाल ७६, बखदा ३४८, अ० ७६ (आसा लुबधल न तेजय रे); BPL 1193; FML 404; चर्या० ४५/१। *āsā*—*Coll.* of *āśā* (q.v.).

𑒂𑒮𑒰𑒠𑒰𑒩 **आसादार**—आशा पुरावकला वि०। प० ५५। *āsadāra*—One who fulfils hopes P.F.

𑒂𑒮𑒰𑒠𑒱 **आसादि**—लु० रू०। संग्रह करकेँ। [सं० आसाद्य]। वर्ण ६५ (ये द्रव्य से आसादि हलुअह)। *āsādi*—Having obtained.

𑒂𑒮𑒰𑒢 **आसान**—वि०। सहज, सरल, सौक, मामूली। [फा०] तु० क० उर्दू, हि०, बं०, अस० आसान; राज० आसांग आसान। (आसान कार्य त सभ कए लैत अछि मुदा कठिन कार्यसँ डेराइत अछि)। *āsāna*—*Adj.* Easy.

𑒂𑒮𑒰𑒢𑒲 **आसानी**—सरलता, सुगमता, सुभीता। [आसान + ई]। तु० क० हि०, उर्दू, बं०, आसानी; राज० आसाणी, आसानी। *āsānī*—Ease, convenience.

𑒂𑒮𑒰𑒧 **आसाम**—भारतक एक राज्य वा प्रान्त, ई बंगालक उत्तरमे अछि तथा एकरा पहिने कामरूप कहल जाइत छलैक। [देश०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० रा० आसाम। (आसाम केँ सम्प्रति असम कहल जाइत छैक)। *āsāma*—Name of State in India.

𑒂𑒮𑒰𑒧𑒲 **आसामी**—(१) आसाम प्रान्तक वासी। (२) काश्तकार। (३) धनवान वा प्रतिष्ठित व्यक्ति। (४) आसामक भाषा। (५) देनदार। [आसाम + ई]। तु० क० हि०, बं० अस० ने०, (असमिआ शुद्ध नाम वैदिक भाषाक)। (५) देनदार मोकीर, ग्राहक आश्रित। तु० क० राज० आसामी। *āsāmī*—Assamese language, rich gentleman, inhabitant of Assam, client.

𑒂𑒮𑒰𑒨𑓀 **आसायँ**—लु० रू०। आशासँ, आशाक हेतु। [आसा + एँ = यँ]। वि० पदा० मजु० ३६, न० गु० १०४, तालपत्र नेपाल १८, अ० ११६ (आसायँ मन्दिर निशि गमाओल)। *āsāyā*—*Obs.* Towards hope.

𑒂𑒮𑒰𑒩 **आसार**—धारा, सम्पत्ति, मूसलाधार वृष्टि, आक्रमण, शत्रुक सेनाकेँ घेरबाक कला। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० आसार। वि० पदा० मजु० १०, न० गु० (नाना) अ० १००८ (विसम शार आसार); अव० १६० (धारा सम्पत्ति आसार)। *āsāra*—Thick rain, an art to defeat the enemy.

𑒂𑒮𑒰𑒩-𑒣𑒩𑒮𑒰𑒩 **आसार-प्रसार**—ओआति, महत्व, शक्ति। [आसार + सं० प्रसार] तु० क० असार-पसार (दे०) शब्दानुकरण। मि० ३३६ ई (ओकर आसार-प्रसार जो आब किछु बुझलैहि)। *āsāra-prasāra*—Energy extent.

𑒂𑒮𑒰𑒫𑒩𑒱(𑒲) **आसावरि(री)**—रागक भेद। [सं०]। तु० क० हि० आसावरी। वि० वि० ५ (आसावरी म); सा० का० २१२ (आसावरी "ए")। *āsāvari(rī)*—Name of a *Rāga* (q.v.).

𑒂𑒮𑒱𑒐 **आसिख**—आशिष (दे०) केर ग्रा० रू०। मन० कृष्ण० १३ (आसिख दय हरि हृदय लगाओल)। *āsikha*—*Coll.* of *āśiṣa* (q.v.).

𑒂𑒮𑒱𑒢 **आसिन**—आश्विन (दे०) केर विकृ० रू०। वि० पदा० मजु० १३१, मिथिला न० गु० ७२६, अ० ७२ (आसिन आस घरू चित्त); चित्रा ७२ (आसिन मासक राति इजोरिआ); (आसिन मास जे बहे इसान, परबत तारि के चले पानि)। *āsina*—*Alt.* of *āśvina* (q.v.).

𑒂𑒮𑒱𑒩𑒫𑒰𑒠 **आसिरवाद**—आशिर्वाद (दे०) केर ग्रा० रू०। (दी०)। *āsirvāda*—*Coll.* of *āśirvāda* (q.v.)

𑒂𑒮𑒱𑒭(𑒮) **आसिष(स)**—आशिष (दे०) केर विकृ० रू०। वि० ने० २२६ (अम्बर सेष लेष दय आसिष) वि० पदा० मजु० ५५३ (अबला जन सौं आसिस लेथु)। *āsiṣa(sa)*—*Alt.* of

āsiṣa (q. v.).

আসীন **आसीन**—वि०। बैसल, विराजमान। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० आसीन। राम० १०२ (महासन आसन आसीन); महेश० ५० (विषयमे मन आसीन); हिरा० ४५ (श्वेत शिलाखण्ड पर आसीन भय)। *āsina—Adj.* Seated.

আসু **आसु**—आँसु (दे०) केर विक० रू०। चन्द्र० ३२६ (धनुहा आसुक चूड़ा खाय); चि० ६२ (धान गम्हड़ी असु मडुआ)। *āsu—Alt.* of *āsu* (q.v)).

আঁসু **आँसु**—एक प्रकारक धान। ई भादवने होइछ। [सं० आशु]। तु० क० पा० आसु; अस० आहु। व्य० वि० ११४ (ओहने वनल आँसु गम्हड़ी)। *āsu*— A kind of paddy.

আসুর **आसुर**—वि०। राक्षसी (भाव, सम्बन्ध); असुर सम्बन्धी। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस० ने०, राज० आसुर। वि० ने० ६० (आसुर करमे सफल भेल काज); अग्रदूत ३४। *āsura—Adj.* Demonic.

আসুরী **आसुरी**—वि०। स्त्री०। राक्षस सम्बन्धी, राक्षसी। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० आसुरी। मि० मित्र १३२-३३ (त्रेतायुगमे जखन रावण अपन आसुरी बलक प्रभावसँ मदोन्मत्त भै समस्त ब्रह्माण्ड पर नाना प्रकारक अकथनीय अत्याचार करय लागल). *āsuri—Adj. Fem.* Relating to a demon.

আসে **आसे**—आस (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० ७८, तालपत्र न० गु० २४२, अ० २४२ (ओतए अछए पिया आसे)। *āse—Pot* of *āsa* (q. v.).

আসেধ **आसेध**—आज्ञा। [सं०]। तु० क० हि०, बं० अस०, अव०, ने०, राज० आसेध। मि० १४६ (राजपद ग्रहण करबाक हृद आसेध कयल गेलैन्हि); एकावली परिचय ४०। *āsedha*—Order.

আসেধেঁ **आसेधेँ**—आज्ञासँ। [आसेध+एँ]। मि० २४७ (हुनक आसेधेँ ओतय जाय बसबाक विचार कै)। *āsedhẽ*—By order.

আসের **आसेर**—आधा सेर, एक सेरक आधा। [सं० अर्द्ध+देशी-सेटक>सेर]। FML 144,378. *āsera*-Half sceer.

আস্তিক **आस्तिक**—वि०। (१). ईश्वर; वेद, परलोक आदि पर विश्वास करयवला। (२) ईश्वरक अस्तित्व के माननिहार। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, राज०, अव०, ने० आस्तिक। मो० १७४-५२ (आस्तिक हिन्दू जातिक विश्वास अछि); खट्ट० ८६ (के आस्तिक के नास्तिक एकर मीमांसा केनिहार के अछि)। *āstika—Adj.* One who beliwes in the existence f Goop.

আস্তিকতা **आस्तिकता**—वेद, ईश्वर, परलोक पर विश्वास। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०; अव०, ने०, राज० आस्तिकता। (आस्तिकता परिपोषक हिन्दू समाजमे विशेषरूपेँ पाओल जाइछ)। *āstikatā*—Belief in the existence of God.

আস্তীক **आस्तीक**—तक्षक साधक प्राण बचओनिहार एक ऋषि। [सं०]। तु० क० हि०, राज०, बं०, अस०, ने० आस्तीक। (सुतबाक समय साप नहि काटय तएँ लोक आस्तीक आस्तीक कहि सुतैत अछि)। *āstīka*—Name of ṛsi who saved the snake Takṣaka.

আস্তীন **आस्तीन**—बहुँआ, पहिरबाक कपड़ाक ओभाग जाहिसँ बाँहि भाँपल जाइछ। [फा०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० आस्तीन। (आस्तीन केर साप) = ओ व्यक्ति जे मित्र रहितौ शत्रुता करए; (आस्तीन मे साप पोसब) = शत्रु वा अशुभचिन्तक केँ अपना संग राखि ओकर पोषण करब। *āstīna*—Sleeve.

আস্তে **आस्ते**—अव्य। कनिनेँ जोर सँ, धीरे। [अर० आहिस्तह]। तु० क० हि० आहिस्ता, आस्ते; अस० अस्ते। FML 575; कुमार ससरफानी २२। *āste—Ind.* Slowly.

আস্থা **आस्था**—(१) श्रद्धा, भक्ति, (२) विभव, हालत, धन। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज०, अव० आस्था; प्राकृ० आत्था; आंट्ठा; प० आथड़ी। मो० ६७-१० (अपन अपन आस्था नहि देखब); रंग ६८ (हमरा भगवान मे विशेष आस्था नहि); नव० २ (अइ सभ दिश लोकके आस्था रहलइक नहि)। *āsthā*—Devotion, condition, wealth.

আস্থান **आस्थान**—दरबार बैसबाक स्थान, सभास्थल, बैठका। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज०, अव० आस्थान पा० अत्थान; प्राकृ० अत्थाण; अथो। वर्ण० १ (आस्थान मण्डप देखु); वर्ण ४६ (आस्थानक भीतर भउअह), अम० १६० (आस्थानी आस्थान)। *āsthāna*—Place for sitting, assembly hall.

আস্থাবান **आस्थावान**—वि०। भक्त वा श्रद्धा रखनिहार। [सं०]। नव० ६८ (प्राचीन परम्पराक प्रति आस्थावान रहितहुँ)। *āsthāvāna—Adj.* Devoted.

আস্থাবালী **आस्थावाली**—वि०। भक्ति वा श्रद्धावाली (स्त्री), धनाढ्य स्त्री। [आस्था+वाली]। लाठा लाठी (?) १०७। *āsthāvālī—Adj.* Devoted lady, wealthy woman.

আস্ফালন **आस्फालन**—छरपटाएब। [सं०]। तु० क० हि० आस्फालन। मेघ० १०६ (निष्कापन आस्फालन कओ जनि शूल)। *āsphālana*—Stir.

আস্ফালি **आस्फालि**—आस्फालन (दे०) केर पू० क्रि० रू०। मेघ० ३३। *āsphāli—Part* of *āsphālana* (q. v.).

আস্ফোট **आस्फोट**—वि०। ताल ठोकनिहार, ताली बजओनिहार। [सं०]। *āsphoṭa—Adj.* A blabber.

𑒂𑒮𑓂𑒨 आस्य—मुँह, मुखमण्डल, चेहरा। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज०, **आस्य**। अम० १४४ (वक्त्र **आस्य** वदन तुण्ड)। *āsya*—Face.

𑒂𑒮𑓂𑒫𑒮𑓂𑒞 आस्वस्त—आश्वस्त (दे०) केर विकृ० रू०। प्रग० १६८ (पंडितजी **आस्वस्त** भए पुनः पूजापर बैसलाह)। *āsvasta*—*Alt.* of *āśvasta* (q.v.)

𑒂𑒮𑓂𑒫𑒮𑓂𑒟𑓂𑒨 आस्वस्थ्य—अस्वस्थ, दुखित, रोगी। [सं०]। मि० २५० (ई अपन आस्वस्थ्य आदिक व्याजेँ ओतय जायब अस्वीकार कैल)। *āsvasthya*—Sickness.

𑒂𑒮𑓂𑒫𑒰𑒠𑒢 आस्वादन—रस लेब, स्वाद बुझब, मजा लेब। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, **आस्वादन**। मि० मिश्र ४३१ (अधर सुधा रस **आस्वादन** हित कैल युवक अभिलाषा); पुरु० २०० (कर्पूर लवङ्गक **आस्वादन** करथि)। *āsvādana*—The act of tasting.

𑒂𑒮𑓂𑒫𑒰𑒠𑒱𑒞 आस्वादित—वि०। स्वादल, रसक आस्वादन कयल गेल। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० **आस्वादित**। (**आस्वादित** वस्तुक अलावा दोसर वस्तु आनू)। *āsvādita*—*Adj.* Tasted.

𑒂𑒯^{1} आह^{1}—कष्ट, दुख, पीड़ा, वेदना। [सं० आः]। FML 570। तु० क० आह आलम। राम० ६६ (**आह आह** की कए निदान)। *āha*^{1}—Suffering.

𑒂𑒯^{2} आह^{2}—आएब (दे०) केर आज्ञा० रू०, आबह केर का० रू०। वि० ने० ७२ (काज के कारणे आगु न आह)। *āha*^{2}—Imp. of *āeba* (q. v.), P. F. of *ābaha*.

-𑒂𑒯^{3}-आह^{3}—प्रत्यय। (१) अल् अर्थमे गुणवाचक नामसँ आह प्रत्यय अबैछ। ल० वि० ३६ मधुरसँ **मधुराह** आमतसँ **आमताह**। (२) युक्त अर्थमे सेहो आह प्रत्यय अबैछ। यथा ल० वि० ३५ तामस सँ युक्त **तमसाह**; पानि सँ युक्त **पनिआह**। तेलसँ युक्त **तेलाह**; खुद्दीसँ युक्त **खुदिआह**। (३) प्रभेद अर्थमे आह प्रत्यय अबैछ। यथा ल० वि० ४३ बातसँ युक्त **बताह**। (४) तुल्य व्यवहार कएनिहारक अर्थमे। यथा ल० वि० ५३ बाभनसं **बभनाह** राड़सँ **रड़ाह**। (५) अहा प्रत्यय के पुलिंगमे आह प्रत्यय होइछ। यथा ल० वि० ११६ (हओ, तोँ के भिकाह); (६) तच्छील कर्त्तामे ओ क्रियामे अभ्यास एवं कौशल प्राप्त कएनिहार कर्त्तामे आह अबैछ। यथा ल० वि० १३५ **अगुताह** **डगमगाह**; **बिसराह**। *āha*^{3}—A suffix.

𑒂𑒯 𑒂𑒯 आह आह—कोनो जानवर लापशुकेँ सोर करबाक स्वर वा आवाज। [आएब]। मिहिर ७ (२-६१-५३)। *āha āha*—Calling word for a pet animal or creature.

𑒂𑒯𑒙(𑒙𑒱) आहट(टि)—अएबाक संकेत वा पगध्वनि [आ + हट प्रत्यय]। तु० क० हि० **आहट**। राम० ६७ (पद **आहट** से सुनि बजलाह); मि० २६४ (पदेरक **आहटि** सिपाहीक कर्णगोचर होइतहिँ)। *āhaṭa(ṭi)*—Sound of coming.

𑒂𑒯𑒞 आहत—वि०। जाहि पर आघात भेल होइक, घायल [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० राज० आहत। आमक० ३३ (मुसाइकाक **आहत** शरीर)। *āhata*—*Adj*—Wounded.

𑒂𑒯𑒩^{1} आहर^{1}—आहरा (दे०) केर का० रू०। वि० ने० १५२ (द्विज **आहर आहर** सुत (नन्दन) न पुन आरम्भ कामा)। *āhara*^{1}—Poet. of *āhāra* (q. v.).

𑒂𑒯𑒩^{2} आहर^{2}—खेत लगक जलाशय (दी०); ओ खाधि जाहिसँ जल बहार कए पटाओल जाइ। [सं० आ + सं० हृ]। तु० क० आहर पइनि, हि० आहर। *āhara*^{2}—A tank, ditch or nullah situated near the field.

𑒂𑒯𑒩𑒝 आहरण—एक वस्तुकेँ दोसर स्थानपर लए जायब, स्थानान्तरण, हरि लेब, छीनि लेब। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, ने०, अव०, अस०, राज० **आहरण**। वर्ण० ३ (से वान **आहरण**); मुद० ८। *āharaṇa*—The act of snatching or transferring.

𑒂𑒯𑒩𑒰 आहरा—आहार (दे०) केर बा० रू०। (चिड़ै चुनमुनी खोतामे अपन बच्चा सभके आहरा दैत प्रमुदित बुझा रहल अछि)। *āharā*—*Call.* of *āhārā* (q.v.).

𑒂𑒯𑒪 आहल—परिमाण विशेष (दी०)। [सं०]। *āhala*—A measure.

𑒂𑒯𑒫 आहव—(१) रण, युद्ध, लड़ाइ (२) आह्वान (३) यज्ञ। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज०, अव० **आहव**। कीर्तिलता ६७ (तह **आहव** माहर सत्तु केर बाणासुर जुज्झइ बत्त भरें); की० प० ८ (ततिहुँ केवआ कलजे **आहव** मधुरा पुरि इसवमू); वि० पदा० मजु० १५६ (पं० रामनाथ झा)। *āhava*—Battle, challenge.

𑒂𑒯𑒫𑒰𑒢𑒹 आहवाने—आह्वान (दे०) केर प्रा० छु० रू०। वर्ण० ३२ (**आहव** ने, काचने नचने)। *āhavāne*—*Old.* Obs. of *āhvāna* (q.v.).

-𑒂𑒯𑒰^{1}-आहा^{1}—प्रत्यय। उत्पन्न भेनिहार एवं रहनिहार दूनू भाव कहबैत अछि। भाव अर्थमे आहा प्रत्यय अबैछ। ल० वि० ३८ दक्खिनसँ **दक्षिनहा**। *-āhā*^{1}—A Suffix.

𑒂𑒯𑒰^{2} आहा^{2}—अव्य। खेद वा क्लेशसूचक शब्द। वि० पदा० मजु० ११८, नेपाल १४७, न० गु० तालपत्र ६२७, अ० ६३३ (दहए दुलिए ममरि करुणा कर, आहा दइ आइ की भेल)। *āhā*^{2}—*Ind.* An interjectional expression.

𑒂𑒯𑒰𑒩 आहार—(१) भोजन, खएबाक वस्तु। (२) भोजन करब। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, राज०, ने०, अव०, म० गु० आहार। राम० ७५ (कन्द मूल फल सभ **आहार**); चन्द्र० ४० (नित विष तिष **आहार**); मो० ६६-१ (**आहार** निन्द, भय, मैथुन देह, ज्ञान, पक्षी, मनुष्य कै जगमे समान); पुरु० ७६ (सभदिन आहार

आनि देल करथि)। *āhāra*—Food, the act of taking food.

আহাৰ বিহাৰ आहार विहार—खाएब पीअब तथा सुतबाक व्यवहार। [सं०]। तु० क० हि०, अस०, बं०, आहार विहर। *āhāra vihāra*—System of eating, drinking, and sleeping.

আহাৰা आहारा-आहर (दे०) केर बा० रू०। [आहार+आ]। चर्या २१/१। *āhārā*—*Coll*, of *āhāra* (q.v.).

আহি आहि—आश्चर्य एवं खेद सूचक शब्द। वि० पदा० मजु० ५४२ (मार मनोज परम सर अहि); गो० स्थ० १; अम० ३३ (सुनि धनि राइ आहि कहि उठलि योगि निअर नहि जाव); कन्या० ५८ (आहि! की कहू?); चित्रा १३ (आहि रे कनियाँ आहि रे अहिवात); शत० ४ (आनन मे मेहदी आहि)। *āhi*—Word indicating suffering.

আহি-আলম आहि-आलम—ताल-तलवा जानिओ कें ताल करब वा छिड़िआएब वा कष्टक प्रकाश करब। (आहि+फा० आलम अथवा सं० आलम]। मिहिर १८ (२-६१-७३)। *āhi-ālama*—Deliberate, show of pain.

আহি ৰে (বাঁ) आहि रे (वा)—अव्यय। खेद व्यंजक शब्द (दी०)। [आहि+रे+बाप]। *āhi re (bā)*—Ind. An expression of pain.

আহিস্তে आहिस्ते—आस्ते (दे०) केर हिन्दी रू०। मिहिर ३३-६-१० (सुत कटनाइ आहिस्ते आहिस्ते गुम्म सुम्म कै का पड़ैछ)। *āhiste*—Original form of *āste* (q.v.).

-আহী -आही—प्रत्यय। उत्पन्न मेनिहार ओ रहनिहार भाव कहबैत अछि। भव अर्थमे आही प्रत्यय अबैछ। यथा ल० वि० दखिन सँ दखिनाही (मनुष्य)। मि० मा० वि० ६१। *-āhī*—A Suffix.

আহু -आहु- प्रत्यय। (१) युक्त अर्थमे-आहु प्रत्यय लगैछ यथा ल० वि० ४६ बएस ओ झगड़ा सँ अधिक वएससँ युक्त वएसाहु; अधिक काल झगड़ासँ झगड़ाहु। (२) कर्त्तामे उसर आदि धातुसँ आहु प्रत्यय लगैछ। यथा ल० वि० १३५ उसर सँ उसराहु=अधिक उसर रहनिहार; उपजसँ उपजाहु=अधिक उपजनिहार। *-āhu*-Saffix.

-আহুত¹-आहुत¹—प्रत्यय। स्वार्थिक से कहबैत अछि जे प्रकृतिक अर्थसँ कोनो विशेष अर्थकेँ नहि बुझबैत अछि अथवा प्रकृतिक अर्थमे उत्कर्ष वा अपकर्ष, गुरुत्व वा लघुत्व बुझबैत अछि। स्वार्थिक प्रत्यय आहुत रहलाक कारणेँ निम्नलिखित शब्दमे व्यवहृत होइछ। यथा ल० वि० ३६, पूब, दक्षिन, पश्चिम, उत्तरसँ पुबाहुत; दक्षिनाहुत; पछिमाहुत; उत्तराहुत। (पुबाहुत भए बैसू)। *-āhuta¹*—A Suffix.

আহুত आहुत²—वि०। हवन कयल गेल, हुत। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० आहुत। FML 207; अम० १६४। *āhuta*—*Adj*. Given as oblation.

আহুতি आहुति—होम, हवन, मन्त्र पढ़ि पढ़ि फल पान पुष्प जल देवताक निमित्त अग्निकुण्डमे अर्पण करब। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० आहुति। वि० पदा० मजु० ३२३ (आबि आहुति कए देलि); वि० वि० ३२ (तीलब दुगए आहुति दय); FML 634; चन्द्र० ३११ (तनक कान्ति कत आहुति देल); मि० उद्० १५८-१८ (आहुति पड़ैत अछि); प्रण० ८ (घृतक आहुति सँ और बढ़ भए); द्विरा० १८ (अपना कै आहुति करैत-करैत मरि जाथि); शत० ४ (दै रहला आहुति महाकाल)। *āhuti*—Oblation.

আহুত आहूत—वि०। बजाओल, निमंत्रित। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० आहूत। मो० १७४ (काश्मीर नरेशक अनुकम्पासँ आहूत भै। *āhūta*—*Adj*. Called, invited.

আহে आहे—(१) सम्बोधन सूचक शब्द, (२) छन्द पुरबाक हेतु शब्द। [सं० अयि]। वि० वि० ६ (आहे उगरिगि कुच तुर परसय देह); वि० पदा० मजु० नेपाल ३४, न० गु० (परकीया) १५, अ० १०२६ (आहे यौवन कतय चल गेल); गौरी परिणय (आहे सखि बदल शिवक सिनेह)। *āhe*—A word used as filler or as interjection.

আহে-মাহে आहे-माहे—नाना तरहक प्रसिद्ध अण्ट सण्ट गप्प उचिति-मिनती। [आहे+शब्दानुकरण अथवा सं० शब्दानुकरण]। चानोदाइ २६। *āhe-māhe*. (Non-sensical) prolixity as courtsey.

আহ্নিক आह्निक—वि०। दैनिक कार्य क्रम, दिन भरिक पूजा-पाठक क्रम। [सं०]। मि० ४२१ (हुनक आह्निक यथावत परियासित होइत देखि); वि० पदा० १८ (आह्निक क्रिया सविध); प्रण० ११ (आह्निक प्रारम्भ कैलन्हि)। *āhnika*-*Adj*. Performed or occurring daily (especially a raligious rite).

আহ্লাদ आह्लाद—आनन्द, खुशी; हर्ष। [सं०]। तु० क० राज० बं०, अह्लाद। मै० राज० ५ (मेल अति अह्लाद); ग० मि० ७ (मेला उत्तर पौलनि आह्लाद); चित्रा ६६ (ककरो सुरभि अह्लादक)। *āhlāda*—Joy, delight

আহ্লাদিত आह्लादित—वि०। आनन्दित, खुशी, हर्षित। [सं०]। तु० क० बं०, राज० आह्लादित। राम० २४ (अति आह्लादित करइछ चित्र); कन्या० ५२ (आह्लादित भए भोजनालक भीतर जाक देखलथिन्ह)। *āhladita*—*Adj*. Delighted.

আহ্বান आह्वान—(१) चुनौती, पुकार, बजाएब, सोर करब, निमंत्रित करब। [सं०]। तु० क० बं० राज० आह्वान। मि० २१८ (जाहि पर हुनक आह्वान दिल्लीसँ कएल गेल छलैन्ह); अम० ३३ (आकाश आह्वान); मो० १०६-२३ (पण्डितलोकनिकें सादर आह्वान कैल जाइत छन्हि)। *āhvāna*—Challenge, to invition.

𑒂𑒏𑓂𑒭𑒣𑒙𑒪𑒱𑒏 **आक्षपटलिक**—जुआक खेलमे निपुण पासा खेलनिहार। [सं०]। वर्ण० ६ (आक्षपटलिक खञ्जाइ प्रमत्तकर)। *ākṣapaṭalika*—An accomplished dice thrower.

𑒂𑒏𑓂𑒭𑓂𑒫𑒱𑒏𑒰 **आक्ष्विका**—नृत्यमे आँखिक चमत्कार। [सं०]। वर्ण० ४१ (आक्ष्विका चतुर स्त्री। *ākṣvikā*—A deft player of eyes in dancing.

𑒂𑒏𑓂𑒭𑒹𑒣 **आक्षेप**—कटु वचन, अधलाह वचन कहब जाहिसँ मनमे दुख हो, आरोप। [सं०]। तु० क० अस्खेय असo आक्षेप। राम० १६५ (सहथि परक आक्षेप प्रहार); नि० वि० १२८ (यहिसँ अधिक जनिक सुनल होइन्ह तनिक मतमे हमरा आक्षेप नहि); मालविकाग्निमित्र १३; व्य० वि० ३४ (तकरे आक्षेप उपराग अछि); मौ० १००-१६ (व्यर्थ आक्षेप एवं विरोधाभास रखैत छी); द्विरा० ४३ (ई हमरे पर आक्षेप करै छथि)। अम० ३८ (अवर्थ आक्षेप निर्वाद)। *ākṣepa*—Abuse, censure, blame.

𑒂𑒖𑓂𑒘𑒰 **आज्ञा**—आदेश, हुकुम। [सं०]। तु० क० बं०, अस० आज्ञा; प्राकृ० अज्ज; अण्णा। वर्ण० २३ (राजाज्ञा बसए); गो० वि० ५ (क) (आज्ञा लांघिअ); राम० २० (आज्ञा करथि राम ने कहथि); मि० उद० १५८-१७ (लगले मेघ के बजाय आज्ञा देलथिन्ह); मै० हि० सा० (३-४) २७ (देखू वेद; भगवान की आज्ञा करै छथि); मौ० १७-१८ (जे आज्ञा); प्रण० ६ (हमरा आज्ञा भेटय); नव० १० (मल्लिकक आज्ञासँ बूली अपन फकड़ा सभके सुनओथिन)। *ājñā*—Order, Command.

𑒂𑒖𑓂𑒘𑒰𑒋𑓀 **आज्ञाएँ**—आज्ञासँ। तु० अ० [सं०]। वर्ण० ६ (आज्ञाएँ लंकेश्वर)। *ājñāẽ*—*Obs.* In giving orders.

𑒂𑒖𑓂𑒘𑒰𑒏𑒰𑒩𑒱𑒝𑒲 **आज्ञाकारिणी**—वि०। आज्ञा वा आदेशक पालन कएनिहारि स्त्री। [सं०] रंग ५२ (एहन आज्ञाकारिणी स्त्री एहि युगमे भेटब कठिन)। *ājñākāriṇī*—*Adj.* (Female) Who obeys orders.

𑒂𑒖𑓂𑒘𑒰𑒏𑒰𑒩𑒲 **आज्ञाकारी**—वि०। आज्ञा वा आदेशक पालन कएनिहार। [सं०] चन्द्र० १०८ (की मुनिक आज्ञाकारी उथम); प्रण० ५७ (मौसम्मातिकें आज्ञाकारी जमाय भेट गेलथिन्ह)। *ājñākārī*—*Adj.* Who obeys orders or commands.

𑒂𑒖𑓂𑒘𑒰𑒞 **आज्ञात**—आज्ञात (दे०) केर का० रू०। पुरु० २०३ (हमरा नहि वार्त्ता आज्ञात दोष)। *ājñāta*—P.F. of *ājñāta* (q.v.).

𑒂𑒖𑓂𑒘𑒰𑒡𑒲𑒢 **आज्ञाधीन**—आज्ञा वा आदेशक अधीनमे। [सं०]। सुभद्रा हरण ५८। *ājñādhīna*—Under the law or order.

𑒂𑒖𑓂𑒘𑒰𑒢 **आज्ञान**—अज्ञान (दे०) केर का० रू०। मि० ४३० (किन्तु आज्ञान दूर भेल)। *ājñāna*—P. F. of *ajñāna* (q.v.).

𑒂𑒖𑓂𑒘𑒰𑒢𑒳𑒮𑒰𑒩 **आज्ञानुसार**—आज्ञा वा आदेशक अनुकूल। [सं०]। राम० ३१ (गुरु आज्ञानुसार श्री राम); प्रण० ६६ (माताक आज्ञानुसार सुपुत्री जैखनर वामीकें देखथि)। *ājñānusāra*—As per orders.

𑒂𑒖𑓂𑒘𑒰𑒣𑒞𑓂𑒩 **आज्ञापत्र**—आदेश पत्र। [सं०]। तु० क० बं०, अस० आज्ञापत्र। (आज्ञापत्र पबितहिँ कन्या पक्ष आनन्दित भए उठलाह)। *ājñāpatra*—Letter incorporating orders.

𑒂𑒖𑓂𑒘𑒰𑒣𑒰𑒪 **आज्ञापाल**—वि०। आज्ञाक पालन कएनिहार, सेवक। [सं०]। वर्ण० ८ (सेवक, परिचारक आज्ञापाल।) *ājñāpāla*—*Adj.* Orderly.

𑒂𑒖𑓂𑒘𑒰𑒧𑒡𑓂𑒨𑒹 **आज्ञामध्ये**—आज्ञामे, अनुशासनमे। [सं०]। अकबरनामा ६१। *ājñāmadhye*—Under discipline.

𑒃

𑒃¹ **इ¹**—वर्णमालाक स्वरवर्णक तेसर अक्षर ह्रस्व थिक तथा एकर उच्चारण स्थान तालु अछि एकरा इकार सेहो कहल जाइछ। तु० क० हि०, बं०, अस०, अस०, ने०, अव०, भोज०, गज० इ। FML (अ आ इ ई)। *i*—The third letter of the alphabet.

-𑒃²-इ²-प्रत्यय। (१) कर्म अर्थमे इ प्रत्यय होइत अछि। ल० वि० ४० (कर्म मे चरबाहि; हरबाहि; गँजबाहि; कोदरबाहि; बटवारि; गँबारि; महसिवारि तथा चोरसँ चोरि); (२) पुनः अर्थात् बारम्बार बुझएबाक हेतु क्रिया इ प्रत्ययन्त होइत अछि। ल० वि० ५४ (गाबि-गाबि सुनाउ); (३) स्त्री बोध अभिप्रेत रहला पर उभयलिंग शब्दसँ इ प्रत्यय होइत अछि। ल० वि० ६४ (अकारान्त शब्दसँ सुकुमारसँ-सुकुमारि; छोटसँ छोटि; मोटसँ मोटि; मामसँ मामि); ४ छ; धातुसँ सामान्यतः सप्त लिङ्ग प्रत्यय अवैत अछि जे आन धातुसँ इच्छा विहित अछि। ल० वि० ११३ (छ...एक=छैक; छ+ऐन्हि=छैन्हि; विशेष ई जे अए प्रत्यय स्थानमे -इ प्रत्यय होइत अछि एवं धातुसँ पूर्व अकार आगम होइत अछि-छ+अए=अछि); (५) कर्तृगामी क्रिया फल कर्ताकें होएब बुझएबाक रहए तँ धातुसँ इ प्रत्यय होइत अछि। ल० वि० १२५ (हम पुस्तक देखि लैत छी; तखन अहाँ राखि लेब); (६) क्रियाक सम्पन्नता बुझएबाक हेतु धातुसँ इ प्रत्यय होइत अछि। ल० वि० १२३ (हम चित्र देखि जाइत छी; (ख) चल धातुसँ इ प्रत्यय होइत अछि यथा (शुद्रो चलि गेल); (७) क्रियाक माध्यमिकत्व (मध्यावस्था) बुझएबाक हो तँ धातुसँ पर इ प्रत्यय होइछ। ल० वि० १२७ (नाच देखि रहल अछि); (८) भाव अर्थात क्रियामे इ प्रत्यय होइत अछि।

ल० वि० १३९ (चल आदिसँ चालि; मारि)। (९) (क) जखन एके कर्त्ताक इ क्रियामे एक पूर्वकालमे होएब बुझब्बाक रहैत अछि तखन धातु सँ पर पूर्व कालिक क्रिया बोधक इ प्रत्यय होइत अछि। ल० वि० १४३ (हम देखि अएलहुँ अर्थात हम पहिने देखलहुँ पश्चात अएलहुँ); (ख) पूर्वोक्त इ प्रत्यय भेला पर ओहिसँ आगाँ (कै) अव्ययक ऐच्छिक प्रयोग होइत अछि। ल० वि० १४३ (देखि (कै) गेलाह; सूति(कै) उठलाह); (ग) सक धातु सम्पादनार्थ तथा चुक धातु सामर्थ्यार्थक हो तखन धातुक योगमे इ प्रत्यय होइत अछि। ल० वि० १४३ (ओ देखि सकत; देखि चुकल); (घ) पड़ धातुक योगमे बुझ जान, सुन धातुसँ इ प्रत्यय होइत अछि क्रियाकेर औचित्यक अर्थमे। ल० वि० १४३ (ई बात बाजि नहि अर्थात बाजब उचित नहि; रोकि नहि); (१०) संस्कृतमे अवधारणमे एवं समुच्चयमे 'अपि' प्रयोग होइत अछि तकरा हेतुएँ मिथिला भाषामे कतहु,-ए-ऊ, -अहि,-अहु लगाओल जाइछ परन्तु एहि सभसँ पूर्व विकार सेहो होइत अछि। शब्दक रूपसँ पूर्व इ आगम होइत अछि यदि ओहि ए सँ पूर्व व्यञ्जन रहए। ल० वि० १५२ (कए कइए; कइओ; भाए-भाइए; नेहाए-नेह इए; साए रुपैआ साइए रुपैया); (११) (क) इ प्रत्ययक विषयमे विकार होइत अछि। बि कादि धातुसँ पर इ प्रत्ययकेँ आए आदेश; ल० वि० १४५ (विक+इ=बिकाए; खाए; जाए); अनेक स्वर वाला अवन्त धातुसँ पर इ प्रत्ययकेँ आए आदेश तथा अब-केर लोप। ल० वि० १४५ (पढ़ब+इ=पढ़ाए; बजबब+इ=बज-बाए)। *-i²*—A suffix.

ॳ³ **इ³—सर्व०**। ई (दे०) केर विक० रू०। लगक कोनो वस्तु वा तद्योग्य वस्तुक विषयमे कहल गेल शब्द; एहन। [सं० इदम्-७ हत ई, इ]। गो० शृं० १ अम० २७ (गोविन्द दास चित्त ए हास। इ जन करय मान अभिलाषा); FML 429 (इ रस); मो० ६७-५ (इ दिन भेल)। *i³—Pron.* Alt. of *ī* (q. v.).

-ॳअ **-इअ—प्रत्यय**। द् ओ ल् धातुमे ऊ प्रत्ययकेँ इअ आदेश होइछ। ल० वि० ११३ (द्+ऊ=दिअ; ल्+ऊ=लिअ)। *-ia*—A suffix.

ॳअॳ **इअइ**—मध्यम पुरु० अनादरार्थक स्त्रीकेँ सम्बोधन करबाक सोर करबाक शब्द। [सं० अयि, आर्ये]। (इअइ कनी सुनु त); FML 476. *-iai*—Non-hon. second personword, to call a female.

-ॳअॳन (न्ह, न्हि, न्हु) **-इअइन (न्ह, न्हि, न्हु)**—मध्यम पुरुष आदर अर्थ स्त्रीकेँ सम्बोधन करबाकाल; क्रिया वा संज्ञा सँ पर जोड़ल जाएवला प्रत्यय। FML 477 (काकी एकटा गप कहि-अइन (कहिअन्हि, कहिअइन्हु कहिअन्हु, तामस नहि करिहथि)। FML 476, 477। *iaina (nha, nhi, nhu)*—Suffix. Hon. sec, pers. Word to call a female.

-ॳअउ(क) **-इअउ(क)-प्रत्यय**। अपनासँ छोट अवस्था लेल वा न्यून अपेक्षि लेल क्रियासँ पर मध्यम पुरु० आद०। कह+इउ(क), गछ+इअउक। (रे बौआ इ कोना मानिअउक)। FML 477। *iau(ka)* —A firt per. Hon. Suffix.

-ॳअन **-इअन—प्रत्यय**। युक्त अर्थमे इअन प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० ४६ (बहुत अधिक गाछसँ युक्त स्थान गछिअन)। *-iana*-Suffix in the sense of full of, abounding in.

ॳअरिङ **इअरिङ**—स्त्रिगणक कानमे पहिरबाक अँउठी सदृश गोलाकार आभूषण विशेष। [आंग्ल]। रेखाचित्र ३४। *iariṅa*—Ear-ring.

ॳअरो **इअरो**—एकर अतिरिक्त (म० म० उमेश मिश्र दर्शित प्रा० अवहट्ठ रू०)। कीर्तिलता ६ (इअरो पुरिसाआरो पुच्छ विहूवा पशु होइ)। *iaro*—Old avahaṭṭha form of *ekara* (q v.) of this, after this.

-ॳअहु **-इअहु-प्रत्यय**। इच्छा एवं प्रेरणामे धातुसँ पर मध्यम पुरुष अनादरार्थक कर्तृपद रहने क्रियाफल आदरणीय तोँ शब्दार्थगत रहला सन्ताँ इअहु प्रत्यय अबैत अछि। FML 475; ल० वि० १०१; १०३ (हओ तोहर घर देखिअहु; तोरा लग बसिअहु)। *-iahu*—A suffix.

-ॳआ **-इआ—प्रत्यय** (१) (क) उत्पन्न कएनिहार एवं रह-निहार दूनू भव कहबैत अछि। भव अर्थमे इआ प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० ३८ (परदेशमे रहनिहार परदेशिआ; विदेशमे रहनिहार विदे-शिआ; जंगल मे रहनिहार जंगलिआ; पड़ोसमे रहनिहार पड़ोसिआ); (ख) संख्यापूर्वक मास ओ वर्षसँ इआ प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० ३८ एक मासमे उत्पन्न एकमसिआ; तहिना दुमसिआ; तेमसिआ; चौमसिआ; तथा एक वर्षमे उत्पन्न एकवर्षिआ; तहिना दुवर्षिओ, (२) युक्त अर्थमे इजोत एवं अन्हार शब्दसँ रातिक तात्पर्यें इआ प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० ४६ (चन्द्रमाक इजोतसँ युक्त राति इजोरिआ (त केँ र आदेश); अन्हारसँ युक्त राति अन्हरिआ); (३) निर्मित पितडिसँ निर्मित पितडिआ; लोहसँ निर्मित लोहिआ; मुँगेरमे निर्मित मुँगेरिआ। (४) नियुक्त अर्थमे इआ प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० ५१ (जिरातमे नियुक्त जिरतिआ; उपरसहाक ओ भारमे नियुक्त उपर-सहकिआ ओ भरिअ)। *-iā*—A suffix.

ॳआद **इआद**—याद (दे०) केर ग्राम्य रू०। FML 182. *iāda*—Folk form of *yāda* (q.v.).

ॳआर **इआर**—यार (दे०) केर विक० रू०। मित्र, संगी। [फारसी यार]। मन० कृ० ६ (कमलासनसुत शिवक इआर); मि०; अव० इआर। *iāra*—A friend.

ॳआरी **इआरी**—मित्रता (दी०)। [इआर+ई]। (इअरी मे छल कपट नहि होएबाक चाही)। *iārī*—Friendship.

ॳउनिभर्सीटी **इउनिभर्सीटी**—विश्वविद्यालय। [आंग्ल] नव० ५९ (इउनिभर्सीटी कलकत्ता टामे छलइक)। *iunibhar-siṭī*—University.

ॳएह **इएह**—मात्र ई, ठीक एवं, ई। [ई+सं० हि निश्चये]। तु० क० उर्दू एहआ। रंग ८४ (इएह बनजो महाशय जे थोड़ेक काल पहिने पाथरक मूर्ति भेल बैसल छलाह); पारो ६ (तेहर सासक इएह

आइकाल्हुक) । *ieha*—Exactly this.

–**इऐक**—**प्रत्यय**। इच्छा अर्थमे धातुसँ पर मध्यम पुरुष आदरार्थक तौं कर्तृपद रहने क्रियाफल अनादरणीय अन्यगत सन्ताँ इऐक प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०३ (हम वा अहाँ ओकरा देखिऐक)। *iaika*—A suffix.

इऐह—इएह (दे) केर अशु० रू०। मि० २६० (राजा प्रताप सिंहक कहब बारम्बार इऐह छलैन्ह); चन्द्र० २५२ (जनैछ विश्व इऐह); पारो ४ (इऐह बतराइत)। *iaiha*—Err. of *ieha* (q.v.).

–**इऐ(अ)न्हि**–**प्रत्यय**। इच्छामे धातु परसँ मध्यम पुरुष आदरार्थक तौँ कर्तृपद रहने क्रियाफल आदरणीय अन्यगत सन्ताँ इऐन्हि प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०३ (हम वा अहाँ हुनका देखिऐन्हि)। *–iai(a)nhi*—A suffix.

इओ—**इहो** (दे०) केर व० रू०। वि० पदा० मजु० ३७६ (इओ भल नहि रीती)। *io*—*Coll.* of *iho* (q.v.).

–**इऔक**—**प्रत्यय**। (क) प्रेरणामे धातुसँ पर मध्यम पुरुष आदरार्थक तौँ कर्तृपद रहने क्रियाफल आदरणीय अन्यगत सन्ताँ इऔक प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०० (हम ओकरा देखिऔक); (ख) इच्छा मे धातुसँ पर मध्यम पुरुष आदरार्थक तौँ कर्तृपद रहने क्रियाफल अनादरणीय तौं पदार्थगत सन्ताँ इऔक प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०३ (रओ, हम तोरा देखिऔक)। *iauka*—A suffix.

–**इऔत**—**प्रत्यय**। अपत्य अर्थात साक्षात् सन्ततिक अर्थमे इऔत प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० ४७ (मामसँ ममिऔत)। *–iauta*—A suffix.

इऔन्ह(न्हि)—**प्रत्यय**। प्रेरणामे धातुसँ हम वा अहाँ कर्तृपद रहने क्रियाफल आदरणीय अन्यगत सन्ताँ इऔन्हि प्रत्यय अबैत अछि। FML 477; ल० वि० १०० (हम वा अहाँ हुनका देखिऔन्हि)। *–iaunha(nhi)*—A suffix.

इक—**एक**। [सं०] प्रा० का० रू०।। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० इक। कीर्तिलता ५५ (चलु फरिआ इक अंगे चंगे)। *ika*—*Obs* P. F. One.

इकड़ी(री)—मोट खड़। तु० क० भोज० इकड़ी। BPL 1266, 105,। *ikaḍi (rī)*—A kind ot grass (kharba).

इकलसु—तु० रू०। सेनाक एकटा वर्ग विशेष केर नाम। वर्ण० ३६ इकलसु हयवाल, महवान, मण्डलीक महासामन्त)। *ikalasu*—*Obs.* Name of a section of the army.

इकाक—? मै० सा० इ० ७२। *ikāka*—?

इकार—इ वर्णक मात्रा वा अक्षर। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० इकार। (मैथिलीमे विशेषतया इकारेक मात्रा प्रयोग भेलासँ भाषामे शुद्धता आओत)। *ikāra*—The letter or mark of *i* (q.v.).

इक्यान्नवइ—एकान(न)बे (दे०) केर प्रा० रू०। FML 373. *ikyānnavai*—*Obs.* of *ekā(n)-nave* (q.v.).

इङोर—अङोर [सं० अङ्गार] (दे०) केर वा० रू०। कन्या० ७ (ओ विधि की करतीह इङोर)। *iṅora*—*Coll.* of *aṅora* (q.v.).

इङ्गित—इशारा, चिन्ह, संकेत, चेष्टा। तु० क० प्राकृ० इसंगित; सि० इङ्गित। वर्ण० ३ इङ्गित ज्ञान); वि० ने० ५२ (इङ्गित उपर केलि जे करय); मि० उद्० १५७–२५ (पं० सुधाकर द्विवेदीक इङ्गित पाबि)। *iṅgita*—Hint, Sign.

इङ्गितावस्था—इशाराक स्थिति वा प्रादुर्भावकाल। (इङ्गितअवस्था अर्थात् ओ अवस्था जखन नव विकसित विचारक आगमनक सूचना भेटैछ)। *iṅgitāvasthā*—The presence or emergence of hint or hints.

इङ्गुद (ल)—एक प्रकारक औषधिक वृक्ष। [सं० इङ्गुदी]। तु० क० प्राकृ० इङ्गुदी; उ० इङ्गुल; म० हिंगोट; हि० इंगुवा; गु० इंगोरी; सि० इङ्गिनी। अम० ६ (इङ्गुद तापस)। *iṅguda (la)*—A Medicnial plant.

इङ्गुदी—हिंगोटक गाछ। [सं०]। तु० क० इङ्गुदी (हि०)। राम० १०६ (फल इंगुदी तथा पिण्याक)। *iṅgudī*—The tree of *Hiṅgoṭa* a kind of fruit.

इङ्गुर—एक प्रकार केर धातु। [सं०]। वर्ण० ६६ (इङ्गुर पाक बहासाची)। *iṅgura*—A kind ot metal.

इंग फिंग—चिन्ह, संकेत, हिलब-डोलब। [सं इङ्ग (त) > इङ्ग + ध्वनि साम्य]। तु० क० हि० इंग। मैथिली नवीन साहित्य ६८। *ĩga phĩga*—Hint, Sign, move to and fro.

इंगदी—इंगुदी (दे०) केर वा० रू०। दिनमणि ११। *ĩgadi*—*Coll.* Form of *iṅgudī* (q.v).

इंगित—इङ्गित (दे०) केर विक० रू०। तु० क० हि० इङ्गित। गो० शृ० अम० १६ (की फल इङ्गित नयन तरंगित संगित मनमथ फाँदे)। *ĩgita*—Alt. form of *iṅgita* (q.v.).

इचना–छोट मत्स्य विशेष। ई भूजि कए वा मन्ना कए क खएबामे अत्यन्त स्वादिष्ट होइछ तथा एकरा ६ गोंट पएर होइछ। [सं० इंचाक]। (इचना कैँ पोठा, पोठा कैँ साँठी); कविता कुसुम ६६ (इचना पोठी चालि दिअए रहुक सिर बिसाए) = छोट-छोट व्यक्तिक द्वारा अन्ट-सन्ट कएलापर पैघ पैघ व्यक्तिक उपर पैघ दोष लगैछ वा आपत्ति अबैछ; इचना माछक सँग जेना रहथि) = निरर्थक देखावटी, अति क्षीण परन्तु देखाबटला। *icanā*—Shrimp.

𑒃𑒔𑓂𑒕𑒉𑒿 **इच्छएँ**—क्रिया विशेषण। स्वेच्छासँ, भरि पोख [इच्छा (दे०) + एँ]। नव० ७३ [अपने इच्छएँ पसरए जगइक)। *ichaĕ*—*Adv.* At (one's own) will.

𑒃𑒔𑓂𑒕𑒥 **इच्छब**—लु० प्र० इच्छा (दे०) केर आद० मध्य० पु० भवि० रू०। वि० पदा० मजु० १४; रामभद्रपुर पोथी पद १८७ (एकहि जनमे इच्छब आन)। *icchaba*—*Obs.* Second person future tense hon. form of *icchā* (q.v.).

𑒃𑒔𑓂𑒕𑒯𑒳𑒿 **इच्छहुँ**—इच्छा (दे०) केर निश्च० रू०। रेखाचित्र १२४। *icchahũ*—Emph. form of *icchā* (q. v.).

𑒃𑒔𑓂𑒕𑒰 **इच्छा**—कामना, लालसा, चाह, ख्वाहिस, अभिलाषा, एक प्रकारक मनोवृत्ति जे कोनो पहन वस्तुक प्राप्तिक दिसि ध्यान आकर्षित करैत अछि जाहिसँ कोनो तरहक सुखक सम्भावना रहैत छैक। [सं०]। तु० क० उ०, हि०, बं०, असा०, ने०, राज०, अव०, प्राकृ० इच्छा; प्रा० गु० ईच; सि० इसिय; प्राकृ० इच्छिय। गो० वि० १० (क) (इच्छा भोजन), राम० ११८ (जौं निबरुक इच्छा संसार); मि० ३८२ (श्री मानविक इच्छा पर निर्भर नेनाका कहल); पुरू० १६८ (नगर चलबाक इच्छा कयल); मै० हि० सा० १ (८–१२) (अपन इच्छा प्रकट कयने छथि); FML 34; मि०; मो० १८२–१५ (ओ इच्छा सापेक्षिक); मि० उद्० १५७–३ (जतेक इच्छा होइक जाओ); प्रग० १४ (जे जे इच्छा हो मनसिआ कें वहवैन्ह); चित्रा २५ (अपन इच्छा पर तोहर आशाक कैलियहु होम); शत० १६ (इच्छा नहि पुराओल बेचिचारी)। *icchā*—Wish, desire.

𑒃𑒔𑓂𑒕𑒰𑒡𑒲𑒢 **इच्छाधीन**—वि०। इच्छा वा अभिलाषाक अधीन। [सं०]। मि० ५४ (हिनके इच्छाधीन एकर)। *icchādhin*—*Adj.* Under one's wish, at one's sweet will.

𑒃𑒔𑓂𑒕𑒰𑒢𑒳𑒮𑒰𑒩 **इच्छानुसार**—क्रि० वि०। अभिलाषाक अनुसार व. मोताविक। [इच्छा + अनुसार]। द्विरा० १६७ (हुनक इच्छानुसार मिस साहिबा बुच्ची दाइ कैं लेडीज क्लबमे लय जाय लगलथिन्ह)। *icchānusāra*—*Adv.* According to (some one's) wish.

𑒃𑒔𑓂𑒕𑒰𑒬𑒏𑓂𑒞𑒱 **इच्छाशक्ति**—अभिलाषाक प्रबल वेग वा शक्ति। [सं०]। तु० क० बं० इच्छा नुसक्ति। (इच्छा शक्ति प्रवल वेग के केओ रोकि सकैत अछि)। *icchāśakti*—Will force.

𑒃𑒔𑓂𑒕𑒱𑒞 **इच्छित**—वि०। अभिप्रेत, वांछित, अभीष्ट, अभिलषित। [सं०]। तु० क० हि० बं०, असा०, अव० ने० राज०, प्राकृ० पा० इच्छित। राम० बालकाण्ड ६ (जौं इच्छित भव बन्धन मुक्ति। पाठ रामायण अछि बड़ युक्ति); महेश० १५ (भोजन करु मन इच्छित)। *icchita*—*Adj.* Wished for, desired.

𑒃𑒔𑓂𑒕𑒳𑒏 **इच्छुक**—वि०। चाहनिहार, अभिलाषा वा इच्छा करनिहार। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असा०, ने०, अव०, राज० इच्छुक। (यदि सभ मिथिला वासी इच्छुक छी तँ मिलि कए एक बेर पुनः हुँकाकए जोर लगाउ आ अपन अधिकार प्राप्त करु। *icchuka*—*Adj.* Who wished or desired.

𑒃𑒔𑓂𑒕𑒹 **इच्छे**—इच्छा (दे०) केर निश्चितार्थक रूप [सं० इच्छा + एव अथवा इच्छया]। मि० २५ (हमरा अपने इच्छे अनविचार बनि पटना जाय देल जाओ); पारो ४७ (कोनो वस्तु याचनाकक लेबाक इच्छे कियैं हैत); नव० १०१ (हमरा त इच्छे नहि अछि)। *icche*—Emphatic form or *icchā* (q.v.).

𑒃𑒕 **इछ**—इच्छा (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० ३८; राग० त० २०४, तालपत्र न० गु० २१, अ० १०६ (सबे परिहरि तोहि इछ हरि); महेश० २६ (अनुछन इछ हम कृत दोष)। *icha*—*Poet.* Form of *icchā* (q. v.).

𑒃𑒕𑒥 **इछब**—इच्छा (दे०) केर आद० मध्य० अथवा पुरु० भा० का० रू०। राम० ३४ (एकहि जनमे इछब आन); FML 424 (इछब आन)। *ichaba*—P. F. *Hon* future terse second person form of *icchā* (q. v.).

𑒃𑒕𑒯𑒱 **इछहि**—इच्छापूर्वक, जानि कए। वि० ने० १४४ (छैला इछहि छोड़हि मोर चारे)। *ichahi*—Willing, consciously.

𑒃𑒕𑒰 **इछा**—इच्छा (दे०) केर बा० रू०। वर्ण० १६ (शीतल जलक इछा); राम० ७७ (लोक दग्ध कर इछा); पुरु० १० (वा प्रदान देबाक इछा करथि)। *icha*—*Coll.* Form of *icchā* (q.v.).

𑒃𑒕𑒰𑒃𑒢 **इछाइन**—इछैनी जड़ीक उत्कट गन्ध, दुर्गन्धि, विशेष, (दी०); माछक सड़ल गन्ध। [इछैनी + आइन FML 206]। तु० क० मछाइन। (गै गोढ़नी कनि माछ मंगनी चंगनी द दही नहि त बिसाइन वा इछाइन होएत)। *tchāina*—Bad smelling, the smell of decayed fish.

𑒃𑒕𑒱𑒞 **इछित**—इच्छित (दे०) केर अशु० रू०। पुरु० १२ (इछित कार्यक विषय असिद्धि)। *ichita*—Err. Form of *icchita* (q.v.).

𑒃𑒕𑒻𑒢𑒲𑒥𑒔 **इछैनीबच**—औषधि विशेष (दी०)। इछैनी नामक औषधि बड़ी काल धरि मुँहकें गन्ध दैत छैक, बच्चाकें ई बाल रोग निवारणार्थ देल जाइछ। इनार लग लोक बहुधा एकर गाछ रोपल करैछ। बच्चा आ वृद्ध केर ई पृथक जड़ी थिक जे औषधिमे गणना कएल जाइछ; [इछैनी + बच]। *ichainibaca*—A kind of herb or medicine for children.

𑒃𑒖𑒞(𑒞𑒱) **इजत(ति)**—इज्जत (ति) (दे०) केर बा० रू०। मि०; डा० उ० ना० ति० ७३। *ijata(ti)*—*Coll.* of *ijjata(ti)* (q.v.).

𑒃𑒖𑒤𑓂𑒤𑒰 **इजफ्फा**—बचल धन, बचत, बेशी, बढ़ती बुद्धि। [अर० इजाफह]। तु० क० हि० इजाफा। उपदेशाक्षमाला ६। *ijaphphā*—Saved amount, or wealth, excess, increment, grant.

𑒃𑒖𑒧𑒪𑒱𑒨𑒰 **इजमलिया**—वि०। साझी वस्तु; इजमाल

बला वस्तु । [इजेमाल + इआ] । *ijamaliā*—*Adj*. Belonging to joint or common ownership.

𑒃𑒖𑒧𑒰𑒪 इजमाल—साझी, गोसवारा, कोनो वस्तु पर समहक स्वत्व वा अधिकार, समिष्ट । [अर०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, उर्दू० इजमाल । FML 156–637; मिहि० ४२–१४–१६ (पैत्रिक घर एवं इजमाल गल्लाक दोकान केँ दूनू गोटे घरक बीचोबीच टाल लगा); चानोदाई ३७ । *ijamāla*—Joint possession, such a right.

𑒃𑒖𑒩 इजर—टाट फड़क बान्हे लेल गच्चा देल जाइछ, जिस्मड़ वा जिमृड़; इज्जल, तृण विशेष (दी०) । [सं० इ-जल मै० जिम्मड़] । दर्श० १ (इजर, बेल बरर बबुर, वरुण, वकाइन, बक्का से पसार देले देखुअइ); अम० २६ (इजर व इजराक नाम) । *ijara*—A kind of grass (kharha).

𑒃𑒖𑒩𑒰𑒨 इजराय—क्रि० वि० । कार्य लागब, जारी करब, प्रचार करब, व्यवहार, अमल । [अर०] । (कोर्टमे अपन मोकदमा केर इजराय करा लेन अछि) । *ijarāya*—*Adv*. State of activization.

इजलास—कचहरी, न्यायालय, अदालत ओ जतए अफसरान बैसिकए मोकदमाक फैसला करैत अछि । [अर०] । तु० क० हि०, ने० इजलास, बं० इजलास; मि० इजलास । *ijalāsa*—A court of justice.

इजहार—अदालतक समक्ष बयान, गवाही, प्रकाशन, प्रकट करब । [अर०] । तु० क० हि०, अस०, ने०, अव०, भोज० इजहार; बं०, एजहार । मृच्छ० १७७, वैदेही १६–१२३ (चोरि दरोगाक आगमन गवाहिक इजहार चोरक गिरफ्दारिक सजाय आदि आदि घटना रहैत अछि) । *ijahāra*—Evidence, open expression or declaration.

इजाजति—मंजूरी, स्वीकृति । [अर० इजाजत] तु० क० हि० इजाजत उर्दू इजाजति । मिथिला भाषा प्रकाश १२ । *ijājati*—Acceptance, permission.

इजार—पैजमा । इ गंगाक दक्षिण भाग मे बाजल जाइछ । [अर०] । तु० क० हि०, उर्दू इजार । B.P.L 727. *ijāra*—Pyjama.

इजुमि—रकबा, भूखण्ड, दस्तावेज मे प्रयुक्त होमय बला तकनीकी फा० शब्द मै० सा० इ० ३६५ (१२७६ साल) । (खारीज जमा मिनहा इजुमि) । *ijumi*—Plot of land.

इजोड़िया—इजोरिया (दे०) केर विक० रू० । [इजोत + ड + इआ] । प्रण० १७६ (एखन ठकठही इजोड़िया छैक); चित्रा ३२ (आसिन मासक राति इजोड़िया); पारो ३४ (बेश मधुर इजोड़िया छलैक); *ijoḍiā*—*Alt*. Form of *ijoriā* (q. v.).

𑒃𑒖𑒼𑒞 इजोत—प्रकाश, रोशनी, अन्हारक विपरीत । [सं० विद्योत वा उद्योत] । चन्द्र० ३४० (चोर इजोत सहजहि मै विदित); FML 124; 155; मि०; चित्रा ४४ (ताही सँ अइ इजोत) । *ijotā*—Light.

𑒃𑒖𑒼𑒩 इजोर—इजोरिया (दे०) केर का० रू० अथवा संक्षि० रू० प्रकाश अर्थमे । गो० अ० १; अम० १२ (इजोर दीप समीप इजोरइ निश्चय चारू वितान; ग० प० १२ (मन मँह विमल इजोर तेँ) । *ijora*—*Poet*. form of *ijoriā* (q.v.) or back-formation in the sense of light.

𑒃𑒖𑒼𑒩𑒃 इजोरइ—इजोरिया (दे०) केर इच्छा० रू० । गो० अ० १, अम० १२ (इजोर दीप समीप इजोरइ निश्चय चारू वितान) । *ijorai*—*Opta*. form or *ijoriā* (q.v.).

𑒃𑒖𑒼𑒩𑒪 इजोरल—इजोरिआ (दे०) केर आ० भू० का० रू० । गो० अ० १ अमर १६ (ऋतुपति राज इजोरल चन्द) । *ijorala*—P. F. Hon. Past tense of *ijoriā* (q. v.).

𑒃𑒖𑒼𑒩𑒱𑒂 इजोरिआ—चन्द्रमासँ प्रकाशित राति, प्रकाशित राति । [सं० उद्योत > इजोर + इआ] । मि०; FML 1 5; आमक० ७४ (छलैक इजोरिया राति); (इजोरिआ बच्चा जेना रहथि) बड़ सुन्दर कखनहु व्यंगमे 'कारी' लोककेँ सेहो एना कहल जाइछ । *ijoriā*—Moon-lit night.

𑒃𑒖𑒼𑒩𑒱𑒋 इजोरिए—इजोरिआ (दे०) केर निश्च० रू० । वि० पदा० मजु० २५३ (चान्द इजोरिए राति) । *ijorie*—Emph. form of *ijoriā* (q. v.).

𑒃𑒖𑓂𑒖𑒞 (𑒞𑒱) इज्जत (ति)—मान, मर्यादा, प्रतिष्ठा, स्त्रीक सतीत्व । [अर०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अव०, भोज० इज्जत; इज्जति । मि० उद् १५७ (अपन इज्जति आवरू लेने कोनो कोनमे); कन्या १६ (आखिरी दर्जा स्त्रीक इज्जतिकेँ पहुँचा देलथिन्ह); चित्रा १६ (इज्जति आबस बचावैं चाही छी । *ijjata (ti)*—Honour, reputation, chastity of a woman.

𑒃𑒘𑓂𑒔 इञ्च—स्थान वा वस्तु नापबाक पैमाना विशेष । [आँग्ल inch] । *iñca*—Inch.

𑒃𑒘𑓂𑒔𑒲 इञ्ची—इञ्चयुक्त कपड़ा वा कोनो वस्तु नापबाक इञ्च-चिन्हित द्रव्यादि प्रयुक्त । [आँग्ल inch] । BPL 1034, इञ्चीटेप । *iñcī*—Tape for measuring in inches.

𑒃𑒘𑓂𑒔𑒼 इञ्चो—इञ्च (दे०) केर निश्च० रू० । [इञ्च + सं० अपि > मै० ओ] । मो० ३–१ (आगाँ इञ्चो भरि नहि बढ़ै छथि) । *iñco*—Emph. form of *iñca* (q.v.).

𑒃𑓀𑒖𑒢 इंजन—इञ्जन (दे०) केर वि० रू० । तु० क० हि० इंजन । नव० ७६ (सीटी देलाक उत्तर रेलक इंजन) । *iṅjana* Engine.

𑒃𑒘𑓂𑒖𑒱𑒢 इञ्जिन—भाफ, ताप, पानि कोयला, मोबिल, एवं बिजली द्वारा चालित लोह क बनल औजार (इंजिन) । [आँग्ल] । मि० उद्० १५६–६ (जखन इञ्जिन अपना संग गाड़ी के ठेललक) । *iñjina*—Engine.

𑒃𑒙𑒹 इट—ईंटाक अनु० रू० । [सं० इष्टका] । तु० क० पजेबा ।

रामः ११ (कनक जेहन इट मारि तेहन सन)। *iṭa*—Err. of *īṭā*.

इँटा—इटेबा वा तासक चौकठीक पातकेँ ईंटक पत्ता कहल जाइछ। [हि० ईंट+आ]। अशु० रू०। तु० क० ने० ईंटा। *īṭā*—Err. form of *īṭā*, Brick, the diamond playing card.

इट्ठे—ओहि (दे०) केर प्रा० अवहट्ट रू०। कीर्तिलता २६ ततो बे कुमारी इट्ठे बजारी)। *iṭṭhe*—*Old avahaṭṭha* of *Ohi* (q. v.).

इटमाँ (वाँ)—एहिठाम (दे०) प्रा० लु० रू०। FML 437. *iṭhamā̃ (vā̃)*—*Old* Obs. of *ehiṭhāma* (q. v.).

इड़हर—संहित व्यञ्जन-विशेष (दी०), उरीदक बेसन केँ सानि कए सभ तरहक सुगन्धित मशाला दए ओकरा छोट-छोट पातर-पातर लोढ़ी जकाँ बनाए उसिन कए, सिद्ध कए ओकरा बहार कए छोट-छोट खण्ड काटि मासुक मसाला दए उत्तम तरकारी बनाओल जाइत अछि। रामरुच, बड़ीक प्रभेद गोविन्द बड़ी। [उड़ीद+गर]। (इड़हर मांससँ कम मजा नहि अबैछ)। *iḍahara*—A kind of home-made preparation of gram powder used as vegetable.

इत—एतए (दे०) केर का० रू०। राम० १०१ (इत सुख भोग अमरपति संग); महेश० चन्द्र० ६ (इत जीवित परमानन्द अनुभव); वि०। *ita*—Poet. form of *etae* (q. v.).

इतउत—अव्यय। एतए-ओतए। [सं०]। चन्द्र० २४३ (इतउत सुख लाभ सम्पति सन्तति); राम० लालदास १४३। *ita-uta*—*Ind.* Hither thither.

-इतथि-प्रत्यय। अनिष्पतिक अर्थमे प्रथम पुरुष आदरार्थक कर्तृपद रहने सामान्यतः इतथि प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०४ (गुरूजी रहितथि तँ पाठ दितथि)। *-itathi*—A suffix.

-इतथीन्ह-प्रत्यय। अनिष्पतिक अर्थमे प्रथम पुरुष आदरार्थक कर्तृपद रहने क्रियाफल (आदरणीय वा अनादरणीय) अन्यगत रहने इतथीन्ह प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०५ (ब्राह्मण लोकनि ओकरा वा हुनका देखतथीन्ह तँ प्रसन्न होइतथीन्ह)। *-itathīnha*—A suffix.

-इतथून्ह-प्रत्यय। अनिष्पतिक प्रथम पुरुष आदरार्थक कर्तृपद रहने क्रिया (आदरणीय वा अनादरणीय) तोँ शब्दार्थगत इतथून्ह प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० ४०५ (तोरा देखितथून्ह यदि बुझतथून्हि जे तोँ छह)। *itathūnha*—A suffix.

इतनी—एतनी (दे०) केर विक० रू०। ग० प० १४ (मान लेहु इतनी)। *itanī*—*Alt.* Form of *etanī* (q.v).

इतमीनान—संतोष, विश्वास। [अर०]। तु० क० हि० इतमीनान। मिहि० ३८-१[illegible]८ (इतमीनान सँ स्टेशन पहुँचलहुँ)। *itamīnāna*—Satisfaction, faith.

इतर—वि०। जे थिकहुँ ताहिसँ भिन्न प्रदर्शन करब, दोसर, आओर, अन्य, छोट। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज०, पा० इतर; प्राकृ० इअर; म० इर। वर्ण० ११ (इतर लोक सभो); चन्द्र० ११६ (परिहरु इतर व्यवहार); पुरु० २५५ (इतर लोकक उपहासक घर)। *itara*—*Adj.* The other different, inferior, mean.

इतरपन(ना)(नी)—क्षुद्रता (दी०)। [इतर+भावपना+ई]। (व्यर्थ इतरपन कए रहल छी)। *itarapana (nā) (nī)*—Meanness.

इतराएब—घमण्ड करब, अपनासँ पैघ वा वृहत बनि जायब; अस्वाभाविक रूप बनाएब, छोट लोक वा अन्य लोक जकाँ करब। [इतर+आएब]। तु० क० अव० इतराएब; नितराएब। (एतेक इतराएब हमरा नहि नीक लगैत)। *itarāeba*—Showing oneself as superior.

इतरेतर—क्रि० वि०। (१) परस्पर (२) अत्यधिक क्षुद्र। [सं०]। मि० भाषा-प्रकाश ३१। *itaretara*—*Adv.* Reciprocal; quite strange or unknown or inferior.

इतला—इतलाए (दे०) केर संक्षि० रू०। चन्द्रकला ५३। *italā*—Short form of *italāe* (q.v.).

इतलाए—कथन, कहब, सूचना, खबरि। [अर० इत्तिला]। तु० क० उर्दू इतलाए; बं० इतला। प्रय० १७० (राजमातासँ इतलाए करए); नरोत्तम। *italāe*—Information, report, submisrion.

इतवा—एतबा (दे०) केर वा० रू०। अकबरनामा ६८, ७३, १२७। *itavā*—*Coll.* Form of etabā (q.v.).

इतस्ततः—क्रि० वि०। एम्हर-ओम्हर। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० इतस्ततः; प्राकृ० इतत्रत। मि० ३८५ (इतस्ततः महाराजकुमार लोकनि परिभ्रमण होइत देखि); मो० १७४-४७ (इतस्ततः चलितहुँ अछि)। *itastataha*—*Adv.* Hither and thither.

इतस्तोगामी—वि०। एम्हर-ओम्हर गमन करनिहार। [सं०]। वर्ण ३६ (वेश्याक कटाक्ष मारा इतस्तोगामी)। *itastogāmī*—*Adj.* Going hither and thither.

-इतह-प्रत्यय। अनिष्पतिक अर्थमे मध्यम पुरुष आदरार्थक तोँ कर्तृपद रहने सामान्यतः इतह प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०५ (हओ तोँ रहितह तँ काज चलबितह)। *-itaha*—A suffix.

-इतहक-प्रत्यय। अनिष्पतिक अर्थमे मध्यम पुरुष आदरार्थक तोँ कर्तृपद रहने क्रियाफल अनादरणीय अन्यगत [illegible] इतहक प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०५ (हओ, तोँ [illegible] [illegible]तहक तँ ओकर पालन करितहक)। *-itahaka*—A [illegible]

—𑒃𑒞𑒯𑒲𑒏 -**इतहीक**-**प्रत्यय**। अनिष्पतिक अर्थमे मध्यम पुरुष। अनादरार्थक तोँ कर्तृपद रहने क्रियाफल अनादरणीय अन्यगत सन्ताँ **इतहीक** प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०५ (रओ, तोँ ओकरा **देखितहीक** तँ आवेश करितहीक)। *-itahika*—A suffix.

—𑒃𑒞𑒯𑒳 -**इतहु**—**प्रत्यय**। अनिष्पतिक अर्थमे प्रथम पुरुष अनादरार्थक कर्तृपद रहने क्रियाफल आदरणीय तोँ पदार्थगत रहला सन्ताँ इतहु प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०४ (हओ, तोरा जँ चोर देखितहु तँ डर होइतहु)। *-itahu*—A suffix.

—𑒃𑒞𑒯𑒳𑓀 -**इतहुँ**- **प्रत्यय**। अनिष्पतिक अर्थमे हम वा अहाँ कर्तृपद रहने सामान्यतः इतहुँ प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०६। (हम वा अहाँ नाच देखितहुँ तँ आनन्द होइतहुँ)। *-itahũ*—A suffix.

—𑒃𑒞𑒯𑒴𑒢𑒿𑒯 -**इतहून्ह** **प्रत्यय**। अनिष्पतिक अर्थमे मध्यम पुरुष अनादरार्थक तोँ कर्तृपद रहने क्रियाफल आदरणीय अन्यगत सन्ताँ इतहून्ह प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०५ (हओ, तोँ हुनका देखितहून्ह तँ हुनक आवेस करितहून्ह)। *-itahūnha*—A suffix.

𑒃𑒞𑒱 **इति**—**अव्यय**। अन्त, समाप्त, पूर्णता। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असo, ने०, अव०, राज०, पा० इति; प्राकृ० इति; सि० यि। कीर्तिलता ५८ (बेसरि अरु गहइ लक्ख वरक्खइ इति का महिमा काटी); पागे १८ (इति, भादव सुदि नवमी बुध)। *iti*—*Ind.* The end.

—𑒃𑒞𑒱𑒁𑒯𑒳 -**इतिअहु**—**प्रत्यय**। अनिष्पतिक अर्थमे हम वा अहाँ कर्तृपद रहने क्रियाफल आदरणीय तोँ पदार्थगत सन्ताँ इतिअहु प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०६ (हओ, ओहिठाम रहने हम तोरा देखितिअहु)। *itiahu*—A suffix.

—𑒃𑒞𑒱𑒌𑒏 -**इतिऐक**-**प्रत्यय**। अनिष्पतिक अर्थमे हम वा अहाँ कर्तृपद रहने क्रियाफल अनादरणीय अन्यगत सन्ताँ इतिऐक प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०६ (हम वा अहाँ ओहिठाम रहने ओकरा देखितिऐक)। *-itiaika*—A suffix.

—𑒃𑒞𑒱𑒌𑒢𑒿𑒯𑒱 -**इतिऐन्हि** **प्रत्यय**। अनिष्पतिक अर्थमे हम वा अहाँ कर्तृपद रहने क्रियाफल आदरणीय अन्यगत रहला सन्ताँ इतिऐन्हि प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०६ (हम वा अहाँ ओहिठाम रहने हुनका देखितिऐन्हि)। *-itiainhi*—A suffix.

—𑒃𑒞𑒱𑒎𑒏 -**इतिऔक**—**प्रत्यय**। अनिष्पतिक अर्थमे हम वा अहाँ कर्तृपद रहने क्रियाफल अनादरणीय अन्यगत रहला सन्ताँ इतिऔक प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०६ (रओ, जँ तोरा देखितिऔक तँ राखि लितिऔक)। *itiauka*—A suffix.

𑒃𑓁𑒞𑒱𑒖𑒰𑒧 **इंतिजाम**—इन्तिजाम (दे०) केर वि० रू०। अकबरनामा ८१। *intijāma*—*Alt.* of *intajāma*.

𑒃𑒞𑒱𑒫𑒵𑒞𑒿𑒞 **इतिवृत्त**—पुरान कथा, पुरावृत्त, खिस्सा। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, इतिवृत्त मि० ४६० (एहि घटनाक **इतिवृत** समूलक के १०१६ सँ)। *itivṛtta*—History.

𑒃𑒞𑒱𑒫𑒵𑒞𑒱(𑒞𑒿𑒞𑒱) **इतिवृति(त्ति)**—कथाक पुनः उद्घाटन, फेर सँ पुरान कथाकेँ दोहराएब। [सं० इतिवृत्ति]। मि० ३१९ (पुछला पर सभ इतिवृति कहले); मि० उद्० १५८-११ (भारतीय वर्णमालाक इतिवृति); मिथिला १-२९१ (एहिठाम हम समाचार पत्रक **इतिवृति** पर किछु प्रकाश दै दैब समुचित बुझै छी); आमक० ६३ (भद्रलोक इतिवृति भूतकालसँ वर्तमान कालमे आबि गेलैन्हि)। *itivṛt(t)i*—Being history.

𑒃𑒞𑒱𑒬𑒿𑒩𑒲 **इतिश्री**—समाप्ति, अन्त। [सं०]। तु० क० हि० इतिश्री। मि० बि० ७ (ब्रह्मचर्यक अपने लोकनि इतिश्री कय देल); (इतिश्री करब) = समाप्ति करब। *itiśrī*—The end.

𑒃𑒞𑒱𑒯𑒰𑒮 **इतिहास**—(१) बीतल प्रसिद्ध घटना आओर ओहिसँ सम्बन्ध रखनिहार पात्र वा पात्रीक कालक्रमसँ वर्णन। (२) ओ पुस्तक जाहिमे बीतल प्रसिद्ध घटना आओर मनुष्यक वर्णन हो। (३) कोनो विषयसँ सम्बन्धित तथ्यकेर आदिकाल सँ वर्तमान काल तकक क्रमबद्ध वर्णन। (४) बीतल कथा। [सं०] तु० क० हि०, बं०, असo, ने० राज० अव०, इतिहास प्राकृ० व्हास। महेश० ७४ (स्वप्न इतिहासक हास); मै० हि० सा० (८–१०) ३ (इतिहास आदिक शिक्षा नितान्त आवश्यक); मि० उद्० १५७–१० (अनेको इतिहास केँ देख); चित्रा १ (किन्तु न माँपल अछि इतिहास)। *itihāsa*—History.

𑒃𑒞𑒳 **इतु**—क्रि० वि०। एतए। [इतः]। तु० क० सं० अत्र। वर्ण० २३ (वर कटक इतु हलु)। *itu*—*Adv.* Here.

—𑒃𑒞𑒺𑓀 -**इतैं**—**प्रत्यय**। अनिष्पतिक अर्थमे मध्यम पुरुष अनादरार्थक तोँ कर्तृपद रहने सामान्यतः इतैं प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०५ (रओ, तैँ देखितैँ)। *-itẽ*—A suffix.

—𑒃𑒞𑒺𑒏 -**इतैक**—**प्रत्यय**। अनिष्पतिक अर्थमे प्रथम पुरुष अनादरार्थक कर्तृपद रहने क्रियाफला अनादरणीय अन्यगत रहला सन्ताँ इतैक प्रत्यय अबैत अछि ल० वि० १०४ (बतहा केँ जँ औषध **होइतैक** तँ उन्माद छुटितैक)। *-itaika*—A suffix.

—𑒃𑒞𑒺𑒢𑒿𑒯𑒱 -**इतैन्हि**—**प्रत्यय**। अनिष्पतिक अर्थमे प्रथम पुरुष अनादरार्थक कर्तृपद रहने क्रियाफल आदरणीय अन्यगत रहला सन्ताँ इतैन्हि प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०४ (जयलालकेँ जँ औषध **होइतैन्हि** तँ दुख छुटितैन्हि)। *-itainhi*—A suffix.

𑒃𑒞𑒾𑒏 **इतौक**—**प्रत्यय**। अनिष्पतिक अर्थमे प्रथम पुरुष अनादरार्थक कर्तृपद रहने क्रियाफल अनादरणीय अन्यगत रहला सन्ताँ इतौक प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०४ (रओ, तोरा जँ चोर देखितौक तँ भय होइतौक)। *itauka*—A suffix.

𑒃𑒞𑒿𑒟 **इत्थ**—क्रि० वि०। एना, एहि तरहेँ। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, राज० इत्थ। गो० शृ० १ अमर ७१ (जनि जग जीवनक इत्थ कह छन्द। जे किछु कह सवि दास गोविन्द)। *ittha*—*Adv.* Like this.

𑒃𑒞𑒿𑒟𑒧𑒹𑒫 **इत्थमेव**—वि०। एहने। [सं०]। तु० क० हि०

इत्थमेव । महेश० ५३ (के बुझ आम्यकता शास्त्र इत्थमेव); चन्द्र० ७३ (शास्त्र इत्थमेव) । *itthameva—Adj.* Like this.

𑒃𑒞𑓂𑒨𑒰𑒠𑒱 **इत्यादि**—अव्यय । एही तरहेँ, आओर आओर दोसर । [सं०] । तु० क० हि० इत्यादि । पुरु० ४५ (इत्यादि विचारि मंत्री सभ अपन-अपन घर जायित भेलाह); मै० हि० सा० २८ (बेवकूफ इत्यादि); मि० उद० १५७-४ इत्यादि अनेक); मो० ६७-१२ इत्यादि पुनि कहिऔ; प्रय० ३६ (कोना मानम होइत अछि ... इत्यादि) । *ityādi—Ind.* So on etc.

𑒃𑒞𑓂𑒨𑒰𑒢𑓂𑒢𑒫𑒋 **इत्यान्नवए**—"इति अन्ववाय", एहि प्रकारक आनो बड़का बौड़ीक जुआ । [सं०] । तु० प्र० । वर्ण० २६ (बहत्तरि चौरासी इत्यान्नवए कओग प्रभृति ये डोठा दे अबइते आह) । *ityānnavae—Obs.* Such group.

𑒃𑒟𑒱 **इथि**¹—एतए (दे०) केर प्रा० लु० का० रू० । वि० पदा० मजु० २५, रामभद्रपुर पोथी पद ४०२ (कथि अछि सुधा इथि अछि हास) । *ithi*¹—*Old* Obs. poet. form of *etae* (q.v.).

𑒃𑒟𑒱² **इथि**²—इत्थ (दे०) केर का० रू० । वर्ण० २८ (इथि दसन्ह स्थान चुम्बन); राग० ६१ (निकुंज केर समाज इथि) । *ithi*²—*Poet.* of *ittha* (q.v.).

𑒃𑒟𑒲 **इथी**—इथि² (दे०) केर वा० रू० । वि० पदा० मजु० ४१ राग० त० ६२; न० गु० २१५, अ० २१६ (इथी बोतल आन) । *ithī—Coll.* of *ithi*² (q.v.).

𑒃𑒟𑒹 **इथे**—इथि (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० ६८; अ० ८४५ (तुया इथे लागि दुहु वइइते) । *ithe—Poet.* of *ithi* (q.v.).

𑒃𑒟𑓂𑒨𑒹𑒢𑓂𑒞 **इथ्येन्त**—एकर भीतर वा अभ्यन्तर । [सं०] । कीर्तिलता ४१ (इथ्येन्त पुनु रोल पड़ सोराड़ु कोजनि) । *ithyenta*—Within this.

𑒃𑓀𑒠𑒩 **इंदर**—इन्द्र (दे०) केर ग्रा० रू० । ग्रि० । *indara*—Folk form of *indra* (q.v.).

𑒃𑒠𑒱𑒩 𑒫𑒱𑒠𑒱𑒩 **इदिर विदिर**—निरर्थक । तु० क० हि० तितर-बितर । (अओ बौआ इदिर-बिदिर की बजैत छी) *idira vidira*—Nonsense.

𑒃𑒠𑒵𑒏𑓂 **इदृक**—उनचास वायुमे एकटाक नाम । [सं० ईदृक्] । *idṛk*—One of the 49 winds.

𑒃𑒢 **इन**—छिका-छिकी मे इनके व्यवहार होइछ तथा का प्रत्यय लगओला पर एहिमे पूर्णता अवैछ; यथा इनका । FML 412. *ina*—Used in *chikā-chikī* in the sense of this.

𑒃𑒢𑒏𑒰𑒩 **इनकार**—अस्वीकार, नामंजुरी, नहि मानब वा करब । [अर०] । तु० क० हि० इनकार भलमानुष १६६ । *inakāra*—Reject, disagreement.

𑒃𑒢𑒏𑒱𑒪𑒰𑒥𑒲 **इनकिलाबी**—वि० । क्रान्ति वा परिवर्तन लओनिहार । [सं०] । तु० क० हि० इनकिलाबी । नव० ६८ (तीन-तीन थानाक इनकिलाबी लीडर रहए) । *inakilāvī—Adj.* Revolutionist.

𑒃𑒢𑒏𑓂𑒫𑒰𑒩𑒲 **इनक्वारी**- छानबीन, ताकब; खोज । [आंग्ल] । प्रयास १८ । *inkvārī*—Enquiry.

𑒃𑒢𑒩𑒰 **इनरा**—ग्रा० रू० । इनार । [इनार + आ] । (इनार क खसल जमुतिह ठाढ़) । *inarā*—Folk form of *ināra* (q.v.). A well.

𑒃𑒢𑒯𑒼𑒩 **इनहोर**—गरम वा उष्ण (जल) (दी०) । [इन + अओर] (इनहोर कनिकें जलदी करैत) । *inahora*-Hot (Water).

𑒃𑒢𑒰𑒧 **इनाम**—पुरस्कार, पारितोषिक । [अर०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, नें०, अव०, राज०, उर्दू इनाम । ग्रि०, मि० २३१ (चननपुरा गाम इनाम भेटलन्हि); कन्या० ७६ (इनाम दिय) । *ināma*—Prize, reward.

𑒃𑒢𑒰𑒩 **इनार**—पानि पीबाक हेतु बनाओल गेल गहींड़ खाधि जे ईंटा सीमेंटसँ बेढ़ल रहैक । [सं० अन्तरा, अन्दर (दे०) अथवा ई (अव्यय) + नीर (=जल)] । तु० क० इनारा; ने० इनार । मि० BPL 920; ३६८ (लोक इनार पोखरि दिरा तकैक); मै० हि० सा० ५८ (इनार पोखरि आदि); प्रय० ५३ (ओकरा समेत इनार मे पैसक हेतु विदा भेलीह); चित्रा ५५ (दीदिक इनारक पानि); मि० वि० ४० (ठामठाम पर इनार पोखरि बान्ह पुल इत्यादिक निर्माण भेल) । *ināra*—A well.

𑒃𑒢𑒮𑒳𑒪𑒱𑒢 **इनसुलिन**—मधुमेह रोकबाक औषध । [आँग्ल] । तु० क० हि० इनसोलिन । मिहि० ४६-४०-३ (किन्तु इनसुलिन सँ छुट्य से गर्ज रहए तखन ने) । *insulina*—Insulin.

-𑒃𑒢𑒱 **-इनि** प्रत्यय । स्त्री बोध अभिप्रेत रहला पर उभयलिंग शब्दसँ (अकारान्त जाति वाचक शब्दसँ) इनि प्रत्यय अबैत अछि । ल० वि० १०४ (राड़ सँ राड़िन; दाससँ दासिनि; खवाससँ खवासिनी; अमातसँ अमातिन) । *-ini*—Suffix for forming Fem.

-𑒃𑒢𑒲 **-इनी**-प्रत्यय । स्त्री बोध अभिप्रेत रहला पर उभयलिंग शब्दसँ इनी प्रत्यय अबैत अछि । ल० वि० ६४ (अमातसँ अमातिनी; केओटसँ केओटिनी; खवाससँ खवासिनी) । *-inī*—Suffix as *ini* (q.v.).

𑒃𑒢𑓂𑒞(𑒢𑓂𑒞𑒱)𑒖𑒰𑒧 **इन्त(न्ति)जाम**—प्रबन्ध, संगठन, व्यवस्था । [अर०] । तु० क० हि०, अर०, ने० इन्तिजाम इन्तजाम । प्रय० ६१ ओहि दिनसँ ई इन्तिजाम भेल) । *inta(nti)jāma*—Management.

𑒃𑒢𑓂𑒞𑒱𑒯𑒰𑒢 **इन्तिहान**—परीक्षा । [अर०] । तु० क० उ० इम्तहान; इन्तिहान । मिथिला भाषा प्रकाश १२ । *intihāna*—Examination.

𑒃𑒢𑓂𑒠¹ **इन्द**¹—इन्द्र (दे०) केर प्रा० लु० रू० । कीर्तिलता १४ (लेहेन राए गअनेस गउँ सुरपुर इन्द समाज) । *inda*¹—*Old* Obs. of *indra* (q.v.).

𑒃𑒢𑓂𑒠² इन्द²—सूर्य। [सं०]। कीo लo ५६ (इन्द चन्द आभास कमन परि एहि समय पेल्लव)। *inda²*—Sun.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑒩 **इन्दर**–इन्द्र (दे०) केर प्रा० रू०। गोनू विनोद २०। *indara*—Folk form of *indra* (q. v.).

𑒃𑒢𑓂𑒠𑒱 **इन्दि**—इन्दिअ (दे०) केर संक्षि० रू०। चर्य्या ४५/१। *indi—Short* form of *India* (q.v.).

𑒃𑒢𑓂𑒠𑒱𑒁 **इन्दिअ**—इन्द्रिय (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० ३७२ (इन्दिय दारून जतहि हटिअ) चर्य्या ३१/१; FML 414. *india—Poet.* form of *indriya* (q.v.).

𑒃𑒢𑓂𑒠𑒱𑒂𑒪 **इन्दिआल**—इन्द्रियजाल केर प्रा० लु० रू०। चर्य्या ३०/३;FML 47. *indiāla—Old* obs form of *indriyajāla.*

𑒃𑒢𑓂𑒠𑒰𑒩 **इन्दार**-इनार (दे०) केर प्रा० लु० रू०। मै० सा० इ० २२७ (१२२३ साल) (इन्दार दढ़ाय वा मँगवाय)। *indāra*—Obs. form of *ināra* (q.v.).

𑒃𑒢𑓂𑒠𑒱𑒩𑒰 **इन्दिरा**—लक्ष्मी, विष्णु, स्त्री, सुन्दर। [सं०]। तु० क० बं० इन्दिरा। राम ४० (मन्दिरमे इन्दिरा कहाब बालिका छलीह); अम० ७ (इन्दिरा लोकमातृमा)। *indirā*—Lakṣmī, wife of Viṣṇu.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑒱𑒫𑒱𑒮𑒂 **इन्दिविसआ**—इन्द्रियक विषय वा वस्तु। [सं०]। चर्य्या० ४१/३। *indivisaā*—Pleasures of *indriya* (q.v.).

𑒃𑒢𑓂𑒠𑒲𑒖𑒰𑒢𑒲 **इन्दीजानी**—वि०। इन्द्रिय कैँ जननिहार, बुझनिहार। [इन्द्रियाणि > इन्दिजानी]। चर्या० ३४/४; FML 290, *indījānī—Adj.* Who knows the different senses.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑒲𑒫𑒩 **इन्दीवर**—नीलकमल। [सं०]। तु० क० बं०, अस०, ने०, राज०, इन्दीवर; पा०, प्राकृ० इन्दिवर। वि० पदा० मजु० २१, न० गु० तालपत्र ११७; पं० न० १३३६, अ० १२० तथा ४७५ (जनि इन्दीवर पवले पेलल); गो० श्र० १, अम० ११ (इन्दीवर युग लोचन सुभग चंचल अंचल कुसुम शेर); पा० ह० १ (तनु इन्दीवर श्यामल चोरि); राम० १७ इन्दीवर शोभा कर दूर)। *indīvara*—Blue lotus.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑒳 **इन्दु**—चन्द्रमा, मयंक, कपूर। [सं०]। तु० क० बं०, अस०, ने०, पा०, प्राकृ० इन्दु; हि० इन्दु। वि० पदा० मजु० ७०; राग त० ५; न० गु० तालपत्र २४८, अ० २४८ (चान्दने लिखए इन्दु); वि० ने० ६८ (इन्दु से इन्दु हर इन्दुत); गो० श्र० १ अम० १८ (सिन्दुर बिन्दु चन्दन इन्दु भाँपल उर पर पावक राग); मि० उद्० १५१-१५ (वदन इन्दु अरविन्द विनिन्दक)। *indu*—Moon.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑒳𑒏 **इन्दुक**—एक प्रकारक वृक्ष जाहिसँ आगि उत्पन्न होइछ। [सं०]। तु० क० सि० उदिहृ; हि० इन्दुक। राम० ४६ इन्दुक भानुकृ वा नयन अवतार भैं)। *induka*—A kind of fire plant.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑒳𑒧𑒞𑒲 **इन्दुमती**—(१) पूर्णिमा। (२) इन्दुमती रानी, राजा अजक पत्नी। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० इन्दुमती। रघुवंश ८१ *indumati*—Full moon, Queen Indumatī, the wife of king Aja.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑒳𑒧𑒳𑒐𑒲 **इन्दुमुखी**—वि०। चन्द्रमा सदृश मुँहवाली। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, इन्दुमुखि गो० श्र० १ अम० २२ (फागुक बिन्दु इन्दुमुखि निन्दसि सिन्दुर करि अनुमाने)। *indumukhī—Adj.* (A lady) possessing face like the moon.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑒳𑒩 **इन्दुर**—मूस। [सं०]। तु० क० बं० इन्दुर, हि० इन्दुर। वि० पदा० मजु० ७१, प० त० २१६, न० गु० २५०, अ० २४६ (नख दाड़िम बीज इन्दुरतन जिनि)। *indura*—Mouse.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑒴 **इन्दू**—इन्दु (दे०) केर का० रू०। गो० श्र० १ अम० २ (तहि सम रेहह सिन्दूर बिन्दू। कुङ्कुम माँजि साजि मुख इन्दू। *indū—Poet* of *indu* (q. v.).

𑒃𑒢𑓂𑒠𑒹 **इन्दे**—क्रि० वि०। एहि तरहेँ [FML 439]। *inde—Adv.* This way.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 **इन्द्र**—देवताक नाम, देवताक राजा, सभ देवतामे श्रेष्ठ तथा हिनक स्थान अन्तरिक्ष मानल जाइछ एवं ई पानिक वर्षा करैत छथि। [सं०]। तु० क० हि० इन्द्र; पा० इन्द; पा० मा० इंद; सि० इन्‍न्दु। वर्ण० ६० (इन्द्र अग्नि यम), वर्ण० ३१ (इन्द्रक खाण्डववन सुग्रीवक मधुवन); म० कृ० ३ (इन्द्र अंश अर्जुन अवतार); राम० ११ (जौं हो इन्द्र समान); FML 289 (इन्द्र सहस्त्राक्ष भेलाह); मै० हि० सा० (वशिष्ठ इन्द्रक यज्ञ कराब गेलाह); मि० उ० १५७-१७ (एक समय नारद इन्द्रक सभामे बैसल छलाह)। *indra*—The God Indra.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒏𑒧𑒪 **इन्द्रकमल**—एक प्रकारक उज्जर सुगन्धित पुष्प। [सं०]। तु० क० बं०, ने०, अस० इन्द्रकमल। चित्रा ६६ (इन्द्र-कमल ओ तोरा मधुरी)। *indrakamala*—A kind of white fragrant flower.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒖𑒍 **इन्द्रजओ**—इन्द्रयव, यवाकार औषधि विशेष। [सं०]। *indrajao*—A kind of herb whose shape is like barley.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒖𑒰𑒪 **इन्द्रजाल**—मायाकार्य, जादूगरी। [सं०]। तु० क० हि० इन्द्रजाल; बं० अस०, ने० राज० श्व० इन्द्रजाल। वर्ण० २० (सन्धानक इन्द्रजाल); राम० २४६ (अथवा इन्द्रजाल विज्ञानी); पुरु० १४४ (इन्द्रजाल से कहथि महान); प्रण० १८१ (ई कौन इन्द्रजाल भेल)। *indrajāla*—Magic.

𑒃𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒖𑒰𑒪𑒱𑒢𑒲 **इन्द्रजालिनी**—इन्द्रजाली (दे०) केर स्त्री रू०। साओन० १६ इन्द्रजालिनी प्रकृति नटी केर)।

indrajālinī—*Fem* form of *indrajālī* (q.v.).

ꯑꯅ्द्रजाली **इन्द्रजाली**—वि० । मायावी, जादूगर, इन्द्रजाल करनिहार । [सं०] । तु० क० हि० इन्द्रजाली; ने० बं०, असं०; राज० इन्द्रजाली । (इन्द्रजालीक चक्करमे जनु पड़ी) । *indrajālī*—*Adj.* Magician.

ꯑꯅ्द्रजित **इन्द्रजित**—रावणक बेटा मेघनाद । [सं०] । तु० क० हि० इन्द्रजित; बं०, असं०, ने०, राज०, अव०, इन्द्रजीत । राम० २६६ (जे तनिकर मर इन्द्रजित) । *indrajita*—The son of Ravana, Meghanad.

ꯑꯅ्द्रधनुस **इन्द्रधनुष**—सात रंगक बनल एक अर्धवृत्त जे वर्षाकालमे सूर्यक विपरीत दिशामे आकाशमे देखि पड़ैछ । जखन सूर्यक किरण बरसैत पानि के पार करैत अछि, तखन ओकर प्रतिच्छायासँ इन्द्रधनुष बनैत अछि । [सं०] । तु० क० हि० इन्द्रधनुष; बं०, ने० असं०, राज०, अव० इन्द्रधनुष । नव० १४ (इन्द्रधनुष जकाँ जगमगाएल) । *iudradhanusa*—Rainbow.

ꯑꯅ्द्रनील (मनि) **इन्द्रनील (मणि)**—नीलमणि,नीलम । [सं०] । तु० क० हि० इंद्रनील । वर्ण० १८ (इन्द्रनीलक प्रतिबिम्ब अइसन); राम० १२ इन्द्रनीलमणि छविमयअङ्ग) । *indranīla (mani)*—Sapphire.

ꯑꯅ्द्रप्रस्थ **इन्द्रप्रस्थ**—एक नगर जकरा पांडव सब मिलि खाण्डव वन जराकए बसओलन्हि । ई आधुनिक दिल्लीक सन्निकट अछि । [सं०] । तु० क० हि० इन्द्रप्रस्थ; बं० असं०, ने० राज०, अव० इन्द्रप्रस्थ । (इन्द्रप्रस्थ पाण्डवक स्वनिर्मित नगर छल) । *indraprastha*—Name of a city near Delhi.

ꯑꯅ्द्रभवन **इन्द्रभवन**—इन्द्रक भवन, घर वा इन्द्रक घर सदृश सुन्दर घर । [सं] । मन० कृष्ण० ५ (ई कहि इन्द्रभवन होयत वास) । *indrabhawana*—The house of Indra

ꯑꯅ्द्रलोक **इन्द्रलोक**—स्वर्ग । [सं०] । [ऋषि मुनि अपन कर्मक बलेँ इन्द्रलोक पओलन्हि) । *indraloka*—Heaven.

ꯑꯅ्द्रसेना **इन्द्रसेना**—एकटा पतिव्रताक नाम । [सं०] । वर्ण० ५६ (इन्द्रसेना, अनुसूया, लोपामुद्रा) । *indrasenā*—Name of a faithful wife.

ꯑꯅ्द्राणी **इन्द्राणी** इन्द्रक पत्नी, शची, दुर्गादेवी । [सं०] । तु० क० हि० इन्द्राणी; बं० इन्द्राणी । राम० ४२ (इन्द्राणी गज गामिनि सब्बे) । *indrānī*—The wife of God Indra, Durga Devi.

ꯑꯅ्द्रायण **इन्द्रायण**—जड़ी विशेष जे पसरहट्टा दोकानपर भेटैत अछि, वाहिमे बान्हल जाइछ एवं ओषधि निर्माण मे प्रयोग होइछ । *indrāyana*—Name of a herb.

ꯑꯅ्द्रासन **इन्द्रासन**—राजसिंहासन, इन्द्र देवताक सिंहासन, विशेष सुखक स्थान । [सं०] । तु० क० हि० इन्द्रासन; बं० असं०, ने०, अव०, राज० इन्द्रासन । मि०; खट्ट० ११७ (कतहु इन्द्रासन ने छिना जाय) । *indrāsana*—Place of happiness, the throne of Indra.

ꯑꯅ्द्रिय **इन्द्रिय**—ओ शक्ति जाहिसँ बाहरी विषयक ज्ञान प्राप्त होइछ । ओ शक्ति जाहिसँ बाहरी वस्तुक भिन्न-भिन्न रूपमे अनुभव होइछ; शरीरक ओ अवयव जे शक्ति द्वारा विषयक ज्ञान प्राप्त करैछ । [सं०] । तु० क० हि० इन्द्रिय; बं०, असं०, ने०, पा०, अव०, राज० इन्द्रिय; प्राकृ० इंदिअ; गु०, सि० इन्द्री । राम० १२५ (अहङ्कार मति इन्द्रिय सब्बे); महेश० १६ (इन्द्रिय अनेक भावै); पुरु० २४० (जित इन्द्रिय सँ योगाभ्यास); प्रण० (इन्द्रिय सुख कोनो वस्तु नहि थिकैक) । *indriya*—A sense organ.

ꯑꯅ्द्रियजीत **इन्द्रियजीत**—वि० । जे इन्द्रियकेँ जीति नेने अछि वा अपना वशमे कए नेने अछि । [सं] । तु० क० हि० इन्द्रियजीत; बं०, असं०, ने० इन्द्रियजीय । मो० ६६-२ (सै पुनि इन्द्रियजीत) । *indriyajīta*—*Adj.* (One) having command over his sense-organs.

ꯑꯅ्द्रियनिग्रह **इन्द्रियनिग्रह**—इन्द्रियकेँ दबाएब वा इन्द्रिय केर वेगकेँ रोकबाक उपाय । [सं०] । तु० क० हि० इन्द्रियनिग्रह; बं० इन्द्रियनिग्रह । खट्ट० ७२ (तैं इन्द्रियनिग्रह राख) । *indriyanigraha*—Controlling sense organs.

ꯑꯅ्द्री **इन्द्री**—ग्रा० प्र० पुरुषक लिंग । [सं० इन्द्रिय] । *indrī*—Folk form. Penis.

ꯑꯅ्धन **इन्धन**—जारनि, जरएबाक काठ । [सं०] । तु० क० हि० इंधन; बं०, असं०, ने० पा० इन्धन; प्राकृ० इंधण । कीर्तिलता ४३ (चान्दनक मूल इन्धन बिका); गो० श्यं०, अम० ४ (वेणुक फूल मदनानल कुल इन्धन भै जारि); राम० ७७ (अनल वनल बितु इन्धन); पुरु० १६ (अग्निक इन्धन प्राण) । *indhana*—Faggot.

ꯑꯅ्नर **इन्नर**—इन्द्र (दे०) केर ग्रा० रू० । FML 119; नव० ३६ (देखिइओ इन्नर महराज) । *innara*—Folk form of *indra* (q. v.).

ꯑꯅ्ना **इन्ना**—एना (दे०) केर बा० रू० । FML 434, 438, *innā*—*Coll* form of *enā* (q.v).

ꯑꯅ्स्टीट्यूट **इन्स्टीट्यूट**—संस्थान । [अंग्ल] । तु० क० हि० इंस्टीच्यूट । मिथिला मे शिक्षा १० । *instityūta*—Institution.

ꯑꯅ्सपेक्टर **इन्सपेक्टर**—निरीक्षक, देखभाल करनिहार । [अंग्ल] । तु० क० हि० इंस्पेक्टर । नव० ७ (सप्लाई इन्सपेक्टर आदि केँ तहकीकात क' देलइक) । *inspektara*—Inspectcor

ꯑꯅ्हर **इन्हर**—खोट्टामे इम्हरकेर बा० रू० FML 430 474. F.F. of *imhara* (q.v.).

ꯑꯅ्होर **इन्होर**—इनहोर (दे०) केर विक० रू० । ... सा इ० २६ । *inhora*—*Alt.* Form of *inahora* (q.v.).

ओइप्सा इप्सा—इच्छा, लालसा, मनोकामना : [सं० ईप्सा] । स्त्री शिक्षा ४६ (इप्सा राखथि) । *ipsā*—Wish.

ओम इम—एहि तरहें, एहि रास्तासँ । तु० प्र० । [सं० इमम्] तु० क० जिमि । बि० ने० ७२ (इम नारी मेलि करावए जे) । *ima*—*Obs.* This way.

ओमन्दार इमन्दार—इमानदार (दे०) केर विक० रू० । नव० ३६ (बाप ओकर इमन्दार आ निर्लोभी पंडित रहथिन्ह) । *imandāra*—*Alt.* Form of *imānadāra* (q.v.).

ओमली इमली—तेतरिकेँ हि० मे इमली कहल जाइछ । [हि०] मि० इ० ४६३ (इमली कतहीं देत); खट्ट० ५५ (हम मगदैह आम त देती इमली) । BPL 1310,1314. *imalī*—Tamarind.

ओमहर इमहर—एम्हर (दे०) केर प्रा० रू० । FML 439 *imahara*—*Coll.* Form of *emhara* (q.v.).

ओमान इमान—विश्वास, धर्म । [अर०] । तु० क० बं० ने०, असा०, इमान । FML 124; मलमानुष ४७ । *imāna*—Faith.

ओमान्दार इमान्दार—वि० । विश्वासपात्र, चतुर । [अर०] । तु० क० ने०, बं०, असा० इमान्दर । (अहाँक नोकर बड़ इमन्दर अछि । *imāndara*—*Adj.* Faithful, honest.

ओमिटेशन इमिटेशन—मिलैत, नकली, पालिश चढ़ल । [अंग्र०] । व्यवहार विज्ञान १८० (रोल्डगोल्डक इमिटेशन) । *imiteśana*—Imitation

ओमिर(रि)ती इमिर(रि)ती—अमिरती (दे०) केर वा० रू० । [फा० इमारत] B.P.L 1073,1272. *imira(ri)tī*—*Coll.* form of *amiratī* (q.v.).

ओम्हर इम्हर—एम्हर (दे०) केर विक० रू० । मि० २८२ (एहि व्यक्तिक विषयमे एम्हर आबि समय बिरल पर गद्दीनशीन भेल); FML 439, 570 *imhara*—*Alt.* form of *emhara* (q.v.).

ओम्हरहि इम्हरहि—इम्हर (दे०) केर निश्च० रू० । मि० ३३८ (पथ क्रमेँ एम्हरहि देने छलहुँ । *imharahi*—*Emph.* form of *emhara* (q.v.).

ओयत्ता इयत्ता—सीमा, परिमिति । [सं०] । तु० क० इयत्ता । श्रमo २८२ (शास्त्र इयत्ता दशार्थ); नरोत्तम ६३ । *iyattā*—line.

ओयाद इयाद—याद (दे०) केर ग्रा० रू० । तु० क० बं० इयाद । (इयाद नहि होइ छैक) । *iyāda*—*Folk* Form of *yāda* (q.v.).

ओयार इयार—इआर (दे०) केर विक० रू० । वि० ने० ३६८ (मति भर भलि थिक ओल इयार); राम० २१० (अग्नि वायु दुहु थिकथि इयार); पारो (इयारक कान फुकल) । *iyāra*—*Alt.* Form of *iāra* (q.v.).

ओयारी इयारी—मित्रता (दे०) । [इयार+ई] । (अओ इयारी मे फतहु मारि दंगा हो) । *iyārī*—Friendship.

ओयाह इयाह—इएह (दे०) केर अशु० रू० । काठोपनिषद ७६ । *iyāha*—Err. of *ieha* (q.v.).

ओयैह इयैह—इएह (दे०) केर अशु० रू० । मि० २७१ (इयैह कहल गेल अछि); पारो १६ (हम इयैह अएलहुँ) । *iyaiha* Err. Form of *ieiha* (q.v.).

ओरखा इरखा—डाह, अनकर उन्नतिसँ जरब । [ईर्षा] । तु० क० हि० इरखा । नव० ६५ (तहू पर इरखा होइक); आगि मोम पाथर २१ (परिपाटीक इरखा हृदयमे रामरूपक प्रतिमेँ) । *irakhā*—Enviousness.

ओरहर इरहर—इड़हर (दे०) केर वा० रू० । व्यo वि० १२३ (इरहर रामरुच रमचकरा) । *irahara*—*Alt.* form of *iḍahara* (q.v.).

ओराक इराक—पश्चिम एशियाक एक देशक नाम । [फा०] । तु० क० हि० इराक । अकबर नामा २८, ४६; ४८ । *irāka*—Name of a country.

ओरादा इरादा—इच्छा, विचार, कर्त्तव्य । [अर०] । तु० क० हि०, उर्दू० इरादा; BPL 1464 । (अहाँक की इरादा अछि) । *irāda*—Intention, wish, desire.

ओरोत इरोत—ओट, व्यवधान (दे०) । [सं० आवृत्त] । राम० ६३ (कवडी कलजल कइ इरोत) । *irota*—Obstruction.

-ओल -इल—प्रत्यय । उत्पन्न होएनिहार एवं रहनिहार दूनू भव कहबैत अछि । भव अर्थमे इल प्रत्यय अबैत अछि । ल० वि० ३७ (साँमिल, माभिल) । *-ila*—A suffix.

ओलगास इलगास—ग्रा० रू० इजलास । [इजलास] । FML 143. *ilagāsa*—Folk form of *ijalāsa*.

ओलची[1] इलची[1]—फल विशेष (दे०), अलाची । [एला (सं०) + ची (छोट)] । *ilacī*[1]—Cardamom.

ओलची[2] इलची[2]—वि० । उपद्रवक हेतु अस्थिर धिया पुताक हेतु निन्दा मे प्रयोग कएल जाइछ । *ilacī*[2]—*Adj.* Mischievous (child).

ओलम इलम—ज्ञान, जानकारी । [अर० इल्म] । तु० क० हि० इलम । जयवार ५६ । *ilama*—Knowledge.

ओलमलिया इलमलिया—केवाड़क लोहक छिटकी । *ilamaliyā*—An iron latch.

ओलमिरा इलमिरा—अलमारी (दे०) केर अशु० रू० । न० वि० ११६ (इलमिर मे स्पिरीट मैन्टल छैक) । *ilamirā*—Erro. form of *alamārī* (q.v.).

-ओला-इला—प्रत्यय । उत्पन्न होएनिहार वा रहनिहार दूनू भव कहबैत अछि । भव अर्थमे इला प्रत्यय अबैत अछि । ल० वि० ३७ (देशेँ देशिला; आगाँ अगिला पछिला) । *-ilā*—Suffix.

इलाइची—अलाची [सं० एला]। BPL 1272; अम० १०२ (इ पाँच अलाची वा इलाइचीक नाम); कन्या० १०३ (थोड़ेक इलाइची दाना)। *ilāicī*–Cardamom.

इलाका—राज्य, सम्बन्ध, अपेक्षा, जमीन्दारी। [अर० इलाका]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० इलाका मै० हि० सा० (८–१२) ५ (अपन वस्तु जात जमीनदारक इलाका। लगा देल); नव० ५३ (दस कोशक इलाकामे हिनक नाम चलइ छन्हि)। *ilākā*—Domain.

इलाज—दवाइ, औषध, निवारणक उपाय वा युक्ति। [अर०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज०, अव० इलाज। FML 124; द्विरा० ३३ (कथिक इलाज होइ छलइ); रंग ३६ (इलाज करेर फेरमे); चन्द्रकला १५३। *ilāja*—Treatment.

इलाजे—इलाज (दे०) केर का० रू०। श्री कृष्ण जन्म रहस्य २३। *ilāje*—Poet. form of *ilāja* (q.v.)

इलाम—आज्ञा, हुक्म। [अर० ऐलान]। तु० क० हि० इलाम। BPL 1217। *ilāma*—Order.

इलामे—इनाम (दे०) केर प्रा० अवहट्ट रू०: कीर्तिलता ३१ (सुरतान सलामे लहिअ इलामे)। *ilāme*—*Old avahattha* form of *ināme* (q.v.)

इलाही-ईश्वर, परमात्मा, भगवान, खुदा। [अर०]। तु० क० हि०, अव०, बं०, ने०, अस० इलाही। BPL 1491; अकबरनामा २४१। *ilāhī*—The Almighty God.

इलिम—इलम (दे०) केर वि० रू०। तु० क० उर्दू भोज०, इलिम। उ० ना० ति० २२। *ilima*—*Alt.* form of *ilama* (q.v.).

इलेक्ट्रोन—परमाणु वा पदमकेर अवयव। [आंग्ल]। तु० क० हि० इलेक्ट्रोन। मिहिर १३ (२–६१–१०४) *ilektrona*—Electron.

इव—अव्यय। उपमावाचक शब्द, समान, सदृश, तुल्य। [सं०]। तु० क० हि० इव। वि० प० ७ (मीन रूप इव धप कैं)। *iva*—*Ind.* Similar.

इशान—दिक्पालक नाम, ईशान कोनक देवता। वर्ण० ६० (मरुत कुवेर इशान)। *iśāna*—Name of the deity presiding over N.E. direction.

इशारा—संकेत, गुप्त प्रेरणा, चेष्टा। [अर० इशारह्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० इशारा। कन्या० १३७ (इशारा पर काज करय लगलाह); नद० ४७ (भागिन अङ्कुरक इशारा सँ लग आबय कहलथिन)। *iśārā*—Signal.

इस्टाम्प—टिकट वा रजिष्ट्री जमीन लिखएबाक हेतु सरकारी सील मोहरवला कागत। [आंग्ल]। BPL 123। *isṭāmpa*—Stamp.

इस्टीशन—इसटीशन (दे०) केर वा० रू०। ट्रेन वा रेलगाड़ी रुकबाक स्थान जतय लोक उतरैत अछि। [आंग्ल]। FML 119। *isṭīśana*—*Coll.* of *isatiśana* (q.v.).

इस्वर—ईश्वर (दे०) केर वा० रू०; वर्ण० ५८ (इस्वर कपाली भव स्थानु)। *isvara*—*Coll.* of *īśvara* (q. v.).

इस्वरी—इस्वर (दे०) केर स्त्री० रू०। वर्ण० ६३ (नायकहि गृह इस्वरी)। *isvarī*—*Fem.* of *īśvara* (q.v.).

इषत—क्रि० वि०। थोड़, कम। [सं० ईषत्]। राम० ३१५ (इषत हँसति मुख राम निहार)। *iṣata*—*Adv.* Slight.

इष्ट—वि०। अभिलषित, वाञ्छित, अभिप्रेत, पूजित, प्रिय, अनुकूल। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० इष्ट। बालकाण्ड ६ (परम इष्ट अपनै काँ जैह); चन्द्र० १६८ (अइँक इष्ट); पुरु० १ (अर्चन करै छथि इष्ट काज); मो० ६७–५ (इष्ट अपन सुरवरण कमलकें लगा रहल छथि); अम० २१६ (निकाम इष्ट यथेप्सित)। *iṣṭa*—*Adj.* Loved, desired, wished, respected.

इष्टइन्डिया—विदेशक एक गोरा जत्थाँ पहिने भारतमे व्यापारक दृष्टिकोणसँ जमओलक आ बादमे शासन करए लागल। [आंग्ल]। मि० ३३१ (हिनकहि समयमे इष्टइन्डिया कम्पनीक अधिकार बङ्गाल बर्दमान होइत)। *iṣṭa-indiyā*—East India.

इष्टकारोपण-ईंटाक गाड़ल जाएब वा घरक नेओंबला ईंटा रोपि लेब। [सं०]। मि० ३२६ (निर्धारित मुहूर्तमे ओहि स्थानमे इष्टकारोपण कयल गेल)। *iṣṭakāropaṇa*—Brick laying.

इष्टदेव(ता)—कुल देवता, आराध्य देवता, ओ देवता जनिक पूजासँ मनोकामना पूर्ति हो। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० इष्टदेव; इष्टदेवता। वर्ण० १५ (इष्टदेवता स्मरण करु); महेश० ४४ (सम लोकक इष्टदेव); मै० हि० सा० (८–१२) २० (इष्टदेव जे कारण पूजल); प्रण० १६८ (इष्टदेवकें प्रणाम कए आँखि फोललन्हि)। *iṣṭadeva(tā)*—Family deity.

इष्टाङ्गना—इष्ट स्त्री। [सं०]। वर्ण० ६५ (होम निर्वाहि इष्टाङ्गना लाज दिहु)। *iṣṭāṅganā*-Bride, the desired woman.

इष्टमाला—इष्टमन्त्र जाप करबाक माला। [सं०]। चर्च्या० ४०/१। *iṣṭamālā*—The string of beads for praying one's *iṣṭadevatā* (q.v.).

इष्टि—इच्छा, अभिलाषा, इष्टदेव। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० इष्टि; प्राकृ० इट्ठि। (अइँक की इष्टि अछि)। *iṣṭi*—Wish.

𑒃𑒮 **इस**-अव्यय। अचानक खेद, कष्ट, पीडा, दुखजनक शब्द। [टीस] (दे०)। तु० क० बं०; ने० **इस**। (इस बड़ जोरसँ चोट लागल)। *isa*—An interjection of sudden pain, sorrow etc.

𑒃𑒮𑒃𑒮𑒲 **इसइसी**—कष्ट वा दुखक प्रभावक अनुभव। [सं०] [इस+इस+ई]। अपूर्व रसगुल्ला ३। *isaisī*—Pain.

𑒃𑒮𑒏𑒳𑒪 **इसकुल**—स्कूल (दे०) केर बा० रू०। पारो ८ (सकूल एक दू दिन देरियेसँ पहुँचब तैसँ की)। FML 190; मिहिर ६ (२-६१-६३); बंगीय शब्दकोष ५०३। *isakula*—*Coll.* of *skūla* (q.v.).

𑒃𑒮𑒏𑒳𑒪𑒱𑒂(𑒨𑒰) **इसकुलिआ(या)**—स्कूलसँ सम्बन्धित। [आंग्ल]। नव० ५८ (इसकुलिया कापी सभक शेष अंशमे कतहु पिनसिलसँ लिखल)। *isakulia(yā)*—Relating to school.

𑒃𑒮𑒐𑒱𑒨𑒰𑒧 **इसखियाम**—अपन सौटबाक गुणके उद्घाटन करब। [इसखी+आम=युक्त]। मि० भा० प्र० २६। *isakhiyāma*—Fondness for decoration, ostentation.

𑒃𑒮𑒐𑒲 **इसखी**—वि०। सौटसिंहार, स्वशरीर सौन्दर्य प्रेमी (दी०)। [उर्दू शौकीन अथवा इश्क]। तु० क० **सओखीन**। (इसखी बिलाडी कें कमलक चोली); (इसखी मुइला माघ मास); (इसखी मौअति माघ मास)। *isakhī*—*Adj.* Who decorates himself.

𑒃𑒮𑒙𑒲𑒬(𑒮)𑒢 **इसटीश(स)न**—रेलगाड़ी रुकबाक स्थान तथा जतय लोक उतरय। [आंग्ल]। मि०; नव० २४ (इसटीशन सँ लोभे उत्तर पड़इ छलइक); नव० ५५ (पण्डित घटक राज अन्हरोखहि **इसटीशन** गेल रहथि)। *isaṭīśa(sa)na*—Railway station.

𑒃𑒮𑒞 **इसत**—इषत (दे०) केर अशु० रू०। वि० पदा० मञ्जु० २८; प० त० २०१, क्षणदा १९; कीर्तनानन्द १३२; न० गु० ४५; अब० ४२ (इसत हासिनी मुखे हानल नयण वाण)। *isata*—Err. of *iṣata* (q.v.).

𑒃𑒮𑒞𑒱(𑒞𑒲)𑒩𑒲 **इसति(ती)री**—इस्तिरी (दे०) केर ग्रा० रू०। BPL 389, FML 120. *isati(tī)rī*—Folk form of *istirī* (q. v.).

𑒃𑒮𑒣𑒰𑒞 **इसपात**—स्पात (दे०) केर बा० रू०। तु० क० हि० **इसपात**। FML 190. *isapāta*—*Coll.* of *spāta* (q.v.).

𑒃𑒮𑒤𑒑𑒼𑒪 **इसफगोल**—औषध विशेष (दी०)। [फा० इसपगोल]। तु० क० हि० **इसबगोल**। गर्मीमे लोक ठंढाक हेतु **इसफगोलक** भुस्सी पिबैत अछि)। *isaphagola*—Name of a herb.

𑒃𑒮𑒩 **इसर**—ईश्वर (दे०) केर का० रू०। तु० क० भोज०; हि० **इसर**। वि० ने० ५४ (बिनु बिसे इसर नाम उगना); वि० ने० २५६ (तैलोक **इसर** हर के नहि जाने)। *isara*—*Poet* of *īśvara* (q.v.).

𑒃𑒮𑒩𑒑𑒞 (𑒠) **इसरगत (द)**—एक प्रकारक क्षुद्र जड़ी जे साप कटबाक डरसँ आषाढ़ सुदि रवि दिन मात्र मैथिललोकनि हाथक पहुँचा पर बन्हैत छथि। [सं० ईश्वर+सं० गद]। प्रयो० १४३ (इसरगत बन्हने सर्प तहिना दूर पड़ाय जेना गरुड़ कें देखि के); व्य० वि० १४६ (इस गद बन्धने सर्प भय नाशक); व्य० वि० ४० (आइ **इसरगद** बन्हबाक सभठाम बड़ हुलिमालि अछि)। *isaragata (da)*—A kind of ant, snake bite herb.

𑒃𑒮𑒩𑒰𑒖 **इसराज**—एक प्रकारक सारंगी सदृश बाजा। [अर०]। तु० क० हि०; ने० इसराज; बं० एसराज। (**इसराज** आ सारंगीक स्वरपर के नहि मुग्ध होइछ)। *isarāja*—A kind of singing instrument like *sārangī*.

𑒃𑒮𑒩𑒹 **इसरे**—इसर (दे०) केर निश्च० रू०। वि० ने० (**इसरे** भसमे भरु नरायन)। *isare*—Emph. of *isara* (q.v.).

𑒃𑒮𑒪𑒰𑒧 **इसलाम**—मुसलमानसभक धर्म, मुहम्मद साहेबक चलाओल धर्म। [अर० इस्लाम]। तु० क० हि० **इसलाम**; बं० **इस्लाम**। अछि)। *isalāma*—Islam.

𑒃𑒮𑒰𑒩𑒰 **इसारा**—इशारा (दे०) केर विक० रू०। राम० ११ (देल बाम नेत्रांत **इसारा**); मि०; बं० शब्दकोष ५००। *isārā*—*Alt.* of *iśārā* (q.v.).

𑒃𑒮𑒰𑒩𑒰 𑒥𑒞𑒰𑒢 **इसारा बतान**—नटुआ सभक हावभाव प्रदर्शन। [इसारा+बतायब]। ठठका गप ४१। *isārā-batāna*—Gesticulation of a dancer.

𑒃𑒮𑓂𑒏𑒴𑒪 **इस्कूल**—ग्रा० रू०। स्कूल, विद्यालय, पढ़बाक स्थान। [आंग्ल]। तु० क० भो० **इस्कूल** FML 120, 125। *iskūla*—Folk form. School.

𑒃𑒮𑓂𑒐𑒱𑒨𑒰𑒧 **इस्खियाम**—इसखियाम (दे०) केर बा० रू०। FML 2 3. *iskhiyāma*—*Coll.* of *isakhiyāma* (q.v.).

𑒃𑒮𑓂𑒙𑒲𑒬𑒢 **इस्टीशन**—इसटीशन (दे०) केर विक० रू०। FML 120। *istīśana*—Alt. of *isaṭīśana* (q.v.).

𑒃𑒮𑓂𑒞𑒧𑒳𑒩𑒰𑒠𑒲 **इस्तमुरादी**—मालगुजारीक स्थायी बन्दोबस्त। [फा० इस्तमरारी]। मि० ३४४ (ओतबाक **इस्तमुरादी** बन्दोबस्त भेटब निश्चित भेलैन्ह)। *istamurādī*—Permanent settlement of revenue.

𑒃𑒮𑓂𑒞𑒧𑒰𑒪 **इस्तमाल**—व्यवहार; कार्यमे आनब। [अर०]। तु० क० उर्दू **इस्तमाल**। (कोनो वस्तुक **इस्तमाल** ओकर गुणक अनुरूपें होइछ)। *istamāla*—Use.

𑒃𑒮𑓂𑒞𑒱𑒩𑒲 **इस्तिरी**—धोबिआ आदि यंत्र सँ धोआएल कपड़ाकेँ सजबैत अछि। BPL 1275। [फा०]। *istirī*—

Calender.

𑒃𑒮𑓂𑒞𑓂𑒩𑒲 **इस्त्री**—स्त्री (दे०) अथवा इस्तरी (दे०) केर बा० रू० । म्रि० । *istri—Coll*: of *strī* (q.v.). or *istarī* (q.v.).

𑒃𑒮𑓂𑒞𑒱𑒯𑒰𑒩 **इस्तिहार**—विज्ञप्ति, नोटिस । [फा०] । [अर०] । तु० क० बं०; उर्दू इश्तहार । *istihāra*—Notice.

𑒃𑒮𑓂𑒞𑒲𑒤𑒰 **इस्तीफा**—त्यागपत्र, नोकरी छोड़बाक प्रार्थना पत्र । [अर०] । तु० क० हि० इस्तीफा; FML 190 इस्तीफा । *istīphā*—Resignation.

𑒃𑒯[1] **इह**[1]—ई[3] (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मनु० २०; प० त० १०५६; न० गु० २ , अ० ६८ (इह इस को पये जाने); गो० श्रृ० १ अम० १५ (गोविन्ददास भन अहे नन्द नन्दन इह किये पिरितिक रीति); गौरी परिणय ३ (तात भवन सखि सबहु इह भाखत है); महेश० ३५ सुकवि चन्द्र इह भाने) । *iha*—*Poet.* of *ī*[3] (q.v.).

𑒃(𑒯)𑒯[2] **इ(ह्)ह**[2]—अव्यय । निन्दा वा क्रोध द्योतक शब्द । (इह्ह बड़ मेला से); (इह्ह केहन लोक छी !) तु० क० इस्स, इस *i(h)ha*—*Ind.* Exclamatory word for expressing displeasure or disparagement.

𑒃𑒯𑒃(𑒄) **इहइ(ई)**—प्रत्यय । FML 412, 509. *ihai*-(*ī*)—A suffix.

–𑒃𑒯𑒏–**इहक**—प्रत्यय । भविष्य प्रेरणाक अर्थमे अनादरार्थक तोँ कर्तृपद रहने सामान्यतः इहक प्रत्यय अबैत अछि । ल० वि० १०७ (तोँ कालिह जाएकेँ कार्य (देखिहक)। *–ihaka*—A suffix.

𑒃𑒯𑒪𑒲𑒪𑒰 **इहलीला**—एहि लोकक जीवन तथा ओहिसँ सम्बन्धित समस्त कार्य कलाप । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० इहलीला । नव० ५० (पेट्रोमेक्स अपन इहलीला सँवरण क लेत) । *ihalīlā*—Work in ibis life.

𑒃𑒯𑒪𑒼𑒏 **इहलोक**—ई संसार, जगत, दुनियाँ । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० इहलोक । नव० १२ (की इहलोक की परलोक दूनूठाँ रानी कहाओत) । *ihaloka*—This world.

𑒃𑒯𑒪𑒾𑒏𑒱𑒏 **इहलौकिक**—वि० । संसारिक, एहि संसारक । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० इहलौकिक । (इहलौकिक क्रियाकलापमे चतुर होएब आवश्यक) । *ihalaukika*—*Adj.* Of this world.

𑒃𑒯𑒰 **इहा**—FML 500 एतए । प्रा० रू० । [हि० यहाँ] *ihā*—Here.

𑒃𑒯𑒺 **इहे**—इह (दे०) केर बा० रू० । वि० पदा० मनु० ६७, न० गु० ३०६; अ० २६७ (इहे सिनेह लोते); श्रीकृष्णकेलिमाला ११ (जत-जत सुर मोहि जनमत जनमत इहे दहु रे); राम० २७ (हि-नहि करति इहे बनु रंग) । FML 409 । *ihe*—*Coll.* of *iha* (q.v.).

𑒃𑒯𑒺𑒿 **इहें**—प्रत्यय । भविष्य प्रेरणाक अर्थमे अनादरार्थक तोँ कर्तृपद रहने सामान्यतः इहे प्रत्यय अबैत अछि । ल० वि० १०७ (रऔ हरिहरवा तोँ कालिहसँ कार्य करिहेँ) । *ihẽ*—A suffix.

𑒃𑒯𑒺𑒢 **इहेन**—एहेन (दे०) प्रा० लु० रू० । वर्ण ५४ (मांस भक्षण करइतेँ उहसइते थे चिताक अग्नि इहेन विद्युततेँ मिलित घोर प्राय देखु) । *ihena*—*Old.* Obs. form of *ehana* (q.v.).

𑒃𑒯𑒻(𑒯𑒻𑒿) **इहै(हैं)**—FML 500.

–𑒃𑒯𑒻𑒏–**इहैक**—भविष्य प्रेरणाक अर्थमे अनादरार्थक तोँ कर्तृपद रहने क्रियाफल अनादरणीय अन्यगत सन्ता इहैक प्रत्यय अबैत अछि । ल० वि० १०७ (रऔ, तोँ ओकर कार्य देखिहैक) । *–ihaika*—A suffix.

𑒃𑒯𑒼 **इहो**—इह (दे०) केर निश्च० रू० । वि० पदा० मनु० ५०; ताल प० न० गु० ६५०, म्रि० ३०, अ० १५६ (भनइ विद्यापति इहो रस यान); प्रण० ४२ (इहो देखि लिय) । *iho*—*Emph.* of *iha* (q.v.).

–𑒃𑒯𑒾𑒢𑓂𑒯𑒱–**इहौन्हि**—प्रत्यय । भविष्य प्रेरणाक अर्थमे अनादरार्थक तोँ कर्तृपद रहने क्रियाफल आदरणीय अन्यगत सन्ताँ इहौन्हि प्रत्यय अबैत अछि । ल० वि० १०७ (रऔ, तोँ इनक कार्य देखिहौन्हि) । *–ihaunhi*—A suffix.

𑒃𑒏𑓂𑒭𑒳 **इक्षु**—कुसिआर, ईख । [सं०] । अपूर्व रसगुल्ला ४ । *ikṣu*—Sugarcane.

𑒃𑒏𑓂𑒭𑒳𑒧𑒞𑒲 **इक्षुमती**—नदीक नाम । [सं०] । चन्द्र० ६४ (पुरामे इक्षुमती केर निकट रहै) । *ikṣumatī*—Name of a river.

𑒃𑒏𑓂𑒭𑓂𑒫𑒰𑒏𑒳 **इक्ष्वाकु**—एक राजाक नाम । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, इक्ष्वाकु । मै० हि० सा० ४ (इक्ष्वाकु पुत्र यज्ञ प्रारम्भ कय देलथिन्ह) । *ikṣvāku*—Name of a king.

𑒃𑒞𑓂𑒩 **इत्र**—पुष्पक वा कोनो अन्य तद् उपयोगी वस्तुक सुगन्धित अर्क । [अर०] । तु० क० अतर । भलमानुष ४६ । *itra*—Scent.



𑒃

𑒃¹ ई¹—स्वर वर्णक चारिम दीर्घ वर्ण। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज०, अव० ई [अ, आ इ ई]। $\bar{i}^1$—4th vowel letter $\bar{i}$.

-𑒃²-ई²—प्रत्यय। (१) नामसँ पर विविध अर्थमे ई प्रत्यय अबैछ। ल० वि० ३० (बुधिआर+ई=बुधिआरी; रखवार+ई=रखवारी)। (२) स्वार्थिकि से कहबैत अछि जे प्राकृतिक अर्थसँ कोनो विशेष अर्थकेँ नहि बुझबैत अछि। तएँ छोट अर्थमे ई प्रत्यय। देखू ल० वि० ३६ (थारी, डाली, तमली, अपखोरी, सुवर्णी, हथकड़ी, पनबट्टी, बाटी, दड़ाही, आसनी, खाम्ही, चङेरी, धामी, मटकुड़ी, कोठी, छाँछी)। (३) उत्पन्न होएनिहार एवं रहनिहार दूनू भव कहबैत अछि। भव अर्थमे ई प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० ३८ (देहात मे रहनिहार देहाती, देशमे होएनिहार देशी)। (४) भाव अर्थमे हरियर आदि सँ ई प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० ४० (हरियरसँ हरिअरी; पीयरसँ पीरी; उज्जरसँ उजरी, लालसँ लाली)। (५) युक्त अर्थमे मात्सर्य आदिसँ ई प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० ४५ (मात्सर्यसँ मात्सर्यी, आवेशसँ आवेशी; भारसँ भारी; ज्ञानसँ ज्ञानी; क्रोधसँ क्रोधी; रोगसँ रोगी)। (६) स्थान शब्दसँ मुसहर शब्दसँ ई प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० ४७ (मुसहरसँ मुसहरी); (७) निर्मित अर्थमे लाखापुर आदिसँ ई प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० ५२ (लाखापुरमे बनल लाखापुरी बनारसमे बनल बनारसी)। (८) लाठी आदि शब्दसँ परस्पर भाव अर्थमे ई प्रत्यय अबैत अछि। (लाठा लाठी; मुकामुकी; टीका-टिकी; जूता-जुती)। (९) स्त्री बोध अभिप्रेत रहला पर उभयलिंग शब्दसँ आकारान्त तथा जन शब्दसँ ई प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० ६४ (पाड़ी; घोड़ी; धनवाली; दुहु जनी आस्थाताली छथि; भगिनी; हरिनी) तथा ल० वि० ६६ (काकासँ काकी; मामासँ मामी; नानासँ नानी)। (१०) संख्यावाचक शब्द बाट आदिसँ ई प्रत्यय अबैत अछि। (एकबट्टी; चौबट्टी; चौहद्दी; चौरंगी)। (११) इच्छार्थक धातुसँ पर हम वा अहाँ कर्तृपद रहने सामान्यतः ई प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०३ (हम वा अहाँ देखी)। (१२) एक स्वर बला धातुक उपान्त्य केँ वैकल्पिक दीर्घ ई होइछ, एकमात्रिक, द्विमात्रिक, प्रत्ययसँ पूर्व ल० वि० ११५ (पानि पीब)। (१३) भूतकालमे घट् ओ दह् शब्दसँ —ई प्रत्यय होइत अछि। ल० वि० १३५ (घट्टी—बढ़ी)। (१४) भाव अर्थात् क्रिया अर्थमे देख आदि शब्दसँ पर परस्पर क्रियामे ई प्रत्यय आ ओही धातुकेँ द्वित्त होइछ। ल० वि० १४२ (देखा देखी, मारा मारी, पटका पटकी, बजरा बजरी)। (१५) भाव (अर्थात् क्रियाक) अर्थमे हँस शब्दसँ ई प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १४० (हँसी)। (१६) संज्ञा अर्थात् मनुष्यक नामसँ पर अनादर द्योतित करबाक हेतु ई प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० ४९ (हनुमानसँ हनुमानी भगमानी)। $-\bar{i}^2$—A suffix.

𑒃³ ई³—कोनो लगक वस्तुकेँ देखएबाक हेतु एवं ओकर स्वत्व देखएबाक अवसरपर ई कहल जाइत अछि। [सं० इदम्]। कीर्तिलता ४ (ओ परमेसर हरसिर सोहइ ई णिच्चइ नाअर मन मोहइ); वि० पदा० मजु० ३३ त्रि० ६, न० गु० ७६४, अ० ७६५ (ई सभ लछमी समाने); गो० भू० १ अम० १ (अंजन रंजन ई दुहु नयना); मन० कृष्ण० ३ (ई सुनि सभक जुराएल कान); राम० ४७ (के ई थिकोन्ह); प्रण० २ (ई के व्यक्ति छथि)। $\bar{i}^3$—This.

𑒃𑒏𑒰𑒩 ईकार—दीर्घ ईक मात्रा। [सं०]। तु० क० ने० ईकार। (ईकारक मात्रा मैथिली बहुत कम भेटैछ)। *īkāra*—The letter *ī*, or its mark.

𑒃𑓀𑒑𑒱𑒞 ईंगित—इङ्गित (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० ३४ न० गु० तालपत्र ५२, नेपाल ७१, अ० ७६ (ईङ्गित नयन तरंगित देखल)। *īgita*—*Poet.* form of *ingita* (q.v.).

𑒃𑒕𑒮𑒱 ईछसि—इच्छा (दे०) केर मध्य० पु० वर्त० रू०। वि० ने० १०० (एखने ईछसि अइने संग)। *ichasi*—*Hon.* Second person present tense form of *icchā* (q.v.).

𑒃𑒖𑓂𑒖𑒞𑒱 ईज्जति—इज्जति (दे०) केर अशु० रू०। वन कुसुम २९। *ījjati*—Err. of *ijjati* (q.v.).

𑒃𑒙𑒰 ईटा—इटेवा, ईंटा। [इष्टका]। तु० क० हि० ईंट। पुरु० ३३१ (धन हमरा मति ईंट समान)। *īṭa*—Brick

𑒃𑓀𑒙 ईंट—ईंटा (दे०) केर बा० रू०। प्रण० १०८ (माथ तर ईंट राखि सुतल करथि)। *īṭa*—*Coll.* of *īṭā* (q.v.).

𑒃𑓀𑒙𑒰 ईंटा—पजेबा, काँच माटिके फरमामे दए बहार कए ओकरा पका कए ईंटा बनाओल जाइछ आ पक्का घर आदिक निर्माण होइछ। [इष्टक]। तु० क० म० ईंटा। प्रण० ६४ (ढेंग बीगत ईंटा बरसाएत)। *īṭā*—Brick.

𑒃𑒠 ईद—मुसलमानक एक पर्व। रमजानकेर मासमे तीस दिन रोजा (व्रत) रखलाक बाद जाहि दिन द्वितीयाकेर चन्द्रमा देखा जाइछ ओकर दोसर दिन मनाओल जाइछ। [अर०]। तु० क० हि०, बं०, असा०, ने०, अव० ईद। मि० ७ (मुसलमानलोकनि ईद मनौलन्हि); (ईद केर चान)=दुर्लभ। *īda*—A Mohmmedan festival.

𑒃𑓀𑒠𑒿 ईदँ—इन्द्र (दे०) केर प्रा० लु० का० रू०। वि० पदा०

मजु० ५०६ (ईदँ चान्दगन हरि कमलासन सबे परिहरि हमे देवा)। *īdă—Old.* P.F. Obs. of *indra* (q.v.).

ইন্টিমেশন **ईन्टिमेशन**—खबरि, परिचय । व्यवहार विज्ञान २१। *intimeśana*—Intimation.

ঈপ্সিত **ईप्सित**—इप्सित (दे०) केर संस्कृ० रू०। तु० क० ने० ईप्सित। मो० ६७–३ (सम्पति पाबि ईप्सित); वन कुसुम (तावत नहि ईप्सित काज करब)। *īpsita*—Sanskrit form of *ipsita* (q.v.).

ঈয়ররিং **ईयररिंग**—इयररिंग (दे०) केर बा० रू०। द्विरा० ७० (नाहिसँ हुनक ईयररिंग चमकि गेलैन्ह)। *īyararinga*—*Coll.* of *iyararing* (q.v.).

ঈর **ईर**—दूर स्थानक एकटा काल्पनिक नाम। [सं० ईर]। प्रण० १२६ (एक ईर घाट त दोसर वीर घाट)। *īra*—Distant.

ঈরানী **ईरानी**—वि०। ईरान सम्बन्धी, ईरानदेर। [फा०]। तु० क० हि० ईरानी। द्विरा० १०७ (वेशकिमती ईरानी कालीन पर कामदार मखमली मसनदसँ ओङठल)। *īrānī*—*Adj.* Related to Iran.

ঈল **ईल**—बाङ, एक प्रकारक माछ, बनैआ जानवर। [अर० अथवा कल्पित जानबरक नाम]। तु० क० हि० ईल। नव० १०४ (ईल कील हिलइ तकर हल्ला गुल्ला); (ईल सन, कोलसन, थोंदिआक चाट सन)। *īla*—Cotton, a kind of fish, a wild animal.

ঈশ **ईश**—ईश्वर (दे०) केर का० रू०। वि० वि० १ (शूल डमरु कर ईश); पा० ह० १ (ईश कृष्णस्य जगतपते); चन्द्र १६६ (निवास ईश भाल); अम० ८ (शम्भु ईश पशुपति) मि० उद० १५८–२० (धन्य बनैली ईश)। *īśa—Poet.* of *īśvara* (q.v.).

ঈশান **ईशान**[1]—स्वामी, अधिपति, शिव, महादेव। [सं०]। तु० क० हि० ईशान। अन० (सर्व ईशान शङ्कर, चन्द्रशेखर)। *īśāna*[1]—Śiva, lord.

ঈশ্বর **ईश्वर**—देवता, निखिल विश्वक मालिक। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० ईश्वर। विद्यापति पदा० मजु० ५७ (शिवशंकर वर ईश्वर); वि० वि० २ (चारि पदारथ दायक ईश्वर); गो० श्र० १ अनर १६ (दुर करु लालसा रसिक रसेश्वर ब्रज रमणी मण देवा); राम० ४६ (कयल मनोरथ ईश्वर पूर); मो० ६७–६ (ईश्वर देथि); प्रण० १५७ (कर्मक फलदाता ईश्वर थिकाह); चित्रा ७७ (ईश्वर, अल्ला, रघुपति, राघव, राम)। *īśvara*—The Almighty, God.

ঈশ্বরি(রী) **ईश्वरि(री)**—ईश्वर (दे०) केर स्त्री रू० मन० कु० ५० ७ (जोन निम्द जग ईश्वरि जानी); मि० उद० १५८–६ (ईश्वरी सेवा करू); मो० ६१–१ (चराचरक ईश्वरी); अम० ६ (काली हेमवती ईश्वरी)। *īśvari (rī)*—*Fem.* of *īśvara* (q. v.).

ঈশ্বরোপাসক **ईश्वरोपासक**—वि०। ईश्वर अर्थात् देवताक उपासक। [सं०]। मो० ६८–१३ (ईश्वरोपासक समार्जी बनि जाउ)। *īśvaropāsaka—Adj.* Devotee of God.

ঈষত **ईषत**—इषत (दे०) केर का० रू०। [सं० ईषत्] पुरु० २२ (ईषत आलस्य लोक इकट्ठा होइत मेलाह); कन्या० १२८ (ईषत हास्य युक्त स्वरसँ कहलथिन्ह)। *īṣata—P.F.* of *iṣata* (q.v.).

ঈর্ষ্যা **ईर्ष्या**—इर्षा (दे०) केर वि० संस्कृ० रू०। मै० हि० सा० १६ (समाजमे परस्पर ईर्ष्या रोकथि); प्रण० २१० (गुप्त चरित्र जानि क्रोध वा ईर्ष्या करब); रंग ४७ (कतोक गोटाक मुँह पर ईर्ष्या ओ सन्तापक लहरि दौड़ि गेलैन्हि)। *īrṣyā—Alt.* Sanskrit form of *irṣā* (q.v.).

ঈর্ষা **ईर्षा**—दोसराक बढ़ती देखि जरब;। [सं]। तु० क० डाह; हि०, ने० ईर्षा। नव० ४६ (चउधरिक भागिन के ईर्षा होइन्हि)। *īrṣā*—Jealousy.

ঈর্ষ্যালু **ईर्ष्यालु**—वि०। इर्ष्या करनिहार। [सं०]। तु० क० हि० ईर्ष्यालु। खट्० ८० (दुष्ट ओ ईर्ष्यालु रहथि)। *īrṣyālu—Adj.* Who envies.

ঈর্ষ্যাবতী **ईर्ष्यावती**—वि०। डाहसँ द्वेषसँ भरलि स्त्री। [सं०]। मो० (ईर्ष्यावती सरस्वती स्वरूपकेँ माँथि)। *īrṣyāvatī*—*Adj.* (woman) full of jealousy.

ঈস **ईस**[1]—ईश (दे०) केर वि० रू०। वि० पदा० मजु० ५७४ (ई थिक त्रिभुवन ईस)। *īsa*[1]—*Alt.* of *īśa* (q.v.).

ঈস **ईस**[2]—अव्य०। पीड़ा व्यञ्जक शब्द (दी०)। [ईस (दे०)] तु० क० इस इस्स। चित्रा ३१ (विस्मय विमोहित कंठसँ बहराय जाइछ ईस)। *īsa*[2]—*Ind.* Exclamation in the sense of sorrow or pain.

ঈসবী **ईसवी**—वि०। ईसासँ सम्बन्ध राखएवला। [अर०]। तु० क० हि० ईसवी; मै० इस्वी। वैदेही १३५४–१३ (१८०० ईसवी अबैत-अबैत यूरोपमे संस्कृत विद्याक अत्यन्त प्रचार भ गेल); मैथिल महासभा २। *isavī—Adj.* Relating to *īsā* (q.v.), the Christian era.

ঈসা **ईसा**—इसाइ धर्मक प्रवर्तक वा आचार्य इसामसीह। [अर०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० ईसा। मि० उद० १५८–११ (ईसासँ पूर्व ३१०१ मे आरम्भ होइत अछि)। *īsā*—Christ, Prophet and founder of the Christian religion.

ঈসাঈ **ईसाई**—वि०। ईसामसीहक बताओल धर्मक अनुगमन करनिहार। [अर०]। तु० क० मै० इसाइ हि० ईसाई। (ईसाई धर्मक प्रचार आइ काल्हि भारतमे विशेष रूपसँ भए रहल अछि)। *īsāī—Adj.* Christian.

ঈহ **ईह**[1]—प्रत्यय। अइके पुल्लिङ्गमे आइ तथा स्त्रीलिङ्गमे इह होइ अछि। ल० वि० ११५ (हए ताँ के थिकीह)। *īha*[1] —

suffix.

ईह²—अव्यय । आश्चर्य, असूया, क्रोध, खेद । (दी) । [सं०] । वि० पदा० मजु० ६८, श्र० ८४५ (सा० प० २०१) (दुतिक ईह उपचारा); पारी १२ (ईह बापरे फकड़ा जे जोड़श्रबैए बाबू साहेब कें); (ईह ! आइ अजीर्ण भोजन भेलैक) । *iha*²—Anger wonder.

ईहो—इहो (दे०) केर अशु० रू० । मै० हि० सा० (३–४) २७ (प्रस्तुत ईहो कहि सकै छी); प्रण० ३ (ईहोलोकनि अपनेक दर्शन करक हेतु हमरा संग चल एलाह); पारी ६ (दोसर ईहो जे अशुद्धक हरे) । *iho*—Err. of *iho* (q. v.).

उ

उ—पाँचम ह्रस्व स्वर वर्ण । एकर उच्चारण स्थान ओष्ठ थिक । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज०, अव०, उर्दू उ । FML 78; (अ, आ, इ, ई, उ); —*u* Fifth vowel.

उआर—उपकार (दे०) केर प्रा० अवहट्ट रू० । कीर्तिलता ४ (सज्जन पर उआर मन, दुज्जन नाम मइल्ल) । *uaāra—Old.* avahattha form of *upakāra* (q.v.).

उँआरे—उपकार (दे०) प्रा० अवहट्ट का० रू० । कीर्तिलता १५ (पर उँआरे धम्म न जीअइ) । *ũaāre—Old. avahattha* poetic form of *upakāra*(q.v.).

-उआ—प्रत्यय । कर्ममे कृत अर्थमे उआ प्रत्यय अबैत अछि । ल० वि० १३६ (छुछुआ सोहारी, भरुआ, रन्हुअ ; ि नुआ); मै० व्या० ८६ पढ़ुआ । *-uā*—A suffix.

उआस—उदास (दे०) केर प्रा० लु० रू० । चर्या० ७/० (जे मन गोअर सो उआस) । *uāsa—Old* Obs. form of *udāsa* (q.v.).

उइआ—उगल (दे०) केर प्रा० लु० रू० । चर्या० ४४/१ । *uiā—Old* Obs. form of *ugala* (q. v.).

उइत्ता—उइआ (दे०) केर वा० रू० । चर्या० २०/२ । *uittā—Coll.* Form of *uiā* (q.v.).

उऋ(री)ण—वि० । ऋणसँ मुक्त, ऋकरा ऋणसँ उद्धार भए गेल हो, जे ककरो प्रति अपना कर्त्तव्य कए चुकल हो । [सं० उत् + ऋण] तु० क० हि० उऋण । मातृवन्दना ७७ । *ur(ri)ṇa —Adj.* Who is free from debt or duty to others.

उए—उएह (दे०) केर वा० रू० । तु० क० अव० उए । ससरफानी १०७ । *ue —Coll.* of *ueha* (q.v.).

उएला—उगला (दे०) केर प्रा० लु० रू० । चर्या० ५०/४ । *uelā—Old* Obs. *ugalā* (p.v.).

उएस—उपदेश (दे०) केर प्रा० लु० रू० । चर्या० १२/२ । *uesa—Old* Obs. form of *upadeśa* (q.v.).

उएसइ—उएस (दे०) केर वर्त्त० रू० । चर्या० ४०/३ । *uesai*—Present tense form of *uesa* (q. v).

उएह—ओ (दे०) केर निश्च० रू० । [ओ + हि] । तु० क० सं० एवं; हि० वही । पारी ५ (उएह चट द हमरा पयरपर खसि पड़लि) । *ueha*—That itself.

उऐह—उएह (दे०) केर अशु० रू० । मि० २६१ (लेल जओ उऐह थोड़ो); पारी (उऐह बहराइलि); चित्रा १७ (ने किछु उऐह बुभथिन्ह) । *uaiha*—Err. of *ueha* (q.v.).

उओर—ओर (दे०) केर प्रा० लु० का० रू० । वि० मजु० ४०४ (गमअगमूह उओर उरछाउत) । *uora—Old* Obs. *poet.* of *ora* (q.v.).

-उक¹—प्रत्यय । उत्पन्न होएनिहार दूनू भव कहबैत अछि । भव अर्थमे आज आदि शब्दसँ उक प्रत्यय अबैछ । एहि प्रत्ययसँ स्वरक लोप होइत अछि एवं पूर्व स्वरमे ह्रस्वता नहि होइछ । ल० वि० ६२, (आज होएनिहार आजुक, कालहुक, परसुक, कखनुक, तखनुक, बेरुक; रातुक; भोरुक) । *uka*¹—Suffix.

उक²—बाचा शक्ति, बजबाक शक्ति । [सं० उक्ति] । (उक सँ फुकै भारी) = बजबामे कम आ फुरबामे बेशी । *uka*²—Speaking power.

उकछा—अकछा (दे०) केर विक० रू० । [सं० उत् + सं० क्षण] । प्रण० २०६ (बएह उकछ: क जान मारि देलन्हि); हिरा० १३६ (ई छौड़ा त औंर उ छ: क छोड़ि देलक); पुनर्जन्म ७ । *ukachā—Alt.* of *akachā* (q v.).

उकछान—उपद्रव, एतएसँ पड़ाएत ताहि हेतु चेष्टा करब । [उकछा + अन] । *ukachāna*—Restlessness.

उकछि—उकछा (दे०) केर ग्रा० रू० । मैथिली लोक गीत २६३ । *ukachi—Folk* form of *ukachā* (q.v).

उकटथिन्ह—उकटब (दे०) केर आद० भू० मध्य० पु० रू० । मिहि० ४३–४०–६ (दस दस हजार गारि पढ़ि कँ

उकटथिन्ह) । *ukatathinha—Hon.* Future tense third person form of *ukataba* (q.v.).

ऊँक(ग)टैन **उक(ग)टन**—तेल कसाय मिलाओल आङ उङारबाक सामग्री । [IAL 2072 उद्वटन] BPL. 1342; (उकटन उगाएब) = कम मात्रामे खर्च । *ukatana*— Paste of oil and *kasāya* (q.v.).

ऊँकटैवँ **उकटब**—क्रि० । बाप पुरुखाक नाम लय गारि पढ़ब, अनौचित्य पूर्वक कथोद्‌घाटन करब, माटि कोड़ब (दी०); तहस नहस करब । [सं० उक्त (क्त)ट + अब] । (आब झाँपल गप्पकेँ उकटब ठीक नहि); (माटि नहि उकटब से नीक होएत) । *ukataba—V.* To dig earth, use foul language for a decent person, retort by reminding past obligations.

ऊँकटैल **उकटल**—उकटब (दि०) केर भू० का० रू० । प्रण० १५ (आलमारीक सभ पोथी उकटल) । *ukatala*—Past tense form of *ukataba* (q.v.).

ऊँकटा-ऊँकटी (-पैँची) **उकटा-उकटी (-पैँची)**—उत्तर-प्रत्युत्तर, एकक प्रश्नक तदनुरूपेँ उत्तर । [उकटब + आ + पैँच (घुर्चा)] । तु० क० उर्दू उकटा-उकटी; उकटा पैंची । गद्य चन्द्रिका २२ । *ukatā-ukatī (-paicī)*—Retort impudently.

ऊँकटा पुरान **उकटा पुरान**—विविध व्यँग्य वाण, श्रेष्ठ वर्गकेँ सम्बोधित कए घृणित आरोप लगाएब । [उकटब + आ + पुराण] । *ukatā purāna*—Excessivly abusive language.

ऊँकटै(टए) **उकटै(टए)**—उकटब (दि०) केर कृदन्त रू० । मिहि० ४२–१०–६ (हमरा नैहर केँ उकटै लगलाह) । *ukatai*—Infinitve form of *ukataba* (q.v.)

ऊँकठ **उकठ**–बदमासी, दिक्क, अधलाह काठ । [उत्कट; अकठ] । वि० ने० १६८ (अपने रसे उकठ कुसिआर) मि० भा० वि० ७५; चन्द्रकला ३१ । उकठ चाँछब = तेहन तेहन बाजब वा करब जे लोककेँ असह्य भए लगैक । *ukatha*—Bad wood, mischief.

ऊँकठ काठ **उकठ काठ**—वि० । उत्कट, अधलाह, नीक नहि लागब, अकार्यक काठ, जाहि काठक कोनो उपयोगिता नहि होइक । [उकठ + काठ] । (एखन लगै अछि उकठ काठ, काज आओत इएह पूजा पाठ) । *ukatha kātha*—Not good, useless wood.

ऊँकठाह **उकठाह**—वि० । उकठवाला, अधलाह, नीक नहि । [उकठ + आह] । मि० मित्र (कहथि वात उकठाह); इ० व्या० ८ (भाए हुनक तँ बड़ उकठाह); मि० भा० वि० ७५ । *ukathāha Adj.* Having evil effect.

ऊँकठिआ **उकठिआ**—वि० । उकठ करनिहार (दी०) । [उकठ + इआ] । मि० भा० वि० ८७ । *ukathiā—Adj.* Who disturbs.

ऊँकठिक **उकठिक**—उकठी (दि०) सम्बन्धी । सुभद्राहरण ४५ (छथि उदासी भनथि निशि दिन रहथि उकठिक युक्तिमे) । *ukathika*—Of *ukathi* (q.v.).

ऊँकठी **उकठी**—उकठ (दे०) दुष्ट वस्तु, उपद्रवक्ला ... । मन० कृष्ण० ८ (नारद भाए उकठी लाड़ी) । *ukathī*—Mischief.

ऊँकरमूल **उकरमूल**—वि० । जड़ि उकनल भेल (भूमि) । [सं० उत्कीर्णमूल] । वर्ण० ५३ (उकरमूल कान्ते चूरल) । *ukaramūla—Adj.* Where roots have been uprooted.

ऊँकरि **उकरि** सर्व० । ओकर (स्त्री०) । लु० रू० । [ओकर + स्त्री०] । वर्ण० ६३ (दुअओ ये श्रृंगार उकरि) । *ukari—Pron. obs. fem.* of *okara* (q.v.).

ऊँकरू **उकरू**—क्रि० वि० । अयथावत स्थित (दी०), उचित स्थान पर स्थित नहि, अनुचित । [सं० उत्क्रम] । तु० क० हि० । मि० मित्र १-२० (सम्प्रति छुटि गेला सँ पुनः उक्त कार्य उकरू बूझि पड़ैछ); मिहि० ४७–४३–६ (पूर्व सम्बोधन भोनू कै उकरू भ गेलैन्ह); (राति सुतवामे उकरू भेलन्हि तेँ अस्वस्थ छथि) । *ukarū—Adv.* Situated at an improper place.

ऊँकस-पाकस **उकस-पाकस**—अस्थैर्य (दी०), स्थिर नहि, एम्हर ओम्हर सुगबुगाएब, चलवाक हेतु उद्यत, बर्दास्त सँ बाहर होएबाक उपक्रम । [IAL उक्क + स + ध्वनि साम्य पाकस अथवा सं० उत्कर्ष] । तु० क० हिं० कुमा० उकस मुकस; ने० उकस पाकस । व्य० बि० ६३४ (दुनू बहीनिक मन उकस पाकस करैत देखि सभ अपन-अपन मार्ग लेलन्हि); मिहि० ५ (२-६१-७४) । *ukasa-pākasa*—Restiveness

ऊँकसाएवँ **उकसाएब**—क्रि० । उत्सुक करब प्रेरित करब; जोश बढ़ायब; टेमी तेज करब । तु० क० उसकाएब । [सं० उत्कर्ष] । मै० गद्य शैली २४ । *ukasāeba*—To encourage, to inspire.

ऊँकसि **उकसि**—उकसएब (दे०) केर पू० क्रि० रू० । गोधूलि ८ । *ukasi—Part.* of *ukasāeba* (q.v.)

ऊँकसैलो **उकसैलो**—उकसाएब (दे०) केर प्रेरणा० निश्च० रू० । द्विरा० ६१ (बुढ़ी के बारम्बार उकसैलो पर) । *ukasailo—Caus.* emph. form of *ukasāeba* (q. v.).

ऊँकसौ(सकौ)लकैन्ह **उकसौ(सकौ)लकैन्ह**—उकसाएब (दे०) केर भू० का० रू० । मिहि० ३३–३५–१२ (दोसर फेर उसकौलकैन्ह) । *ukasau(sakau)lakainha*—Past tense form of *ukasōeba* (q.v.).

ऊँकहवँ **उकहब**—क्रि० । काष्ठक दृढ़ता वा क्षमता पुरान भेला पर कम होयब (दी०) । तु० क० ओकनब (दे०) । (काठ उकहब; मेला उकहब) । *ukahaba—V.* Decreasing the hardness of wood.

ऊँकाऊँकी **उकाउकी**—कार्तिक मास दीपावलीक अवसर मिथिलामे खढ़केँ मुठ बनाए भोतर मे पटुआक सन्ठी ... गोट बन्धन दए ऊक बनाओल जाइछ एवं सन्ध्या ...

लए आगि लगाए अपन सीमा पर भाँजल जाइछ । ककरसँ पितृकर्मक अन्त होइछ । ककक क्रिया (वा खेल) उका उकी भेल । [सं० उल्का + दीपावलीमे क्रिया] तु० क० उकालोली । मि० मिश्र० २७७ (ई उक उकी रहस्य पूर्ण अछि) । *ukā ukī*—A religious ceremony on the occasion of Deepawali.

ऊँकाठी उकाठी—वि० । उपद्रव करनिहार (नेना) (दी०) । [सं० उत्कट > उकट > उकठ + ई] । उपदेशरत्नमाला ६ । *ukāṭhī*—*Adj.* Naughty (boy etc.).

ऊँकापतङ्ग उकापतङ्ग—वि० । कत आओर फतिङ्गा जकाँ उपद्रावी वा उड़निहार, बदमाश । [सं० उल्का + पतङ्ग] । मि० २८८ (ओ जनमल उकापतङ्ग के मारि देब) । *ukāpataṅga*—*Adj.* Mischievous.

ऊँकार उकार—ह्रस्व उ, उकारक मात्रा । [सं०] । तु० क० बं०, ने० उकार । चन्द्र० २१३ (ऊपरि उकार); मि० मा० वि० ११ । *ukāra*—The letter *u* or its mark.

ऊँकासी उकासी—कास रोग (दी०), कफ भेलासँ कफ छातीमे बैसला उत्तर उकासी होइत छैक । [IAL उत्कासते > उतकास > उकास + ई अथवा सं० उत + कासति] । तु० क० पा० उक्कासति सि० उकसि । वि० ने० ३६ (डरे नहिं करे उकासी); वि० पदा० मजु० ४-२ (डरे डरे उकासी); कन्या० ५१ (उकासी करैत पैखानासँ बहरैलाह) । *ukāsī*—Cough.

ऊँकील उकील—वकील (हि०) केर मैथिली रू० । तु० क० बं० उकील । [हि०] पारो ५१ (भने एकटा उकील भेट गेलैन्ह) । *ukīla*—Maithili form of *vakīla* (q.v.).

ऊँकुति(ती) उकुति(ती)—उक्ति (दे०) केर का० रू० । वि० ने० १०६ (उकुति युगुत बेकत कथा); वि० ने० (न कर माधव कनि उकुती); वि० पदा० मजु० ३०; न० गु० ७५ (सीतलि उकुति जेहो जुगुति); राम० ७५ (चतुर मन्त्रि उकुति तनि बाज); मै० सा० इ० १३२ (लोचन) (उकुति बेकती बुझलि जुगुती) । *ukuti(tī)*—*Poet.* form of *ukti* (q.v.).

ऊँकैत उकैत—क्रि० । उगलैत । [उक + ऐत । उक = ओकाएब] । चन्द्र० २४७ (बचोत उकैत ओलकैत बाढ़ चोर) । *ukaita*—*V.* Vomitting.

ऊँकौड़ी उकौड़ी—(अल्पमात्राक) छोटछीन कत (दे०) । FML 230 कत + सं० उल्का + औरी *ukauḍī*—A brand.

ऊँक्खरि उक्खरि-उखरि (दे०) केर वि० रू० । नव० ४० (लोढ़ा सिलउट आ जाँत उक्खरि पर ककर हाथ न जाइछइ) FML 75 । *ukkhari*—Alt. of *ukhari* (q.v.), a rural wooden pounding machine.

ऊँक्खी वि(बि)क्खी उक्खी वि(बि)क्खी—अत्यन्त हड़बड़ी । [कक + शब्दानुकरण] । कन्या० ३६ (बिआहक उक्खी विक्खी लेलकन्हि); (हिनका जतए जेताह पहिना उक्खी बिक्खी लागल रहबे करतन्हि) । *ukkhī vi(bi)kkhī*—Great hurry, cause of irritation.

ऊँक्त उक्त—वि० । (पूर्व) कहल गेल । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० उक्त; पा० उत्त; प्राकृ० वुत्त; प्रा० सि० वतक; म० ऊताणे । वर्ण० १८ (द्रौणपर्व उक्त घटोत्कच); राम० २६२ (वेद उक्त विधि सौं लैल चाप); चन्द्र० २७१ (उक्त तीर्थफल घर बैसि पाउ); मै० हि० सा० ३० (उक्त राजाक शरीर मन्थनसँ उत्पन्न भेलाह); मो० ६७–८ (जनहित सब सौं उक्त व्यसन); मि० उद० १५७–२ (उक्त महानुभावगण अपन-अपन) । *ukta*—*Adj.* (Above) Spoken, said, uttered.

ऊँक्तरीत्या उक्तरीत्या—पहिने कहल गेल विधि सँ । [सं०] । मि० भा० वि० १६८ । *uktarītyā*—According to what has already been said.

ऊँक्ति उक्ति—कथन, वचन, चमत्कारपूर्ण कथन । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० उक्ति । वि० वि० ४ (शिव शम्भो क्ति यशमे); राम० ३० (विश्वामित्रक उक्ति मिथिलापति मन दय सुनल); गौरी स्वयंम्वर १ (सुमति उक्ति पर देहु मोहि वरनौं गौरी विवाह); मै० हि० सा० २ प्रा० (३–४–२) (वाचस्पति मिश्रादिक दर्शन उक्ति युक्ति सौजन्य); मो० १७१–१६ (पढ़ि उक्ति सँ ज्ञात होइत अछि) । *ukti*—A statement.

ऊँखड़ब उखड़ब-क्रि० । (१) स्पष्ट होयब । (२) धूमिल वा फीका भेनाइ । (३) क्रोध करब । (४) माटिक तरसँ बहराएब; उत्खनन (दी०) । [सं० उत् + खन वा उत्सकरित] । पारो ६० (हिनक लाल रंग उखड़ लागल से की कहियहु); धातु शब्द ३६ । *ukhaḍaba*—*Verb* To fade, to lose one's temper, to become distinct.

ऊँखड़त उखड़त—उखड़ब (दे०) केर वर्त० रू० । धातु शब्द ३६ । *ukhaḍata*—Present tense form of *ukhaḍaba* (q.v.).

ऊँखड़ल उखड़ल—उखड़ब (दे०) केर भू० रू० । मि० मिश्र २८२ (उखड़ल दाँत सौं चर्वण नहि भै सकैछ) । *ukhaḍala*—Past tense form of *ukhaḍaba* (q.v.).

ऊँखड़लि उखड़लि—उखड़ल (दे०) केर स्त्री० रू० । राम० ५२ (हरक अग्र सौं उखड़लि जानि) । *ukhaḍali*—*Fem.* form of *ukhaḍala* (q.v.).

ऊँखड़हा उखड़हा—एकोपक्रम कार्यकाल (दी०); बेसी काल भोर सँ मध्यान्ह धरि एकटा आओर अपराह्नमे सांयकाल धरि दोसर उखड़हा प्रयोग होइत अछि । (अर्क(सूर्य) + आह) । *ukhaḍahā*—A half-day (forenoon or afternoon).

ऊँखड़ा¹ उखड़ा¹—वृक्षक व्याधि विशेष । (गाछमे उखड़ा लागि गेला पर ओकर आयु कम भए जाइत छैक) । [उखड़ब] *ukhaḍā*—A kind of disease of trees.

ऊँखड़ा² उखड़ा²—उखड़हा (दे०) केर वा० रू० । पारो

१७ (एक उखड़ा खातिर अहूहाम अबिइ)। *ukhaḍā—Coll.* of *ukhaḍahā* (q.v.).

ऊखड़ाह **उखड़ाह्**—वि०। उखड़ि गेनिहार (दी०), कनिअेमे तमसाह। [उखड़ब (दे०) + आह]। *ukhaḍāha—Adj.* Short tempered.

ऊखड़ि **उखड़ि**—उखड़ब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। वि० पदा० मजु० ३३४ (कोमल हृदय उखड़ि गेल हार); राम० १६४ (लङ्कापुरी उखड़ि प्रमुक); प्रग० ११६ (पण्डितजीक पैर उखड़ि गेलैन्ह); कन्या० ७३ (नकशा ओहिठाम उखड़ि गेलैन्ह); आमक० ८६ (एक रेखा उखड़ि गेल रहैन्हि)। *ukhaḍi*—Participle form of *ukhaḍaba* (q.v.).

ऊखड़ि(रि)मुसरा **उखड़ि(रि)मुसरा**—शाक विशेष (दी०) जकर जड़ि बेस उखरि-मुसर सन होइक। *ukharimusarā*— A kind of vegetable.

ऊखम **उखम**—उष्म (दे०) केर का० रू०। तु० क० ने० उखम। मैथिली लोक गीत ८३; (चैत हे सखि उखम ज्वाला घामसँ भिजल देह यो)। *ukhama*—P. F. of *uṣma* (q v.).

ऊखमज **उखमज**—उष्मज (दे०) केर ग्रा० रू०। मिहि० १४ (२–६१–५३)। *ukhamaja*—Folk form of *uṣmaja* (q.v.).

ऊखर **उखर**—उखड़ब (दे०) केर का० रू०। वि० वि० १ (निरमल उखर फणिपति हार)। *ukhara—Poet.* of *ukhaḍaba* (q.v.).

ऊखरड़ **उखरड़**—चूड़ा कुटबाक काल उखरिसँ छिड़िआएल अन्न। [उखड़ि (दे०) + अड़]। *ukharaḍa*—Name of flattened paddy split out of pounding machine.

ऊखरब **उखरब**—उखड़ब (दे०) केर वा० रू०। [उत्म-करति IAL 1895]। *ukharaba—Coll.* of *ukhaḍaba* (q.v.).

ऊखरल-पुखरल **उखरल-पुखरल**—उखरब (दे०) केर भू० रू०। [उखरल + ध्वनि साम्य]। चानोदाइ ४७। *ukharala-pukharala*—Past tense form of *ukharaba* (q.v.).

ऊखरि **उखरि**—धान्यादि कुटबाक पात्र (दी०)। [सं उदूखल]। ममo कृष्ण० १६ (ई कहि बहलन्हि उखरि लगाए); (उखरि मे मूँह तेल त मुसराक डर) = पैध कार्यमे पड़लो उत्तर विपत्ति आबए त ओकर डर नहि करी। *ukhari*—A wooden domestic pounding implement used for separating chaff from the grain.

ऊखरोर **उखरोर**—उखरड़ (दे०) केर विक० रू०। FML 245। *ukharora—Alt.* of *ukharaḍa* (q.v.).

ऊखलल **उखलल**—उखड़ल (दे०) केर प्रा० लु० रू०। वि० ने० १३८ (लिड़ले उखलल अओछ भार)। *ukhalala*—Obs. form of *ukhaḍala* (q.v.).

ऊखाड़ **उखाड़**—उत्पाटन, उखाड़बाक क्रिया वा अवस्था। [सं. उत्खात > प्राकृ० उक्खाल वा उखल > उखाड़]। राम० २८८ (क्यो भूधर क्यो वृक्षक उखाड़)। *ukhāḍa*—The act of excavating.

ऊखाड़क **उखाड़क**—उखाड़बाक केर विक० रू०। प्रग० १८३ (इमरगत उखाड़क हेतु खढ़ोरि दिशि विदा भेलाह)। *ukhāḍaka*—Alt. form of *ukhaḍabāka.*

ऊखाड़थि **उखाड़थि**—उखाड़ (दे०) केर आद० वर्त्त० अन्य पु० रू०। [उखाड़ + अथि प्र०]। राम० २३३ (लङ्कापति परिचय कहल अचल उखाड़थि)। *ukhāḍathi—Hon.* Present tense third person form of *ukhāḍa* (q.v.).

ऊखाड़ल **उखाड़ल**—उखाड़ब (दे०) केर भू० रू०। [उखाड़ + अल]। खट्ट० ३६ (पुष्प नक्षत्रमे उखाड़ल)। *ukhāḍala*—Past tense form of *ukhāḍaba* (q.v.).

ऊखाड़ि **उखाड़ि**—उखाड़ब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। मि० उद् १५७–३ (हृदयसँ उखाड़ि); खट्ट० ६ (कुशक जड़ि उखाड़ि उखाड़ि मट्ठा चढ़ावय लगलाह); द्विरा० ४६ (मृणाल दण्डकैँ मूल सहित उखाड़ि लेलन्हि)। *ukhāḍi*—Part. form of *ukhāḍaba* (q.v.).

ऊखाड़ैत **उखाड़ैत**—उखाड़ब (दे०) केर वर्त्त रू०। [उखाड़ + ऐत प्र०] धातु पाठ ३७। *ukhāḍaita*—Present form of *ukhāḍaba* (q.v.).

ऊखाड़ पुखाड़ **उखाड़ पुखाड़**—कोनो गुप्त अपराध वा पापक उघाड़ि देनाइ वा दस लोकक बीचमे प्रकट कए देल जाएब। [उखाड़ + ध्वनिमूलक पुनरुक्ति]। *ukhāḍa pukhāḍa*—Act of violent digging, unearthing.

ऊखानब **उखानब**—क्रि०। कोड़िकए बहार करब। [सं० उत्खन् + खिच् + अब्]। उखानीलेत्र साँढ़ बल प्रदर्शनक उद्देश्येँ सिंहसँ माटि उखाड़ए लगइछ तकरा लेल प्रयोग होइत अछि, व्यर्थ लड़ि गेनाइ, (दूनू गोटा अबिते देरी उखानो लेबए लगलाह)। *ukhānaba* – *V.* unearth, to pick up a quarrel (forcibly).

ऊखारि **उखारि**—उखाड़ि (दे०) केर विक० रू०। राम० १५६ (तनिक लेल तहँ मैलि उखारि)। *ukhāri*–*Alt.* of *ukhāḍi* (q.v.).

ऊखियार **उखियार**—कुसिआर, इक्षु (दी०)। [सं० इक्षु]। (रओ डोमना उखियार नेने अबिहें)। *ukhiyāra*—Sagar-cane.

ऊखी-बिखी **उखी-बिखी**—उक्खी बिक्खी (दे०) केर विक० रू०। मिहिर ३८–२०–७ (मनमे उखी बिखी लागि गेल); चन्द्रिका ४७। *ukhī vikhī*—Alt. form of *ukkhī vikkhī* (q.v.).

ऊग **उग**—उगब (दे०) केर मू० रू० [सं उद् — ग >

प्राकृ० √उगम > उग] । वि० ने० ४० (एकसर उग चन्दा); गो० शृ० १ अम० ७ (बिहुन जलधर उग सुधाकर शोभित उडुगण माँझ)। *uga*—*Root* of *ugaba* (q.v.).

𑒅𑒑𑒃 **उगइ**--क्रि० । उदित होयब, उगब । [उग + इ] । चित्रा ५३ उगइ अछि जाहिठाम) । *ugai*—*V*. To rise.

𑒅𑒑𑒃𑒞𑒹 **उगइते**--उगइ (दे०) केर प्रा० अथवा उगतहि (दे०) केर का० रू० । [उग + इते] । वि० पदा० मजु० ३६१ (सुरुछि पइए मदि माँझ साँझ ससी उगइते रे) । *ugaite*—*Old*. Poet of *ugai* (q.v.) or *ugitahi* (q.v.).

𑒅𑒑𑒋 **उगए**—क्रि० । उगब, उदित होएब । [उग + अए] । वि० ने० १०२ (सुर उगए परचारि); वि० राग० ७३ (मौसे पखे उगए कलानिधि); FML 301, 481 । *ugae*—*V*. Rises.

𑒅𑒑𑒍 **उगओ**—उगब (दे०) केर आज्ञा० रू० । [उग + अओ] । वि० ने० १८६ (हेरि हल हसि समुद्र उगओ); वि० पदा० मजु० ३५६ (उगओ सहस दश दारुण चन्द) । *ugao*—*Imp.* form of *ugala* (q.v.).

𑒅𑒑𑒙𑒢 **उगटन**—उकटन (दे०) केर वि० रू० । लेप । IAL 2072; B.P.L. 7382; S. Sen 98. *ugaṭana*—Paste. *Alt.* of *ukatana* (q.v.)

𑒅𑒑𑒞 **उगत**—उगब (दे०) केर भवि० रू० । [उग + अत] । वि० ने० २८ (चान्द उगत जबे); वि० पदा० मजु० ८०; रामभद्रपुर पोथी पद १६६ (आबहि उगत लुबुध ससी) । *ugata*—*Future* tense form of *ugaba* (q.v.).

𑒅𑒑𑒞𑒱 **उगति**—उगब (दे०) केर अंकुरित होएब अर्थमे वर्त० कालिक रू० । टीकाकार एकर अर्थ स्पष्ट करने छथि; मुदा उगति केर अर्थ उघब वा प्रकाशित होएब होएबाक चाही वा ऊर्ध्व वा अधलाह गति । [उग + अति अथवा उ (= अन्य; अथवा ओकेर अशुद्ध उ) + गति] । वि० पदा० मजु० ४०४ (आन पथ चरण चलओल उगति मति न देला) । *ug. ti*—*Verb* Present tense form of *ugaba* (q.v.).

𑒅𑒑𑒟𑒱(𑒟𑒳) **उगथि(थु)**—उगब (दे०) केर ऊ० अ० वर्त० अथवा इच्छा रू० । वि० पदा० मजु० २३, मि० १४, न० गु० १७, श्र० ६२ (रवि ससि उगथि कपासे); वि० पदा० मजु० ५४३ (नहि छथि उगथु सहस दिन) । *ugathi(thu)*—*V. Hon. Pres* tense or *opta* of *ugaba* (q.v.).

𑒅𑒑𑒢 **उगन**—उगना (दे०) केर का० रू० । वि० ने० २५६ (उगन उमत केहु देहल विधाता) । *ugana*—*Poet.* of *uganā* (q.v.).

𑒅𑒑𑒢𑒰 **उगना**—'उग्न,' महादेवक वैदिक नाम । विद्यापतिक भक्ति भावनासँ महादेव मुग्ध भए हुनका ओहिठाम जाए भक्तक चाकर भए रहए लगलाह । तखन महादेव अपन नाम उगना कहि छद्म भेषमे रहलाह । पछाति विलुप्त भए गेलाह । [सं० उग्न name of शिव Rv अथवा उगन + आ प्र०] । वि० ने० ५४ (बिनु बिते इसर नाम उगना); वि० पदा० मजु० ५१४ (उगना रे मोर कतय गेला) । *uganā*—Lord Śiva; serving Vidyapati under this name.

𑒅𑒑𑒢𑓂𑒞 **उगन्त**—वि० । उदीयमान । उगब (दे०) केर वर्त० पु० क्रि० रू० । [उग + अन्त प्र० FML 198] । वि० पदा० मजु० २२७ (भन विद्यापति उगन्त सेबिअ) । *uganta*—*Adj.* Present part. form of *ugaba* (q.v.).

𑒅𑒑𑒥 **उगब**—क्रि० । उदित होएब (दी०); प्रकट वा प्रकाशित होयब, अङ्कुरित होएब । [सं० उद् + गम + अब प्र०] । तु० प्राकृ० उग्गेइ; ओगइ; पं० उग्गणा; उ० उगेइबा; अ० मा० उगइ; उगूँ; हि० उगना । (चन्द्रमाक उगब आ सूर्यक डूबब सन्ध्या समयमे एक अद्भुत शोभा बनि जाइछ) । *ugaba*—*V*. To rise, to come forth.

𑒅𑒑𑒧𑒑 **उगमग**—पूर्व दिशा, सूर्योदय होएबाक दिशा । [उगल + मग] । तु० क० राज० उगमण । गो० २० १ अतर० १६ (उगमग अरुण उजागर लोचन उर नख परिचय रेखा) । *ugamaga*—The East, the side of sun rise.

𑒅𑒑𑒩𑒥 **उगरब**—क्रि० । उबरब (दे०) केर वा० रू० । बाँचब, शेष रहब, उर्वरित होएब (दी०) । तु० क० राज० उगरबौ; उगरणौ । FML 174 [सं० उर्वर > उगर + अब] । तु० क० उबरब । (धरमे सभ वस्तुक उगरब कोनो आवश्यक नहि) । *ugaraba*—*V*. To hold as balance.

𑒅𑒑𑒩𑒨 **उगरय**—क्रि० । बाँकी बचए वा रहए । [उगर + अए > अय] । मो० १०२-२२ (आन उचित व्ययसँ जत उगरय) । *ugaraya*—*V*. To have as balance.

𑒅𑒑𑒩𑒰 **उगरा**—बाँचल खुचल, खर्चक वा दान-पुण्यक अलावा बाँचल द्रव्य, वस्तु; उगरास (दे०) क संक्षिप्त रूप । FML 174 (श्री जी महाराज, उपनयनक उगरा तँ हमरो सभ कें दिअ) । *ugarā*—Remainder.

𑒅𑒑𑒩𑒰𑒮 **उगरास**—उग्रास (दे०) केर का० रू० । तु० क० उगरा (दे०) । पदा० मजु० ५८, तालपत्र न० गु० २३२, अ० २३१ (होअ उगरास देह रति दान) । *ugarāsa*—*Poet.* Form of *ugrāsa* (q.v.).

𑒅𑒑𑒩𑒻𑒏 **उगरैक**—उगरब (दे०) केर भवि० रू० । भारती ६० (नीक निकुति वस्तु एकरा सभसँ उगरैक तखन चेतन कें होइक) । *ugaraika*—Future tense of *ugaraba* (q.v.).

𑒅𑒑𑒪 **उगल**—उगब (दे०) केर भू० क्रि० रू० । वर्ण० १८ (पृथ्वीकाँ नोल विमान उगल अछि); वि० पदा० मजु० २१, न० गु० तालपत्र ११७; प० त० १३३६; अ० १२०, ४७५ (जनि रवि ससि संगहि उगल); वि० वि० ११ (आनन्द सुन्दर चाद उगल जनि); वि० वि० ३३ (सुरज उगल जनि तुअ तन कांति); मि० ४०० (उपेह उगल छथि उपर ताकू); FML 289, 527. *ugala*—Past tense of *ugaba* (q. v.).

ꣁगलब उगलब—क्रि०। मुँहमे अन्नकेँ चिबओलाक बाद बाहर फेकि देब, थुकरि देब। [सं० उद्+गिल अथवा उद्गिरति]। तु० क० कुमा० उगलणो म० उगालणेँ; हि० उगलना। (उगलब तँ मारब)। *ugalaba—V.* To spit out.

ꣁगलन्हि उगलन्हि—उगल (दे०) केर इच्छा० रू०। वि० पदा० मजु० २५६ (उगलन्हि पाँचो वाण)। *ugalanhi—Opta.* form of *ugala* (q.v.).

ꣁगला उगला-उगब (दे०) केर भू० रू०, उगलाह (दे०) केर सं० रू०। द्विरा० ११० भोरुकबा उगल पर)। *ugalā*-Past. tense form of *ugaba* (q.v.), short form of *ugalāha* (q. v).

ꣁगलाह उगलाह—उगब (दे०) केर भू० का० आद० रू०। वि० पदा० मजु० १६६, न० गु० ८०३, अ० ८०४ (सामर चन्दा उगल ह रे। *ugalāhi—Hon.* Past tense form of *ugaba* (q.v.).

ꣁगलि उगलि—उगल (दे०) केर स्त्री० रू०। वि० ने० ४६ (साए साए उगलि वेवशा आधि न अएले कन्ता)। *ugali*—Fem. of *ugala* (q. v.).

ꣁगलै उगलै—उगलैक (दे०) केर सं० रू०। राम० १२५ (तिमिर रहय की उगलै सूर)। *ugalai*– Short form of *ugalaika* (q.v).

ꣁगलैक उगलैक—क्रि० उगल (दे०) केर भू० रू०। पारो ३८ (जखन भोरुकबा उगलैक तखन ज। केँ कने आँखि लागल)। *ugalaika—V.* Past tense form of *ugala* (q.v.).

ꣁगलैत उगलैत—उगलब (दे०) केर इच्छा० रू०। [उगल+ऐत प्र०]। ज्वाला० ४१। *ugalaita—Opta.* form of *ugalaba* (q v.).

ꣁगह उगह—उगब (दे०) केर आज्ञा० रू०। [उग्+अह]। (उगह चान कि लपकइ पूआ)=चन्द्रमाक उगिते देरी पू लपकू वा उाख। *ugaha*—Imp. form of *ugaba* (q.v.).

ꣁगहनि उगहनि–नीचासँ (वा खाधिसँ) पानि भरबाक डोरी (दी०)। [उगह+अनि]। (उगहनि लाउ इनारसँ पानि आनि दैत छी)। *ugahani*—A rope for drawing water form the well or some hollow.

ꣁगहब उगहब—कोनो वस्तुकेँ एक ठामसँ दोसर ठाम लए जाएब। [IAL Turner 1967 उद्ग्राहयति]। तु० क० उग्गाहइ्ति; अस० ओगाँ, प० उग्राहुणा। (पतेक बोम हम उगहब से हमर शक्तिक बाहर अछि)। *ugahaba*—To carry (a load), take up, lift up.

ꣁगहय उगहय उगहब (दे०) केर इच्छा० रू०। रघुवंश २३७। *ugahaya*—Opta. of *ugahaba* (q.v.).

ꣁगही उँगही—ओङ्हा कँवी (दे०) केर वा० रू०। भलमानुष १३३। *ũgahī*—*Coll.* form of *oṅahī* (q.v.).

ꣁगहैत उगहैत—उगहब (दे०) केर वर्त० रू०। धातु-पाठ ७७। *ugahaita*—Pres. form of *ugahaba* (q.v.).

ꣁगाएब उगाएब—उगब (दे०) केर प्रेरणार्थक रू०। *ugāeba*—*Caus.* of *ugaba* (q.v.).

उ(ꣁ)गारए उ(उँ)गारए–शरीरमे अनुलेपन करब, रगड़ब, शुद्ध करब, सफाइ करब। [उङार+अए प्र०]। FML 299. (आँग उगारए कुवलय कुसुम पराए)। *u(ũ)gārae*—*V.* Anoint, cleaose with some paste, rub.

ꣁगारब¹ उगारब¹—क्रि०। उर्वरित करब (दी०), बचाएब, किछु बाँकी राखब। [सं० उर्वर अथवा उगार+अब]। *ugāraba*¹—*V.* To save.

ꣁगारब² उगारब²—उङारब (दे०) केर वा० रू०; महा० ना० २८ (तेल कसाय चूँच उगारब रीतै)। *ugāraba*²—*Coll* of *uṅāraba* (q.v.).

ꣁगारल उगारल—उङारब (दे०) केर भू० रू०। म० वि० ११८ (देह उगारल द्युति अति काय)। *ugārala*—Past tense of *uṅāraba* (q.v.).

ꣁगारि उगारि—उङारब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। श्री कृष्ण केलिमाला १८ (एक दिन आँग उगारि कहुँ कोर कए लेल किशोर); वि० पदा० मजु० ५१५ (निते उगारि निते भसम साथ)। *ugāri*—P. Part of *uṅāraba* (q.v.).

ꣁगावथि उगावथि—उगाएब (दे०) क्रि० केर प्रेरणा० रू०। वि० पदा० मजु० ५७७ (ओर उगावथि आंग)। *ugāvathi*—? *V. Caus* form of *ugābe* (q.v.).

ꣁगाहब उगाहब—क्रि०। अंश, चन्दा वा मालगुजारी ओसूल करब। [सं० उद्+ग्रह+अब]। खट्ट० ७० (ओकर उगाहब कार्य छोड़ि और काजे कोन करैत छथिन्ह); विदेश १-३-१९४२ (कइएक वर्षक बाद बकाया उगाहक हेतु)। *ugāhaba*—*V.* To collect taxes,rents, shares, etc.

ꣁगाहिअ उगाहिअ–उगाहब (दे०) केर प्रा०, अवहट्ट रू०। कीर्तिलता ६७ (धरिअ छत्त तिरहुति उगाहिअ)। *ugāhia*—*Obs. avahaṭṭha* form of *ugāhaba* (q.v.).

ꣁगि गेल उगि गेल—उगल, उदित भेल। [उग+इ]। तु० क० बं० उगि। गो० वि० ६ (क) (अन्त भए उगि गेल पुनिमक चन्द); वि० पदा० मजु० २, रागत० ५१, न० गु० २६२, अ० २६७ (मेरु शिखर नव उगि गेल शशधर); गो० श्रृ० १ अम० १३ (दश-दिश अरुणिम भेल। आधि बानन उगि गेल); मन० कृ०ण० (जनि हरिचन्दपुरी उगि गेल)। *ugi gela*—Has risen.

ꣁगितहि उगितहि—क्रि० वि०। उगैत देरी, उगलाक उपरान्त वा बाद। [उदित>उगित+हि प्र०]। वि०ने० २३६ (... चन्द सोहाओन। उगितहि अव गेला); मिहि० ३८-१२-५० (... उगितहि

मिभा देल ज,य) । *ugitahi—Adv.* Soon after rising.

ऊगिय **उगिय**—उगि (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० ११५, पं० रमानाथ झा (तामँहि चान्द उगिय गेल दिन सम निरमलि राति) । *ugiya—Poet.* form of *ugi* (q.v.).

ऊगिल **उगिल**—उगब (दे०) केर पू० क्रि० रू० । धातु पाठ ३१ । *ugila—Past.* Part. form of *ugaba* (q.v.).

ऊगिलत **उगिलत**—उगिलब (दे०) केर आद० भवि० रू० । वि० पदा० मजु० १२७, नेपाल १०५ (खंजने गिरत उगिलत) । *ugilata—Hon.* Future tense form of *ugilaba* (q.v.).

ऊगिलब **उगिलब**—क्रि० । मुहसँ फेकब (दी०), बोकरब, मुँहसँ बाहर फेकब, रद्द करब, । [सं० उद्‌गिरण] । तु० क० हि० उगलना प्राकृ० उग्गिरेइ; पा० उगिरति; सि० उगि ड़ु । (विवाकय रस चुसि लैलाक बाद उगिलब से नीक) । *ugilaba—V.* Spit out, vomit.

ऊगिलल **उगिलल**—उगिलब (दे०) केर भू० रू० । वि० ने० २२६ (खञ्जने गिलि उगिलल मोतिमहार) । *ugilala*—A *Past* tense form of *ugilaba* (q.v.).

ऊगिलह **उगिलह**—उगिलब (दे०) केर आज्ञा० रू० । वि० पदा० मजु० २२६ (पिवि जनि उगिलह सीतल ससी) । *ugilaha*—Imp. form of *ugilaba* (q.v.).

ऊगिला **उगिला**—वि० । उगिलहा, थुकरल । [उगिल+आ] । तु० क० अस० उगिला । (उगिला तँ कुकुरेक बखरा होइछ) । *ugilā—Adj* Spitted out, vomitted.

ऊगिलि **उगिलि**—उगलब (दे०) केर पू० का० रू० । वि० ने० ८० (उगिलि चान्द तम गिलए राहू); खट्ठ० ११८ (केतु कतेक देर उगिलि क छोड़ने छन्हि) । *ugili*—Part. of *ugila* (q.v.).

ऊगिली **उगिली**—उगिलि (दे०) केर विक० रू० । शतदल २५ । *ugilī—Alt.* of *ugili* (q.v.).

ऊगील **उगील**—उगिल (दे०) केर वा० रू० । चन्द्रप्रभा० २५ । *ugīla—Coll.* of *ugila* (q.v.).

ऊगुति **उगुति**—उक्ति (दे०) केर प्रा० लु० का० रू० । वि० पना० मजु० ३८३ (कहब निअ उगुति जुगुति परचारि) । *uguti—Obs.* Poet, form of *ukti* (q. v.).

ऊगैत **उगैत**—उग केर वर्त्त० रू० । उगइत केर विक० रू० । प्रण० १०६ (मुरारा उगैत उगैत पण्डित जी घर पहुँचि गेलाह) । *ugaita—Alt.* of *ugaita* (q.v.). Pres. tense of *uga.*

ऊगौ **उगौ**—उगब (दे०) केर प्रेरणा० रू० । उगाओ (दे०) केर अशु० रू० । चन्द्र० १६६ (उगौ सहस्त्र चन्द्र कोटि) । *ugau—Caus.* of *ugaba* (q.v.).

ऊग्गिह **उग्गिह**—उगब (दे०) केर प्रा० अवहट्ठ रू० । कीर्तिलता २३ । (तसु केरा मुग्ग मण्डलहि घरहि घरहि उग्गिह चन्द) । *uggiha—Old (avahattha)* form of *ugaba* (q.v.).

ऊग्र **उग्र**—वि० । तेज, तीव्र, प्रचण्ड, उत्कट, रौद्र । [सं० उच+रक्] । तु० क० प्राकृ० उग्ग; अस , बं०, ने०, अव०, भो०, राज० उग्र । वर्ण० ५६ (विजय वर उग्र); मि० १६४ (स्वाभाविक उग्र प्रकृतिक बालक); राम० ३२८ (कुम्भकरण बुझि उग्र प्रताप); चन्द्र० २६३ (समरन रसन उग्र उपस्थ); मै० हि० सा० ३ (२-३) २ (पिंगल उग्र एक जट जार); आमक० ८८ (मुदा एहन उग्र रूप कहियो ने) । *ugra—Adj.* Sharp, terrible.

ऊग्रगन्धा **उग्रगन्धा**—एक प्रकारक औषध, बच, पिआजु, लहसुन । [सं०] तु० क० हि० उग्रगंधा । वैदेही; अम० ६७ (वचा उग्रगंधा) । *ugragandhā*—A medical herb.

ऊग्रता **उग्रता**—तीव्रता, तेजी, रौद्रता, प्रचण्डता [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० राज०, अव० उग्रता । पुरु० १७१ (नहि उग्रता जनाओल); मो० १७४-३६ (गर्व असूया उग्रता व्यभिचारहि मानू) । *ugratā*—Terribleness, sharpness.

ऊग्रतारा **उग्रतारा**—आदिशक्ति भगवतीक नाम, कालीक उग्ररूप गुणक नाम । [सं०] । वर्ण० ५२ (वज्रतारा उग्रतारा) । *ugratārā*—Name of Goddess (Kālī).

ऊग्रप्रभ **उग्रप्रभ**—वि० । तीव्र वा प्रचण्ड प्रभाव केर । का० रू० । [सं०] । एकावली परिणय १३० । *ugraprabha —Adj. P.F.* Having violent or cruel appearance.

ऊग्रबाण **उग्रबाण**—क्रि० वि० । तेज वा प्रचण्ड वाण । [सं०] । राम० २०१ (उग्रवाण हनुमानक काय) । *ugrabāṇa—Adj.* Terrible-arrowed.

ऊग्रसेन **उग्रसेन**—कंसक पिता, कृष्णक मातामह । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अव०, राज० उग्रसेन । FML 310 (उग्रसेन काँ तखन बजाए); FML 296 (उग्रसेन देल राज) । *ugrasena*—Name of the father of *Kaṁsa* and maternal grandfather of *Kṛṣṇa.*

ऊग्रास **उग्रास**—धर्मशास्त्रानुसार जखन सूर्य वा चन्द्रमा राहुक ग्रास (कवौर) भए जाइत छथि, (अर्थात् ओ मुँहमे आधा वा पूरा लए लैत छन्हि तखन पुनः मुँहसँ बहार भए रैत छन्हि ओकरे उग्रास कहल जाइछ, भौगोलिक नियमक अनुसार पृथ्वीक छाह जखन सूर्य, चन्द्रमा परसँ हटैत अछि तखन उग्रास होइछ । एकरा अनदेनीमभ अन्धविश्वासलसँ पुण्यकाल मानैछ मैथिल उग्राससँ बेसी, ग्रहण नहाएबकेँ पुण्य मानैछ; प्रकाशमे आएब, उद्धार, उदय । [सं०] । लाल० राम १७१ (हसतन्हि सुग्रीवक उग्रास); कन्या० १५१ (किन्तु किनु उग्रास भेने एहिसँ उद्धार कोना होएब) । *ugrāsa*-Face of the Sun or the Moon after the eclipse is over, feeling of relief.

ऊँगर **उँगर**—क्रि० । लगाओल, कएल । [उङ्गार>उँगर] । कीर्तिलता २१ । (उँगर भानक तिलक आनकाँ लाग) । *ũgara—V.* To anoint.

ऊँगारबवँ उँगारब—क्रि०। उद्वर्तन करब (दी०), मालिस करब, शरीरमे लगाएब। [उङ्गार+अब]। आँग **उँगारब** तँ इनाम लैब)। *ũgāraba—V.* To anoint.

ऊँघउ **उघइ**—उघब (दे०) केर अना० मध्य० पु० वर्त्त० रू०। उघइत केर संक्षिप्त रूप। चित्रा ६० (**उघइ** अछि मोटा)। *ughai—Nonh.* Second pers. present tense form of *ughaba* (q.v.).

ऊँघटे **उघट**—अघट (दे०) ग्रा० रू०। उमाशंकर विवाह कीर्तन १६। *ughaṭa—Folk* form of *aghaṭa* (q.v.).

ऊँघवँ **उघब**-क्रि०। कोनो वस्तुकेँ उठाकए लएजाएब, वा आनब। [IAL Turner 1976 उद्वाहयति अथवा सं० वह>उव+अब]। तु० क० **उगहब** (दे०), कुमा० उघोणो; अस० **उघाइब**; उ० उघइब हि० **उघना**। (जत बनिहारिनसभ धानक बोझ उघब पसिन्न करैत अछि)। *ughaba-V.* To lift, to carry, accumulate to.

ऊँघवाँहि **उघबाहि**—बारम्बार उघबाक कार्य। [उघब+आहि]। FML 259. *ughabāhi*—The (continual) act of carrying.

ऊँघरवँ **उघरब**—क्रि०। उद्घटित होएब (दी०), नष्ट होएब, सीठिकेँ (लेपटवा, मिढ़िआ, वा बाँटि कए) राखल वस्तु छिन्न-भिन्न होएब, लेपटाओल हटि जाएब। [सं० उद्घटित अथवा (दी०) उघट्+अब]। (सूतक पोलाक **उघरब** स्वाभाविक थिक)। *ugharaba—V.* To unravel.

ऊँघरल **उघरल**—उघरब (दे०) केर भू० रू०। ल० वि० ५४। *ugharala—Past* tense form of *ugharaba* (q.v.)

ऊँघरि **उघरि**—उघरब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। वि० पदा० मञ्जु० ३६३ (वसन **उघरि** हेरल भरि डीठि)। *ughari—Part.* of *ughāra* (q.v.).

ऊँघाएवँ **उँघाएब**—क्रि०। निन्नक कारणे झक लागब। [उँघ+अएब]। तु० क० उदू **उंघाइबा**; मै० **ओङ्हाएब**, **ओँघएब**। *ũghāeba—V.* To doze.

ऊँघाड़ **उघाड़**—उघार (दे०) केर वा० रू०। तु० क० बं० **उघाड़** दिरा० ३१ (**उघाड़** केश देखि क हमरा तड पहुन पित्त उठै अछि); चित्रा ७७ (धन्न भाग जे चानि ने छन्हि **उघाड़**)। *ughāḍa—Coll.* of *ughāra* (q.v.).

ऊँघाड़ल **उघाड़ल**—उघरब (दे०) केर भू० रू०। राम० ६८ (सञ्च **उघाड़ल** आँखि); पारो ५५ (मीड़ि मीड़ि क आँखि **उघाड़ल**)। *ughāḍala—Past* tense form of *ughāraba* (q.v.).

ऊँघार **उघार**—वि०। अनावृत (दी०), झाँपल नहि, खोलल। [सं० उद्+घाट>घार अथवा प्राकृ० उग्घट। तु० क० बं० **उघाड़**; राज० **उघाड़**। वि० पदा० मञ्जु० २४५ (रस भय जायत **उघार** हे); राम० ७२ (धरणी शयन न नयन **उघार**)। *ughāra—Adj.* Bare.

ऊँघारवँ **उघारब**—क्रि०। खोलब, वस्त्र हटाएब, प्रकाशित करब। [IAL Turner उद्घाट् अथवा (दी०) उघार+अब]। तु० क० म० **उघाट**; गु० **उघाड़ूँ**, प्रा० मा० **उघड़ो**; पं० **उघाड़ा**; हि० **उघड़ा**। (बीच बाटमे वस्त्र **उघारब** नीक नहि)। *ughāraba—V.* To unravel, to bare, to uncover.

ऊँघारल **उघारल**—उघारब (दे०) केर भू० रू०। ग० वि० ३४ (शिशु मुख देखल **उघारल** आँखि)। *ughārala—Past* tense form of *ughāraba* (q.v.)

ऊँघारि(री) **उघारि(री)**—उघारब (दे०) केर पू० का० रू०। वि० पदा० मञ्जु० ३२५ (चोर **उघारि** आध मुख हेरलन्हि); कन्या० १२३ (फूलदाइ चोटी कने **उघारि** देलन्हि); मिथिला १-२२० (मारुत नन्दन रौद्र वीरता **उघारी** देल)। *ughāri(rī)—Part.* of *ughāraba* (q.v.).

ऊँघी **उँघी**—ओङ्ही (दे०) केर वा० रू०। IAL Turner 1633। *ũghī—Coll.* form of *oṅahī* (q.v.)

ऊँघू **उघू**—क्रि०। उघब (दे०) केर आज्ञा० रू०। झंकार ६। *ughū—V. Imp.* form of *ughaba* (q.v.).

ऊँङारवँ **उङारब**—उद्वर्तित करब (दी०), देहकेँ तैलादि सुगन्धित पदार्थसँ मालिश वा मर्दन करब। [उत्+अंग+अब]। गृहस्थाचार दर्पण ३८। *uṅāraba*—The act of annointing.

ऊँङारी **उङारी**—उङारब (दे०) केर का० रू०। मातृवन्दना ७४। *uṅārī—Poet.* of *uṅāraba* (q.v.).

ऊँच **उच**—क्रि० वि०। उपर, नीचा नहि। का० रू०। [सं० उच्च]। वि० प० १६ (देखल सकल **उच** नीचै)। *uca—Adv.* High.

ऊँच **उँच**—ऊँच (दे०) केर वा० रू०। तु० का० ने० **ऊँच** IAL Turner 1634. *ũca—Coll.* form of *ũca* (q. v.).

ऊँचका **उचका**—वि०। उच्च स्थान परक। [सं० उच्च>उच+का]। **उचका** पर चढ़ि देखिऔक त। *ucakā—Adj.* High-placed.

ऊँचका **उँचका**—उचका (दे०) केर वा० रू०। गंग १६१ (ओहि **उँचका** पर चढ़ि अखाड़ाक दृश्य देखल जाय)। *ũcakā—Coll.* form of *ucakā* (q.v.).

ऊँचकि **उचकि**—उचक (दे०) केर पू० रू०। नाच आदिमे उत्सुकतासँ मुँह उठा उठाकए देखबाक प्रयत्न। [सं० उत्+चक्+इ]। (उचकि कए की देखबैक)। *ucaki—Part.* Taking a jump.

ऊँचक्का **उचक्का**—वि०। बदमाश, ... कए चीज लए गेनिहार। [सं० उत्+सं० चक+...]। मिहि ३५-११-१ (ओ गुण्डा **उचक्का** घुमैत छल ...

चम्पत हैवाले); मलमानुष ४३ । *ucakkā—Adj.* Naughty, swindler, rogue.

𑒅𑒔𑒏𑒳𑒢 **उचकुन**—उझकुन (दे) केर वा० रू० । BPL 464, मिहि० २४ (२–६१–६१) । *ucakuna—Coll.* of *ujhakuna* (q.v.).

𑒅𑒔𑒛𑓃𑒱 **उचड़ि**—क्रि० पू० का० । उपरे-उपर विना बुझनहि-सुझनहि कानो वस्तु लए लेब वा बाजब । [सं० उद्+चक > उचक + इ] । प्रग० ७ (उचड़ि कए कालथिन्ह); प्रग० २०४ (कापी उचड़ि क पड़ा गेलथिन्ह); नरोत्तम ३६ । *ucaṛi*—V. P. Part. Intervene, snatch away (words or articles).

𑒅𑒔𑒙𑒱 **उचटि**—क्रि० पू० का० । हटि जाएब, मनसँ बहार भए जाएब; मन नहि लागब । [सं० उच्चाटन < उचट > ई] । प्रग० ६ (नीन्द उचटि गेल); दिरा० १६१ (आब हुनका जो उचटि गेलन्हि) । *ucaṭi*—V. Past P. To become disenchanted or lose interest.

𑒅𑒔(𑒔𑒱)𑒞𑒲 **उच(चि)ती**—विनय-वचन (दी०), अपन नीक शब्दें नेहोरा मिनती वा प्रार्थना, मिथिलामे विवाह आदि शुभ अवसर पर आएल कुटुम्ब वर्गादिकें अपन त्रुटि विषय विनम्र भावें कहल जाइछ; एक प्रकारक पद्दी भावक विनयपूर्ण गीतक नाम [उचित + ई] । राम० ३१ (समुचित उचती कहल प्रकाश); राम० ६० (उचती बहुत सुनाओल) । *uca(ci)tī*—Words or expression of humility or courtsey and praise for the guest or the visitor, a type of songs expressing such ideas.

𑒅𑒔𑒩𑒥 **उचरब**—क्रि० । बुझि पड़ब, फूरब (दी०); प्रकट होएब, नाम उचड़ब, फल उचड़ब । [सं० उद + चर (व्यक्त करब)] । तु० क० सं० उच्चारण । *ucaraba—V.* To manifest, to uncover.

𑒅𑒔𑒩𑒱 **उचरि**—उचरब (दे०) केर पू० क्रि० रू० । गोधूलि १० । *ucari—Part.* form of *ucaraba* (q.v.).

𑒅𑒔𑒩𑒱(𑒛𑓃𑒱)𑒓 **उचरि(ड़ि)ङ**—एक प्रकारक कीट पक्षी विशेष (दी०) । [सं० उचिङ्गट, उच्चिटिङ्ग] ई उचरिङ थिकाह = सभकेर कार्यमे बाधा आ अड़चन आनएवला लोक । पारो ४४ (हुनक साँपे भरि जिनगी उचरिङ रहि जएथिन्ह) । *ucari(ḍi) ṅa*—A kind of jumping insect.

𑒅𑒔𑒩𑒱𑒞𑒯𑒳𑓀 **उचरितहुँ**- उचरब (दे०) केर इच्छा० रू० । [सं० उच्चारण] । महेश० ४ (वचन न उचरितहुँ] । *ucaritahũ—Opta.* form of *ucaraba* (q.v.).

𑒅𑒔𑒩𑒱𑒞𑒾𑓀 **उचरितौँ**—उचरितहुँ (दे०) केर वा० रू० । चन्द्र० १०६ (कटु वचन उचरितौँ) । *ucaritaũ—Coll.* of *ucaritahũ* (q.v.).

𑒅𑒔𑒪𑒰 **उचला**—धोती आदि कपड़ामे मशीनक दोषें चंचल भेने, वेशी चलने बुनबाक दोषें, उच्च देश (दी०), नवीन कपड़ाक बुनबाक दोषें उघरल उपर उठल सूतक । [उत + चला] । तु क० अप० उचला । *ucalā*—Upraised thread or place.

𑒅𑒔𑒰𑒙 **उचाट**—मन नहि लागब, विरक्ति, उदासीनता । [सं० उच्चाट] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० उचाट । वि० पदा० मजु० १३१, मिथिला न० यु० ७२७, अ० ७२४ (फागुन मास धनि जीय उचाट); चन्द्र० १६६ (चित हो उचाट); शतदल २३ । *ucāṭa*–Disenchantment, sadness

𑒅𑒔𑒰𑒩 **उचार**—उच्चारण (दे०) केर का० रू० । गो० प्र० १ अम० ४८ (द्विजकुल मंगल उचार), गौरी स्वयम्वर ६ (अनुसार उचार करि नाम नाटिका नृत्य); राम० ६३ (भूप देखि जय शब्द उचार) । *ucāra—Poet.* of *uccāraṇa* (q.v.).

𑒅𑒔𑒰𑒩𑒥 **उचारब**—क्रि० । उचारण करब मुँहसँ शब्द बहार करब । [सं० उच्चारण अथवा उचार + अब] । तु० क० हि० उचारना; प्राकृ० उच्चरइ; प० उचरना; गु० उचरवुँ पा० उचारेति । (मनमे बातकेँ उचारब रखन मौन पड़त) । *ucāraba—V.* To utter, speak.

𑒅𑒔𑒰𑒩𑒨(𑒋) **उचारय(ए)**—उचारब (दे०) केर इच्छा रू० । सनेस ४० । *ucāraya(ae)—Opta.* of *ucāraba* (q.v.).

𑒅𑒔𑒰𑒩𑒪 **उचारल**—उचारब (दे०) केर भू० रू० । राम० ३११ (वैदेहीक उचारल नाम) । *ucārala—Past* tense form of *ucāraba* (q.v.).

𑒅𑒔𑒰𑒩𑒱 **उचारि**—पू० का क्रि० । उच्चारण कएकेँ मुँहसँ शब्द बहार कएकेँ । [उचार + इ प्र०] । वर्ण० १२ (मन उचारि काछि); प्रग० १३४ (हम उचारि दैत छी) । *ucāri—V. Part.* To be uttered.

𑒅𑒔𑒰𑒩𑒳 **उचारु**—उचारब (दे०) केर आज्ञा रू० । मिहि० ३८–२–१२ (मोदे उचारु विरुदावलि वन्दि वृन्द) । *ucāru—Imp.* form of *ucāraba* (q.v.).

𑒅𑒔𑒰𑒩𑒹 **उचारे**—उचारब (दे०) केर का० रू० । राम० ३१४ (श्री उचारे शिव गौरी गीत) । *ucāre—Poet.* of *ucāraba* (q.v.).

𑒅𑒔𑒰𑒫𑒔𑓂𑒔 **उचावच्च**—उच्चावच (दे०) केर विक० रू० । मि० इ० ४६ (कोनो उचावच्च नहि पावि अन्तमे) । *ucāvacca—Alt.* form of *uccāvaca* (q.v).

𑒅𑒔𑒰𑒜𑓃 𑒪𑒑𑒰𑒋𑒥 **उचाढ़ लगाएब**-क्रि० । ई विना गेने नहि रहताह रातियेसँ हिनका उचाढ़ लगाए देने छन्हि । [उच्चाट शब्दक विकृत रूप ई थिक । मुदा बखाड़ीमे चोर उचाड़ लगाए राति १५–२० मन धान लए गेल(= घरक चारकेँ उपर उठबा लए सेहो बाँसक उचाढ़ देल जाइत अछि) । [ऊँच + अढ़] तु० क० सोङर (दे०) । *ucāḍha lagāeba—V.* To raise the thatch roof with a high bamboo.

𑒅𑒔𑒰(𑒔𑒰𑓀)𑒮 **उचा(चाँ)स** उच्चप्राय, कनेक ऊँच

(दी०)। [सं० उच्च > उच + आस]। BPL 790, (ई जमीन **उचाँस** वा **उचास** अछि)। *ucā(cā̃)sa*—little high.

ऊँचाइ **उँचाइ**—उच्चता (दे०) केर विक० रू०। [ऊँच + भाववाचक]। (एतए सँ अहाँ कतेक उँचाइ पर जाए सकैत छी) *ũcāi*—Height.

ऊँचिउ **उचित**—वि०। ठीक, योग्य, मौनासिब। [सं० उच + क्त]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, भोज०, राज० उचित। वर्ण० ४७ (उचित अनाकलित ओज); वि० ने० ६४ (मिलत उचित परिपाटी); वि० पदा० मजु० ४८०; ने० ११६, रामभद्रपुर पोथी पद १६३, न० गु० ६२, श्रं० १०२ (तोहे हुनि उचित रहत नहि लेब); गो० श्र० १ अम० २४ (नहिँ जौं धरम छहु कय परखह उचित कहय एक बानि); मन० कृष्ण० १८ (एहिठाम आब उचित नहि बास); गौरी परिणय (शंकर चरण मनाय उचित पहु पाओब हे); राम० १२ (उचित विरनी वृन्द जगाय); मि० उद्० १५७–६ (कयल उचित अति); मैं० हि० सा० १५ (उचित थिकैन्हि); मो० ६७–२ (उचित थिकन्हि); मि० मित्र १६० (ई देखि दश जन समपर क्रोध तथा दुख होइछ किन्तु (उचित कहने घर झगड़ा); (उचित कहए से मारल जाए)। *ucita*—*Adj*. Proper, fit.

ऊँचिउओ **उचितओ**—उचितहु (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० १३७, नेपाल १६१, न० गु० ७६६, अ० ७६० (उचितओ भूसन मानए भार)। *ucitao*—Poet. of *ucitahu* (q.v.).

ऊँचिउवआ **उचितवक्ता**—यथास्थित बजबामे प्रौढ़ (दी०), सत्य बात कहबामे कनिओ पाछू हटनिहार नहि। [उचित + वक्ता]। (उचितवक्ता समय समय पर बनी अन्यथा लोककेँ तकलीफ होइछ)। *ucitavaktā*—One who speaks out the right.

ऊँचिउऊ **उचितहु**—उचितो (दे०) केर निश्च० रू०। वि० ने० १२२ (उचितहु न रहल तनिक विवेक)। *ucitahu*—*Emph.* of *ucita* (q.v.).

ऊँचिति **उचिति**—उचितो (दे०) केर का० रू०। राम० ५० (उचिति विनति कति सहित सनेस)। *uciti*—Poet. of *uciti* (q.v.),

ऊँचिती **उचिती**—उचर्ता (दे०) केर विक० रू०। राम० २७१ (उचिती पिती कहू कत आज); प्रण० ४ मै० सा० इ० ४४; प्रण० ११ (उचिती मिनतीमे एक घण्टा लागि जाइत); प्रण० ५० (भागिरथ भा उचितीओ करए लगलाह)। *uciti*—*Alt.* of *ucatī* (q.v.).

ऊँचिते **उचिते**-उचित (दे०) केर निश्च० रू०। [उचित + हि केर संक्षिप्त वाच्य रू०]। राम० ५३ (उचिते कहले सँ विघुआय); मिहि० उद्० १५७–४ (से उचिते); प्रण० १३६ (हमर वालक उचिते कैलक अछि); पारो ६६ (एहि प्रकारक प्रश्न कएलक अछि तैँ चितेउ)। *ucite*—*Emph.* of *ucita* (q.v.).

ऊँचिला **उचिला**—पोतीमे बिनबाक दोषेँ उच्च देश (दी०)। **उचला** (दे०) केर विक० रू०। *ucilā*—*Alt.* of *ucalā* (q.v.).

ऊँचिश्ट **उचिष्ट**—उच्छिष्ट (दे०) केर अशु० रू०। पुरु० २१० (ई उचिष्ट हमरहु मेटत)। *ucista*—*Err.* of *ucchiṣṭa* (q.v.).

ऊँचे **उचे**—उच (दे०) केर का० रू०। राम० (६७ उचे ओ नीच पथ जाह)। *uce*—*Poet.* of *uca* (q.v.).

ऊँच्चैठ **उच्चैठ**—भगवतीक नाम वा उचैठ एक गामक नाम जतए कालिदासकेँ ज्ञान प्राप्त भेलैन्ह। वि० पदा० ६७ (कालिदास कवि मुकुट उचैठमे)। *ucaiṭha*—Name of a Devi or a village.

ऊँच्च **उच्च**—वि०। उपर, पैघ, श्रेष्ठ। [सं० उत + चिङ]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज०, पा०, प्राकृ० **उच्च**; प्राकृ० ओअअ; पा० ओअह; सि० उचो; लहन्दा उच्चा; प० ऊच, उच्चू; उ० उचा; भोज० ऊँच; प्रा० अव० ऊँचाँ; प्रा० मा० **उचो**; गु० ऊँचुँ, म० उँचँ; कुमा० **उचौणो**। वर्ण० २३ (सन्निधान **उच्च** चौरस); राम ६४ (नृपतिक **उच्च** भवन आरुढ़ि); मो० ६३–१ (लख **उच्च** श्रेणीक); मिहि० उद्० १५७–१ (उच्च स्थानारूढ़ छलीहि); प्रण० २७ (तीन व्यक्ति **उच्च** स्वरसँ बजैत); चित्रा ३ (नृप रमेश्वर **उच्च** ज्ञानमे); (**उच्च** घर पर प्रबल बसात) = जे घर (= व्यक्तित्व) बेशी ऊँच रहैछ ओकरा वायु वा हवाक वेगक डर विशेष रहैछ; (नाम बड़ **उच्च** कान दुनू बुच्च) = पैघ लोक जखन पैघत्व उदारताक पथ त्याग कए देथि तखन ई कथनी कहल जाइछ। *ucca*—*Adj*. High.

ऊँच्चउ **उच्चड**—**उचाड़**। लु० प्र० [सं०]। सर्वानन्द ११-२-१७० *uccaḍa*—A kind of grass.

ऊँच्चस्थ **उच्चस्थ**—वि०। उच्च वा उपर स्थान पर स्थित। [उच्च + स्थ]। राम० १० (पञ्चग्रह उच्चस्थ मेषमे दिनकर)। *uccastha*—*Adj*. High-placed.

ऊँच्चाकाङ्क्षा **उच्चाकाङ्क्षा**-पैघ अकांक्षा वा मनोरथ। [उच्च + आकांक्षा]। मो० १५१–२ (मिथिला मोदक उच्चाकांक्षा)। *uccākāṅkṣā*—High ambition.

ऊँच्चाट **उच्चाट**—अनमनाएल सन, उखाड़ि फेकबाक क्रिया, उच्चाटन। [सं०]। तु० क० ने० हि०, बं०, उच्चाट। *uccāṭa*—Disenchantment.

ऊँच्चाटक **उच्चाटक**—वि०। उच्चाटन सन अभिचार कर्म विशेष कएनिहार। [उच्चाट + अक प्र०]। शत० ६ (शिव शेमुखीक सम उच्चाटक)। *uccāṭaka*—*Adj*. Who indulges in the incantation of *uccāṭana* (q. v.).

ऊँच्चाटन **उच्चाटन**—उन्मूलन, अभिचार कर्मविशेष, चंचल करब, विरक्ति, विराग, उदासीनता, एक प्रकारक मंत्र। [उत् — चट — णिच् — ल्युट्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, उच्चाटन

राज० **उच्चारण** । वर्णं० ३ (**उच्चाटन** मारन); मिथिला १-१३८ (सकल **वस्तु उच्च टन** आदिक सिद्धि करथि जन सेवी); नव० ६२ (यदि वस्तु स्थिति कै **उच्चाटन** किंवा वशीकरण कोनो तान्त्रिक प्रयोग छुमलथिन्ह) । *uccāṭana*—A form of Tantra magic, loss of interest or attachment.

𑒅𑒔𑓂𑒔𑒰𑒠𑒩𑓂𑒬 **उच्चादर्श**—उच्च वा नीक आदर्श, उत्तम अस्तित्व । [उच्च + आदर्श] । कथा पराग ६ । *uccādarśa*—*Adj.* High ideology.

𑒅𑒔𑓂𑒔𑒰𑒦𑒱𑒪𑒰𑒭𑒲 **उच्चाभिलाषी**—वि० । पैघ अभिलाषा रखनिहार । [उच्च + अभिलाषा + ई] । मो० १७१-७ (ई बड़ **उच्चाभिलाषी** छलाह) । *uccābhilāṣī*–*Adj.* Ambitious.

𑒅𑒔𑓂𑒔𑒰𑒩 **उच्चार**—उच्चारण (दे०) केर का० रू० । [उत् + चर + णिच्--घञ् प्र०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **उच्चार** । राम० २३ (जय-जय ध्वनि **उच्चार**); राम० १६४ (मैक अनेक वचन **उच्चार**) । *uccāra*—*Poet.* Form of *uccā-raṇa* (q.v.).

𑒅𑒔𑓂𑒔𑒰𑒩𑒝 **उच्चारण**—कण्ठ, तालु, दाँत, ठोर एवं नाक, जीह द्वारा शब्दक उत्पादन, शब्द वा वर्णकेँ बजबाक ढंग । [उत + चर + णिच् + ल्युट्] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० **उच्चारण**; प्राकृ० **उच्चारइ**; हि० **उचारना**; पा० **उच्चोरति**; उ० **उचारिबा**; गु० **उचारणुँ** । मिहि० उद्० २५८ (यहि **उच्चारण**सँ मिलैबाक हेतु); प्रण० ४ (ओ व्रजेन्द्रनाथक पहिना **उच्चारण** कैलन्हि); नव० २ (लोक शब्दक **उच्चारण** शुद्ध-शुद्ध करओ) । *uccaraṇa*—Pronunciation.

𑒅𑒔𑓂𑒔𑒰𑒩𑒪 **उच्चारल**—उच्चारण (दे०) केर भू० रू० । पुरु० १६७ (वज्र अशुद्ध कुमति **उच्चारल**) । *uccārala*—*Past* Tense form of *uccāraṇa* (q.v.).

𑒅𑒔𑓂𑒔𑒰𑒩𑒱𑒞 **उच्चारित**—वि० । जकर उच्चारण कएल गेल हो, जे बाजल गेल हो, [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० **उच्चारित** । नव० २ (प्रयत्न पूर्वक **उच्चारित** होइन्हि) । *uccārita*—*Adj.* Pronounced, uttered.

𑒅𑒔𑓂𑒔𑒰𑒫𑒔 **उच्चावच**--क्रि० वि० । छोट-पैघ सभ, नीच ऊँच लोकसभ, उन्नति-अवनति, नीक अधलाह । [उदक् + आवक + च, उदक (उत्तर) आवाक (पश्चिम) अथवा उच्च + अवाच्य अथवा अवच-नीय] । नव० ३६ (कोनो **उच्चावच** नहि); पारो ६१ (मदद् विद्यागरीक **उच्चावच** केलकैन्ह) । *uccāvaca*—*Adv.* Uneven.

𑒅𑒔𑓂𑒔𑒻𑒮𑓂𑒟𑒰𑒢 **उच्चैस्थान**—संस्कृत **उच्चस्थान** केर बा० रू० । तु० क० उच्चैठ । मि० २३६ (अन्यान्य **उच्चैस्थान** प्रभृति देवालए रहितहु) । *uccaisthāna*—*Coll.* of *uccasthāna.*

𑒅𑒔𑓂𑒔𑒻𑓁𑒬𑓂𑒩𑒫𑒰 **उच्चैःश्रवा**—इन्द्रक घोड़ाक नाम । घोड़ाक सचेष्टता गुण । [सं०] । राम० (२६ **उच्चैःश्रवा** समान अश्व) । *uccaiḥśravā*—Name of the horse of Indra.

𑒅𑒔𑓂𑒕𑒠 **उच्छद**—वि० । बिना छत्र-छाया (मालिक) केर, बिनु झाँपन केर । [उत् + छादन] । तु० क० **उच्छिन्न** (दे०) । महा० ना० १०८ (वंश **उच्छद** मेल आबे यदुराज) । *ucchada*—*Adj.* Without cover, or lord.

𑒅𑒔𑓂𑒕𑒢𑓂𑒢(𑒩) **उच्छन्न(र)**—**उच्छिन्न(र)** (दे०) केर विक० रू० । (दी०) । *ucchanna(ra)*—*Alt.* of ***ucchinna*** (q.v.).

𑒅𑒔𑓂𑒕𑒪𑒱𑒁 **उच्छलिअ** - उछालि, उपगतकए, आवाजकए । [सं०] । तु० का० रू० कीर्तिलता ६८ (शंखध्वनि **उच्छलिअ**) । *ucchalia*—Poet. Obs. Throw up, Make sound.

𑒅𑒔𑓂𑒕𑒫(𑒫𑒻) **उच्छव(वै)**—उत्सव (दे०) केर प्रा० तु० रू० । कीर्तिलता ३७ (अउज **उच्छव** अज्ज कालान); वि० पदा० मञ्जु० ८, न० गु० ६, अ० १००७ (**उच्छवै** वैरस वितरि गमओ) । *ucchava(vai)*—Obs. form of *utsava* (q. v.).

𑒅𑒔𑓂𑒕𑓂𑒫𑒰𑒮 **उच्छ्वास**—साँस लेब, उपर मुहेँ साँस लेब, उर्द्ध्वश्वास । [सं०] । तु० क० बं, ने० **उच्छ्वास** । मो० ६७-२२ भक्तिक **उच्छ्वास** प्रकटित राखू); प्रण० १८८ (जोर जोरसँ **उच्छ्वास** लेब लागू); नव० ६७ (**उच्छ्वास** सँ सम्पुटित भ कअस्पष्ट भ उठइन) । *ucchvāsa*—Breathing ont.

𑒅𑒔𑓂𑒕𑒰𑒯(𑒯𑒹) **उच्छाह(हे)**—उत्साह (दे०) केर प्रा० तु० रू० । कीर्तिलता ४० (होन्ह होएइ एकक पइ बीर पुरिस **उच्छाह**); कीर्तिलता ६१ (बन्धन जन **उच्छाह** करु); कीर्तिलता ४७ (तिरहुत्ति-राजे रस **उच्छाहे** मण्डीअ) । *ucchāha(he)*—*Old* Obs. of *utsāha* (q.v.).

𑒅𑒔𑓂𑒕𑒱𑒢𑓂𑒢(𑒩) **उच्छिन्न(र)**—वि० । समूल नष्ट (दी०), (वंश) नष्ट, उखारल, काटल, विनष्ट कएल । [उत् + छिद—क्त] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, उर्दू० उच्छिन्न । मिहि० ६ (**उच्छिन्न** भए पड़ि रहल अछि) । तु० क० **उछन्नर** (दे०) । *ucchinna(ra)*—*Adj.* Destroyed, cut off.

𑒅𑒔𑓂𑒕𑒱𑒭𑓂𑒙 **उच्छिष्ट**—वि० । ककरो भोजन सँ बाँचल, अइँठ, व्यवहार कएल । [उत् + शिष्ट—क्त] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० **उच्छिष्ट** । पुरु० २१० (**उच्छिष्ट** अन्न खप्पर पर दय सोर कय देल); स्त्री शिक्षा ३६ (स्त्रीकेँ **उच्छिष्ट** भोजन करबाक थिकन्हि); शिक्षा ६१ (स्वामीक **उच्छिष्ट** भोजन करै छथि); प्रण० ६६ (**उच्छिष्ट**मे घृत खाएब गोमांस भक्षण थिक) । *ucchiṣṭa*—*Adj.* (Food) left out after eating, in shregs, remainder, polluted (by) eating partly and touching and with moath.).

𑒅𑒔𑓂𑒕𑒴𑒢 **उच्छून**—उपर उठब, उन्नत, फूलल, उच्छ्वसित ? [उत् + छिद—क्त] । कीचक बध १२ । *vcchūna*—Swollen.

𑒅𑒔𑓂𑒕𑒵𑓀𑒐𑒪 **उच्छृंखल**—वि० । उद्दण्ड, अबारा, जे शृंखला-

रुद्ध नहि हो, विश्रृंखल, स्वेच्छाचारी। [उत + शृंखला]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० उच्छृंखल। मि० २७७ (एहि तरहक **उच्छृंखल** व्यवहार दयानन्द छाड़ि आन के अनुमत कय सकतैन्हि); द्विरा० ४ (पारिवारिक जीवन **उच्छृंखल** होयब लागि गेल छैन्हि); पारो ४६ (ओ दूनू जमाय **उच्छृंखल** बुझि पड़लाह)। *ucchṛnkhala—Adj.* Unbridled, wanton.

उच्छृंखलता—उदण्डता, विश्रृंखलता, स्वेच्छाचारिता। [उत् + शृंखला + अता]। मिथिला मित्र १८२ (एक परिचितक **उच्छृंखलता**)। *ucchṛnkhalatā*—Unbridledness.

उच्छृत—वि०। छितनल, उपर उठल, उत्पन्न, उन्नत, उदित। [उत् + श्रि — क्त प्र]। तु० क० हि० उच्छ्रित। मिहि० ३६-२६-७। *ucchṛta—Adj.* Raised, exalted.

उच्छेद(न)—नाश, खण्डन, उत्पात, विनाश। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० उच्छेद, उच्छेदन। मो० १७४-६१ (जैन धर्मक **उच्छेद** तथा सनातन धर्मक स्थापना); चित्रा ८४ (दानव दलक करबह अवश्य **उच्छेद**); प्रतिपदा एक अध्ययन ४३ (**उच्छेदन**)। *uccheda(na)*—Destruction, uprooting.

उच्छेके—क्रि०। उठाकए। तु० क० छेक देब। [उछेदि कए]। *uccheke—V.* Having raised.

उछटब—क्रि०। एक वस्तुमे लागिकेँ वेगेँ कोनो वस्तुक दोसरा दिशि जाएब। [IAL Turner 1949 उच्छट]। कोनो वस्तुक **उछटब** ओकर शक्ति पर निर्भर करैछ। *uchaṭaba*—V. To throw cut, to scatter; to fritter away upon clashing with something.

उछटलैन्ह—उछटब (दे०) केर भू० रू०। मि० २४७ (आज्ञाक अनवरत मेलासँ ओहू ठाम मन **उछटलैन्ह**)। *uchaṭalainha—Past* tense form of *uchaṭaba* (q.v.).

उछटि—उछटब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। मि० २०३ (भौंड़ा गढ़ीक निवाससँ मन **उछटि** गेलैं। *uchaṭi—Part.* form of *uchaṭaba* (q.v.).

उछती—उचती (दे०) केर बा० रू०। (दी०)। *uchatī—Coll.* of *ucatī* (q. v.).

उछन्न—वि०। उच्छन्द सँ उच्छन्न अर्थात् जे छन्द = मर्यादाक परित्याग कए देलक। जेना माल छान तोड़ि जजात मे चलि गेल। *uchanna*—Adj. Uncheeked, wanton.

उछन्नर—फज्झति, प्रतिष्ठा वा मर्यादा नष्ट केनिहार, लांछित करब, अपवाद। [उच्छन्न (दे०)]। तु० क० अकच्छ (दे०)। प्रण० ६४ (औरो **उछन्नर** करत); द्विरा० १३६ (तकर सँ **उछन्नर** कैने अछि)। *uchannara*—Disturbance, annoyance.

उछल—उछलि (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० १२१; न० गु० ६५२, अ० ७६७ (उछल पयोनिधि नीरे)। *uchala—Poet.* of *uchali* (q.v.).

उछँल—उठल (दे०) केर प्रा० अवहट्ठ रू०। कीर्तिलता ३६ (तपत हुअउँ सुरुतान गेल **उँछल** दरबारहि)। *uchãla*—*Old avahaṭṭha* form of *uṭhala* (q.v.).

उछअलनि—उछलब (दे०) केर भू० लु० रू०। गोरख विजय २ (क) (खेलते **उछअलनि**)। *uchaalani*—Obs. *Past* tense form of *uchalaba* (q. v.).

उछलइ—क्रि०। बर्त्तनसँ पानि छलकब। **उछलब** (दे०) केर वर्त्त० रू०। [IAL Turner उत्शलति]। *uchalai*—V. To overflow. Present tense form of *uchalaba* (q.v.).

उछलब—क्रि०। जलादिक उपर छिटकाब (दी०) [सं० उच्छलन]। (छोट बर्तनसँ पानिक **उछलब** स्वाभाविके थिक)। *uchalaba—V.* To overflow.

उछलय—उछलइ (दे०) केर बा० रू०। गो० श्र० १ अमर २६ (जँह जँह भङ्गुर भौंह बिलोल। तँह-तँह **उछलय** कालिन्दी हिलोल)। *uchalaya—Coll.* of *uchalai* (q.v.).

उछलि—**उछलब** (दे०) केर क्रियान्विता क्रिया रू०। प्रण० २११ (कवि जी **उछलि** उठलाह)। *uchali*—Infinitive form of *uchalaba* (q.v.).

उछलित—उछलब (दे०) केर प्रा० लु० रू०। वर्ण० २२ (चारु ध्वनि उछलित)। *uchalita*—Obs. form of *uchalaba* (q.v.).

उछवेँ—उत्सव (दे०) केर प्रा० लु० रू०। मि० ५१६ (सिंहासन शिवसिंह बइट्ठो **उछवेँ** बैरस बिसरि जओ)। *uchavẽ*—Obs. form of *utsava* (q.v.).

उछान—वि०। बिना छान वा बन्धन केँ। [उ + छान]। मिहि० २६ प्र० १७-१८-११ (गदहा बोड़ा नेने **उछान**)। *uchāna—Adj.* Without tying to a rope.

उछार—मनुष्यक विभिन्न दुर्वस्थाक एक प्रभेद। [सं० उत्सार]। तु० क० **छेरब**; **छाड़न**; **छोड़ब**। वर्ण० २ (**उछार**, ओकार, बमन, विरेचन, लब्धी भुगत अनेक दुरवस्था देपु)। *uchāra*—Loneliness, loss of identity.

उछारा—उच्छृत केर प्रा० [illegible] चर्य्या० १४-२। *uchārā*—Obs. poet. [illegible]

rta (q. v.).

𑒅𑒕𑒰𑒪 **उछाल**—पूर्ण भए बहता पानि वाला (दी०), लबालब भरल भए वर्त्तनादि वा खेत प्रभृति सँ पानि आदि बहराएब । [उत्+छाल] । तु० क० ने० **उछाल**; प्राकृ० **उछाल** । ब्याजा ६६ (मानस सर भरिकै यद उछाल); दिनमणि २१ । *uchāla*—Overflow of brimful water etc.

𑒅𑒕𑒰𑒪𑒃 **उछालइ**—उछलब (दे०) केर इच्छा० रू० । IAL Turner 1843 **उत्सलित** । *uchālai*—Opta. form of *uchalaba* (q. v.).

𑒅𑒕𑒰𑒯 **उछाह**—उत्साह (दे०) केर का० रू० । वि० ने० २४६ (बालमु अओता उछाह करू); वि० पदा० मजु० ११८, नेपाल १४७, न० गु० ६२७; अ० ६३४ (अबे चिते करइ उछाह); महा० ना० ३३ (होयत अगिनिक उछाह) । *uchāha*—*Poet.* of *utsāha* (q. v.).

𑒅𑒕𑒰𑒯𑒲 **उछाही**—उत्सवमे देय वस्तु (दी०) । [उत्साह > अथवा उत्सर्ग > उछाह + ई] । तु० क० हि० **न्यौछावर** । पमरिआ वा नौआ जेना मूड़नमे, उपनयनमे लोकसँ **उछाही** माल, जमीन, वस्त्र आदि लैछ । *uchāhī*—Gift, tip, etc. particularly on some auspicious occasion.

𑒅𑒕𑒱𑒪𑒢𑒰𑒃 **उछिलनाइ**—उछिलब (दे०) केर संज्ञा रू० । द्विरा० ५६ (तकर उछिलनाइ देखि) । *uchilanāi*—Noun form of *uchilaba* (q v.).

𑒅𑒕𑒱𑒪𑒥 **उछिलब**—क्रि० । कुदब, फानब, वेगेँ कुदि उठब, उच्छलन (दी०) । [उत् + चलन अथवा उछल् + अब] । *uchilaba*—*V.* To jump.

𑒅𑒕𑒱𑒪𑒨(𑒋) **उछिलय(ए)**—उछलय (दे०) केर वि० रू० । कन्या० १४० (हुनक हृदय खरहा जकाँ **उछिलय** लगलैन्ह); द्विरा० ५७ (हजारो हृदय उछिलय लगैत अछि) । *uchilaya(e)*—*Alt.* Of *uchalaya* (q.v.).

𑒅𑒕𑒱𑒪𑒰𑒋(𑒍)𑒪 **उछिलाए(ओ)ल**—उछिलब (दे०) केर भूत० प्रेरणा० रू० । मि० २४६ (श्रीमानक मन हुनक भेट लै **उछिलाएल** कैल करन्हि) । *uchilāe(o)la*—*Past* tense caus. form of *uchilaba* (q.v.).

𑒅𑒕𑒱𑒪𑒱 **उछिलि**—उछलि (दे०) केर वा० रू० । द्विरा० ५६ (अनेको बौल **उछिलि** जाइत अछि) । *uchili*—*Coll.* of *uchali* (q. v.).

𑒅𑒕𑒱𑒪𑒻 **उछिलै**—उछलए (दे०) केर विक० रू० । मिहि० उद० १५७-७ (शिवाक तरंग **उछिलै** लागल); रस निर्झरणी १२ पद । *uchilai*—*Alt.* of *uchalae* (q.v.).

𑒅𑒕𑒱𑒪𑒻𑒞 **उछिलैत**—उछिलब (दे०) केर वर्त्त० रू० । मो० १३८-३६-११ (तेहिना हुनका आगू **उछिलैत** पुछिलैत ओ सभ देखि पड़इछ) । *uchilaita*—*Present* tense form of *uchilaba* (q.v.).

𑒅𑒕𑒱𑒭𑓂𑒙(𑒭𑓂𑒚) **उछिष्ट (ष्ठ)**—उच्छिष्ट (दे०) केर वा० रू० । पुरु० ३१ (दातालोकनि से उछिष्ट हमर भेटत); पुरु० ३२ (उछिष्ठ अन्न खप्पर पर दय सौर कय देल) । *uchiṣṭa(ṣṭha)*—*Coll.* of *ucchiṣṭa* (q.v.).

𑒅𑒕𑒳𑒮 **उछुस**—युद्धक छत्तीस प्रकारक अस्त्र-शस्त्रमेसँ एकक नाम । [सं०] । (उछुस दण्ड मुशल) । *uchusa*—A kind of weapon.

𑒅𑒕𑒹[1] **उछे**[1]—चित्रकारिताक एक प्रभेद । [अवहट्ट] । वर्ण० ६३ (उछे, गर्झौली चौरबस रङ्गरचना विण्डोइ) । *uche*[1]—A kind of drawing or painting.

𑒅𑒕𑒹[2] **उछे**[2]—पू० क्रि० । उठाकए, उठेहि कए । [सं० उत्र उच्छ] । वर्ण० ४५ (कथाकेँ **उछे** भूमि तृक लागि होकबाला भू(मि) भउ) । *uche*[2]—Participle. having lifted,raised.

𑒅𑒕𑒹𑒯𑒱 **उछेहि**—उघेसिकए, खाख, परिलुका वस्तुकेँ हटाए । [सं० उत्सेध अथवा उत् + छाह + इ] । चित्रा ३८ (खराबहि पड़त पुरनका खड़ उछेहि) । *uchehi*—To take away worn out material from a thatch.

𑒅𑒕𑓂𑒕𑒰𑒪𑒱𑒞𑒰 **उछ्छालिता**—उछलित (दे०) केर स्त्री० रू० । मिथिला १-१३४ (रूप लावण्य रस **उछ्छालिता** किशोरी छथि) । *uchchālitā*—*Fem.* Form of *uchchālita* (q.v.).

𑒅𑒖𑒑𑒪(𑒪𑒱) **उजगल (लि)**—उजगी (दे०) केर का० रू० । [उत् + जागृ निद्राक्षये] । राम० लाल० २२१ (सूतलि उजगलि रातिक शेष) । *ujagala(li)*—*Poet.* of *ujagī* (q. v.).

𑒅𑒖𑒑𑒲 **उजगी**—नीक जकाँ निन्न नहि होयब, अमक निन्न, थोड़ निन्न । [उत् + जाग + ई] । प्रण० १५ (रतुका **उजगीक** कारणेँ किछु ठेही जकाँ बुझि पड़ैत अछि) । *ujagī*—Slight sleep.

𑒅𑒖𑒑𑒳𑒖 **उजगुज**—पूर्ण रूपेँ परिपूर्ण होयब, स्थान नहि बाँचब । [सं० उत् + सं० गुञ्ज] । मिहि० ५ (२-६१-८१) (बेने तिहार सँ डेरा उज-गुज करय) । *ujaguja*—Fully occupied.

𑒅𑒖𑒖𑒳 **उजजु**—होइछ, होइत अछि । [? उपजुक अशु० रू०] वि० पदा० मजु० ५४५ (तसु देखि मौहि अजजु भाने) । *ujaju*—

𑒅𑒖𑒛𑓃(𑒛𑓃𑒰) **उजड़ (ड़ा)**—उजर (रा) (दे०) केर वा० रू० । BPL 796 । *ujaḍā(ḍā)*—*Coll.* of *ujara(rā)* (q,v.).

उजड़त—उजड़ब (दे०) केर भवि० रू० । रात० ८ (**उजड़त** घर मलता विधि मालौ) । *ujaḍata—Future* tense form of *ujaḍaba* (q.v.).

उजड़ल—उजरल (दे०) केर वि० रू० । राम० १४२ (**उजड़ल** पजड़ल जत तत केश); दू० व्या० ५ (**उजड़ल** लङ्काक विभव तथा हमर प्रताप); मि० ना० ३१ (की **उजड़ल** उपटल नैहर नहि) । *ujaṛala—Alt.* Of *ujarala* (q.v.).

उजड़ि—उजड़ल (दे०) केर पू० का० रू० । रंग ७६ (संसारमे उजड़ि गेल) । *ujaḍi—Present* part. form of *ujaḍala* (q.v.).

उजड़ैत—उजड़ल (दे०) केर वर्त० रू० । मिहि० ३५-२०-२१-२६ (मैथिली साहित्यक **उजड़ैत** उद्यानमे वसन्त वसत) । *ujaḍaita—Present* tense form of *ujarala* (q.v.).

उजड्ड—वि० । गमार, अभद्र, मूर्ख । [सं० जड़ —उद्धत अथवा उजड़बसँ प्रभावित ?] । *ujaḍḍa—Adj.* Impudent, astupid, ill mannere.

उजमाहल—वि० । **उदम हल** केर विक० रू० । [सं० उद्यत + सं० आहून अथवा महान] । (कालिहियेसँ विद्यार्थीसभ पहि प्रश्नपर **उजम हल** छल, हमरा ई राति पता लागल हम तेँ कोनो अन्य व्याजसँ घन्टी बजबा देलियैक, विद्यार्थीसभ अपन-अपन घर चल जाएत, गाम जेबा लए विद्यार्थीसभ **उजमाहल** रहए तेँ कोनो पावनि तिहारक अवसरपर एहन कहल जाइत अछि । *ujamāhala—Adj.* Over enthused, excited,excessively agitated.

उजर(रा)—वि० । श्वेत, उज्जर, कारी नहि । [सं० उज्ज्वल] । तु० क० हि०, बं०, असु०, ने०, अव०, भोज०, **उजर** । वि० पदा० मजु० ७७, रागत० १२३, न० गु० तालपत्र २४६, अ० २५६ (**उजर** नयन नलिना); राम० ५६ (**उजर** ऐपन मुकुताहार) । *ujara(rā)—Adj.* White.

उजरका—वि० । मात्र उज्जर रंगक, अन्य दोसर रंगक नहि । [उजर + अका प्र०] । मि० भा० वि० ७० । *ujarakā—Adj.* Only white.

उजर(ड़)ब—अवयवशः नष्ट होएब (दे०), पूर्ण रूपेण नष्ट नहि । [सं० उज्झ अथवा प्राकृ० उजड़] । *ujaḍaba*-To be ruined.

उजरल—उजरब (दे०) केर भू० रू० । चित्रा २२ (**उजरल** देहात) । *ujarala—Past* tense form of *ujaraba* (q.v.).

उजरा—वि० । एक मात्र उज्जर । [उजर + आ० प्र०] । मि० भा० वि० ६; FML 622, *ujarā—Adj.* The white one.

उजरी—उजर (दे०) केर स्त्री० वा का० रू० । [उजर + ई प्र] । तु० क० हि० **उजड़ी** क्रि० । वि० पदा० मजु० ५३५ (पीन पयोधर रुचि **उजरी**); लो० का० ४९ (बिजुरी **उजरी** रजनी गुजरी) । *ujarī—Fem.* Or poet. form of *ujara* (q.v.).

उजरी धबब—श्वेतता प्रकाश होएब । [उजरी + दिव्य अथवा धवब] तु० क० उज्जर दपदप (दे०) । गद्य चन्द्रिका ४३ । *ujarī dhababa*—Shining white.

उजरौन(न्ह)—वि० । किछु उज्जर वा श्वेत सदृश । [उजर + अौन(न्ह)] प्र० । ई मे। **उजरौन** वा **उजरौन्ह** बुझि पड़ैछ । *ujarauna(nha)—Adj.* Whitish.

उजला—उजरा (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० ३; ने० १६२, न० गु० तालपत्र ६१, अ० २६२ (रजनि उजागरे मुख न **उजला**) । *ujalā—Poet.* of *ujarā* (q.v.)

उजलि—उजड़ि (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० ६८ तालपत्र न० गु० ३७१ अ० ३६८ (नगर **उजलि**) । *ujali—P. F.* of *ujaḍi* (q.v.).

उजविजाएव—उजगुबुज (दे०) केर क्रि० रू० । (दी०) । *ujabijāeba—Verbal* form of *ujagu bu)ja* (q v.).

उजबुज—उजगुज (दे०) क विक० रू० । शान्त वा स्थिर मनः स्थिति नहि । चानोदाइ ३० (अरि दिन भावनाक लहरि पर **उजबुज** करइत छलीह चानो) । *ujabuja—Alt.* of *ujaguja* (q.v.).

उजहब—क्रि० । माछक जलवेगाभिमुख गमन (दी०) । तु० क० **उजहिआ लगब** । [सं० उत् + सं० ओहाक् (जहाति) + अब प्र० (दी०)] । (अत्यन्त वर्षा भेला पर माछक **उजहब** स्वाभाविके गुण होइछ) । *ujahaba—V.* Going of fish against the current of water (so that plentful fish are available).

उजहिआ (या)—उजहब (दे०) केर भाववाचक नाम रू० । बहुत माछ पड़ाइत पड़ाइत, भेटबाक नाम । चन्द्रकला १ । *ujahiā(yā)*—Abstract Noun form of *ujahaba* (q.v.).

उजागर—वि० । चमकब, प्रकाशित, सुस्पष्ट, सर्वविदित, जागल, जागरित, जगमगाइत, जाज्वल्यमान । [सं० उजागर] । तु० क० हि०, बं०, असु०, ने० अव०, राज० **उजागर**; प्राकृ० **उज्जागर, उज्जाअर**; सि० **ओजागो**; म० प्रा० उ० **उजागर**; गु० **उजागरो**; म० **ओआग्रा, ओअग्र; ओअगिरा** । वि० पदा० मजु० ३ नेपाल १६३, न० गु० तालपत्र २६१, अ० २६२ (रजनि **उजागर** नेह पन्थ पर मिलल भमर देह); मि० २२५ (मिथिलाक नाम **उजागर** रखलिऐन्ह); रंग १८३ (कुलक नाम **उजागर** करथि) । *ujāgara—Adj.* Brilliant, shining, awake, absence of sleep.

उजाड़—उजाड़ब (दे०) केर नाम रू० । [सं० उत्सार अथवा I A L Turner 1960 सं० उज्जट > उज्जड >

उजाड़] । तु० क० हि०, अव०, भो०, ने०, उर्दू, राज०, सि०, गु०, म० लह०, उजाड़; प्रा.कृ० उज्जड; पा० उज्जड़ । आमक० ६३ (गामक गाम उजाड़ होअए लागल) । *ujāḍa*—Noun form of *ujāḍaba* (q.v.).

ऊँजाड़र्वं **उजाड़ब**—क्रि० । अव्नाड़ करब (दी०), नष्ट करब, छिन्न भिन्न करब । [उजाड़+अब प्र०] । तु० क० प्राकृ० उज्जाडिअ; कुमा० बुजारुन; सि० उजारणु; लह० उजारण; प० उजाड़; हि० उजाड़ना; उ० उजारिबा; गु० उजाड़वुँ । (यदि हमर टाट उजाड़ब तँ अपार भाङि देब) । *ujāḍaba*—*V.* To destroy, to lay waste.

ऊँजाड़ि **उजाड़ि**—उजाड़ (दे०) केर पू० क्रि० रू० । राम० १६६ (बड़ वाटिका उजाड़ि देल) । *ujāḍi*—*Part.* form of *ujāḍa* (q.v.).

ऊँजाड़ू **उजाड़ू**—उजाड़ब (दे०) केर आज्ञा० रू० । FML 227 । *ujāḍū*—*Imp.* Form of *ujāḍaba* (q.v.).

ऊँजान **उजान**—एक गोट मिथिलाक प्रसिद्ध ग्रामकेर नाम जकर नाम पूर्वमे उद्यान छलैक, (अर्थात् उजानक अर्थ पुष्पवाटिका होइछ) । [IAL Turner 2052 उद्यान > उजान] । तु० क० पा० उय्यान; असo उयन, उयान; गु० उजाणी; सि० उयन । गी० श्रृं० २ अमर० १३ (सुनि पशु पाखि सखि कुल पुलकति कालिन्दी बहय उजान); (उजान गामक वासी लोकनि पूर्वमे बड़े ख्याति प्राप्त कएने छलाह) । *ujāna*—Name of a famous village in Mithila, garden, park.

ऊँजायनि **उजायनि**—उज्जैनक का० रू० । वि० वि० ५ (उजायनि सुनगर करब विलासे) । *ujāyani*—Name of a city, Ujjain, P. F.

ऊँजारति **उजारति**—उजाड़ब (दे०) क वर्त० केर काव्य रू० । सूक्ति सुधा ४५ । *ujārati*—P.F. Present tense form of *ujāḍaba* (q. v.).

ऊँजारलक **उजारलक**—उजाड़ब (दे०) केर भू० रू० । राम० १६१ (विशेष बर वाटिका उजारलक) । *ujāralaka*—*V.* Past tense coll. form of *ujāḍa* (q.v.).

ऊँजारि **उजारि**—उजाड़ब (दे०) केर पू० क्रि० रू० । राम० २६८ (लंका नगरि सकल उजारि); चन्द्र० २४६ (साधु कैँ उजारि); शत० २ (निश्चिन्तताक नगरी उजारि) । *ujāri*—*Part.* Of *ujāḍaba* (q.v.).

ऊँजाहि **उजाहि**—उजड़ब (दे०), वेग, जोश, अलाय बलाय, झोंक । [उज (उर्ध्वगामी) + आहि] । वैदेही २७६ (१६५४ जु०); रघुवंश ८४; नव० ५८ (तही उजाहिमे नीलकण्ठ बाबू स्कूल मास्टरी छोड़ि-छाड़ि) । *ujāhi*—Force, violent speed.

ऊँजिआइ **उजिआइ**—क्रि० । पू० क्रि० । अकछ होएब, उबिआएब, खिचाएब, खौंझब । [उज + आइ] । वि० ने० २२४ (पालब नहि उजिआइ) । *ujiāi*—*V. P. P.* Getting upset.

ऊँजिआ(या)र **उजिआ(या)र**—प्रकाश (दी०) । का० रू० । [सं० उद्योत] । तु० क० अ० उँजियार । *ujiā(yā)ra*—Light.

ऊँजिए(ल)लैन्हि **उजिए(ल)लैन्हि**—उजिआर (दे०) केर भू० रू० । ससरफानी ४२ । *ujiai(la)lainhi*—Past tense form of *ujiāra* (q.v.).

ऊँजियाइक **उजियाइक**—उजिआर (दे०) केर इच्छा० रू० । पारो २२ (मुदा अपना बोलीमे लिखनाइ ओकरा खूब उजियाइक) । *ujiyāika* —*V.* Opt. form of *ujiāra* (q.v.).

ऊँजियाइत **उजियाइत**—उजियाइक (दे०) केर वर्त० रू० । प्रया० ७६ (किछु नहि उजियाइत छैक); पारो १६ (ओकरा नहि उजियाइत रहैक) । *ujiyāita*—Pres. tense form of *ujiyāika* (q.v.).

ऊँजियारा **उजियारा**—उजियार (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० १०३, रागत० ६३, न० गु० ६००, अ० ६०६ (बन धन भओ उजियारा) । *ujiyārā*—*Poet* of *ujiāra* (q.v.).

ऊँजीर **उजीर**—(प्रधान) अमात्य, शतरंजक गोटीक नाम । [फा० वजीर] । *ujīra*—Minister, chief adviser, name of a digit in the chessboard.

ऊँजुबाटे **उजुबाटे**—सोझ रास्ता वा पथ [ऋजु + वर्त्म] । चर्या० १५-१; FML 301 (जे-जे उजुबाटे गेला) । *ujubāṭe*—Direct path.

ऊँजुर **उजुर**—फा० उजर केर वा० रू० । विरोध, प्रार्थना, अपन कथ्य । ब्य० वि० ३६ (उजुर दारी किछु नहि सुनल गेलैक); डा० उ० ना० वि० २१ । तु० क० उजुरदारी = उजुर करबाक प्रार्थना पत्र । *ujurā*—Objection, prayer, petition.

ऊँजोते **उजोते**—इजोत (दे०) केर प्रा० लु० का० रू० । वि० पदा० मजु० १०५, नेपाल २२८, (दह दिस भेल उजोते) । *ujote*—*Obs.* Poet. of *ijota* (q. v.).

ऊँजोर **उजोर**—प्रकाश । इजोत (दे०) केर प्रा० लु० का० रू० । तु० क० उज्जर (दे०) । [सं० उद्योत ?] । वि० पदा० मजु० ५६, राग त० ५६, नेपाल २६५, न० गु० ताल पत्र २८८; प० त० १०६१ (जतहि लुकाओत ततहि उजोर) । *ujora*—*Obs.* Poet. form of *ijota* (q.v.), bright, light.

ऊँजोरत **उजोरत**—उजोर (दे०) केर भवि० रू० । पा० छ० २ [उजोरत अइ] । *ujorata*—Future tense form of *ujora* (q.v.).

ऊँजोरबँ **उजोरब**—उजोर (दे०) केर नाम क्रिया । क्रि० रू० । IAL Turner 1671. *ujoraba*—*Verbal Noun*

form of *ujora* (q.v.).

उजोरि (री) (रे)—उजोर (दे०) केर का० रू० । वि० नै० २८ (चान्द बदनि धनि रयनि **उजोरी**) वि० पदा० मञ्जु० २२७ (चान्दहु राति **उजोरि**); गो० श्रृं० १ अम० ३३ ३३ (हरि हिय अधिक **उजोरे**) । *ujori(rī) (re)—Poet.* of *ujora* (q.v.).

उजोलि—उज्ज्वल (दे०) केर प्रा० लु० रू० । तु० क० हि० उजला । चर्च्चा० ३०-४ । *ujoli—Obs.* form of *ujjvala* (q. v.).

उज्जय(यि)नी—मालवा प्रदेशक प्राचीन राजधानी, जे क्षिप्रा नदीक तट पर बसल अछि, वर्त्तमान उज्जैन नगर । [सं०] । तु० क० उजायनि (दे०); हि०, बं०, असo, नै०, अव०, राज०, **उज्जयनी** । वर्ण० ५६ (**उज्जयनी**, अग्निधारा, चम्पा) । *ujjaya-(yi)ni*—Capital of ancient Malva, presnt day Ujjain city.

उज्जर—श्वेत । **उजर** (दे०) केर शु० रू० । [सं० उज्ज्वल] । हिरा० ८० (सन सन **उज्जर** भ गेलैक अछि); चित्रा ४३ (गोल गोल ओ **उज्जर** उज्जर); नव० १६ (रंग रहइ **उज्जर** मूँह बेश नाम) । *ujjara*—White, correct form of *ujara* (q. v.).

उज्जर दप दप—क्रि० वि० । अत्यधिक उज्जर वा श्वेत । FML 44 । [सं० उजार + दिव्, दर्पण, चक्ज] । *ujjara dap dap—Adv.* Extremely white.

उज्जल—उज्जर (दे०) प्रा० का० रू० । वि० पदा० मञ्जु० १ रागत० ८६, न० गु० (हर) ? अ० ६११ (**उज्जल** रूप तुअ बानी); FML 62. *ujjala—Poet.* of *ujjara* (q.v.).

उज्जीर—उजीर (दे०) केर प्राचीन का० रू० [फा० वजीर] । कीर्तिलता २६ (गइ **उज्जीर** अराहिअउँ जंपिअ सकलेओ कज्ज) । *ujjira—Obs.* Form of *ujira* (q. v.).

उज्जीवित—वि० । पुनः जीविकए । [सं०] । निबन्ध चन्द्रिका ११ । *ujjīvita—Adj.* Revived.

उज्ज्वल—वि० । स्वच्छ, शुभ्र, उज्जर, साफ । वर्ण० ४५ (मुण्ड मालाओ मण्डित, कङ्काल तैं संयुक्त, चिताङ्गरे तैं **उज्ज्वल**); वि० (**उज्ज्वल** दिनमणि दारुण); आम० २४८ (रवि **उज्ज्वल** मुकुटावलि); मिहि० उद्० १५८-२ (**उज्ज्वल** शोघ्र जगवय मैं करबाक बिच); मो० ६७-२० (दिगन्त **उज्ज्वल** अछि); हिरा० ८ (ई **उज्ज्वल** आदर्श सम्पूर्ण संसार मे प्रचलित भए जाएत); प्रण० १३४ (गुरुक नाम **उज्ज्वल** करए लगलाह) । *ujjvala—Adj.* Bright, white, clean, pure.

उज्ज्वलित—वि० । प्रकाशित । स्वच्छ वा पवित्र करबाक कार्य । [उज्ज्वल + इत] । तु० क० हि० उज्ज्वलित; प्राकृ० उज्जलिअ । मिहि० ३८-१२-५ (गृह देवताक आगाँ कौनक करैं **उज्ज्वलित** दीप शिखामे) । *ujjvalita—Adj.* Made white.

उज्झट—उद्भट (दी०), अनचौकमे । [उत् + झट] । *ujjhaṭa*—Sudden.

उझकनि—उझकब (दे०) केर वर्त्त० मध्यम पु० रू० । मै० मे बिहारी १५ । *ujhakani*—Present tense second person form of *ujhakaba* (q.v.).

उझकब—क्रि० । चढ़ल पात्रक झुकब (दी०) । अर्थात् आधार परसँ टेढ़ भए जाएब, जाहिसँ ओहिमे राखल सामग्री खसि पड़ए, पात्रहिमे उपर नीचाँ भए जाए । [सं० उत् + सं० भग अथवा झुक् + अब (दी०)] । (टेढ़ उझकुन रहलाक कारणेँ वर्त्तनकेँ **उझकब** स्वाभाविके थीक) । *ujhakaba—V.* To tilt off the contents of an utensil (on the oven).

उझकि—उझकब (दे०) केर पू० क्रि० रू० । मोदलता २०६ । *ujhaki—Part.* form of *ujhakaba* (q.v.).

उझकुन—वर्त्तन आदिक ठेकन (दी०), चुल्हा आदिमे तीनि वा चारिटा ईंटाक वा माटिक बनाओल थुम्हा जाहिपर वर्त्तन राखल जाइछ । [सं० उत् + झुक + अन] । (चूल्हिक **उझकुन** टूटि गेल) । *ujhakuna*—Some prop on the top of an oven to keep away the utensil on it from tilting.

उझट(ट्ट)—वि० । उद्भट, उफाँट (दी०) । [उत + झट] । (**उझट** चोट लगलासँ आँखिमे नोर आबए लागल) । **उझट** लागब (दी०) = वेगापन्न वस्त्रादिक किञ्चिन्मात्र सम्बन्ध । *ujhaṭa(ṭṭa)—Adj.* Suddenly hit.

उझाँट—क्रि० वि० । अलक्ष्यमे लागब (दी०) । [उद + झाँट] । *ujhāṭ—Adv.* Hit unknowingly.

उझिकै—उझकब (दे०) केर कृदन्त रू० । वैदेही १६६-५८-३० (उझिकै सागर चानक लेल) । *ujhikai*—Infinitive of *ujhakaba* (q.v.).

उझिल—उझिलब (दे०) केर पू० क्रि० रू० । धातुपाठ ७१ । *ujhila—Part.* form of *ujhilaba* (q.v.).

उझिलइ(लै)त—उझिलब (दे०) केर आद० वर्त्त० रू० । नव० १६ (चौकरकेँ भूमि पर **उझिलइत** बाजि उठलीह) । *ujhilaita—Hon.* Present tense form of *ujhilaba* (q.v.).

उझिलब—क्रि० । पात्रक मुँह नीचाँ कए भूमि पर कोनो वस्तु खसायब । [IAL Turner 1676 उज्झति उझिल + अब] । (अए, धान **उझिलब** तखन ने गहूँम ...) । *ujhilaba—V.* To pour out.

उझिला(ए)—उझलाए केर सं० ...

रू० । उम्भिलब (०) केर प्रेरणार्थक रू० । द्विरा० २०६ (भरले बोतल स्पिरिट उम्भिला गेलैह), BPL 1272. *ujhilā(e)*—*Caus.* of *ujhilala* (q.v.).

ऊँमिलि उम्भिलि—उम्भीलि (दे०) केर अशु० रू० । नव ५ (भरि सूप अङोर उम्भिलि देवइ बोङ्हाक चानि पर) । *ujhili*—*Err.* of *ujhīli* (q.v.).

ऊँमिलै उम्भिलै—क्रि० । उम्भिलैत केर संक्षिप्त वा० रू० । वर्तमान का० रू० । मों० ८१ (अहाँ जेना जल उम्भिलै छी) । *uhjilai*—*V. Coll.* Short form in the present tense of *ujhilaita* (q.v.).

ऊँमीलय उम्भीलय—उम्भिलए केर वा० रू० । प्रवृत्त्यर्थक क्रियान्विता क्रियामे [अए प्रत्यय + लग, द्] कन्या० १३६ (गड़गड़ाय कय उम्भीलय लगलाह) । *ujhīlaya*—Infinitive of *ujhilaba* (q.v.).

ऊँमीलि उम्भीलि—उम्भिलि (दे०) केर शु० रू० । पूर्वकालिक रूप । प्रसू० २०८ (हमरा हृदयमे उम्भीलि दिय) । *ujhīli*—*Part.* Correct form of *ujhila* (q.v.).

ऊँमुक्का उम्भुक्का—आकस्मिक आघात (दी०), एकाएक बल प्रयोग । [उपर + कुक = उम्भुक + आ अथवा अभक्] । (एकै उम्भुक्का मे गाड़ी एहि थाल कादोसँ बहार भए जायत) । *ujhukkā*—Sudden force.

ऊँमुलि उम्भुलि—उम्भिलि (दे०) केर अशु० रू० । मिहि० ४८—२०—६ (जनु उम्भुलि देल हो कलस सुधा) । *ujhuli*—*Err.* form of *ujhili* (q.v.).

ऊञ्चल पाञ्चल उञ्चल पाञ्चल—उथल-पाथल (दे०) केर प्रा० लु० रू० । चर्या २१-५ । *uñcala pāñcala*—obs. form of *uthala-pāthala* (q.v.).

ऊञालिस उञालिस—वि० । एक कम चालिस । [सं० एकोनचत्वारिंशत] । *uñcālisa*—*Adj.* Thrity-nine.

ऊञालिसम उञालिसम—वि० । उञ्चालिस केर संख्यावला [एकोनचत्वारिंशतम्] । *uñcālisama*—*Adj.* Thrity-ninth.

ऊञास उञास—एक कम पचास । [सं० एकोनपञ्चाशत्] । *uñcāsa*—*Adj.* Fortynine.

ऊञासम उञासम—*Adj.* उञ्चास केर संख्यावला । [सं० एकोनपञ्चाशत्तम] । *uñcāsama*—*Adj.* Fortyninth.

ऊटकन उटकन—उकटन (दे०) केर वा० रू० । ई दक्षिण भागलपुर दिसि व्यवहृत होइछ । BPL 1342 । *uṭakana*—*Coll.* of *ukaṭana* (q.v.).

ऊटङ्ग उटङ्ग—वि० । उकरू, अयथावत स्थित (दी०); बेसी ठाढ़ वा उच्च स्थित, बेडौल । [सं० उत्प्राङ्ग अथवा सं० उत्तुङ्ग अथवा उनटा + टाङ] । तु० कु० हि० उटंग । *uṭaṅga*—*Adj.* Topsy, not in the right position.

ऊटज उटज—पर्ण कुटी, खढ़ पातक बनल खोपड़ी । [सं०] । तु० क० हि०, असo, ने०, राज०, अव०, बं० उटज । वर्ण० ४३ (उटजक ई विरचनातेँ उपशोभित); महा० ना० ५० (चलु आनन्द मंजु उटज निज आगे); मि० इ० ४६७ (उटजमे आबि देखथि तँ भरल घर तमघैल पाओल) । *uṭaja*—A small hut.

ऊँट ऊँट—ऊँट (दे०) केर अशु० रू० । विशाल पुरुष प्राणी विशेष । [सं० उष्ट्र] । म० वि० १३० (हय-हाथी वृष ऊँट पलान) । *ūṭa*—*Err.* of *ūṭa* (q.v.). He-camel

ऊँटनी ऊँटनी—विशाल स्त्री प्राणी विशेष (दी०) । [सं० उष्ट्र > उट > ऊँट + अनी] । *ūṭanī*—She-camel.

ऊटपटाँग उटपटाँग—वि० । बिलकुल हास्य युक्त, बेनु हाथ-पएर केर अर्थात बिचित्रे बिचित्र । [सं० उत + पट अथवा अटपट उटपट > उटपट + अंग] तु० क० ने० उटपटाँग । खट्ट० १२४ (देवता समक बाते उटपटाँग होइत छैन्ह) । *uṭapaṭāṅga*—*Adj.* Topsy-turvy.

ऊट्टङ्कित उट्टङ्कित—वि० । कहल । [सं०] । मि० इ० ४६१ (एक श्लोक उट्टङ्कित कराय देल अछि) । *uṭṭaṅkita*—*Adj.* Said, inscribed.

ऊट्ठा¹ उट्ठा¹—बच्चा सभ उठब बैसएवला खेलमे एकर व्यवहार करैत अछि । जे एक गोट चोर बनैत अछि ओकरा पुछल जाइत छैक "उट्ठा लेब की बैसा" (उट्ठा गोटी कोन पचीस तकर मोर पचीस = पचीसी खेलमे गोटीके चलब मे एकर प्रयोग होइछ । दूनू बेरि एक लगा क गोटी वा उद्देश्य लाभ स्थानमे जाएब किम्बा सफल हएब) । [सं० उत + स्था] । *uṭṭhā*¹—Name of a children's play; a piece of chess (or some similar game) when willingly withdrawn—a sort of handicap play.

ऊट्ठा² उट्ठा²—BPL क अनुसार जखन हरवाह बिना कोनो अग्रिम बोनि नेने कार्य करैछ ओकरा उट्ठा कहल जाइछ, ई मिथिलाक पूब भर कहल जाइछ आ दोसर मध्य मिथिला मे उट्ठा ओकरा कहल जाइछ जे कमनिहारि दिन राति कार्यक हेतु नहि रहत परन्तु ओ मात्र साँझ भिनसर अपन सभ कार्य आबि कए नियमित रूपेँ कए देत । ओकरा पूर्ण दरमाहा नहि देल जाइछ । BPL 842. *uṭṭhā*²—A ploughman who works without advance payment; a part-time paid maid-servant.

ऊठ¹ उठ¹— उठब (दे०) केर मूल रू० । वि० पदा० मञ्जु० ३८, रागत०, २०४, तालपत्र न० गु० ६७, अ० २०३ (लए उठ तोरिए नाओ); गो० शृं० १ अमर ३० (चमकि उठ घन) । *uṭha*¹—*Root* of *uṭhaba* (q.v.).

ऊठ² उठ²—उठब (दे०) केर आज्ञा० रू० । राम० ६२ (उठ उठ सत संगति फल पाबि) । *uṭha*—Imp. of *uṭhaba*² (q.v.).

ऊठइ उठइ—उठइक (दे०) केर संक्षिप्त रूप । उठब (दे०) केर वर्त० रू० । वि० पदा० मञ्जु० २३६, पदकल्प० १६००, न० गु० ७५६, अ० ७५१ (पुनि ताहि उठइ न पारा) । *uṭhai*—Short

form of *uṭhaika* (q.v.). *Present* tense form of *uṭhaba* (q.v.).

𑒅𑒘𑒃𑒋 **उठइए**—उठइ (दे०) केर निश्च० रू० । न० १०६ (जत्तहि हमर कथा उठइए तत्तहि बुढ़िया भञ्ठा दइ छइ); चित्रा १४ (देखि कै हमरा परमोच्छ्‌ए उठइए)। *uṭhaie—Emph.* of *uṭhi* (q.v.).

𑒅𑒘𑒃𑒏 **उठइक**—उठब (दे०) केर वर्तमानमे अनादरार्थक रू० । न० (६६ नजरि नहि उठइक)। *uṭhaika*—Present tense non-hon form of *uṭhaba* (q.v.).

𑒅𑒘𑒃𑒞 **उठइत**—उठब (दे०) आदरा केर वर्त्त० रू० । राम० १०५ उठइत चलइत पथ बिश्राम)। *uṭhaita—Present* tense hon. form of *uṭhaba* (q.v.).

𑒅𑒘𑒃𑒢𑓂𑒯(𑒢𑓂𑒯𑒱) **उठइन्ह(न्हि)**—उठब (दे०) केर भू० रू० । नव० ४ (परमोच्छ्‌ए सेहो थोड़ नहि उठइन्ह); नव० ४ (घुरि फिरिकैँ बापे तामस उठइन्हि)। *uṭhainha(nhi)*—Past tense form of *uṭhaba* (q.v.).

𑒅𑒘𑒋 **उठए**—उठब (दे०) केर क्रियान्विता क्रिया रू० । वि० पदा० मञ्जु० ५३८ (उठए चाह जल धावक थेघ)। *uṭhae—Infinitive* of *uṭhaba* (q.v.).

𑒅𑒘𑒍𑒢𑒰 **उठओना**—प्रतिदिन नियत (क्रयण) (दी०), कोनो वस्तुकेँ सभ दिन कीनब वा बेचबाक काज । [सं० उत्थान]। क्रयण योग्यतामे वृद्धि अभ्युदय (उत्थान) केर सूचक थिक एहि प्रकारेँ वर्तमान प्रयोग सङ्गत भेल । अथवा उठ.न सँ नाम क्रिया। (उठओनाक दूध आयल की नहि)। *uṭhaonā*—Regular sale or purchase.

𑒅𑒘𑒍𑒪𑒏𑒃𑒏 **उठओलकइक**—उठएब (दे०) केर अना० भू० रू० । नव० ४४ (दिगंबर त तेहने बिहरो उठओलकइक)। *uṭhaolakaika—nonh.* Past tense form of *uṭhāeba* (q.v.).

𑒅𑒘𑒍𑒪𑒟𑒱𑒢 **उठओलथिन**—उठएब (दे०) केर आद० भू० बहु० रू० । नव० ११३ (दुलहा बोधकेँ उठओलथिन त दुलहनि नजरिकेँ छीपि लेलइन)। *uṭhaolathina—Hon.* Plural past tense form of *uṭhāeba* (q.v.).

𑒅𑒘𑒍𑒪𑒢𑓂𑒯𑒱(𑒢𑒱) **उठओलन्हि(नि)**—उठाएब (दे०) केर आद० भू० एकवचन रू० । नव० ११० (तकरो खर्च दुनू उठओलन्हि)। *uṭhaolanhi(ni)—Hon.* Past tense singular form of *uṭhāeba* (q.v.).

𑒅𑒘𑒞 **उठत**—उठब (दे०) केर भवि० रू० । मिहि० उद् १५७-८ (एहने एहन बिहरो उठत)। *uṭhata—Future* tense form of *uṭhaba* (q.v.).

𑒅𑒘𑒞𑒰[1] **उठता**[1]—उठब (दे०) केर भवि० रू० । राम० २६२ (उठता सुनि-सुनि वनिता गान); चित्रा ७४ (जे खौंभा उठता भगवान); नव० १०० (अपना लोकमे उठता नहि बइसता)। *uṭhatā*[1]—Future tense of *uṭhaba* (q.v.).

𑒅𑒘𑒞𑒰[2] **उठता**[2]—वि० । शतरंजमे सह लगबाक एकटा रीति-विशेष जाहिमे गोटी उठएनहि विपक्षीकेँ सह लागि जाइक। [उठब] । *uṭhatā*[2]—Check in the game of chess by just removing a piece to some other house.

𑒅𑒘𑒞𑒱(𑒞𑒲) **उठति(ती)**—उठत (दे०) सेर स्त्री० रू० । वि० पदा० मञ्जु० १२८, मि० (हरि-हरि कए पुनि उठति धरखि धरी); FML 198 उठती; BPL 799. *uṭhati(tī)—Fem.* of *uṭhata* (q.v.).

𑒅𑒘𑒞𑒻𑒢𑓂𑒯 (𑒞𑒢𑓂𑒯𑒱) (𑒞𑒢𑒱) **उठतैन्ह(तन्हि) (तनि)**—उठत (दे०) केर आद० मध्य० रू० । हिरा० १६ । *uṭhatainha (tanhi) (tani)—Hon.* Second person form of *uṭhata* (q.v.).

𑒅𑒘𑒟𑒱 **उठथि**—उठब (दे०) केर आद० मध्य० पु० रू० । राम० ७८ (अनुदिन दिनकर उठथि सहाय); । *uṭhathi—Hon.* Second person form of *uṭhaba* (q.v.).

𑒅𑒘𑒟𑒱𑒢𑓂𑒯 **उठथिन्ह**—उठथि (दे०) केर भूत० रू० । पारो २४ (बात-बातमे पारोपर खिसिया उठथिन्ह)। *uṭhathinha—Past* tense form of *uṭhathi* (q.v.).

𑒅𑒘𑒢𑒯𑒩𑒴 **उठनहरू**—वि० । जकरा उठबाक सामर्थ्य नहि रहि गेल होअए । [सं० उत्थान+हा(ह ?)रब+उ] विशेषतः हारि देबएवला बड़द । मो० १२३-२३ (बूढ़ि उठनहरू गाय नहि बेचथि तँ ओ कतै सँ लाओत)। *uṭhanaharū—Adj.* Who has not the strength to rise (and plough a field).

𑒅𑒘𑒢𑒯𑒱 **उठनहि**—उठब (दे०) केर नाम रूपक नि० रू० । मिहि० ३-१५७-२ (तखन उठनहि की ?)। *uṭhanahi—Emph.* of verbal Noun form of *uṭhaba* (q.v.).

𑒅𑒘𑒢𑓂𑒞𑒳 (𑒢𑓂𑒞𑒴) **उठन्त(न्तू)**—वि० । उठल, अभ्युदयशील, [सं० उत्तिष्ठन्तः] । FML 201 तु० क० उइन्त, उइन्तू, बहन्तू । *uṭhanta(ntū)—Adj.* Habituated to rise easily or frequently, active, progressive.

𑒅𑒘𑒥 **उठब**—क्रि० । उत्थित होयब, जागब, खर्च होयब (दी०), ठाढ़ होयब । [सं० उत्थित] । तु० क० उठबह (दे०) केर संक्षिप्त रू० । प्राकृ० उत्थिअइ । (उठब की नहि ?) । *uṭhaba—To* rise, to stand up.

𑒅𑒘𑒥𑒃𑒞 **उठबइत**—उठाएब (दे०) केर पू० क्रि० रू० [उठा+ऐत] । FML 462, *uṭhabaita*—Present participle form of *uṭhāeba* (q.v.).

𑒅𑒘𑒥𑒱𑒞𑒹 **उठबिते**—उठबइत (दे०) क [illegible] FML 517. [उठब+ऐत+हि] । *uṭhabite—Emph.* [illegible] *Present Participial absolute form* [illegible]

𑒅𑒘-𑒥𑒻𑒮 **उठ-बैस**—क्रि० । उठल-बैसल [illegible]

सजायक हेतु उठबैस वा क्लेशसँ उठबैस करब, बैसकी लगाएब। [सं० उत् + स्था > सं० विश + बैस]। तु० क० उर्दू उठबस,बं० उठबास। *uṭhabaisa*—Repeatedly standing up and sitting down.

ऊठय **उठय**—उठए (दे०) केर विक० रू०। राग० ११४ (गगन गरज मेघा **उठय**); राम० २४८ (**उठय** नवदा प्रभु प्रभाव); चन्द्र० २०१ (हृदय **उठय** कापी); रंग० १६२ (**उठय** नहि दैत छन्हि)। *uṭhaya—Alt.* of *uṭhae* (q.v.).

ऊठल **उठल**—उठब (दे०) केर भू० रू०। गो० शृं० १ अमर ५३ (**उठल** भूधर पुरल कंदर जुटल नद-नदि सिन्धु यो); राम० ६८ (की वृतान्त **उठल** नृप भाखि); मिहि० ४१२ (बृटिश सेनामे उठल झगड); प्रण० २ (देह सिहरि **उठल**); चित्रा ४६ (**उठल** दाँत तर जइतहि तिलकोड़क पात कड); नव० ७ जखन जेहन प्रसंग **उठल**) । *uṭhala*—Past tense form of *uṭhaba* (q.v.)

ऊठलइक(न) **उठलइक**(न)–**उठल** (दे) केर अना० (आद०) रू०। नव० १८ (**ओम्हर सँ** हँसबाक मृदु ध्वनि **उठलइक**); नव० २० (रामेसरीकेँ बड़ तामस **उठलइक**)। *uṭhalaika(na)*—*Non-hon.* (hon.) form of *uṭhala* (q.v.).

ऊठलथिन्ह **उठलथिन्ह**—उठब (दे०) आद० भूत० मध्य० पुरु० केर बहु० रू०। प्रण० २३ (चट दय कहि **उठलथिन्ह**); पारो २३ (नानी मामाक अनुमोदन करैत कहि **उठलथिन्ह**)। *uṭhala-thinha—Hon.* Past tense second person plural form of *uṭhaba* (q.v.).

ऊठलन्हि **उठलन्हि**—उठल (दे०) केर मध्यम ओ अ० पुरु० रू०। चित्रा १८ (एक दिन हुनका **उठलन्हि** दर्द)। *uṭhalanhi*—*Hon*. Second and third person form of *uṭhala* (q.v.).

ऊठलहु(हुँ) **उठलहु**(**हुँ**)—उठल (दे०) केर अना० रू०। हुँ आदरार्थक रूप। चित्रा ६ (बाजि **उठलहु** अहाँ के कल्याणमयि); प्रण० ४२ (हम चानी देखि सिहरि **उठलहुँ**)। *uṭhalahu(hū̃)*—Non-hon. form of *uṭhala* (q.v.), *–hū̃* form is *hon*.

ऊठला **उठला**—उठलाह (दे०) केर संक्षि० रू०। राम० २५ (**उठला** गौतम भाखि); मिहि० उद्० १५८-६ (पशु जकाँ मारय उठला पर)। *uṭhalā*—Short form of *uṭhalāha* (q.v.).

ऊठलाह **उठलाह**–उठब (दे०) केर भू० रू०। [अथवा **उठल** + आह]। वि० पदा० मजु० ५१४ (जोहि हेरि आनि देल हँसि **उठलाह**); राम० ४३ (कलमलाय **उठला** वराह); मो० १७१-८ (सिकन्दर बाजि **उठलाह**); मिहि० उद् १५८-७ (सुनि **उठलाह** बहुतो शान सौं); प्रण० ५२ (झोंकसँ **उठलाह** से माथ आओर पातिल दूनू एकै बेर भट्ट द फूटल)। ***uṭhalāh**—Past* tense form of ***uṭhaba*** (q.v.).Or, as if a little raised or rising

ऊठलि(ली) **उठलि**(**ली**)—उठल (दे०) केर स्त्री० अथवा पू० क्रि० रू०। वि० पदा पदा० मजु० १५१; न० गु० १७; अ० ६६५ (**उठलि** चतुर धनि जागी); गो० शृं० १ अमर ३३ (सुनि धनि राइ आहि-आहि **उठलि** गोगि निअर नहि जाव); पारो २ (पारो चिचिया **उठलि**); राम० ७० (अन्तःपुर नवि **उठली** कानि); चित्रा २५ (बाजि **उठली** सुमुखि तौँ विहुँसैत)। ***uṭhali(lī)**—Fem.* or *Participle* form of ***uṭhala*** (q.v.).

ऊठलीह(हि) **उठलीह**(हि)—उठल (दे०) केर स्त्री० आ० रू०। प्रण० ६८ (दृष्टि पड़ैत चिहुँक **उठलीह**); नव० ४ (किछु कालक बाद रामेसरी **उठलीह**); रंग ८६ (चिचिआ **उठलीहि**)। ***uṭhalīha(hi)***—Fem. hon. form of ***uṭhala*** (q.v.).

ऊठले **उठले**—उठल (दे०) केर निश्च० रू०। किञ्चित् उठल। [**उठल** + आह अथवा हि = उठलाह हि] मि० २६४ (आब **उठले** सन देखना जाइछ)। ***uṭhale***–Emph. form of ***uṭhala*** (q.v.).

ऊठलै(क) **उठलै**(**क**)—**उठल** केर अना० रू०। पारो ४ (चूड़ी खनखना उठलै); नव० ८ (एकटा एहन अथवा वेध **उठलैक**)। ***uṭhalai(ka)**—Past* tense nonh. form or ***uṭhala*** (q.v.).

ऊठलै(न)न्ह(न्हि) **उठलै**(**न**)**न्ह**(**न्हि**)—उठल (दे०) केर आ० बहु० रू०। प्रण० ७० (प्रसव वेदना **उठलैन्ह**); कन्या० ७२ (कनपट्टी लग घंटी टनटना **उठलैन्ह**); पारो (३२ पोसीक भगिनमानक आङनमे कुहकायम उठलैन्हि)। ***uṭhalai(na)**nha(nhi)–Hon.* pl. past form or ***uṭhalai*** (q.v.).

ऊठल्लू **उठल्लू**—वि०। अगण्य (दी०), जकर गणना नहि हो, आवारा, बिनु ठेकान पताक, एक स्थान पर नहि रहनिहार। [उठ + सं० आलुच > उल्लू FML 203]। मो० १४२–३ (पाँच सात **उठल्लू** घरक फालतू हरदुई कैँ लै ४०–५० टाका ग्रामक लोकसँ बेहरी एकट्ठा करैत छथि)। ***uṭhallū**—Adj.* An insignificant person, a non-entity.

ऊठव **उठव**—उठब (दे०) केर वा० रू०। पारो ६८ (अगिला जन्ममे ई सासति नहि **उठब** पड़ए)। ***uṭhava**—Coll.* of ***uṭhaba*** (q.v.).

ऊठवथीन **उठवथीन**—उठबथिन्ह (दे०) केर वा० रू०। नव० ८० (जतहि कथा **उठवथीन** ततहि सुनइमे अबइन्ह)। ***uṭhavathīna**—Coll.* Of ***uṭhabathinha*** (q.v.).

ऊठवह(हु) **उठवह**(**हु**)—**उठव** (दे०) केर भवि० प्र० पु० रू०। वि० पदा० मजु० ८ (**उठवह** बनिआँ तौँ हाट बाजारे); मि० ३०५ (अतएव **उठवहु** वसवहुमे असमर्थ सन बुझना जाइछ)। ***uṭha**-vaha (hu)—Hon.* Future form of ***uṭhava*** (q.v.).

ऊठवाक **उठवाक**—**उठव** (दे०) केर षष्ठी रू०। प्रण० ८ (केओ **उठवाक** नाम नहि लैत छथि); पारो ४६ (हुनकालोकनि **उठवाक**

नाम नहि लेथि); चित्रा ५१ (दए रहल मनो उठवाक नोत)। ***u!havāka***— Genetive of the verbal noun form of ***u!hava*** (q.v.).

ऊठवाय उठवाय—उठवाएब (दे०) केर क्रियान्विता क्रि० रू०। स्त्री शिक्षा ५१ (उठवाय नहि लवथिन्ह)। ***u!havāya***— Infinitive form of ***u!havāeva*** (q.v.).

ऊठवू(वे) उठवू(वे)—उठबहि (दे०) केर वा० रू०। उलहन ७; मि० ३१४ (तखन आब उठवे करू)। ***u!havū(ve)***— *Coll.* forms of ***u!habahi*** (q.v.).

ऊठवैत उठवैत—उठबइत (दे०) केर विक० शु० रू०। प्रण० ४१ (हमर लोटा जनु उठवैत जाइ); चित्रा ३१ (किन्तु हम उठवैत छी); आमक० २८ (वेगसँ उठवैत कहलकैन्ह)। ***u!havaita*** —*Alt.* Present form of ***u!habaita*** (q.v).

ऊठह उठह—उठब (दे०) केर आज्ञा० रू०। चित्रा ६ (उठह कवि तों दइक ललकारा करै)। ***u!haha***—*Imp.* form of ***u!haba*** (q.v.).

ऊठहि उठहि—उठब (दे०) केर निश्चय० रू०। प्रण० ४४ (अतएव हुनक लोपार्थ उठहि पड़ल)। ***u!hahi***—*Emph.* of ***u!haba*** (q.v.).

ऊठा उठा—उठाए (दे०) केर संक्षि० रू०। मिहि० उद्० १५७-२ (परिश्रम उठा नहि रखलन्हि); प्रण० ७२ (कान्हपर शव उठा श्मशान गेलाह); चित्रा २० (उठा लितथि बरु भगवान हमरो)। ***u!hā***—*Short* form of ***u!hāe*** (q.v.).

ऊठाउ उठाउ—उठाएब (दे०) केर आज्ञा० रू०। राम० ४२ (कौशिक कहलनि रघुवर धनुष उठाउ); महेश० ६७ (पलक उठाउ); पारो ४५ (जेम्हरे नज़र उठाउ)। ***u!hāu***—*Imp.* form of ***u!hāeba*** (q.v.).

ऊठाऊ उठाऊ—उठाउ (दे०) केर का० रू०। महेश० ७१ (भोला एक बेरि पलक उठाऊ)। ***u!hāū***—*Poet.* of ***u!hāu*** (q.v.).

ऊठाए उठाए—उठाएब (दे०) केर क्रियान्विता क्रि० रू०। मिहि० उद० १५७-४ (पलक उठाए देखथि); प्रण० १७ (रंगीन सेव राखल छलैक से उठाए वज्रेन्द्रनाथकें कतरक हेतु द देलथिन्ह)। ***u!hāe***—*Infinitive* form or ***u!hāeba*** (q.v.).

ऊठाएव(वँ) उठाएव(ब)—क्रि०। उठब (दे०) केर प्रेरणा० रू०। BPL 1030, 1333; शतदल २० (तोड़ि जोड़ि युग पाणि उठएब)। ***u!hāeva(ba)***–*V*· Caus. of ***u!haba***; raise.

ऊठाओ उठाओ—त्याग (पूर्व प्रचलितिक) (दी०)। [सं० उत्+स्था+णिच+अ=उत्थाय]। (ननगिलाट नुआक उठाओ भए गेल)। (भोज आइ उठाओ भए गेल)। ***u!hāo***—Abolition, postponement.

ऊठाओल उठाओल—उठाएब (दे०) केर भू० का० रू०। राम० ५७ (कातर नृप न उठाओल धाइ); द्विरा० २२३ (दहो चौतो उठाओल गेल); चित्र० २४ (उठाओल चिरकालसँ मिहुड़ल अपन ई माथ); रंग ७४ (भद्र महिलाकें कोना उठाओल जाए)। ***u!hāala***—Past tense form of ***u!hāeba*** (q.v.).

ऊठा क(कै) उठा क(कै)—उठाएब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। चित्रा १३० (ई की कैल उठा क लै आनल); चित्रा १८ (उठा कें लए जाइत गेलैन्ह माछी)। ***u!hā ka(kai)***—*Part.* form of ***u!hāeba*** (q.v.).

ऊठान उठान—उठबाक क्रिया, बढ़बाक ढंग, वृद्धि क्रम। [सं० उत्थान]। BPL 1090; डा० उ० ना० ति० १५६। ***u!hāna***—The act of raising, the arousal; the rise or rising.

ऊठापटक उठापटक—एक दोसरासँ कुस्ती वा झगड़ामे कखनहुँ पहिल मातिपर त दोसर ऊपर आ कखनहु दोसर मातिपर त पहिल ऊपर। [उठा+पट्ट< पट+क]। तु० क० पटका पटकी। खट्ट० १२५ (कोना उठापटक भेल छैन्ह); मिथिला दर्शन ६-४ (कै बेर दिलीप कुमारसँ उठापटक भ गेल अछि)। ***u!hāpaṭaka***— The act of throwing down as well as being thrown down (in wrestling).

ऊठावैक उठावैक—उठाबए केर प्रेरणा० रू०। I PL 1234. ***u!hābaika***—*Caus.* of ***u!hābae*** (q.v.).

ऊठाय उठाय—उठाए (दे०) केर विक० रू०। मन० कृष्ण० ५ (कंश आबि तोहि लेत उठाय); राम० १०० (कैकयि लेले उठाय); मि० ३१५ (कनेक पल उठाय देखू); मो० ९९-१० (विग्रह उठाय सन्तापमे)। ***u!hāya***—*Alt.* of ***u!hāe*** (q.v.).

ऊठायव उठायव—उठाएब (दे०) केर विक० रू०। गो० श्र० १ अमर २४ (अनल हेम साहसँ उठायब साँच जानब तब तोरि)। ***u!hāyava***—*Alt.* of ***u!hāeva*** (q.v.).

ऊठाव उठाव—उठाओ (दे०) अथवा उठाबए (दे०) केर विक० रू०। राम० २४३ (अनायास कैलास उठाव); पारो ५ (डेन पकड़िकँ उठाव लगलियै)। ***u!hāva***—*Alt.* of ***u!hāo*** (q.v.) or ***u!hābae*** (q.v.).

ऊठावए उठावए—उठाबए (दे०) केर विक० रू०। प्रण० १७८ (देह धड़ उठावए लगलथिन्ह)। ***u!hāvae***—*Alt* of ***u!hābae*** (q.v.).

ऊठावक उठावक—उठाबहिक (दे०) अथवा उठाबैक (दे०) केर विक० रू०। द्विरा० ११७ (हुनका उठावक हेतु आवेशरानी ठाढ़ भ गेली)। ***u!hāvaka***—*Alt.* of ***u!hābahika*** (q.v.) or of ***uthābaika*** (q.v).

ऊठावथि(थु) उठावथि(थु)—उठाएव (दे०) केर क्रि० वर्त० रू०। नव० १ (पुतहुक घोव अपनहि उठावथि); मै० हि० न० (५-६) १७ (राम उठावथु प्रखर चाप)। ***u!hāvathi/thu***

—*Hon*. Present tense form of ***uthāeva*** (q.v.).

ꣁꣀावय **उठावय**—उठावए (दे०) केर विक० रू० । पुरु० १३२ (भार उठावय जेहन कहार); कन्या० ५६ (उठावय लागल) *uṭhāvaya—Alt*. of ***uṭhāvae*** (q.v.).

ꣁꣀावह **उठावह**—उठाएब (दे०) केर आज्ञा० रू० । द्विरा० २०३ (खट्मिट्ठी एक बेरि आ और उठावह) । *uṭhāvaha—Imp*. form of ***uṭhāeva*** (q.v.).

ꣁꣀावी(वै) **उठावी(वै)**—उठाएब (दे०) केर इच्छा० रू० । मेरु० ३१; पारो ३४ (दोसर प्रसंग उठाबी); मिहि० उद्० १५६-१० (लागल घोल उठावै) । *uṭhāvī(vai)—Opta*. form of ***uṭhāeva*** (q.v.).

ꣁꣀावैसी **उठावैसी**—उठबैस (दे०) केर बा० रू० । एक प्रकारक व्यायाम (दी०), बैसकी [उठाएब + बैसब + ई] । (हए कान्ता ! उठावैसी खेलएबह) । *uṭhāvaisī—Coll*. of ***uṭhābaisa*** (q.v.), the name of a popular Indian physical exercise.

ꣁꣀावौ **उठावौ**—उठाएब (दे०) केर प्रेरणा० रू० । [उठाबओ केर अशु० रू०] द्विरा० ४ (घरक कार्य भारकें उठावौ) । ***uṭhāvau***—*Imp*. form of *uṭhāeba*. Alt. of ***uṭhābahu*** (q.v.).

ꣁꣀि **उठि**—उठब (दे०) केर पू० क्रि० रू० । वर्ण० ११ (विदान उठि बैसि); वि० पदा० मजु० ५३, रामभद्रपुर पोथी पद ४०४ (क) (माधव धनि समदइ उठि जागी); FML 75; चय-नि० २१/४; मो० ६७-१५ (उठि विदा होइत छथि); मिहि० उद० १५६ (पूर्वज हमर उठि भोरसँ); प्रण० ६ (हमरा सवेरे उठि एकटा रिपोर्ट लिखबाक रहए); चित्रा १६ (मिनसरे उठि प्रातः स्नान करू) । ***uṭhi***—*Part*. form of ***uṭhaba*** (q.v.).

ꣁꣀिअ **उठिअ**—उठिऔक केर आज्ञा० का० रू० । उठब केर प्रेरणा० रू० । वि० पदा० मजु० ५१३ (उठिअ महोदय भए गेल पराते) । *uṭhia—P.F. uṭhiauka, Imp*. form of ***uṭhaba*** (q.v.).

ꣁꣀितथि **उठितथि**—उठब (दे०) केर आद० भवि० रू० । कन्या० ३८ (तैयो छुछुआएले उठितथि) । *uṭhitathi—Hon*. Future form of ***uṭhaba*** (q.v.).

ꣁꣀितहिँ **उठितहिँ**—उठब (दे०) केर निश्च० रू० । नव० ५६ (दूहू माइ उठितहिँ कम्मल तम्मल समेटए लागल) । *uṭhitahī—Emph*. of ***uṭhaba*** (q.v.).

ꣁꣀितेहु **उठितेहु**—उठितहिँ (दे०) केर का० रू० । राम० ६७ (उठितेहु कमल विकास) । ***uṭhitehu***—*Poet*. of ***uṭhitahī*** (q.v.).

ꣁꣀिलिहि **उठिलिहि**—उठलीह (दे०) केर शु० का० रू० । वि० पदा० मजु० ६८७ (तीनि तीनि कए उठलिहि भाखि) । *uṭhilihi*—Correct poetic form of ***uṭhalīha*** (q.v.).

ꣁꣀी **उठी**—उठ (दे०) केर इच्छा० रू० । शत० १ (वधकाउ धैर्य तजि उठी जागि) । *uṭhī—Opta*. of ***uṭhaba*** (q.v.).

ꣁꣀु **उठु**—उठू (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० ५५७ (उठु उठु सुन्दरि जाइछी विदेस); राम० १८० (उठु उठु करू रघुनन्दन कार्य) । ***uṭhu***—P.F. form of ***uṭhū*** (q.v.)

ꣁꣀू **उठू**—उठब (दे०) केर आज्ञा रू० । मै० हि० सा० २ (उठू उठू सभासं); मो० ६७-२२ (आलस्य त्यागू उठू); मिहि० उद्० १५७-२ (प्रिय मैथिल वर्ग उठू उठू); प्रण० ७१ (उठू हमही छी); नव० (उठू बड़की दाइ आङन दिश देखिअउ); आमक० ६० (हे बौआसीन उठू) । ***uṭhū***—*Imp*. form of ***uṭhaba*** (q.v.).

ꣁꣀै **उठै**—उठए (दे०) केर अशु० एवं उठैत केर संक्षिप्त रू० । चन्द्र० ३२४ (जौं तड़ित लता उठै); मै० हि० सा० १५ (उठै छन्हि); प्रण० १६६ (लखि दुख उठै अछि हृदय हूर); पारो २३ (तामस उठै सरकार पर) । *uṭhai—Err*. of ***uṭhae*** (q.v.). Short form of ***uṭhaita***.

ꣁꣀैत **उठैत**—उठब (दे०) केर वर्त० रू० । मै० हि० सा० १ (उठैत बैसैत घर पहुँचैत छथि); मिहि० उद् १५६-१२ (आहाँ लोकनि नहि उठैत जाएब त हम सबहिँ कैं कैद करब); प्रण० ३५ (औखन देह सिहरि उठैत अछि); चित्रा ७४ (बूढ़ाकें उठैत छन्हि खौंसे); पारो ६३ (डेढ़ पहर दिन उठैत जे नाव पर बैसबह) । ***uṭhaita***—Present tense form of ***uṭhaba*** (q.v.).

ꣁꣀै(ठ)न्हि **उठै(ठ)न्हि**—उठब (दे०) केर आद० वर्त्त० रू० । पारो ६ (हुनक छाती मने दोबर तेबर भ उठैन्हि) । ***uṭhai(ṭha)nhi***—*Hon*. Present tense form of ***uṭhaba*** (q.v.).

ꣁꣀैव **उठैव**—उठाएब (दे०) केर अशु० रू० । अपूर्व रसगुल्ला ३ । ***uṭhaiva***—*Err*. of ***uṭhāeba*** (q.v.).

ꣁꣀैवाक **उठैवाक**—उठाएब (दे०) केर इच्छा० रू० । प्रण० १८६ (आइ महत्वपूर्ण लेखनी उठैवाक अछि); पारो ६४ (हमरा कथू दिश आँखि उठैवाक होश नहि) । ***uṭhaivāka***—*Opta*. form of ***uṭhāeva*** (q.v).

ꣁꣀौ(ꣀ꣇)ता **उठौ(ठओ)ता**—उठौ(ठओ)ताह (दे०) केर संक्षि० रू० । मै० हि० सा० (५-६) १८ (धनुष सैह उठौता राम) । ***uṭhauṭā***—Short form of ***uṭhauṭāha*** (q.v.).

ꣁꣀौ(ꣀ꣇)ताह **उठौ(ठओ)ताह**—उठाएब (दे०) केर भवि० रू० । खट्० २३ (मलाह कथी पर चाँचर उठौताह); रंग (ई पत्र हाथमे उठौताह) । ***uṭhauṭāha***—Future form of ***uṭhāeba*** (q.v.).

ꣁꣀौ(ꣀ꣇)नहि **उठौ(ठओ)नहि**—उठाएब (दे०) केर नाम रूपक निश्च० रू० । मिहि० उद्० १५८-१६ (कलम रोकि

बिनु उठौनहि)। *u/haunahi—Emph.* of verbal noun form of *u/hāeba* (q.v.).

ऊ(ठौना उठौना—वि०। उठओना (दे०) केर विक० रू०। [उठ+ऊना]। जे वस्तु नित्य आना घरसँ उठाए बेचि देल जाइछ। चित्रा २७ (दूध उठौना लैत छिअइ)। *u/haunā—Adj.* Habitually selling away of (milk, vegetable etc.).

ऊ(ठौनिहार उठौनिहार—उठाएब (दे०) केर विशेषण रू०। BPL 1030, मो० १७१–४ (हमरा उठौनिहार दूनू तरहक लोक छथि)। *u/haunihāra—Adjective* form of *u/hāeba* (q.v.).

ऊ(ठौ(ठओ)ने उठौ(ठओ)ने—उठओनहि (दे०) केर वा० रू०। मिहि० उद० १५७–२० (दहिना हाथकेँ उठौने); प्रण० ५१ (एक हाथ फराके उठौने बाहर ल गेलथिन्ह); रंग० १०३ (ई महासभा मे हाथ उठौने छथि)। *u/haune—Coll.* of *u/haunahi* (q.v.).

ऊ(ठौ(ठओ)लक उठौ(ठओ)लक-उठाएब (दे०) कअना० भूत० रू०। मिहि० उद० १५६–१३ (साधारण लोकमे घोल उठौलक); कन्या० १६ (चर्मक कै घैल उठौलक); कट्ट० २८ (विज्ञान माथ उठौलक); पारो ६१ (दोसर दिन अहल भोरे सीक घटइ उठौलक) । *u/hau'aka*—Past tense *nonh.* form of *u/hāeba* (q.v.).

ऊ(ठौलकैन्ह उठौलकैन्ह—उठौलक (दे०) केर इच्छा० एवं भू० रू०। कन्या० १३८ (मन्त्र पढ़ैत मूसर उठौलकैन्ह)। *u/hau'a-kainha—Opta.* and past tense form of *u/hau-laka* (q.v.).

ऊ(ठौलथिन्ह उठौलथिन्ह—उठौलक (दे०) केर आद० इच्छा० एवं भू० रू०। मिहि० उद० १५७–२२ (हाथ पकड़ि कए उठौलथिन्ह)। *u/hau'athinha—Hon Opta.* and Future form of *u/hau'aka* (q.v.).

ऊ(ठौ(ठओ)लह उठौ(ठओ)लह—उठाएब (दे०) केर आद० मध्य० पु० रू०। चित्रा ६ ('जुनि कानह' उठौलह तोँ तर्जनी)। *u/hau'aha-Hon.* Second person form of *u/hāeba* (q.v.).

ऊ(ठौ(ठओ)लन्हि उठौ(ठओ)लन्हि—उठाएब (दे०) केर आद० वर्त्त० रू०। द्विरा० ६१ (अपन उपेक्षित प्रेमिका केँ उठौलन्हि); प्रण० ७१ (स्वामी केँ हाथ धए उठौलन्हि); चित्रा १२ (पान गलौठिकेँ उठौलन्हि बात)। *u/hau'anhi—Hon.* Present tense form of *u/hāeba* (q.v.).

ऊ(ठौ(ठओ)लहुँ उठौ(ठओ)लहुँ—उठाएब (दे०) केर आद० प्र० पु० भू० रू०। प्रण० २७ (लाभ नहि उठौलहुँ)। *u/hau-lahũ—Hon.* first person past tense form of *u/hāeba* (q.v.).

ऊ(ठौलियै उठौलियै—उठाएब (दे०) अना० भू० प्र० पु० रू०। उठओलिऐक केर अशु० रू०। पारो ५२ (एकटा चाह उठौलियै मुदा गाल जिपि लेलन्हि)। *u/hau'iyai—Non-Hon.* Past tense first person form of *u/hāeba* (q.v.). *Err.* of *u/hauliaika.*

ऊ(ठौले उठौले—उठओन(ल)हि (दे०) केर का० रू०। मै० मे विहारी ५६। *u/hau'e—Poet.* of *u/hana(la)hi* (q.v.).

ऊडु उडु—तारा, चन्द्रमा, विमान। [सं०]। तु० क० उडु; प्राकृ० उडु; सि० उलु। राम १६५ (उडु तातो थिक तगि फसा मथि)। *uḍu*—Star, Moon.

ऊडुगण उडुगण—तारागण, तारा समूह वा पक्षीगण। [सं०] गो० श्रृ० १ अमर ७ (जेहन जलधर उग सुधाकर शोभित उडुगण माँझ)। *uḍugaṇa*—Stars.

ऊडुदल उडुदल—तारा वृन्द। [सं०]। शत० ७ (उडुदल अनुपल डोलवैछ चमर)। *uḍudala*—Stars.

ऊड्डन्त उड्डन्त—उडैत (दे०) केर अवहट्ट रू०। अस्थिर, चंचल। कीर्त्तिलता ६४ (बमा वेग बूडन्त उड्डन्त गिद्धा)। *uḍḍanta*—Avahaṭṭa form of *uḍaita* (q.v.), also *adj.* in the sense of restless, unreliable, always on the move.

ऊड्डयन उड्डयन—उपर आकाश मे उड़वाक क्रिया। [सं०]। तु० क० प्राकृ० उड्डाग; उ० उड्डाण; प्रा० मा० उड्डाग। धातु शब्द २४। *uḍḍayana*—The act of flying up.

ऊड्डीन उड्डीन—वि०। उपर उड़ल। [सं०]। मिह० उद० १५७–७ (अकाण्ड उड्डीन प्रोड्डीन कैँ देखि); अम० १११ (प्रडीन उड्डीन संडुीन)। *uḍḍīna—Adj* Fly up.

ऊड्डीश उड्डीश—शिव, रावण कृत एक तन्त्र केर नाम। [सं०]। वर्ण० ६० (कम्पि चराडरोसन उड्डीश)। *uḍḍīśa*—Name of a Tantra; Lord Śiva.

ऊड़ उड़—उड़ब (दे०) केर मू० धातु वा का० रू०। वि० पदा० मजु० १७४ (बान्धि धरिअ पुनु उड़ तारा सी); राम० ५० (धूरा उड़ ककरहु नहि सूझ)। *uḍa—Root* or P.F. of *uḍaba* (q.v).

ऊड़इ उड़इ—उड़ब (दे०) केर वर्त्त० रू०। वि० पदा० मजु० १७८, चणदा (मधुमये मातल उड़इ न पारअ)। उड़ैत, उड़इत केर संक्षि० रू०। *uḍai—Present* tense form of *uḍaba* (q.v.).

ऊड़इत उड़इत—उड़ब (दे०) केर वर्त० रू०। वि० पदा०

मञ्जु० २२२ (उड़इत भर दिनकर सम्मास)। *udaita*—Present tense form of *udaba* (q.v.).

ऊडआन्ह **उड़इन्ह**—उड़ब (दे०) केर आद० वर्त्त० मध्य० ओ अन्य० पु० रू०। नव० ५१ (मुँहसँ अवरखक गुड़ी फर्र-फर्र उड़इन्ह)। *udainha*—*Hon.* Present tense second and third person form of *udaba* (q.v.).

ऊडए **उड़ए**—उड़ब (दे०) केर इच्छा० रू०। वि० ने० ७८ (पंकज मधुकर मधु पिबि रे उड़ए पसारलि पाँखि); वि० पदा० मञ्जु० १८७; बराद २३३; तालपत्र १२, अ० ५७; (मधुक मातल उड़ए न पारे); राम० १३६ (उड़ए चढ़ए राम मन मानि)। *udae*—*Optative* form of *udaba* (q.v.).

ऊड(र)कस्सी **उड़(र)कुस्सी**—विषाक्त लताविशेष (दी०); एकर पात हरिअर होइछ एवं ओहि पातमे छोट-छोट उड़यवला रोइयाँ जकाँ होइछ; शरीरमे लगला उत्तर विषे सदृश टीस मारैत छैक। वि०। कोनो भोनकेँ दिक्क करयवला। [उत् + कर्ष अथवा कुश + ई] *ud(r)a kussī*—A kind of poisonous creeper, its leaf, as *adj.* it refers to some irritant element.

ऊडत **उड़त**—उड़ब (दे०) केर भवि० रू०। वि० ने० १६८ (बान्धि धरिअ पुनि उड़त तरासे)। *udata*—Future tense form of *udaba* (q.v.).

ऊडता **उड़ता**—वि०। उड़बा योग्य (दी०)। क्रि० उड़ताह (दे०) क सं० रू०। [उड़त + आ] (ई उड़ता पक्षी अछि)। तु० क० उठता सह (शतरंजमे)। *udatā*—*Adj.* Fit for flying *V.* Short form of *udatāha* (q.v.).

ऊडन **उड़न**—उड़बाक क्रिया। [उड़ + अन]। मिहिर ७ (२-६२-५३)। *udana*—Act of flying.

ऊडनखटोला **उड़नखटोला**—एम्हर ओम्हर वृथा घुमनिहार (निन्दामे) (दी०); जादूक खाट। [उड़यन + खट्वा + ला] तु० क० ने० उड़न-खटोला। *udanakhatolā*—A magic cot, a flying bed, *adj.* a vagabond.

ऊडनिहार **उड़निहार**—वि०। कवर उड़निहार। [उड़ + अनिहार]। द्विरा० ४४ (एक आकाशक उड़निहार)। *udanihāra*—*Adj.* Who flies.

ऊडन्ती **उड़न्ती**—अमूलक विषय किंवदन्ती (दी०) [उड़ + अन्ती]। मिहिर ६५ (३-६२-११२)। *udantī*—Rumour.

ऊडन्तू **उड़न्तू**—वि०। उड़एवला वा उड़बा योग्य। [उड़ + अन्त + ऊ]। FML 120. *udantū*—*Adj.* Habituated or able to fly.

ऊडबँ **उड़ब**—क्रि०। आकाश मार्गे चलब (दी०); धरतीसँ उपर चलब कथुक आधारसँ। [सं० उत् + डीङ]। तु० क० पा० उड्डेति; प्राकृ० उड्डेइ; लहन्दा उड्डण, ष० उड़ाण; अस० उरिबा हि० उड़ना; भोज० उड़ल; गु० उड़तु; म० उण्डे। (आकाशमे उड़ब आब मनुष्य बास्ते तुच्छ वस्तु भए गेल अछि)। *udaba*—*V.* To Fly.

ऊडबैत **उड़बैत**—उड़ाएब (दे०) केर आद० मध्य० पु० वर्त० रू०। द्विरा० ६१ (अपन मोटर उड़बैत चलि जाइत रहलीह); प्रण० ७५ (पुलकर्रा उड़बैत चललीहि)। *udabaita*—*Hon.* Present tense second person form of *udāeba* (q.v.).

ऊडय **उड़य**—उड़ए (दे०) केर विक० रू०। गो० ग्र० २ अमर १० (चूड़ा उड़य मत मयूर शिखंड); मो० १७१ १५ (उड़य गुलाल लाल सब धत व्रज); द्विरा० ७५ (हवाइ जहाज पर उड़य लगलाह)। *udaya*—*Alt.* of *udae* (q.v.).

ऊडयित **उड़यित**—उड़इत (दे०) केर विक० का० रू०। राम० २६८ (उड़यित उड़ि गेल बहुत पहाड़)। *udayita*—*Alt.* P.F. of *udaita* (q.v.).

ऊडल **उड़ल**—उड़ब (दे०) केर भू० रू०। वि० पदा० मञ्जु० २४४ (मन वचन उड़ल उड़ल शरीर); मन० कृष्ण० १० (कंसक हंस उड़ल से सुनि); राम० २२७ (बानर सुनल उड़ल कम गोड़); चित्रा ३६ (उड़ल जाइ की); पारो १३ (बिल्होरि उड़ल जाइत रहै)। *udala*—*Past* tense form of *udaba* (q.v.).

ऊडलहुँ **उड़लहुँ**—उड़ल (दे०) केर वर्त० उ० पु० रू०। राम० १७५ (उड़लहुँ हम जटायु दुहु भाय)। *udalahũ*—First person present tense form of *udala* (q.v.).

ऊडला(ह) **उड़ला(ह)**—उड़ब (दे०) केर भू० रू०। किञ्चित उड़ल सन। राम० १८२ (मारुत नन्दन उड़ला माखि); मिहि० उद० १५७-६ (डाबरसँ सफेलै उड़लाह)। *udalā(ha)*—Past form *udaba* (q.v.).

ऊडा **उड़ा**—उड़ाए (दे०) केर संक्षि० बा० रू०। जवा० ३ (एक दिन केदन उड़ा देलाह)। *udā*—*Coll.* Short form of *udāe* (q.v.).

ऊडाइ(ई) **उड़ाइ(ई)**—उड़ाबइ (दे०) केर का० रू०। राम० ६३ (मानिनि मान उड़ाइ है); वि० पदा० मञ्जु० १०३ (मानिनि मान उड़ाई है)। *udāi(ī)*—P.F. of *udābai* (q.v.).

ऊडा(ऊँ)ऊ **उड़ा(ऊँ)ऊ**—उड़ाएब (दे०) केर प्रेरणा० का० रू०। तु० क० हि०, बं० उड़ाऊ। मो० १०१ (सब गगन उड़ाऊ फागु म्हाग)। शुद्ध रूप उड़ाउ होएत। *udā(ũ)ū*—*Caus.* Poetic form of *udāeba* (q.v.). correct form would be *udāu*.

ऊडाए **उड़ाए**—उड़ाएब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। मि० उद० १५१-३ (नहुआ नाचय उड़ाए धन)। *udāe*—*Part.* form of *udāeba* (q.v.).

ऊडाएबँ **उड़ाएब**—क्रि०। कोनो वस्तुकें उपर उड़ा देब वा फेकि देब, व्यवहार करब। [उड़ + आनेब]। (हम अपनी गुड़ी उड़ाएब

तादिसँ अहाँकेँ की (अपन धन अपनहि उड़ाएब)। *udāeba*—*V.* To waste, to fly.

उड़ाओल—उड़ाएब (दे०) केर भू० रू०। BPL 7313; चन्द्र० ११५ (घर सम्पति छल कुपथ उड़ाओल)। *udāola*—*Past* tense form of *udāeba* (q.v.).

उड़ाक—क्रि०। उड़निहार (दी०)। बहुधा, तीव्र [उड़+आक] FML 208; अपूर्व रसगुल्ला २, शतदल ७०। *udāka*—*Adj.* Who flies (usually fast).

उड़ाँत—वि०। उड़बामे पटु; चेष्टगर (बाप्सगर)। [उड़+अति अथवा अंत्र>आँत]। तु० क० उड़ात। नव० ६ (मल्लिक उड़ाँत तँ छले); मलमानुष ८४। *udā̃ta*—*Adj.* Expert in flying.

उड़ान—उड़बाक क्रिया। [उड़+आन]। तु० क० बं०, हि०, अस०, ने० उड़ान। (पहिल हवाइ जहाजक उड़ान कहिओ नहि देखने रही)। *udāna*—The act of flying.

उड़ाय—उड़ाए (दे०) केर विक० का० रू०। रामं० १४२ (गगनक पथ चलल उड़ाय)। *udāya*—*Alt.* P.F. of *udāe* (q.v.).

उड़ावथि—उड़ाएब (दे०) केर बहु० वर्त० रू०। शतदल १५ (कैयो धुआँ उड़ावथि फूकि फूकि)। *udāvathi*—*Pres.* pl. form of *udāeba* (q.v.).

उड़ावल—उड़ाओल (दे०) केर बा० का० रू०। महेश० १३ (छल कुपथैं उड़ावल)। *udāvala*—*Coll.* P.F. of *udāola* (q.v.).

उड़ाहब—क्रि०। नवीन भाँड़केँ अगि पर चढ़ाए काजमे आनब; इनार पोखरिक पानिकेँ उपछि शुद्ध करब। [IAL Turner 1985 उद्दहति>उद्दाहति>उद्दाहतत>प्राकृ० उड्डाहत>उड़ाहत>उड़ाहब]। तु० क० अव० उराहिबा; वि० उराहेब। मै० सा० इ० २२७ (१२२० साल) (तखन त उड़ाहबक भंगठाह छोड़ा दिअ); (नवकनियाँक हाथेँ प्रथम भाँड़ उड़ाहब मिथिलामे प्रचलित अछि); (कालिह हम अपन इनार आ पोखरि केँ उड़ाहब से आशा अछि); BPL 713। *udāhaba*—*V.* To make first use of a new earthen vessel, to clean the water of a pond or well by changing the present water.

उड़ि—उड़ब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। वर्ष १३० (धुलि उड़ि आगइ); वि० पदा० मञु० ३७; रागत० २०४; तालपत्र न० गु० ६७; नेपाल २१; अ० १०६ (जाहि मधुकइ उड़िउड़ि पड़ा); मन० कृ० १० (देखब सम्भाख उड़ि नहि जाय); महेश० ५६ (हँस उड़ि जायत कतहु दिगन्त); चित्रा ६ (हँस पर चढ़ि उड़ि गेली आकाशमे)। *udi*—*Part.* form of *udaba* (q.v.).

उड़िआइ—उड़ाए (दे०) केर वर्त० रू०। वि० पदा० मञु० ३४१ (जाइत उड़िआइ)। *udiāi*—Present tense form of *udāeba* (q.v.).

उड़िआइत—उड़ए (दे०) केर वर्त० प्रेरणा० रू०। चन्द्रकला २३। *udiāita*—Present participials form of *udae* (q.v.).

उड़िआँत—उड़िआइत (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मञु० ५७६ (उड़िआँत अपन गृह जायत)। *udiā̃ta*—*Poet.* of *udiāita* (q.v.).

उड़िआवय—उड़ाबय केर प्रेरणा० रू०। अम्बचरित ८०। *udiābaya*—*Caus.* of *udābaya* (q.v.).

उड़ित—उड़िगेल (दे०) केर प्रा० लु० का० रू०। वि० वि० १८ (रजनि उड़ति भा)। *udita*—Obs. form P. F. of *udigela* (q.v.).

उड़िपल—क्रि०। एम्हर-ओम्हर उड़ब वा भ्रमण करब। प्रा० लु० रू०। वि० नै० २१ (एलि मधुकर जाहि उड़िपल सेहे संतारक सार)। *udipala*—*V.* Obs. to roam about hither and thither.

उड़िया[1]—उड़ब (दे०) भवि० रू०। उड़िआए (दे०) केर विक० रू०। रंग ६७ (हुनक पोथी पतड़ा उड़िया जेतैन्ह); सनेह १०। *udiyā*[1]—Future tense form of *udaba* (q.v.). Alt. of *udiāe* (q.v.).

उड़िया[2]—उड़ीसा प्रान्तक भाषा वा प्राणी। [सं० उद्र>उद्रीय>प्राकृ० उड्डिय>उड़िय+आ]। तु० क० बं०, अस०, ने०, अव०, राज०, अस०, म०, गु०, राज० उड़िया। (उड़िया भाषा एवं मैथिली भाषामे विभिन्न स्थान पर साम्यता पाओल जाइछ)। *udiyā*[2]—Language or living beings belonging to the state of Orissa.

उड़ियाय—उड़िआए (दे०) केर का० रू०। चन्द्रकला ११। *udiyāya*—P.F. of *udiāe* (q.v.).

उड़ियैल—उड़िआएल केर बा० का० रू०। दलहन ६। *udiyaila*—*Coll.* or P.F. of *udiāela*.

उड़िस—उड़ीस (दे०) केर अशु० रू०। कन्या० ४६ (किन्तु उड़िस काटय लगलैन्ह)। *udisa*—*Err.* of *udīsa* (q.v.).

उड़ी(री)द—एक प्रकारक दालि विशेष, एकरा माष (संस्कृत माष) धान्य विशेष कहल जाइछ। [सं० उड़िद अथवा प्राकृ० उडिद]। तु० क० मा हि० उड़द; प्राकृ० उदिउ; गु० अड़द; म० उडीद। चित्रा ६२ (मकई मूँग उड़ीद)। *udī(rī)da*—A kind of pulse.

उड़ीस—मानवक शोणित पिनिहार कीट विशेष। [उद्दंश Turner 19817 प्राकृ० उड्डीस>उड़ीस]। तु० क० प्राकृ० उड्डंस; अर० उरह; उ० उड़स; उडस; ओरस हि० उड़स प्रण० २६४ (तावत जांघमे उड़ीस काटि लेलकैन्ह)। *udīsa*—Bug.

उड़ीसा—भारतक एक गोट प्रान्तक नाम कु:

क० हि० उडीस; असo उड़ेस; उडीसा उर्दू ओडिसा। (उड़ीसा मे जगन्नाथजीक मन्दिर अवस्थित अछि)। तु० क० ओड़िस्सा, उड़िस्सा। *udīsā*—Name of a State in India.

उड़ै उड़ै—उडए (दे०) केर अशु० रू०। मि० उदा० १०५ (उड़ै पर प्रस्तुत अछि)। *udai—Err.* of *udae* (q.v.).

उड़ैत उड़ैत—उड़ब (दे०) केर वर्त० रू०। तु० क० बं० उड़ैत। (उड़ैत पक्षी देखाए दिअ)। *udaita*—Present tense form of *udaba* (q.v.).

उड़ैवला उड़ैवला—वि०। जे उड़ैछ। उड़ब (दे०) केर विशेषण रू०। मि०हि० उद० १५७-५ (उड़ैवला पथिकक संग-संग)। *udaivalā—Adj.* form of *udaba* (q.v.).

उड़ौ(ड़ओ)ने उड़ौ(ड़ओ)ने—उड़ब (दे०) केर वर्त० रू०। प्रया० २२५ (फालि पर धमार उड़ौने छल)। *udau(o)ne*—Present tense form of *udaba* (q.v.).

उड़ौल उड़ौल—उड़ाओल (दे०) केर अशु० रू०। मो० १६३-३ (पश्चात बखारी उड़ौल गेनहुं निवृत्त नहि)। *udaula*—Err. form of *udāola* (q.v.).

उड़ौलन्हि उड़ौलन्हि—उड़ौल (दे०) केर आद० रू०। विरा० १७७ (एकटा नवे काल उड़ौलन्हि जे)। *udau(o)lanhi*—Hon. form of *udaula* (q.v.).

उढ़इ उढ़इ—उघब केर प्रा० का० लु० रू०। वि० पदा० मजु० १४२, प० त० १३३०; न० गु० ७८७, अ० ७७७ (विनि अवलम्बे उढ़इ न पइ)। *udhai—Old.* Obs. poet form of *ughaba* (q.v.).

उढ़इते उढ़इते—उढ़इत (दे०) केर प्रा० लु० रू०। वर्ण० ५३ (चीता भीतर उढ़इते अछ)। *udhaite*—Obs. of *udhaita* (q.v.).

उढ़र उढ़र—उढ़रब (दे०) केर मू० रू०। तु० क० BPL 376 उढ़ढ़। धातु पाठ ६०। *udhara—Root* form of *udharaba* (q.v.).

उढ़रब उढ़रब—क्रि०। पुरुषान्तरक संग स्त्रीक कामवश जाएब (दी०), अन्य पुरुषक संग कामवासनाक हेतु कोनो स्त्रीक गमन। [सं० उत्‌ + सं० वह् > उढ़ अथवा + उब (दी०) उढ़ + अब + अथवा IAL Turner 2032 उध्वलित > उधलत > उधलव > उढ़रब]। तु० क० लह० उद्धलण; प० उध्धलणा; भोज० उढ़रब; गु० उधलवुँ म० उधलणे; कु० उढ़ालो। (आजुक समयमे कोनो स्त्रीक उढ़रब कठिन नहि)। *udharaba*—To elope, to run away from one's husband or home for sex.

उढ़रा उढ़रा—वि०। परस्त्रीक संग कामवश गेल पुरुष। [उढ़र + आ]। तु० क० BPL 233 उढ़ढ़ा, उढ़रा। (उढ़रा त उढ़रबे करत); रस निर्भरणी ३८। *udharā—Adj.* (A male) having sex outside marriage; used as a term for calling names.

उढ़रिए उढ़रिए—उढ़रब (दे०) केर इच्छा० रू०। नव २० (उढ़रिए गेलइ ओकरा संगे की)। *udharie—Opta.* form of *udharaba* (q.v.).

उढ़री उढ़री—उढ़रा (दे०) केर स्त्री० रू०। तु० क० भोज०; BPL 1210 उढ़ढ़ी उढ़री। रसनिर्भरणी ८०; मैथिली भाषा ८। *udharī—Fem.* form of *udharā* (q.v.).

उढ़ारब उढ़ारब—क्रि०। अन्य स्त्रीकँ अधीन कए स्त्री मानैँ लए जाएब (दी०)। [उढ़ार + अब]। तु० क० BPL 713 उढ़ एब। (आइ कालुक युगमे तदनोच्य स्त्रीकेँ उढ़ारब कठिन नहि)। *udhāraba–V.* To run away with a woman other than one's own wife.

उढ़ारैत उढ़ारैत—उढ़ारब (दे०) केर वर्त० रू०। धातु पाठ ६५। *udhāraita*—Present tense form of *udhāraba* (q.v.).

उँग उँग—ओ (दे०) अथवा अन्य केर अवहट्ट रू०। ओही। कीर्तिलता १५ (संगर साहस करओ ए उँग सरणागत सुक्कओ)। *ūna*—That very; *avahaṭṭha* form of *O* (q.v.), *āra* (q.v.), or *anya* (q.v.).

उण्ड उण्ड—कनिजे, थोड़क। [सं० ऊन]। वर्ण० ४६ (एक दौवल कइ उण्ड ऊपर कइ चलओले)। *unḍa*—A little.

उत उत—ओतए (दे०) वा ओतअ केर का० रू०। तु० क० हि० उत। राम० २४८ (उत कपिदल हलचल सकल)। *uta*—*Poet.* of *otae* or *otaa* (q.v.).

उतकट उतकट—उत्कट (दे०) केर का० रू०। गौरी परिणय (उतकट वचन सभो नहि नीक)। *utakaṭa—Poet.* of *utkaṭa* (q.v.).

उतकंठित उतकंठित—उत्कंठित (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० २५५ (मन उतकंठित कतेक न धाव)। *utakaṇṭhita—Poet.* of *utkaṇṭhita* (q.v.).

उतति उतति—तूँत (एकटा फल विशेष) जे पीपरिए सन देखएमे होइछ तथा खएबामे मधुर होइछ। तु० क० शहतूत (हि०)। वर्ण० ३८ (वउर उततिं; तए, दालिम्ब)। *utati*—Name of a fruit.

उतप उतप—उत्ताप (दे०) केर का० रू०। गो० श्र० १ अमर० ५२ (उतप तापित धरणि मण्डल निरखि नव नव जलधरे)। *utapa—Poet.* of *uttāpa* (q.v.).

उतपत(ति) उतपत(ति)—उत्पत्ति (दे०) केर का० रू०। तु० क० बं०, अस०, राज० उतपति। गो० श्र० १, अम० ५६ (कारण बिनु क्षण हसइ उतपत दीव निरासइ); वि० प० २६ (ततहि गंग उतपति); राम० २६ (सुरसरि उतपति पावन वारि)। *utapata(ti)—Poet.* of *utpatti* (q.v.).

𑒅𑒞𑒣𑒟 **उतपथ**—पाछू मुहेँ गमन वा चलब। [उत्+पथ]। तु० क० असo **उतपथ**। रामo ७४ (**उतपथ** वर्तिभ्रान्त मन जानू); रामo लाल० १६ (**उतपथ** गमन अहँक बड़ जोड़); विo पo ३७ (**उतपथ** भै तहँ गेला); अम्बचरित १७। ***utapatha***—To go back-ward.

𑒅𑒞𑒣𑒪 **उतपल**—उत्पल (दे०) केर का० रू०। तु० क० राज० **उतपल**। गो० श्र० १ अमर ३ (नील **उतपल** दाम श्यामर धाम भामर देह)। ***utapala***—*Poet.* of ***utpala*** (q.v.).

𑒅𑒞𑒣𑒰𑒞𑒲 **उतपाती**—वि०। उत्पात करनिहार। [सं० उत्पात > उतपात + ई]। तु० क० राज० **उतपाती**; FML 224, इ० व्या० ५ (**उतपाती** केँ पहिने); उ० न० १६ (जे जन अति **उतपाती**)। ***utapāti***—*Adj.* Troublesome, destructive.

𑒅𑒞𑒣𑓂𑒞𑒮𑒞𑓂𑒫 **उतप्तसत्व**—तापसँ संतप्त सार वस्तु। [सं०]। वर्ण० (**उतप्तसत्व** निर्जीव वृक्ष)। ***utaptasatva***—Burnt valuable thing.

𑒅𑒞𑒩 **उतर**[1]—उत्तर (दे०) केर वा० आ का० रू०। तु० क० राज०, भोज० **उतर**। वि० नं० १४० (अवसर पाए **उतर** हम देबा); वि० पदा० मजु० ५०; नेपाल १४८, न० गु० तालपत्र ३२८ ग्रि० ४०, अ० ३२५ (तथिहु **उतर** हम देला); FML 165; BPL 1485; ***utara***[1]—*Poet.* or coll. form of ***uttara*** (q.v.).

𑒅𑒞𑒩 **उतर**[2]—उतरब (दे०) केर आज्ञा० रू०। ग्रि० (देहा उतर)। ***utara***[2]—*Imp.* of ***utaraba*** (q.v.).

𑒅𑒞𑒩𑒃(𑒋) **उतरइ(ए)**—उतरब (दे०) केर इच्छा० रू०। पारो ६४ (गोदीवासभ से **उतरए** चड़ए)। ***utarai(ae)***—*Opta.* of *utaraba* (q.v.).

𑒅𑒞𑒩𑒏 **उतरक**—उतरबाक (दे०) केर विक० रू०। राम० २१६ (**उतरक** आब नहि)। ***utaraka***—Alt. Form of ***utarabāka*** (q.v.).

𑒅𑒞𑒩𑒝 **उतरण**—उतारल वस्त्र, पहिरल पुरान कपड़ा। [सं० उत्तरण]। तु० क० राज० **उतरण**। धातुपाठ ६५। ***utaraṇa***—Worn clothes.

𑒅𑒞𑒩𑒞 **उतरत**—उतरब (दे०) केर भवि० रू०। राम० २०७ (प्रभुदल प्रबल जखन **उतरत**); BPL 1085. ***utarata***—*Future tense* form of ***utaraba*** (q.v.)

𑒅𑒞𑒩𑒞𑒰(𑒯) **उतरता(ह)**—उतरब (दे०) केर आद० भवि० रू०। राम० ६१ (बाट **उतरता** जमुना घाट)। ***utaratāha***—*Hon.* Future tense form of ***utaraba*** (q.v.).

𑒅𑒞𑒩𑒞𑒱 **उतरति**—उतरब (दे०) केर का० रू० वर्त० मे। [उतर + ति] वि० प० मजु० ५१५ (पाट पटम्बर धर **उतरति**)। ***utarati***—Obs. present tense of ***utaraba*** (q.v.).

𑒅𑒞𑒩𑒟𑒱 **उतरथि**—उतरब (दे०) केर आद० रू०। राम० १७८ (भव जलधि **उतरथि** पार); पुरु० ७१ (अन विनु **उतरथि** पार)। ***utarathi***—Hon. form of ***utaraba*** (q.v.).

𑒅𑒿𑒞𑒩𑒟𑒱 **उँतरथि**—उतरथि (दे०) केर अवहट्ठ रू०। कीर्ति-लता ५८ (अओ ताक धरन्ते कलह करन्ते हीदूँ **उँतरथि** भूमी)। *ũtarathi*—*Avahaṭṭha* form of *utarathi* (q.v.).

𑒅𑒞𑒩𑒢𑒱𑒯𑒰𑒩 **उतरनिहार**—वि०। जे नीचाँ उतरए। [उतर + अनिहार]। पुरु० १२६ (समुद्र पार **उतरनिहार**)। ***utaranihāra***—*Adj.* Who comes down.

𑒅𑒞𑒩𑒥 **उतरब**—क्रि०। नीचाँ उतरबाक क्रिया, वा नीचाँ आएब। [सं० अव + सं० तृ० + अब]। तु० क० उर्दू **उतरिब**। बं० नाबबो। प्रग० १७६ (हम बेगूसराय **उतरब**); ग्रि०। ***utaraba***—*V.* Shall get down.

𑒅𑒞𑒩𑒥𑒍𑒪𑒯𑒳𑒿 **उतरबओलहुँ**—उतरब (दे०) केर प्र० पुरु० प्रेरणा० रू०। आमक० ६६ (हम वस्तु जात **उतरबओलहुँ**)। *utarbaolahũ*—*First* Person caus. form of *utāraba* (q.v.).

𑒅𑒞𑒩𑒥𑒍𑒪𑒻𑒢𑓂𑒯 **उतरबओलैन्ह**—उतरब (दे०) केर मध्य० ओ अ० पुरु०। उपहार १५। *utarabaolainha*—Second and third person form of *utāraba* (q.v.).

𑒅𑒞𑒩𑒥𑒯 **उतरबह**—उतरब (दे०) केर आज्ञा० रू०। पारो ६३ (चेरक पहर चौधरीक गाम **उतरबह**)। *utarabaha*—*Imp.* form of ***utaraba*** (q.v.).

𑒅𑒞𑒩𑒥𑒩𑒱𑒂(𑒨𑒰) **उतरबरिआ(या)**—उत्तर दिशाक। [उत्तर + सं० पालि > बारि + इआ]। मिहि० ३७-३६-१० (तावत **उतरबरिया** सड़क परसँ कोनो बरिआतीक बाजा)। ***utarabaria*** (*yā*)—Of northern side. Oblique form of *utaravari* (*i*).

𑒅𑒞𑒩𑒥𑒰𑒏 **उतरबाक**—उतरब (दे०) केर षष्ठी रू०। प्रग० १७८ (पं० जीक **उतरबाक** बाट बन्द भ गेलैन्ह)। ***utarabāka***—Genetive form of *utaraba* (q.v.).

𑒅𑒞𑒩𑒥𑒰𑒩𑒱 **उतरबारि**—वि०। उत्तर दिशा सम्बन्धी। **उतरबारी** (दे०) क विशेषण रू०। FML 75; FML 258 (**उतरबारि** गामवाली)। ***utarbāri***—*Adj.* form of ***utarabārī*** (q.v.).

𑒅𑒞𑒩𑒥𑒰𑒩𑒲 **उतरबारी**—उतर (दे०) केर वा० रू०। FML 258। *utarabārī*—*Coll.* form of *uttara* (q.v.), northward.

𑒅𑒞𑒩𑒥𑒻𑒞 **उतरबैत**—उतरब (दे०) केर अनकाद्वारा उत्प० रू०। द्विरा० १३६ (थकनी **उतरबैत-उतरबैत** हुनका अङ्क लागि गेलैन्ह)। ***utarabaita***—*Present* tense passive form of ***utaraba*** (q.v.).

उतरयित—उतरैत (दे०) केर अशु० रू० । पुरु० १०३ (देव म० सौं उतरयित मेलाह)। *utarayita—Err.* of *utaraita* (q.v.).

उतरल—उतरब (दे०) भू० रू० । राम० १४० वि० । फल आदि अधिक पुरान वा अतिशय पाकि जेबाक कारणेँ जकर स्वाद विकृत भए गेल हो । बहुधा अधिक आयुक कारण स्त्रिगणक सौन्दर्यक ह्रास हेतु ई शब्द प्रयोग होइछ । (उतरल सागर लंका जाय); चित्रा १७ (बारहम उतरल तेरहम चढ़ल); नव० ४३ (डुनाइ दलान परसँ उतरल आ रास्ता दिश गेल)। *utarala—Past* tense form of *utaraba* (q.v.), also *adj.* overripe (fruit) debased, tastelss, not fit to be consumed, old and decayed (beauty, youth).

उतरलइए—उतरलैक अछि केर वा० रू० । नव० ६० (जर त मितरा गेलइए उतरलइए कहाँ)। *utaralaie —Coll.* form of *utaralaika achi.*

उतरलहुँ—उतरल (दे०) केर० आद० उ० पुरू० रू० । पारो ५५ (बड़फड़ाक उतरलहुँ खाट परसँ)। *utaralahũ Hon.* First person form of *utaraba* (q.v.).

उतरला(ह)—उतरल (दे०) केर आद० मध्य० ओ० अन्य पुरू० । मि० उ० १५७–२० (निर्मलीक उतरला पर); राम० ३१२ (उतरलाह रथ परसौं राग); मो० १७१–८ जखन घोड़ासँ उतरलाह)। *utaralā(ha)—Hon.* Second and third person form of *utarala* (q.v.).

उतरलि—उतरल (दे०) केर स्त्री रू० । प्रया० ११९ (दिव्य लोकसँ उतरलि)। *utarali—Fem.* form of *utarala* (q.v.).

उतरलीह—उतरलि (दे०) केर निश्च० रू० । द्विरा० २८ (मंचसँ नीचाँ उतरलीह)। *utaralīha—Emph.* form of *utarali* (q.v.).

उतरलैन्ह—उतरल (दे०) केर रू० । प्रया० ३० (बबुआनी जीकेँ दूध नहि उतरलैन्ह)। *utarlainha* —A form of *utarla* (q.v.).

उतरव—उतरब (दे०) केर विक० रू० वि० पदा० मञ्जु० ३०८ (शिव हो उतरव कवन विधि पार); राम० २१७ (कोन गति उतरव थिर नहि प्रान); मि० १५६–१९ (स्वर उतरव ओ चढ़व)। *utarava—Alt.* of *utaraba* (q.v.).

उतरवरिआ—उतरवरिआ (दे०) केर विक० रू० । मि० भा० वि० ६१ । *utarvariā—Alt.* of *utarabariā* (q.v.).

उतरवा—उतारब (दे०) केर इच्छा० प्रेरणा० रू० । राम० ३०५ (वानर निकट उतरवा हेतु); द्विरा० १८१ (मोटर सँ सामान उतरवा रहल अछि)। *utaravā—Opta* and caus. form of *utārava* (q.v.).

उतरवारि—उतरबारि (दे०) केर विक० रू० । पारो ६५ (पुबरिया घरक उतरवारि कोठलीमे खाटपर ओछाओन मेल छइ)। *utaravāri—Alt.* of *utarabāri* (q.v.).

उतरवारी—उतरबारी (दे०) केर विक० रू० । कन्या० ३९ (यदि उतरवारी पोखरिसँ अनलहुँ)। *utaravāri—Alt.* of *utarabāri* (q.v.).

उतसरग—उत्सर्ग (दे०) केर ग्रा० रू० । BPL 1459. (अओ बौआ आइ तँ बच्चाक उतसरग उपलक्षमे किछु हमरो भेटबाक चाही)। *utasaraga—Folk* form of *utsarga* (q.v.).

उतरहा—क्रि० वि० । उत्तर दिशाक, उत्तर दिशाक रहनिहार लोकक अवज्ञासूचक नाम । [उतर+आहुत>हा] । तु० क० दछिनाहा; उतरहा (दे०) भो० उतरहा; हि० उतराहाँ । व्याकरण प्रबोध १२७; (उतरहा हवाक भोंक आबि रहल अछि)। *utarahā —Adv.* Northward, Derogatory term for those residing towards the North (of Mithila).

उतरहु—उतर (दे०) केर निश्च० रू० । वि० पदा० ५३८, तालपत्र न० सु० ३०३ (उतरहु दखिन भान दूर गेल)। *utarahu—Emph.* form of *utara* (q.v.).

उतराओ—उत्तर दिशक वेग (बालुक वा पानिक) । [उतर+अओ] । FML 208. *utarāo* –Flow nothern side (air or water).

उतराखाढ़—नक्षत्रक एक भेद । [उतर+आषाढ़] BPL 1082, (उतराखाढ़ नक्षत्र यदि बरसि गेल त समय उत्तम भ जाएत)। *utarākhāḍha* —A Nakṣatra.

उतराचौरि—उतराचौरी (दे०) केर का० रू० । राम० लाल दास ४० । *utarācauri*—Poet. of *utarācaurī* (q.v.).

उतराचौरी —उत्तर प्रत्युत्तर; प्रश्न ओ उत्तरक समान क्रम, अविनयपूर्ण वा समकक्ष व्यक्ति द्वारा समकक्ष भावेँ प्रत्युत्तर करबाक क्रम । [उतर+आ+सं० चतुरता, चातुर्य, अथवा चर्चा] । तु० क० उकटापैँचौ (दे०) । खट्ट० १२ (एहन उतराचौरी करयवला खबासो तिरहुतमे भेल); त्रिफला ६ । *utarācaurī*—Question and answer annoyingly.

उतराढ़ार—उत्तरोत्तर नीच, उतरालव । [उतरा+ढार] । (ई खेत उतराढ़ार बुझि पड़ैत अछि) । *utarā-ḍhāra*—Northward slope.

उतराहा —उतरहा (दे०) केर शुद्ध रू० । मि०; FML 218. *utarāhā—Correct* form of *utarahā* (q.v.).

उतराही—उत्तरदिशक (वायु) । [उतर+आही] ।

तु० क० उतरहा (दे०); शुद्ध संस्कृत उत्तराहि। *utarāhi*—North wind.

ঁউতৰাহুত **उतराहुत**—किञ्चित् उत्तर दिश झुकल वा स्थित। [उतर+आहुत]। मि० भा० वि० ५६; FML 219 *utarāhuta*—Inclined slightly towards the north.

ঁউতৰি **उतरि**—उतरब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। राम० ३४ (पहुसओ उतरि बोलब बलि अइसन) पुरु० २६ (घोड़ा सौं उतरि समीप जाय); प्रण० १ (नीचाँ उतरिक देखैत छी त दरबान ठाढ़ अछि); मधुश्रावणी १०७; पारो ३४ (भार उतरि गेला सँ मायक मन हल्लुक भए गेल छैक)। *utari*—*Part.* form of *utaraba* (q.v.).

ঁউতৰিঅ **उतरिअ**—उतरब (दे०) केर प्रेरणा० का० रू०। राम० ८६ (समजन क्रम-क्रम उतरिअ आव)। *utaria*—P. F. *Caus.* form of *utaraba* (q.v.).

ঁউতৰিত(তৈ)হি **उतरित(तै)हि**—उतरि (दे०) केर निश्च० रू०। द्विरा० १३३ (काशी स्टेशन पर उतरितहि); कोबरगीत ३। *utarita(tai)hi*—*Emph.* form of *utari* (q.v.).

ঁউতৰী **उतरी**[1]—उतरब (दे०) केर भवि० रू०। राम० ६३ (गङ्गतीर उतरी जखना)। *utarī*[1]—*Future* tense form of *utaraba* (q.v.).

ঁউতৰী **उतरी**[2]—जनउ सदृश श्राद्धादिमे कपड़ाक बनल द्वितीय वस्त्र [सं० उत्तरीय]। तु० क० पा० उत्तरीय; प्राकृ० उत्तरीअ; उ० उतुरि; गु० उत्री; म० उत्तरि; प्रा० सि० उतिरिक। BPL 1418; (उतरी पहिरि ब्राह्मणबत रहबाक चाही)। *utarī*—A sacred threadlike cloth worn in the *śrāddha* ceremony, a napkin.

ঁউতৰে **उतरे**—उतर (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० ५५, नेपाल १०३, तालपत्र न० गु० २६६, अ० २५६ (जनि सुरसरि उतरे उधाउलि)। *utare*—*Coll.* of *utara* (q.v.).

ঁউতৰৈ **उतरै**—उतरैत (दे०) केर था० रू०। प्रण० १७८ (स्टेशन आबि गेलौह उतरै जाइ)। *utarai*—*Coll.* form of *utaraita* (q.v.).

ঁউতৰৈক **उतरैक**—उतरब (दे०) केर अना० भू० रू०। पारो ६४ (कतहु अल्हुआ चढ़ैक त मकइ उतरैक)। *utaraika*—*Past* tense nonh. form of *utaraba* (q.v.).

ঁউতৰৈত **उतरैत**—उतरब (दे०) केर वर्त्त० रू०। प्रण० ११ (जाहिना उतरैत छी)। *utaraita*—*Present* tense form of *utaraba* (q.v.).

ঁউতৰো **उतरो**—उतरहु (दे०) केर बा० रू०। वि० ने० २७२ (पहिलाहु जके हसी उतरो न देसी); वि० पदा० मजु० ३११ (हसि पहु उतरो न देल रे)। *utaro*—Emph. Of *utarahu* (q.v.).

ঁউতৰোল **उतरोल**—हल्ला वा आवाज करब। तु० क० [सं० उत्तराकुल अथवा उतर+ओल]। तु० क० घोल। वि० पदा० मजु० ४७, नव० गु० ८८, अ० ६८ (आकुल अति उतरोल)। FML 237. *utarola*—*Obs.* Making a noise.

ঁউতৰ(ৰঁ)গ **उतर(रं)ग (ङ्ग)**—उत्तर सँ अबैत बसात। [सं० उतरङ्ग]। FML 198; मि० भा० वि० ६१; व्याकरण प्रबोध १२७। *utara(ñ)ga (ṅga)*—Wind coming form the north side.

ঁউতান **उतान**—वि०। पीठकेँ आधार पर राखि सूतब, चित्त; छाती तानल। [सं० उत्तान]। तु० क० हि०, ने०, बं० अस०, राज० उतान; प्रा० उत्तान; प्राकृ० उत्ताण; प० उताणा; गु० उताणो; म० उताणा। नौ० १३१-४५ (जे उतान भै चलैत अछि तकरहि खसबाक भय रहैत छैक); पारो ६६ (मुइलि पारी उतान पड़ल अछि); रंग० ६६ (फलभारसमन्विता लता उतान छथि); गोधूलि ५१। रतिकर्म हेतु तत्पर होएब (ढौंआ ने कौड़ी उतान हो गे छौंड़ी)। *utāna*—*Adj.* Lying on the back, supine.

ঁউতাপ **उताप**—उष्णता, ताप, ज्वर। [सं० उत्ताप]। तु० क० राज०, ने०, बं०, गु० उताप; म० उत्ताप। *utāpa*—Heat, excitement, fever.

ঁউতাৰ **उतार**[1]—ढार, नीचाँ, उतरबाक क्रिया, अवनति, क्रमिक पातर ढरकाह। [उतारब]। तु० क० उतार-चढ़ाव। मि०; मोदलता २४७; धातुपाठ ६५; (उतार चढ़ाव देखब)=नीक बेजाए देखल, जीवनक अनुभव भेनाइ; नौ० १७४-८४ (बहुधा उतार जकाँ रहैत छैक)। *utāra*—To slope down, the act of getting down, proportionately thin.

ঁউতাৰএ **उतारए**—उतारब (दे०) केर क्रियान्विता क्रिया रू०। प्रण० ६४ (क्रोध जमाए पर उतारए लगलीह)। *utāaae*—Infinitive form of *utāraba* (q.v.).

ঁউতাৰথি **उतारथि**—उतारब (दे०) केर मध्य० ओ अ० पुरु०। न० ५६ (अपन आगाँ पर उतारथि)। *utārathi*—*Second* and third person form of *utāraba* (q.v.).

ঁউতাৰনে **उतारने**—उतारब (दे०) केर भू० रू०। द्विरा० २७ (अपना हृदयमे उतारने जाइत छलाह); नव० २० (अपना जिनगी मध्य वेश उतारने छलि)। *utārane*—*Past* tense form of *utāraba* (q.v.).

ঁউতাৰৱ **उतारब**—क्रि०। कोनो वस्तुकेँ उपरसँ नीचाँ खसाएब, प्रतिलिपि करब। [उत+तृ+णिच्]। तु० क० हि० उतारना; उर्दू उतराइबा। BPL 1920; मि०; (आइ सकल कापीमे अंगरेजीक कविता उतारब)। *utāraba*—*V.* To copy out, to lower down.

ঁউতাৰয় **उतारये**—उतारए (दे०) केर बा० रू०। वि० पदा० मजु० ७०, पण्डित बाबा जी पोथी १०४ (पुनु-पुनु कय उतारये माथ)। *utāraye*—*Coll.* of *utārae* (q.v.).

𑒅𑒞𑒰𑒩𑒪 **उतारल**—उतारब (दे०) केर भू० रू० । श्रीकृष्ण केलिमाला १२ (लए सिसु पर उतारल तारल लन दुख रे); प्रणा० १७१ (पं० जी लड़काक उतारल गेलाह) । *utārala—Past* tense form of *utaraba* (q.v.).

𑒅𑒞𑒰𑒩𑒪𑒟𑒱𑒢𑓂𑒯 **उतारलथिन्ह**—उतारल (दे०) केर मध्य० पुरु० आद० रू० । प्रण १४० (बापक खँसि बेटापर उतारथिन्ह) । *utāralathinha*—Second person hon. form of *utārala* (q.v.).

𑒅𑒞𑒰𑒩𑒰 **उतारा**—चिट्ठीक जबाब, उत्तर (दे०) केर ग्रा० रू० । BPL 1457; FML 78. (अभो बौआ, तेना कके लिखियौ जे उतारा जल्दी पठा दिअए) । *utārā—Folk* form of *uttara* (q.v.).

𑒅𑒞𑒰𑒩𑒱 **उतारि**—उतारब (दे०) केर पू० क्रि० रू० । चन्द्र० ५६ (लेतीह गङ्गा के उतारि); मो० ६७–१६ (उतारि लै पड़लैक); पुरु० ३६ (पश्चात चोरकाँ राज्य पदसँ उतारि); प्रणा० ५ केबाड़क पर्दा उतारि) । *utāri—Part.* form of *utārab* (q. v.).

𑒅𑒞𑒰𑒩𑒴 **उतारू**—उतारब (दे०) केर आज्ञा० रू० । तैयार, उद्यत, तत्पर । [उतार+ऊ] । तु० क० हि०, भोज०, राज० उतारू । प्रणा० २६८ (आब ई साज उतारू); (उतारू हएब) = तैयार होएब । *utārū—Imp.* form of *utāraba* (q.v.).

𑒅𑒞𑒰𑒩𑒻 **उतारै**—उतारए (दे०) केर विक० रू० । पारो ३० (इएह उतारै छियै) । *utārai—Alt.* Of *utārae* (q.v.).

𑒅𑒞𑒰𑒩𑒻𑒞 **उतारैत**—उतारब (दे०) केर वर्त० रू० । प्रण० २६ (क्रोध हुनके पर उतारैत जबाब देलथिन्ह) । *utāraita—Pres.* tense form of *utāraba* (q.v.).

𑒅𑒞𑒰𑒯𑒳𑒪 **उताहुल**—वि० । आकुल, उत्सुक, उद्यत । [सं० उत + सं० आकुल अथवा IAL Turner उत्तापल्ल > हि० उतावल > उताहुल] । हि० उतावल; प्राकृ० उत्तावल लहं० उताउल; काश्मीरी ह्रुतावुल; प० उताउल कुमा० उतउलो; असo उतला; उ० उतला; गु० उतावुलुँ, म० उतावला; उतावील । (एतेक किएक उताहुल छी अहीँक वास्ते ओरिआओन भए रहल अछि) । *utāhula—Adj.* Eager, impetuous.

𑒅𑒞𑒱𑒧 **उतिम**—उत्तम (दे०) केर ग्रा० रू० । वि० पदा० मञ्जु० १२६, नेपाल ४६, न० गु० तालपत्र ७१६, अ० ८१६ (उतिम वचन वेभिचार नहि) । *utima—Folk* form of *uttama* (q.v.).

𑒅𑒞𑒳𑒓𑓂𑒑𑒞𑒧 **उतुङ्गतम**—वि० । सभसँ ऊँच (शिखर) । [सं० उत्तुङ्ग + तम] । ससरफानी ६२ । *utungatama—Adj.* Greatest height.

𑒅𑒞𑒹𑒖𑒪 **उतेजल**—उत्तेजित (दे०) का० रू० । मा० का० २१४ (मदन हिय उतेजल मोर) । *utejala—Poet.* of *uttejita* (q.v.).

𑒅𑒞𑒹𑒜𑓃(𑒜𑓃𑒱) **उतेढ़(ढ़ि)**—बाप पुरखाक नाम वा नामावली; वंशावली । [सं० उत्तर + सं० पथ] । तु० क० अधेढ़, उत्तरोत्तर [सं०] । चन्द्र ७ प० ४२ (कतहु न पाविअ शिवक उतेढ़ि); मिहि० ४ (२–६१–५३); कन्या० ४० (उतेढ़ि लिखबा योग्यत भ गेल) । *uteḍha(ḍhi)*—Genealogy.

𑒅𑒞𑒿𑒑 **उतँग**—उत्तुङ्ग केर का० रू० । वि० पदा० मञ्जु० ५५८ (कुचजुग कमल उतँग भार उर); मि० वि० १५६ (उन्नति उतँग करू कृपा कोर बरससँ) । *utaga—Poet.* of *uttunga.*

𑒅𑒞𑓂𑒏𑒙 **उत्कट**—वि० । तीव्र, तेज, दुःसाध्य विषय, अप्रिय, अधिक । [सं० उत + कट] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० उकट, प्राकृ० उक्कड; उक्कल काश्मीरी उक्ठो । राम० १६० (रावण राक्षसि सौ कइल उत्कट त्रास देखाय); मै० हि० सा० (३-४)–१६ (उत्कट कलाफल देखि); मि० उदा० ५०–२० (कौनो उत्कट भाव सँ आच्छन्न होइछ); खट्ट० २१ (माछक उत्कट गन्धे सिद्ध करैछ जे); अम० २४ (ई तीनि उत्कट गरमीक नाम) । *utkaṭa—Adj.* Excessive, fierce, sharp.

𑒅𑒞𑓂𑒏𑒝𑓂𑒚 **उत्कण्ठ**—वि० । ग्रा० रू० । उत्कण्ठासँ भरल कण्ठ, उत्सुकता सँ परिपूर्ण । [सं०] । तु० क० बं० उत्कण्ठ प्राकृ० उक्कंठस; प्रा० गु० ऊकॉंठउँ । वर्ण० २६ (उत्कण्ठकर्म्म) । *utkaṇṭha—Adj.* Having the neck uplifted.

𑒅𑒞𑓂𑒏𑒝𑓂𑒚𑒰 **उत्कण्ठा**—प्रबल इच्छा, तीव्र अभिलाषा, जल्दी करबाक अभिलाषा । [सं०] तु० क० ने०, अव०, अस०, राज०; उत्कण्ठा; हि० उत्कंठा; प्राकृ० उक्कण्ठा; प्राकृ० उक्कंठा; सिह० ऊकट सि० उकण्ठा; प्रा० गु० उकांठवुँ । वर्ण० १५ (शीतक उत्कण्ठा); राम० १०८ (आज धन्य भेल हमरो भाग, प्रभु दर्शन उत्कण्ठा लाग); मो० १००–१८ (उत्कण्ठा हो तँ कहू ?) । *utkaṇṭhā*—Longing, excessive desire.

𑒅𑒞𑓂𑒏𑒝𑓂𑒚𑒱𑒞 **उत्कण्ठित**—वि० । उत्कण्ठासँ भरल, अभिलाषासँ ओत-प्रोत । [सं०] । तु० क० हि० उत्कंठित; बं०, अस०, ने०, अव०, राज० उत्कण्ठित; प्राकृ० उक्कंठिन गो० १० १ अमर ६६ (पुनः उत्कण्ठित करइत कोर); राम० ३६ (उत्कण्ठित दर्शन बिनु नयन); पुरु० २१६ (तनिक समाचम उत्कण्ठित अछि); मै० हि० सा० (८–१२) २० उत्कण्ठित पुरवासी) । *utkaṇṭhita—Adj.* Full of longing or desire.

𑒅𑒞𑓂𑒏𑒝𑓂𑒚𑒱𑒞𑒰 **उत्कण्ठिता**—नायिकाक भेद, अभिलाषासँ वा उत्सुकतासँ भरल स्त्री, सँकेत स्थान पर स्वामीकेँ नहि अएला पर वा नहि भेटला पर सोचनिहारि नायिका । [सं०] । तु० क० हि०, राज०, उत्कंठिता । पुरु० २०५ (स्वाधीनभर्तृका अभिसारिका उत्कण्ठिता) । *utkaṇṭhitā*—A woman longing after her absent husband or lover.

𑒅𑒞𑓂𑒏𑒧𑓂𑒣𑒱𑒞 **उत्कम्पित**—वि० । थरथराएल, कम्पित,

चंचल। [सं०]। तु० क० बं० उत्कम्पित। उत्तर राम० १४। *utkampita—Adj.* Trembling.

उत्कर्ष **उत्कर्ष**—उन्नति, प्रचुरता, अधिकता, समृद्धि, प्रशंसा [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अव०, उत्कर्ष; पा० उक्कंस, ओअक; प्राकृ० उक्कस्स, ओक्स, ओकिस सिं० उकस, ओअह; राम० १०८ (बहुत हर्ष उत्कर्ष मन); पुरु० ६ (हुनक स्तुति उत्कर्ष हमरा आगाँ करैछी); खट्ट० ५ (माइ बन्धुक उत्कर्ष देखि); मै० हि० सा० १६ (खेतक बहुत उत्कर्ष देखि पड़य);); चित्रा २ (छल अहाँक उत्कर्ष)। *utkarṣa*—Excellence, improvement.

उत्कलिका **उत्कलिका**—कलिके कली, माथ प्रकट भेल फूल, उत्कण्ठा, फूलक कली, मकड़ा जे घरमे जाल बनबैत अछि; नीचाँ बहयवला वायु; तरंग, लहरि। [सं० अथवा प्राकृ० उक्कलिया]। तु० क० राज०, हि० उत्कलिका। अम० ४८,२८१, एकावली परिणय ११८। *utkalikā*—Spider, bud turning into a flower; wind blowing low, suppressed desire.

उत्कत्वादि **उत्कत्वादि**—"उत्क" (उत्कण्ठित) नायकक भाव आदि। [सं०]। का० प्र०। मिहि० ३३-१३-१३ (उत्कत्वादि नायकक जौं भेद मानि ली तैं की हानि?)। *utkatvādi—P.F.* "Uta" etc. of a hero in āhitya Sāstra.

उत्का **उत्का**—उत्कण्ठिता (दे०) केर संक्षिप्त रू०। [सं०]। मिहि० ३३-७-१२ (उत्का कलहान्तरिता, विप्रलब्धाक नाथ नहि जाथि विदेश)। *utkā—Short* form of *utkanṭhitā.*

उत्किरना **उत्किरना**—बड़ विशिष्ट कार्य करबाक मान्यता (बहुधा कटाक्ष में प्रयुक्त शब्द)। [उत्कीर्ण]। *utkiranā*-Highly appreciable work, fit to be inscribed on a stone, fame, often ironically used for a so-called remarkable achievement.

उत्कीर्ण **उत्कीर्ण**—वि०। पाथरपर खोधल। [सं०]। मिहि० ३८-२-१० (कर्मादित्यक नाम उत्कीर्ण अछि)। *utkīrṇa—Adj.* Inscribed.

उत्कृष्ट **उत्कृष्ट**—वि०। उत्तम, नीक, श्रेष्ठ, नीक गुण युक्त। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अव० उत्कृष्ट। मिथिला १-२४७ (पाश्चात्य सभ्यताक उत्कृष्ट अनुकरण में गनब); मो० १७१-३२ (हिनकहु लोकनिसँ उत्कृष्ट भेलाह); खट्ट० १ (सभसँ उत्कृष्ट पदार्थ ऐह थिक)। *utkṛṣṭa—Adj.* Excellent or superior quality.

उत्क्रान्ति **उत्क्रान्ति**—क्रमशः उत्तमता ओ उच्चता दिशि प्रवृत्ति। [सं०]। तु० क० हि० उत्क्रान्ति। एकावली परिणय १३१। *utkrānti*—Evolution.

उत्कोच **उत्कोच**—कार्य प्रतिबन्ध दूर करबाक निमित्त देल गेल वस्तु, घूस, अपप्रदान। [सं० उद्+कुच+अक]। तु० क० बं० उत्कोच। अम० ३३३; एकावली परिणय १२१ (उत्कोचो); मि० २३८ (ओ उत्कोचित भेलाह)। *utkroca*—Bribe.

उत्तप्त **उत्तप्त**—वि०। अति ताप वा गर्मीसँ युक्त, अति उष्ण बड़ तपत। [सं०]। तु० क० असं०, बं०, ने० उत्तप्त; म० उतवुन्ने पा० उत्तत्त प्राकृ० उत्तत्त। भारती १३ (मानल चे अहाँ त्यागि छी, अत्तप्त छी, पीड़ित छी)। *uttapta—Adj.* Heated, molten.

उत्तम **उत्तम**—वि०। सबसँ नीक, श्रेष्ठ, विशिष्ठ। [सं०]। [सं० उत्+तमप्]। तु० क० हि०, बं०, असं०; ने० अव०, भोज० राज० उत्तम। वर्ण० ६४ (उत्तम योनि निर्व्वह); गो० श्रृ० १ अमर २६ (पुरुषोत्तमक प्रेम परिरम्भल); राम० ७३ (से थिक उत्तम बालक); द्विरा० ११ (अहाँ सन उत्तम कियो नहि); मो० २७-१ (उत्तम शिक्षा हेतु); पुरु० १६१ (उत्तम कुल मे जनमथि जाय); मि० उद० १५७-१२ (उत्तम पुरुष बुझैत छथि); प्रण० १०८ (ताहिसँ उत्तम); नव० ७६ (बोनिमे उत्तम दाना देअबइक)। *uttama—Adj.* Exallent, best.

उत्तमहा **उत्तमहा**—वि०। उत्तम प्रभेदक। [उत्तम+अहा] मि० भा० वि० ७०,७२। *uttamahā—Adj.* Of best quality.

उत्तमा **उत्तमा**—उत्तम (दे०) केर स्त्री० रू०। वर्ण० २७ (उत्तमा वसन्तसेना नामे वेश्या देपु); पुरु० २१५ (वेश्या जनि उत्तमा स्वभाव)। *uttamā—Fem.* Form of *uttama* (q.v.).

उत्तमाङ्ग **उत्तमाङ्ग**—मूड़ी, माथ, सिर, श्रेष्ठ अङ्ग। [सं०]। तु० क० बं०, असं०, ने०, अव०, हि० उत्तमाङ्ग। अम० १४५ (उत्तम ङ्ग शिरस्)। *uttamānga*—Head.

उत्तमांश **उत्तमांश**—वि०। नीक अंग वा भाग, बढ़िया हिस्सा वा बैखरा। [सं० उत्तम+अंश]। मि० मित्त ४०६ (जैह हमरा लोकनि उत्तमांश सैह हीनताक हेतु बुझि पड़ैछ)। *uttamāṃśa—Adj.* Best part.

उत्तमोत्तम **उत्तमोत्तम**—वि०। नीकोसँ नीक, बढ़ियाँ सँ बढ़िया, श्रेष्ठोसँ श्रेष्ठ। [सं० उत्तम+उत्तम]। तु० क० हि० उत्तमोत्तम। मि० ३६६ (हाथ उत्तमोत्तम ओकर भूषण आओर कुशास्तरण आदिक सहित हुनक मड़वाय अपने राखल)। *uttamottama—Adj.* Excellent, good.

उत्तमौजा **उत्तमौजा**—पाण्डव पक्षक एक वीरकेर नाम। [सं०]। तु० क० असं० उत्तमौजा। (उत्तमौजा महाभारतक लड़ाइमे वीर गति प्राप्त कयलक)। *uttamaujā*—Name of a brave warrior on the side of the Pāṇḍavas in the Mahābhārata war.

उत्तर **उत्तर**—कोनो प्रश्न वा कहल गेल विषयकेँ [illegible] कहल गेल वक्तव्य, जबाब, प्रतिवचन, प्रतिकार, अधर, फल, [illegible] दिशाक ठीक सामने दिशा जाहि दिशि ध्रुवताराक स्थान अछि, [illegible] [सं० उत्+तृ-अप्] तु० क० हि०, बं०, असं० ने० अव०, [illegible]

राज०, उर्दू०, म०, पा०, प्राकृ० प० लह० **उत्तर**; लह० उतल, पं० उत्तल; काश्मीरी वोतुर; उ० उत्तरा । वि० नं० ११४ (जम आगाँ मुह उत्तर उर छाइन), गी० श० १ अम० १५ (उत्तर न पाइ राइ सखि कुँजहि राइ निचर उपनीत); राम० २१ पुछलु उत्तर मौने रहब); बाल० राम० ७ (उत्तर दछिण कहथि विपर्य्यय भय गेल सृष्टि); वि० प० २४ (उत्तर बिहिन गंगा); व्य० विज्ञा० ३४० (उत्तर कुरुवन); मै० हि० सा० २ (प्र० ३-८-१) (उत्तर पश्चिम); अख० ५ (पाहुन जे उत्तर दैत मेलाह)। *uttara*—The North, an answer, reply.

𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩𑒏𑒰𑒝𑓂𑒛 **उत्तरकाण्ड**—रामायणक एक भाग वा काण्ड। [सं०]। वि० नं० ५६ (लङ्काकाण्ड, उत्तरकाण्ड एवं सब) *uttarakāṇḍa*—A part of *Rāmāyaṇa*.

𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩𑒠𑒰𑒞𑒰 **उत्तरदाता**—वि०। ओ व्यक्ति जे उत्तर दिअय, जबाबदेह। [सं० उत्तरदातृ]। तु० क० हि०, बं०, राज०, **उत्तरदाता** मो० २६-२७-२२ (उत्तरदाता किछु गोदानहुक उद्योग, कए पठाबथि)। *uttaradātā*—A man who gives an answer.

𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩𑒠𑒰𑒨𑒱𑒞𑓂𑒫 **उत्तरदायित्व**—भार, जबाबदेही, जिम्मेदारी। [सं०]। तु० क० हि० उत्तरदायित्व। पारो २८ (उत्तरदायित्व क बोध और भावीक प्रति निश्चिन्तता); अमक० १२ (एहन उत्तरदायित्व हीन ओ बुद्धिमान युवकक सब काजमे नीक वा बेजाय)। *uttaradāyitva*—Responsibility.

𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩𑒣𑒏𑓂𑒭 **उत्तरपक्ष**—कोनो वाद-विवाद में वा शास्त्रार्थमे ओ सिद्धान्त जाहिस पहिल पक्ष अर्थात् पहिने कहल गेल निरूपण वा प्रश्नक खण्डन एवं समाधान होइक, दोसर स्त्री वा पत्नी। [सं०]। तु० क० हि०, नं० उत्तरपक्ष। उत्तर पूजा = पश्चात्कला पूजा। द्विरा० १६४ (कोनो उत्तरपक्ष करबाक साहस नहि पड़लैन्ह)। *uttarapakṣa*—Conclusion (in logic).

𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩𑒣𑒞𑓂𑒩 **उत्तरपत्र**—जबाबी कागत परीक्षार्थीक उत्तर पुस्तिका वा चिट्ठी। [सं०]। मो० ६०-१८ (उत्तरपत्र देखामे भेटैत छन्हि)। *uttarapatra*—Reply letter or paper, answerbook.

𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩𑒰 **उत्तरा**—अभिमन्युकेर स्त्री। [सं०] तु० क० हि०, बं०, उत्तरा। (उत्तरा एक पतिव्रता नारी छलीह)। *uttarā*—Wife of Abhimanyu.

𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩𑒰𑒡𑒱𑒏𑒰𑒩 **उत्तराधिकार**—कोनो वस्तुक अधिपति, स्वत्व, सम्पत्ति प्राप्तिक अधिकार। [सं०] तु० क० हि०, बं०, अस०, नै०, राज०, आ० उत्तराधिकार। नव० १३ (विधवा सासुक उत्तराधिकार स्वरूप बीघा चारिएक खेत भेटब निश्चित छलइन्हि)। *uttarādhikāra*—Heirship.

𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩𑒰𑒡𑒱𑒏𑒰𑒩𑒲 **उत्तराधिकारी**—ओ व्यक्ति जकरा ककरो मुइला पर वा हटला पर सम्पत्तिक अधिकार होइक। [सं०]। तु० क० बं०, हि०, राज०। उत्तराधिकारी। नव० ५४ (अपना मातामहक उत्तराधिकारी छलाह)। *uttarādhikārī*—Heir.

𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩𑒰𑒨𑒝 **उत्तरायण**—सूर्यक उत्तर दिशा दिशि गमन करबाक समय, पवित्र समय। [सं० उत्तरायण]। तु० क० हि०, राज०, अव० बं० नै० उत्तरायण। खट्ट० १२ (गर्भमे अपने उत्तरायण भ जैताह)। *uttarāyaṇa*—The progress of the sun to the North of the equator.

𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩𑒰𑒩𑓂𑒠𑓂𑒡 **उत्तरार्द्ध**—पछुलका आधा भाग। [सं०]। तु० क० हि० उत्तरार्द्ध; राज० उत्तरारध। पुरु० १५ (पुरुष लक्षण उत्तरार्द्ध सौं), कथा० ६३ (एहि वचनक उत्तरार्द्धय माननीय छलैन्ह)। *uttarārdha*—The latter half.

𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩𑒱𑒁 **उत्तरिअ**—उतरि (दे०) केर प्रा० अवहट्ठ रू०। कीर्तिलता ४३ (एक ठाम उत्तरिअ ठाम दस मारिअ घाड़ैं)। *uttaria*—*Avahaṭṭha* form of *utari* (q.v.).

𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩𑒲 **उत्तरी**—उतरी (दे०) केर विक० रू०। तु० क० बं०, अस०, **उत्तरी**। [सं० उत्तरीय] राम० १४० (बान्हल खण्ड उत्तरी फार)। *uttarī*—Alt. form of *utarī* (q.v.).

𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩𑒲𑒨 **उत्तरीय**—द्वितीय वस्त्र, दोसर कपड़ा जे पूजा आदिमे कान्हा पर राखल जाइछ। [सं०]। तु० क० बं०, हि०, अस० उत्तरीय। उत्तर राम० ७५। *uttarīya*—Second (upper) garment (worn at the time of worship).

𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩𑒲𑒨𑒣𑒙 **उत्तरीयपट**—पाटक द्वितीय वस्त्र (पट वस्त्र उपरका)। [सं०]। वर्ण० १२ (पटम्बर धोती उत्तरीयपट आदर्श आनि उपनीत कर)। *uttarīyapaṭa*—Second garment of silk (*pāṭa*) (paṭṭavastra).

𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩𑒼 **उत्तरो**—उतरहु (दे०) केर बा० रू०। मि० ११ (अतएव एहि वर्ष उत्तरो दिसमे प्रतिपक्ष नाम)। *uttaro*—Coll. form of *utarahu* (q.v.).

𑒅𑒞𑓂𑒞𑒩𑒼𑒞𑓂𑒞𑒩 **उत्तरोत्तर**—क्रि० वि०। क्रमशः, एककेर बाद दोसर, लगातार, आस्ते आस्ते। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस० नै०, अव०, राज०, मैज० उत्तरोत्तर। मि० मित्र ७१ (दिवाकर उत्तरोत्तर बढ़य लगलाह); रंग० ४५ (परन्तु उत्तरोत्तर कमजोरी बढ़िते गेल) पुरु० १६१ (तत्य उत्तरोत्तर तृष्णा सौं पराभूत चिन्ता कयल)। *uttarottara*—*Adj.* Gradually, progressively.

𑒅𑒞𑓂𑒞𑒰𑒢 **उत्तान**—वि०। पीठक भरे, छाती किछु ऊँच कएल, चित्त, सोझ। [सं०]। तु० क० उतान (दे०); हि०, बं०, अस०, नै०, अव०, राज०, पा० उत्तान, पा० ओअन; प्राकृ० उत्ताण; प० म० उत्ताण। वर्ण० ३० (पौड़क प्रकारक उत्तान); अम० ५७ उत्तान ई उत्सरक नाम); द्विरा १६० (देखियौ त कोना उत्तान भेलि ठाढ़ि अछि)। *uttāna*—*Adj.* Supine.

𑒅𑒞𑓂𑒞𑒰𑒢𑒣𑒰𑒠 **उत्तानपाद**—स्वयंभुव मनुकेर पुत्र तथा भक्त ध्रुवकेर पिताक नाम। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, नै०, अव०, राज० उत्तानपाद। (उत्तानपाद एक पैघ कोटिक विचारवान राजा छलाह)। *uttānapāda*—The name of Dhruva's

father.

𑒅𑒞𑓂𑒞𑒰𑒢𑒰𑒮𑒢 **उत्तानासन**—विभिन्न प्रकारक आसनक एक उत्तान होएबाक आसन। [सं०]। प्रय० २४० (उत्तानासन आदि नाना प्रकारक आसन करैत)। *uttānāsana*—A kind of supine *āsana*.

𑒅𑒞𑓂𑒞𑒰𑒣 **उत्ताप**—गर्मी, ताप, कष्ट, दुख, उष्णता। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अव०, राज० चेत्ताप; उ० उता, अपेता; सिं० ओताउ; सावन भादो १३; जगन्नाथपुरी यात्रा १७। *uttāpa*—Heat, excitement.

𑒅𑒞𑓂𑒞𑒰𑒩𑒟𑒱 **उत्तारथि**—उतारथि केर अशु० रू०। पुरु० १०० (देवगृह उपर सौं उत्तारथि)। *uttārathi*—*Erro* for of *utārathi* (physical exercise).

𑒅𑒞𑓂𑒞𑒰𑒪 **उत्ताल**—वि०। उत्कट, भयानक, श्रेष्ठ, ऊँच, त्वरित। [सं०]। तु० क० बं०। राज० उत्ताल। अकबरनामा ७०; आमक० ६१ (ओकर उत्ताल तरंग माटिक दुर्बल किनारेकेँ कसि कसिक थापड़ लगा रहल छलैक)। *uttāla*—*Adj*. Great, strong, high, elevated.

𑒅𑒞𑓂𑒞𑒱𑒧 **उत्तिम**—उत्तम (दे०) केर का० रू०। वि० ने० ७६ (बोलति बोल उत्तिम पए राख); वि० पदा० म० ७८, रामभद्रपुर पोथी ३११ (उत्तिम वचन जदि बिहुचर आओर की अपराध)। *uttima*—*Poet*. of *uttama* (q.v.).

𑒅𑒞𑓂𑒞𑒲𑒩𑓂𑒝 **उत्तीर्ण**—क्रि वि०। पार भए जाएब, परीक्षामे सफल, मुक्त। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० उत्तीर्ण। राज० उत्तीरण। द्विरा० १६७ (आब जाहिसँ हम उत्तीर्ण होइ से अहींलोकनिक हाथ मे अछि); खट्ट० ४३ (अग्नि परीक्षामे उत्तीर्ण भए चुकलि छथि); पुरु० १११ (समुद्रसौं उत्तीर्ण)। *uttīrṇa*—*Adv*. Having crossed, passed in the examination, overcome.

𑒅𑒞𑓂𑒞𑒲𑒩𑓂𑒝𑒰𑒯 **उत्तीर्णाह**—क्रि०। पार कएलक। प्रा० लु० प्र० [उत्तीर्ण + आह]। वर्ण० ३० (लङ्का उत्तीर्णाह)। *uttīrṇāha*—*V. Obs*. Have crossed.

𑒅𑒞𑓂𑒞𑒳𑒓𑓂𑒑 **उत्तुङ्ग**—वि०। बहुत ऊँच, सबसँ ऊँच। [सं०]। तु० क० बं०, अस०, ने०, अव० उत्तुङ्ग। हि०, रा० उत्तुङ्ग; गु० उत्तङ्ग। वर्ण० ४ (पीन कठिन उत्तुङ्ग वि० पदा० मजु० १८७, न० गु० तालपत्र ७८, (उत्तुङ्ग पीन पयोधर उपर); चयनिका ४३। *uttuṅga*—*Adj*. High, lofty.

𑒅𑒞𑓂𑒞𑒹𑒖𑒏 **उत्तेजक**—वि०। उत्साहित करएवला, उसकाबए वला, प्रेरित करएवला, बढ़ौनिहार। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० उत्तेजक। खट्ट० २० (माछ माँस उत्तेजक पदार्थ होइत अछि)। *uttejaka*—*Adj*. Instigator, stimulator.

𑒅𑒞𑓂𑒞𑒹𑒖𑒢(𑒢𑒰) **उत्तेजन(ना)**—प्रेरणा, प्रोत्साहन, आगू बढ़एबाक क्रिया। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० उत्तेजना। (उत्तेजनामे आविकए हम सभ कार्य कए निकटमे कए लेल। *uttejana(nā)*—Excitement, encouragement.

𑒅𑒞𑓂𑒞𑒹𑒖𑒱𑒞 **उत्तेजित**—वि०। प्रेरित, उत्साहित, पुनः पुनः आवेशित। तु० क० राज० उत्तेजित। प्रय० ४० (अधिक उत्तेजित भ कार्य नहि करथि)। *uttejita*—*Adj*. Encouraged, excited.

𑒅𑒞𑓂𑒟𑒩 **उत्थर**—वि०। अल्प गहींड़। [प्राकृ० ओत्थर > उत्थर]। मि० भा० वि० ४६; गद्य चन्द्रिका ७६; अम० ५७ (ई उत्थर नाम)। *utthara*—*Adj*. Slight deep, superficial, shallow.

𑒅𑒞𑓂𑒟𑒰𑒢 **उत्थान**—उन्नति, आरम्भ, बढ़ती, उठबाक कार्य। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव, राज० उत्थान। मो० ६७—१७ (उत्थान कैने छथि; कन्या २६ (तै ई कथा उत्थान कए देल); शतदल ६०; धातु शब्द ३३। *utthāna*—Improvement, increasing, the act of standing.

𑒅𑒞𑓂𑒟𑒰𑒣𑒢 **उत्थापन**—उपर उठाएब, हिलाएब, उक्ति, उल्लेख। [सं०]। तु० क हि०, अस०, अव०, राज०, ने० उत्थापन। मो० १०३—१० (शङ्काक उत्थापन करैत छथि)। *utthāpana*—The act of proposing or mentioning.

𑒅𑒞𑓂𑒟𑒰𑒣𑒱𑒞 **उत्थापित**—वि०। उल्लेखित, संकेतिक, उपर उठाओल। [सं०]। रामायण शिक्षा १। *utthāpita*—*Adj*. Proposed, what comes to stand up.

𑒅𑒞𑓂𑒟𑒱𑒞(𑒞𑒱) **उत्थित(ति)**—वि०। आधारपरसँ उठल, ठाढ़, उत्पन्न, उद्गत। [सं०]। तु० क० हि० अव० उत्थित। मिथिला तत्व विमर्श पूर्वार्द्ध २२४; पुरु० २०४ (उत्थिति (? अशु० स्त्री० रू०) जेहनि तेहनि सनि रानी)। *utthita*—*Adj*. Risen.

𑒅𑒞𑒣𑒙𑒰𑓀𑒑(𑒓𑓂𑒑) **उतपटांग(ङ्ग)**—वि०। असङ्गत, युक्तिसङ्गत नहि, अनुचित। [सं० उत्पात > उत्पाट + आङ्ग]। तु० क० उटपटांग (हि०) (एना उत्पटाँग किएक उत्तर दए रहल छी)। *utpaṭāṅga (āṅga)*—*Adj*. Improper, topsy turvy.

𑒅𑒞𑓂𑒣𑒞𑓂𑒞𑒱 **उत्पत्ति**—उपजा, जन्म, उत्पन्न, उद्गम, आरम्भ, सृष्टि, शुरू। ? [सं० उत् + पत्—क्तिन्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० राज०, भोज० उत्पति; पा० उप्पत्ति; काश्मीरी दोपथ; सिंहा० उत्पत्ति; लहन्दा उपत; सिं० उपत। वि० पदा० मजु० १; राग० ८६, न० गु० (हर) १ अव० ६११ (नारायन वर कमला कहिए के जान उत्पत्ति तेरी); राम० ६२ (ई उत्पत्ति बाल्मिकीसँ थीक); राम० बालकाण्ड ६ (कारन उत्पत्ति स्थिति नाश माया बाहर माया वास); मि० उदा० १५८—१० (एकर उत्पत्ति कर्त्ता); खट्ट० २ (सांख्य दर्शनक उत्पत्ति भेल अछि)। *utpatti*—Origin, source.

𑒅𑒞𑓂𑒣𑒢𑓂𑒢 **उत्पन्न**—वि०। जनमल, उद्भूत भेल, कमाएल, अर्जन। [सं० उत् + पद्—क्त]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०,

अव०, राज०, भोज० उत्पन्न। श्री कृष्ण जन्म रहस्य २५ (उत्पन्न भेलीह वए चौदिशा वलित प्रताप ओ); राम० ११० (करि उत्पन्न पुत्र पुराहन); मि० ह (एहि पृथ्वीमे उत्पन्न होइताह); मैं० हि० सा० १-३ (सब अनर्थ उत्पन्न भेल); प्रण० २०७ (बहिन भाव किएक नहि उत्पन्न होइत हैव); पारो ९६० (श्रद्धाभक्ति उत्पन्न भए गेल अछि)। *utpanna—Adj.* Created produced, born, gained.

𑒅𑒞𑓂𑒣𑒢𑓂𑒢𑒰 **उत्पन्ना**—उत्पन्न (वि०) केर स्त्री० रू०। पुरु० १०४ (शुद्ध कुल उत्पन्ना पतिव्रता थिकहुँ)। *utpannā—Fem.* form of *utpanna* (q.v.).

𑒅𑒞𑓂𑒣𑒢𑓂𑒢𑒰𑒯 **उत्पन्नाह**—क्रि०। लु० प्र०। उत्पन्न कएलक, जनमल, उद्भूत भेल। प्रा० रू०। [उत्पन्न+आह]। वर्ण० ३० (देशतरि तँ काँह उत्पन्नाह)। *utpannāha—V. Obs.* Was born.

𑒅𑒞𑓂𑒣𑒢𑓂𑒢𑒱 **उत्पन्नि**—उत्पन्न (वि०) केर स्त्री० रू०। राम० ३२६ (सुर्पनखा भेलि उत्पन्नि)। *utpanni—Fem.* form of *utpanna* (q.v.).

𑒅𑒞𑓂𑒣𑒞𑓂𑒨𑒩𑓂𑒟𑒏 **उत्पत्यर्थक**—क्रि० वि०। उत्पत्ति अर्थक वा विषयक, उद्भव अर्थक। [सं०]। मैथिली ६२। *utpatyarthaka Adj.* Relating to origin.

𑒅𑒞𑓂𑒣𑒪 **उत्पल**—नीलकमल, कमल, [सं० उत्+पत-अच्]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अव०, राज०, भोज० उत्पल; पा० उप्पल; प्राकृ० उप्पल। वर्ण० २६ (दशलुत उत्पल पत्र); राम० ११७ (उत्पल कमल कुमुदक धार); अम० ६३ (उत्पल कुवलय); ज्वाला ५। *utpala*—Lotus, blue lotus.

𑒅𑒞𑓂𑒣𑒪𑒱𑒢𑒲 **उत्पलिनी**—कमलिनी, कमलक समूह, पद्मिनी। [सं० उत्पल+इनि+ङीप्]। तु० क० हि०, बं० उत्पलिनी। वर्ण० ४४ (उत्पलिनी भेद नीक)। *utpalinī*—Lotus, a group of lotuses.

𑒅𑒞𑓂𑒣𑒰𑒙𑒢 **उत्पाटन**—क्रि०। उखाड़ब, कोनो वस्तु केँ माटि-सँ कोड़िकेँ बाहर करब, उन्मूलन। [सं० उत्+पट+णिच्+ल्युट्]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० उत्पाटन। (कुशोत्पाटन सालमे एक बेर मिथिलामे होइत अछि)। *utpāṭana—V.* Uprooting.

𑒅𑒞𑓂𑒣𑒰𑒙𑒱𑒞 **उत्पाटित**—वि०। उखाड़ल, उन्मूलित। [सं० उत्+पट+णिच्+क्त]। तु० क० असं०, बं०, ने, उत्पाटित। पुरु० १६४ (मालाकारक बाहुमूलसँ उत्पाटित भए गेल)। *utpaṭita—Adj.* Uprooted.

𑒅𑒞𑓂𑒣𑒰𑒞 **उत्पात**—उपद्रव, कष्ट, आकस्मिक, कष्टदायक घटना, ईश्वरीय, अद्भुत। [सं० उत्+पत—घञ्]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अव० राज० उत्पात; पा० उप्पति; प्राकृ० उप्पाय; गु० उपाड़। मन० कृष्ण० १८ (गोकुल केर उत्पात विचारि); राम० ७६ (नहि कर्तव्य एहन उत्पात); पारो ५६ (हाहुती जकाँ चौधरी कोनो उत्पात कर लागल हैथिन्ह); मि०। *utpāta*—Portent, calamity.

𑒅𑒞𑓂𑒣𑒰𑒞𑒱 **उत्पाति**—उत्पात (वि०) केर का० रू०। राम० १५२ (एक समय उपगत उत्पाति); राम० ३३२ (मेल मेहसौं वर उत्पाति)। *utpāti—Poet.* of *utpāta* (q.v.).

𑒅𑒞𑓂𑒣𑒰𑒞𑒱𑒢𑒲 **उत्पातिनी**—उत्पाती (वि०) केर स्त्री० रू०। सनेस १६। *utpātinī—Fem.* form of *utpātī* (q.v.).

𑒅𑒞𑓂𑒣𑒰𑒞𑒲 **उत्पाती**—वि०। उपद्रव कएनिहार, कष्ट देनिहार। [सं० उत्पात+ई]। राम० १० (मझघाती उत्पाती मित्रजन नासी जे); मो० १७४–२१ (शत्रु परम उत्पाती)। *utpātī—Adj.* Who gives pain or injury.

𑒅𑒞𑓂𑒣𑒰𑒠𑒏 **उत्पादक**—वि०। जन्मदाता, उत्पन्न कएनिहार। [सं० उत्+पद+णिच्–ण्वुल्]। तु० क० हि०, बं०, अव०, राज उत्पादक; पा० उत्पादक। शतदल (विषयानल उत्पादक)। *utpādaka—Adj.* That which produces or gives birth to.

𑒅𑒞𑓂𑒣𑒰𑒠𑒢 **उत्पादन**—उत्पन्न करब, जन्म देब, कोनो वस्तुकेँ अधिक मात्रामे बढ़ाएब। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अव०, राज० उत्पादन। (कोनो वस्तुक उत्पादन देशक परिस्थितिक अनुसार होएबाक चाही)। *utpādana*—The act of begetting, production.

𑒅𑒞𑓂𑒣𑒰𑒠𑒱𑒞 **उत्पादित**—वि०। जनमाओल, उत्पन्न कएल गेल। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अव०, राज० उत्पादित। नि० २५२ (एहिमे क्षत्रियक पुत्र ब्राह्मणक उत्पादित भेलैं)। *utpādita—Adj.* Begotten, generated.

𑒅𑒞𑓂𑒣𑒰𑒠𑓂𑒨 **उत्पाद्य**—वि०। उत्पन्न करबा योग्य, जन्म देबा योग्य। [सं०]। ज्वाला ४७ (सुनि सुनि दामिनी घन उत्पाद्य)। *utpādya—Adj.* To be produced or brought out.

𑒅𑒞𑓂𑒣𑒲𑒜𑓃𑒏 **उत्पीड़क**—वि०। कष्ट दइवला कीड़ा वा अन्य वस्तु, कष्ट देनिहार। [सं०]। तु० क० हि० उत्पीड़क। (उत्पीड़क वस्तुसँ भयभीत रहब उचित)। *utpīḍaka—Adj.* Wicked. Who tortures.

𑒅𑒞𑓂𑒣𑒲𑒜𑓃𑒢 **उत्पीड़न**—उपद्रव, अत्याचार, दुख देब। [सं० उत्+पीड्+ल्युट्]। तु० क० हि०, असं० उत्पीड़न; राज० उत्पीड़ण। (विशेष उत्पीड़नसँ मन अशान्त रहैछ)। *utpīḍana*—Oppression, molestation.

𑒅𑒞𑓂𑒣𑒲𑒜𑓃𑒱𑒞 **उत्पीड़ित**—वि०। सताओल, कष्ट वा उपद्रव कएल गेल। [सं०]। तु० क० असं० उत्पीड़ित। प्रण० १६३ (शोषित उत्पीड़ित श्रमिक वर्ग)। *utpīḍita—Adj.* Who is oppressed, molested.

𑒅𑒞𑓂𑒣𑓂𑒩𑒹𑒏𑓂𑒭𑒝𑒲𑒨 **उत्प्रेक्षणीय**—वि०। उत्प्रेक्षा देबा जोकर, उपमा देबा योग्य। [सं०]। (उत्प्रेक्षणीय वस्तुमे कोमलता एवं

भावुकताक मिठास रहैछ)। *u'prekṣaṇiya--Adj.* What is capable of being expressed by a simile.

𑒅𑒞𑓂𑒣𑓂𑒩𑒹𑒏𑓂𑒭𑒰 **उत्प्रेक्षा**—एक प्रकारक अर्थालङ्कार जाहिमे उपमेय एवं उपमानकेँ समान होएबाक सम्भावना तथा कल्पना रहैत छैक, तुलना, समानता, वितर्क अनुमान। [सं० उत्+प्र+ईक्ष—अ+टाप्]। तु० क० हि०, बं० अस०, ने०, अव०, राज०, भोज० उत्प्रेक्षा। प्रण० २२६ (कवि उत्प्रेक्षा करैत छथि); निबन्ध चन्द्रिका ६८। *u'prekṣā—*A kind of hypothetical metaphor, comparison in general.

𑒅𑒞𑓂𑒏𑒰𑒪 **उत्काल**—क्रि० वि०। उपद्रव करब, उद्धत होयब (दी०), बदमास, तरंगि कुदब। [सं० उत्+फल—घञ्]। (बेशी उत्काल जनु होउ)। *utphāla—Adv.* Jumping.

𑒅𑒞𑓂𑒤𑒳𑒪𑓂𑒪 **उत्फुल्ल**—वि० विकसित, प्रस्फुटित; आनन्दित, फुलाएल, उत्तान, चित्त। [सं० उत्+फुल्ल विकसने—क्त]। तु० क० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, उत्फुल्ल। वर्ण० २६ (वेष्टित उत्फुल्लक); कीचक वध। *utphulla—Adj.* Full blown, cheerful.

𑒅𑒞𑒩𑒰(𑒞𑓂𑒩𑒰)𑒃 **उतरा(त्रा)ई**—उतराई उतरब केर नामरू०। केर अशु० रू०। FML 205। *u'rāi—Erro.* form of *utaraba* (q.v.).

𑒅𑒞𑓂𑒫𑒝𑒹 **उत्वणे**—विश्वेश्वर चम्पू ८। *utvaṇe—* ?

𑒅𑒞𑓂𑒮𑒓𑓂𑒑 **उत्सङ्ग**—उपरका भाग, कोरा। [सं० उत्+सञ्ज—घञ्]। *utsaṅga*—Lap.

𑒅𑒞𑓂𑒮𑒩𑓂𑒑 **उत्सर्ग**—यज्ञ विशेष, दान, समाप्ति, कोनो विशेष फल सिद्धिक उपलक्ष्यमे कोनो देवताक निर्दिष्ट पूजा वा दान, नित्य भोजन काल ब्राह्मणलोकनि जे नैवेद्य दए उत्सर्ग करैत छथि, उत्सर्गा छागर, उत्सर्गा (आमक) गाछ आदि पूजा वा श्राद्ध मे उत्सर्गल गाछ वा वस्तुकेँ सम्बोधित कएल जाइछ। [सं० उत्+सृज्—घञ्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, अव०, उत्सर्ग; राज० उत्सरग। (आई ओ अपन उत्सर्ग करताह)। *utsarga*--Abandoning, oblation, gift.

𑒅𑒞𑓂𑒮𑒩𑓂𑒑𑒱 **उत्सर्गि**—उत्सर्ग (दे०) केर पू० क्रि० रू०। अगिलही ८। *utsargi—Part.* form of *u'sarga* (q.v.).

𑒅𑒞𑓂𑒮𑒩𑓂𑒑𑒱𑒞 **उत्सर्गित**—वि०। दान, त्याग वा यज्ञ विशेष कएल गेल। [सं०]। चारिआना कैन्चा १। *utsargita—Adj.* Gifted, abandoned.

𑒅𑒞𑓂𑒮𑒫 **उत्सव**—वि०। आनन्दमय कार्य, आनन्द, सन्तोष, पर्व तिहार, शुभ कार्य। [सं०]। तु० क० हि०; बं०, अस०, ने०, अव०, राज० उत्सव। वि० पदा० मजु० ५५३ (से गृह नित उत्सव आज); राम० २४ (नव उत्सव मिथिलाधिप धाम); मो० ६७–७ (अत्यन्त उत्सव सौं प्रत्येक वर्ष करबैत छथि); मि० उदा० १५७-२६ (उत्सव मनाओल जाइछ)। *utsava—*Festival, joy, satisfaction.

𑒅𑒞𑓂𑒮𑒰𑒯 **उत्साह**—उमङ्ग, जोश, साहस; प्रोत्साहन इ०। [सं० उत्+सह—घञ्]। तु० क० हि०, बं०, अस० ने०, अव०, राज० उत्साह। राम० ६८ (प्राणी मात्रक नहि उत्साह); मै० हि० सा० १७ (उत्साह कयने जाइ छथि), मि० उदा० १५७-१४ (साहश उत्साह); मो० ६७-४ (उत्साहक सँग); शतदल (भरि दिनक श्रान्त उत्साह हीन; नव० १ (बड़ उत्साह सँचमच्चा खुनबओने छलि)। *utsāha—*Effort, encouragement, happiness.

𑒅𑒞𑓂𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞 **उत्साहित**—वि०। प्रेरित, प्रोत्साहित; आनन्दित। [सं० उत्+सह+णिच्—क्त]। तु० क० बं०, अस०; ने०, उत्साहित; प्राकृ० उच्छाहिय द्विरा० १६७ (सी० सी० मिश्र उत्साहित भय); प्रण० १६४ (अधिक उत्साहित भय देखाबय लगलथिन्ह)। *u'sāhita—Adj.* Encouraged.

𑒅𑒞𑓂𑒮𑒰𑒯𑒱𑒞𑒰 **उत्साहिता**—उत्साहित (दे०) केर स्त्री० रू०। वर्ण० ८ (मनमोहनता प्रकाशिता बतिसौ उत्साहिता)। *u'sāhitā—Fem.* form of *u'sāhita* (q.v,).

𑒅𑒞𑓂𑒮𑒰𑒯𑒲 **उत्साही**—वि०। उत्साह वा आनन्दसँ युक्त उद्योगी। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० राज० उत्साही। राम० २३६ (बद्धाजंलि युवराज उत्साही); मो० ६७–२१ (उत्साही गामक थिकाह); मि० उदा० १५७-४ (उत्साही अनेको व्यक्ति उपस्थित छलाह)। *u'sāhi—*Energetic, joyous, active.

𑒅𑒞𑓂𑒮𑒰𑒯𑒻 **उत्साहै**—उत्साह (दे०) केर इच्छा० रू०। १६१ (उत्साहै मण्डित निज भाव)। *u'sāhai—Opta.* form of *u'sāha* (q.v.).

𑒅𑒟(𑒟𑓂𑒟)𑒩 **उथ(थ्थ)र**—वि०। जकरा पेट मे बात नहि रहैछ, अगम्भीर (व्यक्ति)—उचितसँ अल्प वा कम गहींड़। [सं० उत्थल], उत्थर (दे०)। मि० भा० वि० ७२। (उथर बासनमे दही कम अँटैत छैक)। *uth(thth)ara—Adj.* Shallow.

𑒅𑒟𑒪 𑒣𑒰(𑒣𑒳)𑒟𑒪 **उथल पा(पु)थल**—क्रि० वि०। अस्त-व्यस्त, गड़बड़, उलट-पलट, अव्यवस्था, आनन्दसँ विभोर, चंचल। [प्रा० उत्थल शब्दानुकरण]। तु० क० अधिआएब (दे०), सं० उत्थित-पतित, स्थिर-अस्थिर उत्थान, उत्तान। (की सब आँगनमे उथल-पुथल भ रहल छैक)। *uthala pā(pu)thala—Adv.* Upside down, topsy turvy, overflow with joy, agitated with some (usually pleasant) sentiments, elated condition.

𑒅𑒟𑒪𑒹𑒯𑒱 **उथलेहि**—उछलइ (दे०) केर प्रा० लु० रू०। गो० श्र० १ अमर० ५६ (केहन यमुना उथलेहि नीर)। *uthalehi—*Obs. Form of *uchalai* (q.v.).

𑒅𑒟𑒱 **उथि**—ओत(ए) (दे०) केर प्रा० लु० रू०। उन्हर, ओहिठाम। वि० पदा० मजु० २५, रामभद्रपुर पोथी पद ४८२ (डिब

अच्छ सुधा इति अच्छ हास) । तु० क० पं० **उत्थे इत्थे** । *uthi*—*Old* Obs. of *ota(e)* (q.v.).

𑒅𑒠 **उद**—जन्तु विशेष, जे जलहुमे डूबिकए माछ पकडैछ । [सं० उद्र] । हि० ऊदबिलाव । वर्ण० ४० (घलिबार संहु उद नक्र) । *uda*—A type of wild aquatic cat-like animal.

𑒅𑒠𑒁(𑒁𑒿) **उदअ(अँ)**—**उदय** (दे०) केर का० रू० । राम० १५ (**उदअ** लखत की चन्द); राम० २६ (चान्दक उदअँ कुमुद जनि होए) । *udaa (ā̃)*—*Poet* of *udaya* (q.v.).

𑒅𑒠𑒏 **उदक**—सलिल, पानि, जल । [सं० उन्द+ण्वुल्] । तु० क० हि०, बं०, ने०, राज०, पा० **उदक**; प्राकृ० **उदग ओअय** उअअ । राम० ४७ (उछत उदक धर); अम० ५४; चर्चा० २१/४ । *udaka*—Water.

𑒅𑒠𑒑𑒞𑒱 **उदगति**—**उद्गति** (दे०) केर का० रू० । तु० क० बं० **उदगति** । मृच्छकटिक १२ । *udagati*—*Coll.* of *udgati* (q.v).

𑒅𑒠𑒑𑒧𑒢 **उदगमन**—ऊपर दिशि जाएब, ऊर्ध्वगमन । का० रू० । तु० क० बं०, राज० **उदगमन** । उत्तर राम० १४ । *udagamana*—The act of going upwards.

𑒅𑒠𑒑𑒩 **उदगर**—**उद्गार** (दे०) केर का० रू० । उगिलब । गो० श्र० १ अमर० ३ (वंशि निशारू मधुर विष उदगर गति अति कुटिल सुधीक) । *udagara*—*Poet.* of *udgāra* (q.v.).

𑒅𑒠𑒝𑓂𑒛 **उदण्ड**—वि० । निडर, निर्भय, उजड्ड, जकरा दण्डक भय नहि होइक, भयंकर । [सं० उद्दण्ड] । तु० क० राज० उदंड । सुभद्राहरण ७ (जग उदण्डहि त्रास); राम ४१ (मेरु **उदण्ड** भुजदण्ड तट जतय नहि); राम० २०८ (**उदण्ड** बल भेल आब); चन्द्र० ११९ (तोहर **उदण्डपनै** धर्म कर्म अस्त) । *udanda*—*Adj.* Fearless, imprudently bold, who has no fear of punishment.

𑒅𑒠𑒡𑒱 **उदधि**—समुद्र, सागर । [सं० उद (क)+धा—कि] । तु० क० हि०, बं०, असo, ने०, अव मोज०, राज० **उदधि** । प्राकृ० **उअहि** । राम० ६३ (तें अकालमे **उदधि** सुखाय); राम० १३३ (खसलहुँ उदधि मध्य हम आय); राम० बालकाण्ड ५ (**उपनिषदुदधिक** मन्थन कयल) । *udadhi*—The ocean, the sea.

𑒅𑒠𑒡𑒱𑒏𑒳𑒧𑒰𑒩𑒱 **उदधिकुमारि**—समुद्रक पुत्री, श्री, लक्ष्मी, रम्भा, कामधेनु, मणि, वारुणी, सुरचन । [सं०] । तु० क० **धीकुमारि** (दे०), हि०, राज० **उदधिसुता** । गौरी स्वयम्वर ६ (विधु भगिनी जे **उदधिकु**मारि) । *udadhikumāri*—The daughter of the ocean, Lakṣmī (goddaos of wealth) who was born out of the churning of the ocean in Pauranic lore.

𑒅𑒠𑒡𑒱𑒞𑒢𑒨 **उदधितनय**—समुद्रक पुत्र, चन्द्रमा; अमृत, राहु, धन्वन्तरि, ऐरावत; कमल; कल्पवृक्ष, धनुष, आदि । [सं०] । तु० क० हि०, राज०, **उदधिसुत** । वि० पदा० मजु० १५१, नेपाल १६६, **उदधितनय** सुत सिन्दुरे लोटाएल) । *udadhitanaya*—The son of the ocean, such as the moon; the Airavata elephant, etc. born of the churning of the ocean in Pauranic lore.

𑒅𑒠𑒢𑓂𑒞 **उदन्त**—वृत्तान्त, वार्ता, कथा । [सं० उदन्त] । तु० क० राज० **उदन्त** । वि० ने० २६ (ओतएक तन्त **उदन्त** जानिअ); राग० ६८ (समय कान्त **उदन्त** नहि किछु) । *udanta*—Message.

𑒅𑒠𑒥𑒰𑒯 **उदबाह**—विवाह, प्रणय । [सं०] । तु० क० राज० **उदबाह** । सुभद्राहरण २१५ (**उदबाहक** बन्धन जोड़ि रहै विधिओ वसुदेवक भाग्य चहै) । *udabāha*—Marrige relation.

𑒅𑒠𑒥𑒳𑒠𑒰𑒋𑒥 **उदबुदाएब**—क्रि० । उजगुजाएब, कर्त्तव्य निश्चयक अभाव । [सं० उत+सं० बुध] । मिहि० १६ (२-६१-६४) । *udabudāeba*—*V.* To be elated.

𑒅𑒠𑒦𑒫 **उदभव**—**उद्भव** (दे०) केर का० रू० । राम० १७६ (देह कर्महिसँ **उदभव**); पुरु० १० (जेहिसँ **उदभव** पाप अपार) । *udabhava*—*Poet.* of *udbhava* (q.v.).

𑒅𑒠𑒦𑓂𑒩𑒰𑒢𑓂𑒞 **उदभ्रान्त**—वि० । चकित, भ्रान्तियुक्त, भ्रान्ति वा मृगतृष्णामे पड़ल । [सं० उद्भ्रान्त] । मि० मित्र २५४ (श्री अतिशय **उदभ्रान्त** कनेको श्रीमानक नहि बल अछि) । *udabhrānta*—*Adj.* In confusion.

𑒅𑒠𑒧𑒞 **उदमत**—वि० । बेहोश, होश नहि, मत्त । का० प्र० । [सं० उन्मत्त] । मि० । *udamata*—*Adj.* Intoxicated.

𑒅𑒠𑒧𑒞𑒼 **उदमतो**—उदमत (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० २१४ (आइ बढ़ाए देल कौन **उदमतो**) । *udamatā*—*Poet.* Form of *udamata* (q.v.).

𑒅𑒠𑒧𑒰𑒯𑒪 **उदमाहल**—वि० । उत्सवमे सम्मिलित होएबाक हेतु प्रस्तुत । [सं० उद्वह (ऊपर उठासन) > उद् मह+ल] । *udamāhala*—*Adj.* Eager to join some ceremony or function; agitated with hope and joy at something at hand.

𑒅𑒠𑒨 **उदय**—प्रकट होयब, बहराएब, दर्शन देब, ऊपर उठब, आविर्भाव, जन्म । [सं० उद्+इ—अच] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज०, पा० उदय । वर्ण० ४० (मङ्गलक **उदय** अइसन लोचन); वि० ने० (उदय बान दुहु अइसन स्वभाव); गो० श्र० १ अमर० १३ (तैखन चाँद **उदय** भेल दारुण पसारल किरण दामा); राम० ३६ (उदय अस्त दिनकर द्विज राज); मिहि० उद० १५७-१२ (उदय उभत दूनू समय); मै० हि० सा० ८-१२ (सूर्यक उदय हमकासँ); मो० ६७-६ (जातिक उदयमे सकल); प्रश्न० १२ (आव त उदय भ गेलैक) । *udaya*—Rise, rising, appearance, occurrence, advancement.

ऊदयन **उदयन**—एक गोट राजा वत्सराज; नैयायिक विद्वान उदयनाचार्य। [सं०]। तु० क० बं० **उदयन**। चित्रा २ (विजयी **उदयन**क उन्मादमे); चित्रा० ६५ (जय-जय वाचस्पति जय **उदयन**); मो० ८८-८ (**उदयन** पक्षधरादि अयाची वाचस्पति गोवर्धन गुणवान)। ***udayana***—The name of a legendary king of Vatsa; also the name of a famous logician, of the tenth century whose native place is shown near modern Samastipur.

ऊदय प्रलय **उदय प्रलय**—क्रि० वि०। नीक अधलाह, सुख-दुख, भविष्य, भाग्य। [सं०]। (बङ्गला देशक उदय-प्रलय मुजीबक हाथमे छन्हि)। ***udaya pralaya***—*Adj.* Destiny, prosperity and adversity.

ऊदर **उदर**—पेट, जठर, अभ्यन्तर। [सं० उद्+ऋ-अप]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज०, पा० प्राकृ० **उदर**; प्राकृ० उअर, प्रा० गु० ऊअरि। वर्ण० ५३ (पाताल अइसन **उदर**); वि० वि० १३ (घोर विपत्ति रहि, **उदर** पुरीत कय); पारिजातहरण ३ (चारु **उदर** दर हृदय विशाल); राम० २५३ (नखसँ **उदर** विदार); महेश० ४ (**उदर** भरन काजे); मो० १७४-६१ (मत्स्यक **उदर** सौं व्यासक जन्म होएब इत्यादि); मिहि० उद० १५७-२५ (**उदर** बीणा द्वारा बीणा शरीरो छलाह); खट्ट० १४० (ओ थिक **उदर**क ज्वाला); कन्या० ६० (गंगेजोक **उदर**मे पैठ भेलैन्ह); प्रण० १८६ (**उदर** भरबाक हेतु सिद्ध तण्डुल चाही)। ***udara***—Stomach, belly.

ऊदरकुण्ड **उदरकुण्ड**—पेट रूपी खाधि वा दरी। [सं० उदर+कुण्ड]। तु० क० सं० **उदर-दरी**। प्रण० ८ (**उदरकुण्ड** जठराग्निमे ज्वाला घृतक आहुतिसँ ओर क्रुद्ध भै); खट्ट० ६५ (तेज अछि **उदरकुण्ड**मे)। ***udarakuṇḍa***—Stomach.

ऊदरम्भरि(री) **उदरम्भरि(री)**—वि०। मात्र पेट पोसबामे दत्तचित्त, पेटू, खाधुर, स्वार्थी। [सं० उदर+भृ—खि]। तु० क० हि० **उदरम्भरि**। चन्द्र० १२ (**उदरम्भरि** भरि जन्म कहाओल); महेश० ४ (भेलहुँ **उदरम्भरि**)। ***udarambhari (rī)***—*Adj.* Glutton.

ऊदरी **उदरी**—उदर (दे०) केर का० रू०। वि० ने० २८४ (सिन्धु तनय रिपु-रिपु-रिपु वैरिनि वाहन माझ **उदरी**); (जे जाए वदरी से हुअए ने **उदरी** = बदरिकाश्रम गेला पर पुनर्जन्म नहि होएत)। ***udari***—*Poet.* of ***udara*** (q.v.).

ऊद(ध)वा **उद(ध)वा**—उद्वेग (दे०) केर संक्षि० रू०। बिहाडि, भयंकर आन्दोलन। तु० क० उधवा (दे०) केर वा० रू० चयनिका ३३। ***uda(dha)vā***—Short form of ***udvega*** (q.v.) or coll. of ***udhavā***.

ऊदवेगल **उदवेगल**—उद्वेग (दे०) केर भू० रू०। वि० पदा० मजु० १६०, रागत० ४७, न० गु० १ (जमुनाक तिर उपवन **उदवेगल**)। ***udavegala***—*Past* tense form of ***udavega*** (q.v).

ऊदवेजक **उदवेजक**—उद्वेजक (दे०) केर का० रू०। प्रेरक। वि० ने० ०४ (हरि अभिसार भार **उदवेजक**)। ***udavejaka***—*Poet.* of ***udvejaka*** (q.v.).

ऊदवेजित **उदवेजित**—वि०। उद्वेजित (दे०) केर का० रू०। गोविन्द काव्यालोक। ***udavejita***—*Adj. Poet.* of ***udvejita*** (q.v.).

ऊदसिया **उदसिया**—उदासी (दे०) केर का० रू०। चन्द्र० ४६ (सतत **उदसिआ**)। ***udasiyā***—*Poet.* of ***udāsī*** (q.v.).

ऊदस्त **उदस्त**—विकीर्ण, उद्विग्न, उदासभाव, [सं० उत्+अस्त]। मि० १८३ (**उदस्त** चित्त रहैत छलाह)। ***udasta***—Shattered, sad.

ऊदात्त **उदात्त**—वि०। श्रेष्ठ, पैघ, योग्य, विशद; दाता, उच्चस्वरसँ बाजल गेल एक प्रकारक अर्थालंकार। [सं० उत्+आ+दा—क्त]। तु० क० हि०, बं०, राज०, **उदात्त**। मिहि० उद० १५६-१६ (**उदात्त** तथा केतक कम्पनक तरंग); कन्या० १३६ (**उदात्त** स्वरें पुछलथिन्ह); अम० ३६ (**उदात्त** अनुदात्त स्वरित); गद्य कुसुम माला ५६। ***udātta***—*Adj.* The acuatance able, great, a figure of speech.

ऊदान **उदान**—कण्ठस्थ वायु, शरीरक पाँच वायुमेसँ एक वायु। [सं० उत+अन—घञ्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० **उदान**। अमर० १५ (प्राण, अपान, समान, **उदान** व्यान)। ***udāna***—One of the five vital winds in the body.

ऊदाप **उदाप**—उत्ताप (दे०) कर प्रा० का० रू०। वि० पदा० मजु० ५५८ (विरह **उदाप** दाप मन झाँझर करय चाह जिव अन्ते)। ***udāpa***—*Old poet.* of ***uttāpa*** (q.v.).

ऊदाम **उदाम**—वि०। स्वतन्त्र, बेपर्द, अव्यवस्थित, बन्धनरहित, उत्तेजित, अनटबन्ट। [सं० उद्दाम उद्+दामक]। तु० क० हि०, बं०, उदाम; प्राकृ० उद्दाम; उ० उदुवाँ; म० उदाओ; सि० उदम; गु० **उदाम**। रज्ञ १७६ (आब बादशाहक घरे **उदाम** भ गेल;) गोवृलि ८। ***udāma***—*Adj.* Open, uncovered; selfwilled, restless.

ऊदार **उदार**—वि०। दाता, महात्मा, उत्कृष्ट, सबल, श्रेष्ठ, विशाल। [सं० उत्+आ+रा—क्त]। तु० क० हि०, बं, अस०, ने०, अव०, भोज०, राज०, पा० प्राकृ० **उदार**; प्राकृ० उआर; उअर; उ० उआरा; पा० उलाट; अस० उडाल। राग० १६ (कहु-कहु प्रियतम परम **उदार**); वि० पदा० मजु० ३६; राग त० ५५, न० गु० ११६, अ० १२५ (लखिम, देवी **उदार**); नन्द कुमार ४ (पुरुष पुरातन परम **उदार**); महेश० २६ (मोर गति पशुपति नन्द **उदार**); मि० उदा० १५७ (श्री मिथिलेश्वर **उदार** परम ... २८। ***udāra***—*Adj.* Noble, generous, great

𑒅𑒠𑒰𑒩𑒔𑒩𑒱𑒞 उदारचरित—वि० । उदार चरित्तवला, विशाल हृदय जकर होइक, संवहक नीक कएनिहार, शीलवान । [सं० उदार + सं० चरित्र > चरित] । मि० २८४ (ई बालक बड़े उचार-चरित लोकप्रिय होयताह) । *udāracarita—Adj.* Generous.

𑒅𑒠𑒰𑒩𑒔𑒹𑒞𑒰 उदारचेता—वि० । जकर मन वा चित्त उदार हो, विश्वक कल्याण चाहनिहार । [सं० उदार चेतस्] । तु० क० हि०, राज०, बं०, उदारचेता । मिहिर ३८-१२-८ (हमरा सन-सन उदार-चेतालोकनिक लेखें) । *udāracetā—Adj.* Generous hearted.

𑒅𑒠𑒰𑒩𑒞𑒧 उदारतम—क्रि० वि० । अत्यन्त विशेष उदार, महान दाता वा हृदयवला । [सं०] । मो० २४ (उदारतम बनल छथि) । *udāratama—Adv.* Extremely generous.

𑒅𑒠𑒰𑒩𑒞𑒰 उदारता—महानता, दानशीलता, सुशीलता, भद्रता, विशालता, उच्च विचार । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, राज०, उदारता । राम० ६७ (उदारता गुणातीत दूर पकविली); मि० ३८६ (हिनक उदारताक अभूतपूर्व धारणा); मि० उद० १५७-४ (उदारताक परिचय देलन्हि); प्रया० १७३ (एतबा उदारता आइ अवश्य देखमौलन्हि) । *udāratā*—Generosity. nobility.

𑒅𑒠𑒰𑒩𑒣𑒢(𑒢𑒰) उदारपन(ना)—उदार (दे०) केर भाव वा० रू० । महेश० १३ (लागू न देवी उदारपना) । *udārapana(nā)—Abst.* form of *udāra* (q.v.).

𑒅𑒠𑒰𑒩𑒱 उदारि—उदार (दे०) केर स्त्री रू० । व्य० विज्ञान ४१४ (सौदार्च्या उदारि) । *udāri—Fem.* form of *udāra* (p.v.).

𑒅𑒠𑒰𑒮 उदास—वि० । विरक्ति, खिन्न, दुखी, तटस्थ, तौलमे कमी [सं० उत् + आस-थम्] । तु० क० हि०, बं०, असं०, नै०, मो०, अव०, राज० उदास । वि० पदा० मजु० १७३; नैव० गु० ८२८ (मि० पद) अ० ८३८ (करितहुँ मन न उदास); वि० वि० (दूर जायत तहा मनक उदास); महेश० ३४ (उदास होए विश्वासे), राम० ५० (अहाँ बिनु जनिकी भवन उदास); मि० उदा० १५७-५ (एहि मनोदुखे उदास भै कुन्ती); प्रया० १०८ (उदास भए लोक सभके बजाकए कहल-थिन्ह); नव० ११ (पण्डित के उदास देखि पण्डिताइन खोधि-खोधि पुछलथिन्ह) । *udāsa*—Sad, indifferent, underweight.

𑒅𑒠𑒰𑒮𑒱 उदासि—उदास (दे०) केर स्त्री० रू० । मि० उद० १५८-२१ (उदासि रहू जनि चित्त विचारि) । *udāsi—Fem.* of *udāsa* (q v.).

𑒅𑒠𑒰𑒮𑒱𑒢 उदासिन—उदासीन (दे०) केर वा० रू० । वि० पदा० मजु० ३२४; तालपत्र न० गु० ५२७ (तोहे जओं परे हीत उदासिन जूग पलटि न गेल) । *udāsina—Coll.* of *udāsīna* (q.v.).

𑒅𑒠𑒰𑒮𑒲 उदासी—वि० । विरक्ति, दुख, खिन्नता, उदासीन सम्प्रदाय वला साधू, एक प्रकारक उदास भावयुक्त (वैराग्यमय) मिथिला भाषाक गीतविशेष । वरक प्रथम यात्रामे विदा होएबाक कालक गीत । [सं० उदास + ई] । तु० क० कन्याक समदाउनि (दे०) हि०, बं०, राज०, ने० उदासी, सन्यासी । वि० ने० २३० (भए जनु जाह उदासी); वि० पदा० मजु० ३८८ (तै भउ परम उदसी); राम० १० धर्मकें उदसी); नव० ४६ (प्रखर प्रकाशक हेतुएँ से ओ उदासी लोकके आओर नग्न लगइक); सनेस २० । *udāsī*—Indifference, listless, sad, belonging to the class of udāsī monks; name of a kind of vairagi, unworldly folk songs, also song sung when (after the marriage) a mood of sadness overtakes the people in wife's home at the time of the departure of the bridegroom.

𑒅𑒠𑒰𑒮𑒲𑒢 उदासीन—वि० । तटस्थ, उदास, दुखी, कोनो वस्तुसँ विरक्ति, संसारक कोनो वस्तुक इच्छा नहि कएनिहार । [सं० उद् + आसीन] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज०, उदासीन । वि० पदा० मजु० १५ (निठुर समाज पुछार उदासीन); राम० ७८ (उदासीन जन एक दिन सभ जयता); पुरु० १६४ (पुरुष कां उदसीन मन नहि कर्त्तव्य); मो० ६७-२१ (उदासीनतो प्रग-टित कैलन्हि); आमक० ६६ उदासीन नहि रहि सकलहुँ) । *udāsīna—Adj.* Sad, neutral, indifferent to the world or its happiness. A class of monks.

𑒅𑒠𑒰𑒮𑒲𑒢𑒞𑒰 उदासीनता—त्याग, तटस्थता, तिरस्कृता, उदासी, खिन्नता । [उदासीन + भता] । तु० क० हि०, बं०, राज०, ने० उदासीनता । मि० उदा० १५७-७ (खगेशक संचलनकें उदासीनता सँ देखि); प्रया० २७ (एहि उदासीनता सँ लाभ नहि उठौलहुँ त किछु नहि) । *udāsīnatā*—Sadness, neutrality.

𑒅𑒠𑒰𑒮𑒹 उदासे—उदास (दे०] केर का० रू० । वि० पदा० मजु० १५ (तँह नहि बौलय उदासे); लोक राग ५० (करइ न हे निज मन उदासे) । *udāse—Poet.* of *udāsa* (q v.).

𑒅𑒠𑒰𑒯𑒩𑒝 उदाहरण—दृष्टान्त, जेना, यथा कोनो विषयक अर्थ वा प्रमाणक स्पष्ट वा उल्लेख करबाक हेतु कहल गेल, निदर्शन । [सं० उत् + आ + हृ—ल्युट्] । तु० क० हि०, बं०, अस० ने०, अव०, राज० उदाहरण पुरु० २२४ (दुइक उदाहरण कथा); दिरा० १ (समस्त उदाहरण साकार कय मे भेटि जइतैन्ह); मो० ६८-५, (जकर उदाहरण उन्नतिशील देशके देखैबाक), मै० हि० सा० (१८-१२) ५ (तकर एक उदाहरण अपनेलोकनिकें सुनाओल), मि० उद० १५७-१२ (उदाहरण अछि नीचे); नव० २३ (बेर-बेर अपने जीवनकें उदाहरण स्वरूप सोझाँमे राखथि आ विचारथि) । *udāharaṇa*—Example, declaration.

𑒅𑒠𑒰𑒯𑒩𑒝𑒲𑒨 उदाहरणीय—वि० । दृष्टान्त वा प्रमाण देवा योग्य । [सं०] । मि० ४०८ (कर्मक पारदर्शक भेलें समादरणीय

ओ उदाहरणीय एखनहुँ कहल जाइछ)। *udāharaṇīya—Adj.* Exemplary, fit to be illustrated.

𑒅𑒠𑒱𑒞 **उदित**—वि०। जकर उदय भेल छैक, उगल, प्रकट, बहराएल। [सं० उत्+इण+क्त]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज०, प० उदित। प्राकृ० उइअ; पा० उदेति; प्रा० अव० उअइ। वर्ण० ३४ (नक्षत्र उदित भइ गउ); वि० पदा० मजु० ३२ न० गु० (नाना) ८१, अ० १००६ (उदित ससि कला); राग० ११७ (उदित भेल जनि); राम० १७ (शुभ कर्क उदित हित); कन्या० १५७ (हृत्पट् पर उदित ओ विलीन होमय लागल); प्रय० २०७ (तीन प्रकारक भाव स्त्री के देखिकए उदित होइत छैक); चित्रा १७ (होमऽ लागल यौवन उदित)। *udita-Adj.* Coming to view, having arisen.

𑒅𑒠𑒱𑒞𑓂𑒫𑒩 **उदित्वर**—उद्गत, उदयशील। [सं० उत्+ईण—क्विप्]। एकावली परिणय १२२। *uditvara*—Rising.

𑒅𑒠𑒱𑒭𑓂𑒙 **उदिष्ट**—वि०। सं० उद्दिष्टक मै० रूप। ककरो। उद्देश्य कए (ध्यान मंत्रिकए) पूजा, प्रतिमा वा बिना लिङ्गकेँ पूजा [सं० उद्दिश्+क्त] तु० क० उदिष्ट श्राद्ध करब, उदिष्ट जेना छाता, खाट आदि दान बिछु द्रव्य लय करा देल जाए। *udiṣṭa—Adj.* (Worship) when the idol of a god is only mentally aimed at and not actually present.

𑒅𑒠𑒲𑒔𑒲𑒢 **उदीचीन**—उत्तर दिशा। [सं० उदच्+यत]। अम० १७ (अर्वाचीन उदीचीन प्रतीचीन)। *udīcīna*—Northern.

𑒅𑒠𑒲𑒣(𑒣𑓂𑒞) **उदीप (प्त)**—वि०। खूब प्रज्वलित। [सं० उद्दीप्त]। राम० उत्तरकाण्ड ५७; नारद विवाह ८। *udīpa(pta)—Adj.* Brightly enkindled or fully lighted.

𑒅𑒠𑒳𑒧𑓂𑒥𑒩 **उदुम्बर**—गुल्लरिक वा डुमरिक गाछ, फूल। [सं०]। तु० क० उदुम्बर, उडुम्बर [सं०]; हि०, राज० उदुम्बर, गूलर प्राकृ० उम्बर। वर्ण० ४१ (दुर्व्वा उदुम्बर अस्वत्थ); अम० ८१ (उदुम्बर जन्तुफल)। *udumbara*—A kind of tree or its fruit (known in Mithila as Gulari or Dumari).

𑒅𑒠𑒹𑒬 **उदेश**—उद्देश्य (दे०) केर का० रू०। दिशि; दिशा ध्यान कए ताकब, जानब। राम० १७१ (सभ चललहुँ सीताक उदेश); मो० ८२-१६ (जे महि कहता उगना उदेश ताहि देव कर कङ्ना बेश); सनेस ६। *udeśa—Poet.* of *uddeśya* (q.v.).

𑒅𑒠𑒹𑒮𑒹 **उदेसे**—उदेश (दे०) केर का० रू०। गोरक्ष विजय २ (ख) (गुरुक उदेसे गोरखनाथ आव); वि० ने० १६३ (जाहेरि उदेसे अभिसार); वि० पदा० मजु० ५१४ (गौरी विकल मन करथि उदेसे)। *udese—Poet.* of *udeśa* (q.v.).

𑒅𑒠𑒻 **उदै**—उदय (दे०) केर वा० रू०। ने० शब्दकोष ४१। *udai—Coll.* of *udaya* (q.v.).

𑒅𑒠𑒽𑒑 **उदौग**—उद्योग (दे०) केर वा० रू०। FML 79. *udauga—Coll.* of *udyoga* (q.v.).

𑒅𑒠𑒼𑒞𑒲 **उदोती**—वि०। प्रकाश कएनिहार। [सं० उद्योत> उदोत+ई]। म० वि० ६३ (प्राण प्रिया मुख सौरभमे रसना अधरामृत सँग उदोती)। *udotī—Adj.* Who emits light.

𑒅𑒠𑓂𑒑𑒞 **उद्गत**—वि०। पसरल, बहराएल, उत्पन्न, व्याप्त। [सं० उत्+गत]। तु० क० हि० बं०, अस०, ने० राज० उद्गत। अम० २६१ (उद्वान्त उद्गत)। *udgata—Adj.* Sprung, risen.

𑒅𑒠𑓂𑒑𑒧 **उद्गम**—उत्पत्तिक स्थान, उदय, प्रादुर्भाव, ओ स्थान जतएसँ कोनो नदी बहराइछ। [सं० उत्+गम]। तु० क० हि०, बं०, ने०, राज०, अव० उद्गम; पा० उग्गम; प्राकृ० उग्गम गु० उगम; प्रा० म० उगव। वर्ण० १५ (नक्षत्र उद्गम); आमक० ६० (सत्य जे हमर भाव धाराक उद्गम छल)। *udgama*—Origin, rising.

𑒅𑒠𑓂𑒑𑒧𑒢 **उद्गमन**—उदय होएबाक कार्य, प्रादुर्भाव, वा अएबाक कार्य। [सं० उत्+गमन]। (नदीक उद्गमन पैघ पहाड़ परसँ प्रारम्भ होइछ)। *udgamana*—The act of rising or coming forth.

𑒅𑒠𑓂𑒑𑒩 **उद्गर**—उद्गार (दे०) केर का० रू०। बतहल ३२। *udgara—Poet.* of *udgāra* (q.v.).

𑒅𑒠𑓂𑒑𑒰𑒩 **उद्गार**—प्रकट कएल गेल मनक भाव, आधिक्य, उच्चारण, वाढ़ि, वमन। [सं० उत्+गृ—घञ्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० उद्गार; पा० उग्गार; प्राकृ० उग्गार गु० उगार; सि० उगुरु; अस० उगार; उ० उगार। मि० १११ (हार्दिक दुखक उद्गार निरन्तर); द्विरा० ५६ (हुनक भावुक उद्गारसँ एक कापी भरि गेलैन्ह); प्रय० २२ (अपन उद्गार प्रकट करय लगलाह); मो० १०६-११ (उद्गारमे स्वप्न देख गेल छल)। *udgāra*—Vomit, belching, speaking out from the inner self.

𑒅𑒠𑓂𑒑𑒲𑒟 **उद्गीथ**—सामवेदक अंशविशेष, सामगान। [सं० उत्+गै—थक्]। वर्ण० ४३ (उद्गीथ निगर इतहि)। *udgītha*—A part of the *sāmaveda*.

𑒅𑒠𑓂𑒑𑓂𑒩𑒲𑒫 **उद्ग्रीव**—वि०। उत्सुक, जे गरदनि उपर उठओने हो। [सं०]। तु० क० हि० उद्ग्रीव। नक्षत्र ७१। तु० क० ह्य ग्रीव। *udgrīva—Adj.* Desirous, one whose neck is high.

𑒅𑒠𑓂𑒒𑒙𑒹𑒏 **उद्घटक**—एक प्रकारक कोमल [illegible] [सं० उत्+सं० घट् चेष्टायां+सं० क]। [illegible] उद्घटक पीड़ितक चारि प्रकारक कोमल [illegible] *udghaṭaka*—Name of a type of heroine.

𑒅𑒠𑓂𑒒𑒰𑒙𑒢 उद्घाटन--प्रकाशित करब, उघाड़ब, प्रारम्भ करब, खोलब। [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० राज० भोज० **उद्घाटन**। मि० उद० १५-७ (**उद्घाटन** कए उद्धारताक परिचय देलि); (आइ स्कूलक **उद्घाटन** होएत) । ***udghāṭana***—Opening, the act of inauguration.

𑒅𑒠𑓂𑒒𑒰𑒙𑒯 उद्घाटह--उद्घाटन (दे०) केर आज्ञा० रू० । गो० श्व० २, अमर० ४२ (उच्च कुल पाथर सरस परस दय उद्घाटह दिठिवान) । ***udghāṭaha***—*Imp*. form from ***udghāṭana*** (q.v.).

𑒅𑒠𑓂𑒒𑒰𑒙𑒱𑒞 उद्घाटित—वि० । प्रकाशित कएल गेल, उद्घाटन वा प्रारम्भ कएल गेल । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अव० राज० **उद्घाटित**। पुरु० ३२६ (**उद्घाटित** मापन) । ***udghāṭita***—*Adj.* Opened, inaugurated.

𑒅𑒠𑓂𑒒𑒼𑒭 उद्घोष--कोनो बातकेँ उच्च स्वरेँ कहबाक क्रिया । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज०, उद्घोष; प्राकृ० उग्घोस । मि० १६७ (रूपान्तरक **उद्घोष** कोँ अनुचित मानि) । ***udghoṣa***—The act of speaking aloud.

𑒅𑒠𑓂𑒒𑒼𑒭𑒱𑒞 उद्घोषित--वि० । उच्च स्वरेँ कहल गेल (बात), तीव्र आवाजसँ कहल गेल । [सं०] । तु० क० प्राकृ० **उग्घोषित**। मि० १७३ (द्वितीय दिन **उद्घोषित** युद्ध समयमे) । ***udghoṣita***—*Adj.* Spoken loudly, announced loudly.

𑒅𑒠𑓂𑒠 उद्द--जलजन्तु विशेष एकर आकार बिज्जी जकाँ होइछ, परन्तु ई ओहिसँ पैघ शरीरक होइछ आ जलमे रहैछ । [सं० उद्द] । तु० क० हि० उदबिलाव । मिहिर २२ (२-६-८२) (आब उद्द जकाँ तकै छी की ?); प्रया० १७१ (आब उद्द जकाँ तकै छी की ?) । ***udda***—A water animal.

𑒅𑒠𑓂𑒠𑒝𑓂𑒛 उद्दण्ड—वि० । उच्छृंखल । [सं०] । तु० क० ने० **उद्दण्ड** । (आब ई छौंड़ा **उद्दण्ड** भए जाएत) । ***uddaṇḍa***—*Adj.* Rebellious, impudent.

𑒅𑒠𑓂𑒠𑒧𑒲𑒢 उद्दमीन--उद्दक सदृश माछ । [सं०] । रावणवध ५६ । ***uddamīna***—A fish-like aquatic animal (***udda***).

𑒅𑒠𑓂𑒠𑒰𑒧 उद्दाम--वि० । स्वतन्त्र, बन्धनहीन, गम्भीर, तीव्र, महान । [सं०] । तु० क० हि० **उद्दाम**। द्विरा० २१६ (अधिकांश पुरुषक **उद्दाम** मान बुझै छी); प्रया० २०१ (**उद्दाम** वासनाक स्वाभाविक प्रवाह) । ***uddāma***—*Adj.* Free, great, independent.

𑒅𑒠𑓂𑒠𑒱𑒭𑓂𑒙(𑒭𑓂𑒙𑒱) उद्दिष्ट(ष्टि)—वि० । अभिप्रेत, लक्ष्य, लक्षित, देखाओल । [सं०] । तु० क० उदिष्ट (दे०), हि० उदिष्ट । वर्ण० २८ (यथावकाश **उद्दिष्टि** भउअह) । ***uddiṣṭa(ṣṭi)***—*Adj.* Mentioned, particularised.

𑒅𑒠𑓂𑒠𑒲𑒣𑒏 उद्दीपक- वि० । उत्तेजित वा प्रोत्साहित कएनिहार । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, **उद्दीपक** । कोवर गीत ५ । ***uddīpaka***—*Adj.* Who inspires.

𑒅𑒠𑓂𑒠𑒲𑒣𑒢 उद्दीपन—उत्तेजना, जागृति काव्यमे ओ वस्तु जे रति आदि भाव उत्पन्न करएवला होइछ । [सं०] [उद्+दीप+णिच्-ल्युट्] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० **उद्दीपन**; सं० उद्दीपन विभाव (जेना वसन्त; चन्द्रमा), प्रया० ६ (ताहि पर **उद्दीपन** सामग्री); प्रया० २०१ (स्वाभाविक **उद्दीपन** पाबि जेना जागरित भ उठैत छैक) । ***uddīpana***—Exciting, inaflming.

𑒅𑒠𑓂𑒠𑒲𑒣𑒱𑒞 उद्दीपित—वि० । उत्तेजित कएल गेल, प्रेरित कएल गेल । [सं०] । अर्चना १६ । ***uddīpita***—*Adj.* Inflamed, inspired.

𑒅𑒠𑓂𑒠𑒲𑒣𑓂𑒞 उद्दीप्त—वि० । प्रकाशित, उत्तेजित, प्रकट । [सं०] द्विरा० ८६ (हुनक भावुकता **उद्दीप्त** भ उठलैन्ह) । ***uddīpta***—*Adj.* Excited, inflamed.

𑒅𑒠𑓂𑒠𑒹𑒬 उद्देश--उद्देश्य (दे०) केर का० रू० । तु० क० उदेश (स) (दे०); हि० **उद्देश** । राम० ३५४ (हिंसा दंभादिक **उद्देश**); पुरु० ५८ (**उद्देश** कय चलली) । ***uddeśa***—*Poet.* of ***uddeśya*** (q.v.).

𑒅𑒠𑓂𑒠𑒹𑒬𑓂𑒨 उद्देश्य—लक्ष्य; इष्ट, अभिप्राय, ओ वस्तु जाहिपर ध्यान राखि किछु कहल जाए । [सं० उत्+दिश्-ण्यत्] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० **उद्देश्य** । राम० १२३ (पञ्चवटी **उद्देश्य** कय); मो० १७-२० (अनेक महत्त्व **उद्देश्य** छन्हि); द्विरा० ३७ (पितसि जाहि **उद्देश्यसँ** आइलि छलीह); प्रया० १४६ (आत्महत्याक **उद्देश्यसँ** दुइ विद्यार्थी ओही ठाम यात्रा क देलन्हि) । ***uddeśya***—Goal, aim.

𑒅𑒠𑓂𑒠𑒹𑒬𑓂𑒨𑒖𑓂𑒘𑒰𑒢 उद्देश्यज्ञान—वि० । लक्ष्य वा इष्टक ज्ञान; समुचित स्थानक ज्ञान । [सं०] । मै० वि० सा० (३-४) (**उद्देश्यज्ञानक** विना कर्म निष्फल भय जाय सम्भव थीक) । ***uddeśyajñāna***—*Adj.* Knowledge of the goal or aim.

𑒅𑒠𑓂𑒡𑒞 उद्धत—वि० । उग्र, प्रचण्ड, उत्कट, दुष्ट । [सं० उद्+हत] । तु० क० हि०, बं०, राज० ने० उद्धत । वि० पदा० १३ (मारल जइ उद्धत कै) । ***uddhata***—*Adj.* Rude, impudent.

𑒅𑒠𑓂𑒡𑒢𑒼𑒢𑓂𑒢𑒞 उद्धनोन्नत—वि० । खूब धनिक आ खूब उन्नत । [सं०] । मिहि० २८-७-११ (जे **उद्धनोन्नत** व्रती तकरा लगाउ) । ***uddhanonnata***—*Adj.* Very rich and prosperous.

𑒅𑒠𑓂𑒡𑒩𑒃𑒞𑒹 उद्धरइते—उद्धार (दे०) केर प्रा० लु० क्रि० रू० । वर्ण० ५३ (शान्त **उद्धरइते**) । ***udharaite***—*V.* obs. form of ***udhāra*** (q.v.).

𑒅𑒠𑓂𑒡𑒩𑒫𑒾 उद्धरवौ—उद्धार (दे०) केर अवहट्ट क्रि० रू० ।

कीर्त्तिलता ६१ अञ्जु बैरि **उद्धरओ** सन्तु जइ सङ्ग आवइ)। *uddharaño—V. Avahaṭṭha* form of *uddhāra* (q.v.).

𑒅𑒠𑓂𑒡𑒩𑒞𑒰 **उद्धरता**—उद्धार करताह। उद्धार (दे०) केर का० रू०। महेश० १८ (शिव मोर **उद्धरता**)। *uddharatā—Poet.* of *uddhāra* (q.v.).

𑒅𑒠𑓂𑒡𑒩𑒱(𑒁) **उद्धरि(अ)**—उद्धार (दे०) केर प्रा० लु० रू०। वर्ण० ३ (पङ्क **उद्धरि** आनल); कीर्तिलता ८। *uddhari(a) Old* Obs form of *uddhāra* (q.v.).

𑒅𑒠𑓂𑒡𑒩𑒱𑒅𑒿¹ **उद्धरिउँ¹**—उद्धार (दे०) केर अवहट्ठ इच्छा० रू०। कीर्त्तिलता ६ (पुरिस भगीरथ हुअहँ जेन निअ कुल **उद्धरिउँ**)। *uddhariũ--Avahaṭṭha* Opta. form of *uddhāra* (q.v.).

𑒅𑒠𑓂𑒡𑒩𑒱(𑒅𑒿)² **उद्धरि(उँ)²**-उखाड़ि अथवा उद्धार (दे०) केर अवहट्ठ रू०। कीर्तिलता १० (पितृबैरि **उँद्धरि**); कीर्तिलता १२ (किमि उँप्पन्नउँ वैरिपन किमि **उँद्धरिउँ** तेण)। *uddhari(ũ)-Avahaṭṭha* form of *ukhāri* or *uddhāra* (q.v.).

𑒅𑒠𑓂𑒡𑒩𑓂𑒭 **उद्धर्ष**--वि०। तेज, उमङ्ग, जोश, प्रोत्साहन, ज्वाला; उत्सव। [सं उत+हर्ष]। राम० २९३ (व्रज कल्प **उद्धर्ष** धधक)। *uddharṣa—Adj.* Inflamed, inspired, festivity.

𑒅𑒠𑓂𑒡𑒫 **उद्धव**—उत्सव, कृष्णक मित्र, यज्ञक अग्नि। [सं० उत+हु—अप्]। महेश० ७२ (चन्द्र चूड़ अन्त समय **उद्धव** बधाव); अम० ८ (**उद्धव** अनुज); धातु पाठ ४७। *uddhava*—Fesitval, sacrificial fire, name of Kṛṣṇa's friend.

𑒅𑒠𑓂𑒡𑒰𑒩 **उद्धार**-पार लगाएब, मुक्ति, त्राण, छुटकारा, उन्नति। [सं० उत्+हृ—घञ्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, भोज०, राज० उद्धार। राम० २६ (करू **उद्धार** देव रघुनाथ); चन्द्र० ६५ (भगत देखि आशु **उद्धारक**); मि० ८ (आचार्यक वाणीक **उद्धारसँ**); मो० १७१ (विद्वज्जन समितिकेँ **उद्धार** करत); मि० उद० १५७-१६ (संस्कृतक बड़का **उद्धार** होयत); पुरा० २२० (पर विपत्ति **उद्धार** कर्त्ता सज्जन केवल होथि); द्विरा० ११ (स्त्रीकेँ **उद्धार** नहि); मण० ५६ (एहि घरक **उद्धार** नहि भए सकैत अछि); नव० ८४ (तखन विस्सेसरीक **उद्धार** कोना हेतइक)। *uddhāra*—Deliverance, salvation.

𑒅𑒠𑓂𑒡𑒵𑒞 **उद्धृत**—वि०। गृहीत, उत्तोलित, उद्धरणक रूपमे लेल गेल, अवतरित, कोनो रचना सँ यथावत लेल गेल। [सं० उत्+धृत]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० उद्धृत। आमक० ७९ (आहाँ लोकनिक हेतु **उद्धृत** कय दैत छी)। *uddhṛta--Adj.* Raised, adapted.

𑒅𑒠𑓂𑒥𑒼𑒡 **उद्बोध**—उद्दीपन, थोड़ ज्ञान, किंचित बुद्धि। [सं०]। तु० क० हि० उद्बोध। हिनका त किछु **उद्बोध** छैन्हे नहि)। *udbodha*—Little knowledge, Rousing up.

𑒅𑒠𑓂𑒥𑒼𑒡𑒏 **उद्बोधक**--वि०। बोध वा ज्ञान करओनिहार, प्रकाशित वा प्रेरित करओनिहार। [सं०]। तु० क० हि० उद्बोधक। वैदेही १६-११२ (पण्डितजी लौकतान्त्रिक परम्पराक महान **उद्बोधक** छलाह)। *udbodhaka—Adj.* Inspirer, giver of knowledge.

𑒅𑒠𑓂𑒥𑒼𑒡𑒢 **उद्बोधन**—चेतना वा होश, कोनो वस्तुक ज्ञान कराएब। [सं०]। तु० क० हि०, अस० उद्बोधन। मि० १० (**उद्बोधन** उक्त कविक जीवन घटनासँ सम्बन्ध स्थानमे भै सकैछ); मो० ६७-४ (वायुक **उद्बोधन** हेतु)। *udbodhana*-Awakening, reminding.

𑒅𑒠𑓂𑒥𑒼𑒡𑒱𑒞 **उद्बोधित**—वि०। ज्ञान कराओल गेल, प्रेरित वा होश कराओल गेल। [सं०] तु० क० हि० उद्बोधित। मेरुप्रभा ७। *udbadhita--Adj.* Who has been given or obtained knowledge or reminded, addresesd.

𑒅𑒠𑓂𑒦𑒙 **उद्भट**—वि०। नीक जननिहार, महान, श्रेष्ठ, पैघ, प्रचण्ड, उच्च। [सं० उत+भट—अप्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० उद्भट। मिहि० ३५-२ (**उद्भट** विद्वान मेनहुँ मिथिला भाषामे अपना राधाकृष्ण विषयक, महेशवानी, आदि कोमल कान्त पदावली लिखी)। *udbhaṭa—Adj.* Great, excellent, highly educated.

𑒅𑒠𑓂𑒦𑒫 **उद्भव**--उद्गम, जन्म, उत्पत्ति, बढ़ती। [सं० उत+भव]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० उद्भव। राम० बालकाण्ड ८ (**उद्भव** पालन नाश); मो० ९७-२ (**उद्भव** कारिणी थिक तोहर गति); वन० ५३; पुरू० २५४ (जेहिसौं **उद्भव** पाप अपार)। *udbhava*--Production.

𑒅𑒠𑓂𑒦𑒰𑒫𑒢 **उद्भावन**—चिन्तन, कल्पना, अनुमान, उत्पत्ति, मनक मनोभाव। [सं० उत+भावना]। तु० क० हि० उद्भावना; ने०, अस०, बं०, उद्भावन। मिहि० २८-२-१० (अभिनय मुक्तिक **उद्भावन** कयने ककरो खण्डन कयने छी ने मण्डन)। *udbhāvana*--Production, generation, inspiration.

𑒅𑒠𑓂𑒦𑒰𑒮𑒱𑒞 **उद्भासित**—वि०। प्रकाशित, उत्तेजित, उद्दीप्त, उज्ज्वल, विदित। [सं० उत+भास—क्त]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० उद्भासित। पारो ८ (व्यक्ति आओर वस्तुके **उद्भासित** कए गेल अछि); नव० ४८ (आँखिक ज्योति चड़बड़ आ काँति **उद्भासित**); नव १०२ (ओकर मुख मण्डल एहि निश्चयसँ **उद्भासित** भ गेलइक)। *udbhāsita—Adj.* Revealed, brightened up.

𑒅𑒠𑓂𑒦𑒱𑒖 **उद्भिज**—वि०। गाछ वृक्ष, जे पृथ्वीकेँ फाड़िकेँ बहराइछ। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० राज० उद्भिज। (आब अपनो देशक **उद्भिज** क देख भाल होमय लागल अछि)। *udbhija--Adj.* Sprouted.

𑒅𑒠𑓂𑒦𑒴𑒞 **उद्भूत**—वि०। उत्पन्न, [illegible], [illegible], इन्द्रिय गोचर। [सं० उत+भूत]। तु० क० हि०, बं०, [illegible]

राज० उद्भूत। वर्ण० ६ (उद्भूत अभिलाष); वर्ण० २८ (यथाव कारो आए उद्भूत भउअइ)। *udbhūta—Adj.* Produced, born, grown.

उद्भ्रन्त—उद्भ्रान्त (दे०) केर का० रू०। व्य० वि० ३४० (उद्भ्रन्त चुम्बन)। *udbhranta—Coll.* of *udbhrānta* (q. v.).

उद्भ्रन्ता—उद्भ्रान्त (दे०) केर का० रू०। उत्तर राम० ६१। *udbhrantā—Poet.* of *udbhrānta* (q.v.).

उद्भ्रान्त—वि०। पागल, चकित, उन्मत्त, विकल, विह्वल। [सं० उत्+भ्रान्त]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अव०, राज०, भोज० उद्भ्रान्त। (एतेक किएक उद्भ्रान्त छी)। *udbhrānta—Adj.* Perplexed, mad.

उद्यत—वि०। तत्पर, तैयार, सन्नद्ध, प्रस्तुत। [सं० उत्+यम्—क्त]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, राज०, अव०, भोज० उद्यत। राम० १६६ (युद्ध करवा पर सतत उद्यत); कन्या० २३ (मारक हेतु उद्यत भेलाह); द्विरा० ७३ (जाय पर उद्यत भेलीह); प्रण० २८ (धोतिओ खोलिक रखवाक हेतु उद्यत भेलाह); मि० उद० १५८-२ (उद्यत बुझि पड़ै अछि); पुरु० १४ (युद्ध मे उद्यत भेलाह)। *udyata—Adj.* Ready, prepared, diligent.

उद्यता—वि०। उद्यत (दे०) क स्त्री० रूप। [उद्यत+आ]। पुरु० २०७ (अग्नि प्रवेश उद्यता प्राण प्रिया मरण)। *udyatā—Adj.* Fem. of *udyata* (q.v.).

उद्यम—प्रयास, प्रयत्न, उद्योग, कार्य, मेहनति। [सं० उत्+यम—घञ्]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अव०, राज०, भोज०, उद्यम। वर्ण० १६ (भोजनक उद्यम); कीर्तिलता १८ (अवसओ उद्यम लच्छिवस); राम० ३५६ (बुझि उद्यम हम करू तदर्थ); महेश० ४० (उद्यम केओ न करत तरान है); पुरु० १६८ (मग्न उद्यम देखि); मै० हि० सा० ३-२ (मासिक पत्रक उद्यम लाघव); मो० ६७-२ (की करत उद्यम)। *udyama*—Effort, work.

उद्यमल—उद्यम (दे०) केर क्रि० रू०। वर्ण० ७ (मुख शुद्धि उद्यमल)। *udyamala-V.* form of *udyama* (q.v.).

उद्यमशीलता—वि०। कार्य एवं प्रयास करबाक क्षमता वा भाव। [सं०]। मि० मिल १०७ (शुभायक सातम गुण थिक उद्यमशीलता)। *udyamaśilatā—Adj.* Efficiency of work or effort.

उद्यमी—वि०। परिश्रमी, उद्योगी, जे परिश्रम वा कार्य करए। [सं० उद्यम+इनि]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० राज० उद्यमी। चन्द्र० २५८ (निन्द्य उद्यमी गेह-नेह)। *udyamī—Adj.* Industrious.

उद्याचल—उदयाचलक अशु० का० रू०। पूर्व दिशाक एक कल्पित पर्वत जतए सूर्य उगैत छथि। [सं० उदयाचल]। तु० क० क० ने० उद्याचल। वि० पदा० मजु० २७२ (कतय अरुण उद्याचल उगल); गी० श्र० १ अमर ४८ (उद्याचल तरु बारुण उज्ज्वल मण्डित दारुण); शतदल २ (उद्याचल ऊपर लेसि अनल)। *udyacala*—Err. *Poetic*, form of *udayācala* (q.v.).

उद्यान—पुष्पवाटिका, बाग, फुलवारी। [सं० उत्+या—ल्युट्]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अव०, राज०, उद्यान। खट्ट० ३३ (जनिका उद्यान मे बारहो मास...), शतदल ६ (हम शान मान उद्यानक तरु)। *udyāna*—Garden.

उद्यापन—कोनो व्रत आदिक असमर्थता-जन्य समासिक बाद कएल गेल समावर्तन कार्य वा कृत्य। [सं० उत्+यापन]। तु० क० हि० राज०, बं०, उद्यापन। मो० २८-२१-६६ (एहि उद्यापनोत्सव मध्य पुरोहित श्री यदुनाथ झा छलाह); पारो ६१ (माघ करनि एकादशीक उद्यापन); चित्रा ७१ (जन जागरण व्रत उद्यापन कैल)। *udyāpana*—Completion of a fast, its celebration.

उद्योग—प्रयत्न, प्रयास, उद्यम, कार्य, परिश्रम, कोशिश, चेष्टा, यत्न, आयोजन। [सं० उत्+युज्—घञ्]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० अव०, राज०, भोज० उद्योग। वर्ण० ११ (प्रयासक उद्योग); राम० ३०८ (कर उद्योग मिलत सम्मान); कन्या० ८ (रानी उद्योग मे छलीह); द्विरा० १४५ (मानसक उद्योगमे लगै छी); प्रण० ३८ (साझेँ सँ जे उद्योगमे लगै छथि); मो० ६७-५ (हृदय धरि उद्योग करै सब); मि० उद० १५८-२४ (ई उद्योग केनिहार पण्डितजी थिकाह); पुरु० २२१ (तकर उद्योगमे लागल छी)। *udyoga*—Effort, exertion.

उद्योगपर्व्व—महाभारतक अठारह पर्वमे सँ एक पर्वक नाम। वर्ण० ५६ (उद्योगपर्व्व भीष्म पर्व्व द्रोणपर्व्व)। *udyogaparvva*—One of the eighteen parvas (cantos) of Mahābhārata.

उद्योगी—वि०। परिश्रम, कार्य वा प्रयास कएनिहार। [सं० उद्योग+इनि]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, राज० उद्योगी। मिहिर उद० १५८-२४ (उद्योगी पण्डित काँ उचित थिकन्हि)। *udyogī—Adj.* Industrious, laborious.

उद्योगे(गैँ)—उद्योग (दे०) केर करणकारक रू०। वि० पदा० १८ (भेल तकर उद्योगे); मो० १७१-२२ (जनिक मुख्य उद्योगैँ उत्साह भेल छल)। *udyoge (gaĩ)—Ins.* of *udyoga* (q.v.).

उद्योत—प्रकाश, रोशनी, आभा, चमक। [सं०]। तु० क० बं०, असं०, ने०, अव०, राज० उद्योत। लालभौजी ४१। *udyota*—Ray, brightness.

उद्योत्तर—उदयोत्तर केर अशु० रू०। उदयक बाद [उदय+उत्तर]। व्य० वि० ३५६ (उद्योत्तर पूजा कैल

जाइत छथि) । *udyottara*—Err. of *udayottara* (after the sunrise).

ঊদ্যোদিত **उद्योदित**—वि० । प्रकाशित, आभासित, चमकल । [सं० उद्योत + 'इत'] । वि० प० ५० (उद्योदित विजुली) । *udyodita*—*Adj.* Lighted, brightened.

ঊদ্রেক **उद्रेक**—क्षरण, बहब । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० उद्रेक । (रसक उद्रेक ओकर गुणक कारणेँ होइछ) । *udreka*—Flow, stream.

ঊদ্বালিক **उद्वालिक**—वि० । उत्तेजित । [सं०] । कल्पना २१ । *udvālika*—*Adj.* Agitated.

ঊদ্বাহ **उद्वाह**—विवाह, परिणय । [सं० उत् + वह—घञ्] । तु० क० राज०, ने० उद्वाह, प्राकृ० उव्वाह । रघुवंश ६४; अम० १६६ (उद्वाह उपयम) । *udvāha*—Marriage.

ঊদ্বাহু **उद्वाहु**—वि० । बाँहि उपर उठल, ऊर्ध्वबाहु । [सं० उत् + बाहु] । कीचक वध २ । *udvāhu*—*Adj.* With uplifted arms.

ঊদ্বাঁধ **उद्वांध**—वि० । बाँध (मर्यादा) केँ तोड़निहार । [सं० उद्बन्ध] । राम० १७६ (अमित होथि उद्वांध नित) । *udvāndha*—*Adj.* Who breaks the limits (of propriety).

ঊদ্বিগ্ন **उद्विग्न**—वि० । आकुल, व्यग्र, बेचैन, घबराएल । [सं० उत् + विज्—क्त] । तु० क० हि०, बं०, अस०, राज०, ने० उद्विग्न । वि० व० २२ (मन उद्विग्न हेतु); प्रण० १६७ (उद्विग्न चित्तसँ खड़ाम पर टहलए लगलाह); कपालकुण्डला ६; पुरु० २१६ (उद्विग्न मन अपनैक देखल); आमक० ६५ (चन्द्रशेखर आओर उद्विग्न रहथि) । *udvigna*—*Adj.* Anxious; perplexed.

ঊদ্বিগ্নতা **उद्विग्नता**—आकुलता, व्यग्रता, बेचैनी, घबराहट । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, ने०, राज० उद्विग्नता । (उद्विग्नता बढ़बाक विभिन्न कारण होइछ) । *udvignatā*—Anxiety, perplexity.

ঊদ্বীক্ষিত **उद्वीक्षित**—वि० । ऊपर देखल, ध्यानसँ देखल । [सं०] । मृच्छकटिक १०७ । *udvīkṣita*—*Adj.* Supervised, attentively seen.

ঊদ্বেগ **उद्वेग**—आवेश, वेग, झोंक, तरङ्ग, उत्कण्ठा, सेहन्ता । [सं० उत् + वेग] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० उद्वेग । वर्ण० ५५ (उद्वेग बान्धन अइसन); प्रण० १७६ (क्रमशः पण्डितजीक उद्वेग बढ़य लगलैन्ह); पुरु० २० (की तोहर उद्वेग कारण) । *udvega*—Haste, anxiety.

ঊদ্বেজক **उद्वेजक**—वि० । उद्विग्न वा बेचैन करएवला, घबराबएवला । [सं०] । मिहि० ३८-३२-५ (एक आध कवित्त उद्वेजको पढ़ल गेल) । *udvejaka*—*Adj.* Causing concern.

ঊদ্বেজিত **उद्वेजित**—वि० । व्यग्र, आकुल, [illegible] उद्विग्न । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, राज०, उद्वेजित [illegible] उद्वेजित अछि) । *udvejita*—*Adj.* Perplexed, anxious.

ঊদ্বেলিত **उद्वेलित**—वि० । आलोड़ित, हिलैत डोलैत, छलछलाइत । सीमासँ बाहर पसरल । [सं०] । तु० क० हि० उद्वेलित । रेखाचित्र १३० । *udvejita*—*Adj.* Agitated, thrilled.

ঊদ্বোহক **उद्वोहक**—उद्बोधक (दे०) केर वा० रू० । राम० ७० । *udvohaka*-*Coll.* of *udbodhaka* (q.v.).

ঊধকএ **उधकए**—उधकब (दे०) केर वर्त० रू० । प्रण० ८२ (सुनने छाती जोर जोरसँ उधकए लगलैन्ह) । *udhakae*—*Present* tense form of *udhakaba* (q.v.).

ঊধকব **उधकब**—क्रि० । बारम्बार किञ्चित् नीचाँ-उपर होएब । [सं० उत् + अधः + नाम धातु] । तु० क० उधिनाएब । (छातीक उधकब शुभ लक्षण थिक) । *udhakaba*—*V.* To palpitate, to pulsate.

ঊধকয় **उधकय**—उधकए (दे०) फेर विक० रू० । रंग १३२ (छाती जोर-जोरसँ उधकय लगलैन्ह) । *udhakaya*—*Alt.* of *udhakae* (q.v.).

ঊধকল **उधकल**—उधकब (दे०) केर भू० रू० । वि० ने० १७४ (उधकल केस पास लाज गुपुत हास) । *udhakala*-*Past* form of *udhakaba* (q.v.).

ঊধব **उधब**—जोश, आनन्द, मनोरंजन, उत्सव । [सं० उत् + सं० धव] । तु० क० उत्सव, उधव (दे०) । गौरी स्वयम्बर ८ (उधब बधाव गेल नृप धाम) । *udhaba*—Festival, happiness.

ঊধমতি **उधमति**—वि० । पागल, आधा मस्तिक वा बुद्धिक, मत्त । [सं० ऊर्ध्व + मति] । वि० ने० १४२ (जनि उधमति उमताबे मोह) । *udhamati*—*Adj.* Mad.

ঊধব **उधव**—आनन्द, उत्सव, मनोरंजन, श्रीकृष्णक मित्र उद्धव । [सं० उद्धव] । तु० क० उधब (दे०) विक० रू० । वि० पदा० मजु० ३६५ (जाह जाह तोहे उधव); श्री कृष्ण जन्म रहस्य २५ (नन्द घर उधव धावए सब मिलि गावए रे); चन्द्र० ३३ (एत ओत उधव बधाव); महेश० ५४ (लहु-लहु सुख उधव बधाव) । *udhava*—Festival, happiness, name of Kṛṣṇa's friend.

ঊধবা **उधवा**—बिड़रो । [सं० ऊर्ध्ववात] । नव० ८ (गतवर्ष एकटा एहन उधवा उठलइक जे दलकेर बूढ़ बुभुक्षुकलोकन्हि अधिकार-चेल मध्य हस्तक्षेप करय पड़लइक) । *udhavā*—Whirl.

ঊধসল **उधसल**—वि० । ध्वस्त, नष्ट, विनष्ट, छिन्न, एकत्रित नहिं । [सं० उत् + सं० ध्वंस + अल] । तु० क० [illegible] उधसल । वि० पदा० मजु० २, रागत० पृष्ठ ५६, न० [illegible]

अ० २६१ (उधसल केश कुसुम छिड़िआएल)। *udhasala*—*Adj*. Ruined, dishevelled, scattered.

ऊधसि उधसि—उधसल (दे०) केर पू० क्रि० रू०। वि० पदा० मजु० ६८, श्रं० ८४५, सा० प० २०१ (ततहि उधसि मै केश)। *udhasi*—*Past* Part. form of *udhasala* (q.v.).

ऊधार उधार¹—कर्ज, ऋण; तात्कालिक बिना दामक खरीद बिक्री। [उत् + धार]। तु० क० हि०, बं०, असा०, ने०, अव०, राज०, पा०, पं०, गु०, भोज० म० उधार; प्राकृ० उद्धार। कीर्तिलता १८ (काहु देल ऋण उधार); वि० पदा० मजु० ५७७ (पँच उधार मांगय गेलौ अंगना); चन्द्र० १५२ (लेत कि तस्कर सतत उधार); प्रण० १५५ (चीनी त उधार नहि देलक)। *udhāra*—(Buying or selling) on credit, loan, the act of borrowing.

ऊधार उधार²—उद्धार (दे०) केर का० रू०। वि० वि० २८ (उधार होयतत्वर भूपतीन्द्र भवने); श्री कृष्ण जन्म रहस्य २५ (जनमल जगत उधार करिअ प्रतिपालक); राम० ३० (केलनि रघुवर सतय उधार)। *udhāra*—P. F. of *uddhāra* (q.v.).

ऊधारतौ उधारतौ—उधार² (दे०) केर भवि० रू०। चन्द्र० २८२ (चन्द्रकवि मन हो उधारतौ)। *udhāratau*—*Future* tense form of *udhāra²* (q.v.).

ऊधारब उधारब—क्रि०। का० रू०। उद्धार करब। [सं० उद्धार + अब]। महेश० १३ (जौं करुणामय मोहि उधारब); (अहाँ उधारब अपन पूर्वजकेँ)। *udhāraba*–P.F. To emancipate.

ऊधारल उधारल—उधारब (दे०) केर भू० रू०। चन्द्र० ८८ (जन बहुत उधारल दीन); मिं० इ० ७६ (सभ उधारल से मोर आधे)। *udhārala*—*Past tense* form of *udhāraba* (q.v.).

ऊधारि उधारि—उधारी (दे०) केर का० रू०। वि० नं० ६४ (पहिल पड़ओलक उधारि न देवा)। *udhāri*—P.F. of *udhārī* (q.v.).

ऊधारिणी उधारिणी—उधार² (दे०) केर स्त्री० रू०। मौ० २७१-१ (जय जय तारिणि। भक्ति उधारिणी)। *udhāriṇī*—*Fem*. form of *udhāra²* (q.v.).

ऊधारियै उधारियै—उधार² (दे०) केर इच्छा० रू०। महेश० ३४ (कर्मजाल जोर सँ उधारियै)। *udhāriyai*—*Opta*. form of *udhāra²* (q.v.).

ऊधारी उधारी—उधार लेबाक क्रिया। [उधार¹ + ई]। तु० क० राज० उधारी। वि० नं० ६३ (विद्यापति कह नारि हरि-सओ कैसन रोक उधारी)। *udhārī*—The act of taking loan, or borrowing.

ऊधारू उधारू—उधार² (दे०) केर आज्ञा० रू०। FML 80। *udhārū*—Imp. form of *udhāra²* (q.v.).

ऊधारे उधारे—उधार² (दे०) केर का० रू०। मा० का० २१४ (दीन उधारे रसमन लाउ जाय सुभाषे)। *udhāre*—*Poet*. of *udhāra²* (q.v.).

ऊधिआइछ उधिआइछ—उधिआएब (दे०) केर वर्त० रू०। रावण बध ४१। *udhiāicha*—*Pres*. form of *udhiāeba* (q.v.).

ऊधिआइत उधिआइत—उधिआएब (दे०) केर वर्त० रू०। नव० ३९ (उधिआइत दूधक फेनसँ तसलाक कण्ठ झपा नेलइक)। *udhiāita*—*Pres*. form of *udhiāeba* (q.v.).

ऊधिआएब उधिआएब—दुग्धादिक तापसँ ऊर्ध्वमुख होएब। [सं० ऊर्ध्व + अब अथवा उद्वर्तन]। (दूधक उधिआएब ताप पर निर्भर करैछ)। *udhiāeba*—To boil (milk etc.).

ऊधिआ(या)न उधिआ(या)न–1 [उधिआएब] वेग, झोंक, जोश, उफान, दूध आदिकेँ ताप लगला उत्तर खदकिकेँ पात्रसँ ऊपर होएब। [उद्वन सं० उद् = ऊपर, धवन = दौड़ब, जाएब] वर्ण० ११ (उधिआन चारिहु); नव० १०० (प्रसन्नताक जाहि उधिआन के)। *udhiā(yā)na*–Motion; force; overflowing of (milk) with heat, flying.

ऊधिऐला उधिऐला—उधिअएलाह केर अशु० रू०। उधिआन (दे०) केर भूत० रू०। व्य० विज्ञान ४३। *udhiailā*—*Past* tense form of *udhiāna* (q.v.).

ऊधिया उधिया—उधिआन (दे०) केर पू० क्रि० रू०। मधुश्रावणी १६४; मिहिर ९ (२-६१-४४)। *udhiyā*—*Past part*. of *udhiāeba* (q.v.).

ऊधियाय उधियाय—उधिआएब (दे०) केर वर्त० रू०। कन्या १४४ (कोबरा घरक चार उधियाय लागल)। *udhiyāya*—*Present tense* form of *udhiāeba* (q.v.).

ऊधियौलक उधियौलक—उधिआएब (दे०) केर भू० रू०। चन्द्रकला १०३। *udhiaulaka*—*Past* form of *udhiāeba* (q.v.).

ऊधुक्का उधुक्का—जोरसँ ऊपर दिसिकेँ धक्का देनाइ। [सं० उत् + धक्का]। (हे देखियौ! बच्छा केहन बढ़ियाँ उधुक्का मारि-मारि कए दूध सभटा पीबि रहल अछि)। *udhukkā*–Push or jerk upwards.

ऊधेस उधेस—उधेसि केर अशु० रू०। उधेसब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। चानो दाइ १७ (घूरकेँ उधेस देलक आ विदा भ गेल); धातुपाठ ७५। *udhesa*–Err. of *udhesi*. *Part* form of *udhesaba* (q.v.).

ऊधेसब उधेसब—क्रि०। असाधुतया उद्घाटन, अधलाह जकाँ पसारब, छिटि देब। [सं० उत् + ध्वंस + अब] तु० क० उधसब

(दे०) केर विक० रू० । (टालके उधेसब कौनो कठिन नहि) । *udhesaba* —*V.* To spread out in a disorderly fashion. Alt. of *udhasaba*.

उधेसलक—उधेसब (दे०) केर अना० भू० रू० । (ढोमना कालि टालकेँ **उधेसलक** आ समटलक नहि) । *udhesalaka*—*Past* tense nonh. of *udhesaba* (q.v.).

उधेसू—उधेसब (दे०) केर आज्ञा० रू० । मिहि० ३०-१२ (एक चुटकी मसालाक कार्ड मेल भरि घर **उधेसू**) । *udhesū*—*Imp.* form of *udhesaba* (q.v.).

उन—किछु न्यून, किछु त्रुटि, किछु कम । [सं० ऊन] मा० का० २१३ (सुरपुर गुण उन वलिक सदन हुन) । *una*—*Adv.* Wanting, deficient, less than, minus (in this sense used with numerals).

उनक—हुनक (दे०) केर प्रा० तु० रू० । वि० पदा० मजु० ६८, अ० ८४५ (सा० प० २०१) (आपन बसन देइ **उनक** बसन लेइ) । *unaka*—*Obs.* form of *Hunaka* (q.v.).

उनकर—हुनकर (दे०) केर ग्रा० रू० । तु० क० अ०, उ०, ना० ति० ५८ । (उनकर बात कनी सुनिऔन तऽ) । *unakara*—*Folk* form of *Hunakara* (q.v.).

उनच—एकटा रस्सी जे खाटक पओथान दिसि बुनल अंश केँ सतानबाक हेतु लगाओल जाइछ । [सं० उदवन] । तु० क० अर्याँच (मै०); हि० **उनचन**; उगाच । वर्ण० १४ (अइसन मझ-ओतरि **उनच**) । *unaca*—A string which tightens the other ropes in a cot.

उनचालिस—उञ्चालिस (दे०) केर विक० रू० । तु० क० सं० ऊनचत्वारिंशत्; प्रा० **उणचालिस**; हि० **उनतालिस**; प० **उणताली**, लह० **उनतालीं**; असo **उनसालिल्स**; **उणचालिस** । [सं० उन + चालिस (दे०)] (तीस आ नओ **उनचालिस**) । *unacālisa*—*Alt.* of *uñcālisa* (q.v.).

उनचालिसम—उञ्चालिसम (दे०) केर विक० रू० । मि० भा० ५३ । *unacālisama*—*Alt.* of *uñcalisama* (q.v.).

उनचास—उञ्चास (दे०) केर विक० रू० । तु० क० हि० **उनचास**; प्राकृ० **उनपचास**; लह० **उनवञ्ज**; प० **उणञ्जा** अस० **उनपनसाञ्स**; उ० **उणचास** । FML 370; राम० १८८ (लङ्का छोट हाथ **उनचास**) । *unacāsa*—*Alt.* of *uñcāsa* (q.v.).

उनचासम—उञ्चासम (दे०) केर वि० रू० । मि० भा० वि० ५३ । *unacāsama*—*Alt.* of *uñcāsama* (q.v.).

उनट—परिवर्तन, बिपरीत । उनटब (दे०) केर मूल धातु रू० । [उत् + सं० अटि अटते, अण्टति] । तु० क० हि० **उलट** । *unaṭa*—Reverse, opposition, turn over. Root form of *unaṭaba* (q.v.).

उनटओला—उनटब (दे०) केर भाव० रू० । मै० सा० इ० १३ । *unaṭaolā*—Future tense form of *unaṭaba* (q.v.).

उनटन—प्रलय, विपत्ति, जलमग्न, आमूल परिवर्तन । [उनट + अन] । तु० क० **उमटाम** (दे०) उलहन १२ । *unaṭana*—Revolution, a complete change.

उनट-पनट—क्रि० वि० । हेरी-फेरी, लोट-पोट करब । [उनट + शब्दानुकरण साम्य पनट] । तु० क० उथल-पथल; उनटा-पुनटा । गद्य चन्द्रिका ३४ । *unaṭa panaṭa*—*Adv.* Upside down.

उनटब—अन्यथा भाव, अधोमुख होयब । [उनट + अब] । (बच्चा **उनटब** अपनहि सिखैछ) । *unaṭaba*—(While lying supine) turn over or change side.

उनटबैत—उनटब (दे०) केर इच्छा० रू० । कन्या० ४४ (तारकैँ **उनटबैत** पुनटबैत बजलाह) । *unaṭabaito*—*Opta.* form of ***unaṭaba*** (q.v.).

उनटल—उनटब (दे०) केर भू० रू० । मो० १७१-१७ (झल **उनटल** हम लेल घुमाय); मि० उद० १५६-१ (अछि काल **उनटल**); नव० २२ (ओकर कोँढ़ **उनटल** जाइत रहइ) । *unaṭala*—*Past* form of *unaṭaba* (q.v.).

उनटला-उनटब (दे०) केर भू० रू० । रंग० ६० (चिलमची **उनटल** सँ धोती भीजि गेल) । *unaṭalā*—*Past* tense form of *unaṭaba* (q.v.).

उनटओबैत—उनटबैत (दे०) केर वि० रू० । कन्या० ६ (किताब समनेने **उनटबैत** रहैत छथि); पारो ११ (पोथी समकेँ **उनटबैत** रही) । *unaṭaobaita*—*Alt.* Form of *unṭabaita* (q.v.).

उनटा—विपरीत, विरुद्ध । [उनट + आ] । तु० क० हि० म० **उलटा** । FML 289; पारो १० (**उनटा** क की कहबै से नहिएँ फूरल); मै० हि० सा० (३-४) ७ (केवल **उनटा** पुनटा के देखि); **उनटा** सीधा सुनौनाइ = गारि देब । *unaṭā*—Upset, reverse.

उनटाओल—उनटा (दे०) केर क्रि० क्रि० रू० मन० कृष्ण० १४ (कहि नहि सकत कओ **उनटाओल**) । *unaṭā-ola*—*Past part.* of *unaṭā* (q.v.).

उनटा खोदहा—खोदहा [illegible] प्रभेद । [उनटा + स० खनन] । (अए बौआसिन ! **उनटा खोदहा** न-बाए लिअ) । *unaṭā khodahā*—A kind of [illegible]

उनटावय—उनटा (दे०) केर इच्छा० रू०

बिरा० ५१ (पृष्ठ उनटावय लगलाह)। *unaṭāvaya—Opta.* form of *unaṭā* (q.v.).

𑒅𑒢𑒙𑒰 𑒮𑒩𑒱𑒮𑒥 **उनटा सरिसब**—नीच मुँह सरिसव, जाहि सरिसवक फड़ नीचाँ मुँह झुकल रहैछ, तान्त्रिक क्रियामे प्रयुक्त। [उनटा + सं० सर्षप सरिस > सरिसव]। (उनटा सरिसब काज फूकबे काज पड़ैछ)। *unaṭā sarisava*—Reverse mustard.

𑒅𑒢𑒙𑒰 𑒔𑒱𑒛𑓃𑒔𑒱𑒛𑓃𑒲 **उनटा चिड़चिड़ी**—औषधि (जड़ी-विशेष) अपामार्ग। बृहस्पतिक होम अपामार्ग सँ होइत छन्हि। *unaṭā ciḍaciḍī*—Name of a herb.

𑒅𑒢𑒙𑒱 **उनटि**—उनटब (दे०) पू० क्रि० रू०। मो० ६७-२४ (राजश्री कैँ उनटि पुनटि नाशौं लगलाहे); मि० उद० १५६-१ (हमरि मतिए उनटि गेल अछि की ?); कन्या० ११ (हमरे पर उनटि जैतथि); प्रश्न० ४ (मालिक दवात उनटि क कज्जल सरिता बहाए रहल अछि); चित्रा ५९ (दुरदुरैत उनटि क देत ओहो टोक)। *unaṭi—Part.* form of *unāṭaba* (q.v.).

𑒅𑒢𑒙𑒹 **उनटे**—उनटा (दे०) केर निश्चय० का० रू०। मि० मित्र २४३ (उनटे गङ्गा बहावक तैयारी); मो० ९९-४ (उनटे उत्तेजित काज करथि); मि० उद० (१५६-१ (उनटे भवै अछि दृष्टिमे)। *unaṭe—Coll.* of decisive form of *unaṭa* (q.v.).

𑒅𑒢𑒙𑒾𑒪𑒢𑓂𑒯𑒱 **उनटौलन्हि**—उनटब (दे०) केर इच्छा० रू०। खट्ट० ४२ (ब्रह्माक सृष्टि कैँ उनटौलन्हि)। *unaṭaulanhi—Opta.* form of *unaṭaba* (q.v.).

𑒅𑒢𑒞 **उनत**—उन्नत (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मञ्जु० २१, न० गु० तालपत्र ११७, पं० त० १३२६, अ० १२० (उनत उरज चिरे झपावए)। *unata—Poet.* of *unnata* (q.v.).

𑒅𑒢𑒞𑒲𑒮 **उनतीस**—वि०। एक कम तीस। उनतिस केर हि० रू०। [सं० उनत्रिंशति]। तु० क० हि० उनतीस; उ० उणतिरिश; उनत्रिश; ने०। अम० ६ (ई उनतीसो); (उनतीस मे एक जोड़ि देला पर तीस होइछ)। *unatīsa—Adj.* Twenty-nine.

𑒅𑒢𑒞𑒲𑒮𑒧 **उनतीसम**—क्रि० वि० उनतिस केर संख्या स्थान। [सं० उन-त्रिंशततम्]। मि० भा० वि० ५३। *unatīsama*—Twentyninth.

𑒅𑒢𑒧𑒞𑒱 **उनमति**—उन्मत्त (दे०) केर स्त्री० का० रू०। राम० ३२५ (भति उनमति युवती पाय); चन्द्र० ३३१ (उनमति कामिनि रे)। *unamati—Fem. Poet.* form of *unmatta* (q.v.).

𑒅𑒢𑒧𑒞𑓂𑒞 **उनमत्त**—उन्मत्त (दे०) केर का० रू०। पुरु० १९२ (पुनि उनमत्त जमाव)। *unamatta—Poet.* of *unmatta* (q.v.).

𑒅𑒢𑒧𑒢𑒮𑓂𑒏 **उनमनस्क**—अनमनस्क (दे०) केर कृत्रिम सं० रू०। मि० ३ (भोड़ा गढ़ीसँ उनमनस्क भइ)। *unamanaska—Alt.* Perhaps coined as Sanrkrit form of *anamanaska* (q.v.).

𑒅𑒢𑒧𑒮𑒱𑒁 **उनमसिआ**—उत्कंठिता। का० रू०। [सं० उत् + सं० मनस्या]। वि० ने० ५८ (मनमथ चातक नहि लजाए बड़ उनमसिआ अवसर पाय)। *unamasiā*—P. F. Intensely eager.

𑒅𑒢𑒧𑒰𑒠 **उनमाद**—उन्माद (दे०) केर का० रू०। तु० क० हि०, बं०, असा०, ने०, राज० उनमाद। मदृश० १५ (धन यौवन उन्माद)। *unamāda—Poet.* of *unmāda* (q.v.).

𑒅𑒢𑒧𑒳𑒐𑒹 **उनमुखे**—उन्मुख (दे०) केर का० रू०। राम० ५२ (उनमुखे नाच मयूरे)। *unamukhe—Poet.* form of *unmukha* (q.v.).

𑒅𑒢𑒧𑒳𑒢𑒰𑒨 **उनमुनाय**—पू० का० क्रि०। सच्चेष्ट भए गप्प आदि करबाक हेतु)। [सं० उन्मुद्र > उनमुन + आय]। मिहि० ३७-१९-१३ (गप्प करबाक हेतु कनेँ मने उनमुनाय लागी)। *unamunāya—V. Part.* Having become eager (to talk etc.).

𑒅𑒢(𑒢𑒰)𑒩𑒥 **उन(ना)रब**—काड़ा, मट्ठा आदि खैँचलासँ अधिक फानक होएब। [सं० उत् + नम्र > उनार + अब]। *una(nā)raba*—To widen the gap, particularly between two sides of a circle.

𑒅𑒢𑒮(𑒙𑓂)(𑒚𑓂)𑒚𑒱 **उनस(ट्)(ठ्)ठि**—वि०। एक कम साठि। [सं० एकोनषष्टि]। तु० क० ने०, हि०, उनसठ ने० उनसट्ठि; सि० उणसट्ठि पं० उणहट, लह० उणाइठ। (उनसट्ठि आ एक कम साठि होइछ)। *unasa(ṭ)(ṭh)ṭhi—Adj.* Fifty-nine.

𑒅𑒢𑒮(𑒙𑓂)𑒚𑒱𑒧 **उनस(ट्)ठिम**—क्रि० वि०। उनसट्ठि संख्याक वस्तु वा अन्य [सं० एकोनषष्टितम्]। मि० भा० वि० ५३ (उनसट्ठिम स्थान पओलन्हि)। *unasa(ṭ)ṭhima—Adv.* fiftynine.

𑒅𑒢𑒯𑒞𑓂𑒞𑒩𑒱 **उनहत्तरि**—वि०। एक कम सत्तरि। [सं० एकोनसप्तति]। तु० क० हि०, ने० उनहत्तर प्राकृ० उगुणुत्तर; सि० सि० उणहत्तिरा; पं० लह० उहत्तर। *unahattari—Adj.* Sixty-nine.

𑒅𑒢𑒯𑒞𑓂𑒞𑒩𑒱𑒧 **उनहत्तरिम**—क्रि० वि०। उनहत्तरिक संख्याक स्थान। [सं० एकोनसप्ततिम्]। मि० भा० वि० ५४। *unahattarima—Adv.* Sixtyninth.

𑒅𑒢𑒯𑒱 **उनहि**—पू० का० क्रि०। व्यतीत भए जाएब। [? उनाइ] मि० दर्शन ५ (मने दोकान-दौड़िक बेर लगभग उनहि जकाँ गेल छैक)। *unahi*—Having passed (day, time etc.).

𑒅𑒢𑒰𑒩 **उनार**—कोनो वस्तु पर पाछू विशेष बल पड़ला पर उनार भए जाइछ, उनारबाक क्रिया। [सं० उत् + नम्र]। धातु पाठ ६५। *unāra*—Heavy load in the back part so as to upset the balance of a (bullock) cart.

𑒅𑒢𑒰𑒮𑒲 **उनासी**—वि०। एक कम अस्सी। [सं० ऊना-

शीति]। तु० क० हि० उन्नासी; असo, नेo उनासी; बं० उनाशि; उर्दू अणाऊशी; सिं० लह० ऊणासी; प्राकृ० उगुसीह; उ० उणासि; प० उनासी। (उनासी एक अस्सी)। *unāsi*—*Adj.* Seventy-nine.

ऊनास्रीम उनासीम—क्रि० वि०। उनासी संख्याक वस्तु स्थान। [सं० ऊनाशीतितम्]। धातु पाठ ५४। *unāsima*—*Adv.* Seventyninth.

ऊनाह उनाह—भाप लेबाक कार्य, खेतमे हुल्लुक सँ जोतबाक कार्य। [सं० उत्+नह बन्धने]। IAL Turner 2106 उन्नाम अथवा सं० उनाय>उनाश्र>उनाह] अथवा सं० उष्ण>उष्णाह> उनाह]। BPL826; FML 178. *unāha*—Light reploughing of a rice field after sowing, to destroy unwanted weeds; the act of fomenting.

ऊनाहबँ उनाहब—क्रि०। भाप लेब, खेतकेँ हल्लुकसँ जोतब। [सं० उष्ण तथा सं० उनाय>उनाह+अब]। [खेतकेँ उनाहब ओकर बाद कोनो कार्य होइत]। *unāhaba*—*V.* To light reploughing the rice field, to treat with fomentation.

ऊनी उनी—ऊनी (दे०) केर वा० रू०। तु० क० ने०, अस० उनी; ने० उनि। मो० ९७-१२ (रेशमो सूती ओ उनी)। *unī*—*Coll.* of *ūni* (q.v.).

ऊनेत उनेत—नियम निष्ठाक व्रत आदि मे अवहेलना होएब। [सं० उत्+नीति=सं० उन्नीति]। (सत्यनारायणक पूजा मे वणिक् कतेको बेर उनेत कए देलक)। *uneta*—Negligence in a vow or religious performance.

ऊनैट उनैट—उनटि (दे०) केर वा० रू०। मिथिला दर्पण ४४। *unaiṭa*—*Coll.* of *unaṭi* (q.v.).

ऊनैस उनैस—वि०। एक कम बीस। [ऊनविंशति]। तु० क० हि० उन्नीस; ने० उनैस; लह० पं० उन्नी; सिं० उण्वीह; उ० ऊणोइस। (उनैस बीस भेनाइ)=घटल वा बढ़ल; (उनैस बीसक फर्क)=कम फर्क; (उनैस भेनाइ)=कम भेनाइ। *unaisa*—*Adj.* Nineteen.

ऊनैसम उनैसम—वि०। उनैस संख्याक वस्तु वा स्थान। [सं० ऊनविंशतितम्] मि० भा० वि० ५३। *unaisama*—*Adj.* Nineteenth.

ऊन्तिस उन्तिस—वि०। एक कम तीस। [सं० एकोनत्रिंशति]। तु० क० हि० उनतीस; पं० उणत्ती; उ० उणतिरिस; लह० उनत्री; सिं० उणदिह। (अट्ठाइस एक उन्तिस)। *untisa*—*Adj.* Twenty-nine.

ऊन्ति(न्ती)सम उन्ति(न्ती)सम—वि०। उन्तीस संख्याक वस्तु वा स्थान। सं० एकोनत्रिंशतितम]। (उन्ति(न्ती)सम स्थान प्राप्त कएलैन्ह)। *unti(tī) sama*—*Adj.* Twentyninth.

ऊन्द उन्द—ओम्हर। मिथिलाक दक्षिण भागमे ब्हुत छोटक जातिमे बाजल जाइछ। तु० क० ओन्न एन्न। (हुन्दे उन्हेर ...पुरमे)। *unda*—That way.

ऊन्दुर(रु) उन्दुर(रु)—मूस। [सं० उन्दुरु]। अम० ...(उन्दुर उन्दुरु)। *undura(ru)*—Mouse.

ऊन्दे उन्दे—उन्द (दे०) केर वा० रू०। FML 43.. *unde*—*Coll.* Of *unda* (q.v.).

ऊन्नत उन्नत—वि०। ऊँच, श्रेष्ठ, ऊपर, उठल। [सं० उत्+नत]। तु० क० हि०, बं०, असo, ने०, पा०, अव०, राज० उन्नत; प्राकृ० उण्णय; प्रा० गु० ऊनयू। वर्ण० १७ (अहंकार, अइसन उन्नत); वि० पदा० मजु० १३१ मिथिला न० गु० ७२६, अ० ७२४ (मास अषाढ़ उन्नत नव मेघ); मै० हि० सा० १८ (कतेक उन्नत कक्षा पर छी); मो० १-१० (जनिक विद्या विभवसौं मैथिलक उन्नत पाग); पुरु० २६६ (कुच युग उन्नत भयल)। *unnata*—*Adj.* High, vast, eminent, raised.

ऊन्नता उन्नता—चन्द्रमाक सोहल कलामेसँ एक कला [उन्नत+आ]। वर्ण० १८ (उन्नता, भद्रा, भद्रतरा, हरिणी, श्रंसमानिनी)। *unnatā*—One of the sixteen phases (digits) of the moon.

ऊन्नति उन्नति-वृद्धि, समृद्धि, बढ़ती, ऊँचाइ, तरक्की। [सं० उत्+नम्+क्तिन्]। तु० क० हि०, बं०, असo, ने०, अव०, राज०, उन्नति। वर्ण० २७ (उन्नति शिरा); राम० बाल० ३ (नीचक उन्नति होयत अपार); मै० हि० सा० ८ (देशक उन्नति मे सदा-दत्त-चित्त रहथि); मि० उद० १५७-२३ (उन्नति हो उन्नति हो, होएत किछु नहि); मो० ६१-१ (दै अमोघ उन्नति); चित्रा ८५ (सत्य थिक मानव समाजक क्रमिक उन्नति)। *unnati*—Height, elevation, rise.

ऊन्नतोदर उन्नतोदर—क्रि० वि०। बोधिबला, जकर उदर अर्थात् पेट उन्नत अर्थात् ऊँच होइन्ह। [उन्नत+उदर]। मि० मिश्र० १६० (एहि सब तरहक ऊर्ध्व भाग उन्नतोदर ओ निम्न भाग नतोदर होइछ)। *unnatodara*-*Adv.* Having a bulging stomach or an enlarged abdomen.

ऊन्न(न्ना)य उन्न(न्ना)य—उन्नति, उत्थान, समृद्धि। [सं० उत्+नी-अच् तथा उत्+नी-घञ्]। अम० २६८ (उन्नाय, उन्नय)। *unna(nnā)ya*—Elevation, rising.

ऊन्नयन उन्नयन—उपर उठेनाए, आगाँ बढ़ाएब, लए जाएब, नयन। [सं० उत्+नी-ल्युट्]। तु० क० बं०, राज० उन्नयन मिहि० ४ (२-६५-६०)। *unnayana*—Rising, elevation, deliverance.

ऊनिद्र उनिद्र—वि०। जकर निन्न टुटि गेलैक, ... [सं० उत्+निद्रा]। तु० क० हि० अनिन्द्र। नव० ... निशाक दलकेँ उन्निद्र रोग भ गेल रहइन्हि ...

unnidra—Adj. Sleepless, full-blown.

𑒅𑒢𑓂𑒢𑒹 **उन्ने**—ओम्हर वा उम्हर (दे०) केर दक्षिणी रू० । FML 439 *unne*—Southern form of *omhara* or *umhara* (q.v.).

𑒅𑒢𑓂𑒢𑒻𑒮 **उन्नैस**—उनैस (दे०) केर वि० रू० । पारो ६३ (ताहि पर उन्नैस गोटाकेँ ठुसि ठासिकेँ बैसा देलकैक) । *unnaisa*—*Alt.* of *unaisa* (q.v.).

𑒅𑒢𑓂𑒧𑒖𑓂𑒖𑒢 **उन्मज्जन**—जलक्रीड़ाक एक भेद । [सं०] । वर्ण० ४० (मज्जन, उन्मज्जन, जलास्फार, सीकर, विक्षेप, गण्डूष, नाकजल, बुद्बुद, अवगाहन प्रभृति अनेक जलक्रीड़ा करइतेँ आछ) । *unmajjana*—A kind of playing in water.

𑒅𑒢𑓂𑒧𑒞𑓂𑒞 **उन्मत्त**—वि० । पागल, बेसुध, मदाँध, जे अपन चेतना मे नहि हो । [सं० उत्+मत्त] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, उन्मत्त, पा० उम्मत्त; सि० उमतुव । वर्ण० ३७ (उन्मत्त हाथ तन्हिके); राम० ७६ (के कपि मन उन्मत्त बताह); राम० ११० (मृत्यु निकट उन्मत्त मति); मै० हि० सा० ७ (केवल गन्ध मात्रसँ उन्मत्त भय); मिहि० उद० १५७–८ (महा धृष्ट नग्न उन्मत्त नृत्यादि देखि); मो० १०१–१३ (के उन्मत्त नहि छथि); मय० २१६ (ओ उन्मत्त भ कामिनीक ठोँठ ध लेलथिन्ह) । *unmatta—Adj.* Mad, one who is not in his senses.

𑒅𑒢𑓂𑒧𑒞𑓂𑒞𑒞𑒰 **उन्मत्तता**—पागलपन, मदान्धता, बेसुधता । [सं० उन्मत्त+अत्ता] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० उन्मत्तता । मिहि० उद० १५८–७ (उन्मत्तताक आदेशमे); मो० १४२-२ (विजयाक उन्मत्तता हटि सन्तोष रसाल रसक आमोद हो) । *unmattatā*—Madness.

𑒅𑒢𑓂𑒧𑒞𑓂𑒞𑒼 **उन्मत्तो**—उन्मत्त (दे०) केर निश्च० का० रू० । चर्या० २९ । ५ । *unmatto—Emph. Poetic* of *unmatta* (q. v.).

𑒅𑒢𑓂𑒧𑒟𑒢 **उन्मथन**—हत्या, मर्दन, मन्थन, मथब । [सं० उत्+मथन] । (आब उन्मथन करब उचित नहि) । *unmathan*—Churning, violent discussion.

𑒅𑒢𑓂𑒧𑒟𑒱𑒞 **उन्मथित**—वि० । हत्या कएल गेल, मर्दित, मथित । [सं० उत्+मथन--इत] । मिहि० ३३-२४-११ (कनिक हृदयमे उन्मथित कए देल) । *unmathita—Adj.* Churned, killed, agitated.

𑒅𑒢𑓂𑒧𑒠 **उन्मद**—उन्मत्त (दे०) केर वा० रू० । राम० ३३७ (एक समय उन्मद लंकेश); मो० ७०-२ (भेल उन्मद मालती) । *unmada—Coll.* of *unmatta* (q. v.).

𑒅𑒢𑓂𑒧𑒢 **उन्मन**—वि० । चौरासी सिद्धिमे सँ एक नाम, जकरा मे उद्वेग एवं आकुलता हो, अन्यमनस्क, खिन्न । [सं० उत्+मन] । तु० क०, हि०, बं०, अस०, ने० उन्मन । वर्ण० ५७ (मेघल, उन्मन कान्तलि); सावन मादव ११; अर्चना ४५ । *unmana—Adj.* Absent-minded; name of a *Siddhi* (q.v.).

𑒅𑒢𑓂𑒧𑒪 **उन्मल**—उन्मन (दे०) केर का० रू० । प्रेमाञ्जलि ५५ । *unmala*—Poetic form of *unmana* (q.v.).

𑒅𑒢𑓂𑒧𑒮 **उन्मस**—असह्य गर्मी (जेना वर्षा ऋतुक मध्य) । [सं० उष्ण > उगस > उन्मस] । तु० क० हि० उमस । पारो ४३ (तेहन उन्मस मे नहि) । *unmasa*—Swelter.

𑒅𑒢𑓂𑒧𑒰𑒠 **उन्माद**—अव्यवस्थित चित्त, एक प्रकारक रोग जाहि मे मन एवं बुद्धिक पारस्परिक सहयोग बिगड़ि जाए; पागलपन, चित विभ्रम । [सं० उत्+मद—घञ्] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० उन्माद; प० उन्माद; प्राकृ० उम्माय; भ० उम(। वर्ण० २८ (उन्माद मरण इये) । *unmāda*–Madness, lirium tremens.

𑒅𑒢𑓂𑒧𑒰𑒠𑒏 **उन्मादक**—वि० । पागल कएनिहार, नशा कए-निहार, अव्यवस्थित चित्त कएनिहार । [उन्माद+अक] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० उन्मादक । (उन्मादक चित भ्रष्ट होइछ) । *unmādaka—Adj.* What intoxicates.

𑒅𑒢𑓂𑒧𑒰𑒠𑒢 **उन्मादन**—कन्दर्पक बाण, कामदेवक बाण, पागल करबाक क्रिया । [सं० उत्+मद–णिच्] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० उन्मादन; राज० उन्मादण । वर्ण० ७ (मादन उन्मादन); मो० १०१–१३ (भ्रमरक बाजब उन्मादन) । *unmādana*–The act of making mad, the shaft of cupid.

𑒅𑒢𑓂𑒧𑒰𑒠𑒱𑒢𑒲 **उन्मादिनी**—उन्मादन (दे०) केर स्त्री० रू० । रंग १६७ (तहियासँ उन्मादिनी जकाँ रुक्ष केश फोलने); वन कुसुम ४६ । *unmādinī*—*Fem.* form of *unmadāna* (q.v.).

𑒅𑒢𑓂𑒧𑒰𑒠𑒲 **उन्मादी**—वि० । उन्मत्त, पागल, मदांध । [सं० उन्माद+ई] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० राज० उन्मादी । इ० व्या० १४ (की उन्मादी कतहु कर) । *unmādī*—*Adj.*Mad.

𑒅𑒢𑓂𑒧𑒱𑒭𑒱𑒞 **उन्मिषित**—वि० । विकसित, उन्मीलित, खुजल । [सं० उत्+मिष—क्त] । एकावली परिणय १२८ । *unmiṣita—Adj.* Opened, blown.

𑒅𑒢𑓂𑒧𑒲𑒪𑒢 **उन्मीलन**—खुजब, विकसित होएब । [सं० उत्+मील—क्त] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अव०, राज० उन्मीलन । (पुष्पक उन्मीलन अद्भुत बुझि पड़ैछ) । *unmīlana* Unfolding.

𑒅𑒢𑓂𑒧𑒲𑒪𑒱𑒞 **उन्मीलित**—वि० । विकसित, उन्मिषित, खुजल । [सं० उत्+मील—क्त] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० उन्मीलित । राम० ३५५ (नहि उन्मीलित होएत आँखि); पारो ७ (अपन नेत्र उन्मीलित क क चक्षु गोल क घुरतैत कहलैन्ह); मिहि० २-३-१ (उन्मीलित जाति नीच मधुसँ मन्द) । *unmīlita*

—*Adj.* Opened, blossomed.

ऊँन्मुअ **उन्मुक्त**—वि० । मुक्त, स्वतन्त्र, बन्धनहीन, विकसित, उदार । [सं० उत् + मुक्त] । तु० क० हि०, बं०, अस०, नव० ४ (निद्रादेवी अपन दरबार **उन्मुक्त** क लेथीन्ह) । *unmukta—Adj.* Free, released, blossomed.

ऊँन्मुख **उन्मुख**—वि० । उपर दिश तकैत, ऊर्ध्वमुख; उत्सुक, उद्यत । [सं० उत् + मुख] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **उन्मुख** । (**उन्मुख** ओ ताकि रहल छथि) । *unmukha—Adj.* With face uplifted, looking up.

ऊँन्मूलन **उन्मूलन**—जड़ि सहित नष्ट करब वा उखाड़ि फेकब । [सं० उत् + मूल + णिच्—ल्युट्] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **उन्मूलन** । *unmūlana*—Uprooting.

ऊँन्मूलि **उन्मूलि—उन्मूलन** (दे०) केर पू० क्रि० रू० । वर्ण० ६७ (कदलीक कन्द **उन्मूलि**) । *unmūli—Part.* form of *unmūlana* (q.v.).

ऊँन्मूलित **उन्मूलित**—वि० । जकेँ उखाड़ल वा नष्ट कएल । [सं० उत् + मूल—क्त] । तु० क० बं०, अस०, **उन्मूलित** । मि० उद० १५७-१८ (**उन्मूलित** करै लगलैन्ह) । *unmūlita—Adj.* Uprooted.

ऊँन्मेख(ष) **उन्मेख(ष)**—क्रम प्रकाश, विकास, खुजब (आँखिक) । [सं० उत् + मिष्—घञ्] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **उन्मेष**; राज० **उन्मेस** । उत्तर राम० ९८ । *unmekha(ṣa)*—Unfolding, opening of the eye.

ऊँन्हसइते **उन्हसइते**—उल्लाससँ भरल । [ऊन (सं०) + हसइते (दे०)] । वर्ण० ५४ (**उन्हसइते** ये चिताक अग्नि) । *unhasaite*—Full of joy, a little laughing.

ऊँन्हसिउ **उन्हसिउ**—चर्य्या० २७-१ । *unhasiu*—see ***u****nhasaite* (q.v.).

ऊँन्हासइते **उन्हासइते**—उल्लास (दे०) क प्रा० लु० रू० । **उन्हसइते**(दे०) । FML 187. *unhāsaite*—Obs. form of *ullāsa* (q.v.).

ऊँप **उप—उपसर्ग** । शब्दक पहिने लगलासँ ओकर अर्थमे अन्तर वा विशेषता आनि दैत अछि । [सं० उप] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अव०, भोज०, राज० **उप** । लगक अर्थमे **उपकण्ठ**; **उपनयन**; **उपकूल**; नीकक अर्थमे **उपकार**; गौणता वा न्यूनताक अर्थमे **उपमन्त्री**; **उपसभापति**; **उपराष्ट्रपति**; **उपप्रधानमन्त्री**; विनाशक अर्थमे **उपघात**; औषधिक अर्थमे **उपचार**; भोगक अर्थमे **उपभोग** आदि । रोगावस्थामे कोनो उपद्रव, प्रलाप, मूर्च्छा आदि । *upa—Perfix* denoting proximity, likeness, inferiority, beginning etc.

ऊँपअ **उपअ—उपर** (दे०) केर प्रा० लु० रू० । वि० पदा० मजु० ८०, रामभद्रपुर पोथी पद १६६ (चान्दक **उपअ** कुमुद जनु होए); वि० पदा० मजु० १०२, रामभद्रपुर पोथी पद ५९ (तरखि **उपअ** लहत की चन्द) । *upaa—Old* Obs form of *upara* (q.v.).

ऊँपकण्ठ **उपकण्ठ**–कण्ठ समीप; तट, कछहरिक निकटता; अन्त-पड़ोस । [सं० उप + कण्ठ] । तु० क० हि० राज० **उपकण्ठ**; बं० ने० **उपकण्ठ** । अम० १५४ (**उपकण्ठ** अन्तिक) । *upakaṇṭha*—Near, bank of river.

ऊँपकथा **उपकथा**—उपन्यास, मूल कथा नहि, मिलल छोट कथा । [सं० उप + कथा] । तु० क० बं०, अस०, ने० **उपकथा** । (कथा एवं **उपकथाक** शैली कोनो आइ कालिहक नहि देन थिक) । *upakathā*—A sub-plot, fable, within a tale.

ऊँपकरण **उपकरण**—सामग्री, साधन, राज्य सामग्री वा राज्य चिन्ह आदि । [सं० उप + करण] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० **उपकरण**; प्राकृ० **औवरण**; सिं० **उवारण** । वर्ण० ६८ (अनेकक **उपकरण**); द्विरा० ८ (गृहणीक हेतु ओ आवश्यक **उपकरण** नहि); मि० २६४ (दानार्थ **उपकरण** मङाय); मि० उद० १५१-३ (शुभ **उपकरण** सौं); मो० ६७-२८ (पूजाक **उपकरण**); पुरु० २४३ (शिवक पूजन साधारण **उपकरण** वस्तु लय) । *upakaraṇa*—Means, insignia of royalty, equipment.

ऊँपकार **उपकार**—सहायता, भलाइ, हित, लाभ, फायदा, नीक । [सं० उप + कृ—घञ्] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज०, भोज०, पा० **उपकार**; प्राकृ० **उवयार**; **उआर** । वि० पदा० मजु० ४४; न० गु० तालपत्र १२५, रागत० ३४; अ० १२८ (सब तह वर थिक पर **उपकार**); राम० १२ (की करू हम **उपकार**) राम० बालकाण्ड २ (**उपकारक** हेतु); मै० हि० सा० (मि० ३०) ७ (देशक **उपकार** हयब कोना सम्भव); मो० ६७-१० (जाहिसँ आनो अनेको **उपकार** छल); मि० उद० १५८-१८ (एहि मे सार वरक **उपकार**); पुरु० १९६ (सकल जन्तु **उपकार**); प्रण० १२४ (जाहिसँ लोकक **उपकार** होइक से धर्म); पारो १४ (गृहस्थीमे कने मने **उपकार** होइन्ह); शत० ६ (**उपकार** जनावइ छी हम धन) । *upakāra*—Favour, help, goodwill benefit.

ऊँपकारक **उपकारक**—वि० । उपकारी, हित, लाभ फायदा वा सहायता कएनिहार । सं० उप + कारक] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० राज० **उपकारक** प्राकृ० **उपयारय** । (राम **उपकारक** आदमी छथि) । *upakāraka—Adj.* Who helps.

ऊँपकारार्थ **उपकारार्थ**—सहायताक हेतु, हित, लाभ आदिक हेतु । [उपकार + अर्थ] । प्रण० ४ (हमर **उपकारार्थ** अपना [illegible] नामाली कहि सुनौलन्हि) । *upakārārtha*—For goodness or help.

ऊँपकारिक(का) **उपकारिक(का)**—वि० [illegible] भलाइ, सहायता, लाभ आदि कएनिहार वा कएनिहारि । [illegible] (का)] । पुरु० ८० (**उपकारिक** भल काजक [illegible]

kārika(kā)—*Adj.* Who (male or female) helps.

𑒅𑒣𑒏𑒰𑒩𑒱𑒝𑒱(𑒝𑒲) **उपकारिणि(णी)**—उपकारी (दे०) केर स्त्री० रू० । विडम्बना ४०; पुरु० २१४ (से उपकारिणि त्यजब की) । *upakāriṇi(ṇī)*—*Fem.* form of *upakārī* (q.v.).

𑒅𑒣𑒏𑒰𑒩𑒱𑒞𑒰 **उपकारिता**—सहायताक कार्य वा सहायता, हित, भलाइ करबाक गुण वा स्वभाव । [सं० उपकारिन् + तल् + टाप्] । तु० क० हि०, राज० उपकारिता । मो० ४६-५ (मिथिला मोदक मोदक उपकारिता प्रकट करैत छी) । *upakāritā*—Beneficence.

𑒅𑒣𑒏𑒰𑒩𑒲 **उपकारी**—वि० । उपकार वा सहायता करनिहार, लाभ पहुँचओनिहार । [सं० उपकार + ई] । तु० क० हि०, बं०, उर्दू, असं०, ने०, अव०, राज० उपकारी । मो० ६७-१० (पण्डित उपकारी होइछ); प्रण० १६२ (त्यागी उपकारी गुणनिधान) । *upakārī*—*Adj.* Advantageous, beneficent, who helps.

𑒅𑒣𑒏𑒰𑒩𑒹 **उपकारे**—उपकार (दे०) केर का० रू० । वि० ने० ११४ (पर उपकारे परम दौ पून); वि० पदा० मजु० १११, न० गु० तालपत्र ४६७, अं० ४६२ (काजे मीर उपकारे) । *upkāre*—*Poet.* form of *upakāra* (q.v.).

𑒅𑒣𑒏𑒰𑒩𑓂𑒨𑒰 **उपकार्या**—उपकारक योग्य, राजाक रहबाक भवन । [सं० उप + कृ-ण्यत] । मि० २६५ (शासन पत्र भेटबाक आदेश है उपकार्या मे जाय); अम० ७२ । *upakāryā*—Deserving help, the building fit for an emperor.

𑒅𑒣𑒏𑒳𑒪𑒖 **उपकुलज**—चौबीस जातिमेसँ एक । [सं०] । वर्ण० ३५ (कुलज, उपकुलज नेचक) । *upakulaja*—One of the twenty-four races.

𑒅𑒣𑒏𑒴𑒪 **उपकूल**—वि० । लग, निकट, समीप, नजदीक वा धारक तट वा किनहरि । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० अव०, राज० उपकूल । (ओ हमर उपकूल ठाढ़ भए सागरक शोभा देखए लगलाह) । *upakūla*—*Adj.* Near, near the bank of a river.

𑒅𑒣𑒏𑒵𑒞 **उपकृत**—वि० । जकर उपकार वा सहायता कएल गेल होइक । [सं० उप + कृ—क्त] । तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० अव०, राज० उपकृत; पा० उपक्खत; प्राकृ० उवगिय; ओगय । मि० २८-२-११ (छात्रलोकनि उपकृत कैल जेताह) । *upakṛta*—*Adj.* Helped, benefited.

𑒅𑒣𑒏𑒵𑒞𑒱 **उपकृति**—उपकार, सहायता, हित, लाभ । [सं० उप + कृ—क्ति] । तु० क० हि० उपकृति । (एहि उपकृतिक भार हमरा उपर सर्वदा रहत) । *upakṛti*—Help, benefit.

𑒅𑒣𑒏𑓂𑒩𑒧 **उपक्रम**—आयोजन, तैयारी, भूमिका, कोनो कार्यक हेतु प्रारम्भिक व्यवस्था वा अव्यवस्था । [सं० उप + क्रम—घञ्] । तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अव०, राज० उपक्रम; पा० उपक्कम; प्राकृ० उपक्कम । प्रण० ६ (सुतबाक उपक्रम करए लगलहुँ); प्रण० २२ (आगाँ बढ़बाक उपक्रम कैलन्हि) । *upakrama*—Plan, approach, beginning after deliberation.

𑒅𑒣𑒏𑓂𑒩𑒧𑒳 **उपक्रमु**—उपक्रम (दे०) केर प्रा० प्रेरणा० रू० । वर्ण० ४७ (गात्रक गदन पन उपक्रम) । *upakramu*—*Old* Caus. form of *upakrama* (q.v.).

𑒅𑒣𑒏𑓂𑒩𑒧𑒝𑒱𑒏𑒰 **उपक्रमणिका**—कोनो पुस्तक वा ग्रन्थमे देल गेल विषय सूची, भूमिका । [सं०] । तु० क० हि०, राज० उपक्रमणिका; अनुक्रमणिका (दे०) । (ग्रन्थक उपक्रमणिका शुद्ध-शुद्ध छपल रहबाक चाही जाहिसँ पाठक केँ कोनो पाठ तकबामे कष्ट नहि होइन्ह) । *upakramaṇikā*—The Contents of a book.

𑒅𑒣𑒏𑓂𑒩𑒰𑒢𑓂𑒞 **उपक्रान्त**—क्रि० । हारल । मि० ४०८ ।

𑒅𑒣𑒏𑓂𑒩𑒼𑒬 **उपक्रोश**—निन्दा, अपवाद, भर्त्सना । [सं० उप + क्रुश—घञ्] । हि०, बं०, उपक्रोश । अम० ३८ (अपवाद उपक्रोश) । *upakrośa*—Blame.

𑒅𑒣𑒑𑒞 **उपगत**—वि० । उपस्थित, प्राप्त, स्वीकृत, जानल, ज्ञात । [सं० उप + गत] । तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, राज०, अव०, भोज० उपगत । वर्ण० १४ (उपगत कएल अछ); वि० ने० १० (उपगत पहौन रितुपति सहारे); राम० ८५ (दिवस उपगत भेल); राम० २५२ (एक समय उपगत उमापति); चन्द्र० ३८ (उपगत शरीर नवीन); महेश० (४५ (करम दोष उपगत दुखहू); मि० । *upagata*—*Adj.* Accepted, present, got, arrived.

𑒅𑒣𑒑𑒞𑒱 **उपगति**—उपगत (दे०) केर स्त्री० रू० । वर्ण० १४ (समीप उपगति कइलि अछ); वि० पदा० मजु० ३५६ (दसमि दसा उपगति भेलि आए); वि० पदा० मजु० ६४, तालपत्र न० गु० ४८५, अ० ४११ (उपगति भेलिहु इ भेलि साति) । *upagati*—*Fem.* Form of *upagata* (q.v.).

𑒅𑒣𑒑𑒧 **उपगम**—स्वीकार, प्राप्ति, उपस्थिति, आसक्ति, ज्ञान । [सं० उप + गम] । (हुनक उपगम सँ हमर चित्त स्थिर भ गेल) । *upagama*—Acceptance, knowledge, presence, acquisition.

𑒅𑒣𑒑𑒪 **उपगल**—उपगम (दे०) केर भू० रू० । रत्ना० १ । *upagala*—*Past* tense form of *upagama* (q.v.).

𑒅𑒣𑒑𑓂𑒩𑒯 **उपग्रह**—छोट-छोट ग्रह, प्रधान ग्रह नहि, ओ ग्रह जे पैघ-पैघ ग्रहक चारूकात घुमैत अछि । [सं० उप + ग्रह—अप] तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, राज० उपग्रह । *upagraha*—A secondary planet, satellite.

𑒅𑒣𑒒𑒰𑒞 **उपघात**—आघात, क्षति, रोग, व्याधि अनिष्ट । [सं० उप + हन्—घञ्] । तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, राज० उपघात । (घात उपघातसँ बचबाक विविध उपाय अछि) । *upaghāta*—Striking, harm.

ꣀꢡꢙ उपचय—उन्नति, बढ़ती, वृद्धि। उपचार (दे०) केर का० रू०। तु० क० हि०, बं०, ने०, उपचय; उवचय; प्रा० म० उचाय। वर्ण० १९ (औषधीक उपचय); राम० २६२ (पापक उपचय धर्मक लोप); ग० प० ३७ (विरह उपचय कर मैथिली); भाषा ११५; शतदल ३०; ग्रि० । *upacaya*—Growth, increase, advancement. *Poet.* of *upacāra* (q.v.).

ꣀꢡꢜ उपचर—उपचार (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० २७८ (नहि उपचर एकठामा)। *upacara—Poet* of *upacāra* (q.v.).

ꣀꢡꢜꢳ उपचरब—उपचार (दे०) केर इच्छा० रू०। वि० पदा० मजु० १३७, ने० १३६, तालपत्र न० गु० ७६६; अ० ७६० (की उपचरब सन्देह न छाड़)। *upacarala—opta.* form of *upacāra* (q.v)).

ꣀꢡꢜꢳ उपचरिअ—उपचार (दे०) केर प्रेरणा० रू०। वि० ने० ८६ (हिम सम चान्दन आनी उपर पौरी उपचरिअसयानी)। *upacaria—Caus.* form of *upacāra* (q.v).

ꣀꢡꢝ उपचार—चिकित्सा, औषधी, निरोध, उपाय, सेवा, विधान, व्यवहार, प्रयोग, शान्ति, धर्मानुष्ठान, उपचार पाँच प्रकारक तथा सोड़ह प्रकारक होइछ। [उप+चर—घञ्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज०, पा० उपचार; प्राकृ० उअआर; उआर। वर्ण० ३ (कौशल, सहृद उपचार); वि० ने० ६ (किछु उपचार न मानय आन); राम० ३४ (सभ उपचार करथि भरिपोष); महेश० १ (कए पूजा उपचार विहित); द्विरा० ४६ (प्राथमिक उपचार करब आवश्यक छलैन्ह); प्रण० ८३ (रानी भवानी माँजीक उपचारमे लगलीह)। पंचोपचार; षोडशोपचार; पूजा। *upacāra*—Treatment, service, Five or Sixteen varieties of offerings to God, solace.

ꣀꢡꢝ उपचारहु—उपचार (दे०) केर निश्च० रू०। वि० पदा० मजु० ६६४ (दिन हरि लख उपचारहु रे)। *upacārahu—Emph.* form of *upacāra* (q.v.).

ꣀꢡꢝ उपचारा—उपचार (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० ६८, अ० ८४५ (दूतिक इह उपचार)। *upacārā—Poet.* form of *upacāra* (q.v.).

ꣀꢡꢝ उपचारी—वि०। उपचार वा चिकित्सा कए निहार। का० रू०। [सं०]। तु० क० हि० उपचारी। वि० प० २० (मल पौड़श उपचारी)। *upacārī—Adj.* Serving, attending upon. *Poet.* form.

ꣀꢡꢝ उपचारे—उपचार (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० १३४ न० गु० तालपत्र ७४७, अ० ७४२ (करथु विरह उपचारे)। *upacāre—Poet.* form of *upacāra* (q.v.).

ꣀꢡꢞ उपचित—वि०। एकत्रित, संचित, वर्धित, जमा कएल, पौसल। [सं० उप+चि–क्त]। तु० क० हि०, बं० उपचित। वि० पदा० मजु० ५८, तालपत्र न० गु० ४१४, अ० ४१० (उपचित कतए तिरोहित होए); महेश० ७ (उपचित शिव हे अर्न्तहित देर); उ० ना० ६ (उपचित हृदय अनङ्ग); ग्रि०; कल्पना ११; मै० हि० सा० ३ (२–३) (मंत्र चैतन्ये उपचित)। *upacita—Adj.* Collected, increased.

ꣀꢡꢞ उपचीत—उपचित (दे०) केर का० रू०। श्री कृष्ण केलिमाला १८ (जनम दिवस सञो नन्द सुत, दिवस-दिवस उपचीत)। *upacīta—Poet.* of *upacita* (q.v.).

ꣀꢡꢞ उपचीयमान—? उत्तर राम० ६०।

ꣀꢡꢟ उपछ—उपछब (दे०) केर मूल रू०। उपछबाक क्रिया। FML ग्रि०। [सं० उपचय, उप+चि (नाश)+अच् अथवा उद्+पच्छ (दे०)]। *upacha—Root* form of *upachaba* (q.v.).

ꣀꢡꢟ उपछब—क्रि०। थोड़ उपर फेकब थोड़ पानि वा माटि, नीचाँ सँ वा एक खेतसँ दोसर खेतमे फेकब। [उपछ+अब]। ग्रि०। (खत्ताक पानि उपछब कोनो कठिन नहि)। *upachaba—V.* Throw up water or earth.

ꣀꢡꢟ उपछवाय—उपछब (दे०) केर भूत० प्रेरणा० रू०। गृहस्थाचार दर्पण ७१। *upachavāya—Past* tense caus. form or *upachaba* (q.v.).

ꣀꢡꢟ उपछि—उपछब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। मिहिर ६ (२–६१–५६); उगना २० (उपछि उपछि कए आनल अछि)। *upachi—Part* form of *upachaba* (q.v.).

ꣀꢡꢟ उपछियो—उपछि (दे०) केर निश्च० रू०। मौ० ६७–१७ (उपछियो के नहि देहै)। *upachiyo—Emph* form of *upachaba* (q.v.).

ꣀ꣐ उपज—उत्पत्ति, उद्भव, जन्म, फसिल, सूझ, मनगढ़न्त बात। [सं० उद्+पद् उत्पद्य अथवा प्राकृ० उप्पज]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० उपज; सि० उपाजु; प्राकृ० उप्पज्ज। ग्रि०; FML 4455. *upaja*—Growth, crop, produce.

ꣀ꣐ उपजइ—उपजब (दे०) केर वर्त्त० रू०। तु० क० अव० उपजइ; पा० उप्पज्जति; प्राकृ० उप्पज्जइ; कु० उपजणो; प० उपजणा; प्रा० अव० उपजाइ; गु० उपजाइ; हि० उपजना। वि० पदा० मजु० १३६, तालपत्र न० गु० ७३१ अ० अ० ७६६ (जिवसँ पेम पलके उपजइ)। *upajai—Present* tense form of *upajaba* (q.v.).

ꣀ꣐ उपजइन्हि—उपजब (दे०) केर भ० रू०। नव० २ (उपजइन्ह त चारि मासक बुतात भ जाइन्हि)। *upajainha*—Future tense form of *upajaba* (q.v.).

ꣀ꣐ उपजए—उपजब (दे०) केर वर्त्त० रू०। हि० उप०

मजु० ७४, नेपाल २१३, न० गु० २४५, अ० २४५ (कत न उपजए विरह शर्का); वि० पदा० मजु० १४, रामभद्रपुर पोथी पद ६० (कओन हृदय नहि उपजए रोस)। *upajae*—*Present* tense form of *upajaba* (q.v.).

𑒅𑒣𑒖𑒞 **उपजत**—उपजब (दे०) केर भवि० रू०। वि० ने० १६२ (भाव उपजत भला); वि० पदा० मजु० १४३, न० गु० ८२८ (मिथिला), अ० ८२८ (उपजत मदन वेआधि); महेश० ४१ (नहि तन रोग भोग भय उपजत)। *upajata*—*Future* tense form of *upajaba* (q.v.).

𑒅𑒣𑒖𑒥 **उपजब**—उत्पत्ति वा उद्भव होएब, सूक्ष होएब, मनमे बात उचरब वा स्मरण भ आएब। [उपज + अब]। क्रि०। (अन्न उपजब आधुनिक युगमे वैज्ञानिक खाद एवं औजार पर निर्भर करैछ)। *upajaba*—To grow up, to remember.

𑒅𑒣𑒖𑒨 **उपजय**—उपजए (दे०) केर विक० रू०। गो० मृ० १ अमर १० (गृहपति तरजन गुरुजन गरजन के जानय उपजय हाउ); चन्द्र० ३०३ (मनमे उपजय दाह); महेश० ३० (भगति बिना नहि उपजय ज्ञान); मि० उद० १५६–१६ (उपजय कुमति विशेष); क्रि०। *upajaya*—*Alt.* form of *upajae* (q.v.).

𑒅𑒣𑒖𑒪 **उपजल**—उपजब (दे०) केर भू० रू०। गोरक्ष विजय ११ (क) (जेहि उपजल तेहि काला); वि० पदा० मजु० २३५ (तोह हम पेम जते दुरे उपजल); मन० कृष्ण० ० (देखि देवकी मन उपजल मोह); डा० उ० ना० नि० १४०; (उपजल आङन पोआरहि चिन्हल) =अधिक उपजपदाक प्रमाण पोआरक ढेरीसँ पता लगैत छैक। *upajala*—*Past* tense form of *upajaba* (q.v.).

𑒅𑒣𑒖𑒪𑒱 **उपजलि**—उपजल (दे०) केर स्त्री० रू०। वि० वि० पदा० मजु० ५८, तालपत्र न० गु० ४१४; अ० ४१० (उपजलि प्रीति हठहि दुर गेलि); व्य० वि० २८४; FML 286 (v. 113). *upajali*—*Fem.* form of *upajala* (q.v.).

𑒅𑒣𑒖𑒰 **उपजा**—उत्पादन कएल गेल अन्न, उत्पादित कएल गेल, मनमे बात खेतसँ उत्पन्न भेल अन्नादि। [सं० उत्पाद्यते]। तु० क० बं०, ने० उपजा। FML 470, 327, 515; मिहिर ३८–२७–६। *upajā*—Produced crop, produced matter.

𑒅𑒣𑒖𑒰𑒃𑒁 **उपजाइअ**—उपजा (दे०) केर प्रेरणा रू०। वि० ने० ११२ (कते जतने उपजाइअ गुन); वि० पदा० मजु० ५३६ (नेह सहज हे कि रिति उपजाइअ)। *upajāia*—*Caus.* form of *upajā* (q.v.).

𑒅𑒣𑒖𑒰𑒅 **उपजाउ**—वि०। जाहि जमीनमे अधिक एवं नीक अन्न एवं अन्य वस्तु होइक, उर्वर। [सं० उपज + आउ]। तु० क० क० बं०, ने० अव० उपजाउ; हि० राज० उपजाऊ; भ्रामक० ११४ (उपजाउ जमीन पसरल अछि); अम० ६६ (ई उपजाउ भूमिक नाम)। *upajāu*—*Adj.* Fertile, prolific.

𑒅𑒣𑒖𑒰𑒋 **उपजाए**—उपजा (दे०) केर वर्त० रू०। वि० ने० ११४ (वधु उपजाए करिअ जे काट)। *upajāe*—*Present* tense form of *upajā* (q.v.).

𑒅𑒣𑒖𑒰𑒍𑒥(𑒫) **उपजाओब(व)**—उपजा (दे०) केर भवि रू०। वि० ने० ६१ (गेले मान अधिक होअ सँग बड़कए की उपजाओब रंग); वि० पदा० मजु० १०१, नेपाल ६०, न० गु० ४, नेपाल ४४४. अ० ४३६ बड़ कए की उपजाओब रंग)। *upajāoba(va)*—*Future* tense form of *upajā* (q.v.).

𑒅𑒣𑒖𑒰𑒞𑒱 **उपजाति**—कोनो जातिसँ विकसित ओकर विभेद वा उपभेद, एगारह अक्षरक वर्णवृत्त वा छन्द विशेष। [सं० उप + जाति]। तु० क० हि०, बं०, असo, ने० राज उपजाति। (एके जातिसँ उपजातिक उत्पत्ति होइछ)। *upajāti*—A kind of meter in eleven syllables, A sub-caste or class.

𑒅𑒣𑒖𑒰𑒨 **उपजाय**—विभिन्न राजनीतिक एक भेद, विच्छेद, भेद। [उप + जय—घञ्]। तु० क० बं० उपजाय। वर्ण० ३ (उपजाय सोनाप्रचार, देशरक्षा)। *upajāya*—Separation, division, a kind of politics.

𑒅𑒣𑒖𑒰𑒨𑒥 **उपजायब**—उपजाओब (दे०) केर वा० रू०। वि० पदा० मजु० ६८, अं० ८४५ (गेलि न गेलि यबहि उपज यब)। *upajāyaba*—*Coll.* of *upajāobā* (q.v.).

𑒅𑒣𑒖𑒰𑒫 **उपजाव**—उपजाए (दे०) भवि० रू०। वि० पदा० मजु० ३६४ (हिय दुख उपजाव)। *upajāva*—*Future* tense form of *upajāe* (q.v.).

𑒅𑒣𑒖𑒰𑒫𑒋 **उपजावए**—उपजा (दे०) केर इच्छा० रू०। नव० ७६ (पचास पचास मीन धान उपजावए)। *upajāvae*—*Opta* form of *upajā* (q.v.).

𑒅𑒣𑒖𑒰𑒫𑒞 **उपजावत**—उपजाओब (दे०) केर हि० रू०। मि० उद० १५६–१५ (विरह दहन दुइ गुन उपजावत)। *upajāvata*—Hindi form of *upajāova* (q.v.).

𑒅𑒣𑒖𑒰𑒫𑒲 **उपजावी**—उपजा (दे) केर इच्छा रू०। प्रश्न० १६२ (उपजावी शष्य अन्न)। *upajāvī*—*Opta.* form of *upajā* (q.v.).

𑒅𑒣𑒖𑒰𑒫𑒾 **उपजावौ**—उपज बओ (दे०) केर प्रेरणा० रू०। खट्ट० ६० (उपजावौ केओ परन्तु भोग लगावए काल अग्रे-अग्रे विप्रगाम)। *upajāvŏ*—*Caus.* form of *upaja* (q.vr).

𑒅𑒣𑒖𑒰𑒯𑒳 **उपजाहु**—उपजाउ (दे०) केर विक० रू०। मि० मा० वि० २३८। *upajāhu*—*Alt.* form of *upajāu* (q.v.).

𑒅𑒣𑒖𑒲𑒫𑒏 **उपजीवक**—वि०। परावलम्बी, दोसरा पर अवलम्बित रहनिहार, दोसराक सहायता पर जीविकोपार्जन कएनिहार वा जीवन धारण कएनिहार। [सं०]। तु० क० बं० उपजीवक। विश्वेश्वर चम्पू ४७। *upajīvaka*—*Adj.* Who depends upon another person (for livelihood).

𑒅𑒣𑒖𑒲𑒫𑒢 **उपजीवन**—जीविका, रोजी रोटी, दोसरा पर निर्वाहक हेतु अवलम्बन। [सं०]। तु० क० हि०, बं० उपजीवन। मो० १०७–४ (किछुओ उत्तीर्ण जनकें वार्षिक उपजीवन होइन्हि)। *upajīvana*—Livelihood.

𑒅𑒣𑒖𑒲𑒫𑒱𑒏𑒰 **उपजीविका**—जीविका, रोटी-रोजी, परावलम्बन, दोसराक उपर निर्वाहक हेतु अवलम्बन, उद्योग, उपाय। [सं० उप+जीविका]। तु० क० हि०, बं०, ने०, राज० उपजीविका। (उपजीविका हेतु किछु उपाय आवश्यक)। *upajīvikā*—Livelihood.

𑒅𑒣𑒖𑒳 **उपजु**—उपज (दे०) केर प्रा० का० रू०। कीर्तिलता ४२ (सत्तधरँ उँपजु हुरनिन्द नहि भँखयो); वि० पदा० मजु० १७६, नेपाल १६२, न० गु० ४०५ (अइसन उपजु मोहि भाने); राग० ६८ मुनिहुँ मानस उपजु विषाद)। *upaju*—*Old.* Poet. form of *upaja* (q.v.).

𑒅𑒣𑒖𑒻 **उपजै**—उपजए (दे०) केर विक० रू०। महेश० ४६ (करुणा कतए समक मन उपजै); मो० ६७–१० (कहियो उपजै नहि होइछ)। *upajae*—*Alt.* Form of *upajae* (q.v.).

𑒅𑒣𑒖𑒻𑒕 **उपजैछ**—उपज (दे०) केर वर्त्त० रू०। मि० उद० १५६–२ (उपजैछ आइ मखान)। *upajaicha*—*Present* tense form of *upaja* (q. v.).

𑒅𑒣𑒖𑒼𑒑 **उपजोग**—उपयोग (दे०) केर वा० रू०। म० वि० १४५ (थिक गृहस्थकाँ जे उपजोग)। *upajoga*—*Coll.* of *upayoga* (q.v.).

𑒅𑒣𑒖𑒼𑒪𑒯 **उपजोलह**—उपज (दे०) आद० मध्य०, भू० रू०। वि० ने० २२३ (प्रथमहि कतन उपजोलह)। *upajolaha* *Hon.* Second person, past tense form of *upaja* (q.v.).

𑒅𑒣𑒙 **उपट**—उपटब (दे०) केर मू० रू०। [सं० उत्पाट>उपाट>उपट]। ग्रि०; धातु पाठ ३१। *upaṭa*—Root form of *upaṭaba* (q.v.).

𑒅𑒣𑒙𑒥 **उपटब**—क्रि०। वास हटाएब, गाछक सर्वथा विनाश, नष्ट होएब, जड़ि मूलसँ उखड़ब। [उपट+अब]। ग्रि०। *upaṭaba* —*V.* Uproot, destroy.

𑒅𑒣𑒙𑒪 **उपटल**—उपटब (दे०) केर भू० रू०। मन० कृष्ण० ११ (अगिलहि दिन उपटल दस सर); मि० ना० ७१ (की उजरल उपटल नैहर नहि); मिहिर ४०–२–११ (उपटल उजड़ल रबिक जड़ल कृषि कृषकक हरिहर पास कहाँ); मिहि० मि० ३८–५–४ (झीका-मोरीमे उजड़ल उपटल अछि); चित्रा २१ (उपटल सम डीह डाबर); मैथिली भाषा २५। *upaṭala*—*Past* tense form of *upaṭaba* (q.v.).

𑒅𑒣𑒙𑒰 **उपटा**—उपट (दे०) केर इच्छा० रू०। BPL 918. *upaṭā*—*Opta.* form of *upaṭa* (q.v.).

𑒅𑒣𑒙𑒰𑒅 **उपटाउ**—उपटब (दे०) केर प्रेरणा० रू० [illegible] ३२६ (अथवा बल सौं उपटाउ)। *upaṭāu*—*Caus.* form of *upaṭaba* (q.v.).

𑒅𑒣𑒙𑒰𑒩 **उपटार**—उपटि जाएब, गङ्गा कौशिक कछेर [illegible] अनेको उपटार होइत छैक। [उपट+आर (समूह)]। *upaṭāra*—Waste land.

𑒅𑒣𑒙𑒱 **उपटि**—उपटब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। FML 458. *upaṭi*—*Part.* form of *upaṭaba* (q.v.).

𑒅𑒣𑒙𑒲 **उपटी**—उपटि (दे०) केर का० रू०। मन० कृष्ण० ११ (जनि छल मध्य बरबो गेल उपटी)। *upaṭī*—*Poet.* form of *upaṭi* (q.v.).

𑒅𑒣𑒛𑓃𑒥(𑒫) **उपड़ब(व)**—मूलसँ अलग होएब। [सं० उत्पाटयति]। FML 170; धातु शब्द ३६। *upaḍaba(va)*—To uproot.

𑒅𑒣𑒜𑒳𑒏𑒢 **उपढुकन**—उपढौकन (दे०) केर प्रा० लु० रू०। वर्ण० २४ (सुनन, भूलन, चुकन उपढुकन चारि धर्म व्यवहार)। *upaḍnukana*—Obs. form of *upaḍhaukana* (q.v.).

𑒅𑒣𑒜𑒾𑒏𑒢 **उपढौकन**—उपहार, उत्कोच, चारि प्रकारक धर्म व्यवहारक एक भेद। [सं० उप+ढौक—ल्युट्]। तु० क० बं० उपढौकन। मो० १३३–१८ (उपढौकनादि दै व्यापारक आज्ञा प्राप्त कैलन्हि)। *upaḍhokana*—A Present, bribe, one of the four types of behaviour.

𑒅𑒣𑒞𑒰𑒣 **उपताप**—व्याधि, सन्ताप, बिपत्ति, दुर्गति, उत्पात, अत्याचार। [सं० उप+ताप]। तु० क० अस०, राज०, **उपताप**। कीर्तिलता ४० (मन्त्री भणिअ अइसनेओ उपताप भणिओ); वि० ने० ६६ (सुन्दरि बचनें कान्ह उपताप); अम० १३५ (उपताप रोग व्याधि)। *upatāpa*—Sickness, grief, outrage, oppression.

𑒅𑒿𑒣𑒞𑒰𑒣 **उँपताप**—उपताप (दे०) केर अवहट्ठ रू०। कीर्तिलता ४० (अइसनेओ उँपताप गणिओ न गुनिअ)। *ũpatāpa*—*Avahaṭṭha* form of *upatāpa* (q.v.).

𑒅𑒣𑒞𑓂𑒨𑒏𑒰 **उपत्यका**—पहाड़ व पर्वतक समीपक समतल भूमि, तराइ। [सं० उप+त्यकन्—टाप्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० उपत्यका। अम० ७६। *upatyakā*—A hill valley.

𑒅𑒣𑒟 **उपथ**—वि०। अधलाह पथ वा रास्ता, नीक [illegible] नहि। [सं०]। तु० क० कुपथ। गोरक्ष-विजय ५ (ख) (उपथ [illegible] सुनि तुअ नाम)। *upatha*—*Adj.* Bad path.

𑒅𑒣𑒠𑒩𑓂𑒬 **उपदर्श**—दर्शन, दृष्टि गोचर, देखब, निवेदन, [illegible]र्शन। [सं० उप+सं० दृश>दर्श]। वर्ण० ११ (उपदर्श [illegible] करू)। *upadarśa*—To see or look, visit.

ঊপদর্শি **उपदर्शि**—उपदर्श (दे०) पू० क्रि० रू० । वर्ण० ५१ (अङ्ग अपन उपदर्शि)। *upadarśi—Part.* form of *upadarśa* (q.v.).

ঊপদর্শক **उपदर्शक**—वि० । साक्षात् द्रष्टा, द्वारपाल, पथ-प्रदर्शक । [सं० उप+दृश+णिच्—ल्युट्] । तु० क० बं० । (उपदर्शक सामने ठाढ़ छथि निवेदन करू) । *upadarśaka—Adj.* Eye witness, a door-keeper, a guide.

ঊপদিষ্ট **उपदिष्ट**—वि० । जकरा उपदेश वा ज्ञान देल गेल हो, आदिष्ट, कथित, प्रदर्शित, शिक्षित । [सं० उप+दिश—क्त] । तु० क० हि०, बं०, असं० ने उपदिष्ट; राज० उपदिष्ट; प्राकृ० उवइट्ठ । कठोपनिषद; मि० भा० वि० ७; २५६ । *upadiṣṭa—Adj.* Instructed, told, learnt.

ঊপদিষ্টা **उपदिष्टा**—वि० । उपरसँ देखौआ, बख्शीश, उपरी आमदनी । [सं० उपरि+दृष्ट] । *upadiṣṭā—Adj.* Gift, gratuitous (payment), tip.

ঊপদেশ **उपदेश**—अनुशासन, हितकथन, विचार, शिक्षादान, परामर्श । [सं० उप+दिश—घञ्] । तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अव०, भोज० उपदेश; राज० उपदेश । गोरक्ष विजय ४ (ख) (भनइ विद्यापति सद उपदेश); वि० पदा० मजु० ६६ (कामिनी तोहे उपदेश धरब); गो० शृ० १ अन० १० (सजनि अब कि करब उपदेश); राम० १२४ (गोपनी उपदेश सुनु); मो० ७३-(२०) (सद् व्यवहार प्रचारक विषय पर उपदेश कैलन्हि); मै० हि० सा० ३(८-१२) १ (दै उपदेश वेश उन्नतिक हेतु); पुरु० २३६ (नहि सब गुरु उपदेश देश); परी ३५ (फेर उपदेश देब लागल) । *upadeśa*—Instruction, advice, cousel, teaching, sermon.

ঊপদেশক **उपदेशक**—वि० । उपदेश, शिक्षा, एवं विचार आदि देनिहार । [सं० उपदेश+अक] । तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० अव० उपदेशक; प्राकृ० उवएसग; राज० उपदेशक । (उपदेशक नीक स्वभाव एवं चरित्रक होएबाक चाही) । *upadeśaka—Adj.* An instructor or advisor.

ঊপদেশল **उपदेशल**—उपदेश (दे०) केर भू० रू० । गो० शृ० १ अन० ४१ (पिरित माँगैत जे उपदेशल तनिकर सुख देब आगि); चन्द्र० १७८ (प्रभु परसन उपदेशल है) । *upadeśala—Past* tense form of *upadeśa* (q.v.).

ঊপদেশহু **उपदेशहु**—उपदेश (दे०) केर निश्च० रू० । राम० ६२ (उपदेशहु मे गड़बड़ लाग) । *upadeśahu—Emph.* form of *upadeśa* (q.v.).

ঊপদেশিকা **उपदेशिका**—उपदेशक (दे०) केर स्त्री रू० । गंग० १३७ (शन्नो देवी सेहो उपदेशिका छलथिह) । *upadeśikā—Fem.* form of *upadeśaka* (q.v.).

ঊপদেশিত **उपदेशित**—वि० । शिक्षित, विचारित, परामर्श करल गेल, शिक्षा देल गेल । [सं० उपदेश+इत] । पुरु० १५७ (मुनि अनेक उपदेशित लक्षण सौ) । *upadeśita—Adj.* Instructed, educated.

ঊপদেশে(শেঁ) **उपदेशे(शें)**—उपदेश (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० ५५४ (मानिय मोर उपदेशे); मि० ५३० (हुनक उपदेशें स्वयं बनाओल) । *upadeśe(śẽ)—Poet.* form of *upadeśa* (q.v.).

ঊপদেষ্টা **उपदेष्टा**—शिक्षा वा उपदेश देनिहार, शिक्षक, अध्यापक, गुरु, विद्वान । [सं० उप+दृश—तृच] । तु० क० हि० उपदेष्टा; राज० उपदेष्टा । राम० १३१ (उपदेष्टा रघुवीर); मि० उद० १५७—१० (उपदेष्टा हमर जाति होइत अबैत छथि); मो० २६-२७-२२ (आन उपदेष्टा गुड़-बुड़ लोकनि बहुत छथिन्ह) । *upadeṣṭā*—Instructor, teacher.

ঊপদেস **उपदेस**—उपदेश (दे०) केर व० एवं का० रू० । तु० क० अव०, राज० उपदेस । वि० पदा० मजु० ६६, रागत० ६२, ने० २२१, न० गु० ५४१, अ० ५५२ (सुन्दरी हे उपदेस धरिए धरि); श्री कृष्ण केलिमाला १६ (हरिवंश कंसे कैल उपदेस); FML 407; मि० । *upadesa—Coll.* and *Poetic* form of *upadeśa* (q.v.).

ঊপদেসৌ **उपदेसौ**—उपदेस (दे०) केर निश्चय० रू० । वि० पदा० मजु० १५६; तालपत्र न० गु० ७२५, अ० ७२१ (होउ उपदेसौ रस न्ता) । *upadesau—Emph.* form of *upadesa* (q.v.).

ঊপদ্রব **उपद्रव**—उत्पात, विघ्नबाधा, अत्याचार, अनिष्ट, क्षति । [सं० उप+द्रु—घञ्] तु० क० हि०, बं०, असं० ने०, राज० अव० उपद्रव; पा० उपद्दव; प्राकृ० उपद्दव; म० उद्रव । मन० कृष्ण० १८ (होइछ उपद्रव बारम्बार); राम० ५४ (कयल उपद्रव समाजनक); राम० १८५ (करति कि सहन उपद्रव फेरि); मो० १०४-६ (उपद्रवसँ बचौलन्हि); खट्ठ० ६ (कश्मीरमे सापक बेसी उपद्रव नहि); चित्रा ८३ (अधि भौतिक उपद्रव सँ खिन्न); शतदल १७ (उपकृतो उपद्रव करए न कम) । *upadrava*—Trouble, tyranny, oppression, mischief.

ঊপদ্রবী **उपद्रवी**—वि० । उपद्रव, अत्याचार, क्षति, विघ्न बाधा करनिहार, खुरपाती । [सं० उपद्रव+ई] । तु० क० हि०, असं०, ने०, राज०, अव० उपद्रवी; उपद्रावी । (नेनो सुटका कम उपद्रवी नहि होइछ) *upadravī—Adj.* Mischievous.

ঊপদ্রাবক **उपद्रावक**—उपद्रव केनिहार लोक वा जीव-जन्तु । *upadrāvaka*—Mischief-maker.

ঊপদংশ **उपदंश**—खाएल गेल वस्तु वा भक्ष्य पदार्थ विशेष, गरमी सुजाक, एक रोग विशेष नढ़्या कुकुर आदिक । [सं० उप+दन्श—घञ्] । तु० क० हि०, बं०, अव० उपदंश । प्राकृ० उदंस राज० उपदंस २६५ (तुअ उपदंश सन्देसवा) । *upadaṃśa*—Syphlis.

ऊपधा उपधा—छल कपट, व्याकरणमे शब्दक अन्ति म अक्षरसँ पूर्वक अक्षर, उपाय, मिथ्या वा भ्रामक उपाधि। [सं० उप+धा—अङ्] तु० क० हि० बं०, अस०, राज० उपधा। मि० भा० वि० ३४,१०१। *upadhā*—Means, deceit, pe nultimat letter, alias.

ऊपनत उपनत—वि०। उपस्थित, समीपस्थ, प्राप्त, उपगत, आसन्न, नम्र, शरणागत, उपगमन। [सं० उप+नत]। तु० क० बं० उपनत (उपनत वस्तुक वा मनुष्यक अनादर नहि करबाक चाही)। *upanata—Adj.* Presented, brought near.

ऊपनय उपनय—लग लए जाएब, समर्पण, आगमन, य संस्कार विशेष। [सं० उप+नी—ल्युट्]। तु० क० बं०, हि० नेo, राज० उपनय। वर्ण० २७ (अलङ्कारक उपनय)। *upanaya*—Bringing near, carrying (something) to (somebody).

ऊपनयन(ना) उपनयन(ना)—उपनयन संस्कार, यज्ञोपवीत धारणक स्वाक यज्ञ, ई संस्कार ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य कैं होइछ। ई हिन्दू धर्म केर सोड़ह संस्कारमेसँ एक संस्कार मानल जाइछ। [सं० उप+नी—ल्युट्] तु० क० हि० बं०, अस०, ने०, अव०, भोज० उपनयन; प्राकृ० उवणयण; राज० उपनणण। राम० २० (उपनयनक गुरू कयल विचार); वि० व० ५५ (यज्ञ भेल उपनयन); मै० हि० सा० प्र० १ (उपनयन ओ विवाह ई दूनू अमूल्य संस्कार रत्न बाँचल अछि); मो० ९९–५ (दोसर संस्कार उपनयन रहि गेल अछि); मि० उद० १५९–३ (उपनयन पूर्वो मे छल); प्रण० ९७ (पुनः उपनयन आवश्यक)। *upanayana(nā)*—The ceremony of sacred thread.

ऊपनयनिआ उपनयनिआ—उपनयन सम्बन्धी। [सं० उपनयन+इआ]। (उपनयनिआ भोजक विन्यास होमक चाही)। *upanayaniā*—Relating to the ceremony of sacred thread.

ऊपनहि उपनहि—बन्धन, बन्धन साधन, वस्त्र आदि सँ बान्हब, लेपन, तथा लेपन द्रव्य। [सं० उप+नह्+इ]। तु० क० बं० उपनहन सं० उपानह, उपानहत=जूता। वर्ण० १२ (अङ्कक पानि सफुर अँचरा एक उपनहि छलु); FML 529. *upanahi*—Tying with cloth.

ऊपनाम उपनाम—वि०। दोसर नाम, प्रचलित नाम, अपन इच्छानुसार नाम जाहि नामसँ लोक सोर करैक, उपाधि। [सं० उप+नाम]। तु० क० हि०, अस०, ने० उपनाम; राज० उपनांम। प्रण० १८७ (अपन उपनाम अँचल रखने छलाह); नव० ५९ (ललित कशोर उपनामे अपना जबारमे प्रसिद्ध छलाह)। *upanāma—Adj* A Nick-name, pen name.

ऊपनायक उपनायक—नाटकमे प्रधान नायकक सँगी वा सहायक, जे नायक प्रधान नायककेँ आगू बढ़ेबामे सहायक होइत छथि। [सं० उप+नायक]। तु० क० हि०, राज० उपनायक। वर्ण० ४ (उपनायक गुणतेँ सम्पूर्ण)। *upanāyaka*—Friend of hero, assistant hero.

ऊपनियम उपनियम—आचरण व्यवहार केर छोट छोट तरीका वा कानून, उपविधि, कोनो पैघ नियमक अङ्ग कोनो विधि वा नियमक अन्तर्गत। हि० उपनियम। शतदल ८१। *upaniyama*—Secondary law, a clause of main law.

ऊपनिवेश उपनिवेश—नव बस्ती, दोसर स्थान सँ आयल मनुष्यक बस्ती। [सं०]। तु० क० अस०, ने०, हि० उपनिवेश। मि० (मैथिली भाषी उपनिवेशसभमे एक प्राणे मातृभाषाक भक्ति जगयबाक हेतु एक केन्द्रीय महोत्सवक आवश्यकता अछि); मो० १०४–२ (भारत ओ अन्य उपनिवेश सभमे जे सम्बन्ध छैक से टुटि जैतैक)। *upaniveśa*—A colony.

ऊपनिषद उपनिषद्—वेद केर ओ अन्तिम भाग जाहिमे ब्रह्म विद्याक निरुपण कएल गेल अछि, वेद केर ज्ञान काण्ड, वेदान्त। [सं० उपनिषद् क्विप्] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, भोज०, उपनिषद्; राज० उपनिसत; उपनिम्मद; प्राकृ० उपनिषत उवणिसआ। राम० ४ (उपनिषद् दधिक मन्थन कएल); राम० बालकाण्ड ५ (उपनिषद् दधिक मन्थन कयल, गीता सुधा राम से धयल); मो० १–५ (उपनिषद् ओ न्याय इत्यादि धर्म बाधक श्रद्धा थिक); मि० उद० १५८–१२ (अन्यो उपनिषद् मे)। *upaniṣada*—The *upaniṣada* (Vedanta).

ऊपनीत उपनीत—वि०। उपनयन, जकर उपनयन भए गेल छैक, लग आनल। [सं० उप+नी—क्त]। तु० क० हि०, बं०, ने०, अव०, राज० उपनीत। वर्ण० ११ (उपनीत करू); गो० श्रृ० १ अमर० १५ (उत्तर न पाइ राइ सखि कुँजहि राय नियर उपनीत); गो० श्रृ० १ अमर० ४० (आदर विनहि कि से बहु बल्लभ पूवि नियर उपनीत); राम० २० (चारु जन विधिसौं उपनीत); FML 509 *upanīta—Adj.* Consecrated; arrived at.

ऊपनैन(ना) उपनैन(ना)–उपनयन (दे०) केर ग्रा० वा वा० रू०। FML 337; पारो ४८ (उपनैन मूड़न, विवाह, दुरागमन आदिसे ल्याओन हैवे टा करैन्हि)। *upanaina(nā)*—Coll err form of *upanayana* (q v.).

ऊपन्यास उपन्यास—काल्पनिक गद्य काव्य मिश्रित गल्प, प्रकृत जीवनक चित्र खीचल मिश्रित कथा, उल्लेख, दान, वाक्यक आरम्भ। [सं० उप+न्यास]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० राज० उपन्यास। मो० १३३–३० (बंकिम बाबूक नव उपन्यास उक्त गुणसँ भरल अछि); मि० २१५ (आदेश पढ़ैबाक उपन्यास कैल); पुरु० १०३ (हम मधपान उपन्यास कैल); कन्या० ४३ (ज्योतिषी काका उपन्यास प्रारम्भ कैलन्हि); पारो ५२ (ई उपन्यास पढ़ि क हमहू चरित्रहीन भ जैब)। *upanyāsa*—Fiction, novel, proposal, reference; gift.

𑒅𑒣𑒢𑓂𑒨𑒰𑒮𑒏𑒰𑒩 **उपन्यासकार**—वि०। उपन्यासक रचयिता वा बनओनिहार, आज्ञा, दान एवं उल्लेख करनिहार। [सं० उपन्यास + सं० कारिन् > कार]। (सं० की **उपन्यास** ार रचताह)। ***upanayāskāra***—*Adj.* Who writes novel, do nor.

𑒅𑒣𑒣𑒞𑒱 **उपपति**—अस्वाचातमूत पति, जो पुरुष जकरासँ कोनो दोसर स्त्री अनुचित प्रेम करैक, जार। [सं० उप + पति]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, राज०, अव० **उपपति**। (**उपपति**क प्रेम निश्छल नहि होइछ)। ***upapati***—Paramour.

𑒅𑒣𑒣𑒞𑓂𑒞𑒱 **उपपत्ति**—सिद्धान्त, युक्ति, सिद्धि, कारण सँ कार्यक अनुमान हेतु द्वारा कोनो वस्तुक स्थितिक निश्चय। [सं० उप + पद—क्तिन्]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अव०, राज० **उपपत्ति**। मै० हि० सा० ५ (कोनो वस्तुक **उपपत्ति** जँ बुझिपैन्हि); मै० हि० सा० (**उपपत्ति** ज्ञान अत्यन्त आवश्यक मानक चाही)। ***upapatti***—Proof, decision, achievement, cause.

𑒅𑒣𑒣𑒢𑓂𑒢 **उपपन्न**—वि०। युक्ति सङ्गत, सिद्ध, उत्पन्न, आगत, सम्पन्न। [सं० उप + पद—क्त]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अव०, राज० **उपपन्न**। मि० भा० वि० ११५। ***upapanna***—*Adj.* Who approaches for protection, proved.

𑒅𑒣𑒣𑒰𑒞𑒏 **उपपातक**—छोट-मोट पाप, अनाचार, कदाचार, पाप विशेष। [सं० उप + पातक]। तु० क० हि० बं०, असं०, ने० **उपपातक**। दिनमणि १६। ***upapātaka***—A kind of sin.

𑒅𑒣𑒣𑒳𑒩𑒰𑒝 **उपपुराण**—छोट छोट पुराणमेसँ एक गौण पुराण। [सं० उप + पुराण]। (**उपपुराण** हरिवंश, गणेशखण्ड आदि-आदि मानल जाइत अछि)। ***upapurāṇa***—One of the eighteen minor puranas, other than the eighteen main ones, minor *purāṇa*.

𑒅𑒣𑒦𑒰𑒭𑒰 **उपभाषा**—अप्रधान कथ्य वा भाषा, विभाषा। [सं० उप + भाषा]। तु० क० बं०, असं०, ने०, **उपभाषा**। वर्णं० ४४ (सातउह **उपभाषा**क कुशलइ)। ***upabhāṣā***—A secondary speech or language.

𑒅𑒣𑒦𑒳𑒏𑓂𑒞 **उपभुक्त**—वि०। भोग कएल गेल, उपयोग कएल गेल, व्यवहृत, अइँठ, उच्छिष्ठ, भक्षित। [सं० उप + भुज्—क्त]। तु० क० हि० बं०, असं०, ने०, अव० **उपभुक्त**। (**उपभुक्त** वस्तुक पुनः व्यवहार उचित नहि)। ***upabhukta***—*Adj.* Eaten, enjoyed, used, possessed.

𑒅𑒣𑒦𑒳𑒏𑓂𑒞𑒰 **उपभुक्ता**—उपभुक्त (दे०) केर स्त्री० रू०। मि० ४० (मिथिला **उपभुक्ता** भेलि)। ***upabhuktā***—*Fem.* form of *upabhukta* (q. v.).

𑒅𑒣𑒦𑒼𑒏𑓂𑒞𑒰 **उपभोक्ता**—वि०। भोग वा व्यवहार करनिहार, उपभोगी। [उप + भुज्—क्त]। तु० क० हि० **उपभोक्ता**। मिहिर ४ (२-६२-६६) (परिवहनक महत्व केवल उत्पादक एवं **उपभोक्ताक** हेतु नहि अछि अपितु सरकारो केँ चलएबाक लेल एक बड़ प्रयोजन छैक)। ***upabhoktā***—*Adj.* Consumer.

𑒅𑒣𑒦𑒼𑒑 **उपभोग**—सुख विलासक सामग्रीक व्यवहार, उपयोग, भोग आनन्द करब। [सं० उप + भुज—घञ्]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अव०, राज० **उपभोग**; प्राकृ० **उपभोग**; **उपभोग**। वि० पदा० मजु० ३२ नव० गु० तालपत्र १५; अं० ६० (जे अनुपम **उपभोग** न आवए); महेश० ५६ (रसना स्वाद न रि **उपभोग**); पुरु० २१० (रसिक पुरुष **उपभोग** मे एक रात्रिक एक लक्ष सुवर्ण देथि); ग्रि०; पारो ४७ (अपरिसीम आनन्दक **उपभोग** करी)। ***upabhoga***—Use, enjoyment.

𑒅𑒣𑒦𑒼𑒑𑒞 **उपभोगत**—उपभोग (दे०) केर भवि० रू०। वि० पदा० मजु० ३३५ (निरदय भए **उपभोगत** चाह)। ***upabhogata***—*Future* tense form of *upabhoga* (q.v.).

𑒅𑒣𑒦𑒼𑒑𑒥 **उपभोगब**—क्रि०। (वस्तु वा स्त्रीक) उपभोग करब, आनन्द करब, विलास करब। [सं० उपभोग + अब]। ग्रि०। ***upabhogaba***—*V.* To use, to enjoy.

𑒅𑒣𑒦𑒼𑒑𑒪 **उपभोगल**—उपभोग (दे०) केर भू० रू०। वि० ने० १६६ (दखिन पवन सौरभे **उपभोगल**); चन्द्र० ३३० (सगर जनम हम सुख **उपभोगल**)। ***upabhogala***—*Past* tense form of *upabhoga* (q.v.).

𑒅𑒣𑒦𑒼𑒑𑒫 **उपभोगव**—उपभोगब (दे०) केर विक० रू०। वि० पदा० मजु० २६६ (निज धन अछइत नहि **उपभोगव**)। ***upabhogava***—*Alt.* form of *upabhogaba* (q.v.).

𑒅𑒣𑒦𑒼𑒑𑒱𑒁 **उपभोगिअ**—उपभोग (दे०) केर इच्छा० रू०। वि० ने० ६६ (फल **उपभोगिअ** जैसन काज)। ***upabhogia***—*Opta.* form of *upabhoga* (q.v.).

𑒅𑒣𑒦𑒼𑒑𑒹 **उपभोगे**—उपभोग (दे०) केर का० रू०। वि० ने० १०२ (जे अनुभव फल **उपभोगे**)। ***upabhoge***—*Poet.* form of *upabhoga* (q.v.).

𑒅𑒣𑒦𑒼𑒑𑓂𑒨 **उपभोग्य**—वि०। उपयोग, व्यवहार, वा आनन्द करबा योग्य। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० **उपभोग्य**। (**उपभोग्य** वस्तुक उपभोग करबे उचित)। ***upabhogya***—*Adj.* Fit to be enjoyed or used.

𑒅𑒣𑒧 **उपम**—उपमा (दे०) केर का० रू०। तु० क० अव० **उपम**। वि० पदा० मजु० २०६ (कि दिय अजर-अजर कनक उपम)। ***upama***—*Poet.* form of *upamā* (q.v.).

𑒅𑒣𑒧𑒝𑒱 **उपमणि**—गौण मणि, हीन मणि, छोट छोट मणि वा जवाहरात। [सं०]। वर्णं० ३६ (**उपमणि** कृत भूमिते)। ***upamaṇi***—(Minor) jewel.

𑒅𑒣𑒧𑒞 **उपमत**—उपमान (दे०) केर का० रू०। राग०

११७ (पंगिम उपमन केओ पाव)। ***upamana***—*Poet.* form of ***upamāna*** (q.v.).

ऊँपमनि **उपमनि**—उपमणि (दे०) केर विक० रू०। वर्ण० २१ (उपमनि तँ अलंकृत); FML 415. ***upamani***—*Alt.* form of ***upamaṇi*** (q.v.).

ऊँपमन्त्रि(न्त्री) **उपमन्त्रि(न्त्री)**—दोसर वा सहायक मंत्री वा सचिव। [सं०]। तु० क० बं० **उपमन्त्री**; राज० **उपमन्त्री**। मि० ४८८ (उपमन्त्रिपदमे हितक पुत्र सान्धि विग्रहक); (उपमंत्रीक पद भारतमे किछु दिन हटि गेल छलैक पुनः ओ व्यवहारमे आवि गेल)। ***upamantri(ntrī)***—Deputy minister.

ऊँपमा **उपमा**—तुलना, सादृश्य, समानता, एक प्रकारक अर्थालंकार जाहिमे जाति, धर्म, गुण, स्वभाव, प्रभाव, क्रिया आदिक आधारपर एक दोसर वस्तुक समानता कएल जाइछ, एक वस्तुकें दोसर वस्तुसँ सादृश्य स्थापन। [सं० उप+मा—अङ्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज०, भोज०, पा० **उपमा**; प्राकृ० **उवमा**; सि० **उवम**। वि० पदा० मजु० ३३ न० गु० तालपत्र १५, अ० ६० (नयन वयन दुइ **उपमा** देल); श्रीकृष्णकेलि माला ७ (परजापति मुनि वृत तँह दक्षक **उपमा** देल); राम० ३९ (जानकि **उपमा** देवकि जान); प्रण० १८८ (**उपमा** सोचय लगलाह); पुरु० २०० (पूर्ण चन्द्र **उपमा** जनिक)। ***upamā***—Simile, comparison, similarity.

ऊँपमाता **उपमाता**—वि०। अप्रधान माए, अपन माय नहि, मातृतुल्य धूद्री माए, धाए, उपमा देबएवला, पृथ्वी। [सं० उप+मातृ>माता]। तु० क० हि०, बं० **उपमाता**। अम० ३२१ (**उपमाता** पृथ्वी)। ***upamātā***—*Adj.* Nurse, the earth.

ऊँपमान **उपमान**—ओ वस्तु जाहिसँ ककरो तुलना, समानता बुझाओल जाइक, अर्थात् ओ वस्तु जकर सदृश कोनो दोसर वस्तु कहल जाइक। [सं० उप+मा—ल्युट्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० **उपमान**, राज० **उपमाण**। मि० उद० १५७–१२ (नारिकेर **उपमान**); मो० १०१–८ (आनन मुख **उपमान** अछि देखल सब संसार); अम० २३४ (**उपमान**); कोबर गीत १२। ***upamāna***—A thing compared to, to be compared with.

ऊँपमानता **उपमानता**—उपमानकेर भाव, उपमानक सम्पूर्ण विषय। [उपमान+ता]। पुरु० १९१ (विषय **उपमानता** नहि प्राप्त भए सकैछ)। ***upamānatā***—Abstract form of ***upamāna*** (q.v.).

ऊँपमाने **उपमाने**—उपमान (दे०) केर का० रू०। महा० ना० ८० (कहने देव तुअ मुख **उपमाने**); मैथिली भाषा ११२। ***upamāne***—*Poet.* Form of ***upamāna*** (q.v.).

ऊँपमिअ **उपमिअ**—उपमा (दे०) केर क्रि० रू०। राग० ४८ (**उपमिअ** आनन नीरज पङ्कज)। ***upamia***—*V.* form of ***upamā*** (q.v.).

ऊँपमित **उपमित**—वि०। जकर उपमा देल गेल होइक, उपमा देल गेल, उपमामे प्रयोग कएल गेल। [सं० उप+मि—क्त]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० **उपमित**; प्राकृ० **उपमित**। साओन भादव ३२। ***upamita***—*Adj.* That which is compared.

ऊँपमिय **उपमिय**—उपमिअ (दे०) केर विक० रू० FML 92। ***upamiya***—*Alt.* form of ***upamia*** (q.v.).

ऊँपमेय **उपमेय**—वि०। जकर उपमा देल जाइक, जाहि वस्तुकें दोसर वस्तुक समान कहल जाए, वर्णनीय, तुलनीय। [सं० उप+मि—यत्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० **उपमेय**; प्राकृ० **उवमेय**। वि० पदा० मजु० १७६, ग्रियर्सन १३ (तसु तातक सुत तनिकर **उपमेय**); अलंकृति ११, शतदल ६८। ***upameya***—*Adj.* That which is compared.

ऊँपयुक्त **उपयुक्त**—वि०। जकर उपयोग भेल हो; विशिष्ट स्थिति हेतु एकदम ठीक; तर्कसंगत। [सं०]। मि० १० (एहि तिथिंर्हि सर्वाधिक **उपयुक्त** अछि); मो० १०१–१७ (करबाक **उपयुक्त** छल); द्विरा० ७ (अपना अपना स्थानमे दूनू **उपयुक्त** अछि); प्रण० १२३ (कल्याण हेतु **उपयुक्त** बुझना जाए)। ***upayukta***—*Adj* Proper, fit.

ऊँपयोग **उपयोग**—कार्य, व्यवहार, आवश्यकता, लाभ, प्रयोजन। [सं० उप+युज्—घञ्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० **उपयोग**। द्विरा० १२५ (विज्ञानक संकलन तथा **उपयोग** सांसारिक जीवन सुखक हेतु); पुरु० २२० (आगाँ कोन **उपयोग** हयतौ)। ***upayoga***—Use.

ऊँपयोगिता **उपयोगिता**—कार्य अएबाक योग्यता, लाभ होएबाक क्षमता, प्रयोजन। [उपयोगिन्+तल्+टाप्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० **उपयोगिता**। मि० उद० १५७–२ (समय के **उपयोगिता**मे लगबैत जाउ); मो० ९९–१९ (पुस्तकालयक **उपयोगिता**क विषयमे कथन करब सूर्यकें दीप देखाएब थिक); द्विरा० ७ (स्थान भ्रष्ट भेने दुहूक **उपयोगिता** नष्ट); नदू० ३५ (तकरे साधन **उपयोगिता**क मापदण्ड)। ***upayogitā***—Usefulness, utility.

ऊँपयोगी **उपयोगी**—वि०। प्रयोजनीय, कार्यमे अबए-वला, उपयुक्त, अनुकूल, हितकारी, लाभप्रद। [सं० उपयोग+इन्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज०, अव० **उपयोगी**। मै० हि० सा० (८–१२) ५ (सर्वसाधारणक **उपयोगी**)। ***upayogī***—*Adj.* Helpful, proper, profitable.

ऊँपयोजित **उपयोजित**—वि०। व्यवहार करब, काजमे आनब, उपयोग करबाक क्रिया। [सं०]। मि० २२३ (कन्हुकें कतकसमे और सुरहेठामे **उपयोजित** कैल)। ***upayojita***—*Adj.* To be used.

ऊँपर **उपर**—अव्यय। नीचाँक विपरीत, ऊँच ठाम पर

ऊर्ध्व; (पानिसँ बाहर; ऋण आदिसँ) उबरब, सुरक्षित आपस होएब। [सं० उपरि]। तु० क० उ०, बं०, असा०, ने०, अव०, राज०, म०, गु० उपर; हिं० ऊपर; पं० उप्पर; प्राकृ० उअर। वर्ण० ११ (तकाँ उपर मकुर बेताल); वि० पदा० मञ्जु० २३, मि० १४, न० गु० १७, अ० ६२ (मेरु उपर दुइ कमल फुलाएल); वि० ने० ५० (इङ्गित उपर केलि जे करब); मन० कृष्ण० ९५ (द्वार उपर सँ धरि धरि आनी); राम० ४४ (रामक उपर देल से भार); मि० उद० १५७-२ (उपर निर्भर करैछ); चित्रा ३२ (घृणा होइत महाराज उपर); शत० १ (श्यामक हृत्तन्त्री तार उपर); FML 405, 324, 304; BPL 11. (उपर मे फीट-फाट तरमे मोकामा घाट = उपर सँ सजावट तरसे गुदरी)। *upara—Ind.* Above, high; return.

ऊपर ऊपर उपर उपर—क्रि० वि०। हृदयसँ नहि, उपरक मोने, ऊँचे-ऊँचे, बाहरे-बाहर। [सं०]। तु० क० उर्दू उपर-उपर। FML 575 (उपर-उपर चलु); (उपर-उपर मद्दकारी तर मे बीआ कारी = उपरसँ सज्जन परन्तु भितरमे विष भरल)। *upara upara—Adv.* Superficially, outwardly.

ऊपरँ उपरँ—उपर (दे०) केर प्रा० लु० रू०। वर्ण० २८ (शय्याकाँ उपरँ नायक नायिका द दुओ एकवस्थ भउअह); FML 298 (R 55) (उपरँ मोतिमहार), राग० ४२ (उपरँ सँ तरल हरावली फास)। *uparã—Obs.* form of *upara* (q.v.).

ऊपरका उपरका—वि०। ऊर्ध्व भाग, ऊँच भाग, निचला (मुख्य) नहि, गौण। [उपर + अका]। तु० क० उर्दू उपरका। प्रय० १८१ (पेटीक उपरका पटा अलगबैत); नव० ८६ (बर्द अरिक उपरका खर्च ओहीसँ चलइक); (उपरका उपर तरका तर = ऊँच आदमी ऊँचे रहत आ नीच आदमी नीचे)। *uparakā—Adj.* Of the upper or higher side.

ऊपरचिता उपरचिता—जुआ खेलक प्रायः कौड़ीक चित्त-परक एकटा चालि वा खेल विशेष। [उपर + चित्त > चित + आ]। वर्ण० २५ (सांवलि उपरचिता दुइ चारि)। *uparacitā—* Name of type of play in gambling where the cowries as pieces are used with their faces upturned (ventral side).

ऊपरञ्जक उपरञ्जक—वि०। उपरसँ रंग-टीप चढ़ओ-निहार, क्रोध करओनिहार, 'रंज' भेनिहार। [सं० उपरञ्ज् + अक]। मि० भा० वि० २७१। *uparañjaka—Adj.* Who arouses anger by exaggerating or belittling.

ऊपरञ्जब उपरञ्जब—क्रोध करब, 'रंज' होएब, आँखि लाल करब, उपरसँ रंग टीप करब। [सं० उप + रञ्जब]। मि० भा० वि० २३१। *uparañjava*–To be incensed by exaggerating or belittling.

ऊपरत उपरत–उपरति (दे०) केर पू० का रू०। गद्य चन्द्रिका १२। *uparata—P.P.* of *uparati* (q.v.).

ऊपरति उपरति—वैराग्य, विरक्ति, उदासीनता, मृत्यु। [सं० उप + रति = रम्—क्तिन्]। तु० क० हिं०, बं०, असा०, ने० उपरति। मि० मित्र ३० (हम जनैत छी जे शम, दम, तितीक्षा, उपरति, शान्ति, श्रद्धा इत्यादिसँ उद्धार होएत)। *uparati—* Cessation, stopping, renunciation, death.

ऊपरफट्टे(ट्टो) उपरफट्ट(ट्टो)—वि०। उपरिष्यात् लाभ, उपरी लाभ, व्यर्थ, फालतू। [सं० उपरि > उपर + सं० स्फुट् > फाट + ओ]। तु० क० हिं० उपरफट्टू, मुहफट्ट (दे०)। BPL 99, गद्य चन्द्रिका ३४। *uparaphaṭṭa(ṭṭo)—Adj.* Irregular, unnecessary, incidental or extraneous (income).

ऊपर-बँदरा उपर-बदरा—वि०। किछु मात्र (वर्षा), क्षणिक मेघकृत वर्षा (दी०)। [सं० उपर + वारिद > बदरा]। (उपर-बद्‌रासँ किछु लाभ खेत पथारकेँ नहि भेलैक)। *uparabadarā—Adj.* Which has resulted from some incidental clouds (rain etc.)

ऊपरबारि उपरबारि—वि०। बाहरक, भीतरक नहि, अलग केर। [उपर + बारि]। FML 258. *uparabāri—Adj.* External.

ऊपरसहकिआ(या) उपरसहकिआ(या)-वि०। भानस-मे मनसिआकेँ बाहरेसँ (उपरसँ) सहायता करनिहार। (उपर + सहायक > सहकिआ]। मि० भा० वि० ६१। तु० क० उपर सहाक। *uparasahakiā(yā)—Adj.* Who helps cooking from outside.

ऊपरहि उपरहि—उपर (दे०) केर निश्च० रू०। राम० १३० (प्रभु कर शर उपरहि सँ टेक); मि० उद० १५६-६ (ओ मकरहु उपरहिमे खसै)। *uparahi—Emph.* form of *upara* (q.v.).

ऊपरहुक उपरहुक—उपर (दे०) केर निश्च० रू०। [उपरहु + क] मि० वि० ८६ (तेँ उपरहुक अदालत सभ पसन्द कर-थीन्ह)। *uparahuka—Emph.* form of *upara* (q.v.).

ऊपरा उपरा—वि०। नाजायज, उचितसँ अधिक, अतिरिक्त। [उपर + आ]। FML 449, तु० क० उपरी आमदनी। *uparā* –Additional (money), illegal gratification (income).

ऊपरा-ऊपरी उपरा-उपरी—क्रि० वि०। ने केओ छोट ने केओ पैघ, बराबरि, एक रंग, एक समान, समतूल, ऊपरीक। [शब्दा-नुकरण उपरा + उपरी]। तु० क० उर्दू उपरा उपरी; उबुड़ा-उबुड़ी। प्रय० १२२ (दूहू उपरा उपरी रहथि)। *uparā-uparī—Adv.* When neither of the two is inferior or superior; competitive comparison.

ऊपराग उपराग—उपालम्भ, निन्दा, कोनो नीक वा अपलाइ कार्य वा वस्तु पसिन्न नहि भेला पर कहल गेल (शिकाइत) कथन, अनु-

वित कथन, अपवाद, विपत्ति, चन्द्र वा सुर्य ग्रहण । [सं० उप + रञ्ज् —घञ्] । तु० क० हि० उलहन; बं०, असo, नेo अव० उपराग; प्राकृ० उवराग । राम० २६० (राहु उपराग दृष्ट); महेश० १६ (ओ उपराग देवैन्ह); प्रण० १३६ (उपराग किएक दैत छी); चित्रा २२ (उलहन उपराग दैत); FML 634, (उलहन-उपराग = विशेष रूपक उपराग) । *uparāga*—Blame.

उपरान्त—क्रि० वि० । पश्चात्, बाद, पाछू, अनन्तर, किछु समयक बादमे, खेलमे पचीसी आदिमे दोसर बेर खेलएबाक अधिकार । [उपर + य + अन्त] । तु० क० हि० राज० उपरांत । मो० ५–६ (दिनमे दू बजे क उपरान्त); मै० हि० सा० (८–१२) ज्यो० २ (अमावास्याक उपरान्त); प्रण० ११ (थोड़ेक कालक उपरान्त दूरसँ आर्त्तनाद सुनबा मे आएल); पारो ४६ (नमस्कार पातिक उपरान्त चलल गप्प-सप्प); नव० ४८ (बाँकी तीनू विवाह तऽ चालिस केर उपरान्ते कएने रहथि) । पचीसी आदि खेलमे सफल चालिक उपलक्षमे नव चालिकेँ उपरान्त कहल जाइछ । *uparānta—Adv.* Afterwards; additional chance to play or throw in a game.

उपरानी—अप्रधान रानी, अविवाहिता रानी, प्रेमसँ राखल गेल स्त्रीवत्, अतिरिक्त रानी वा स्त्री । [उप + रानी] । तु० क० बं० उपरानी । *uparānī*—Not the Principal queen, additional consort.

उपराड़ि(रि)—उच्च चास, उच्च स्थानमे स्थित खेत । [उपर + आड़ि वा आरि] । तु० क० BPL 790 उपरार । व्य० वि० ११५ (जखन उपरारिक ई हाल तखन धानक बाते की ?) । *uparāḍi(ri)*—A field situated at a higher level.

उपराहु—वि० । उपद्रावी (माल) । [उपद्रव + आहु] । (अहाँक घोड़ी बड़ उपराहुँ अछि) । *uparāhu—Adj.* Habituated to create mischief, mischievous.

उपराहुत—वि० । उपर दिशि झुकल वा घुमल । [उपर + आहुत] । FML 21 . *uparāhuta—Adj.* Bent or turned somewhat upwards.

उपरि—उपर (दे०) केर सं० रू० । तु० क० हि०, बं०, अस०, नेo, राज०, उ० उपरि । वि० ने० ७८ (जनि बढ़ि हाए उपरि चलि गेल); वि० पदा० मजु० १३, न० गु० (हर) ३८, अ० १४५ (मनुस उपरि कइके माउग होए); मन कृष्ण० १८ (उपरि वसिअ वृन्दावन पास) । *upari*—Sanskrit form of *upara* (q.v.).

उपरितम—क्रि० वि० । उपरोसँ उपर, अत्यन्त उपर वा उच्च । [उपरि + तम] । निबन्ध चन्द्रिका १० । *uparitama—Adv.* Highest above.

उपरितोल—जोखसँ उपर (मए सकैछ जानि-बूझि कए बेइमानी हो) । बाबू गङ्गापति सिंह मूल पाण्डुलिपि भूमिका मि० भा० इ० १ । *uparitola*—Excess weight may be deliberately concocted).

उपरिभाषा—मुख्यसँ अतिरिक्त ... वा अन्य भाषा । [उपरि + भाषा] । तु० क० उपभाषा ... (भाषा, विभाषा, उपरिभाषा) । *uparibhāṣā*—Not the main language, additional or secondary language.

उपरिष्टात—क्रि० वि० । उपरा, उपरसँ, अनन्तर, ऊर्ध्व । [सं० उपरिष्टात्] । तु० क० बं०, उपरिष्टात । (प्राचीन समयमे पण्डित लोकनिकेँ भोजन जलपानादिक उपरिष्टात टाका सेहो राजदरबारसँ भेटैत छलैन्ह) । तु० क० पुरस्तात् । *uparistāta—Adv.* Over and above (regular salary; income).

उपरिसाधक—ऊपर साधना केनिहार एकटा वामाचारी तान्त्रिक [सं० Coined name] । वर्ण० ५३ (प्रेत, पिशाच, कुष्माण्ड, मातृक, उपरिसाधक) । तु० क० कापालिक । *uparisādhaka*–A kind of Tantrika worshipper.

उपरी—उपर (दे०) वा उपरा (दे०) केर विक० रू० । बाहरी आएल वस्तु, आकस्मिक (विपत्ति) । [उपरवला = ईश्वर > उपरी ईश्वरीय] गो० श्र० २ अम० २१ (धनि कान्धर छाह बाँध कबरी, मन मालति माल ताहि उपरी); (उपरी आमदनी); (उपरी चक्र) । तु० क० उपरा (दे०) । *uparī—Alt.* form of *upara* (q.v.) or *uparā* (q.v.).

उपरु—उपर (दे०) केर का० रू० । महेश० ३० (चटक गरीब उपरु जनु बाज) । *uparu—Poet.* form of *upara* (q.v.).

उपरुप—अपूर्व (दे०) वा अपरुप (दे०) केर बा० रू० । मै० सा० इ० ६ । कोमल, मृदुल । *uparupa—Coll.* Form of *apūrva* (q.v.), tender.

उपरू—उपरु (दे०) केर का० रू० । मै० सा० इ० २५१ (खन भोजन खन परी उपरू) । *uparū—Poet.* form of *uparu* (q.v.).

उपरे(रो)—उपर (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० ४०२ (तरे उपरे उकासी); राग० ८६ (उपरे पयोधर मृगमद सुन्दर); रंग० २३ (मुँह पड़ल वस्तु उपरो होय) । *upare(ro)—Poet.* form of *upara* (q.v.).

उपरे घाड़े—क्रि० वि० । उपर तकिते ... अनवधाने अवस्थामे । [उपर (दे०) + घाड़ (दे०)] तु० क० ... उपयोबारे; घरसूर । (उपरे घाड़े तहाँ रहि गेलिऐक, अरे ... एहिना होइछ) । *upareghāde—Adv.* Taken by surprise, suddenly.

उपरोक्त—वि० । उपर कहल गेल ... युक्त] । तु० क० हि०, बं०, अस०, नेo, ...

सं० उपयुक्त । मै० हि० सा० ६ (उपरोक्त पुण्य स्थानसभमे); मो० १६४-६ (अतएव उपरोक्त मैथिली साहित्य सभाक उक्त उद्देश्यक पूर्ति कहाँ धरि भए सकैछ); FML 633. *uparokta—Adj.* Above - mentioned.

[illegible] **उपरोटा**—उपरौटाक वि० रू० । जाँतक उपरका पाथर वा पट्टा । [उपर + ओट + आ] । FML 243. ***uparoṭā*** —The upper stone wheel of a village grinder *Alt.* of *uparauṭā* (q.v.).

[illegible] **उपरोड़**—उपराढ़ि (दे०) केर वा० रू० । FML 243; BPL 292; *uparoḍa—Coll.* form of ***uparāḍi*** (q. v.).

[illegible] **उपरोध**—रोक, बाधा, अड़; ओट, विघ्न, अनुरोध, आवरण । [सं० उप + रुध—घञ्] । तु० क० उपरौँझ (दे०); अवरोध (दे०); हि०, बं०, अस०, राज० **उपरोध** । प्राकृ० **उअरोह; उअओ; उअरौअ;** पा० **उपरोध;** उ० **उरा;** म० **उरोली** । मि० २८ (नितान्त अनुरोध ओ उपरोध देखि) । ***uparodha***—Obstruction, request, concealment.

[illegible] **उपरौँ(रौँ)झ**—एक दोसरासँ उपर होएबाक प्रयास, अनुचित प्रतिस्पर्धा । [उपर + ओज] । तु० क० उपरोध (दे०) FML 842; कन्या० १३७ (अपना मे उपरौँझ करै लागल) । ***uparõ (raũ) jha***—Competition for surpassing.

[illegible] **उपरौटा**—(जाँतक) उपरका पाथर । (दी०) [उपर + ओट + आ] । BPL 620, 1250 (**उपरौटा**); BPL 1251 (उपरौटा) । ***uparauṭā***—Upper stone wheel of rural grinder.

[illegible] **उपर्ना**—तौनी, उत्तरीय, द्वितीय वस्त्र [मात्र काव्यमे प्रयुक्त] । हि० **उपरना** । मि० वि० (१४६ **उपर्ना** अंचल) । ***uparnā*** —Upper garment.

[illegible] **उपर्युक्त**—वि० । उपरोक्तक शुद्ध **संस्कृत रूप;** उपर कहल गेल । तु० क० हि० उपरोक्त, उपर्युक्त । कन्या १०३ (रेवती रमण उपर्युक्त विलक्ष अनुसार); द्विरा० २१७ (उपर्युक्त वाक्य सुनि एक चिन्ता मौन मे उत्पन्न भ गेलैन्ह); मि० उद० १५३-२१ (उपर्युक्त समय पर कापालिक); प्रण० १३३ (उपर्युक्त श्लोक पढ़ैत); मि० १२ (उपर्युक्त तीनू प्रकारक गौण भक्ति योग्यतानुसार पराभक्तिक सीढ़ी थिक) । ***uparyukta—Adj.*** Above-mentioned.

[illegible] **उपर्युपरि**—क्रि० वि० । उपरे-उपरे, प्रत्यासन्न, क्रमशः, उपरा-उपरी, एकसँ बेसी दोसर, बदल-चढ़ल, उपरौँझ । [सं० उपरि + उपरि] । तु० क० बं० **उपर्युपरि** FML 576 । ***uparyupari—Adv.*** Up and above; competition for surpassing.

[illegible] **उपल**—प्रस्तर, पाथर, पाषाण, रत्न । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज०, पा० **उपल**; प्राकृ० **उवल**, प० ओला; कु० **बालो** भोज० **ओला;** प्रा० **ओला;** गु० **ओलूँ;** काश्मीरी **पल** । अम० ७५ (ग्रावन उपल अश्मन) । ***upala***—Stone, gem.

[illegible] **उपलच्छन**—उपलक्षण (दे०) केर वा० रू० । चन्द्रकला ४ । *upalacchana—Coll.* of ***upalakṣaṇa*** (q.v.).

[illegible] **उपलमय**—क्रि० वि० । पाथरसँ वा रत्नसँ भरल वा परिपूर्ण । [उपल + मय] । अम्बचरित ६६ । ***upalamaya—Adv.*** Full of stone or gem.

[illegible] **उपलयनो**—उपनयनहु केर अशु० वा० रू० । मि० ४५० (ओ **उपलयनो** हिनक दुहु भाँइक दरभंङ्गहि कयल गेलैन्ह) । ***upalayano—Erro. Coll.*** form of ***upanayanahu*** (q.v.).

[illegible] **उपलब्ध**—वि० । प्राप्त, ज्ञात, जानल, पाओल । [सं० उप + लब्ध] । तु० क० हि०, बं०, ने०, राज० **उपलब्ध;** प्राकृ० **उपलद्ध** । मि० २७० महाभारत स्पष्ट **उपलब्ध** अछि); मै० हि० सा० (५-६) २० (सामग्री **उपलब्ध** होइत अछि); मि० उद० १५८-१६ (शिला लेखादि **उपलब्ध** होइछ); खट्ट० ८३ (एहि पूजासँ **उपलब्ध** नहि हो) । ***upalabdha—Adj.*** Acquired, known.

[illegible] **उपलब्धि**—बुद्धि, ज्ञान, प्राप्ति, वस्तु वा ज्ञान, पारिश्रमिक । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, ने० राज० **उपलब्धि;** प्राकृ० **उवलद्धि** राज० **उपलब्धि** । पारो ६३ (आनन्द जतेक **उपलब्धि** ततेक कहाँ); नव० ६६ (लोकोत्तर आनन्दक **उपलब्धि** होइत रहनि हुनका); अम० ३१ (प्रेक्षा **उपलब्धि**) । ***upalabdhi***—Knowledge, acquirement, remuneration.

[illegible] **उपलक्ष**—उत्सव, हर्ष, चिन्ह, आनन्द, उद्देश्य । [सं० उपलक्ष्य] । तु० क० बं०, अस० **उपलक्ष**, म०, उ० **ओलकख** । मि० २४६ (मुक्त मेलाक **उपलक्ष** मे पुनर्जीवन मानि); मै० हि० सा० २ प्र० (८-१२) २ (जन्म दिवसक **उपलक्ष** मे) । *upalakṣa*—Ceremony, happiness, aim, in lieu of.

[illegible] **उपलक्षण**—मुहावरा, लोकोक्ति, लक्षणाक द्वारा अन्य अर्थक जानकारी बुझबाक संकेत, चिन्ह, प्रमाण । [सं०] । तु० क०, हि०, बं०, अस०, ने०, राज० **उपलक्षण;** पा०; प्राकृ० **उपलक्खण;** म० **ओलखण;** प्राकृ० **उवलक्खण** । राम० २३८ (लौकिक **उपलक्षण** भेल चख); राम० ५२ (**उपलक्षण** छोड़ि धरि भेल); महेश० १० (**उपलक्षण** सुनु वान्हिय गेलहु वर्षा अरि); मि० मि० २११ (कहाउति छैक **उपलक्षण**); अम० २ (ई द्वि विप्रयोगक **उपलक्षण**); द्विरा० १३६ (**उपलक्षण** मन पड़य लगलैन्हि) । *upalakṣaṇa*-Synecdoche of a part of the whole of an individual specifying somethng by some reference or implication, a proverb.

𑒅𑒣𑒪𑒏𑓂𑒭𑒱𑒞 **उपलक्षित**—वि०। सूचित, अनुमित, युक्ति-विशिष्ट। [उप+लक्षित]। (उपलक्षित विषय पर विशेष ध्यान देबाक चाही)। *upalakṣita—Adj.* Indicated, inferred.

𑒅𑒣𑒪𑒏𑓂𑒭𑓂𑒨 **उपलक्ष्य**—उपलक्ष (दे०) केर शु० सं० रू०। खट्ट ६४ (कथीक उपलक्ष्य मे खोएबह); रंग २८ (दुख छुटबाक उपलक्ष्य मे महाभोजक आयोजन कएने रहथि)। ***upalakṣya***–Sanskrit form or ***upalakṣa*** (q.v.).

𑒅𑒣𑒪𑒰𑒃 **उपलाइ**—क्रि०। कोनो छोट-छीन कथा पर उड़ब। [सं० उत्पलायन]। मि० २३१ (ककरहु कहने उपलाइ जनु देखू तँ भगवान की करैत छथि)। ***upalāi****—V.* Fly, run away (metaphoricalby).

𑒅𑒣𑒪𑒰𑒃𑒞 **उपलाइत**—उपलाइ (दे०) केर वर्त्त० रू०। वैदेही वनवास ७४। ***upalāita****—Present* tense form of ***upalāi*** (q.v.)

𑒅𑒣𑒪𑒰𑒋 **उपलाए**—उपलाइ (दे०) केर वि० रू० वा रूप। FML 170. *upalāe—Alt.* Form of ***upalāi*** (q.v.).

𑒅𑒣𑒪𑒹𑒣(𑒢) **उपलेप(न)**—लेपन, नीपब, लगाएब, उँगारब, ओ वस्तु जाहिसँ लेपल जाए, वा लगाओल जाइक। [उप+लिप्+घञ् तथा उप+लिप्—ल्युट्] तु० क० हि०, बं०, असम०, ने०, राज० उपलेप, उपलेपन; पा० उपलिम्पति; प्राकृ० उवलिम्पइ; उवलेवधि; म० ओलिम्पणें। वर्ण० ६४ (उपलेपन उल्लेषण)। ***upalepa****(na)*—Smear, anointing.

𑒅𑒣𑒫𑒏𑓂𑒞𑒰 **उपवक्ता**—वि०। अप्रधान वक्ता, छोट छोट बजनिहार वा भाषण कएनिहार। [सं० उप+वक्ता]। तु० क० बं० उपवक्ता। (वक्ता एवं उपवक्तालोकनिक तर्क सुनिए कऽ जाएब)। ***upavakatā****—Adj.* Not the principal speaker.

𑒅𑒣𑒫𑒢 **उपवन**—उद्यान, बाग, बगीचा, छोट-छोट वन वा जंगल, कृत्रिम वन। [सं० उप+वन। तु० क० हि०, बं०, असम०, ने०, अव० भोज० उपवन। वर्ण० ३८ (एवं विधि उपवन देपु); कीर्तिलता १६ (पल्लविअ कुसुमिअ फलिअ उपवन); वि० पदा० मजु० १६; राग त० ४७, न० गु० १ (जमुनाक तीर उपवन उदवेगल); वि० वि० ८ (उपवन जाय सुनव पिकवाणी); राग० ६८ (नवरङ्ग नवदल देखि उपवन); राम० १८६ (वनिता उपवन अरुण अशोक); मि० त्व० १५७-८ (कुसुमित उपवन छाज)। ***upavana***—Garden, a small jungle, a grove, Park.

𑒅𑒣𑒫𑒰𑒩 **उपवार**—जुआमे विभिन्न खेलएनिहार लोकक एक, स्वभाव गुण नाम। [सं०]। वर्ण० २५। (वेथवाट, उपवार बोलनिहार)। ***upavāra***—A kind of gambler.

𑒅𑒣𑒫𑒰𑒮 **उपवास**—अनाहार, अनशन, बिना भोजन केर रहब, मिथिला मे एकरा उपास कहल जाइछ, सहब, भोजनक त्याग। [सं० उप+वास—घञ्]। तु० क० हि०, बं०, असम०, ने०, अव०, भोज०, राज०, पा० उपवास; प्राकृ०उपवास; ऊआस; औवआसो; ... उ० उसा; ओसा; म० ओवसा; वसा; उपास दे०। ... (सीता सहित विहित उपवास); राम० बालकाण्ड ४ (... उपवास); मो० १००-११ (बराबरि उपवास नहि करी; ... १२२ (आवहु तो उपवास भङ्ग करवहुन्ह); प्रश० ६१ (... दशीक उपवास); चित्रा ८० (फूसि व्रत उपवास); नव० ८२ (...निक व्रत उपवास संख्या वढ़ि गेल रहइक)। ***upavāsa***—(Keeping a) fast.

𑒅𑒣𑒫𑒲𑒞 **उपवीत**—उपनयन, यज्ञ-सूत्र, जनौ यज्ञ, पैता। [सं० उप+व्ये—क्त]। तु० क० हि०, बं०, असम०, ने०, राज० पा० उपवीत; प्राकृ० उपवीअ; म० ओवी। महेश० ४८ (कालकूट काल, ब्याल यज्ञ उपवीत); अम० १६८। *upavīta*—The sacred thread, its ceremony.

𑒅𑒣𑒫𑒹𑒠 **उपवेद**—वेदसँ वहराएल चारि विद्या यथा आयुर्वेद, धनुर्वेद, गान्धर्व वेद, स्थापत्य वेद। [सं० उप+वेद]। तु० क० हि०, बं० असम० ने०, राज० उपवेद। (वेद उपवेदक मूल आधार थिक)। *upavcda*—Scripture dealing wilh warfare, human body, music, arts etc. and considered as minor Veda.

𑒅𑒣𑒬𑒧 **उपशम**—निवृत्ति, शान्ति, उपाय, इन्द्रिय निग्रह, उपचार, युक्ति। [सं० उप+शम—घञ्] तु० क० हि०, बं०, असम०, ने० उपशम; राज० उपसम। वर्ण० २ (चोट उपशमहास्य करुणा आलिङ्गन); FML 304 (V. N. 12A) (किंवा कर अभिसारहिँ उपशम)। *upaśama*—Approach, peace, cessation.

𑒅𑒣𑒬𑒪𑓂𑒨 **उपशल्य**—ग्रामान्त, गामक अन्त, गामक सटल सीमा लगक गाम। [सं० उप+शल्य]। अम० ७३ (उपशल्य ई गामक समीप प्रदेशक नाम)। *upaśalya*–The village end, outskirts.

𑒅𑒣𑒬𑒰𑒐𑒰 **उपशाखा**—वि०। छोट-छोट शाखा, सन्तति वा अङ्ग, प्रधान शाखा नहि। [सं० उप+शाखा]। तु० क० बं० उपशाखा। (शाखा उपशाखा कतेक छैन्ह बूढ़ाक आइयो)। *upaśākhā Adj.* Minor branch.

𑒅𑒣𑒬𑒼𑒦𑒱𑒞 **उपशोभित**—वि०। कम कम शोभित। [सं०]। वर्ण० ३६ (कुसुब तेँ उपशोभित)। ***upaśobhita****—Adj.* Not fully or highly decorated.

𑒅𑒣𑒬𑓂𑒩𑒳𑒞 **उपश्रुत**—वि०। अङ्गीकृत, प्रतिज्ञात, स्वीकार कएल। [सं०] उप+श्रु—क्त]। (उपश्रुत कएल विषयक विचार करब आवश्यक)। *upaśruta—Adj.* Accepted, agreed.

𑒅𑒣𑒮𑒠𑓂𑒫𑓂𑒩𑒞 **उपसद्व्रत**—वि०। छोट वा गौण ... व्रत वा उपास। [सं० उप+सद्व्रत]। मि० वि० ... उपसद्व्रत कएलन्हि)। *upasadavrata—Adj.* Minor fast.

𑒅𑒣𑒮𑒧 **उपसम**—उपशम (दे० केर ...

क० राज० **उपसम** । वर्ण० ५१ (**उपसम** केराउति); वि० ने० २८ (किम्बा कर अभिसारि **उपसम**); वि० पदा० मजु० १२७, नेपाल १०३ (कबहुँ न **उपसम** कर पचवान); मि० । *upasama*—*Alt.* form of ***upaśama*** (q.v.).

𑒅𑒣𑒮𑒧𑓂𑒣𑒰𑒠𑒏 **उपसम्पादक**—सहायक सम्पादक, मुख्य कार्य-कर्ता वा सम्पादकक अनुपस्थितिमे कार्य कयनिहार । [सं० उप + सम्पादक] । तु० क० हि०, राज० **उपसम्पादक** । (सम्पादक ओ **उपसम्पादक** अभिन्न अङ्ग मानल जाइछ) । ***upasampādaka***—Sub-editor.

𑒅𑒣𑒮𑒩𑓂𑒑 **उपसर्ग**—कोनो शब्दक वा धातुक पहिने लगाओल जायवला शब्द वा अर्थहीन शब्द, अव्यय जाहिसँ शब्द अर्थमे विशेषता आबि जाइछ, उपद्रव (ज्वर आदिमे जेना प्रलाप आदि), बाधा । यथा उप + हास = उपहास, प्र + हार = प्रहार । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० **उपसर्ग**; राज० **उपसरग**; प्राकृ० **उपसग्ग** । खट्ट० ७६ (एक साँझ पहिनहि **उपसर्ग** सभामे); अम० ११६ (अजन्य, उत्पात **उपसर्ग**) । ***upasarga***—Prefix.

𑒅𑒣𑒮𑒰𑒡𑒏 **उपसाधक**—वि० । छोट-छोट साधक निम्न कोटिक साधन वा उपाय कयनिहार । [उप + साधक] । राम० २८४ (उपसाधक काँ कुण्डरि भोक) । *upasādhaka*—*Adj.* Who undertakes minor ways (of worship etc.).

𑒅𑒣𑒮𑒱𑒠𑓂𑒡𑒱 **उपसिद्धि**—सिद्धिक छोट-छोट वा गौण सिद्धि । [सं० उप + सिद्धि] । वर्ण० ३ (अञ्जन, गुटिका, पादुका, रस, परस, खड्ग, वेताल, यक्षिणी आठहु ये **उपसिद्धि** ते समन्वित) । ***upa-sidhi***—Minor *Siddhi* (q.v.).

𑒅𑒣𑒮𑓀𑒯𑒰𑒩 **उपसंहार**—सारांश, निचोड़, कोनो पुस्तकमे वर्णित समस्त विषयक संक्षेपमे वा अल्प रूपेँ निष्कर्ष, अन्त, शेष, समाप्ति । [सं० उप + संहार] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० **उपसंहार**; प्राकृ० **उपसंहार** । मि० उद० २८-२-११ (प्रतिज्ञा ओ **उपसंहार**क एक दूटा पद्य लिखिकेँ समाप्त करइत छी); मो० १२० (**उपसंहार**मे एकटा विषय छुटि गेल) । ***upasaṁhāra***—Conclusion, end.

𑒅𑒣𑒮𑓂𑒟 **उपस्थ**—नीचाँ वा शरीरक मध्यक भाग, समीपस्थ, स्त्री वा पुरुषक चिन्ह (लिंग) क स्थान । [सं०] । तु० क० हि०, राज०, अस० **उपस्थ** । राम० १७७ (नाभि **उपस्थ** लिङ्ग ओ पामुक); चन्द्र० ६२६ (रसना **उपस्थ** दौष विश्व बलिदान); अम० १४१ (**उपस्थ** ई वक्ष्यमाण स्त्री पुरुष चिन्ह भगक नाम); चन्द्र० ३१३ (तदपि **उपस्थक** सहज सिनेह) । *upastha*—The genital region.

𑒅𑒣𑒮𑓂𑒟𑒱𑒞 **उपस्थित**—वि० । लगमे ठाढ़ वा उपस्थित, आगत, आदर करब, मौजर देब, ज्ञात, उपासित । [सं० उप + स्थित] । तु० क० हि०; बं०, राज०; ने०, अव० **उपस्थित**; पा० **उपट्ठाति**; **उपट्ठित**; प्राकृ० **उवट्ठाइ**; **उट्ठिय**; **उवट्ठिनो** । वर्ण० १२ (पकआ दुइ **उपस्थित**); राम० २० (कार्य **उपस्थित** ई एहि काल); चन्द्र० ३०३ (ई कलिकाल काल **उपस्थित**); महेश० १५ (से वर मेलाह **उपस्थित**); मो० ६६-१८ (बाधा **उपस्थित** होइत छैक); द्विरा० १ (प्रतियोगितामे भाग लेबक हेतु **उपस्थित** भेल छथि); चित्रा ५२ (नहि **उपस्थित** करइछथि ककरो बढ़ौर लगाय) । ***upasthita***—***Adj.*** Present, reached, close by, to have regard for (someone).

𑒅𑒣𑒮𑓂𑒟𑒱𑒞𑒱 **उपस्थिति**—विद्यमानता, प्राप्ति; अवगति, लगमे आवागमन । [सं० उप + स्थिति] । तु० क० हि०, ने०, अस०, राज० **उपस्थिति** । (अहाँक **उपस्थिति**मे केओ नहि किछु बाजि सकलाह) । *upasthiti*—Presence, knowledge, approach.

𑒅𑒣𑒯(𑒿)𑒞 **उपह(ँ)त**—वि० । उच्छिष्ट; प्रक्षालन योग्य (दी०), अइँठ खयलासँ पहिलुका अन्न वा अन्न राखल एवं बनाओल निरैठ पात्रादि, निरैठ नहि रहए, दूषित, आहत, नष्ट । [सं० उप + हत] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० **उपहत** । (उपहत वा उपहँत वस्तुकेँ माजले जायब उचित) ***upaha(ă)ta***—***Adj.*** Which needs washing, struck, impeded.

𑒅𑒣𑒯𑒮 **उपहस**—उपहास (दे०) केर प्रा० का० रू० । वि० ने० १२८ (ते **उपहस** नहि गोपी साथ) । ***upahasa***—*Old* poet. form of *upahāsa* (q.v.).

𑒅𑒣𑒯𑒰𑒩 **उपहार**—स्नेहवश देल गेल वस्तु, सौगाति । [सं० उप + हृ—घञ्] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज **उपहार** । राम० १३१ (दिव **उपहार** ततय पठाय); मो० २६-२७-२४ (अपन **उपहार** प्रस्तुत कैने); मि० २२६ (सभक **उपहार**क सङ्ग शुभाशिर्वाद लै) । ***upahāra***—Present, gift.

𑒅𑒣𑒯𑒰𑒮 **उपहास**—हँसी, निन्दा, परिहास । [उप + हस—घञ्] । तु० क० हि०, बं०, ने०, अव०, राज० उपहास; प्राकृ० **उपहास**; **ओहास** । वि० पदा० मजु० ६, नेपाल ३४ (६४), न० गु० (परकीया) १५, अ० १०२६ (अधिक सिङ्गारे अधिक **उपहास**); गौरी स्वयम्बर १ (जइ सौं करिहहि **उपहास**); राम० ६५ (जग भरि **उपहास**); महेश ६ (सपनहुँ न सुनब खल **उपहास**); मै० हि० ता० ४ (मैथिली मात्र उपहास विषय होयत); पुरु० २४५ (तौ इतर लोकक **उपहास**क घर) । *upahāsa*—Ridicule, a joke, a laugh.

𑒅𑒣𑒯𑒰𑒮𑒋 **उपहासए**—उपहास (दे०) केर वर्त० रू० । वि० पदा० मजु० ५१६ (निरधन जन बोलि सबे **उपहासए**); राम० २२ (से न करिअ जे वर **उपहासए**); FML 413 । ***upa-hāsae***—*Present* tense form of ***upahāsa***.

𑒅𑒣𑒯𑒰𑒮𑒥 **उपहासब**—क्रि० । का० रू० । उपहास वा हँसी, मजाक, निन्दा करब । [सं० उपहास + अब] । गो० श० १ अम० ४२ (ए सखि ! छिय छिय कहितहुँ लाज । सुनि **उपहासब** युवति समाज) । ***upahāsaba***—***V.*** P.F. To ridicule or cut a joke, to laugh.

𑒅𑒣𑒯𑒰𑒮𑒰 **उपहासा**—उपहास (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० ५५, नेपाल १७३; तालपत्र न० गु० २२६, अ०

२५० (देखि सखीजन हो उपहासा); चष्य० २६० (तोरि मतै मोरि उपहासा)। *upahāsā—Poet.* form of ***upahāsa*** (q.v.).

उपहासास्पद—वि०। उपहास वा हँसी करबा जोकर, निन्दा करबा योग्य। [सं० उपहास + आस्पद]। तु० क० हि० उपहासास्पद। मै० सं० ओ सभ्यता भाग (२) २०, मो० २६-२७-१७ (उपहासास्पद होयत)। ***upahāsāspada****—Adj.* Fit for being laughed at.

उपहासित—वि०। हँसी, निन्दा, परिहास कएल गेल, निन्दित। [सं० उपहास + इत]। पुरु० १५७ (अपटु सभ उपहासित चिन्ता कयल)। ***upahāsita****—Adj.* Ridiculed joked, laughed..

उपहासे—उपहास (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० ५४, रामभद्रपुर पोथी ४०४ (सखिन्हि कर उपहासे); वि० वि० २३ (चहुदिश तातक भेल उपहासे)। ***upahāse****—Poet* form of *upahāsa* (q.v.).

उपहासो—उपहास (दे०) केर निश्च० रू०। रङ्ग ३० (कतेक मित्र त हमर उपहासो करैत छथि)। ***uphāso****—* Emph. form of ***upahāsa*** (q.v.).

उपहास्य—उपहास (दे०) केर वा० रू०। तु० क० हि०, राज०, ने०, अव० उपहास्य। (एहन कार्य जनु करी जाहिसँ उपहास्य हो)। *upahāsyā—Coll.* of *upahāsa* (q.v.).

उपहृत—वि०। हरण कएल गेल, आनल, देल गेल, आहृत, दूषित, विघ्नित। [सं० उप + हृ—क्त]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० उपहृत। कोबर गीत २४, ४०। *upahṛta*— Carried away; stolen.

उपाइ(ई)—उपाय (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० ०१६ (उमत बुझाओव कओने उपाइ); वि० ने० १४२ (अबला मारन जान उपाई); श्री० कृ० केलिमाला (जन्हि जनमब तन्हि करब उपाइ)। ***upāi(ī)***—Poetic form of ***upāe*** (q. v.).

उपाए—साधन, युक्ति, तरीका, प्रयास, चेष्टा, प्रतिकार, कौशल जाहि द्वारा कोनो कार्य सम्पन्न कएल जा सकए, आजीविका (सम्पत्ति)। [सं० उपाय]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, उपाय; प्राकृ० उवाय; उआअ; प० उआ-वाई; प्रा० सि० उअक। गोरक्ष विजय ४ (ख) (आवह काननिपा रचह उपाए); वि० ने० १६ (करब कओन उपाए); वि० पदा० मजु० ८१, रामभद्रपुर पोथी १५७ (तैं गुण गौरव पहे उपाए); FML 409. ***upāe***— Means, remedy, effort, expedience.

उँपाए—उपाए (दे०) केर अवहट्ट रू०। कीर्तिलता ८ (ता कुल केरा बड़िपन कहबा कओउ उँपाए)। *ũpāe—Avahaṭṭha* form or ***upāe*** (q.v.).

उपाकर्म—गुरुपूर्णिमा दिनुक पूर्व विशेष जाहिमे गुरुपूजा ओ यज्ञोपवीत धारण होइछ, उपनयन, [illegible] स्वाध्याय, विधि पूर्वक वेदक अध्ययन करब। [उप + आ + कर्म]। तु० क० हि० उपकर्मा। मै० संस्कृति ओ सभ्यता भाग [illegible] ***upākarma*** (in ancient times).

उपाकृत—देवताक निमित्त बलिदान करब. [illegible] [सं० उप + आ + कृ—क्त]। अम० १६२। *upākṛta*— Commenced to be sacrificed for a deity.

उपाख्यान—अन्तर्कथा, पुरान कथा, वृतांत, कोनो कथामे आबएबला पुरान दोसर सम्बद्ध आख्यान, इतिवृति, कथन। [सं० उप + आख्यान]। तु० क० हि० उपाख्यान; राज० उपाख्यान; प्राकृ० उवक्खाण; सिंहाली ओखणि; गु० उखाण म० उखाणा। कन्या० ४७ (उपाख्यान सुनावय लगलथिन); द्विरा० ८७ (उपाख्यान कहि सुनौलथिन्ह); मि० ३२६ (एकर उपाख्यान सुनावाद फलाफल सुनवाओल); खट्ट० १११ (सावित्रीक उपाख्यान; नहि देत कियेक)। ***upākhyāna***—A subordinate tale, an episode.

उपागत—उपस्थित, लगमे आएल, आगत, स्वीकृत, प्राप्त। [सं० उप + आ - गम—क्त]। तु० क० बं० उपागत। (उपागतलोकनिक सत्कार होएबाक चाही)। *upāgata*— Arrived, present, guests who have arrived.

उपाङ्ग—अंगक भाग, कोनो वस्तुक हिस्सा वा अंश, वेदाङ्गक प्रभेदविशेष। [सं० उप + अङ्ग]। तु० क० हि०, राज० उपांग; अस० उपङ्ग। वर्ण० ४८ (उपाङ्ग रागादि गीत प्रबन्ध); अम० ६४ (अङ्ग और उपाङ्ग)। *upāṅga*—Subsidiary, ancillary part (of the Vedas).

उपाड़—क्रि०। उपाड़बाक क्रिया, जड़िमूलसँ उखाड़ब वा नष्ट करब। [सं० उत् + पाटि अथवा प्राकृ० उप्पाड]। तु० क० बं०, राज० उपाड़। नव० ४८ (चारिटा छओंड़ा मोछ उपाड़ लेल बुत्त अछि); धातु पाठ ३८। *upāḍa—V.* To uproot.

उपाड़ताह—उपाड़ (दे०) केर भवि० रू०। मो० १००-२३ (किछु विशेष युक्ति उपाड़ताह)। *upāḍatāha*— *Future* tense form of *upāṛa* (q.v.).

उपाड़ल—उपाड़ (दे०) केर भू० रू०। राम० १३० (गाछ उपाड़ल केओ वलवान); चित्रा ५२ (उपाड़ल नहि हेरनि ककरो बुते)। *upāḍala—Past* tense form of ***upāḍa*** (q.v.).

उपाड़ि—उपाड़ (दे०) केर भू० क्रि० रू०। [illegible] २६५ (सागक दोछ लेले कड़हड़े उपाड़ि उपाड़ि खैबे किने ?); [illegible] २७३ (मूल उपाड़ि पत्रमे पानि दै छथि)। ***upāḍi****—Part.* form of *upāḍa* (q. v.).

उपाड़िअ—उपाड़ (दे०) केर क्रि० [illegible] रू०। मैथिली साहित्यक इतिहास ५१। ***upāḍia****-Part.* [illegible] of ***upāḍa*** (q.v.).

उपाड़ी—उपाड़ि (दे०) केर [illegible]

(खुटि उपाड़ी मेलिलि काच्छि); चर्य्या० ८/७; ५०/१ । *upāḍi* —*Poet.* Form of *upāḍi* (q.v.).

𑒅𑒣𑒰𑒛𑓃 **उपाड़ू**—उपाड़ (दे०) केर आज्ञा० रू० । FML 349. *upāḍū—Imp.* form of *upāḍa* (q.v.).

𑒅𑒣𑒰𑒞𑒱 **उपाति**—सिचड़ा, घरमे आएल अतिथि (गुणी, स्त्री आदि) क हेतु चङेरामे साँठल गेल अन्न, वस्त्र, फल एवं अन्य वस्तु आदि, हेतु स्नेह सँ देल भरल चङेरा, वस्तु, उपहार । [सं० उप+अद् भक्षणे + ण्यत् > उपाद > उपाति] । वि० पदा० मजु० ४८; न० गु० ताल-पत्र २१७; अ० २१८ (वास न पाबए माँग उपाति); राम० १०४ (साँठल भारहि भार उपाति); चन्द्र० २५४ (उपाति हेतु मारी); मो० २६—२७—२४ (अपन उपहार उपाति प्रस्तुत कैने); प्रग० १६० (एक चङेरा उपाति भण्डार घरसँ पहुँचि गेलैन्ह); ससरफानी ७७ । *upāti*—A basket of foodgrain, fruit, clothes as a complimentary present to guests.

𑒅𑒣𑒰𑒠𑒰𑒢 **उपादान**—ग्रहण करब,कोनो वस्तुक मूल कारण । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० अव० उपादान; राज० उपादान । खट्ट० १३७ (गाल एकके उपादानक दू भिन्न स्वरूप थिक); हिरा० २ (नारीक रचना कोमल उपादान सँ); रङ्ग ३० (जतेक बोधक उपादान होइत छैक) । *upādāna*—Acceptance; material out of which something is made.

𑒅𑒣𑒰𑒠𑒹𑒨 **उपादेय**—वि० । कार्यक, उत्तम, नीक, लेबा जोग, श्रेष्ठ, स्वीकार करबा योग्य । [सं० उप+आ+दा—यत्] । तु० क० हि०, बं०, राज०, ने० उपादेय । मिहि० २८—२—११ (अत्यन्त उपादेय एहि ग्रन्थक); नक्षत्र ५६) । *upādeya—Adj.* Acceptable, excellent.

𑒅𑒣𑒰𑒠𑒹𑒨𑒞𑒰 **उपादेयता**—श्रेष्ठता, उत्तमता, स्वीकार्य । [सं० उप+आदेय+अता] । मिहि० ३५—१६—१६ (ऐ यहक सर्वोत्कृष्ट उपादेयता तँ संसार भरिक उपादेय और मान्य ग्रन्थ गीता मे सेहो विशद रूपे वर्णित अछि) । *upādeyatā*—Virtuousness, beneficial.

𑒅𑒣𑒰𑒡𑒱 **उपाधि**—डिग्री, पदवी; प्रतिष्ठासूचक पद, चिन्ह; उपद्रव (रोगादिमे), छल कपट । [सं० उप+आ+धा—कि] । तु० तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, राज०, अव०, भोज० उपाधि । राम० २१ (मुनिकृत बाढ़ल बहुत उपाधि); मि० २४० (पश्चात भाला झ गन्ना उक्त श्रीमानसँ पओने ओ चौधरी उपाधि पाओल); मो० ६७-७ (संसारक बेढ़को उपाधि); पुरु० १८४ (एहन उपाधि पाओल); हिरा० १६० (नाना उपाधिसँ विभूषित करैत बजलाह) । *upādhi*—Title, surname, (ironically) virtues (evil qualifications, abuses, complaints in illness, etc. showered (on somebody).

𑒅𑒣𑒰𑒡𑓂𑒨𑒰 **उपाध्या**—उपाध्याय (दे०) केर संक्षिप्त अशु० रू० । वि० प० ६१ (कहवथि पूर्व उपाध्या) । *upādhyā*—Short Err. form of *upādhyāya* (q.v.).

𑒅𑒣𑒰𑒡𑓂𑒨𑒰𑒨 **उपाध्याय**—वेदशास्त्र पढ़औनिहार, आचार्य, गुरू, प्राध्यापक, शिक्षक, व्याख्याता, मन्त्रक व्याख्या करकेँ बुझऔनिहार, ब्राह्मणक एक उपजाति क नाम । [सं० उप+अधि+इङ—घञ्] । तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, राज०, अव०, भोज० उपाध्याय । राम० २६ (उपाध्याय काँ सँग लगाए); (आइयो कालिह कतेक उपाध्याय ब्राह्मणक घर मिथिला मध्य अछि) । *upādhyāya*—Teacher of the Vedas.

𑒅𑒣𑒰𑒢𑒯 **उपानह**—पनही, जूता, चर्मपादुका । [सं० उप+नह—क्विप्] । तु० क० हि०, बं०, राज० उपानह; पा० उपानह; प्राकृ० उवाणाहा, ओणया; उवाहणहा, वाणहा, वाहणा, पाहणा पं० पाहणा; हि० भोज० पनही; मा० गु० वाणही; बहाण; वाहो । अम० २३३ (पादू उपानह); FML 119. *upānaha*—Shoe, sandal.

𑒅𑒣𑒰𑒢𑒯𑒱 **उपानहि**—उपानह-युक्त । [सं० उपानह+ई] राम० १३८ (शिखी उपानहि दिव्य कमण्डलु) । उपानहीक का० रू० । *upānahi*—Wearer of shoes.

𑒅𑒣𑒰𑒢𑓂𑒞(𑒢𑓂𑒞𑓂𑒨) **उपान्त(न्त्य)**—कात-करओट; अन्तक समीप, आँखिक कोन । [सं०] । तु० क० हि० हाशिया । मि० भा० वि० १६०; नरोत्तम ७३ । *upānta(tya)*—Margin, border, edge, corner of eye, penultimate.

𑒅𑒣𑒰𑒧(𑒧𑒰)(𑒧𑒹) **उपाम(मा)(मे)**—उपमा (दे) केर का० रू० । तु० क० बं०, असं०, ने०, उ० उपाम । वि० पदा० मजु० १६६, न० गु० ७६; अ० ४ (नमइत महक उपाम); राग० १०७ (जीवन तन्हिक उपाम हे); ग्रि० (उपामा); FML ६०० राग० ४२ (मनहु न अवतर नयन उपाम); महा० ना० ७ (सुपुरुष सुन्दर मदन उपामे); वि० पदा० मजु० ११९; ग्रि० ४१; नव० गु० ४७३, अ० ८८७ (निसिपति हरिन उपामे) । *upāma (mā) (me)*—*Poet.* form of *upamā* (q.v.).

𑒅𑒣𑒰𑒨 **उपाय**—उपाए (दे०) केर सं० रू० । तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, राज०, पा० उपाय; प्राकृ० उवाय, उआअ; पं० ऊआ-वाई । वि० पदा० मजु० १४५ (साजनि रचह हे न उपाय); मन० कृष्ण० २१ (आज करिअ अब एकर उपाय); वि० वि० ५ (नृप भूपतीन्द्र कइ होयत उपाय); ग्रि०; मै० हि० सा० ५ (स्त्री तुलल रहै छथि तकर कोन उपाय); मो० ६६—१ (शुभ उपायक मूल सुमाल कै); राम० बालकाण्ड ४ (की तकर उपाय); प्रग० ६ (आब कोन उपाय); पारो २० (एकटा उपाय सूझल) । *upāya*—Sanskrit form of *upāe* (q. v.).

𑒅𑒣𑒰𑒨𑒢 **उपायन**—लग जाएब, उपहार, बयन (दे०) । [सं० उप+अय—ल्युट्] । तु० क० हि० बं०, असं०, ने०, राज०, पा० उपायन; प्राकृ० उवायण; उवाओ; गु० उवायणुँ; म० उवाण; हि० बायन; बाएना, बयन, बेन । पुरु० १२४ (मन्त्रि राजक पुरुषसौं उपायन कयल) । *upāyana*—going near, meet, a present.

𑒅𑒣𑒰𑒨𑒰𑒢𑓂𑒞𑒩 **उपायान्तर**—क्रि० वि० । उपाय वा साधन केर विभिन्नता वा अन्तर । [उपाय + अन्तर] । पुरु० १०५ (जौं उपायान्तर मौं ब्राह्मण जीवथि); पुरु० १११ (हरिणी समाना **उपायान्तर** करवह) । *upāyāntara—Adv.* Different means or effort.

𑒅𑒣𑒰𑒨𑒲 **उपायी**—उपायमे लागल छथि **उपाय** (दे०) केर का० रू० । गोरख विजय ६ (क) (अठारह महादेविक मन **उपायी**) । ***upāyī*** *-Poet.* form or ***upāya*** (q.v.).

𑒅𑒣𑒰𑒨𑒹 **उपाये**—**उपाय** हि० केर का० रू० । चर्या० ३८/२; विरा० १७७ (विनु गाम ऐने **उपाये** नहि छैन्ह); प्रण० १२१ (बिना वेश्या भेने कोनो **उपाये** नहि) । *upāye–Poet.* form of *upāyahi*

𑒅𑒣𑒰𑒩𑒖𑒱𑒞 **उपारजित**—**उपार्जित** (दे०) केर वा० रू० । BPL 1215. *upārajita—Coll.* form of *upārjita* (q.v.).

𑒅𑒣𑒰𑒩𑒥 **उपारब**—**उपाड़ब** (दे०) केर वा० रू० । ग्रि०; IAL Turner 83—1809. ***upāraba****—Coll.* form of *upāḍaba* (q.v.).

𑒅𑒣𑒰𑒩𑒪 **उपारल**—**उपाड़ल** (दे०) केर का० रू० । मन० कृष्ण० १६ (जुगुति **उपारल** दुलहन हाथ) । *upāḍala—Poetic* of ***upāḍala*** (q.v.).

𑒅𑒣𑒰𑒩𑒱 **उपारि**—**उपाड़ि** (दे०) केर वा० रू० । वि० पदा० मजु० ३३, न० गु० तालपत्र १५, अ० ६० (आनब कओने **उपारि**); FML 75; शतदल ६६ । *upāri—Coll.* form of *upāḍi* (q.v.).

𑒅𑒣𑒰𑒩𑓂𑒖𑒏 **उपार्जक**—वि० । उपार्जन करनिहार, उपजओनिहार, अर्जन करनिहार, कमएनिहार । [सं० उप + अर्जक] । तु० क० हि० **उपार्जक** । (**उपार्जकलोकनि** यदि उपार्जन नहि करताह त खएताह की ?) । ***upārjaka****—Adj.* (One) who earns.

𑒅𑒣𑒰𑒩𑓂𑒖𑒢 **उपार्जन**—अर्जन, कमाएब, एकत्र करब, संचित करब । [सं० उप + अर्जन] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० **उपार्जन**; राज० **उपारजण(न)** । राम० बाल० ३ (धनक **उपार्जन** मे व्याकुल चित्त); मै० हि० सा० (३–४) १६ (पश्चात संघ ग्राम **उपार्जन** कएलकन्हि); विरा० १६ (**उपार्जन** करबाक शक्ति एकरा आबि जेतैक); प्रण० १५२ (फूसि फटक क क **उपार्जन** करब) । *upārjana*—Earning.

𑒅𑒣𑒰𑒩𑓂𑒖𑒱𑒞 **उपार्जित**—वि० । कमाएल, परिश्रममें प्राप्त कएल गेल । [सं० उप + अर्जित] । तु० क० हि०, अस०, ने० **उपार्जित** । राम० ६१ (हमर **उपार्जित** सब जन खाय); चन्द्र० ३०८ (ककर **उपार्जित** के धन भोगत); मो० ६६–११ (**उपार्जित** धनौक भाग नहि); पुरु० २०१ (पिताक **उपार्जित** राज्यमे) । ***upārjita*** *—Adj.* Earned, acquired.

𑒅𑒣𑒰𑒪𑒧𑓂𑒦 **उपालम्भ**—व्यंग्य, उलहन, उपराग, निन्दा, दुर्वाक्य, अनादर, उपहास । [सं० उप – आ – लम्भ – घञ्] तु० क० बं० अस०, ने० **उपालम्भ**; हि० राज० उपालंभ; ... उ० **उलहणा**; कु० **उलाणो** । वर्ण० ५ (सर्वगुण सम्पूर्ण **उपालम्भ** ...) अम० ३८ (**उपालम्भ** ई उलहन वा उपराग नाम ...) प्रण० २२६ (सरस्वती दाइ **उपालम्भ**पूर्वक पत्र लिखि पठौलन्हि) । *upālambha*—Blame, abuse, joke, angry word.

𑒅𑒣𑒰𑒬𑓂𑒩𑒱𑒞 **उपाश्रित**—वि० । अवलम्बित, ककरो सहायता पर रहनिहार, ओ नियम जे दोसर नियमपर आश्रित हो, आश्रित । (**उपाश्रित** व्यक्तिक दशापर विचार करब आवश्यक) । ***upāśrita*** *—Adj.* Dependent, who depends on another person.

𑒅𑒣𑒰𑒮 **उपास**—सहब, विनु भोजनक रहब, व्रत जाहिमे किछु खाइ नहि । [सं० उपवास] । तु० क० हि०, बं० अस०, ने०, अव०, राज० **उपास** कीर्तिलता ४४ (अइह किक्करउ गण्डमे मथिअ **उपास**); वि० पदा० मजु० ३५८ (कतय भमर मोर पड़ल **उपास**); ग्रि०; मि० ३७५ (ठक कतहु उपास पड़इलैन्ह); शतदल ६८, FML 90, 517; आशाक विन्दु ४७१ । ***upāsa***—Full fast without food and water.

𑒅𑒣𑒰𑒮𑒏 **उपासक**—वि० । उपास वा व्रत करनिहार, पूजा, आराधना करनिहार, भक्त, सेवा करनिहार, श्रद्धा रखनिहार । [सं० उप + आस—ण्वुल्] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अव०, राज०, भोज०, पा० **उपासक**; प्राकृ० **उवासअ, ओसिआ**; प्रा० सि० **उपासक** । मि० ११ (नैष्ठिक **उपासक** छलाह); विरा० ४६ हम एक देवीक अनन्य **उपासक** थिकहुँ); प्रण० १८७ (सौन्दर्यक **उपासक** छलाह); नव० ७६ (पंचदेवताक **उपासक**) । *upāsaka* *—Adj.* Devotee, worshipper, servant.

𑒅𑒣𑒰𑒮𑒢𑒰 **उपासना**—आराधना, पूजा, सेवा, प्रार्थना साधना । [सं० **उपासना**] । तु० क० हि०, बं० अस०, ने०, अव० **उपासना**; राज० **उपासणा** । मि० वि० ४६ (शक्ति **उपासना** सँ जे जे सिद्धि ओ प्राप्त कयलन्हि); मो० ६८–१३ (परमेश्वरक **उपासना** करबाक स्वतन्त्र अधिकार पौने छी); विरा० ७७ (जे **उपासना** योग्य हो); पुरु० १७० (अद्यापि **उपासना** विषय कहयित छथि); नव० ६७ (ई सगुणक **उपासना** हुनका धैर्यक नाओ देने छलइन) । *upāsanā*—Worship, prayer, service.

𑒅𑒣𑒰𑒮𑒪 **उपासल**—**उपास** (दे०) केर भू० रू० । राम० ३६१ (कहल **उपासल** छलहुँ हम); पुरु० १८५ (अहाँ दू दिनक **उपासल** छी) । *upāsala—Past* tense form of *upāsa* (q.v.).

𑒅𑒣𑒰𑒮𑒱𑒢𑒲 **उपासिनी**—**उपासना** (दे०) केर स्त्री० रू० वन कुसुम ४६ । *upāsinī—Fem.* form of *upāsaka* (q.v.).

𑒅𑒣𑒰𑒮𑒲¹ **उपासी¹**—**उपास** (दे०) केर ...

ने० ३६ (गिरिहथ पलल उपासी)। *upāsi¹—Poet.* form of *upāsa* (q.v.).

𑒅𑒣𑒰𑒮𑒲² **उपासी²**—वि०। उपासना कएनिहार, भक्त सेवक, अनुरक्त। [सं० उपास + ई]। तु० क० हि०, राज० उपासी। मोदलता १२०। ***upāsī²****—Adj.* Devotee, worshipper, servant.

𑒅𑒣𑒰𑒮𑒲𑒞 **उपासीत**—उपासित (दे०) केर अशु० रू०। व्य० वि० २३१। *upāsita—Err.* form of ***upāsita.***

𑒅𑒣𑒰𑒮𑓂𑒨 **उपास्य**—वि०। आराध्य, पूज्य, योग्य, जकर सेवा कएल जाइत हो। [सं० उप + आस—ण्यत्]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अव०, राज० उपास्य। माधवी माधव २१। ***upāsya****—Adj.* Who is to be worshipped.

𑒅𑒣𑒰𑓀𑒑 **उपांग**—उपाङ्ग केर विक० रू०। गो० श्० २ अमर ८ (उमक रबाब उपाङ्ग पखावज, करतल ताल सुमेलि करी); खट्ट० ८६ (नृत्य गीतक उपाङ्ग मात्र थीक)। ***upānga****—Alt.* of *upāṅga* (q.v.).

𑒅𑒣𑒹𑒐 **उपेख**—उपेक्षा (दे०) केर का० रू०। FML 79; ग्रि०। ***upekha****—Poet.* form of *upekṣā* (q.v.).

𑒅𑒣𑒹𑒐𑒞𑒱(𑒟𑒱) **उपेखति(थि)**—उपेख (दे०) केर मध्य० पुरु० रू०। FML 498 (उपे[खति]); वर्ण० ३७ (धन प्रतिष्ठा उपेखथि); चन्द्र० २०३ (विरह अमर प्रा० उपेखथि)। *upekhati(thi)*—Second person form of ***upekha*** (q.v.).

𑒅𑒣𑒹𑒐𑒢 **उपेखन**—उपेक्षण (दे०) केर का० रू०। गो० श्० १ अमर ५० (आब मोर जीवन उपेखन होय। गोविन्द दास ओ सुख हेरि रोय)। ***upekhana****—*Neglect.

𑒅𑒣𑒹𑒐𑒥 **उपेखब**—क्रि०। उपेख (दे०) केर भवि० रू०। वि० पदा० मजु० २२३ (पिरित कारने जीव उपेखब; गो० श्० १ अम० २४ (जबहि उपेखब मोहे मोर बध लागत तोहि); ग्रि०। ***upekhaba****- V. Future* tense form of *upekha* (q.v.).

𑒅𑒣𑒹𑒐𑒪 **उपेखल**—उपेख (दे०) केर भू० रू०। गो० श्० १ अम० ४० (बजकुल नन्दन चान उपेखल दारुण मानिक लागि); चन्द्र० १४२ (राजक आस उपेखल); IAL Turner 108-233. ***upekhala****—Past* tense form of ***upekha*** (q.v.).

𑒅𑒣𑒹𑒐𑒮𑒱 **उपेखसि**—उपेख (दे०) केर मध्य० पुरु० रू०। गो० श्० १ अमर० ६० (हमरि विछेदे तँह नारि न उपेखसि कुबजा रति अवगाह)। *upekhasi*—Second person form of ***upekha*** (q.v.).

𑒅𑒣𑒹𑒐𑒯 **उपेखह**—उपेख (दे०) केर आज्ञा० रू०। वि० ने० ११२ (आसा दुइए उपेखह आज)। ***upekhaha****—Imp.* form of ***upekha*** (q.v.).

𑒅𑒣𑒹𑒐𑒱 **उपेखि**—उपेख (दे०) केर पू० क्रि० रू०। गो० श्० १ अमर २० (अबहुं बसन पर कहाँ दिगम्बर शङ्कर नियम उपेखि); FML 533. ***upekhi****-Part.* form of ***upekha*** (q. v.).

𑒅𑒣𑒹𑒐𑒱𑒋 **उपेखिए**—उपेखि (दे०) केर प्रेरणा० रू०। वि० पदा० मजु० २७१ (प्रेमक कारन जिउ उपेखिए)। *upekhie—Caus.* form of ***upekhi*** (q.v.).

𑒅𑒣𑒹𑒐𑒲 **उपेखी**—उपेखि (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० १८७, न० गु० तालपत्र ७८ (बिनु बिरोधे उपेखी); FML 386. ***upekhī****—Poet.* form of ***upekhi*** (q.v.).

𑒅𑒣𑒹𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 **उपेन्द्र**—इन्द्रक छोट भाय विष्णु, चक्रपाणि। पंचम वामनावतारमे विष्णुक नाम [सं० उप + इन्द्र]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, उपेन्द्र। अम० ६ (उपेन्द्र इन्दुविरज, चक्रपाणि)। ***upendra****—*The younger brother of Indra, Viṣṇu. in vāmanāvatāra.

𑒅𑒣𑒹𑒭𑒱 **उपेषि**—उपेखि (दे०) केर अशु० रू०। वि० ने० ५६ (केओ सखि रहल उपेषि)। ***upeṣi****—Err.* form of *upekhi* (q.v.).

𑒅𑒣𑒹𑒭𑒲 **उपेषी**—उपेखि (दे०) केर का० रू०। वि० ने० ८६ (मृदुल नयन मुख बचन उपेषी)। ***upeṣī****—Poet.* form of ***upekhi*** (q.v.).

𑒅𑒣𑒹𑒭𑓂𑒐𑒅 **उपेष्खइ**—उपेषि (दे०) केर वर्त० अवहट्ठ रू०। कीर्तिलता ४६ (सरबस उपेष्खइ अद्ध काज)। ***upeṣkhai****—Present* tense avahaṭṭha form of *upeṣi* (q.v.).

𑒅𑒣𑒹𑒏𑓂𑒭𑒏 **उपेक्षक**—वि०। उपेक्षा कएनिहार, अनादर, तिरस्कार कएनिहार। [सं० उप + ईक्ष + ण्वुल्]। तु० क० बं० उपेक्षक। (उपेक्षकगणसँ सावधान पहिनहिसँ रही)। ***upekṣaka****—Adj.* Who ignores, who disrespects, who is indifferent.

𑒅𑒣𑒹𑒏𑓂𑒭𑒝 **उपेक्षण**—तिरस्कार, उपेक्षा, विरक्ति, उपेक्षा करबाक कार्य, अवहेलना, त्याग। [सं०]। तु० क० हि०, राज० उपेक्षण। (वास्तविक उपेक्षणसँ मनुष्यक हृदय काँपि उठैछ)। ***upekṣaṇa*** —Disregard, indifference, sadness.

𑒅𑒣𑒹𑒏𑓂𑒭𑒝𑒲𑒨 **उपेक्षणीय**—वि०। छोड़बाक योग्य; उपेक्षा, त्याग, तिरस्कार, अवहेलना करबाक योग्य। [सं०]। तु० क० हि० राज० उपेक्षणीय। एकावली परिणय १३१। ***upekṣaṇīya****—Adj.* Fit to be neglected, to be disregarded.

𑒅𑒣𑒹𑒏𑓂𑒭𑒰 **उपेक्षा**—तिरस्कार, त्याग, घृणा, विरक्ति, उदासीनता, अनादर। [सं० उप + ईक्षा—अ + टाप्] तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अव०, राज० उपेक्षा, प्राकृ० उपेक्ख। मि० २६७ (कन्याक होइत तकर परिग्रह उपेक्षा नहि कैनिहार बयो कुटुम्बवर्ग मे जे होथि); मै० हि० सा० १८ (उपेक्षा कय रहल छथि); कन्या० १४१ (उपेक्षा और घृणाक भाव जागृत भ जाइ छैक); प्रणा० २७ (पित्ती

उपेक्षा सूचक मुँह बनौलन्हि); नव० २७ (छोट छोन पोखरि छलइक उपेक्षाक प्रतीक)। ***upekṣā***—Neglect, sadness, indifference.

𑒅𑒣𑒹𑒏𑓂𑒭𑒱𑒞 **उपेक्षित**—वि०। तिरस्कृत, त्यागल, परित्यक्त, जकर तिरस्कार वा अवहेलना भए गेल होइक। [सं० उप+ईक्ष—क्त]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० **उपेक्षित**। वर्षा० ६६ (सलभ अइसन उपेक्षित मृत्यु); मो० १०१–४ (प्रश्न उपेक्षित कै देल गेल); द्विरा० ६१ (अपन **उपेक्षित** प्रेम काव्य उठौलन्हि); चित्रा ७ (**उपेक्षित** श्री पूल जनु टूटल रही)। *upekṣita*—*Adj*. Neglected.

𑒅𑒣𑒹𑒏𑓂𑒭𑒱𑒞𑒰 **उपेक्षिता**—उपेक्षित (दे०) केर स्त्री० रू०। मङ्गार ३२। *upekṣitā*—*Fem.* form of ***upekṣita*** (q.v.).

𑒅𑒣𑒹𑒏𑓂𑒭𑓂𑒨 **उपेक्ष्य**—वि०। छोड़बाक योग्य, त्याज्य, तिरस्कार वा अवहेलनाक जोगर। [सं०]। तु० क० हि० **उपेक्ष्य**। (**उपेक्ष्य** वस्तुक उपेक्षा आवश्यक)। ***upekṣya***—*Adj*. Fit to be neglected, indifferent.

𑒅𑒣𑒻(𑒨) **उपै(य)**—उपाए (दे०) केर अशु० रू०। FML 182. *upai(ya)*—*Err.* form of ***upāe*** (q.v.).

𑒅𑒣𑒼𑒠𑓂𑒒𑒰𑒞 **उपोद्घात**—उद्घाटन, भूमिका, प्रस्तावना, परिचय। [सं०]। तु० क० हि०, राज० **उपोद्घात**। मिहिर ३८-११-८ (विद्यापतिक अनन्य ग्रन्थक **उपोद्घातमे** लिखल)। ***upodghāta***—Introduction, inauguration.

𑒅𑒣𑒼𑒭𑒱𑒞 **उपोषित**—वि०। उपवासित, सहल, निराहार व्रत कएल। [सं०]। तु० क० हि०, राज० **उपोषित**। प्रतिपदा एक अध्ययन ७८। *upoṣita*—*Adj*. Fasted.

𑒅𑓀𑒣𑒢𑓂𑒢𑒅𑓀 **उँपन्नउँ**—**उपपन्नहु** अथवा उत्पन्नहु केर अवहट्ठ रू०। कीर्तिलता १२ (किम उँप्पन्नउँ वैरिपण किम उँद्धरिउँ तेथ)। *ũppannaũ*—*Avahaṭṭha* form of ***upapannahũ*** or *utpannahũ*.

𑒅𑒣𑓂𑒣𑒢𑓂𑒢𑒧𑒞𑒱 **उप्पन्नमति**—प्रत्युत्पन्नमति (दे०) केर अवहट्ठ रू०। की० ल० ८ (जज्जम्मिअ उप्पन्नमति कामेसर सन राए)। ***uppannamati***—*Avahaṭṭha* form of ***pratyutpannamati*** (q.v.).

𑒅𑒣𑓂𑒣𑒩 **उप्पर**—उपर (दे०) केर अवहट्ठ वा निश्च० रू०। कीर्तिलता ५५ (धाऍ चलथि गिरि **उप्पर** घोरें)। ***uppara***—*Avahaṭṭha* or emph. form of ***upara*** (q. v.)

𑒅𑓀𑒣𑓂𑒣𑒪𑒳 **उँप्पलु**—आन्दोलित होबए लागल, उत्फालित होबए लागल। अवहट्ठ रू०। कीर्तिलता ४६ (लद्दावधि पयदाक शब्द वाय पड्ड परवषत उँप्पलु)। ***ũppalu***—*Avahaṭṭha* form of ***utphālita***.

𑒅𑒣𑓂𑒪𑒼𑒑𑒯𑒱 **उप्लोगहि**—वि०। उछलनिहार, कुदनिहार। [सं० उत्प्लव]। राम० १६८ (छथि उप्लोगहि मध्य करौत)। *upplogahi*—*Adj*. Who jumps.

𑒅𑒤 **उफ**—अव्यय। चिन्ता, कष्ट, अफसोस, विस्मय आदि व्यक्त करबाक शब्द। [अर०]। तु० क० हि०, राज०। *upha*—*Ind*. Ah!

𑒅𑒤𑒢𑒅𑒋 **उफनइए**—**उफान** (दे०) केर वर्त० रू०। त्वरगन्धा १०। ***uphanaie***—Present tense form of ***uphāna*** (q.v.).

𑒅𑒤𑒢𑒪 **उफनल**—उफलल (दे०) केर वा० रू०। गोधूलि ६। ***uphanala***—*Coll.* form of ***uphalala*** (q.v.).

𑒅𑒤𑒩𑒱 **उफरि**—क्रि०। खाए तृप्त होएब, भोजनसँ अकच्छ होएब। [अर०]। कीर्तिलता ६५ (रकतक राङ्गल माँथ **उफरि** फेरबी फोरि षा)। *uphari*—*V*. To feel about having taken excess food, to be in a state of flatulence.

𑒅𑒤𑒪𑒪 **उफलल**—उफान (दे०) केर भू० रू०। दिनमणि ३२। ***uphalala***—*Past* tense form of ***uphāna*** (q.v.).

𑒅𑒤𑒰𑒢 **उफान**—गरमी पाबि फेनक सहित उपर उठब, उधिआन। [सं० उत्+फान(फे)]। तु० क० हि०, बं०, अस०, **उफान**; राज० **उफाण**। रङ्ग ६० (शोणितमे रक्तमात्र **उफान** किएक ने उठलन्हि)। *uphāna*—Increase in volume (as milk does); fermentation.

𑒅𑒤𑒰𑓀𑒙(𑒙𑒱)[1] **उफाँट(टि)**[1]—अप्रेषित भूत (दी०), एक प्रकारक भूत सदृश, संशयात्मक वायु जकरा लगलासँ लोक दुखित पड़ि जाइछ। [सं० उत्+फाट]। गव चन्द्रिका ४४ (**उफाँटि** लागब)=बसात लागब (हिनका **उफाँट** लागि गेलासँ ज्वरक सन्देह छन्हि)। ***uphāṭa(ṭi)***—Polluted wind, superstitiously regarded as an evil spirit or demonic influence.

𑒅𑒤𑒰𑓀𑒙𑒱[2] **उफाँटि**[2]—वि०। पचीसी वा शतरञ्ज खेलहा, वा खेढिमे कटबाक योग्य स्थानगत (गोटी), मन्दिर आ चिरासँ अतिरिक्त स्थान गेल (गोटी), सुरक्षित नहि। [उफाँट+इ]। मिहि० १८ (४-६३-१६२) (सभक गोटी **उफाँटिये** भेल रहतैक आ से मेला उत्तर सभ चट-पट मरबे करतैक)। *uphāṭi*[2]—*Adj*. (A pawn or player's piece) not in safe position.

𑒅𑒣𑓂𑒤𑒪𑒅 **उप्फलइ**—**उफनइए** (दे०) केर अव० रू०। कीर्तिलता ६३ (खग्गें खग्गें संघलिअ कुलुग **उप्फलइ** अग्गिके)। *uphphalai*—*Avahaṭṭha* form of *uphanaie* (q.v.).

𑒅𑒥𑒙𑒢 **उबटन**—उकटन (दे०) केर विक० रू०। तु० क० सं० उद्वर्तन; हि०, बं०, अस०, ने०, राज०, अव०, भोज० **उबटन**। BPL 1308; 1314, 1368. ***ubaṭana***—*Alt.* of ***ukaṭana*** (q.v.).

𑒅𑒥𑒙𑒱 **उबटि**— उबाट (दे०) केर बा० रू० । कीर्ति० २० (उबटि बट्ट न पाइआ); वि० पदा० मजु० ३०, तालपत्र न० गु० ६३, रूमम० १० (उबटि न मेलिहु संग परिपाटी); राग० १०० (उलटि हेरैतेँ उबटि परल)। ***u**bati—Coll.* form of ***u**bāta* (q.v.).

𑒅𑒥𑒛𑒳𑒥 **उबडुब**—पानिमे डूबब आ फेर उगब, अर्थात् डुबला उत्तर बहार होएबाक कठिन स्थितिमे, अतिशय सुख वा समृद्धिक स्थिति (बहुधा व्यङ्ग प्रयोगी)। [उगब + डुबब]। तु० क० उगडुब; उर्दू उबडुब; उबेइ डुबेइ। (एकटा छओँडा पानिमे उबडुब कए रहल अछि, ओकरा केओ उपर कएनिहार नहि छैक)। *ubaduba*—State of sinking and rising in the water.

𑒅𑒥𑒞𑒰 **उबता**—उगताह (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० ५१५ (हर नहि उबता तोहहि गोरि) । *ubatā—Obs.* Old poet. form of *ugatāha* (q.v.).

𑒅𑒥𑒢𑓂𑒢 **उबन्न**—उबानि (दे०) केर बा० रू० । FML 268. ***u**banna—Coll.* form of ***u**bāni* (q.v.).

𑒅𑒥𑒩(𑒥) **उबर(ब)**—क्रि० । मुक्ति, बाँचब, उद्धार भए बहराएब, भोजमे भोजनादि रोष बाँचब, उबँर । [उगरब(दे०)] तु० क० उगरब (दे०) तु० क० हि० उबरना; प्राकृ० उववारेइ; सि० उबारणु । म्रि० (बाट उबर)। ***u**bara(ba)—V.* To escape (drowning or death), to get an escape, salvation.

𑒅𑒥𑒩𑒪 **उबरल**—उबरब (दे०) केर भू० रू० । वि० पदा० मजु० १६६, नेपाल १६२, न० गु० ४०५ (जे सबे उबरल काटि नड़ाओल); मि० ४१४ (भगवानक भोग रागसँ उबरल); FML 41 ***u**barala—Past* tense form of *ubaraba* (q.v.).

𑒅𑒥𑒩𑒰 **उबरा**—उगरा (दे०) केर बा० रू० । FML 174 ***u**barā—Coll.* form of *ugarā* (q.v.).

𑒅𑒥𑒯𑒞 **उबहत**—उगहत (दे०) केर बा० रू० । म्रि० (उबहत ई)। *ubahata—Coll.* form of ***u**gahata* (q.v.).

𑒅𑒥𑒯𑒢(𑒢𑒱) **उबहन(नि)**—उगह(घ)नि (दे०) केर बा० रू० । [सं० उदग्रहणी]। BPL 115, 930. ***u**bahana(ni) Coll.* form of ***u**gaha(gha)ni*.

𑒅𑒥𑒯𑒥 **उबहब**—उग(घ)हब (दे०) केर बा० रू० । FML 175. ***u**bahaba—Coll.* form of ***u**gaha(gha) ba* (q.v.).

𑒅𑒥𑒯𑒪 **उबहल**—उग(घ)हल (दे०) केर भू० का० रू० । कीर्तिलता १८ (काहु उबहल भार बोझ) । *ubahala—Past* tense form of ***u**ga(gha)hala* (q.v.).

𑒅𑒥𑒯𑒱 **उबहि**—उग(घ)हि केर बा० रू० । (उबहि के बोझ राखि आएल)। *ubahi—Coll.* of *uga(gha)hi* (q. v.).

𑒅𑒥𑒯𑒻𑒢 **उबहैन**—उघैन अथवा उबहनि (दे०) केर बा० रू० । BPL 115. *ubahaina—Coll.* form of *ughaina* or ***u**bahani* (q.v.).

𑒅𑒥𑒰𑒙 **उबाट**—कुमार्ग। [सं० उद्वाट]। उबाटे नाओँ कि सुबाटे नाओँ = नीके केने वा अधलाहे केने नाम होइत छैक। तु० क० उबटि (दे०)। *ubāta*—Wrong or undesirable path.

𑒅𑒥𑒰𑒢𑒱 **उबानि**—वि०। अनुचित वा दोषयुक्त बान्ह, वा टीप आदि, अनुचित बानि (दी०)। खाट, टाट आदि बुनबा काल मान्यता नहि देब। मान्य वा प्राप्त बान्ह छैक जेना इक, औक, चौक यम ताहिमे 'यम' बाला बानि नहि तु० क० उफाँटि तान बान्ह वा गोटी। [सं० उ (=उनटा, अनट)+बान्ह (बन्धन) उबन्ध]। (उबानि किएक बीनि रहल छी)। *ubāni—Adj.* Incorrect, or inauspicious tie or stitch, turn (in weaving, tying a thatch)

𑒅𑒥𑒱𑒁(𑒨𑒰)𑒋𑒥 **उबिआ(या)एब**—क्रि०। अकच्छ भए जाएब। [हि० ऊब]। *ubiā(yā)eba—V.* To be bored.

𑒅𑒥𑒱𑒁(𑒨𑒰)𑒟𑒳 **उबिआ(या)थु**—

𑒅𑒥𑒹𑒩 **उबेर**—वर्षादिक प्रयुक्त दुर्दिनक अन्त भेला पर रौद्र भेलाक बाद क समय। [उ + सं० बेला > बेर अथवा उबरल (दे०) सँ] BPL 1447; FML 268; व्य० वि० ११३ (माल जाल तँ नै पसर नै उबेर फलहु दाह बोइमे ठाढ़ हएत)। *ubera*—Clear weather.

𑒅𑒥𑓂𑒥𑒹 **उब्बे**—आब वा एखन (दे०) केर अवहट्ट रू०। कीर्तिलता ११ (बड़ दूर बड़ हचड़ उब्बे जनि उजड़ल लङ्का)। *ubbe—Avahattha* form of *āba* or *ekhana* (q.v.)

𑒅𑒥𑓂𑒥𑒹𑒁 **उब्बेअ**—उद्वेग (दे०) केर अवहट्ट रू०। कीर्तिलता ४० (दुब्बे सिज्जइ जा घर कउजतेँ उब्बेअ न करिए)। *ubbea—Avahattha* form of ***u**dvega* (q.v.).

𑒅𑒥𑓂𑒦𑒲[1] **उब्भी**—[1]—बाँसक फराठी जकर अग्रभाग सुलफा जकाँ बनल होइक, सुगरक पेटमे उब्भी दए डोम सुगरकेँ मारैत अछि। उद् + भिद् (सं०) केर विकृत रू०। *ubbhī*[1]—A bamboo stick sharpened at one end used, as a weapon.

𑒅𑒥𑓂𑒦𑒲[2] **उब्भी**[2]—खढ़ बाँसक वा मामनक टाटमे मुङ्गर भूर दए दोहरा बाती पैसबाक हेतु प्रयुक्त दुफका बाँस। [उभयी]। ***u**bbhī*[2]—Name of a strong hole-pierced kind of bamboo used in making thatches.

𑒅𑒦𑒁 **उभअ**—उभय (दे०) केर का० रू०। राम० ५ (उभए मन यदि अनुरागे)। *ubhaa—Poet.* form of ***u**bhaya* (q.v.).

𑒅𑒦𑒋𑒯𑒳 **उभएहु**—उभअ (दे०) केर निश्च० रू०। वि० पदा० मजु० १५५, पं० रमानाथ झा (उभएहु संसार पारलहु के जान कइसने सिखाइ)। *ubhaehu—Emph.* form of ***u**bhaa* (q.v.).

𑒅𑒦𑒏𑒪 **उभकल**—उझकल केर वि० रू० । उझकब (दे०)। राम० २७ (भरि **उभकल** अबे तौहर सिनेह) । ***ubhakala—Alt.*** of *ujhakala* (q.v.).

𑒅𑒦𑒔𑒳𑒦 **उभचुभ**—उबडुब (दे०) केर वा० रू० । सनेस ३८ । ***ubhacubha—Coll.*** of *ubaduba* (q.v.).

𑒅𑒦𑒛𑓃𑒪 **उभड़ल**—उपर दिसि भरल, ऊँच भेल । **उभरल** (दे०) केर वा० रू० । खट्ट० १३८ (उभड़ल पयोधरसँ) । *ubhaḍala—Alt.* form of ***ubharala*** (q.v.).

𑒅𑒦𑒨 **उभय**—वि० । दूनू, युगल, जोड़ा । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज०, पा० उभय; प्राकृ० अवह । वि० पदा० मजु० ७६, रामभद्रपुर पोथी ३५, (उभय मन यदि अनुरागे); राम० १७६ (साधक सुख-दुख **उभय** सव); पुरु० २६२ (**उभय** विद्या सिद्धि); कन्या० २३ (नाककेर **उभय** पूड़ामे कोँचि) । ***ubhaya—Adj.*** Both.

𑒅𑒦𑒨𑒟𑒰 **उभयथा**—क्रि० वि० । दूनू तरहेँ । [सं०] । मो० २६-२७-२६ (नामी तँ **उभयथा** धोती नहि) । ***ubhayathā—Adv.*** In both ways.

𑒅𑒦𑒨𑒣𑒠𑒲 **उभयपदी**—वि० । उभय वा दूनू पद युक्त, आत्मनेपद आ परस्मैपद दूनू मे प्रयुक्त (धातु) । [सं०] । तु० क० बं० उभयपदी । (उभयपदी वाक्य विचार करब व्याकरणमे आवश्यक होइछ) । ***ubhayapadī—Adj.*** Both conjugational forms (of Sanskrit verbs).

𑒅𑒦𑒨𑒣𑒏𑓂𑒭 **उभयपक्ष**—वि० । दूनू पक्ष, पितृ-मातृ कुल, वर-कन्या पक्ष । कृष्ण पक्ष ओ शुक्लपक्ष । [सं०] । तु० क० बं० उभय-पक्ष । (उभयपक्षमे लागल ग्रहणकेँ उभयपक्षी ग्रहण कहल जाइछ) । ***ubhayapakṣa—Adj.*** Both derk and bright fortnights (of the month; belonging to either side.)

𑒅𑒦𑒨𑒦𑒼𑒑𑒲 **उभयभोगी**—वि० । दूनूक भोग लगओनिहार वा उपभोग कएनिहार । [उभय+भोग+ई] । खट्ट० १६ (हमरालोकनि **उभयभोगी** प्राणी थिकहुँ) । ***ubhayabhogī—Adj.*** Who enjoys both (systems, methods).

𑒅𑒦𑒨𑒞𑓂𑒩 **उभयत्र**—क्रि० वि० । दूनू ठाम, दूनू लोकमे । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, उभयत्र । निबन्ध चन्द्रिका ५१ । ***ubhayatra—Adv.*** At both places.

𑒅𑒦𑒩𑒐𑒰𑒦𑒩 **उभरखाभर**—क्रि० वि० । नीच-ऊँच, समतल नहि । [उभरब+सं० खात>ध्वन्यानुकरण] । BPL 792. ***ubharakhābhara—Adv.*** Uneven.

𑒅𑒦𑒩𑒥 **उभरब**—क्रि० । उपर उठब, ऊँच होएब, व्यक्त होएब । [उघरब>उद्धारते FML 174] । ***ubharaba—V.*** Appear in relief.

𑒅𑒦𑒩𑒪 **उभरल**—उभरब (दे०) केर पू० का० रू० । राग० १०३ (उभरल कुसुम माल वर अङ्ग) । ***ubharala—Past*** tense form of *ubharaba* (q.v.).

𑒅𑒦𑒩𑒱 **उभरि**—उभरब (दे०) केर पू० का० रू० । वर्ण० ४५ (ओके भूमि पालि ० राषि **उभरि** एक ठार भउअइ) ***ubhari—Part.*** of ***ubharaba*** (q.v.).

𑒅𑒦𑒩𑒱𑒞𑒯𑒳 **उभरितहु**—उभरि (दे०) केर निश्च० रू० । वर्ण० ४५ (याके भरे विद्यान राषि मेलनि डाढ **उभरितहु** अवधा भउअइ) । ***ubharitahu***—Even on coming up.

𑒅𑒦𑒰𑒩𑒦𑒳𑒖 **उभारभुज**—चित्रकारिताक प्रभेद । [सं०] । वर्ण० ६३ (मोन **उभारभुज** अधोरग, पोरग कण्ठाभरण) । ***ubhārabhuja***—A kind of drawing.

𑒅𑒦𑒰𑒩𑒱 **उभारि**—ककरो विरुद्ध ककरो भड़काएब, [उघारि (दे०) केर वा० रू० अथवा उपर+भार करब] । कीर्त्तिलता २४ (**उभारि** उभारि केश पाश बन्धन्ते) । *ubhāri—****P.P.*** form of *ugharaba* (q.v.). Bringing out in relief or loops.

𑒅𑒦𑒱𑒪 **उभिल**—चर्या० ४/५ । *ubhila*—

𑒅𑒦𑒲 **उभी**—उब्भी[2] (दे०) केर विकृ० रू० । ***ubhī—Alt.*** of ***ubbhi***[2] (q.v.).

𑒅𑒦𑓂𑒦𑒛𑓃 𑒐𑒰𑒥𑒛𑓃 **उभ्भड़ खाबड़**—उभर खाभर (दे०) केर वा० रू० । विडम्बना ६८ । ***ubhbhaḍa khābhaḍa—Coll.*** form of *ubharakhābhara* (q.v.).

𑒅𑒧𑒏 **उमक**—उमकब (दे०) । गो० ५० २ अमर ८ (उमक रबाब उपाँग पखावज करतल ताल सुमेलि करी); मि० भा० वि० २४५ । ***umaka***—See *umakaba.*

𑒅𑒧𑒏𑒥 **उमकब**—क्रि० । मदजन्य बाल क्रीड़ा (दी०), उन्मत्त भए छोट बच्चा जकाँ खेल करब, पानिमे अपने इच्छेँ खूब आनन्दित भए क्रीड़ा करब । [उत्+मद+अब] । (एतेक **उमकब** हमरा नीक नहि लगैत अछि) । *umakaba—****V.*** To play overenthusiastically.

𑒅𑒧𑒏𑒪 **उमकल**—उमकब (दे०) केर भू० रू० । वि० पदा० मजु० ६२, रामभद्रपुर पोथी १६५ (भरि **उमकल** अबे तोहर सिनेह); गोधूलि २ । *umakala—Past* tense form of ***umakaba*** (q.v.).

𑒅𑒧𑒏𑒱 **उमकि**—उमकब (दे०) केर पू० क्रि० रू० । नै० मे विहारी ७४; द्विरा० १४३ (ई कहि ओ **उमकि** क बोल उठा देलन्हि) । *umaki—Part.* form of ***umakaba*** (q.v.).

𑒅𑒧𑒑 **उमग**—उमंग(ङ्ग) (दे०) केर का० रू० । गौरी परिणय ६ (**उमग** प्रेममय ओ-ओरे बाढ़ल) । *umaga—P*[illegible] form of *umaṅga* (q.v.).

𑒅𑒧𑒑𑒅𑒿 **उमगउँ**—उमग (दे०) केर हिन्दी क्रि० रू० [illegible] प० २७ (गावि मगन **उमगउँ**) । *umagaũ*—[illegible]

of verb *umaga*(q.v.).

ऊँमगवँ **उमगब**—उमङ्ग (दे०) केर क्रि० रू०। तु० क० हि० उमगना। FML 150. ***u**magaba—Verbal* form of *umanga* (q.v.).

ऊँमगल **उमगल**—उमङ्ग (दे०) केर भू० रू०। वि० पदा० मजु० ५१७ (उमगल फिरे मूस कोरी मोर काटी); FML 116. ***u**magala—Past.* tense form of *umagaba* (q.v.).

ऊँमगहुँ **उमगहुँ**—उमगब (दे०) केर हिन्दी रू०। मोदलता २६। ***u**magahū*—Hindi form of *umagaba* (q.v.).

ऊँमगावन **उमगावन**—उमङ्ग करब, उल्लसित होएब। हिन्दी रूप [उमग+आवन]। मोदलता २६। *umagāvana*—(Hindi form) To get inspired.

ऊँमगि(ग्गी) **उमगि(ग्गी)**—उमग (दे०) केर पू० क्रि० रू०। वि० पदा० मजु० ५५४ (हमहि उमगि रस देबे); चन्द्र० २५८ (नदी उमगिग कै मिलैछ); मिहिर ५ (२-६१-५३)। ***u**magi (ggi)—Part.* form of ***u**maga* (q.v.).

ऊँमङ्ग **उमङ्ग**—उत्साह, आनन्द, उल्लास, कोनो विषयक प्रति मन वा चित्तकेर आनन्दवर्धक वेग। [सं० उन्मग्न अथवा प्राकृ० उम्मग्ग]। तु० क० हि० राज० उमंग; बं०, असं०, ने० उमङ्ग; प्राकृ० उम्मग्ग। मो० १७४-४१ (गृह बादल हृदय उमङ्ग); शतदल १३ (सठल सकल उमङ्ग अङ्क)। *umanga*—Emotion, joy, delight.

ऊँमजवँ **उमजब**—कृश बालक किञ्चित् पुष्ट होएब (दी०)। दुबर बाल बालक शरीरपर किछु मांसु चढ़ब वा कनिएँ मोटाएब। [? उद्+मज्जा+अब]। (बालक उमजब ओकर देखभाल एवं आस्थापति कपला पर निर्भर करैछ)। *umajaba*—To get slightly fat.

ऊँमटाम[1] **उमटाम**[1]—वि०। अत्यधिक भरल [उमड़ल]। तु० क० पृथ्वीक लोक उनटि कए कुम्भमे आएल अछि। ***u**maṭāma*[1]—*Adj.* Excessively filled.

ऊँमटाम[2] **उमटाम**[2]—क्रि० वि०। कोनो कार्यक, विशेषतः विवाहक शुभारम्भे गीतनाद होएब। [उँ+शब्दानुकरण]। ***u**maṭāma*[2]—Beginning ceremony (particularly of marriage).

ऊँमठओ **उमठओ**—क्रि वि०। वर्ण० २६ (जीनओ उमठओ अवधारइते आइ)। ***u**maṭhao—Adv. Early.* obs. of *umaṭhaba* (q.v.).

ऊँमठवँ **उमठब**—क्रि०। अति भोजनसँ तृप्ति होएब, मीन ककरी परसँ हटब, [(१) उत्कट>उकट>उमट (२) सं० उन्मथ+अब अथवा (३) उत्कट+अँटब (दे०)]। (अतिभोजन करलासँ उमठब कोनो हास्यास्पद नहि)। *umaṭhaba*—*V.* To be satiated.

ऊँमठलइए **उमठलइए**—उमठलैक अछि केर बा० रू०। नव० २६ (मामीसँ ककरी मीन उमठलइए)। ***u**maṭhalaie*—*Coll.* of ***u**maṭhalaika achi.*

ऊँमठि **उमठि**—उमठब (दे०) केर पू० का० रू०। मीन फिरब, तृप्ति भए पुनः अभिलाषा नहि करब। कन्या० ३७ (जों उमठि गेल अछि); रेखाचित्र ६६। ***u**maṭhi—Part.* of *umaṭhaba.*

ऊँमड़इत **उमड़इत**—उमड़ब (दे०) केर वर्त० रू०। नव० १६ (कम पात पहन जे उमड़इत मेघकेँ डाँटि रहल हो,। ***u**maḍaita—Present tense* form of *umaḍaba* (q.v.).

ऊँमड़वँ **उमड़ब**—क्रि०। आधार परिपूर्ण होएब, भरि जाएब। [(१) उन्मद+अब (२) उत्कट अथवा उनटा>उबड़+अब]। (बाढ़िक आगमनसँ पोखरिक उमड़ब स्वाभाविक अछि)। ***u**maḍaba—V.* To overflow.

ऊँमड़ल **उमड़ल**—क्रि० भू० रू०। भरल, परिपूर्ण, कोनो सानो व्याप्त। [उमड़+अल]। हिरा० ६६ (भादवक नदी जकाँ उमड़ल अछि); खट्ट० १३८ (उमड़ल पयोधरसँ)। *umaḍala*—*V. Past tense.* Inundated, overflowed.

ऊँमड़लि **उमड़लि**—उमड़ल (दे०) केर स्त्री० रू०। साओन भादव १०। *umaḍali—Fem.* form of *umaḍala* (q. v.).

ऊँमड़ि **उमड़ि**—उमड़ब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। कन्या० ३ (चारू कातसँ मेघ उमड़ि रहल अछि)। *umaḍi—Part.* form of ***u**maḍaba* (q.v.).

ऊँमत **उमत**—उन्मत्त (दे०) केर का० रू०। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० अव०, राज० उमत; प्राकृ० उम्मत्त; पा० उम्मत्त; ओअक; प्रा० म० उमताएल; सि० उमतु। वि० पदा० मजु० ६, नेपाल ३६, न० गु० परकीया १५, अ० १०२६ (पाछु हेरि बिलुलइते उमत अनङ्ग); चन्द्र० २०२ (अधर खण्ड कै उमत मरम गेलहुँ); धि०; FML 388; चर्या० २८/२। ***u**mata*—*Poet.* form of ***u**nmatta* (q.v.).

ऊँमतओला **उमतओला**—उमत (दे०) केर भू० प्रेरणा० रू०। वि० पदा० मजु० ५१५ (कओ ने उमतओला है तैलोकनाथ)। *umataolā*—*Past.* tense *Caus.* form of ***u**mata* (q.v.).

ऊँमता **उमता**—उमत (दे०) केर का रू०। राग० ६५ (ओहि उमताक उदेस)। *umatā*—*Poet.* form of ***u**mata* (q.v.).

ऊँमताए **उमताए**—उमत (दे०) केर पू० क्रि० रू०। वि० पदा० मजु० १६०, तालपत्र न० गु० २३० (मनसिज मदजल जओ उमताए)। ***u**matāe—Part.* form of *umata* (q.v.).

ऊँमताबँए **उमताबए**—उमत (दे०) केर प्रेरणा० रू०। FML 179. ***u**matābae*—Caus. form of *umata*

(q.v.).

ऊँमताय **उमताय**—उमताए (दे०) केर विक० रू० । मै० हि० सा० ३ (२–३) २ (तरुण बयस सँ हम गेलौ **उमताय** मा)। *umatāya—Alt.* form of *umatāe* (q.v.).

ऊँमतायल **उमतायल**—उमताय (दे०) केर भू० रू० । गी० श्र० २ अमर ६ (ऋतुपति गीत चित्र **उमतायल** हेरि वृन्दावन रङ्ग) । *umatāyala—Past* tense form of *umatāya* (q.v.).

ऊँमतायिलि **उमतायिलि**—उमतायल (दे०) केर स्त्री० रू० । गी० श्र० २ अमर० ३१ (अचमत कुलपति मति **उमतायिलि** किय हुँह मोहिनी जान) । *umatāyili—Fem.* form of *umatāyala* (q.v.).

ऊँमताये **उमताये**—उमताय (दे०) केर का० रू० । वि० ने० १४५ (जति उधमति **उमताये** मोहि) । *umatāye*—P.F. of *umatāya* (q.v.).

ऊँमति **उमति**—उमत (दे०) केर पू० रू० । वि० ने० २६० (अओके **उमति** जेहि खेलावए); गी० श्र० १ अमर ७८ (खंजन ध्वनि सुनि **उमति** धावइ तोहर नूपुर मानि) । *umati-Part.* form of *umata* (q.v.).

ऊँमतै **उमतै**—उमतैक क वर्त० क्रि० केर वा० रू० । महेश० ४४ (कि करब मन **उमतै**) । *umatai—Coll.* form of *umataika* (q.v.).

ऊँमरल **उमरल**—उमड़ल (दे०) केर वा० रू० । अम्बचरित *umarala —Coll.* form of *umaḍala* (q.v.).

ऊँमरा(व) **उमरा(व)**—वि० । प्रतिष्ठित लोक, सरदार, प्रमुख लोक, जागीरदार, मुसलमान बादशाहक दरबारक अमीर लोक, अमीर केर बहुवचन । [अर०] । तु० क० हि०, उर्दू० बं० **उमराव**; अस० उमराओ । अकबरनामा ८६; मि० ३७? (**उमराव** स्वभावक अत्यन्त सुकुमार) । *umarā(va)*—A Noble man, plural form of *amira.*

ऊँमारा **उँमारा**—उमरा (दे०) केर अवहट्ट रू० । कीर्तिलता ३८ (खान **उँमारा** सब्ब के तँषणे भो फरमान) । *ũmārā —Avahaṭṭa.* form of *umarā* (q.v.).

ऊँमरैत **उमरैत**—उमड़ैत केर विक० रू० । मोदलता १२४ । *umaraita—Alt.* form of *umaḍaita* (q.v.).

ऊँमस **उमस**—वर्षाक पूर्वक वर्षासूचक गर्मी, ओ गरमी जाहिमे हवा नहि चलैत अछि, बितु वायुक ताप, आउल बाउल । [सं० उष्मन्] । तु० क० हि०, राज० **उमस** । साओन भादव २० । *umasa*—Hot without breeze; stuffiness.

ऊँमस्से **उमस्से**—उमसाकए, क्रि० । आउल बाउल भएकें । [सं० उष्मन्] कीर्तिलता ६५ (**उमस्से** निसस्से विमुक्केइ पाणी) । *umasse—V.* To be suffocuted.

ऊँमा **उमा**—भगवान शिवक पत्नी, गौरि, पार्वती, हिमवन्त ओ मेनकाक कन्या, दुर्गा । [सं० उ+मा—क+टाप्] । तु० क० हि०, बं०, अव०, राज०, पा०, प्राकृ०, उ० **उमा** । वि० ने० १२० (ए **उमा** सखि सङ्गे निकेहि अछलो), वि० पदा० मजु० ३.७, (आहत सुनिअ **उमा** भल परिपाटी); महेश० ७ (बस वाम अङ्ग **उमा** दाइ) । *umā* —A Name of Parvatī, the Goddess Durgā.

ऊँमानाथ **उमानाथ**—उमाक पति वा स्वामी, शिव, महादेव । [सं०] । महेश० ७२ (त्राहि-त्राहि **उमानाथ** दीन जन जानी) । *umānātha*—Husband of Pārvatī.

ऊँमापति **उमापति**—उमा व. पार्वतीक पति वा स्वामी, महादेव, शिव, एक मिथिलाक प्रसिद्ध विद्वानक नाम । [सं० उमापति] । तु० क० हि०, अस०, ने०, राज०, अव० **उमापति** । महेश० १६ (सेवलहुँ हम ने **उमापति**); महेश० ३८ (बिसरू न देव **उमापति**); अम० ६ (स्थाणु रुद्र, **उमापति**); (विद्यापति, गोविन्ददास ओ **उमापति**क अमर कीर्ति सभ दिनुक हेतु स्थायी अछि) । *umāpati*—Husband of Pārvatī, Śiva, the name of a Maithili writer.

ऊँमाह **उमाह**—उन्मदाह केर का० रू० । तु० क० हि०, राज०, उयाह । सुभद्राहरण १५३ (लाज आज पताल पैशथु मन **उमाह** काढि टारब) । *umāha—Poet.* form of *unmadāha.*

ऊँमरि **उमरि**—उम्र (दे०) केर ग्रा० रू० । तु० क० उमिरि । चोर १६ (एतेक कम **उमिरिमे** पितृहीन भए गेलै । *umari—Folk* form of *umra* (q.v.).

ऊँमिल **उमिल**—वि० । निर्मल, स्वच्छ । तु० क० उमिला । वर्ण्य ४ (नरअ नारी माँके **उमिल** चीरा) । *umila–Adj. Obs.* Clear, uncovered.

ऊँम्मी(मे)द **उम्मी(मे)द**—आशा, भरोसा, आसरा । [फा० उम्मीद] । तु० क० राज०, बं०, **उमेद**; हि० उम्मेद, उम्मीद FML 126. *ummī(me)da*—Hope.

ऊँमेदवार(री) **उमेदवार(री)**—वि० । अभिलाषी, प्रार्थी, अभ्यर्थी, विवाहक हेतु इच्छुक । [फा० उम्मेदवार] । तु० क० हि० उम्मेदवार; बं०, अस० **उमेदार**; राज०; उर्दू **उमेदवार** । प्रद० १४८ (कैओ नोकरीक **उमेदवार**); भलमानुस ५०; नव० १५ **उमेदवार**लोकनि आजीवन समधानि समधानि क कन्यागतलोकनिकें चिन्ह करथि) । *umedavāra(rī)—Adj.* Who desires or wishes, applicant, candidate for marriage or for a post etc.

ऊँमेनं **उमेनं**—वि० वि० न (रस रम उमेन *umenaṁ*—

𑒅𑒧𑒹𑒩(𑒩𑒱) **उमेर(रि)**—उम्र (दे०) केर वा० रू० । तु० क० ने० उमेर । मिहिर ३५-२५-१० (सरकारी नवे **उमेरक** छी); नव० ६० (पहिल उमेरमे देखोर बनाकए ककरा दन रखने रहइक); FML 119. *umera(ri)*—*Coll.* form of ***umra*** (q.v.)

𑒅𑒧𑒹𑒬 **उमेश**—उमाक ईश, पार्वतीक स्वामी, शिव, महादेव । [सं० उमा + ईश] । तु० क० बं०, अस०, ने० **उमेश**; राज० उमेस । राम० ३२२ (करथि **उमेश** तनिक प्रतिपाल); महेश २७ (कृपा करब जौं देव **उमेश**) । ***umeśa***—Husband of Umā, Śiva.

𑒅𑒧𑓂𑒧𑒑𑓂𑒑𑒼 **उम्मग्गो**—कुमार्ग, अधलाह रास्ता । [सं० उन्मार्ग] । कीर्तिलता ८ (जेन्हि न पाउँ **उम्मग्गो** दिज्जिअ) । *ummago*—Not real path, bad path.

𑒅𑒧𑓂𑒩 **उम्र**—वयस, अवस्था, आयु । [अर०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० उम्र । (अपनेक उम्र कतेक अछि) । *umra*—Age.

𑒅𑒧𑓂𑒯𑒩 **उम्हर**—ओम्हर (दे०) केर वा० रू० । कन्या० १५ (**उम्हर** निचिन्त सुतथि); FML 480. ***umhara***—*Coll.* form of *omhara* (q.v.).

𑒅𑒧𑓂𑒯𑒩𑒯𑒱 **उम्हरहि**—उम्हर (दे०) केर निश्च० रू० । मि० ३७० (ओ **उम्हरहि** देने श्री १०८ जगन्नाथ धाम सुदूरस्थ ओ दुर्गम प्राय भेलहु गेल) । *umharahi*—*Emph.* form of ***umhara*** (q.v.).

𑒅𑒨𑒪 **उयल**—उगल (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० २१ (जनु रवि-शशि संगहि **उयल**) । *uyala*—*Poetic* form of *ugala* (q.v.).

𑒅𑒩 **उर**—हृदय, मन, चित्त, छाती, वक्षःस्थल । [सं० उरस्] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज०, भोज०, गु०, प्राकृ० उर; पा० उरो; पं० उर; सि० उरु; म० उर । वि० पदा० मजु० ३३७ (समुद्र अऐसन निसिन पारिअ **उर**); गो० श्रु० १ अमर ५ (उर पर कमल पाणि अवलम्बन दूर कयल आनी आन); वि० वि० २ (रजत धवल तनु **उर** फनि हार); मन० कृष्ण० ११ (आनन्दक नन्दक **उर** नर समाएल); श्री कृष्ण जन्म रहस्य २४ (धन पाए निरधन मगन मन आनन्द **उर** समाए ओ); गौरी परिणय ३ (आहे सखि रुण्डमाल बघछाल व्याल **उर** उपर हे); राम० २१ (बार-बार **उर** कण्ठ लगाय); मि० (उरगासलि उग्रासलि ?) । *ura*—Heart, breast.

𑒅𑒩𑒏𑒳𑒮𑒲(𑒮𑓂𑒮𑒲) **उरकुसी(स्सी)**—उड़कुस्सी (दे०) केर विक० रू० । एक प्रकारक विषाक्त गाछ जकरा शरीरमे लगलासँ कुड़कुआइत छैक तथा नोचनी उठि जाइत छैक सङ्गहि बिसबिसाइतो छैक । उड़कुस्सीक गाछ मे कबाछु फड़ैत छैक । [उद + कुर्सी] । BPL 1075 व्य० वि० १५८ (**उरकुसी** सुनने भयकारक) । *urakusi(ssī)*—*Alt.* form of *uḍakussī* (q.v.).

𑒅𑒩𑒑 **उरग**—साँप, छातीक भरेँ चलनिहार जन्तु । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० **उरग** वि० ने० १६४ (काजरे बाहु **उरग** लिप काग, विष मलयज पुनु मलयज पाङ्क); अम० ३६७ (**उरग** पन्नग, नाग) । *uraga*—Snake.

𑒅𑒩𑒑𑒰𑒩 **उरगार**—गरुड़ । [सं० उरग + अरि > अर] । तु० क० राज० **उरगारि** । कान्ति० ४८ । *uragara*—Garura, eagle.

𑒅𑒩𑒑𑒹𑒬 **उरगेश**—उरग केर ईश्वर, सापक मालिक वा प्रतिपालक [सं० उरग + ईश] । चन्द्र० २६६ (विनु भारति **उरगेश**) । *urageśa*—God of Sankes.

𑒅𑒩 𑒕𑒰𑒅𑒞 **उर छाउत**—क्रि० । हृदयमे नुका जाएत । [उर + छाओत] । क० प्र० । तु० क० ओभराओत । वि० पदा० मजु० ४०४; नेपाल १३५; न० गु० (हर ८८) ५२२ (वम आगा मूह उत्तर **उरछाउत** जबे बुझाओत लेखी) । *urachāuta*—*V. P. F.*—Spread over the breast (hide, conceal).

𑒅𑒩𑒖¹ **उरज¹**—उरोज (दे०) केर का० रू० । तु० क० हि०, बं० उरज । वि० पदा० मजु० २१, नध० गु० तालपत्र ११७ अ० १२०३ (उनत **उरज** चिरे झपावए); ग्रि० । *uraja*¹—*Poet* form of *uroja* (q.v.).

𑒅𑒩𑒖² **उरज²**—वि० । पेट वा हृदयसँ उत्पन्न । [उर + जा > ज] मि० मित्र० २७३ (कठिन हृदय उपजै सदा **उरज** सहोदर मूल) । ***uraja***²—*Adj.* What is born in heart.

𑒅𑒩𑒖³ **उरज³**—वि० । गुआ-भिड़ुआ, आप्त (जन) । [उर] । वर्ण० २६ (कओस **उरज**, नील गरुड़, पीअर राओर) । ***uraja***³—*Adj.* Intimate.

𑒅𑒩𑒛𑓃 **उरड़**—हर जोतबामे हरमे लागल मृत्तिका तृणादि (दी०), हर जोतबा कालमे हरमे लागल माटि वा खड़ । [उद्धृत + रोड़ा] । (रओ मनुआँ ! हर मद्धक **उरड़** पहिने हटा ले आ तखन नीक जकाँ जोत) । *uraḍa*—Rubbish stuck in the plough.

𑒅𑒩𑒠𑒱(𑒠𑒲)¹ **उरदि(दी)¹**—उड़ीद (दे०) केर वा० रू० । BPL 997. ***uradi(dī)***¹*-Coll.* form of *uḍīda* (q.v.).

𑒅𑒩𑒠𑒲² **उरदी²**—वर्दी (दे०) केर वा० रू० । वि० प० ५५ (पहिरि **उरदी** वस्त्र नवीन) । ***uradī***²—*Coll.* form of *vardī* (q.v.).

𑒅𑒩(𑒛𑓃)𑒢𑒣𑒹𑒙𑒰𑒩𑒰 **उर(ड़)नपेटारा**—आकाशमे उड़एवला रबड़क पेटार, रबाड़सवला पेटार, प्लास्टिक वा रबरक बनाओल गोल पेटीक आकारक जाहिमे एक गोट लोहाक छोट-छीन तार लगाओल रहैछ ओहिमे कपड़ा लेपटा आगि लगाय छोड़ि देल जाइछ ओ आगिक ताप पबितहि उपर दिश उड़ि जाइछ । [उड़ब > उड़न + पेटार] तु० क० उड़ता पेटाड़; गोबारा; पेटाडा; उरनपेटारा । BPL 5850. ***ura(ḍa)na-peṭārā***—Balloon.

𑒅𑒩𑒧𑒰¹ **उरमा¹**-मनक तरङ्ग (दी०) । [उर + मा = मध्य] । ***urmā***¹—In the mind.

𑒅𑒩𑒧𑒰² **उरमा²**-कपड़ा बनएबामे देल गेल दर्जी द्वारा उपरका सीआनि । [अर०] । BPL 748. *uramā*¹—Seam at the

top.

ऊँवम्हवँ **उरम्हब**—पुनः प्रादुर्भाव (दी०), फेरकेँ जनमब। [आरम्भ]। (परबाक पाँखि **उरम्हब** छैक)। ***uramhaba***—(Something) born again.

ऊँवलुव **उँरलुर**—वि०। लदफद, लटकल, अस्त-व्यस्त। लु० प्र०। [उड़ल+लटकल] राग० (१०४ **उँरलुर** सामर वेनी)। ***ũralura***—*Adj.* Clumsily hanging.

ऊँववव **उरवर**—क्रि० वि०। मौन, चुप्प, सन्नद्ध वा ओकर भाव। [सं० तु० क० उर्वर] तु० क० राज० **उरबड़**। द्विरा० १५० (बहुत दिनसँ **उरवर** बाबाक हेतु सपरै छलीह)। ***uravara***—*Adj.* Silent.

ऊँववसी **उरवसी**—उर्वशी (दे०) केर का० रू०। राग० ५० (उरवसी बस हे रस राग निवेश)। ***uravasī***—*Poet.* form of *urvasī* (q.v.).

ऊँवसिज **उरसिज**—स्तन, पयोधर। [सं० उरसि+जन द्] । महा० ना० ६ (हिम कमल जनि **उरसिज** तोर)। ***urasija***—*P.F.* Breast.

ऊँवावे **उरावै**—उड़ावए (दे०) केर ग्राम्य० रू०। राम० २६४ (भोजन बहुत **उरावै**)। ***urāvai***—Folk form of *uḍāvae* (q. v.).

ऊँवि **उरि**—उड़ि (दे०) केर वा० रू०। वि० ने० २५८ (**उरि उरि** परेवा सब गोपि मेलि)। ***uri***—*Coll.* form of *uḍi* (q.v.).

ऊँविण(न) **उरिण(न)**—उऋण (दे०) केर वि० रू०। [उ+ऋण] (आब सभ गोटा किछुए दिनमे **उरिण** भए जएताह)। *uriṇa(na)*—*Alt.* form of ***urṇa*** (q.v.).

ऊँवीद **उरीद**—माष अन्न विशेष (दी०)। उड़ीद (दे०) केर विक० रू०। *urīda*—*Alt.* form of ***uḍida*** (q.v.).

ऊँवीन **उरीन**—उरिन (दे०) केर वा० रू०। FML 278. *urīna*—*Coll.* form of *urina* (q.v.).

ऊँरु **उरु**—जाँघ, पैघ, विशाल। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, राज० ने०, अव० **उरु**। वि० पदा० मजु० ७१, पं० तं० २१६, न० गु० २५०, अ० २४६ (**उरु** जुग कदलि करिकर जिनि); राग० ४४ (**उरु** युग युगल करम अनुमान)। ***uru***—Thigh.

ऊँवेवँ **उरेब**—वि०। असमीचीन, अयुक्त सङ्गत, अधलाह, सीटल वा सरिआएल नहि। [फा०]। तु० क० उर्दू **उरेब**। FML 268; तु० क० उफाँटि, उबानि। ***ureba***—*Adj.* Disorderly, crooked.

ऊँवेवी **उरेवी**—एक प्रकारक उनटा काटि क जोड़ल गंजीक नाम। [उरेब+ई]। व्य० वि० २११। ***urevi***—Name of au underwear.

ऊँवेहल **उरेहल**—वि०। रेहल खेहल (बाट)। [उत्कीर्ण (सं०)+रेहल (दे०)]। मैथिली लोक गीत १०८। ***urehala***—*Adj.* Beaten (tracks).

ऊँवोज **उरोज**—स्तन, पयोधर। [सं० उरसि+जन—द्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० **उरोज**। राग० ५० (नीरज नयनि गिरिराज **उरोजे**); खट्ट० १३७ (कतहु **उरोज** बनि रसिक केरि झपैत छथि); शतदल ४६। ***uroja***—Breast.

ऊर्द्धमुख **उर्द्धमुख**—उपर मुंह, आकाश दिसि मुँह। [सं० ऊर्द्धमुख]। राम० ३११ (भरत **उर्द्धमुख** जोड़ल हाथ)। ***urddha-mukha***—Upward face.

ऊर्दी **उर्दी**—सिपाहीसभक अहिरबाक वस्त्र विशेष। [वर्दी]। तु० क० ने० उर्दि, उर्दी। (**उर्दी** लगाए सिपाही चालि चलि रहल छथि)। *urdi*—Uniform.

ऊर्ध्वश्वास **उर्ध्वश्वास**—मरबा कालक अन्तिम साँस वा उच्छ्वास। [सं० ऊर्ध्व+श्वास]। वि० पदा० मजु० २५२ (हैँ **उर्ध्वश्वास** नबाकेँ); मि० का० रू० **उर्ध्वस्वास**। ***urdhva-śvāsa***—Last panting breath.

ऊर्फ **उर्फ**—दोसर, अन्यथा, बनौआ (नाम), उपमान। [फा०] तु० क० **उलफी**, (दे०) **उर्ली** तु० क० **उलफी** (दे०), **उली** (दे०) पारो १ (संगे नेने आइलि रहथिन्ह पार्वती **उर्फ** पारो केँ)। ***urpha***—Alias.

ऊर्मिला **उर्मिला**—जनकक एकटा बेटीक नाम, जानकीक छोट बहिनिक नाम, लक्ष्मणजीक पत्नी। [सं०]। राम० ४५ (जनकात्मजा **उर्मिला** नाम)। *urmilā*—The name of a daughter of Janaka or younger sister of Janakī, name of the wife of Lakṣmaṇa.

ऊर्वरा **उर्वरा**—उपजाउ (भूमि, पृथ्वी)। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, **उर्वरा**। मि० ३७८ (जखन ओ भूमि **उर्वरा** भेलि); खट्ट० ११७ (अहल्या के **उर्वरा** बनेबामे)। ***urvarā***—Fertile (land).

ऊर्व(र्व्व)शी **उर्व(र्ब्ब)शी**—स्वर्गक वेश्याक नाम, अप्सरा विशेषक नाम। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० **उर्वशी**। वर्ण० ५ (घृताची **उर्ब्बशी**); अमर० १२ (**उर्वशी** आदि स्वर्गक वेश्याक नाम)। *urva(rbba)śī*—Name of a heavenly Nymph.

ऊलका **उलका**—उल्का, आकाशमे एक ग्रह विभिन्न ग्रहसँ टकराएलासँ प्रज्वलित आगिक समान खसैत प्रस्तर स्फुलिंग, अन्हर, अचानक उत्पात। [सं० उल्का]। तु० क० बं० **उल्का** (**उलका** पात देखब अशुभ मानल जाइछ)। ***ulakā***—Meteor, forabrding of calamtiy.

ऊलङ्ग **उलङ्ग**—वि०। नग्न, वस्त्रहीन, निर्विकार। दर्शन देब लोक, सब हिनका **उलङ्ग** कए देलकैन्ह। [सं० उन्नग्न]। तु० क० हि०, राज०, अव०, **उलंग**; बं० अस०, ने० उलङ्ग। वैदेही गीत १५-२५८ (**उलंग** पर फुलङ्ग तै पर दू गो पान); उलङ्ग ... नायिकाकेँ कथमपि नहि देखि सकैत छी। ...

Naked harassed.

উলঙ্ঘন **उलङ्घन**—छोड़ब, नाँघब, अतिक्रमण, सीमासँ बहिर्भूत होएब। [सं० उद्+लङ्घन]। तु० क० हि०, अवद उलंघन; राज० उलंघणौ; बं०, अस०, ने० उलङ्घन। मि० ३११ (भोजनक समय उलङ्घन भेल जाइछ)। *ulanghana*—Transgressing, surpassing.

উলঝন **उलझन**—बाधा, व्यग्रता, चिन्ता, फिरीशानी, रुकावट। [हिन्दी > सं० अवरुधन]। तु० क० हि० उलझन। (उलझनमे देब)। *ulajhana*—Obustruction, confusion.

উলটই(ত) **उलटइ(त)**—उनटब (दे०) केर वर्त० ना० हि० रू०। IAL Turner 2868 (III) | तु० क० प्राकृ० उल्लट; प० उल्टण; अव० उलटिब; उ० उलटिबा; प्रा० मा० उलटो; म० उलटणेँ; गु० उलटुवू। (बच्चा आब उलटइ अछि)। *ulaṭai (ta)*—*Present* tense Coll. Hindi form of *unaṭaba* (q.v.).

উলটফের **उलटफेर**—क्रि० वि०। हेरफेर, परिवर्तन. अदला-बदली, संशोधन। [उलटब+फेर]। मिथिला १-३६६ (पूर्व निर्णीत व्यवस्था नहुतो उलट फेर भेल)। *ulaṭa phera*—*Adv.* Topsyturvy.

উলটব **उलटब**—क्रि०। विपरीत होएब, परिवर्तन होएब। [उनट+अब]। (बड़का काठक ढेँग के उलटब असम्भव अछि)। *ulaṭaba*—*V.* To reverse or oppose.

উলটল **उलटल**—उलटब (दे०) केर भू० रू०। वि० पदा० मञ्जु० ७७, राग० त० १२३; न० गु० तालपत्र २४६, अ० २५७ (उलटल कनक कटोरा); राम० २४२ (लङ्का उलटल बल सामर्थ्य); BPL 1486. *ulaṭala*—*Past* tense form of *ulaṭaba* (q.v.).

উলটা **उलटा**—उनटा (दे०) केर बा० रू०। BPL 749, मोदलता ३७। *ulaṭā-Coll.* form of *unaṭā* (q.v.).

উলটাএ **उलटाए**—उलटा (दे०) केर पू० क्रि० रू०। वि० पदा० मञ्जु० २१, न० गु० तालपत्र ११७, प० त० १३३६, अ० १२०, ४५५ (अलि भरे उलटाए)। *ulaṭāe*—*Part.* form of *ulaṭā* (q.v.).

উলটা খোদহা **उलटा खोदहा**—उनटा खोदहा (दे०) केर विक० रू०। (दी०)। *ulaṭā khodahā*—*Alt.* form of *unaṭā khodahā* (q.v.).

উলটায **उलटाय**—उलटाए (दे०) केर विक० रू०। राम० २२७ (लङ्का कबहुँ देता उलटाय)। *ulaṭāya*—*Alt.* form of *ulaṭāe* (q.v.).

উলটাযসি **उलटायसि**—उलटा (दे०) केर मध्य० पुरु० का० रू० १ भौ० भू० १ अमर २६ (पुलइ पहिले पाथि उलटायसि परिजन करि मान)। *ulaṭāyasi*—Second person P.F. form of *ulaṭā* (q.v.).

উলটা সরিসও **उलटा सरिसओ**—उनटा सरिसओ (दे०) केर विक० रू०। (दी०)। *ulaṭāsarisao*—*Alt.* form of *unaṭāsarisao* (q.v.).

উলটি **उलटि**—उलटब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। राग० १०० (उलटि हेरै तेँ उवटि परल)। *ulaṭi*—*Part.* form of *ulaṭaba* (q.v.).

উঁলটি **उँलटि**—उनटि वा उलटि (दे०) केर अवहट्ठ रू०। कीर्त्तिलता ५४ (पश्च भोरं कोल अहि भोर फर कुरुम उँलटि करबद्ध दे)। *ũlaṭi*—*Avahaṭṭha* form of *unaṭi* or *ulaṭi* (q.v.).

উলটে **उलटे**—उलटहि (दे०) केर बा० रू०। राम० २१५ (उलटे माइक उपर कोप); मि० मित्र १७८ (उलटे चोर कोतवालकेँ डाँटे)। *ulaṭe*—*Coll.* form of *ulaṭahi* (q.v.)

উলট্টো **उलट्टो**—उलटब (दे०) केर प्रा० अवहट्ठ रू०। कीर्त्तिलता ६५ (उलट्टो पलट्टो पेलन्तो कबन्धो)। *ulaṭṭo*—*Old avahaṭṭha* form of *ulaṭaba* (q.v.).

উলথা **उलथा**—अनुवाद, भाषान्तर, उलटा। [सं० उत्था]। तु० क० हि० उलथा। (लेखकलोकनि अन्य भाषाक उलथा करबामे लागल छथि)। *ulathā*—Translation.

উলথাইত **उलथाइत**—उनटा करइत, उतारैत, नकल करैत। [सं० उत्था > उलथा+इत]। वर्ण० ३४ (भओनिहार उलथाइत); FML 233 *ulathāita*—Transforming.

উলফী **उलफी**—बाइली, जकर स्वामित्व प्रमाणपूर्वक नहि। [फा०, सं० उल्लब्धि]। तु० क० हलफ, उर्फ (दे०), वली (दे०)। (ई अपना गाछीक आर्मस्थक आ जलखरीदमे राखल उलफी थिक)। *ulaphī*—(Ownerahip of land etc., legally not in one's own name but in some) pretended name.

উলফুল **उलफुल**—अत्यन्त प्रसन्नतासँ व्याप्त। [सं० उत्फुल्ल]। मिहिर ४७-४३-६ (ई आदर सरकार आ उलफुल कै विदा क देत)। *ulaphula*—Full of high spirits.

উলব **उलव**—उलवा (दे०) केर मू० रू०। धातु पाठ ५०। *ulava*—Root form of *ulavā* (q.v.).

উলবা **उलवा**—उलाओल (अन्न विशेष), खापरिमे बालु राखि आगिसँ आँच दए किँचित मात्रामे भूजल अन्न। ई उसना सँ भिन्न थिक। [उ+लावा > सं० लाजा] तु० क० बलवा (दे०)। (उलवा दालि खएबामे खूब स्वादिष्ट होइछ); BPL 1272. *ulavā*—Dry-fried foodgrain etc. storm revolt.

উলবুলা **उलवुला**—वि०। उजबुज होएब, उजगुजा जाएब, की करी की नहि, किंकर्त्तव्यविमूढ़, परतारल भेल। [सं० उदाकुल]। स्वदेश १-५-२५६ (एतबे उलवुला भेलाह)। *ulavulā*—*Adj.* Confused.

𑒅𑒪𑒫𑒳𑒪𑒰𑒃𑒞 **उलवुलाइत**—उलवुलाएब (दे०) केर वर्त० रू० । चन्द्रकला १६६ । *ulavulāita—Present* tense form of *ulavulāeba* (q.v.).

𑒅𑒪𑒫𑒳𑒪𑒰𑒋𑒥 **उलवुलाएब**—क्रि० । परतारब जाएब, पोलहाओल जाएब । [उलवुल + अब] । *ulavulāeba—V.* To pamper (a child etc.), to divert the attention, to confuse, diverting, confusing.

𑒅𑒪𑒫𑒳𑒪𑒰𑒢 **उलवुलान**—प्रतारणा (दी०), फुसिआएबाक कार्य । [उलवुल + आन] । *ulavu'āna*—Act of diverting, confusing.

𑒅𑒪𑒮𑒢𑓂𑒞 **उलसन्त**—उल्लसित (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० ३२७ (देखि देखि माधव मन उलसन्त) । *ulasanta—Poet.* form of *ullasita* (q.v.).

𑒅𑒪𑒮𑒱𑒞 **उलसित**—उल्लसित (दे०) केर का० रू० । तु० क० बं० उलसित । गो० गृ० १ अमर० ७६ (से चिर उलसित कान तुअ आशे आओब जान) । *ulasita—Poet.* form of *ullasita* (q.v.).

𑒅𑒪𑒯𑒢 **उलहन**—निन्दा, उपराग, कोनो दोष वा अपराधक प्रतिवादमे कहल गेल कटु कथन । [सं० उपालम्भ] । तु० क० हि० उलाहना; प्राकृ० उवहंभ; उ० उलहण; प० उलाहणा; कु० उलाणो । मि० ३४३; मि०; चित्रा ६२ (उलहन उपराग दैत); मो० १३८-३१-६१ (ई उलहन जे आइ सुरूपकेँ कुरूप एक लाठी मारि फौजदारी कैलन्हि अछि) । *ulahana*—Blame, complaint.

𑒅𑒪𑒯𑒢𑒱 **उलहनि**—उलहन (दे०) केर वा० रू० । मो० २६-२७-७ (उलहनि मागी होमए पड़ैत अछि) । *ulahani—Coll.* form of *ulahana* (q.v.).

𑒅𑒪𑒰𑒋𑒥 **उलाएब**—क्रि० । किञ्चिन्मात्र मर्जन रान्हि आदिक (दी०), कनिये दालि आदिकेँ भूजब । *ulāeba—V.* To dry fry lightly.

𑒅𑒪𑒰𑒍𑒪 **उलाओल**—वि० । किञ्चिन्मात्र भूजल [उलाब] । (उलाओल फँकबामे स्वादिष्ट होइछ) । *ulāola—Adj.* Shighthy dry fried.

𑒅𑒪𑒰𑒩 **उलार**—वि० । पाछू दिसि अधिक भारयुक्त (गाड़ी) (दी०) । आगू दिसि उठल आ पाछू दिसि अधिक भारसँ नीचाँ झुकल । [उनार(दे०)] । तु० क० हि० उलार; S. Sen 33 वैदेही १६-२४८ (पाठकक मनोरंजन लेल कथाक सृजन होइछ एकमग्गू उलार) । *ūlāra-Adj.* Excess loading of (Bullock Cart etc.) the back portion.

𑒅𑒪𑒰𑒫𑒪 **उलावल**—उलाओल (दे०) केर वा० रू० । BPL 1272. *ulāvala—Coll.* of *ulāola* (q. v.).

𑒅𑒪𑒰𑒮(𑒮𑒹) **उलास(से)**—उल्लास (दे०) केर का० रू० । वि० वि० १४ (भूत वेताल करत उलास); मा० का० २१६ (हृदय ओतहि उलासे); चर्य्या० ३०/३; वि० पदा० मजु० २१३ (... पारिअ हृदय उलास); वि० वि० ५ (होयत मनक उलासे) । *ulāsa(se)—Poet.* form of *ullāsa* (q.v).

𑒅𑒪𑒰𑒿𑒏 **उलाँक**—किछु बुझनिहार सुननिहार नहि, ... [सं० उ(ल)लू > उल् + आँक] BPL 230 । *ulāṅka—Adj.* Foolish, dull, who heeds not.

𑒅𑒪𑒰𑒿𑒏𑒲 **उलाँकी**—नाजिर कल्याणी धान सन, एक प्रकारक मेहीँ धान जकर भात फूल सन होइछ । *ulāki*—Name of a special variety of paddy.

𑒅𑒪𑒰𑒿𑒔 **उलाँच**—उलोँच (दे०) केर अशु० रू० । मै० पदा वली १२ । *ulāca—Err.* form of *ulōca* (q.v.).

𑒅𑒪𑒲 **उली**—मि० भा० वि० ५८ । वली [फा०] । तु० क० उर्फ (उ०), उलफी (दे०) । *ulī*—Heir.

𑒅𑒪𑒳𑒂𑒯 **उलुआह**—उल्लू सन (मूँह) । [उलूक > उलु + आह] । *uluāha*—(Face) like an owl.

𑒅𑒪𑒴𑒏 **उलूक**—उल्लू, पक्षी विशेष, एकरा दिनकेँ कम सुझैत छैक आँखि पैघ-पैघ भयानक होइछ । [सं० उलूक] । तु० क० हि०, बं०, असo, ने० उलूक प्राकृ० उलुग । मि० ८ (उलूक पक्षीक निन्दें सूर्यकेँ खेद नहि भए सकैत छन्हि); मि० उ३० १५७-११ (देखै यदि न उलूक); अम० ११६ । *ulūka*—An owl.

𑒅𑒪𑒹𑒿𑒔 **उलेँच**—उलैँच (दे०) केर वा० रू० । नव० ५६ (चौकी पर कम्बल आ उलेँच ओहिना ओछाओल) । *uleca—Coll.* form of *ulaica* (q.v.).

𑒅𑒪𑒻𑒿𑒔 **उलैँच**—उलोँच (दे०) केर अशु० रू० । पारो ३१ (नाना प्रकार पशु-पक्षीक नक्कासी सँ रुमाल उलैँच गेडुआक खोल आ चद्दरिकेँ चमकाबए अबै छन्हि) । *ulaica—Erro.* form of *ulōca* (q.v.).

𑒅𑒪𑒼𑒿𑒔 **उलोँच**—उत्तरच्छद (दी०), ओछाओनक ऊपरका वस्त्र अर्थात् उपरका आवरण । [सं० उत्तरच्छद] (उलोँच आ गेडुआ बेसीक सुन्दर अछि) । *ulōca*—Bed-sheet.

𑒅𑒪𑓂𑒏𑒰 **उल्का**—आकाश सँ खसैत अग्नि समान प्रकाश, अग्नि-पिण्ड, आकाश वह्नि, लूक (दे०) । [सं०] । तु० क० प्राकृ० उक्का; हि०, बं०, उल्का । अम० १३ (उल्का ई आकाशमे ...) । *ulkā*—Meteor.

𑒅𑒪𑓂𑒏𑒰𑒣𑒰𑒞 **उल्कापात**—आकाशसँ अग्निपिण्ड वा उल्काक पतन वा खसब । [सं० उल्का + पात] । तु० क० हि०, बं०, असo, ने०, राज०, अव० उल्कापात । राम० २४८ (उल्कापात ... भ्रम) । *ulkāpāta*—The fall of a Meteor.

𑒅𑒪𑓂𑒏𑒰𑒦𑒩𑒝 **उल्काभरण**—उल्काभरण केर ... उल्का सन चमकैत गहना । [सं०] । पु० २०२ (...)

परिजन काँ पूछल)। *ulkābharaṇa*—Err. of *ulkābhramaṇa* (q.v.). ornament shinig like a meteor.

𑒅𑒪𑓂𑒏𑒰𑒦𑓂𑒩𑒧𑒝 **उल्काभ्रमण**— ऊक (दे०) गाँजब। [सं०]। ***ulkābharamaṇa***—Waving a lighted torch, particularly as a part of ritual in honour of the dead.

𑒅𑒪𑓂𑒏𑒰𑒧𑒳𑒐 **उल्कामुख**—एक प्रकारक खें खें करएवला गीदड़ वा फकिसआर (फोटरा) जकरा मुँहसँ आगि बहराइछ, राकस, अगिया बेताल, महादेवक एक नाम। तु० क० राकस। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अव० उल्कामुख। वर्ण० ५२ (अग्निमुख उल्कामुख)। ***ulkāmukha***—A kind of fox, a name of Śiva.

𑒅𑒪𑓂𑒪𑒓𑓂𑒒𑒢 **उल्लङ्घन**—अनुचित कार्य, अतिक्रमण, सीमासँ बाहर भए जाएब, नाँघब, अवज्ञा करब, पार करब। [सं० उत्+लङ्घन]। तु० क० हि०, राज०, बं०, अस०, ने० उल्लङ्घन। मी० १००–१३ (उल्लङ्घन भेलासँ मनुष्य मात्र काँ असह्य भै जाइछ); कन्या० १११ (कहिओ उल्लङ्घन कथ सकैत छी); अम० १६५। *ullaṅghana*—Transgress, disobedience, going across.

𑒅𑒪𑓂𑒪𑒓𑓂𑒒𑒪𑒰 **उल्लङ्घला**—उल्लङ्घन (दे०) केर भू० रू०। मि० ३७५ (ज्योंहीक फाटक उल्लङ्घला पर ओ दूहू कनफुका बाबू साहेब काँ कहै लगलैन्ह)। *ullaṅghalā*—*Past* form of ***ullaṅghana*** (q.v.).

𑒅𑒪𑓂𑒪𑒓𑓂𑒒𑒱𑒞 **उल्लङ्घित**—वि०। अतिक्रमण कएल, (लाँघल, नाघल, पार कएल। [स० उल्लङ्घ+इत], (दरवाजा कए उल्लङ्घित करैत आगू बढ़लाह। *ullaṅghita*—*Adj.* Crossed, uiolated.

𑒅𑒪𑓂𑒪𑒮𑒱𑒞 **उल्लसित**—वि०। प्रसन्न, आनन्दित, हर्षित,, प्रकाशित। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस० ने०, अव० राज० उल्लसित; प्राकृ० उल्लसइ; प्रा० अ० हुलसइ; गु० उलसुकँ म० उल्लासणें वर्ण० ३६ (समुद्र उल्लसित भइ गइ); द्विरा० ३६ (लालकाकी उल्लसित स्वरसँ बजलीह); प्रण० २०७ (अंजन जी उल्लसित होइत बजलाह)। ***ullasita***—*Adj.* Happy, delighted.

𑒅𑒪𑓂𑒪𑒰𑒮 **उल्लास**—हर्ष, आनन्द, प्रसन्नता, चमक [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० राज० उल्लास; उ० उलसा। राम० ४ (मन उल्लास); राम० बा० ४ (राम्रि जगरना मन उल्लास); मी० ९७–२१ (उल्लास लै अवतीर्ण भेलि छथि); कन्या० १५० (ओ उल्लास कहाँ ओ तेज कहाँ ?)। ***ullāsa***—Gladness, joy, light.

𑒅𑒪𑓂𑒪𑒰𑒬𑒲 **उल्लाशी**—उल्लास (दे०) केर का० रू०। वि० प० २२ (बढ़ल हृदय उल्लाशी)। *ullāśī*—*Poet.* form of ***ullāsa*** (q. v.).

𑒅𑒪𑓂𑒪𑒱𑒐𑒱𑒞 **उल्लिखित**—वि०। उपर लिखल, उल्लेख कएल संकेत कएल गेल, खोधल। [सं० उत+लिख—क्त]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० उल्लिखित। मि० ३ (एहि मध्य उल्लिखित कएल गेल अछि)। *ullikhita*—*Adj.* Above-mentioned, written.

𑒅𑒪𑓂𑒪𑒴 **उल्लू**—मूर्ख, बुद्धिहीन, अज्ञानी, पक्षी विशेष। [सं० उलूक]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज०, उर्दू उल्लू उर्दू उलु। मी० १०८–१३ (मुइला न डूबि उल्लू चुल्लू भरि पानि मे) FML 630; रावण वध ३०। (उल्लू बनौनाइ) = बुद्धिक बनौनाइ। ***ullū***—Stupid, foolish, owl, making a fool of someone.

𑒅𑒪𑓂𑒪𑒹𑒐 **उल्लेख**—वर्णन, चर्चा, संकेत, निर्देश, लेख। [सं० उत्+लेख]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० उल्लेख। मि० २१४ (मौखिक उत्तरक उल्लेख कैल); मिहि० उद० १५७–८ (एक मात्र उल्लेख कै अपन लेख समाप्त करैत छी); मै० हि० सा० (८–१२) ज्यो० ३ (ज्योतिषिक उल्लेख अमोल अछि)। ***ullekha***—Description, writing, mention.

𑒅𑒪𑓂𑒪𑒹𑒐𑒢𑒲𑒨 **उल्लेखनीय**—वि०। लिखबा योग्य, उल्लेख वा संकेत करबा जोगर। [सं० उत्+लेखनीय]। तु० क० हि०, बं० अस०, ने०, अव, राज० उल्लेखनीय। मो० ४६-२ (एक विषय और उल्लेखनीय सेहो प्रकाशित करैत छी)। *ullekhanīya*—*Adj.* Fit to write, mention, or describe.

𑒅𑒪𑓂𑒪𑒹𑒐𑒹 **उल्लेखे**—उल्लेखहि केर का० रू०। प्रण० १३६ (प्रश्नमे उज्ज्वल रङ्गक उल्लेखे नहि छैक)। *ullekhe*—*Coll.* of ***ullekhahi***.

𑒅𑒪𑓂𑒪𑒹𑒐𑓂𑒨 **उल्लेख्य**—वि०। जे लिखल जा सकैत अछि, जकर परिचय वा वर्णन कएल जाइत छैक। [सं०]। मो० १७१–३१ (तखनहि उल्लेख्य होइत छथि)। *ullekhya*—*Adj.* Describable, fit to quote.

𑒅𑒪𑓂𑒪𑒹𑒭𑒝 **उल्लेषण**—लेखन, चित्रण। [सं०]। तु० क० हि० उल्लेखन। वर्ण० ६४ (सिचन उवेलेपन उल्लेषण)। *ulleṣaṇa*—Mentioning, writing, drawing.

𑒅𑒪𑓂𑒪𑒼𑒪 **उल्लोल**—बृहत् तरङ्ग, कल्लोल, डोलायमान। [सं०]। अम० ५५ (उल्लोल कल्लोल); चर्या० ३८/४ (*ullola*—A large wave.

𑒅𑒪𑓂𑒪𑒼𑒿𑒔 **उल्लोँच**—उलोँच (दे०) केर वा० रू०। शतदल १३। *ullŏca*—*Coll.* form of ***ulŏca*** (q.v.).

𑒅𑒫𑒙𑒢 **उवटन**—उबटन (दे०) केर विक० रू०। वर्ण० १२ (उवटने उवटिहलु); वि० पदा० मजु० ५५७ (एक हाथ उवटन एक हाथ तेल); चन्द्र० ५८ (उवटन अङ्गमे लाग); म० वि० ११८ (उवटन तेल सुगन्धित लगाय); नरोत्तम ७; FML 299. *uvaṭana*—*Alt.* form of *ubaṭana* (q.v.).

𑒅𑒫𑒙𑒰𑒍𑒢 **उवटाओन**—उपटा कए पुनः लगाएब। [उपटा+ओन]। मोदलता ३२। ***uvaṭāona***—Act of transplantation.

𑒅𑒫𑒙𑒱 **उवटि**—क्रि० । बाट छोड़ि कात देने चलब । वि० पदा० मजु० ५७; नेपाल १४८, न० गु० तालपत्र ३२८, ग्रि० ४०, अ० ३२५ (सोँकरि बाट **उवटि** कए चललहुँ); वर्ण० १२ (उवटने **उवटि** इलु) । *uvaṭi*—*V.* P.P. Having left the proper path, going by the side.

-𑒅𑒫𑒛𑒳𑒫 **उवडुव**—उवडुब (दे०) केर विकृ० रू० । विश्वेश्वर चम्पू २७; राम० ६३ (उवडुब होइछि दुख पयोधि); मिहि० ३५-३५-८ (उवडुब करइत के ग्लान दान ई); व्य० वि० ११४; नव० ११४ (एहि प्रकारेँ आनन्द सागरमे **उवडुव** करइत देखि) । *uvaḍuva*—*Alt.* form of *ubaḍuba* (q.v.).

𑒅𑒫𑒩𑒥 **उवरब**—उबरब (दे०) केर विकृ० रू० । ग० प० ६७ (कोन विधि उवरब रे की) । *uvaraba*—*Alt.* form of ***u**baraba* (q.v.).

𑒅𑒫𑒩𑒪𑒻𑒏 **उवरलैक**—उगरलैक वेर बा० रू० । मणु० १७ (फलाहारी लोकनिसँ जे **उवरलैक**) । *uvaralaika*—*Coll.* form of *ugaralaika*.

𑒅𑒫𑒩𑒫 **उवरव**—उवरब (दे०) केर विकृ० रू० । चन्द्र० १०६ (कौन गति **उवरव** ने बुझि अनङ्ग); महेश ७६ (कतय अपन उतै **उवरव**); मैथिल० ३६ । *uvarava*—*Alt.* form of *uvaraba* (q.v.).

𑒅𑒫𑒩𑒱 **उवरि**—उवरव (दे०) केर पू०. क्रि० रू० । वि० पदा० मजु० २५० (**उवरि** अएलाहुँ अङ्ग भागे); ऐ० ३३७ (**उवरि** अएलहुँ सखि पूरव पुने) । *uvari*—*Part.* form of *uvarava* (q.v.).

𑒅𑒫𑒯𑒢𑒱 **उवहनि**—उघनि उगहनि वा **उवहनि** (दे०) केर विकृ० रू० । मिथिला २-७५ (ढोल पुरान भ गेल **उवहनि** सड़ल जा रहल छैक); कन्या० (१५ **उवहनि** सड़ल जाइत छैक) । *uvahani* *Alt.* form of *ubahani* (q.v).

𑒅𑒫𑒰𑒏 **उवाक**—गरुड़ जातीय पक्षी विशेष । पैघ लोल युक्त पक्षी होइछ । मूलग्राम सेहो एकटा छलैक कारण "कर्मँहे उवाक" भेटैछ । *uvāka*—Name of a bird with long beak.

𑒅𑒫𑒰𑒢𑒱 **उवानि**—विपरीत स्वभाव, उवानि (दे०)। [उत्+ वाणी वा बन्ध]। वि० पदा० मजु० ५१३ (वस ससुरा रत कर **उवानि**); माधवी माधव ६० । *uvāni*—*Alt.* form of *ubāni* (q.v.).

𑒅𑒫𑒰𑒩 **उवार**—उबार (दे०) केर विकृ० रू० । महेश० ३३ (होयत अन्न उवार); ग० मि० ९ (पति रुष्टेँ नहि तकर **उवार**) । *uvāra*—*Alt.* form of *ubāra* (q.v.).

𑒅𑒫𑒰𑒩𑒱 **उवारि**—उबारि (दे०) केर विकृ० रू० । कन्या० ७६ (वड़ संकटमे आवि **उवारि** देलहुँ) । *uvāri*—*Alt.* form of *ubāri* (q.v,).

𑒅𑒫𑒰𑒯 **उवाह्**—उपर लए गेनिहार । [सं० उद्+सं० वह्] वर्ण० २६ (दो रोज **उवाह**) । *uvāha*—One who [illegible], takes out.

𑒅𑒫𑒱𑒨𑒰𑒃𑒞 **उवियाइत**—उबियाइत (दे० केर विकृ० रू० । मिहि० ४३-१५-६ (जेना मन **उवियाइत** रहैत अछि *uviyāita*—*Alt.* form of *ubiyāita* (q.v.).

𑒅𑒫𑒹𑒩(𑒪𑒰)𑒪𑒱 **उवेर(ला)लि**—क्रि० । खोललि । [सं० उद्+ वारल] । तु० क० उवाड़लहि वि० ने० २२२ (माधव आए कवाल **उवेललि**) । *uvera(la)li*—*V.* Opened.

𑒅𑒫𑒹𑒮𑒹𑒿 **उवेसेँ**—उद्देश्येँ (दे०) केर प्रा० तु० का० रू० । चर्या० ८ (आइत कालहि गअण उवेसेँ) । *uvesẽ*—*Old Oos. Poet.* form of *uddeśyẽ* (q.v.).

𑒅𑒩𑓂𑒫𑒩 (𑒩𑒰) **उर्वर(रा)**—वि० । उपजाउ । [सं०] । *urvara (rā)*—*Adj.* Fertile.

𑒅𑒩𑓂𑒫𑒩𑒱𑒞 **उर्वरित**—उर्वरा (दे०) केर विशेषण रू० । धातु पाठ ५९; ६३ । *urvarita*—*Adj.* form of ***u**rvarā* (q.v.).

𑒅𑒩𑓂𑒫𑒩𑒱𑒞𑒰 **उर्वरिता**—उर्वरित (दे०) केर स्त्री० रू० । अर्चना ३४ । *urvaritā*—*Fem.* form of ***u**rvarita* (q. v.).

𑒅𑒩𑓂𑒫𑒮𑒲 **उर्वसी**—उर्वशी (दे०) केर बा० रू० । वि० व० ८ (स्नान **उर्वसी** कुण्डक कयलन्हि) । *urvasī*—*Coll.* form. of *urvaśī* (q.v.).

𑒅𑒬𑒢𑒰 **उशना**—शुक्राचार्यक एकटा नाम उशना थिकन्हि । हुनके निर्मित स्मृति । [सं०] । वर्ण० ६० (नारद, **उशना**, पराशर, व्यास) । *uśanā*—Name of a *Smṛti* written by ***u**śanā* i. e. Śukrācārya.

𑒅𑒬𑒱𑒠𑓂𑒡 **उशिद्ध**—आठ प्रकारक महासिद्धिमे सँ एकक नाम । [सं०] । वर्ण० ३ (अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा, उशिद्ध, वशिद्ध, प्राकाम्य, कामावशायिता आठओ ये महासिद्धि तंक परग) । *uśiddha*—Name of a *Mahāsiddhi* out of the eight *Mahāsiddhis*.

𑒅𑒬𑒲𑒩 **उशीर**—कतरा, खस, गाँड़रिक जड़ि, बेनानून. [illegible] [सं० उश+ईरन्] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० । [illegible] ३२८ (हिम विदलित किसलय सय्या पर मृदु **उशीर** के कव [illegible]); अम० ११० (**उशीर** अमल नलद); मृच्छकटिक २०६ । *uśīra*—A scented grass, the fragrant root of the plant Andropogon muricatus.

𑒅𑒬𑒳𑒂 **उशुआ**—काछुक एक प्रभेदक नाम । [सं०] [illegible] (ढोड **उशुआ** पतकाछु, प्रभृति अनेक कच्छप [illegible]) [illegible] —A kind of tortoise.

ऊॅस उष—उषा (दे०) केर प्रा० रू०। वर्ण० ६१ (ते उष विचलि दुध पौरल); अम० ६६। *uṣa—Poet.* form of *uṣā* (q.v.).

ऊॅषम उषम—उष्म (दे०) केर का० रू०। साश्रोन-भादव १०; वनकुसुम ५५। *uṣama—Poet.* form of *uṣma* (q.v.).

ऊॅषमश्च उषमहु—उषम (दे०) केर निश्च० रू०। अम्बचरित ३। *uṣamahu—Emph* form of *uṣama* (q.v.).

ऊॅषा उषा—सूर्योदय सँ पहिने सूर्यक लाली छिटकबाक समय, भिनसर, रात्रिशेष, सन्ध्या, अनिरुद्धक पत्नीक नाम। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० उषा; प्राकृ० उसा; राज० उसा; ऊसा। (सोमेर, बुधेर उषा ब्राहह जोतिपो लेखा जोखा)। *uṣā*—Morning, dawn, name of the wife of *Aniruddha.*

ऊॅषाकाल उषाकाल—भोर वा प्रभातक समय। [उषा + काल]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, उषाकाल। मो० १३७-१६ (पुनः उषाकाल)। *uṣākala*—Early morning.

ऊॅषापति उषापति—अनिरुद्ध, सूर्य। [सं०]। तु० क० हि० उषापति। (उषापति आब, अस्ताचल जयताह)। *uṣāpati*—Sun, name of Aniruddha.

ऊॅष्ण उष्ण—वि०। धिपल, तपत, गरम, तेज। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० उष्ण; प्राकृ० उण्ह; उसिण; गु० उनू म० उन्ह; ऊन; सि० उसु; हुटू। वर्ण० १३ (हार उष्ण मधु); पुरु० २१५ (तप्त गजमुक्ता फलक उष्ण पोटरीक स्वेद पानि); अम० २८ (उष्ण उष्णागम); शतदल ८८। *uṣṇa*—Heat.

ऊॅष्णता उष्णता—गरमी, ताप, [सं०]। तु० क० हि०, बं० अस०, ने० उष्णता। द्विरा० ४६ (कृत्रिम उष्णताक संचार करब आवश्यक बुझि पड़लैन्ह); आमक० ४४ (बसात मे उष्णता छलैक)। *uṣṇatā*—Warmth.

ऊॅष्णत्व उष्णत्व—गरमी, ताप, [सं०]। तु० क० हि० उष्णत्व। रावण बध ३७। *uṣṇatva*—Warmth.

ऊॅष्म(क) उष्म(क)—ग्रीष्म काल, गरमी, स्वेद, गरमी ऋतु। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, उष्म; सि० उस; गु० ऊफ; पा० उसुमा, उस्मा, प्राकृ० ओहा; उम्ह; लहन्दा हुस। वर्ण० १५ (उष्मक बाहुल्य); अम० २८ (ग्रीष्म उष्मक)। *uṣma-(ka)*—Summer, heat.

ऊॅष्महारी उष्महारी—वि०। गरमी वा ग्रीष्मकेँ हटओनिहार। [उष्म + हरण = हारी]। एकावली परिणय १७१। *uṣmahārī—Adj·* Which reduces heat.

ऊॅसकत उसकत—उसकब (दे०) केर भवि० रू०। धातु शब्द १६। *usakata—Future* tense form of *usakaba* (q. v.).

ऊॅसकब उसकब—क्रि०। उत्सरण, आगू जायब। [सं० उत्सरण]। (बेशी मेला रहलाक कारणेँ उसकब कठिन अछि)। *usakaba—V.* To go ahead, to inspire.

ऊॅसका उसका—उसकायब, प्रेरित करब, ढेकी वा उक्खरिक अन्नादिकेँ सरिआयब, कार्य करब। [उसकायब]। तु० क० बं० उसका। मि० १४१ (ओकरा बजाय उसका देलक)। *usakā*—To instigate.

ऊॅसकाउ उसकाउ—उसकायब (दे०) केर आज्ञा० रू०। धातु शब्द १६। *usakāu—Imp.* form of *usakāeva* (q.v.).

ऊॅसकाए(य)बँ उसकाए(य)ब—प्रेरित वा उत्साहित करब, जरि गेला उत्तर डेमी बढ़ायब, ढेकी वा उक्खरिमे कुटए काल अन्नादिके सरिआयब, कार्य करब। [सं० उत्कर्षति [AL Turner 1715] तु० क० उकस-पुकस (दे०)। मैथिलीक गद्य शैली २४। *usakāe-(ya) ba*—To Instigate, to raise the wick in the lamp, to turn over rice etc. in the rural pounding machine.

ऊॅसकौती उसकौती—उसकायब (दे०) केर भवि० कालमे स्त्री० रू०। निर्दि० ४४-२२-८ (कथी लै कौखन खड़ी एक उसकौती); प्रेम० ३। *usakautī—Fem.* form of *usakāeba* (q.v.).

ऊॅसगैर उसगैर—उत्सर्ग (दे०) केर अशु० वा० रू०। व्य० विज्ञान ७ (दशहरा दिन कोनहुना उसगैर लितहु)। *usageara—Erro.* Coll. form of *utsargi* (q.v.)

ऊॅसझल उसझल—लाल० ४। का० रू०। ओझराएल (दे०)। *usajhala*—P. F. Of *ojharāela* (q.v.).

ऊॅस(र)ठ(ट्ठ) उस(र)ठ(ट्ठ)—वि०। बिना रसक, बैरैस माटि, अनउपजाउ भूमि, बंजर। [सं० उवर + ठ > उसरठ > उसठ]। तु० क० ने० उसठ; पा० प्राकृ० ऊसड, गु० ऊस। वि० पदा० मजु० ५३, रामभद्रपुर पोथी ४०६ (उसठ न कर सठ बढ़ाओल प्रेम); B.P.L. 800. *usa(ra)ṭha(ṭṭha)—Adj.* Barren. (land), unsociable, indifferent.

ऊॅसनल उसनल—वि०। गरम वा उष्णजलमे सिद्ध कएल वस्तु, उदासीन। [सं० उष्ण > उषन > उसन + अल]। (उसनल अल्हुआ सन मूँह लगैत छैक)। *usanala—Adj.* Boiled.

ऊॅसना उसना—वि०। उसिन कए बनाओल गेल (चाउर चूड़ा आदि)। [सं० उष्ण > उषण > उसन + आ]। (उसना चाउरक भात खूब स्वादिष्ट होइछ)। *usanā—Adj.* (Rice) made of boiled paddy.

ऊॅसनिञा उसनिञा—अगहन मासमे धान उसिनबाक क्रिया। *usaniñā*—The act of boiling paddy for making rice in the paddy season.

ऊॅसनिहार उसनिहार—वि०। अन्नादि केँ गर्म पानिमे सिद्ध कएनिहार। [उस + अनिहार]। मि० भा० वि० २३८।

usanhāra—*Adj.* Who boils.

ऊसम **उसम**—उषम (दे०) केर वा० रू०। वि० पदा० मजु० ३४४ (सिसिर वसन्त **उसम** मेल सजनी)। *usama*—*Coll.* form of *uṣama* (q.v.).

ऊसर **उसर**—वि०। अनउपजाउ (जमीन); नोनछराह, नष्ट प्राय। [सं० ऊषर]। तु० क० बं० उसर। मि० (**उसर** भूमिक किछु दाम नहि)। ***usara***—***Adj.*** Barren (land).

ऊसर्ग **उसरग**—उत्सर्ग (दे०) केर वा० रू०। मि० **उसरग** करा दिऔन्ह)। ***usarga***—***Coll.*** form of ***utsarga*** (q.v.).

ऊसर्गल **उसरगल**—उसरगब (दे०) केर भू० रू०। चित्रा १२ (**उसरगल** छलन्हि की दनही छलन्हि)। ***usaragala***—***Past*** tense form of ***usaragaba*** (q.v.).

ऊसर्गबँ **उसरगब**—उसरग (दे०) केर भवि० रू०। व्य० विज्ञान ३२१ (चाउर **उसरगब** तिलवा खाएब ओ दान करब तकर कोन अर्थ)। *usaragaba*—***Future*** tense form of *usaraga* (q.v.).

ऊसर्गा **उसरगा**—वि०। उत्सर्ग वा उसरग कएल गेल वस्तु, आमक गाछ उत्सृष्ट (दी०)। [उसरग+आ]। (**उसरगा** चाउर आ तिल ब्राह्मणकेँ दय दियौक)। *usaragā*—***Adj.*** Which has been given away.

ऊसर्गि **उसरगि**—उसरग (दे०) केर पू० क्रि० रू०। मैथिली भाषा ४। *usaragi*—*Part.* form of *usaraga* (q. v.).

ऊसरड़ **उसरड़**—वि०। उसर बला (भूमि) [सं० उत्सरण]। (**उसरड़** बला भूमिमे निरर्थक गाछ लगाएब)। ***usaraḍa***—*Adj.* Barren (heath).

ऊसरन **उसरन**—नष्ट होएब, बरबाद होएब, विनष्ट वा समाप्त होएब, बाँचल खुचल स्थिति, उत्सव आदिक पश्चात्, उदासीन होएब। [उसर+अन]। (माए मुइलाक बाद हिनक नैहर **उसरन** भए गेल) = नष्ट भए जायब। *usarana*—To be vanished, the dregs, the remainis.

ऊसरबँ **उसरब**—क्रि०। समाप्त होयब, जल्दी कार्य होएब। [IAL Turner 1874 उत्सरति]। (पावनि तिहारक **उसरब** गरीबक लेखे नीके मेल)। *usaraba*—To come to an end, to accomplish with speed.

ऊसरल **उसरल**—उसरब (दे०) केर भू० रू०। IAL Turner 862. शतदल ३१ (**उसरल** जग भरि सिसिर पसार)। ***usarala***—*Past tense* form of *usaraba* (q.v.).

ऊसराक्षु **उसराहु**—वि०। उसरब (दे०) केर अल्पता मि० भा० वि० २३८। *usarāhu*—***Adj.*** Becoming a little spent.

ऊसरि **उसरि**—उसरब (दे०) केर पू० क्रि० रू० वि० पदा० मजु० ३१८ (बादल प्रेम **उसरि** गेल नाहि)। ***usari***—*Part.* form of ***usaraba*** (q.v.).

ऊसासि **उससि**—उसासि (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० ६८, अ० ८४ (**उससि** उससि मैरासा); रा० ९०४ (**उससि** उठलि सुनि नाम तोहरी); मैथिली लोकगीत ११५। *usari*—*Poet.* form of ***usāsi*** (q.v.).

ऊसार(बँ) **उसार(ब)**—क्रि०। राखब, सम्हारब, समाप्त करब [सं० उत्सार+अब]। प्रण० १५४ (अपने हाथसँ धरब **उसारब**)। ***usāra(ba)***—*V.* To keep, to finish.

ऊसास **उसास**—शान्ति, विश्राम, सन्तोष, उपर दिशकेँ खीचल स्वास। [सं० उत्स्वास]। तु० क० हिं०, बं०, असा०, ने० उसास IAL Turner 1868। वि० पदा० मजु० १३, न० गु० (हर) ३८, अ० ९४५ (कोरि आउ लेबा के नहिं **उसास**); ग० प० ४१ (हृदय **उसास** विछिन मन); मि०; द्विरा० २१० (**उसास** मेटि गेलैन्ह); मि० भा० प्र० ४४ (**उसास** लेब) = शान्ति वा सन्तोष लेब। ***usāsa***—Peace, solace, comfort, consolation.

ऊसासि **उसासि**—उसास (दे०) केर पू० का० क्रि० रू० *usāsi*—Part. form of *usāsa* (q. v.).

ऊसाहबँ **उसाहब**—उद्यमन (दी०), उद्योग करब, ककरो मारबाक हेतु हाथ वा अन्य वस्तु उठायब, बखारी, चार वा ठाठ केँ चाँछ लगाए उठाएब। [उत्साह+अब]। (ककरो पर हाथ **उसाहब** ठीक नहि)। ***usāhaba***—To be ready (for beating with hand .).

ऊसाहल **उसाहल**—उसाहब (दे०) केर भू० रू०। मिहि० ४७-२७ (हम थापर **उसाहल** मारबाजय ओकरा); नव० २८ (रानी सरी पर हाथ नहि **उसाहलथीन**)। ***usāhala***—*Past* tense form of ***usāhaba*** (q. v.).

ऊसिनबँ **उसिनब**—उसनब (दे०) केर विक० रू०। मि० भा० कोष। (अल्लुआ उसिनब से नहि)। ***usinaba***—*Alt.* form of ***usanaba*** (q.v.).

ऊसिनल **उसिनल**—उसिनब (दे०) केर भू० रू०। [illegible] २९ (**उसिनल** चिनिया बदाम)। ***usinala***—*Past tense* form of *usinaba* (q.v.).

ऊसिना **उसिना**—उसना (दे०) केर विक० रू० [illegible] १६२ (कोनो दोकानसँ **उसिना** चाउर लए आबह); [illegible] (नवका **उसिना** चाउरक भात); मि० भा० कोष, [illegible] ४६। ***usinā***—*Alt.* form of ***usanā*** (q.v.).

ऊसिनै **उसिनै**—उसिनब (दे०) केर [illegible] विज्ञान २२। *usinai*—*Present* tense form of *usinaba* (q.v.).

ऊसीनि **उसीनि**—उसिनब (दे०) केर पू० क्रि० रू०

खट्ट० २१ (सैह उसीनि क दूनू साँझ खेबाक चाही) । *usīni*—*Part.* form of *usinaba* (q.v.).

ऊ्रीव उसीर—उशीर (दे०) केर वा० रू० । चन्द्र० १६३ (उसीर ओ कपूर पंक अंगमे लगाउ); मि० ३०७ (गरमीमे उसीरक दृष्टिक उपयोग विशेष रूपेँ ओहिमे कयल जाइत छलैन्ह) । *usīra*—*Coll.* form of *usīra* (q.v.).

ऊस्सर उस्सर—उसर (दे०) केर विकृ० रू० । FML 75; BPL 816; IAL Turner 1746; नव० ८ (दश कट्ठा उस्सर खेत आ आठ धूर डीह) । *ussara*—*Alt.* form of *usara* (q.v.).

ऊह¹ उह¹—ओहि (दे०) केर प्रा० का० रू० । गो० ग्र० १ का० ८ ऽ३ (कति अनुरूप गति उह वचन रति आजु देखल परतेक); राम० १४१ (दुहुजन उह सँ पर उदार) । *uha¹*—*Poet.* form of *ohi* (q.v.).

ऊह² उह²—उद्देश्य, चिन्ह । [ओ (दे०)] चर्या० १५/४, २१/४; FML 314 (C. B. XXIX) (तोहर उह न दिश) । *uha²*—Trace.

ऊह³ उह³—दुख वा खेद सूचक शब्द । [ध्वन्यानुकरण] । तु० क० अव० उन । (उह बड्ड चोट लागल) । *uha³*— Exclamation of fatigue.

ऊहउत उहइत—ऊपर धधकैत । [सं० उत + दह + ऐत] । धान्दोदाइ १८ (लगेमे धूइ उहइत-उहइत मिक्षा गेल छइक) । *ukatta*—Sending up flames.

ऊहमा उहमा—ओतए (दे०) केर दक्षिणी, पश्चिमी मै रू० । मोदलता १६१ । *uhamā*—Southern and western form of *Otae* (q.v.).

ऊहलसिउ उहलसिउ—उल्लसित (दे०) प्रा० का० रू० । FML 87 (27) । *uhalasiu*—*P. F.* Obs. form of *ullasita* (q.v.).

ऊहि उहि—वि० । स्फूर्ति, बल, सामर्थ्य, फुरबाक शक्ति । [सं० ऊह] । (हिनका त उहि किछु छन्हिएँ नहि) । *uhi*—Initiative; intelligence.

ऊहु उहु—अव्यय । प्रा० मैथिली उत्तम पुरु० रू० । खेद सूचक शब्द । [उह³ + उ] । FML 505. *uhu*—*Ind.* Early Maithili first person form of *uhū*.

ऊहुँ उहुँ—उहूँ (दे०) केर विकृ० रू० । गाम० २७ (कत सुख पाओब करति उहुँ-उहुँ); नव० ११३ उहुँ ! ओ हाय) । *uhũ* *Alt* form of *uhũ* (q.v.).

ऊहूँ उहूँ—नहि, नकारात्मक सूचक शब्द । [ध्वन्यानुकरण] । कन्या० १७ (उहूँ । आब कहाँ); नव० १६ (उहूँ ई कोना हेतइ ?) । *uhũ*—Negative word, no.

ऊहे उहे—उएह (दे०) केर प्रा० लु० रू० । वि० ने० २६६ (उहे की फल पओबह तोली); FML 406. *uhe*—*Old* obs. form of *ueha* (q.v.).

ऊहो¹ उहो¹—ओहो (दे०) केर अशु० वा० रू० । रघुवंश ४१ । *uho¹*—*Erro.* Coll form of *oho* (q.v.)

ऊहो² उहो²—ओएह, उएह, कुकुर केँ हुलकएबाक शब्द वा प्रेरित करब । [उह² + ओ] । तु० क० हुले-हुले । (आतुः आः आ ······उहो-उहो) । *uho²*—Imperative word for commanding a dog to go to the object of its quest.

ऊह्य उह्य—ऊह्य (दे०) केर वा० रू० । स्वदेश १·१-१२ (ई स्वयं उह्य थीक) । *uhya*—*Coll.* form of *ūhya* (q.v.).



ऊ¹ ऊ¹—छठम स्वर वर्ण, एकर उच्चारण ओष्ठ सँ होइत अछि । [सं० ऊ] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज०, उर्दू ऊ, FML 75. *ū¹*—The sixth vowel.

ऊ² ऊ²—प्रत्यय । उत्पन्न भेनिहार ओ रहनिहार दूनू भाव ऊ कहबैत अछि । भव अर्थमे ऊ प्रत्यय अबैत अछि । ल० वि० ३६ संख्यासँ पूर्वक ऊ = मास ओ वर्षसँ एकमास मे उत्पन्न (एक मस्सू नेना; दुमस्सू दु बर्खू); संज्ञा अर्थात् मनुष्यक नामसँ पर आदर द्योतित करबाक हेतु ऊ प्रत्यय होइत अछि) ल० वि० ४६ (बौकू बमलाह, सुसहरू, सोनू, मगरू); नियुक्त अर्थमे टहल शब्दसँ ऊ प्रत्यय अबैत अछि । ल० वि० ५१ (टहल मे नियुक्त पुरुष टहलू); अलक लोक भेला पर ऐकान्त उत्तर पदसँ लग आदि धातुसँ ऊ प्रत्यय होइत अछि । ल० वि० ८३ (पित मरल पित्तमरू, पतिमरू जरलग्गू; दुधकट्टू प्राण्यङ्गादि बहुव्रीहि अलक लोप भेला पर आदर मे ऊ प्रत्यय होइत अछि । ल० वि० ८३ (ओ नककट्टू छथि); प्रेरणामे धातुसँ पर सामान्यतः ऊ प्रत्यय अबैत अछि । ल० वि० १०० (हम नाच देखू , अहाँ कार्य करू); प्रेरणामे ऊ प्रत्ययक आउ आदेश होइत अछि । ल० वि० १०६, ११२ (पढ़ब् + ऊ = पढ़ाउँ, आउँ, गाउँ); भूतकालमे कर्त्तामे ऊ प्रत्यय अबैत अछि । अधिकरण पूर्वक पक् धातु सँ । ल० वि० १३४ (घरिमे पाकल घरिपक्कू ; गाछ मे पाकल गाछपक्कू) ; भूतकाल कर्ममे ऊ प्रत्यय कट् धातुसँ पराजित अर्थमे अबैत अछि । ल० वि० १३७ (कट्टू बटेर अर्थात पराजित); पानि पूर्वक जँत ओ भिज धातुसँ ऊ प्रत्यय अबैत अछि । ल० वि० १३७ (पनि जत्तू = पानिसँ जाँतल धान, पनिभिज्जू = पानिसँ भिजल

वस्त्र); । $\bar{u}^2$—Suffix.

ऊँ³ ऊ³—सर्व० । ओ (दे०) केर प्रा० का० रू । वि० पदा० मञ्जु० ५७२ (घर आङ्गन ऊ बनौलन्हि कहिया) । $\bar{u}^3$—*Pronoun. Old poet.* form of *O* (q. v.).

ऊँ¹ ऊँ¹—प्रत्यय । अवधारण ओ अन्वय मे अहाँ शब्दस पर सर्वत्र ऊ प्रत्यय लगैत अछि । ल० वि० ११५ (अहूँ, अहूँ केँ); FML 500 (Southern). $\bar{u}$—Suffix.

ऊँ² ऊँ²—प्रश्नसूचक, विरोधात्मक ध्वनि, बहुत सुतल वा सुतबाक उपक्रममे लागल व्यक्ति । (ओ बौआ ! उठू ने ऊँ ऊँ की करै छी) । $\bar{u}^2$—Interjectional word, to express disapproval or opposition.

ऊअल ऊअल—उगल (दे०) केर प्रा० का० रू० । मिथिला मित्र ५१४-४२ (जनु सुमेरु उपर मिलि ऊअल चान्द दिहुँन सब तारा) । *ūala—Poet.* Obs. form of *Ugala* (q.v.).

ऊआँ ऊआँ—ऊ³ (दे०) केर दक्षिणी ग्रा० रू० । FML 408. *ūā*—Southern folk form of $\bar{u}^3$ (q. v.).

ऊइआ ऊइआ—उदय (दे०) केर प्रा० लु० रू० । FML 75 (c14). *ūiā—old* obs form of ***udaya*** (q.v.)

ऊक—ऊक—मशाल, मुखमे प्रज्वलित लम्बा बद्धतृणपुञ्ज (दी०), बान्हल, एक मूठ खढ़ जकरा अग्र भागमे आगि लागल हो; पथ प्रदर्शक-प्रकाश । [सं० उल्का] । तु० क० पा० प्राकृ० उक्का; उ० उक; हि० ऊक । राम० २४२ (हँसि हँसि हाँस कहलनि फूजल ऊक); मो० १३८-२१-६० (ग्रामक ऊक होथि हुनक नाम सर्वत्र विख्यात हो), कन्या० १४६ (एकाएक ऊक जकाँ आबि); चित्रा ५६ (राह भए गेल आइ फूजल ऊक); ग्रि०; मिहि० ४ (२-६१-५०); FML 74, 118. ऊक भाँजब वा फेरब (सुकराती मे) । (पूर्मे ऊक लए आम बीबल जाइत छलैक । फूजल ऊक=स्वेच्छाचारी, अनिष्टकारक लोक । *ūka*—A torch, a flaming bundle of grass.

ऊकाऊकी ऊकाऊकी—ऊकक क्रीड़ा, सुखरात्रिक (दी०), दीपावलीक अवसरमे मिथिला मे खढ़क ऊक बनाए ओतरा प्रज्वलित कए घुमाओल जाइछ वा भाँजल जाइत । [ऊक + आ + ऊक + ई] । (ऊकाऊकी केरमे कियो कानए) । *ūkāūki*—The fireplay on the occasion of Dīpavalī festival in Mithilā.

ऊकार ऊकार—दीर्घ ऊक मात्रा, द्वित उकारक मात्रा] [सं०] । तु० क० ने०, उर्दू ऊकार । टहलू मे ऊकारक मात्रा अन्तमे लगाउ) । *ūkāra*—The letter *ū*.

ऊख ऊख—कुसिआर (दी०) । [सं० इक्षु] । तु० क० अव० ऊख । FML 121. BPL 1005, ग्रि० । *ūkha*—Sugar cane.

ऊखरि ऊखरि—उक्करि (दे०) केर वा० रू० । तु० क० राज० ऊँखल; ऊँखली; बं० उखलि । [उदूखल] । प्रण० २१ (ऊखरिमे माथ देल त मूसरक चोट सहियारहि पड़त); ग्रि० ऊखर । *ūkhari—Coll.* form of ***u***[illegible]

ऊखि ऊखि—ऊख (दे०) केर वा० रू० । [illegible] form of *ūkha* (q. v.).

ऊघट ऊघट—वि० । अधलाह घाट, नीक घाट नहि । तु० रू० । [उ + घट] । तु० क० औघट । वि० पदा० मञ्जु० २४६ (ऊघट घाटे कन्हैया) । *ūghaṭa—Adj.* Not the proper place for bathing etc. in a tank etc.

ऊच ऊच—ऊँच (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मञ्जु० ३१८ (गुनहि बुझिअ ऊच नीच रे); राम० ५२ (ना बड़ ऊच कान बूच) । *ūca—Poet.* form of *ũca* (q.v)

ऊँच ऊँच—वि० । उपर, उत्तुङ्ग, आकाश दिश, नीचाँ नहि । [सं० उच्च] । तु० क० बं०, अव०, असo ऊँच, उर्दू उच्च, ऊँच । राम० ४१ (ऊँच न जा जलधारा); चन्द्र० ८७ (नीच ऊँच वर जनव ततय); प्रण० ३६ (किछु ऊँच छुनैत छलाह); BPL 793 FML 115, 563 153; (ऊँच बड़ेरी फोंक बाँस, ऋण खाथि बारहो मास); (ऊँच नीचक भेद करब)=अपनाके पैध बुझब । ऊँच स= उचरस=(land) on an high level. तु० क० बैरस *ũca*—*Adj.* High, lofty.

ऊँचहि ऊँचहि—ऊँच (दे०) निश्च० रू० । (ऊँचहि पर पर प्रबल बसात)=पैघहिकेँ प्रथम बेरि सामूहिक धक्का लगैछ । *ũcahi*—*Emph.* form of *ũca* (q.v.).

ऊँचा (चू)(चे) ऊँचा (चू)(चे)—ऊँच (दे०) केर वा० रू० । FML 75, 113, 590 (ऊँचे नीचे चास धीये पुते बास); (ऊँचा चढ़ि-चढ़ि देखल सब घर एके लेखल) । *ũcā(cū) (ce)*—*Coll.* form of *ũca* (q.v.).

ऊँचाँ ऊँचाँ—ऊँच (दे०) केर का० रू० । चर्या० ८८ । *ũcā—Coll.* form of *ũca* (q.v.).

ऊचित ऊचित—उचित (दे०) केर का० रू० । चन्द्र० २५ (तनिक पाणि गृहीत ऊचित कह सज्जन) । *ūcita—Poet.* form of ***ucita*** (q.v.).

ऊञ्छ ऊञ्छ—वि० । सुन्दर दुर्लभ वस्त्र वा आच्छादन । [सं०] वर्ण० ६० (उञ्छ विचित्र पञ्चमय, देवाअरि, दुर्लभ वे दिव्यम्बर ते वृद्धि स्त्री पहिराउलि) । *ūñca—Adj.* A decent [illegible] invaluable clothes.

ऊजर ऊजर—उजर (दे०) केर का० रू० । गी० [illegible] अमर १२ (ऊजर शशधर दीपक जारल अलेकुल [illegible]) *ūjara—Poet.* form of ***ujjara*** (q.v.).

ऊजरि ऊजरि—ऊजर (दे०) केर स्त्री० रू० [illegible] (अति मिसा देखी) । *ūjari—Fem.* [illegible] (q.v.).

ऊँदे(नी) ऊँद(नी)—पुरुष (वा स्त्री) [illegible]

[सं० उष्ट्रिका] । तु० क० ओट्ट; प्राकृ० उट्ठ; प० लह० उट्ठ; उ० उट अव० उँ ; बं० गु० ऊँट; प्रा० मा० उट । वर्ण० ३६ (ऊँटक चौतकार); राम० २५१ (महिष ऊँट खर सिंह सवार); पुनर्जन्म १६; मि०; मिहिर २२ (२-६२-८६) (लश्करमे ऊँट बदनाम); BPL 1131; FML 159; मिथिला दर्शन ३, ३३ (ऊँटक हुँह मे जीरक फोरन); (ऊँट कोन करओट बैसत) = केहन स्थिति होएत से नहि कहि; (ऊँटक पढान पश्चिम मूँह); (ऊँट जनमला धीपर सौंसे) । *ūṭa*—Camel (she camel).

ऊटि ऊटि—औंटब (दे०) अथवा उठि । (दे०) केर प्रा० लु० पू० क्रि० रू० । वि० पदा० मञ्जु १७३, नेपाल १६२, न० तु० ४०५, (उबरल कनक ऊटि दहराओल, सिरिजल हुइ भारमा) । *ūṭi*—*Early* obs. part. form of *Auṭaba* or *uṭhi* (q.v.).

ऊटिनी ऊटिनी—ऊँटनी (दे०) केर वा० रू० । चन्द्र० ३३४ (ऊटिनी दूहय जाय) । *ūṭinī*—*Coll.* form of *ūṇṭanī* (q. v.).

ऊँठ ऊँठ—? कीर्तिलता ६३ (दुहु दिसँ पाखर ऊँठ माँझ सङ्गाम भेट हो) । *ūṇṭha*—

ऊठब ऊठब—उठब (दे०) केर वा० रू० । मि० भा० कोष ३६ । *ūṭhaba*—*Coll.* form of ***uṭhaba*** (q.v.).

ऊठय ऊठय—उठए (दे०) केर का० रू० । गौ० श्र० १ अमर ११ (जत जत नित नित चित मोर ऊठय भावित बेयाकुल देहा); गौ० श्र० १ अमर ३१ (चमकि चमकि हरि ऊठय कत बेरि) । *ūṭhaya*—*Poet.* form of ***uṭhae*** (q. v.).

ऊठल ऊठल—उठल (दे०) केर वा० रू० । नव० ५१ (बुढ़वा चमकि ऊठल) । *ūṭhala*—*Coll.* form of ***uṭhala*** (q.v.)

ऊठलि ऊठलि—ऊठल (दे०) केर स्त्री० रू० । नव० ३३ (ओ छँउड़ी जे एखन धरि गुमहुम बइसलि रहए, चटदए ऊठलि आ आगाँ आइलि) । *ūṭhali*—*Fem.* form of *ūṭhala* (q.v.).

ऊठि ऊठि—उठब (दे०) केर पू० क्रि० रू० । नव० १०२ (वाचस्पति ऊठि कें बूझ लागल); मि० उद० १५६-२३ (चुपचाप ऊठि सवार भै); ऊठि बैसब = अतिशय लाभ (बहुधा अनुचित रूपें) प्राप्त करब । *ūṭhi*—*Part.* form of ***uṭhaba*** (q.v.).

ऊड़ब ऊड़ब—उड़ब (दे०) केर का० रू० । मि० भा० कोष ३६, FML 108. *ūḍaba*—*Coll.* form of ***uḍaba*** (q.v.).

ऊड़ल ऊड़ल—उड़ल (दे०) केर का० रू० गौ० श्र० १ (पहिलहि कूल तूल सन ऊड़ल जनिधर वैसुक फूके) । *ūḍala*—*Poet.* form of *Uḍala* (q.v.).

ऊढ़ा ऊढ़ा—विवाहिता स्त्री । [सं०] । उपदेशाक्ष माला ६ । *ūḍhā*—Married girl.

ऊद ऊद—ऊद (दे०) केर वा रू० । मि० भा० कोष ३६ मि०; डा० ज० ना० ति० ६७; (ऊदक संग डूब देत बिलाई) = असम्भव कार्य । *ūda*—*Coll.* form of *Udda* (q.v.).

ऊधब ऊधब—उधब (दे०) केर विक० । मि० । *ūdhaba*—*Alt.* form of ***udhaba*** (q v.).

ऊधम ऊधम—उधम (दे०) केर वा० रू० । मि० भा० कोष ३६; (ऊधम मचौनाइ) = हल्ला गुल्ला करब । *ūdhama*—*Coll.* form of ***udhama*** (q.v.).

ऊन[1] ऊन[1]—क्रि० वि० । कम, न्यून, छोट । का० प्र० । [सं० ऊन अथवा न्यून] । तु० क० बं०, अव० ऊना; उर्दू ऊन; उणा; प० उणी; म० उणा; उ० ऊन; हि० ऊना गु० ऊणुँ; उ० उणा; पा० ऊन । वि० ने० २१४ (जौवन चाहि रूप नहि ऊन । धनि तुअ विषय देखिअ सबे सून) । *ūna*[1]—*Adv.* Less, smaller.

ऊन[2] ऊन[2]—भेड़ा, भेड़ीक केशसँ बनाओल वस्तु । [सं० ऊर्णा] । तु० क० हि०, बं०, असः, ने०, अव०, राज० ऊन; पा० प्राकृ० उण्णा; सि० उन; लहन्दा प० उन्न; उ० उल; गु० ऊन । मि०; नव० ६७ (ओह मउगीकें ऊनक खेटर वा सूतक जाली बुनबाक सौख रहइक) । *ūna*[2]—Wool.

ऊनी ऊनी—वि० । ऊनसँ बनल (वस्त्र वा परिधान) । [ऊन + ई] । तु० क० प्रा० ओण्णीय; हि० ऊनी; पं० उन्ना; सि० ओनो । BPL 877, 990, अम० १४६ (शाल, कम्बल, आदि ऊनी वस्त्र); व्य० वि० २७० (सुती, ऊनी, रेशमी) । *ūnī*—*Adj.* Wollen (cloth).

ऊनेस ऊनेस—उन्नैस (दे०) केर प्रा० लु० रू० । वि० पदा० मञ्जु ३८६, मि० ६७ (लिखब ऊनेस सताइसक संग । पुनि लिखब पचीसक संग) । *unesa*—*Old* Obs. form of *Unnaisa* (q. v.).

ऊपटाप ऊपटाप—ऊमटाम (दे०) केर वा० रू० । प्रण० १५५ (पैटी नीक जकाँ उपटप क भरि गेलैन्ह) । *ūpaṭāpa*—*Coll.* form of *ūmaṭāma* (q.v.).

ऊपर ऊपर—क्रि० वि० । ऊँच स्थान पर, ऊँच पर आकाश क दिश, अधिक, बेसी, अतिरिक्त, उल्लिखित । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, राज०, ने०, अव० ऊपर । राम० ८६ (जनि सुमेरु ऊपर मिलि जलद); राम० ३१० (सभ जन ऊपर ताक); गौरी परिणय ३ (आहे सखि रुण्डमाल बघछाल व्याल उर ऊपर दे); मै० हि० आ० ३ (२-३) २ (पिङ्गल उम एक जइ ऊपर); मि० उद० १५८-६ (गदहा चरै जौं खेत तौं धुनिया ऊपर रोष कही); प्रबा० ४ (मौटरी टेबुलक ऊपर राखि देलन्हि); FML 325, 555, चित्रा १२ (विधि व्यवहार सें सँ ऊपर लागल); शतदल २ (उदयाचल ऊपर लेन्हि अनल); मि०; (ऊपर भगवान नीच पञ्च) = धर्मतः न्याय । *ūpara*—*Adv.* Rise, above, excess, besides.

ऊपरँ ऊपरँ—क्रि० वि० । ऊपरमे वा ऊपरसँ । [सं०

ऊपरि] । वर्ण० १४ (माड़ल ऊपरँ देल अछ); बि० रा० ५५ (ऊपरँ मोतिमहार); FML 581 *ūparã—Adv.* One above.

ऊपरहि(हिं)—ऊपर (दे०) केर निश्च० रू० । कन्या० ६६ (एखन ऊपरहि ऊपर उड़ि रहल छथि); रङ्ग० १५ (एहन ने हो जे ऊपरहिं सँ छड़पि कउ भागि जाओ) । *ūparahi (hi) (hĩ)—Emph.* form of *ūpara* (q. v.).

ऊपरी(रे) - ऊपर (दे०) केर वा० रू० । आमक० ३० (खाली ऊपरी शिष्टाचार); प्रण० ५ (जे छुट्टी सँ ऊपरे रहि गेलैन्ह) । तु० क० ऊपरी आमदनी *ūpari (re)—Coll.* Form of *ūpare* (q.v.).

ऊभड़खाभड़ - उभड़खाबड़ (दे०) केर वा० रू० । कन्या० १३ (ऊभड़खाभड़ मन्तक रोड़ा गड़गड़ाका उभीलय लगलाह) । *ūbhaḍakhābhaḍa—Coll.* Form of *ubhaḍakhābaḍa* (q.v.).

ऊँमग्गे—उमङ्ग (दे०) केर अवहट्ट रू० । कीर्तिलता ६३ (आरूठ्ठा सुरा आवन्ता ऊँमग्गे मग्गे धावन्ता) । *ūmagge—Avahaṭṭha.* form of *umaṅga* (q.v.).

ऊमटाम—वि० । एकदम कानोकान भरल, परिपूर्ण गजागज भरल, खचाखच भरल । [उमड्ब] । उमटाम (दे०) । मिहिर २२ (३–६२–१०७) (आब ई देश मनुक्खसँ ऊमटाम भरि गेल अछि); पारो ४५ (पोखरि सामोनमे जा कँ ऊमटाम भ क भरैत छल); नव० ७३ (टाका तेलसँ बीचहि ऊमटाम भ गेल रहइक) । *ūmaṭāma—Adj.* Fully engaged or filled.

ऊमी—काँच मडुआक आँटा (दी०) । [IAL Turner 2343 उम्बी अथवा प्राकृ० ऊँमी] । तु० क० प्राकृ० ऊँमी; हि० ऊमी म० ओंबी; गु० उँबी; कु० उमी०, उमा० । BPL 9901 *ūmi—*The green ear of coracun or millet roasted for chewing.

ऊयत—उगत (दे०) केर प्रा० लु० रू० । गो० श्र० १ अमर० ६५ (की फल नियर हुताशन मन्द नित-नित ऊयत गगनहि चन्द) । *ūyata—Old* Obs. of *ugata* (q. v.).

ऊयल—उगल (दे०) क प्रा० लु० का० रू० । गो० श्र० १ अमर ५० (ऊयल नव-नव मेह, दुर रह श्यामर देह) । *ūyala—Obs.* Poet. form of *ugala* (q.v.).

ऊर—उर (दे०) केर का० रू० । राग० ११५ (दूरहि ऊर रहल जहि ठाम) । *ūra—Poet.* form of *ura* (q.v.).

ऊरपूर—वि० । जकर सभ अङ्ग पूर भए गेल छलैक (म० म० उमेश मिश्र); अथवा सुरपुर क अवहट्ट रूप कहल जाए सकैत अछि । [उर + पूर] । कीर्तिलता ५१ (समथ्य सुर ऊरपूर चार पाजैं चक्करैं) । *ūrapūra—Adj.* Grown up (animal).

ऊरीबीरी-मनक अस्थैर्य (दी०) । [उड़ब + शब्दानुकरण] । (ऊरीबीरी लागब) = इतस्ततः होएब । *ūribiri—*Impatience.

ऊर्जा—वि० । तेज, बल, शक्ति । [ऊर्ज—अन्] । तु० क० बं० ऊर्ज । मिहिर ४ (४–६३–१६२) (एहन प्रयत्न कएल जा रहल छैक जाहिसँ सूर्य ऊर्जा कँ रेडियो, रेलगाड़ी आ जहाज आदि चलयबाक काजमे आनल जाय) । *ūrjā—Adj.* Strength energy.

ऊर्ध्व—वि० । उच्च, ऊपर । [सं० तु० क० बं० ऊर्ध्व । मि० उद० १५७–२० (कपाल कुण्डला चकित भै ऊर्ध्व दृष्टि कै देखलन्हि) । *ūrdhva-Adj.* High, above.

ऊर्ध्वरेखा—एकटा तरहत्थी वा तरवा परक रेखा जे जीवनक विशिष्ट समृद्धि विषय इंगित करैत छैक । [सं० ऊर्ध्व + रेखा] । तु० क० ने० ऊर्ध्वरेखा । (ऊर्ध्वरेखा देखला पर ई स्पष्ट भेलैन्ह जे ओ विशिष्ट लोक होएताह) । *ūrdhvarekhā—*The line on the palm indicating prosperity.

ऊर्मि(र्म्मि)—तरंग, वेग, स्रोत, धारा । [सं० ऋ—मि] । तु० क० हि०, अस०, बं०, ने०, ऊर्मि । अमर० ३६७ (ऊर्मि वराटक); नवल ७१; सनेस १७ । *ūrmi(rmmi)—*Wave, force.

ऊष—गर्त, खाधि, भूर । [सं०] । चन्द्र० १२४ (निम्ब कीट ऊष मे न जाथि) । *ūṣa—*Hole.

ऊषरि—उखरि (दे०) केर विक० रू० । स्त्रीशिक्षा ५२ (ऊषरि मूशर, सूप) । *ūṣari—Alt.* form of *ukhari* (q.v.).

ऊषि—ऊखि (दे०) केर विक० रू० । अमर ११० (ऊषि कुसियारक नाम) । *ūṣi—Alt.* form of *ūkhi* (q. v.).

ऊस—नोनछराह माटि, ई माटि नोनक छोट-छोट कण जकाँ होइछ तथा उज्जर रङ्गक होइत अछि । बहुधा धोबिआ ऊससँ कपड़ा साफ करैत अछि । [सं० उष] । तु० क० प्राकृ० ऊष; पा० ऊस; अवहट्ट ऊह; उ० ऊस । FML 74; व्य० वि० ५१ (धोआओल वा ऊस सँ तथा सनलाइट साबुनसँ); नव० ५८ (स्कूलक मास्टरी छोड़ि-छाड़ि ऊस बरकाबए लगलाह) । *ūsa—*Saline earth.

ऊसर—उसर (दे०) केर वा० रू० । तु० क० पा०, प्राकृ०; उ०, कु० ऊसर; प्रा० अव० ऊसर । BPL 816; (दी०); प्रण० १०१ (ने ऊसर भूमिमे) अम० ६६ (ई दुई ऊसर भूमिक नाम); (ऊसरमे बीया बौग करब) = व्यर्थ काज करब । *ūsara—Coll.* form of *Usara* (q.v.).

ऊह¹—तर्क, विचार, अध्याहार, परिवर्तन । [सं० ऊह घञ्] । तु० क० बं०, अस०, राज०, ऊह, म० ऊह; प्राकृ० ऊह; उ० उहा; अव० उह । वर्ण० ३ (ऊह आपोह); राम० १०४ (नव नव कर किछु ऊह); अम० ३२ (अध्याहार, तर्क, ऊह); मि० मि० ३१ (बिना कैने की होएत ऊह) । *ūha¹—*Conisieration.

ऊह²—दर्द सूचक शब्द । [अनुकरण] F.L.

579, $\bar{u}ha^2$—Indication of pain.

ऊँह ऊँह्—नै, नहि, नकारात्मक सूचक शब्द। [ध्वन्यानुकरण]। FML 570. *ũha*—Negative indication.

ऊहापोह ऊहापोह—तर्क विचार, विचार-विवेक-शक्ति। [सं० ऊह + आपोह]। तु० क० बं० प्राकृ० ऊहापोह। वैदेही १५-६२ (एहि ऊहापोह मे सत्रह दिन बीति गेलैक); रङ्ग० ६५ (हम व्यर्थ ऊहापोह पड़ल छी)। *ūhāpoha*—Hesitation, doubt.

ऊँहाँ ऊँहाँ—ओतए (दे०) केर दक्षिणी ग्रा० रू०। FML 135. तु० क० हि० वहाँ। *ũhã*—Southern folk form of *Otae* (q.v.).

ऋ

ऋ ऋ—वर्णमालाक सातम स्वरवर्ण। एकर उच्चारण स्थान मूर्द्धन्य मानल जाइछ छैक। निन्दा, परिहास, स्वर्ग। [ऋकार मूर्द्धन्य]। तु० क० हि०, बं०, असा०, ने० अव० ऋ। *ṛe*—The seventh vowel, censure, jest, heaven.

ऋकार ऋकार—ऋ वर्ण अर्थात ऋ। [ऋ + क्विप्]। तु० तु० क० बं० ऋकार। (ऋकारक मात्रा लगओलासँ ऋतु होइछ)। *ṛkāra*—The mark of the lette *ṛ*.

ऋग्वे(ग)वेद ऋग्वे(ग)वेद—आदि वा प्रथम वेद जाहिमे प्रकृति केर विभिन्न रूपकेर वर्णन देवताक रूपमे कल्पना कए कएल गेल अछि। [ऋक् + वेद]। तु० क० हि०, बं०, असा०, ने० ऋग्वेद, ऋगवेद। (ऋग्वेद, सामवेद यजुर्वेद, अथर्ववेद चारि वेद)। *ṛgve (gaveda)*—The first Veda, called Rgveda.

ऋचा ऋचा—वेद मन्त्र, वेदमन्त्र जे पद्यमे होइछ। [ऋच + क्विप्]। तु० क० हि०, ने० ऋचा; बं०, असा० ऋच। (वेदमन्त्रक ऋचा पैघ-पैघ एवं क्लिष्ट होइछ)। *ṛcā*—A Vedic verse.

ऋचीक ऋचीक—जमदग्निक पिताक नाम। [सं०]। तु० क० बं० ऋचीक। *ṛcīka*—Name of Jamadag's father.

ऋच्छ ऋच्छ—ऋक्ष (दे०) केर विक० रू०। तु० क० हि० ऋच्छ। (ऋच्छ वानर सभ रामक सहायता कएलकैन्ह)। *ṛccha*—*Alt.* form of *ṛkṣa* (q.v.).

ऋजु ऋजु—वि०। सहज सरल, सोझ, ईमानदार। [सं० ऋज + कु]। तु० क० बं०, असा०, ने०, ऋजु, पा० ओउक, उजु; प्राकृ० उजु; ओउअ ऋजु म० उजू मि० उदु)। (ऋजु पथ पर अग्रसर होएबाक चाही)। *ṛju* –*Adj.* Simple, easy, straight.

ऋण ऋण—कर्ज, उधार, उधार ककरोसँ किछु समयक हेतु लेल नेल द्रव्य वा सूद पर लेल गेल द्रव्य। [सं० ऋ + क्त]। तु० क० रीन (दे०), हि०, बं०, असा०, ने०, अव० ऋण; पा० इण; प्राकृ० अण, उँण, रिण, इरिण, लहन्दा रिण्ण; प० रिन; उ० रिण, गु० रण; म० रीण। मै० हि० सा० ३-२४ (धन स्थानमे ऋण प्रयोग परिवर्तित देखैत छी); (ऋण लेनिहार आएल अछि)। *ṛṇa*—Debt.

ऋणी ऋणी—वि०। कर्जदार, देनदार, ऋणलेनिहार, आभारी, उपकृत, उपकार माननिहार। [सं० ऋणिन्]। तु० क० हि०, असा०, बं०, ने० ऋणी; प्राकृ० रिणिअ; प० रिणी; गु० रणयुँ; म० रिणी। (ऋणीलोकनिक शीघ्रातिशीघ्र ऋण चुकावथु); (हम अहाँक एहि कार्यक हेतु आजीवन ऋणी रहब)। *ṛṇī*—*Adj.* Indebted, debtor, grateful.

ऋतु ऋतु—हेमन्त, शिशिर, वसन्त, ग्रीष्म, वर्षा, शरद इएह छओ काल विशेष; जाड़, गरमी, वर्षाक आधार पर वर्षक दू-दू मासक फूट-फूट विभाग, स्त्रीक मासिक धर्म; [सं० ऋ + तु]। तु० क० हि०, ने०, अव० ऋतु बं०, असा० ऋतू। गोविन्द श्० १ अमर ५६ (आबय मधु ऋतु मधुर यामिनी कामिनि चित चकोर); मि०। *ṛtu*—Season, monthly discharge of a woman.

ऋतुपति ऋतुपति—ऋतु केर स्वामी, ऋतुमे श्रेष्ठ, वसन्त। [सं० ऋतु + पति]। तु० क० बं०, असा० ऋतुपति। गो० श्० १ अमर १२ (ऋतुपति राति अबहि नव नागरि मीलत श्यामर चन्द)। *ṛtupati*—Lord or husband of Ritu, Spring (Season).

ऋतुपर्ण ऋतुपर्ण—सूर्यवंशीय अयोध्याक राजा, ई नलसँ अश्वविद्या अध्ययन कएने छलाह तथा पाशा आदि खेलक गणना कएनिहार महान पण्डित। [सं०]। तु० क० असा०, ने०, बं० ऋतूपर्ण। (ऋतुपर्ण राजाक चर्चा ज्योतिरीश्वरक वर्णरत्नाकरमे भेटैछ)। *ṛtuparṇa*—A king of Ayodhya.

ऋतुम(व)ती ऋतुम(व)ती—रजस्वला, पुष्पमती, मासिक धर्म युक्ता (स्त्री)। [सं० ऋतु + मतुप + ङीप्]। तु० क० हि०, ने० ऋतुमती; ऋतुवती; बं०, असा० (ऋतूमती। ऋतुमती वा ऋतुवती नारी अपन पतिक स्पर्श नहि करैत अछि मान्य अवधि पर्यन्त)। *ṛtuma(va)tī*—A woman having menstruation.

ऋतुराज ऋतुराज—ऋतुक राजा, वसन्त, [सं० ऋतु + राजन् + टच्]। तु० क० ऋतु पति (दे०)। मि०; (ऋतुराज आज उपगत भेल)। *ṛturāja*—The king of Seasons, Spring season.

ऋतुवर्ण ऋतुवर्ण—ऋतुपर्ण (दे०) केर अशु० रू० वर्ण० ३० (नल, शालिहोत्र, ऋतुवर्ण, अरुण, मालति; रेमन्त, कुवलयाश्व, शल्य आठओ ये अश्वहृदयवेत्ता अधिकाह)। *ṛtuvarṇa*—*Coll.* form of *ṛtuparṇa* (q.v.).

ऋत्विक ऋत्विक—त्रि०। यज्ञ कएनिहार, यजक ओ व्यक्ति जकरा संकल्पक वरण देल जाइछ, अनुष्ठान कर्ता। [सं० ऋत्विज]। तु० क० हि० ऋत्विज; बं०, असा० ऋत्विक, ऋत्विज। मै० हि०

सा० मि० ई० (यज्ञमे ऋत्विक कें माला देलथिन्ह)। *ṛtvika—Adj.* Sacrificial priest.

ऋद्धि **ऋद्धि**—सब तरहें उन्नति, बढ़ती तथा शुभ मंगल समृद्धि। [सं० ऋध + क्तिन्]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० ऋद्धि; पा० इद्धि; प्राकृ० अद्धि, इद्धि; इद्धी; रिद्धि; प० रिद्ध; गु० रीध; सि० एद्धि। राम० ११ (चिरजीवी सन्तति अति ऋद्धि)। *ṛddhi*—Prosperity, all sorts of welfare or progress.

ऋद्धि सिद्धि **ऋद्धि सिद्धि**—गणेश जीक दासी वा खवासिनी, समृद्धि तथा सफलता। [सं०]। तु० क० हि०, ने० ऋद्धि-सिद्धि। (प्रत्येक मनुष्य अपन ऋद्धि-सिद्धिक मनोकामना करैछ)। *ṛddhi siddhi*—Maid-servant of Ganeśa, wealth and success.

ऋषभ **ऋषभ**—बड़द, सङ्गीतक स्वर विशेष, औषधि, मुनि एवं पर्वत विशेषक नाम, श्रेष्ठ। [सं० ऋष् + अभक]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अव०, ऋषभ; पा० उसभ; प्राकृ० उसभ; ओअह; रिसभ; काश्मीरी रिशु; सि० उसब्या। वर्ण० ४७ (षड्ज, मध्यम, गन्धार, निषाद, ऋषभ, धैवत, पञ्चक सातहु स्वरे संयुक्त)। *ṛṣabha*—A bull, a musical tone.

ऋषि **ऋषि**—मुनि, तपस्वी, स्वार्थशून्य एवं ईश्वर-परायण व्यक्ति, तत्पस, आध्यात्मिक एवं भौतिक तत्त्व केर साक्षात्कार कएनिहार, मन्त्रक बलें देखनिहार; गायक। [सं० ऋष् + इन्]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अव० ऋषि, सि० पा० इसि; प्राकृ० इसि रिसि (ऋषिलोकनिक पर्णकुटी एकान्त एवं निर्जन स्थानमे छैन्ह)। *ṛṣi*—A sage, very wise and pious man.

ऋषिकुमार **ऋषिकुमार**—मुनि पुत्र अथवा शिष्य। [सं०]। वर्ण० ४३ ऋषिकुमार देपुअह)। *ṛṣikumāra*—A son or disciple of a Sage.

ऋष्टि **ऋष्टि**—दूनू कात धार युक्त खड्ग वा तरुआरि। [सं० ऋष—क्तिन्]। तु० क० बं० ऋष्टि, प्राकृ० रिट्ठि; म० बीट, इट्टा, विओ; सि० इटि। वर्ण० ६१ (यष्टि ऋष्टि डाड़ उखुस, दण्ड मुशल)। *ṛṣṭi*—A double edged sword.

ऋष्यपाद **ऋष्यपाद**—उञ्चास प्रकारक वायुमेसँ एकक नाम। [सं०]। वर्ण० (५६ अतिमुक्त, युगब्रह्म, ऋष्यपाद सह, सरभ)। *ṛṣyapāda*—Name of a wind among fortynine vāyus.

ऋष्यमूक **ऋष्यमूक**—पर्वतविशेषक नाम, ई दक्षिण भारत मे महाराष्ट्र प्रान्त स्थित प्राचीन पम्पानगर वा पम्पापुरक लगमहक पर्वत जतए रामायण कालक पम्पापुरक राजा सुग्रीव अपन ज्येष्ठ भाइक भयसँ वास करैत छलाह। [सं० ऋष्य + मूक]। तु० क० हि०, बं०, असं० ने० ऋष्यमूक। वर्ण० ५७ (पुष्कर पुण्डरीक, ऋष्यमूक, सुवेल श्री पर्व्वत इन्द्रनील)। *ṛṣyamūka*—Name of a mountain in south India.

ए

ए¹ **ए¹**—मिथिला भाषाक एगारहम स्वर वर्णः एकर उच्चारण कण्ठ आओर तालुक माध्यम सँ होइत छैक। तु० क० बं०, असं०, ने० ए। *e¹*—The eleventh vowel.

ए² **ए²—प्रत्यय**। कर तथा धर धातुसं पर भूत मे प्रत्ययादि अ कें—ए आदेश तथा धातुक र क लोप होइत अछि। ल० वि० ११६ (कएल, धएल, कएलकैक, कएलकन्हि इत्यादि); ओकारान्त धातुसँ पर भूत ओ भविष्यमे अ कें ए आदेश होइछ। ल० वि० ११६ (धोएलक, धोएत, धोएब); पड़ धातुक योगमे सेहो धातुसँ पर आकस्मिक होएब अर्थ मे ए प्रत्यय होइत अछि तथा हो कें भ आदेश होइत अछि। ल० वि० १४४ (एहि वस्तुक कार्य भए पड़त; कखनहु भए पड़ैत अछि); ओकारान्त धातुसँ पर इ कें ए आदेश विकार रूपमे होइत अछि। ल० वि० १४४ (ग) (धोए, बोए); करकें क, धर् कें ध, द् कें द, ल कें ल तथा हो कें भ आदेश ओ ताहि पर इ प्रत्यय कें ए आदेश होइछ, ल० वि० १४४ (कए, धए, लए, दए, भए); पदक अन्तमे ए रहला सन्ताँ गुरु उच्चारण नहि होइत अछि। ल० वि० १५१ (कार्य व ए देखए गेलहुँ); अवधारण ओ समुच्चयमे—ए प्रत्यय लगाओल जाइत अछि। ल० वि० १५२ (मालि + ए = मालिए, अछिए); अवधारणा ओ सम्मुच्चयमे तीनि ओ चारि शब्द सँ पर एवक स्थानमे सामान्यतः ए अबैत अछि तथा इ क लोप होइत अछि। ल० वि० १५५ (तीनिए चारिए); एव तथा अपि (अर्थात् ए) सामान्यतः शब्दक अन्तमे लगाओल जाइत अछि परन्तु स्वेच्छया मिश्र, ठाकुर, चौधरी उपाधिसँ युक्त संज्ञामे नामसँ पर वा उपाधिसँ पर लगाओल जाइत अछि। ल० वि० १५५ (राम मिश्रे चौधरिए, ठाकुरे) क्रिया पदमे जखन एव अपि प्रत्यय लगएबाक होइत अछि तखन धातु सँ पर अब प्रत्यय होइत अछि ओ ताहि अब प्रत्ययान्त सँ पर ए प्रत्यय लगाओल जाइत अछि तथा ताहिसँ पर कर् धातुक अनुप्रयोग होइत अछि आ तकरा परसँ तिङ प्रत्यय अबैत अछि अर्थात धातु ओ प्रत्ययक बीच मे अबेकर शब्द आबि जाइत अछि। ल० वि० १५७ देख + अबेकर + एत अछि = (देखबे करैत अछि); बहुधा अनुप्रयोगक विनहु साक्षात् क्रिया पदक अन्तमे ए प्रत्यय लगाओल जाइत आछि। (बसलाहे अथवा बसबो कएलाह); FML 76, 75, 91. *e²*—Suffix.

ए³ **ए³**—अव्यय। एकर प्रयोग सम्बोधन ओ जोर करबाक हेतु कएल जाइत अछि। [सं० हे]। तु० क० अव०, हि०, बं०, असं०, ने० ए। वि० पदा० मजु० १, राग त० ८६, गु० न० (हर) १, अ० ९१७ (रवि मण्डल परचण्डा कहिअ ए); वि० पदा० मजु० ८, अ० सा० प० पत्रिका ३०, १३०१, न० गु० ६, अ० १००३ (कन्त रम्भ कर लइलन नव ए); गो० श्र० १ अमर २ (ए हरि ... रसाल। विघटित वेश बनाइ पुन भाल); वि० वि० ११ (ए ... मोहि सुनवन नीर); ग्रि०; ग० वि० प० ४१ (जद अदम्ब ए ...

९७-१ (मैया ए) FML 32, चर्च्चा ६ । ४ । e^3—*Ind.* Interjectional word.

ऐं एँ¹—प्रत्यय । छ धातुसँ वर्त्तमानमे सामान्यतः सप्ट तिङ प्रत्यय अवैत अछि विशेष ई जे अहिं प्रत्ययक स्थानमे ऐं प्रत्यय होइत अछि, ओ धातुसँ पूर्व अकार आगम होइत अछि । ल० वि० ११४ (छ्+अहिँ = छेँ); संस्कृत एव ओ अर्पिक स्थानमे ऐं प्रत्ययअहि मे ही अनुनासिक प्रधान शब्दमे लगैत अछि । ल० वि० १५२ (नहिएँ मेहिएँ); विभक्त्यन्त सँ पर पापर धातुसँ–ऐं प्रत्यय लगैत अछि । ल० वि० १५३ (पापर+एँ = पपरें) । $\tilde{e}^1$—Suffix.

ऐं² एँ²—एहि (दे०) केर प्रा० मै० रू० । वि० पदा० मजु० १८२, नेपाल २१५, न० गु० ६२ (सामर सुन्दर एँ बाट आएल); वि० पदा० मजु० २२७ (एँ भरे कुलक गारि); वि० पदा० मजु० ५३६ (आज कन्हायी एँ बाटे आओव); FML 335 (एँ परि रासक मण्डल मेल); FML 429; 474. $\tilde{e}^2$—*Early* Maithili form of *Ehi* (q.v.).

एआमे—ऐयाम (दे०) केर का० रू० । लो० रा० ४५ (एआमे परगट होत इअ); राग० ८२ (एआमे परगट होति) । *eāme*—*Poet.* Form of *Aiyāma* (q.v.).

एइ—एहि (दे०) केर प्रा० मै० रू० तु० क० Sen 116 एइ । वि० ने० बं० २ (जनो हिठिका एइ मति तोरि); FML 409, रघुवंश (पाँचम) ५६ । *ei*—Early Maithili form of *Ehi* (q.v).

एक—वि० । संख्याक प्रथम अंक, प्रथम, पहिल, श्रेष्ठ, बेजोड़, अनुपम, एसकर, सुन्दर, अनिश्चित, तुल्य, अन्य, एक सदृश, एके रँगक । [सं० इण+कन्] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अव०, राज०, पा०, गु०, म०, उ० एक; प्राकृ० एक्क, इको; लहन्दा हेक्क, हिक्की प० इक्क, इक्का, हेको; हिको; उ० एका; भो० एगो सि० एक, इक, गु० एको, उर्दू यक्क, एक । वर्ण० ११ (वइसलि चौपलि एक); गोरक्ष विजय २ (क) (रति एक दिन मेढाव × × = हि अथि); वि० पदा० मजु० ३०, न० गु० तालपत्र २६, अ० २८ (एक ठाम रहू बसी); राग० ८५ (धाओ अनुपम एक वामा); गो० श्रृ० १ अमर २ (अतए प्रमाद कहै नहि पारिय गोविन्द दास एक साखि); मन० कृष्ण० १२ (एक दिन जसोमति निन्द अलसाय); राम० बाल० ४ (एक समय गिरिराज कुमारि); चर्य्या० ३ (एक से हारली सरह नाल); पुरु० १३४ (एहिमे एक दिन विचारुँ कयल); एक सँ एक्कैस < आशीर्वाद, सम्पति-वंश बढ़ओ । *eka*—*Adj.* One, alone, best, first, indefinite number.

एकअनियाँ—एकअन्नी (दे०) केर विशेषण रू० । व्य० वि० । *ekanaiyā̃*—*Adj.* Form of *ekaannī* (q.v.).

एकअन्नी—प्राचीन रुपैयाक सोड़हम हिस्सा, ६ नया प्रमाणक द्रव्य । [एक+प्राकृ० आणा > आना+ई] तु० क० बं०, अस०, ने० एकअन्नी; अस०, बं० एकआनी, एकानी । *ekaannī*—One *ānā*.

एकइश—एकइस (दे०) केर वा० रू० । राम० ५१ (क्षत्रिय क्षय एकइश वार); राम० २३० (एकइश योजन सेतु); राम० ३५० (एकइश गोट मूर्च्छना नाम) । *ekhaśa*—*Coll.* Form of *ekaisa* (q.v.).

एकइ(कै)स—बीससँ एक बेशी । [सं० एकविंशति] तु० क० अव० एकइस । FML 93,367; राम० ५५ (गारव क्षत्रिय एकइस बेरि); नव० १२ (एकसँ एकइस हेतइक) । *ekaisa*—Twenty one, 21.

एकउल्हा—एकचुल्हिवा (दे०) केर मै० पश्चिमी रु० FML 144 (एक कुल्हि) । *ekaulhā*—*Western* Maithili form of *Ekaculhiā* (q.v.).

एक-एक—क्रि० वि० । एक-एक के पृथक कए क, बेराबेरी अथपश्चात, एक केर बाद एक । [सं०] FML 575; एक-एक कए देवन्हि = एक अन्तिम निर्णय कर लेब । *eka-eka*—*Adv.* One by one.

एकक—एक-एक (दे०) केर संयुक्त रु० । अथवा एक केर । वि० पदा० मजु० ३१९; न० गु० तालपत्र ७५, अ० ३ (एकक हृदय अओक न पाओस); राम० १७० (एक एकक कोटि सेना) । *ekaka*—Of one, short form of *eka-eka* (q.v.).

एक्कें—एक-एक (दे०) केर अवहट्ठ रु० । कीर्तिलता ६३ (एक्कें एक्के भेट्टन्ता परारी लच्छी भेट्टन्ता) । *ekakkẽ*—*Avahaṭṭha* form of *eka-eka* (q.v.).

एकओ-एकहु (दे०) केर प्रा० मै० रु० । कीर्ति० ४३ (पढ़ एकओ छुअए न पाइअ); कीर्त्ति० ७०, वि० ने० २३४ (दथि हम खेद एकओ न मेल); वि० पदा० मजु० १२, राग त० ८, न० गु० (हर) ४, अ० ११३ (एकओ न जान तुअ आदि मरमे); चन्द्र ११० (सभ मत सुनि लेल एकओ न फल मेल) FML 362. *ekao*—*Early* Maithili emph. form of *eka* (q.v.).

एककइ—एक-एक (दे०) केर प्रा० रू० । वर्ण० ३५ (एककइ गल लारि) । *ekakai*—*Old* form of *eka-eka* (q.v.).

एककालीन—वि० । एककाल सम्बन्धी, समकालिक । [एक काल+ईन] । तु० क० बं०, अस० एककालीन । (एककालीन समयक कविक चर्चा समान रूपें करब आवश्यक) । *ekakālīna*-*Adj.* Relating to one time, contemporarys.

एकगोट(ए)—वि० । एकटा वा एक (मनुष्य) । [एकगोट+ए] । तु० क० कतगोट । आमक० २८ (एकगोटए कें पत्र लिखने रहथि) । *ekagoṭa*(e)–*Adj.* One particular (man).

एकगोटिया—खाट वा पलंग केर पहिल बेरक घोराइ कें वा भत्ताकें दक्षिणी भागलपुरमे एकगोटिया कहल

जाइछ । [एकगोट + इआ > इया] । तु० क० दुगोटिया; चरगोटिया; ओरचन, एकजोरिया । B. P. L. 639. *ekagoṭiyā*—Bed made of one string is called *ekagoṭiyā*.

एकगोला—समस्त बस्ती वा समाज एकतापन्न होयब । दुगोला आदि नहि रहब । मि० भा० वि० १३७ । *ekagolā*—Absence of disunity in society.

एकघरा—वि० । स्वतुल्य दोसरा घरसँ रहित गाममे बसनिहार (दी०); अर्थात जाहि गाममे बसल अछि ओहिगाममे ओ अपन जाति वा अन्य प्रकारेँ एकसर । मि० भा० वि० १३७; मै० न० सा० ८४; सहोदर ३ । *ekagharā—Adj.* Alone in status or group (Mulagrāma) (q.v.).

एकघरिआ—एकघरा (दे०) केर हीनार्थक प्रयोग । बहुधा डोमकेँ एकघरिआ कहल जाइछ । [एक + घर + इआ] । (एकघरिया त हमरा गाममे केओ नहि छथि) । *ekaghariā*—Non-h. form of *Ekagharā* (q. v.).

एकचारा(री)—वि० । पृथक एकेटा चारसँ बनल घर, वा असओरा, एकचारी ओ चारी असओरा सेहवान सेहो कहबैछ । [एक + चार + आ (ई)] । तु० क० बं० एकचारी; दोसचारा; दोचारी; एकपलिया; दोपलिया BPL 1245; मधुश्रावणी १; नव० ६६ (मनसाक हेतु एकचारी) । *ekacārā(rī)—Adj.* A house single thatch.

एकचित—वि० । एकाग्र, स्थिरमन, शान्त चित्त, एकटक । [सं०] । तु० क० अस० एकचित्त । (एकचित सँ समस्त पुस्तक पढ़ि गेला) । *ekacita—Adj.* With fixed niud, intent upon one thing.

एकचुल्हिआ—वि० । एक मुँहवला चुल्हा जाहि पर कोनो एके तरहक पाक कएल जाए सकैछ । [एक + चुल्हि + आ] । IAL Turner 120-2503; (एकचुल्हिआ पर जल्दी भानस चढ़ा दियौक) । *ekaculhiā—Adj.* Stove with one oven.

एकचोइ—एकचोपा (दे०) केर लु० रू० । वर्ण० २३ (एकचोइ दो चोइ धन, पलरा) । *ekacoi—Obs.* form of *ekacopā* (q.v.).

एकचोपा—तम्बूक एक प्रभेद (दी०); जाहिमे एकेटा चोप रहैछ । [एक + चोप] । *ekacopā*—Tent having single pole.

एकच्छ(छ)त्र—वि० । सार्वभौम (राजा); मात्र एक राजा द्वारा कएल गेल शासन । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, राज० एकछत्र; पा० एकच्छत्र; प्राकृ० एकच्छत्त; सि० एकसत । वि० पदा० मजु० १३; न० गु० (हर) ३८, अ० ९४५ (राय सिवसिंघ एकछत्र राज) । *ekac(ch)atra—Adj.* Sovereign (rule).

एकछ(छ)ा छोहा—वि० । मिश्रित नहि, अगबे एक वस्तु (बहुधा धान्यादि); विशुद्ध एक वस्तु [एक + छेत्र (छाहा)] । मि० भा० प्रकार ३४ । *ekachā(chā)hā—Adj.* not mixed, of pure variety.

एकजनिआँ—वि० । एकहि टा जनक लेल खाट, चौकी (पाक पात्रादि) [एक + जन + इआ] । (एकजनिआँ बर्तन तथा खाट तात्कालिक किनल अछि) । *ekajaniā̃—Adj.* Fit for one person (bed, utensil).

एकजाति—वि० । अभिन्न जाति, एक धर्मक समान आकृतिक सजाति, समान जति । [एक-जाति] । तु० क० बं० एकजाति, असाज्ज ति । (हमरा लोकनि एकजातिक पत्र नहि लेब) । *ekajāti—Adj.* Of the same caste or religion.

एकजिदिया—वि० । सुराह, एके वस्तु पर जोर देनिहार, अपन जिद पर अटल रहनिहार । [एक + जिद + इआ < इया] । तु० क० एकबोलिया । मै० न० सा० १०१ । *ekajidiyā—Adj.* One who is firm upon his whim, one-track minded, obstinate.

एकजुतिआ—वि० । जाहिमे एक व्यक्तिक जुति हो (दी०), जाहिमे एक व्यक्तिक अलावा अन्यक हस्तक्षेप नहि होइक । [एक + जुति + इआ] । मि० भा० वि० । (एकजुतिया कार्य उत्तम जकाँ सम्पादित होइछ) । *ekujutiā—Adj.* In which only one man prevails.

एकज्योति—उच्चास प्रकारक वायुमेसँ एक केर नाम । ल० प्र० । [सं०] । वर्ण० ५६ (एकज्योति उभयज्योति) । *ekajyoti*—Name of one of the traditional, forty-nine Vayus (q.v.).

एकटक—क्रि० वि० । निर्निमेष ताकब, बिना पलक खसओने देखब, ध्यानसँ ताकब, अपलक । [एक + टक] । मन० कृष्ण० २२ (एकटक नन्द तनय मुख ताक); राम० ३१५ (एकटक देखल रूप निहारि); लाल० राम० ११४; प्रय० २०५ (एकटक निहारय ...) । *ekaṭaka—Adv.* To look intently.

एकटकिया—वि० । एक रुपैयाक (नोट वा द्रव्य) । [एक + टाका + इआ] ससरफानी १५३ । *ekaṭakiyā—Adj.* Of one rupee (coin or note).

एकटङ्गा(ङ्गा)—वि० । एक टाङ्गक स्थिति वा ठाढ़ । [एक + टाङ्ग + आ] । (एकटङ्गा देब) = एक टाङ्ग पर ठाढ़ रहब, दीनतापूर्वक प्रार्थी होएब, उपासना करब, ... *ekaṭaṅā(ṅgā)—Adj.* [Standing on one foot.

एकटा—वि० । एक, कोनो एक अनिश्चित वस्तु एककेर विशेष रूप । [एक + (गो?)टा] । तु० क० ... एकेटा । राम० ३१ (वत्स करक थिक एकटा ...) (एकटा अनुपम वर आयल छथि); राम० ८६ ...

मारि), प्रण० ४ (एकटा फाजिल धोती रहय); चित्रा १२ (सड़लि घोड़ीक एकटा पक्षा कैलन्हि); पुरु० ६२ (सकल मनोरथ स्थान एकटा बेटा); ग्रि०; (एकटा सुनब दसटा कहब)। *ekaṭā—Adj.* One, a particular (thing).

एकटोव **एकटार**-पृथक महासनादिक परस्पर सम्बन्ध (दी०); अन्य अथलाह वस्तुक सम्पर्क वा एक सेभर सब वर्णक लोक एकठाम खाय-पिबए लागब। *ekaṭāra*—Mingling of different communities in eating etc.

एकटंगा **एकटंगा**—एकटङ्गा (दे०) केर विक० रू०। रङ्ग० ६५ (जड़बत जकाँ एकटंगा देने ठाढ़ छी)। *ekaṭāgā—Alt.* Form of *ekaṭaṅgā* (q.v.).

एकट्ठा **एकट्ठा**—क्रि० वि०। एकत्रित, मिलल, गोसबारा, [सं० एकस्थ]। तु० क० बं० एकठाइँ; प्राकृ० एगत्थ, एगट्ठम; प० इकट्ठ; अको; इकट्ठा; उ० एकाठि; हि० एकधा एकठा; इकट्ठा; गु० एकठु। मो० २८-२६-६१ (जहाँ दश पण्डित एकट्ठा भेलहुँ); द्विरा० ६१ (अपना ओहिठाम एकट्ठा करक चाहै छथिन्ह); अम० ३७ (एकट्ठा करबाक मन्त्र);ग्रि०। *ekaṭṭhā-Adv.* Joinly in one place, together.

एकठहुरी **एकठहुरी**—क्रि० वि०। एकमुष्ट, एकहि बेरमे [एक+मुष्टि अथवा ठहरब, ठौर, ठहुरी]। एकठहुरी (एकटा उठा लिय)।*ekaṭhahurī—Adv.* At a time.

एकठा **एकठा**-एक काठक बनाओल (नाओ) (दी०); [एक+काठ]। (एकठा नाओ पर चढ़ि धार पार कएलहुँ); BPL 35. एक बात पर अड़ल परम सैद्धान्तिक लोकके सेहो एकठा नाओ कहल जाइत छैक कारण एक काठ वला नाओ मे कतहु भूर नहि होइत छैक जाहिसँ भीतर पानि जाइक। *ekaṭhā*—A boat made of one piece of wood.

एकठाम **एकठाम**—क्रि० वि०। एकत्रित, एकट्ठा, मिलल, साभी, गोसबारा, एक स्थान पर। [एक+ठाम]। तु० क० बं० एकठाँइ। राम० १५२ (कपट रहित मिलि मिलि एकठाम); प्रण० ३५ (एकठाम हमरो तेहन भयङ्कर सरकार भेल), पुरु० १६४ (एकठाम कय अमृत सौं सिक्त कयल)। *ekaṭhāma—Adv.* In one place, joint, together.

एकढ़बा **एकढ़बा**—वि०। एकाढ़ (दे०) केर बा० रू०। (एकढ़बा बानर चार पर सभटा सजमनि खाए गेल); (हिनका लोक एकढ़बा बानर बना देने छैन्हि सबसँ जकरा लोक फुद्दा देलक)। *eka ḍhbā--Adj. Coll.* form of *ekāḍha* (q. v.).

एकतरफा **एकतरफा**—वि०। एकदिसाह, एके दिसिसँ, दोसर दिसिसँ नहि। [फा०]। तु० क० अस० एकतर्फा; एकतरफा; उर्दू एकआदिआ। खट्ट० ११७ (अहाँ एकतरफा फैसला करैत छी); प्रण० १२८ (मुद्दइ पार्टीके एकतरफा डिग्री भेटि गेलैक)। *ekatara phā-Adj.* Pertaining to one side, one-sided.

एकता **एकता**—ऐक्य; मेल, सँहति, अभेद। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० एकता; पा० एकत्त; सि० एकतु। राम० १७६ (मेल एकता देह सभ); नव० ३६। (ई कथा बिनु एकता आ बिनु धर्मक कोना सत्य हएत?)। *ekatā*—Unity, Identity.

एकतान **एकतान**—वि०। एकाग्र चित्त, तन्मय, लीन, व्यस्त। [सं०]। तु० क० एकतानी हि०, ने० एकतान। (एकतानसँ भाषण दैत रहलाह)। *ekatāna—Adj.* Concentrated, attentive.

एकताब **एकताब**—क्रि० वि०। पूर्ण जोशसँ, बिना कोनो व्यवधान आ कि विश्राम कए कार्य। [एक+ताप>ताओ (अग्नि)? अथवा फा०]। कान्ति ५१। *ekatāba-Adv.* With enthusiasm and without any break.

एकतारा **एकतारा**—एक तारवला सितार वा बाजा। [एक+तार+आ]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० एकतारा। व्य० वि० ३८५ (चर्म, एकतारा)। *ekatārā*—One stringed musical instrument.

एकताल(ली) **एकताल(ली)**—वि०। संगीतक १२ मात्रा-वाला ताल विशेष, लगातार। [सं०]। तु० क० अस०, बं०, ने०, राज० एकताल। वर्ण० ४८ (निसारु, परिताली एकताल्ली); (एक-ताल सँ संगीत होइत रहल)। *ekatāla(lī)—Adj.* Musical note for tone of 12 mātrās.

एकतालिस **एकतालिस**—वि०। चालिस आओर एक, चालिससँ एक बेसीक, गणना। [सं० एकचत्वारिंशत]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अव० राज० एकतालिस, एकतालीस; पा० एकत्तालिसं; प्राकृ० इगयाल; इआलिस; सि० एकेतालीह; लहन्दा इक्ताली; पं० अकताली; उ० एकचालिस; म० एकताल; ओलिस उर्दू एकचालिस। FML 369, 375 *ektālisa—Adj.* Forty-one, 41.

एकतालिसम **एकतालिसम**—वि०। एकतालिस केर संख्या वा स्थान। [सं० एकचत्वारिंशतम्]। मि० भा० विद्योतन ५३। *ekatālisama—Adj.* The number or place of 41.

एक तिल **एक तिल**—वि०। एको तिल सदृश अर्थात् एको रत्ती नहि। [सं०]। तु० क० ए रत्ती (दे०), एकमिसिआ (दे०);। (तिल एक सघन जघन रव करइछ)। *eka tila-Adj.* Not even a bit slight.

एकतिस **एकतिस**—वि०। एकतिस संख्या बोधक शब्द, तीस आर एक संख्या। [सं० एकत्रिंशत्]। तु० क० बं०, हि०, अव० एकतिय; हि० इकतीस; सि० एकटिट; लहन्दा; इकत्री. प० इकत्तरी, इकत्ती; उ० एकत्रिस। FML 368. *ekatisa—Adj.* Thirty-one, 31.

𑒋𑒏𑒞𑒱𑒮𑒧 **एकतिसम**—वि०। एकतिस केर संख्या वा स्थान। [सं० चकत्रिंशततम्] मि० भा० वि० ५३। *ekatisama —Adj.* The number or place of thirty-one.

𑒋𑒏𑒞𑒳𑒩𑒱𑒂 **एकतुरिआ**—वि०। एकवयस्क (दी०), समान वयस्क केर वा समवयस्क। [एक + तुल्य > तुर + इआ]। (एकतुरिआ सभ अपन फराके एकटा दल बनओलक)। *ekaturiyā —Adj.* Of the same age, of equal age.

𑒋𑒏𑒞𑓂𑒫 **एकत्व**—एक होएब, एकता, एकताक भाव, एसकरुआ [सं०]। तु० क० अस०, बं०, हि० एकत्व; पा० एकत्त; सि० एकतु; ओतुव। (हमरासभमे एकत्वक भाव उत्पन्न करब अहाँक कार्य थिक)। *ekatva*—Unity, identity, oneness.

𑒋𑒏𑒞𑒢𑓂𑒞𑓂𑒩 **एकतन्त्र**—एकच्छत्र, एक राजा द्वारा शासन। [सं०]। तु० क० हि० एकतन्त्र। (एकतन्त्र राज्य विरले भेटत)। *ekatantra—Adj.* Monarchy.

𑒋𑒏𑒞𑒢𑓂𑒞𑓂𑒩𑒲𑒨 **एकतन्त्रीय**—वि०। एक राजा द्वारा अनुशासित (राज्य)। [सं०]। मिहिर ? (२-६२-८०)। *ekatantriya—Adj.* Monarchic.

𑒋𑒏𑒠𑒢𑓂𑒞 **एकदन्त**—वि०। एक दाँत बला, गणेशक नाम। [सं०]। तु० क० हि०, राज० एकदन्त; अस० एकदन्त। अमर १० (एकदन्त, हेरम्ब, लम्बोदर)। *ekadanta—Adj.* Who has one tooth, name of Ganesh.

𑒋𑒏𑒠𑒧 **एकदम**—वि०। नितान्त (दी०), अत्यन्त, अत्यधिक, शीघ्र, जल्दी। [एक दम]। तु० क० बं० एकदम; हि० उर्दू एकदम। छट्ट० ६ (एकदम मौलिक); पारो २७ (मोसम्मात बला विषय बुझि एकदम अंठिया दैत गेलैक); ग्रि०। *ekadama—Adj.* Whole-heartedly, completely, at once.

𑒋𑒏𑒠𑒧𑓂𑒧 **एकदम्म**—एकदम (दे०) केर बा० रू०। श्री जगन्नाथ पुरी यात्रा २०; रङ्ग० ६६ (हमरा लोकनिकेँ एकदम्मे बिसरि गेलाह)। *ekadamma—Coll.* form of *Ekadama* (q.v.).

𑒋𑒏𑒠𑒰 **एकदा**—क्रि० वि०। एक समय, एक बेर। [सं०]। तु० क० अस०, हि०, बं०, ने० एकदा। पुरु० १७३ (एकदा सूर्य ग्रहण काल)। *ekadā—Adv.* Once upon a time.

𑒋𑒏𑒠𑒰𑒨 **एकदाय**—एकदाक प्रा० लु० रू०। वर्ण० २८ (से एकदाय नायक काँ शरीर लागि गउ)। *ekadāya—Obs.* form of *ekadā* (q.v.).

𑒋𑒏𑒠𑒱𑒢𑒰 **एकदिना**—वि०। एक दिनमे सम्पन्न भेनिहार। [एक + दिन + आ]। मि० भा० वि० १४०। *ekadinā—Adj.* Which ends in a day.

𑒋𑒏𑒠𑒱𑒮𑒰𑒯 **एकदिसाह**—क्रि० वि०। एक तरफा (दी०); एक दिसि सँ, एक पक्षसँ एकभग्गू, पक्षपाती, एक दिसि झुकल वा टेढ़। [एक + दिशा + आह]। (ओ एकदिसाह गारि देने चल जाइत छथिन्ह)। *ekadisāha—Adv.* One sided.

𑒋𑒏𑒡𑒰 **एकधा**—अव्यय। एक प्रकार, एक तरहक ... [सं०]। तु० क० बं० एकधा। अलयी कुल प्रकाश ३६ ... *—Ind.* In one way.

𑒋𑒏𑒢𑒱𑒭𑓂𑒚 **एकनिष्ठ**—वि०। जकरा एक पर श्रद्धा वा निष्ठा हो, एकाग्र। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० एकनिष्ठ। अम० ३२५। *ekaniṣṭha—Adj.* Who has devotion upon one, determined, concentrated.

𑒋𑒏𑒢𑓂𑒞 **एकन्त**—एकान्त (दे०) केर का० रू०। गो० ... १ अमर ४६ (एतहु विपद रहय एकन्त। गोविन्ददास कह लाज ने अन्त)। *ekanta—Poet.* form of *Ekānta* (q.v.).

𑒋𑒏𑒢𑓂𑒢𑒲 **एकन्नी**—एकअन्नी (दे०) केर वि० रू०। मिहिर ६ (२-६१-५१)। *ekannī—Alt.* form of *ekaannī* (q.v.).

𑒋𑒏𑒣𑒙𑓂𑒙𑒰 **एकपट्टा**—वि०। एक पाटक ओढ़ना विशेष। [भोज० एक + पाट + आ]। तु० क० एकपलिया; दो पट्टा। (एकपट्टा कार्य नहि चलत); डा० उ० ना० ति० ७५। *ekapaṭṭā—Adj.* Wrapper of single-piece.

𑒋𑒏𑒣𑒩𑒞𑒰𑒩 **एकपरतार**—वि०। कोनो एक समय (दी०)। [एक + प्रस्तार]। एकपरतार विदेशिया गीत खूब चलल रहैक। *ekaparatāra—Adj.* At one time.

𑒋𑒏𑒣𑒩𑓂𑒝𑒰 **एकपर्णा**—अठारह पतिव्रता नारीमे सँ एकक नाम। [सं०]। वर्ण० ५६ (आदिति, दिति, एकपर्णा, रुक्मिणी, रोहिनी)। *ekaparṇā*—Name of one of the proverbially known eighteen chaste women.

𑒋𑒏𑒣𑒪𑒱𑒨𑒰 **एकपलिया**—सजगाक अर्थ मे। छोट लोकक ग्राम्य बोली। [एक + पल्ला + इआ]। तु० क० एकपट्टा। BPL 1254; तु० क० एकपल्ला। *ekapaliyā—Folk* form, a thin cotton wrapper.

𑒋𑒏𑒣𑒰𑒠 **एकपाद**—उत्तान वा उतान होएबाक सोड़ आसन मे सँ एकक नाम। [सं०]। तु० क० बं० एकपादा। वर्ण० २६ (एकपाद; अर्द्धपाद, कर्कटक)। *ekapāda—*Name of a yogic exercise.

𑒋𑒏𑒣𑒰𑒠𑒰 **एकपादा**—एकपदारिक मन्त्र जाहिमे एके पाद होइक [सं०]। वर्ण० ४१ (एकपादा दण्डपादा, समकर्त्तरी ...)। *ekapādā—Adj.* Name of one-syllabled charm or spell.

𑒋𑒏𑒣𑒱𑒚𑒱𑒨𑒰 **एकपिठिया**—वि०। पीठे पर जन्म लेनिहार (बच्चा)। बहुधा अपना जेठ छोटक विचार नहि कए जे नजर ... सँ उपरा-उपरी करैछ, एक पृष्ठ लिखल कागज। [एक + पीठ + इआ]। तु० क० अस० एकपिठिया। मिथिलादर्शन ६-४ ... एकपिठिया जकाँ होइत रहै अछि); (एकपिठिया मे गेलैक ...)

ṭhiyā—Adj. Who is like one born nert and behaves as an equal.

𑒋𑒏𑒣𑒳𑒩𑒳𑒭𑒱𑒁𑒰 **एकपुरुषिआ**–वि०। एक पुरुष योग्य धनादि (दी०); जकरा वंशमे बहुत पुश्तसँ एके पुरुष समाङ होइत हो, एक सन्तति क्रम। [एक+पुरुष+इआ]। (एकपुरुषिआ वंश नीक नहि)। *ekapuruṣiā—Adj.* Which has had single progeny generation after generation.

𑒋𑒏𑒣𑒹(𑒣𑒻𑒿)𑒛𑓃𑒱(𑒩𑒱)𑒁𑒰(𑒨𑒰) **एकपे(पैँ)ड़ि(रि)आ(या)**-वि०। एकगोटाक योग्य चलबाक संकीर्ण रास्ता (दी०), दूरी कम करयवला संक्षिप्त मार्ग। [एक+संपथ>पेड़ा+इआ]। मिहि० ३७–२८–१२ (लगक रास्ता एकपेँ या छलैन्हि); मि० भा० प्रकाश ३४ (एकपेड़िया एकपेड़िया); हिरा० १११ (ताहि द्वारें सब्क छोड़ि एकपेड़िया धैल गेल); नव० ११ (टीसन दिशुक एकपेड़िया धप-लन्हि)। *ekape(pẽ)ḍi (ri) ā(yā)—Adj.* Which path is fit for one man, only a narrow foot path.

𑒋𑒏𑒤𑒏𑓂𑒏𑒰 **एकफक्का**—आधा फाँक कएल (सुपारी) (दी०)। [एक+फाँक+आ]। (एकफक्का सुपारी नेने आएब)। *ekapkakkā—Adj.* Halved betel nut.

𑒋𑒏𑒤𑒮𑒱𑒪𑒰(𑒪𑒲) **एकफसिला (ली)**—वि०। एक बेर उपजनिहार खेत वा वृक्ष। [एक+हि० फसल+आ (ई)]। BPL 803 (एकफसिली अम धीक); (ओ खेत एकफसिला अछि)। *ekaphasilā(li)—Adj.* Land or tree which produces only once in the year.

𑒋𑒏𑒥𑒑𑓂𑒒𑒰 **एकबग्घा**—क्रीडा-विशेष (दी०)। [एक+बाघ+आ]। *ekal agghā*—A kind of play.

𑒋𑒏𑒥𑒙𑓂𑒙𑒲 **एकबट्टी**—भनसा घरसँ लए भोजनस्थली पर्यन्त एक गोटे चलबा योग्य पानिसँ नीपल वा सिक्त पवित्र मार्ग। [एक+बाट+ई]। *ekabaṭṭī*—A passage purified with water from the kitchen to the dining place.

𑒋𑒏𑒥𑒙𑒱𑒨𑒰 **एकबटिया**—वि०। एकबट्टी क विक० रू०। (स्त्रिगणलोकनि भातृ-द्वितीया दिन भोरे उठि एकबटिआ नीपैत छथि)। *ekabāṭṭyā—Adj.* Alt. of *Ekabaṭṭi.*

𑒋𑒏𑒥𑒙𑓂𑒙𑒴 **एकबट्टू**—वि०। जकरा दोसर बाट नहि हो। [एक+बाट+ऊ]। *ekabaṭṭū—Adj.* Having only one way or track; track fit for one man.

𑒋𑒏𑒥𑒞𑒩𑒱𑒁𑒰 **एकबतरिआ**—वि०। एक वयसवला (दी०), समवयस्क, समान वयस केर। [एक+बतारी+आ]। (दूनू पितियौत भाइमे विशेष स्नेहक कारणे वयसमे एक दोसरा सँ जेठ रहितहुँ एकबतरिआ जकाँ होइत रहैत छन्हि)। *ekabatariā—Adj.* Of same age.

𑒋𑒏𑒥𑒡𑒰 **एकबधा**—वि०। सौंसे बाधमे एक सजाति मेलेँ जेना एकबधा मूग, एकबधा मकै। [एक+बाध]। *ekabadhā—Adj.* Having same crop throughout the *bādha* (q. v.).

𑒋𑒏𑒥𑒩𑒐𑒰(𑒐𑒴) **एकबरखा(खू)**—वि०। एक वर्षक निर्मित, एक वर्ष रहनिहार (दी०)। [एक+वर्ष>बरख+आ(ऊ)]। (ई मचान एकबरखा भेल)। *ekabarakhā(khū)—Adj.* That which has lasted a year.

𑒋𑒏𑒥𑒰𑒩 **एकबार**—अखबार (दे०) केर वा० रू०। तु० क० उर्दू फा० अखबार। मि० भा० कोष ३.; (एकबार कने जल्दी आनब)। *ekabāra—Coll.* form of *akhabāra* (q.v.).

𑒋𑒏𑒥𑒰𑒪 **एकबाल**—तेज, प्रभाव, प्रताप, भाग्य, सौभाग्य, नीक भाग्य। [अर० इकबाल]। तु० क० हि०, उर्दू इकबाल। (एकबाल छलैन्ह हुनकर जे मरैत-मरैत बचलाह)। *ekabāla*—Luck, prosperity.

𑒋𑒏𑒥𑒰𑒯𑒱 **एकबाहि**—वि०। एक दिशा वा भाग झुकल, एकलगाह। [एक+भाग>बाहि]। FML 522. *ekabāhi—Ajj.* Leaning on one side.

𑒋𑒏𑒥𑒼𑒪𑒱𑒁𑒰 **एकबोलिआ**—वि०। जे बोल मुँह सँ बहराए गेल ताहिपर दृढ़ रहनिहार, एके बात पर अड़ल रहनिहार (व्यक्ति); जिद्दी, सिद्धान्तक पक्का। [एक+बोल+इआ]। *ekaboliā—Adj.* Who sticks to what one heppens to speak once.

𑒋𑒏𑒦(𑒑𑓂𑒑𑒰)𑒯(𑒑𑓂𑒑𑒴) **एकभ(ग्गा)ह(ग्गू)**—एक भाग झुकल (दी०)। [एक—भाग+आहि]। तु० क० एकबाहि मृच्छकटिक २१६। *ekabhagāha(ggū)*—Bent on one side.

𑒋𑒏𑒦𑒳𑒏𑓂𑒞 **एकभुक्त**—संयम पूर्वक व्रतादिक हेतु एके साँझक भोजन। मि० ३८१ (हुनका सबहिकेँ एकभुक्त हृदिम्य भोजन)। *ekabhaukta*—Fast of taking one time meal.

𑒋𑒏𑒦𑒴𑒧𑒱 **एकभूमि**—(मल्लयुद्धक) अखड़हा। ल० प्र०। [एक+भूमि]। वर्ण० ४५ (तदन्तर एकभूमि भेओ)। *ekabhūmi*—Wrestling ground.

𑒋𑒏𑒧𑒞 **एकमत**—वि०। एक वा समान मतक, एक विचार केर। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज० एकमत। चन्द्र० ३३९ (एकमत बनि रहू); मो० ९८–१२ (सम्पूर्ण गामबासी एकमत भै बालकलोकनिकेँ पढ़ाबी); नव० ११ (ताहिमे सभ एकमत छल)। *ekamata—Adj.* Having the sa e mind upon one object.

𑒋𑒏𑒧𑒞𑒱𑒁𑒰 **एकमतिआ**-वि०। एकछिहा वा समान विचार रखनिहार। [एक+मति+इआ]। तु० क० सोभमतिया। मि० भा० विद्योतन ८३७। *ekamatiā—Adj.* Who has fixed or similar views.

𑒋𑒏𑒧𑒞𑓂𑒨 **एकमत्य**—एकमत (दे०) केर वा० रू०। आमक०

१६ (एहि विषयमे एकमत्य होएब कठिन)। *ekamatya*—*Coll.* form of *ekamata* (q. v.).

एकमसिआ **एकमसिआ**—वि०। एक मासक जनमल नेना (दे०)। [एक+मास+इआ]। मि० भा० वि० ६२ (एकमसिआ नेनाक हेतु विशेष कष्ट उठबए पड़ैत छैक)। *ekamasiā*—*Adj.* (A child) of one month.

एकमस्सू **एकमस्सू**—एकमसिआ (दे०) केर विक० रू०। मि० भा० वि० ६२। (एकमस्सू नेना सन देखबा मे नहि लगैछ)। *ekamassū*—Alt form of *Ekamasiā* (q.v.).

एकमहला **एकमहला**—वि०। एक महलक (दी०), (कोठा)। [एक+महल+आ]। मि० भाषा कोष ३७ तु० क० उर्दू एकतल्ला, एकमहल। *ekamahalā*—*Adj.* Having one storey only.

एकमान **एकमान**—सईस, एक्काकेँ चलओनिहार। [एक्का+वान]। प्रण० २५५ (एकमान कहलकैन्ह), प्रण० २५६ (आब एकमानो अड़ि गेलैन्ह)। *ekamāna*—*Ekka* (q.v.) driver or owner.

एकमात्र **एकमात्र**—वि०। दोसर नहि, केवल एक। [सं० एक+मात्र]। तु० क० बं०, अस० एकमात्र। मि० उद० १५१–१८ (मैथिलीक एकमात्र साप्ताहिक पत्र इएहटा अछि); आमक० १८ (एकमात्र भाइ हुनका सँगे आएल रहथिन्ह)। *ekamātra*—*Adj.* Only one.

एकमुखी **एकमुखी**—वि०। एकमुँह बला (रुद्राक्ष)। [एक+मुख+ई]। तु० क० हि० एकमुखी। (एकमुखी रुद्राक्ष)। *ekamukhī*—*Adj.* Having one face (*Rudrākṣa.*)

एकमुहिया **एकमुहिया**—वि०। एकोन्मुख (दी०), एके दिस सभटा मुँह कएल। [एक+मुह+इआ]। (क्रम देखैत छी एकमुहिआ भए गेल छैक)। *ekamuhia*—*Adj.* One-sided.

एकमोनी **एकमोनी**—वि०। कच्ची अठतालिस सेर प्रमाणक तौल वा बटिखारा। [एक+मोन+ई]। मि० भा० वि० २८२। *ekamonī*—*Adj.* Which is of one *maund* (q.v.) weight.

एकम्मा **एकम्मा**—वि०। पृथक लटकल मात्र एक आम। [एक+आम+आ]। मि० भा० कोष ३७ (एकम्मा मे निशान साधि कए मारू जे टुटिकए खसि पड़ए)। *ekammā*—*Adj.* Which is a separately hanging single mango.

एकर **एकर**—सर्व०। एहि (वस्तुक) तथा हिनकर केर अनादरार्थक रूप। वि० ने० ११४ (नागरि करब एकर जए); मन० कृष्ण० ५ (एकर उचित फल पयबह काली); राम० २६६ रंग एकर लगइछ नीक); चन्द्र० ३६ (पाप की एकर सन अछि जग); मै० हि० सा० (मि० ई०) ३ (एकर तीन विभाग छल)। *ekara*—*Pron.* Of this and Nonh. form of *Hinakara* (q.v.).

एकरङ्गा **एकरङ्गा**—वि०। वस्त्र विशेष [illegible] लाल अथवा एक वर्ण केर (वस्त्र), विशेष कए सालू [illegible] रँगलाहा सूतसँ तैआर (कपड़ा)। [एक+रङ्ग+आ]। [illegible] ए रङ्ग। मो० ११–११ (एकरङ्गा अस्तर लगवाद [illegible] ३४ (ताहि दिन ककरो सासुर सँ एकरङ्गा अबैक)। *ekaraṅgā*—*Adj.* Of one (red) coolured (cloth).

एकरत्ती **एकरत्ती**—क्रि० वि०। एकदम अल्प, कनिएँ सँ कनिएँ, एको मिसिआ। [एक+रत्ती]। तु० क० बं० एकरत्ती। (एकरत्ती दही जोरनक हेतु पठा देब)। *ekaratti*—*Adv.* Extraordinarily little, infinitesimal.

एकरदन **एकरदन**—एक दाँतबला गणेश। [सं०]। तु० क० हि०; राज० एकरदन। गौरी स्वयम्बर ६ (लम्बोदर करिवदन एकरदन अभिराम); ग० प० १५ (एकरदन गणनाथ प्रणत)। *ekaradana*—Gaṇesha, son of Shiva.

एकरहि(हु) **एकरहि(हु)**—एकर (दे०) केर निश्च० रू०। मो० १७–८ (एकरहि बुझथि बड़ा यन्त्र)। *ekarahi(hu)*—*Emph.* form of *ekara* (q.v.).

एकरा **एकरा**—एकर (दे०) केर विक० रू०। प्रण० ६५ (एकरा छोड़ि क तोरे पर चढ़ि जेबौक); नव० ५ (सगौरव एकरा स्वीकार कएलक); मि० उद० १५७–१७ (एकरा प्यूलासँ (पिउलासँ) वलिष्ठ भए जाएब)। *ekarā*—Alt. form of *ekara* (q.v.).

एकरार **एकरार**—इकरार (दे०) केर विक० रू०। मि०। *ekarāra*—*Alt.* form of *ikarāra* (q. v.).

एकरि(री) **एकरि(री)**—एकर (दे०) केर प्रा० स्त्री० रू०। वर्ण० २३ (एकरी अनुपति); वर्ण० २४ (चार पाँच एकरि अनुगति); *ekari(ri)*—*Early* Maithili form of *ekara* (q.v.).

एकरेँ **एकरेँ**—एकर (दे०) केर प्रा० मै० रू०। वर्ण० १३ (एकरेँ संयोगेँ ल (गा) ओल); FML 400. *ekareṁ*—*Early* Maithili form of *ekarahu* (q. v).

एकरो **एकरो**—एकरहु (दे०) केर बा० रू०। मिहि० उद० १५८–७ (एकरोफल परिपाटी झलकै लागल)। *ekaro*—*Coll.* form of *ekara* (q.v.).

एकल **एकल**—वि०। एसकर वा एसगर, एकमात्र, अद्वितीय, दोसर केओ नहि, मात्र एक गोटए। लु० रू०, का० रू० [illegible] एकल्ल]। तु० क० हि०, बं०, अस०, राज०, ने०, अव० एकल; प्राकृ० एक्कल्ल; इक्किल; लहन्दा इक्कुल; पं० अकल्ल: इकल्ल; उ० एकला; म० एकला; सि० एकलो; गु० एकल; एकलुँ; [illegible] गु० एकलउँ। गो० वि० ७ (ख) (बहुल कामिनी एकल [illegible] ने० ४४ (एकल भमर बहुत कुसुम कमन ताहि रि [illegible] (एकल विक्रमादित्य सन्ध्या समय) *ekala*—*Adj.* only one

एकलखत **एकलखत**—वि० [illegible]

सदृश; समतुल्य । [एक+लेखा+त] । मि० भा० कोष ३७ । *ekalakhata—Adj.* Equal.

एकलव्य **एकलव्य**—एकटा भील जातिक युवक जे आचार्य द्रोणाचार्यक प्रतिमाकेँ गुरुक सदृश मानिकए तथा अपन समक्ष राखि धनुर्विद्या प्राप्त कएलक आ गुरु द्वारा गुरु दक्षिणा मँगला पर अपन दहिना हाथक आँठा काटि कए दए देलकन्हि । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० राज०, अव०, एकलव्य । (एकलव्ये भ गेल अछि) = एकलव्यक समान बुद्धिमान ओ साहसी शिष्य बनब । *ekalavya*—Name of devoted disciple of Dronacarya.

एकलि **एकलि**—एकल (दे०) केर स्त्री० लु० रू० । वि० पदा० मजु० ६०, नेपाल १६७; तालपत्र न० गु० २०६, अ० २०७ (एकलि नारि कत अनुरंजव); वि० प० मजु० ८३; तालपत्र न० गु० २६१, अम० २८६ (वन छल एकलि हरिणी); गो० स्व० १ अमर १३ (एकलि निकुंज धनि फुल शर नर-नर पन्थ निहारथ तोरा) । *ekali—Fem.* obs. form of *ekala* (q v.). a way.

एकलेखे **एकलेखे**—क्रि० वि० । एकगोटेक मत वा विचार सँ, एक तरहेँ । [एक+लेखा+हि] । *ekalekhe—Adv.* In

एकलेब **एकलेब**—वि० । एक बेर लेबल (दी०)। [एक+लेबब] । *ekaleba—Adj.* Single coated.

एकल(लेँ)य **एकल(लेँ)य**—एकार मात्राक चिन्ह । मि० भा० कोष ३७; FML 26 । *ekala(lĕ)ya*—Mark of the mātrā of *ekāra.*

एकवचन **एकवचन**—व्याकरण मे ओ वचन जाहिसँ एककेर बोध वा ज्ञान होइक । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असं०, राज०, अव०, ने० एकवचन । द्विरा० ११५ (बुच्चीदाइ केँ एकवचन बहुवचन बुझावय लगलथिन्ह । *ekavacana*—Singuler number.

एकवट्टी **एकवट्टी**—एकबट्टी (दे०) केर विक० रू० । प्रण० ६० (भाव एकवट्टी क नेने अविऔन); वैदेही १४–१७१ (एकवट्टी दिशसँ एलनहि); अगिलही ३० । *ekavaṭṭī—Alt.* form of *ekabaṭṭi* (q.v.).

एकवर्ण **एकवर्ण**—वि० । एक रँगक वा एक समान, एक वा समान प्रकारक । [सं०] । तु० क० बं० एकवर्ण । (ई फूल सभटा एकवर्णक अछि) । *ekavarṇa—Adj.* Coloured of equal veriety.

एकवर्षिआ **एकवर्षिआ**—वि० । एक वर्ष मे उत्पन्न मेनिहार वा एक वर्षक नेना । [एक+वर्ष+इआ] मि० भा० वि० ६२ । *ekavarṣiā—Adj.* One year old (child).

एकवर्षू **एकवर्षू**—एकवर्षिया (दे०) केर बा० रू० । मि० भा० वि० ६२ । *ekavarṣū—Coll.* form of *ekavarṣiyā* (q.v.).

एकवार **एकवार**—एकबार (दे०) केर विक० रू० । नव० ११० (केवाड़ी खोलने एकवार बैसल छलाह); नव० ६ (गोड़ तिनिएक एकवारो आवय लागल रहइ) । *ekavāra—Coll.* form of *ekabāra* (q.v.).

एकविसओ **एकविसओ**—एकइस (दे०) केर प्रा० मै० रू० । FML 367 । *ekavisao—Early* Maithili form of *ekaisa* (q.v.).

एकश्रम **एकश्रम**—उन्चास प्रकार वायुमेसँ एक केर नाम । लु० रू० । [सं०] । वर्णं० ५६ (एकश्रम समित, सित, जित, नत) । *ekaśrama*—Name of a vayu among forty-nine vayus.

एकश्वरे **एकश्वरे**—एकसर (दे०) केर अशु० बा० निo रू० । कन्या २७ (मायमे सेहो एकश्वरे छथि) । *ekaśvare—Err. Coll.* Emph. form of *ekasara* (q.v.).

एकसओँ **एकसओँ**—वि० । एकसम, बराबरि, अनुच्चावच्च, समतल । [एक+सम>सओँ] । तु० क० हि० एकसाँ । मि० भा० कोष ३७; FML 512. *ekasaõ—Adj.* Plain, not uneven and low.

एकसठि **एकसठि**—वि० । साठि आ एक एकसठि, साठि सँ एक बेशी संख्या । [सं० एकषष्ठि] । तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अव०, राज० इकसठ; एकसठि; प्राकृ० एगसट्ठि कातो एकहठ सिंहा० एकहठि लहन्दा, पं० इकाहठ; पं० अकाहट उ० एकसठि; गु० एकसठि; FML 371. *ekasaṭhi—Adj.* Sixty-one, 61.

एकसट्ठिम **एकसट्ठिम**—वि० । एकसठि संख्याक अंक वा स्थान वस्तु । [सं० एकषष्ठितम्] । मि० भा० वि० ५४ । *ekasaṭṭhima—Adj.* Sixty-first.

एकसर **एकसर**—वि० । असकर, असगर, एकाकी । [एक+ईश्वर] । तु० क० बं०, अव०, ने० ४४ (एकसर उग चन्दा); वि० पदा० मजु० ६८, न० गु० तालपत्र ३७१ अ० ३६८ (एकसर मनमथ दुइ जिव मारए); मन० कृष्ण० २१ एकसर नहि सँग कुल परिवार); राम० १३२ (एकसर अयलहुँ हमरा समाज); पुरु० १६० (एकसर नहि निर्णय करी, इष्ट कृत्य विधि जानि)) मि०;FML 262; (एकसर बृहस्पतियो झूठ)=एक गोटे सँ किछु नहि भए सकत । *ekasara—Adj.* Alone, not with another.

एकसरि **एकसरि**—एकसर (दे०) केर स्त्री० रू० । तु० क० बं०, एकसरि । वि० ने० १६६ (हमे एकसरि पियतम नहि गाम); वि० पदा० मजु० ११५; तालपत्र नव० गु० ५०७, अ० ५१४ (की हमे साँझक एकसरि तारा); राम० ६८ (एकसरि अहँ कहँ छथि पहिपाल); चित्रा ६ (एकसरि नहु नहु विमल आकाश सँ) । *ekasari—Fem.* form of *ekasara* (q. v.).

एकसरिये **एकसरिये**—एकसरि (दे०) केर निश्च० रू० ।

चन्दा झा ओ प्रकृति प्रेम ५; कन्या० ११ (फुलमतिया एकसरिये अछि)। *ekasariye—Emph.* form of *ekasari* (q. v.).

𑒋𑒏𑒮𑒩𑒹 **एकसरे**-एकसर (दे०) केर वा० नि० रू०। मो० ७१-३५ (सब कार्य राक्षस एकसरे करैत छलाह); चित्रा ५२ (एकसरे अछि ठाढ़ तारक गाछ)। *ekasare—Coll. Emph.* form of *ekasara* (q.v.).

𑒋𑒏𑒮𑒰𑒪𑒰 **एकसाला** —वि०। एक सालक (वस्तु), एक वर्षक। [एक+साल+आ]। मि० भा० वि० ६२ BPL 803 **एकसलिया**। *ekasālā—Adj.* (A thing) of one year.

𑒋𑒏𑒮𑒱𑒓𑓂𑒒𑒰 **एकसिङ्घा**—वि०। बड़दक एकटा सिंघ टूटल, जाहि बड़दक एकटा सिंघ टूटल होइक, सिंघट्टा। [एक+सिंघ+आ]। BPL 1108; (एकसिंघा बड़दक चालि त देखू)। *ekasiṅghā —Adj.* (A bullock) with only one horn.)

𑒋𑒏𑒮𑒱𑒩𑒰 **एकसिरा**—अण्कोशक रोग विशेष जाहिमे एक भागक सिर फुलि जाइछ। [एक+शिरा]। *ekasirā*—One-sided swelling in testicles.

𑒋𑒏𑒮𑓀𑒗𑒰 **एकसंझा**—वि०। एक बेरुका भोजन पर भरि दिन वा राति रहब (रविव्रत) जाहि मे विना नोनक सङ्ग अपराह्न मे भोजन कयल जाइत अछि। [एक+साँझ+आ]। तु० क० प्राकृ० **एगासण** गु० एकासणुँ; सिहा० एकहणो। एकभुक्त (दे०) व्य० वि० ३२३ (केओ एकसन्झे करैत छथि); मधुश्रा० ११। *ekasainjhā —Adv.* Eating only once a day.

𑒋𑒏𑒮𑓀𑒦𑒩 **एकसंभर**—एकटार, एक दोसर अपवित्र वस्तु सँ सम्पर्क वा छूति। [एक+संभर]। मि० भा० कोष ३८ (अइँठ काँठ कात क राखू नहि त एकसंभर भए जाएत)। *ekasambhara— —*Contamination with an impure thing.

𑒋𑒏𑒯𑒏 **एकहक**—वि०। एक एक, अलग-अलग, बेरा-बारी। [एक+ए(ह)क]। एहि शब्दक एकक (दे०) सेहो रूप होइछ। मन० कृष्ण० ३६ (दुइ कृष्णक विच एकहक नारि); नव० १०२ (तकरा एकहक टाकँ छोड़ाबड लागल)) *ekahaka—Adj.* One by one, consecutively.

𑒋𑒏𑒯𑒞𑓂𑒞𑒩𑒱 **एकहत्तरि**—वि०। सत्तरिसँ एक वेशी, सत्तरि एक एकहत्तरि। [सं० एकसप्तति]। तु० क० हि० एकहत्तर; बं०, एकहत्तरि, प्राकृ० एकहत्तरि; काती एकसत्थ; सिहा० एकहत्तरि; लहन्दा इकत्तर; पं० इकहत्तर; अ० हो; उ० एकस्तरि; ओतुरि; गु० एकोतेर; म० एकेहुत्तर। FML 372; 76? अम० २१ (एकहत्तरि उक्त दिव्य युगक)। *ekuhattari—Adj.* seventy one 71

𑒋𑒏𑒯𑒞𑓂𑒞𑒩𑒱𑒧 **एकहत्तरिम**—वि०। एकहत्तरि संख्याक वस्तु वा स्थान वा अङ्क। [एकसप्ततितम्]। तु० क० प्राकृ० **एकसत्तरिम**। मि० भा० वि० ५४। *ekahattarim—Adj.* (A thing, place or point) of the number seventy]one.

𑒋𑒏𑒯𑒟𑒰(𑒟𑒲)(𑒟𑒴) **एकहथा(थी)(थू)**—वि० जकरा एक हाथ होइक वा एक हाथ वला मनुष्य; जे वस्तु [illegible] उपयोग करए। [एक+हाथ]। वर्ण० ११ ([illegible] दोहथा); FML 62; 510. *ekahatha* [illegible] —*Adj.* One-handed, which is handled by [illegible] man only.

𑒋𑒏𑒯𑒢[1] **एकहन[1]**—वि०। अन्न रखबाक विभिन्न विभाग मे सँ एक भागक नाम, एक हन्ना, अन्न रखबाक स्थान वा विभाग। [एक+हन्ना <खाना> हन्न+हन]। FML 263, *ekahana*[1] —*Adj.* (Room for a) single species of grain.

𑒋𑒏𑒯𑒢[2] **एकहन[2]**—एकहन बीआ जाहिमे एके तरहक अन्न होइक। [एक+अन्न]। *ekahana*—Seeds of the same quality of paddy.

𑒋𑒏𑒯𑒩𑒰(𑒩𑒲) **एकहरा(री)**—वि०। छोट-छीन, [illegible] केर, विशेष भारी नहि, ने विशेष पातर ने मोट। [एक+हर (हर—अंश)]। FML 266; मिहिर ३८-३६-११ (देह एकहरा; एकहरा गेना फूल देखबा मे बढ़िया नहि लगैत छैक); (एकहरी पथिआ)। *ekaharā(rī)—Adj.* Single, thin.

𑒋𑒏𑒯𑒰𑒟 **एकहाथ**—वि०। एक हाथ प्रमाणक (अन्तर)। [एक+हाथ]। वर्ण० ३३ (निर्म्मलि चमोजा एकहथ तंका परिचले वाटि)। *ekahātha—Adj.* of one hand (measure).

𑒋𑒏𑒯𑒰𑒩𑒰 **एकहारा**—एक तरहक वस्तु (दी०); एक प्रकारक वस्तु। [एक+हरा]। एकहरा (दे०) क विक० (ई सभटा एकहारा। गेना थिक) तु० क० हजारा। *ekahārā*—of one kind, single thin Equal status.

𑒋𑒏𑒯𑒱(𑒯𑒱𑒿) **एकहि(हिँ)**—एक (दे०) केर निश्च० रू०। वि० पदा मजु० १४, रामभद्रपुर पोथी १८७ एकहि जनने इन्द्र आन); वि० पदा० मजु० २५५ (एकहि नगर वसु माधव रे जनु कर बटमारी); राम० २७ (एकहि ठाम देख पड़त नरेश); मि० रद० १५८-१६ एकहि बेरि कलव रोपि); FML 315, *ekahi(hi)* —*Emph.* form of *eka* (q.v.).

𑒋𑒏𑒯𑒳 **एकहु**—एक (दे०) केर निश्च० रू०। वि० पदा० मजु० ११२, राग त० ८१; न० गु० ४७५, अ० ४८३, [illegible] एकहु भवन वसि दरसन बाध); राम० ३७ (एकहु जनक [illegible]) लहतैन्हि); FML 577. *ekahu—Emph.* for[illegible] (q.v.).

𑒋𑒏𑒯𑒳𑒪𑓂𑒪𑒰 **एकहुल्ला**—वि०। [illegible] निर्वाध घास आदि खएलक तेँ मोटाएल, मस्त। [एक+[illegible]—आ]। *ekahullā—Adj.* Which is brought up undisturbed by the presence of others.

𑒋𑒏𑒯𑒹𑒛𑓃𑒱𑒂 **एकहेड़िआ**—वि०। [illegible] एक हेड़ वा जेरमे रहनिहार। [एक+हेड़ [illegible]]

३८; (एकहेड़िआ बच्चा सभक ताल तउ देबू)। *ekaheḍiā—Adj.* Gregarious.

एकहो(हों)क—एकहक (दे०) केर बा० रू०। वर्ण० ३३ (तलवारि एकहोंक कसने); वि० पदा० मजु० ३३; न० गु० तालपत्र १५; अ० ६० (दुअओ नयन लइ एकहोंक लाख)। *ekaho(hõ)ka—Coll.* form of *ekahaka* (q.v.).

एकत्र—क्रि० वि०। एक सङ्ग जमा, अर्जन, सङ्गठन, एकट्ठा। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असo, ने०, अव० एकत्र। मि० उद० १५८-७ (जेना विश्वविद्यालयक हेतु धन एकत्र भेल); पुरु० २६ (ततय एकत्र संग्राम प्रवेश); प्रण० १५६ (प्रयोजनीय वस्तु एकत्र कैला उत्तर); नव० ६२ (चारिटा छओँडा एकत्र भैल आ नाक मे कउड़ी बान्हिकेँ हिनका लोकनिकेँ बड़ला देलकन्हि)। *ekatra—Adv.* In one place, together, gathered.

एकत्रित—वि०। एक सङ्ग मिलल, जमा कएल, उपार्जित, सङ्गठित, एकट्ठा कएल। [एकत्र+इत]। तु० क० हि०, बं०, असo, ने० एकत्रित। मि० १७० (सभ एकत्रित अछि)। *ekatrita—Adj.* Together, gathered.

एका—एक (दे०) केर का० रू०। एकता। चन्द्र० ७ (तोहीँ एका सर्वाधार)। *ekā—Poet.* form of *Eka* (q.v.), unity.

एकाइ(इँ)—संख्याक तालिकाक प्रथम अङ्क, एकसँ लए एकसए धरिक गणना। [एक+आइ]। एकसँ नओ धरिक संख्या जे एक अङ्क मे लिखल जाए। FML 380. *ekāi*—The first digit in the table of numbers.

एकाओन—एकावन (दे०) केर बा० रू०। FML 370. *ekāona—Coll.* form of *ekābana* (q.v.).

एकाएक—क्रि० वि०। अकस्मात, अति-शीघ्र, चटपट, अचानक [फा० यकायक]। तु० क० हि० एकबारगी, बं० एकबारे। वि० पदा० मजु० १ रागत० ६१; न० गु० (हर) १, अ० ६११ (एकाएक सहस को धारिनि); मि० ३६६ (मन्दिरक द्वारसभ एकाएक चटपट्ट बन्द भ गेल (छल); प्रण० ८१ (आइ एकाएक चिनगारी प्रकट भ गेलैन्ह); नव० ५० (मैन्टल एकाएक भक द बरि उठलइ)। *ekāeka—Adv.* Suddenly, by chance.

एकाएकी—क्रि० वि०। एक एकक क्रमसँ, एक-एक कएकेँ। [एका+एक+ई]। तु० क० हि०, बं०, असo, ने०, अव०, राज० एकाएकी। (सभगोटए मन्दिर सँ एकाएकी बहराइत गेलाह)। *ekāekī—Adv.* One by one, by turn.

एकाकार—एक आकार भए जाएब, मिलि जाएब, मिश्रित होएब, मिमड़ होएब, एकरूपता। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असo ने०, राज० एकाकार। प्रण० ४२ (कागज मे सटि कए एकाकार भ गेल छलैक)। *ekākāra*—Mixture, having the same form.

एकाकिनि(नी)—एकाकी (दे०) केर स्त्री० रू०। राम० ३२६ (चिन्ता एकाकिनि मन बाढ़ि पुरु० २३३ (ततय एकाकिनि रानी महाधीर वन मे); रङ्ग ६४ (परञ्च एकाकिनि महिलासँ की कहल जाओ)। *ekākini(nī)—Fem.* form of *ekākī* (q.v.).

एकाकी—वि०। एकसर, दोसर गोटएक संग नहि, एके गोटए, असहाय। [सं० एकाकिन्]। तु० क० हि०, बं०, असo, ने० अव०, राज० एकाकी। राम० १६६ (एकाकी कानन बसथि); चन्द्र० १६० (एकाकी घन कानन अयलहुँ), मि० उद० १५६-१५ (एकदिशि एकाकी दुर्बल ब्राह्मण); पुरु० २२० (एकाकी नर धनवान); म० वि० १३५ (वर एकाकी धन नहि धाम)। *ekākī—Adj.* Alone, helpless.

एकाग्र—वि०। जकर ध्यान एक दिश गड़ल हो, चञ्चलतारहित, निश्चल, जकर चित्त एकमे लीन हो, निरत, एक दिश स्थिर। [सं० एक+अग्र]। तु० क० हि०, बं०, असo, ने०, अव० राज० एकाग्र। राम० १२ (मन एकाग्र सुजप हम कयल); प्रण० १६७ (मन कैँ एकाग्र नहि कए सकलाह); रङ्ग ६७ (हम एकाग्र चित्तसँ निर्निमेष दृष्टि जगैत रहलहुँ)। *ekāgra-Adj.* Concentrated on one thing.

एकाग्रता—निश्चिलता, निश्चितता, एक दिश चित्त वा ध्यान होएबाक भाव, तल्लीनता, ध्यानावस्था, चित्त केर स्थिर होएब। [सं० एकाग्र+तल—टाप्]। तु० क० हि०, बं०, असo, ने० राज० एकाग्रता। मि० उद० १५७-२० (ताहि काल एकाग्रता के कारणे); खट्ट० ५७ (जहाँ एकाग्रता तथा मनः शुद्धिक प्रश्न छैक)। *ekāgratā*—Concentration.

एकाङ्की—एक अङ्क बला नाटक। [एक+अङ्क+ई]। मि० १ (एहि एकाङ्की)। *ekānkī—Adj.* One act play.

एकाङ्गी—वि०। एक अङ्गक। [एकाङ्ग+ई]। वि० पदा० मजु० १५४, न० गु० १३ अ० १०२४ (कुठ एकाङ्गी एकल धीर)। *ekāngi*—One limbed, one-sided.

एकाटार—एकसम्भर, परस्पर सम्बन्ध (दी०)। एक+टारब वा टार]। मि० भा० कोष ३८ अपवित्र वस्तुक सङ्ग आनो वस्तु एकाटार भए रहल अछि)। *ekāṭāra*—Contaminated with an impure thing.

एकाढ़—जेर फुट्टू मुख्य बानर। [एक+सं० अर्ह]। (दी०)। *ekāṛha*—A misguided chief monkey.

एकातपत्र—वि०। एकाधिकार। [सं०]। *ekātapatra—Adj.* Sovereign.

एकात्मक—वि०। एक आत्माक, एक अङ्ग द्वारा संचालित (सरकार)। [सं०]। मिहि० ११ (३-६२-११६); (एकात्मक सरकार नेपाल मे अछि)। *ekātmaka—Adj.* Unitary.

एकादश—वि०। एगारह, दस आ एक। [सं०]।

तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, राज०, अव० एकादश; प्राकृ० एकादसि; गु० एगियरसि; पा० एकादस; उ० एगार प्रा० गु० इग्यार, गु० अग्यार; म० अक्रा; सि० एकोलस; एकोलस; लहन्दा याहरौं; पं० यारौं; गियारौं; अव० गेरा। ग्रि०; आमक ६२ (सावित्री एकादश श्रेणीक छात्रा)। *ekādaśa—Adj.* Eleven.

एकादशा(ह)—कोनो व्यक्तिक मृत्युक एगारहम दिन मे कएल गेल कृत्य वा श्राद्ध। [सं०]। तु० क० हि० एकादशा। मि० उद० १५७–१५ (एकादशाह ओ द्वादशाहक कार्य); खट्ट० २५ (एकादशा पर्यन्त कैँ नहि छोड़ी)। *ekādaśa (ha)*—The *śraddha* ceremony which occurs on the eleventh day after the date of death.

एकादशि—एकादशी (दे०) केर का० रू०। राम० बालकाण्ड ४ (एकदशि तिथि कय उपवास)। *ekādaśi—Poet.* form of *ekādaśī* (q.v.).

एकादशी—प्रत्येक चान्द्र मासक कृष्ण पक्ष वा शुक्ल पक्षक एगारहम पवित्र व्रतयोग्य तिथि। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० एकादशी। मि० उद० १५८–२२ (विगत पौष शुक्ल एकादशी); दश० ६१ (परसू एकादशीक उपवास); पारो ३२ (पौसी के एकादशी रहैन्ह); चित्रा ५७ (आधुनिक विज्ञानसँ यदि बाढ़ि तेँरा बुझि पड़इ एकादशी माहात्म्य)। *ekādaśī*—The eleventh day of a lunar fortnight.

एकादस—एकादश (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० ३७५ (प्रथम एकादस दइ पड़ु गेल)। *ekādsa—Poet.* form of *ekādaśa* (q.v.).

एकाधिकार—वि०। पूर्ण प्रभुत्व, अक्षुण्ण अधिकार, कोनो वस्तु व्यापार कार्य देश आदि पर एकमात्र अधिकार। [सं० एक + अधिकार]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० एकाधिकार। रंग ८० (अपन एकाधिकार स्थापित कएने छलाह)। *ekādhikāra—Adj.* State of being in supreme power.

एकानबे—वि०। नब्बेसँ एक वेशी, [सं० एकानवतिः]। तु० क० बं० एकानइ; एकानब्बइ; प्राकृ० एकाणउइम; काती अकनमय; ने० एकानबे; सि० एकानवे; लहन्दा एकानबे; पं० इकाणमे; ओण्वेँ; अकानवेँ उ० एकाणोइ; एकाणोइ; अव० इक्यानबे; हि० एकानबे; गु० एकाणुँ; म० एक्याण्णव। FML 373. *ekānabe—Adj.* Ninety-one, 91.

एकानेक—क्रि० वि०। एकसँ अनेक होएब। [एक + अनेक]। वि० पदा० मजु० १, राग त० ८६, न० गु० (हर), अ० ६११ (एकानेक सहस की धारिणी अरि रंगा पुरनन्ती)। *ekāneka—Adv.* Countless forms from one.

एकानौसे—वि०। एक सए एकानबे। [सं० एकनवतिशत]। FML 376. *ekānause—Adj.* One hundred ninety-one.

एकान्त—वि०। निर्जन, जतय ककरो आब नहि होइक वा नहि रहैत हो। [सं० एक + अन्त]। तु० क० हि०, बं०, अस०, एकान्त; पा० एकन्त; प्राकृ० एगन्त, हि० एकन्त एकान्त। राम० ९८ (अपने बितु नहि रहथि एकान्त); मि० हि० ... (एकान्त स्वार्थपरता छाड़ि); मि० उद० १५७–१६ (एकान्त निर्जन शक्ति प्रसाद प्रार्थिनी मेलि छलिहि); प्रण० ६८ (एकान्त ... जेवाक ई प्रथमे अवसर छलैन्ह); पुरु० १६५ (यावत एकान्त अपेक्षा तकितहि छलाह); पारो २१ (अपने घरि जखन एकान्त पर्ड़)। *ekānta—Adj.* Solitary, alone, most lonely spot.

एकान्तर—क्रि० वि०। एक केर अन्तर अर्थात् एक-केर बाद दू नहि, तीन; एकव्यवहित, तृतीय; एक पुरुष व्यवधान युक्त। [सं० एक + अन्तर]। तु० क० बं० एकान्तर; म० एकाँत्रा। (कोनो स्त्रिगणक एकान्तर पुरुष बच्चा केर बाद स्त्री बच्चा जनमैत छैक)। *ekāntara—Adv.* Alternately.

एकान्तहि—एकान्त (दे०) केर निश्चा० रू०। राम० १२४ (एकान्तहि कर जोड़ी); नव० ६४ स्तौल एकान्तहि ने ककरो सुनबाक थिक)। *ekāntahi—Emph.* form of *ekānta* (q.v.).

एकान्तिक—एकान्त (दे०) केर का० रू०। तु० क० बं० एकान्तिक। चन्द्र० ३१२ (कैलह नहि एकान्तिक ध्यान); मिहि० ३६–२४–८ (जीवन यात्रामे एकान्तिक ओतेक भार स्वरूप नहि प्रतीत होइत छैक)। *ekāntika—Poet.* form of *ekānta* (q.v.).

एकान्ती—कनफुसकी, लोक समसँ हटि कम जोरसँ गप्प करब। [एकान्त + ई]। कन्या० २८ (हटि कए एकान्ती करए गेलाह) नव० ४२ (हुनक भागिन सेहो ताहि एकान्तीमे अपन कानकेँ भिड़ओने छलाह)। *ekāntī*—Whisper, aside, talk secretively.

एकाबन—वि०। पचाससँ एक वेशी, पचास आ एक एकाबन। [सं० एकपञ्चाशत् अथवा प्राकृ० एकावण्ण]। तु० क० हि० एक्यावन, ने० एकावन; प्राकृ० एगावण्ण; सिन्धी० एकवञ्जाह; लहन्दा इक्वञ्ज; पं० इक्वञ्जा; उ० एकावन; म० गु० एकावन। *ekābana—Adj.* Fifty-one, 51.

एकाबनम—वि०। एकावन अङ्कक वस्तु स्थान वा संख्या [सं० एकपञ्चाशम्]। मि० भा० वि० ५३। *ekābanama*—The thing, place or number of fifty-one.

एकार¹—मिथिला मे एकलेँक मात्रा द्वारा ... एकलेँ (दे०) क चिन्ह। [सं०]। तु० क० बं०, अस०, ने०, एकार मि० भा० वि० ६६; मि० भा० प्र० ४४। *ekāra¹*—The letter e, the mark of *e* (in Mithilākṣara).

एकार²—तिरस्कारमय वचन ... [रिकार]। (एकार मारि सभ सङ्ग गप्प करब उचित नहि ...

—Non-h. coll. addressing of (someone).

𑒋𑒏𑒰𑒩𑒰𑒿 **एकाराँ**—एक समय। [एक (दे०)] वर्णं० ५३ (मांस एकरां चला)। *ekārā*—One time, once.

𑒋𑒏𑒰𑒩𑒱 **एकारि**—वि०। जकर चारू दिशि जजाति कटल हो, एहन जजातिबला खेत। [एक + आरि]। मि० भा० कोष ३८; (चारू दिशिक खेतक धान कटने हमर खेत एकारि मे पड़ि गेल)। *ekāri—Adj.* Which has corn fields reaped on all sides but its own corn lies unreaped.

𑒋𑒏𑒰𑒩𑒹𑒿 **एकारेँ**—[एकाकारेण < एकारेण > एकारेँ]। चर्या० ११/२। *ekārẽ*—

𑒋𑒏𑒰𑒩𑓂𑒝𑒫𑒰 **एकार्णवा**—स्त्री०। जलमग्न, प्रलय पयोधि, सवर्ण ओ अजातिक एकठाम खान-पान होएब। [सं० एक + अर्णव]। तु० क० बं० एकार्णव पु०। पारो ४५ (पृथ्वी एकार्णवा बुझि पड़थिन्ह)। *ekārṇavā—Fem.* Over-flooded so that distinctness is lost.

𑒋𑒏𑒰𑒩𑓂𑒟 **एकार्थ**—क्रि० वि०। एक अर्थ वा भाव। [एक + अर्थ]। मि० १ (मण्डल शब्दक एकार्थ मेने)। *ekārtha—Adv.* One or same meaning.

𑒋𑒏𑒰𑒫𑒪𑒲 **एकावली**—एक प्रकारक अलंकारक नाम, एक प्रकारक मौतिक एकतार बला हार वा मालाक नाम, एक स्त्रीक नाम। [सं० एक + अवली]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अव० राज० एकावली; एकवलि। वर्णं० ४ (सुता एकावली); अमर १४२ (एकावली मुक्ता हारक नाम); (एकावली परिणय)। *ekāvalī*—A single stringed necklace, a figure of speech, name of a woman.

𑒋𑒏𑒰𑒬𑓂𑒩𑒧 **एकाश्रम**—सम्मिलित आश्रम वा परिवार, एक परिवार। [एक + आश्रम]। मौ० ९७-९३ (एकाश्रम मे निर्वाह करताह से नहि)। *ekāśrama*—Joint family.

𑒋𑒏𑒰𑒮𑒢 **एकासन**—लगातार आसन पर बैसब, एक बैसबाक मुद्रा। [एक + आसन]। राम० १०१ (एकासनसंस्थित सुर रङ्ग)। *ekāsana*—One seat, one mood of seating.

𑒋𑒏𑒰𑒮𑒲¹ **एकासी¹**—वि०। अस्सी सँ एक बेसी, अस्सी आ एक। [सं० एकाशिति]। तु० क० हि० इक्यासी; असं० एकाशी; बं० ने० एकासी; प्राकृ० एकासीई काती अकाशिय, सि० एकासी; लहन्दा, पं० इकासी; अव०, उ० एकासी गु० म० इक्यासी। FML 375 नव कुसुम ६७। *ekāsī—Adj.* Eighty-one, 81.

𑒋𑒏𑒰𑒮𑒲𑒧 **एकासीम**—वि०। एकासी संख्याक वस्तु वा स्थान [एकाशीतितम्]। मि० भा० वि० ५४। *ekāsīma—Adj.* Place or thing at number eighty-one.

𑒋𑒏𑒰𑒯 **एकाह**—वि०। एके दिनुक पाठ [पाठ, अनुष्ठान अशौच]। जेना सुन्दरकाण्डक एकाह पाठ। [सं०]। *ekāha*—Lasting one day (religious vow etc).

𑒋𑒏𑒰𑒯𑒳𑒞 **एकाहुत**—एक भाग झुकल, एकभगाह। [एक + आहुत]। वीर कन्या ३६। *ekāhuta*—Bent towards one side.

𑒋𑒏𑒰𑒏𑓂𑒭 **एकाक्ष**—वि०। कनाह। [सं०]। *ekākṣa—Adj.* One-eyed.

𑒋𑒏𑒰𑒏𑓂𑒭𑒩 **एकाक्षर**—वि०। एक अक्षरक वा आखरक। [एक + अक्षर]। तु० क० बं० एकाक्षर। मौ० १०३-२४ (जे एकाक्षर ज्ञान देनिहार व्यक्ति कैँ गुरू बुझैत छल ह); (एकाक्षर मात्र)। *ekākṣara—Adj.* One letter.

𑒋𑒏𑒱¹ **एकि¹**—एक (दे०) केर प्रा० रू०। वि० पदा० मजु० १४३, न० गु० तालपत्र ७६७; मि० ३२, अ० ७६८ (सपना एकि सखि देखल मोयँ आज)। *eki¹—old poet.* form of *eka* (q.v.).

𑒋𑒏𑒱² **एकि²**—एक (दे०) केर स्त्री० रू०। वि० पदा० मजु० ५३८, न० गु० तालपत्र १७४ (एकि आ अवलहु न आएल पासे)। *ekī²—Fem.* form of *eka* (q.v.).

𑒋𑒏𑒱𑒏𑒱𑒁𑒞 **एकिकिअत**—सबटा कैँ एकमे मिलाएब, मिश्रित करब, एकीकरण। [सं० एकीकृत्य]। चर्या० १७/१। *ekikiata*—To make into one; uniting.

𑒋𑒏𑒲𑒏𑒩𑒝 **एकीकरण**—एकमे मिलएबाक क्रिया, एकट्ठा करबाक कार्य। [सं०]। तु० क० बं० एकीकरण। (सभ वस्तुक एकीकरण उपरान्त कार्य प्रारम्भ होएबाक चाही)। *ekīkaraṇa*—The act of making one.

𑒋𑒏𑒳 **एकु**—एक (दे०) केर प्रा० तु० का० रू०। तु० क० अव० एकु। चर्या० ८ (कोहि मागें एकु हिअहि समाइ)। *eku—old.* Obs. poet. form of *eka* (q.v.).

𑒋𑒏𑒳𑒧𑒝𑒰 **एकुमणा**—एक तरहक वा समान मन वा विचार [सं० एकमनः]। चर्या २३/२। *ekumaṇā*—Same thinking, equal thinking, like-minded.

𑒋𑒏𑒹 **एके**—एक (दे०) केर वा० ओ का० नि० रू०। वि० ने० ७४ (एके अवला दे कुपित पञ्चावन); वि० ने० २१४ (एके पए विधाता मोर, सम कए सामिन सिरजल तोर); राम० १५० (देह दुइ एके जन जीव); चर्या० २८/६; मौ० ९७-८ (एके शास्त्र पढ़ैत छथि); मि० उद० १५७ ८ (किन्तु कर्मसँ एके गोटे); प्रण० ६ (एके बेरि जे देतैक से खा लेब); नव० १२ (एके परिवार मध्य दुइक भोजनक प्रबन्ध रहइन्ह)। *eke—Coll.* and poet. form of *eka* (q.v.).

𑒋𑒏𑒹𑒙𑒰 **एकेटा**—एकटा (दे०) केर निश्च० रू०। तु० क० असं० एकेटा। प्रण० १११ (परन्तु एकेटा रहए तखन ने)। *eketā—Emph.* form of *ekaṭā* (q.v.).

ए्केलि **एकेलि**—एकलि (दे०) केर प्रा० लु० रू०। चर्या० २८/३। *ekeli—old* obs. poet. form of *ekali* (q.v.).

ए्केले **एकेले**—एकल (दे०) केर प्रा० लु० का० रू०। चर्या० ३९/५। *ekele—old* Obs. poet. form of *ekala* (q.v.).

ए्केहिँ **एकेहिँ**—एके (दे०) केर निश्च० रू०। राम० १९ (एकेहिँ वेरि अनुराग बढ़ाओल)। *ekehĩ—Emph.* form of *eke* (q.v.)

ए्केँ **एकेँ**—एकटा (दे०) केर प्रा० वा० रू०। वर्ण० ६ (एकेँ अपूर्वे विश्वकर्माभे)। *ekẽ—Old.* Coll form of *ekaṭā* (q.v.).

ए्कैस **एकैस**—वि०। बीससँ एक अधिक, बीस आ एक। [सं० एकविंशति]। तु० क० हि० इकीस, प्राकृ० एगविसा; एआइस; एक्कविसई, प० इक्की; लहन्दा एक्की; सि० एकहि; उ० एकाइस अव०, बं० एकौस; गु०, म० एक्कीस। मि० भा० कोष ३८। *ekaisa—Adj.* Twenty-one, 21.

ए्कैसम **एकैसम**-वि०। एकैसक पूरक। [कएविंशतितम्]। तु० क० प्राकृ० एकविंशम्। मि० भा० कोष ३८। *ekaisama —Adj.* The number 21.

ए्को **एको**—एक (दे०) केर निश्च० ओ० का० रू०। वि० पदा० मजु० १२१; नव० ग्र० ६५२; अ० ७६७ (सहजहि एको नहि मोरा); वि० पदा० मजु० ३२४ (हीरा मनि मानिक एको नहि माँगव); राम० ३९ (एहन न अछि एको प्रस्ताव); महेश० १४ (एको न देखै छी पुण्य कथा); ग्रि०; मि० उद० १५७-३ (एको व्यक्ति नहि); प्रण० ४२ (पानि एको चूरु छैके नहि); चित्रा २७ (जँ होए एको रत्ती सिनेह बेटाक हेतु); पारो ४ (हाथ एको रत्ती नहि सुगबुगौलै)। *eko—Emph.* and *Poet.* form of *eka* (q.v.).

ए्कोटा **एकोटा**-एकटा (दे०) केर नि० वा० रू०। खट्ट० ३६ (एकोटा दृष्टान्त दिय); प्रण० ३० (एकोटा वात त हमर रहए)। *ekoṭā—Coll. Emph.* form of *ekaṭā* (q. v.

ए्कोद्दिष्ट **एकोद्दिष्ट**—वार्षिक श्राद्ध, कोनो व्यक्तिक मृत्युक तिथिक अनुसार प्रत्येक वर्ष मे कएल गेल श्राद्ध। [सं०]। तु० क० हि०, बं०, असं०, ने०, अव०, राज० एकोद्दिष्ट। द्विरा० १५८ (तोरा की एकोद्दिष्ट करबाक छोक), रंग ७५ (मौजीक एकोद्दिष्ट कएने रहथि); नव० ७७ (पूजा पाठ पार्वण एकोद्दिष्ट)। *eko-ddiṣṭa*—A śraddha for one person every year according to *tithi*.

ए्कोन **एकोन**—एक दिश टेढ़। [एक+कोन(नाह) अथवा एक+ऊन]। *ekona*—Nnt straight on one side.

ए्कोपक्रम **एकोपक्रम**—एक उपक्रमसँ; एक प्रकारेँ क्रमशः समुचित रूपेँ। [एक+उपक्रम]। मो० ९७-१२ (एकोपक्रम ... वर्ष नहि)। *ekopakrama*—Continually, in proper sequence.

ए्कोर[1] **एकोर[1]**—एक भगाह, एक दिश कम भारेँ दबल। [एक+ओह]। तु० क० एकोन। (माछक चङेरा एकोर लगै छौक मधुरक चङेरासँ)। *ekora[1]*–Less loaded on one side.

ए्कोर[2] **एकोर[2]**—एक छोर पर, अन्तमे, बीच वा मध्यमे नहि अपितु ओहिसँ हटिकेँ। [एक+छोर>ओर]। (हुनक घर एकोर मे पड़ैत छन्हि)। *ekora[2]*—In the last (place).

ए्कोरत्ती **एकोरत्ती**—क्रि० वि०। अल्प मात्रा, कनिञे। [एक+रत्ती]। प्रण० १४ (देखब एकोरत्ती संकोच नहि करब)। *ekoratti—Adv.* Even little.

ए्कोलप **एकोलप**—वि०। एकहु लप, अर्थात् एक हाथमे जतबा अन्नादि अँटए [एक+लप]। मि० उद० १५७-९ (निज परिजन हेतु एकोलप ने)। *ekolapa—Adj.* One handful at least.

ए्कोँछ **एकोँछ**—एकदिशाह, एक दिश ऊँच वा दोसर झुकल (खाम्ही प्रभृति)। [एक+ऊँच]। *ekõcha*—Uneven height.

ए्कौ **एकौ**—एको (दे०) केर वा० रू०। राम० २३९ (एकौ गोटय नै बाहर जाह)। *ekau—Coll.* form of *eko* (q.v.).

ए्कौटा **एकौटा**—एकोटा (दे०) केर वा० रू०। मो० १७१-१० (एहन टाका एकौटा राजमे पहुँचैत छैक); मि० उद० १५७-५ (एकौटा हँस अपन चोंच सावधान कै)। *ekauṭā—Coll.* form of *ekoṭā* (q.v.).

ए्कौर[1] **एकौर[1]**-एकोर[2] (दे०) केर वा० रू०। खट्ट० १५ (महादेवसँ एकौर भ क रहैत छलाह)। *ekaura[1]—Coll.* form of *ekora[2]* (q.v.).

ए्कौर[2] **एकौर[2]**—वि०। तेसरा दिन पर लागए वला अथवा एकसँझू लागएवला (महींस) [एक+दु+ओर]। *ekaura[2]*—(Buffalo or cow) (Which yields milk) on alternate days, which yields milk one time a day only.

ए्कौल्हा **एकौल्हा**—एकहुल्ल (दे०) केर वि० रू०। FML 77. *ekauhā—Alt.* form of *ekahulla* (q.v.).

ए्कौँस **एकौँस**—एक दिश लबल वा लदल [एक+अंश]। मि० भा० कोष ३९। *ekõsa*—Tilted to one side.

एक्क **एक्क**—एक (दे०) केर अवहट्ट रू०। (अकुशल बेवाह एक्क पइ आर तुम्ह परताप) ... form of *eka* (q.v.).

𑒋𑒏𑓂𑒏𑒍 **एक्कओ**—एक (दे०) केर निश्च० रू० । कीर्तिलता ४५ (तबहु न चुक्किअ एक्कओ शिरि केराव काएथ) । *ekkao*—*Emph.* form of *ekka* (q. v.).

𑒋𑒏𑓂𑒏𑒞𑓂𑒟 **एक्कत्थ**—एकत्र (दे०) केर अवहट्ठ रू० । कीर्तिलता ७ (दुहु एक्कत्थ न पाबिअइ भुअबै अरु भूदेव) । *ekkattha*—*Avahattha* foom of *ekatra* (q.v.).

𑒋𑒏𑓂𑒏𑒰[1] **एक्का**[1]—एक प्रकारक दुइ पहियावला गाड़ी जाहिमे घोड़ा जोतल जाइछ वा घोड़ा द्वारा खींचल जाइछ । [एक+का] । तु० क० हि० इक्का, एक्क ; बं०, ने० एक्का । BPL 146; प्रण० ३५ (तीन चारि कोस त एक्कापर गेलहु); चित्रा १२ (सहलि घोड़ीक एक्का एक्का कैलन्हि); (एक्का ओकिल गदहा, ई तीनू पटना मे सढहा) । *ekkā*[1]—A two-wheeled cart drawn by one horse.

𑒋𑒏𑓂𑒏𑒰[2] **एक्का**[2]—एक (दे०) केर अवहट्ठ स्त्री० रू० । कीर्तिलता ३८ (वे भूपाला मेइनी बेण्डा एक्का नारि); FML 76. *ekkā*[2]—*Avahaṭṭha* fem. form of *eka* (q.v.).

𑒋𑒏𑓂𑒏𑒰[3] **एक्का**[3]—एक अंकवला तासक पात । [एक] । *ekkā*[3]—Ace.

𑒋𑒏𑓂𑒏𑒰𑒫𑒝𑓂𑒝 **एक्कावण्ण**—एकावन (दे०) केर प्रा० मै० रू० । FML 370. *ekkāvaṇṇa*—Old Maithili form of *ekkābana* (q.v.).

𑒋𑒏𑓂𑒏𑒰𑒬𑒲𑒯 **एक्काशीह**—एकासी (दे०) केर पाश्चात्य मै० रू० । FML 373. *ekkāsīha*—*Early Mai.* form of *ekāsī* (q. v.).

𑒋𑒏𑓂𑒏𑒹 **एक्के**—एक (दे०) केर निश्च० रू० । FML 97;; मिहिर ७ (२–६१–५३; प्रण० ४७ (किन्तु दुइ एक्के पैरक); चित्रा (सभ एक्के थिक); पा०ो ७ (बेचारे एक्के दम्मे तते ने सुइरि गेला) । *ekke*—*Emph.* form of *eka* (q.v.).

𑒋𑒐𑒢 **एखन**—क्रि० वि० । तत्काल, एहि समय, एहि मुहूर्त, एहि क्षण [एइ+क्षण > खन] । तु० क० बं०, एखन; असo एखने; पा० अक्खण; अखन । वि० पदा० मजु० ५०; रामभद्रपुर पोथी १७१ (एखनइ आरति हर पए दन्द); मन० कृष्ण० १ (एखन लगै अछि अगम अथाह); राम० २०५ (करब उपाय एखन की कयल); कृष्ण० ४६ (एखन कि किओ गाल लाग देत); चित्रा ३६ (एखन उड़ल ताकी) । *ekhana*—*Adv.* Now, at present, at the moment.

𑒋𑒐𑒢𑒃 **एखनइ**–क्रि० वि० । तुरत एही समय मे, एहि क्षणमे, अखनिहें । [एखन+इ] । तु० क० बं० एखनइ । (एखनइ याहुन आएल छलाह) । *ekhana*—*Adv.* Just now,, just this moment.

𑒋𑒐𑒢𑒞𑒏 **एखनतक**—क्रि० वि० । एहि क्षण वा मुहुर्त तक, उपस्थित समय तक । [ए+सं० क्षण+तक] । तु० क० एखनधरि । (एखनत गामसँ केओ नहि अएलाह) । *ekhanataka*—Till this time or moment.

𑒋𑒐𑒢𑒡𑒩𑒱 **एखनधरि**—क्रि० वि० । एखनतक (दे०) केर विक० रू० । कौ० ९९–१६ (एखनधरि एकरा हेतु स्वतन्त्र स्थानो निर्धारण करबाक उपाय नहि); मि० उद० १५८–१० (भिन्न-भिन्न रूपमे एखनधरि चल अबैत अछि) । *ekhanadhari*—*Adv. Alt.* form of *ekhanataka* (q. v.).

𑒋𑒐𑒢𑒣𑒩𑓂𑒨𑒢𑓂𑒞 **एखनपर्यन्त**—एखनधरि (दे०) केर सं० रू० । मौ० १३३–२३ (एखनपर्यन्त मिथिलामे ब्राह्मण छथि) । *ekhanaparyanta*--Sanskrit of *ekhanadhari* (q.v.).

𑒋𑒐𑒢𑒯𑒱(𑒯𑒳)(𑒯𑒳𑒿) **एखनहि(हु)(हुँ)**—एखन (दे०) केर निश्च० रू० । राम० ५१ (एखनहि मौं तों बड़ ग्वाल); मि० उद० १५७–३(एखनहु अस्मदादि गौरवान्वित भए); राम ६० (एखनहि धरि धरती केर भार) । *ekhanahi(hu)(hũ)*—*Emph.* form of *ekhana* (q.v.).

𑒋𑒐𑒢𑒱 **एखनि**—एखन (दे०) केर प्रा० रू० । गोविन्द भ० १ अमर० १ (एखनि सुन्दरि ! करु अवधान); FML 437. *ekhani*—*Old* form of *ekhana* (q.v.).

𑒋𑒐𑒢𑒲 **एखनी**—एखन (दे०) केर वा० ओ ग्रा० रू० । FML 437. *ekhanī*—*Coll.* folk form of *ekhana* (q.v.).

𑒋𑒐𑒢𑒳𑒏 **एखनुक**—एखन केर । वि० पदा० मजु० ३०४ (एखनुक रंग एहन सन लगइछ) । *ekhanuka*—*Poet.* form of *ekhana* (q.v.).

𑒋𑒐𑒢𑒹(𑒢𑒼) **एखने(नो)**—एखन (दे०) केर निश्च० ओ वा० रू० । तु० क० अस०, उ० एखने । वि० ने० १०० (एखने देखसि अहेन सङ्ग); वि० वि० ४ (परसनि होएति एखने भवानि); FML 511; अ० धा० १८; प्रण० ३१ (एखने पुलिस आबि कऽ घेरि लैत); प्रण० २६ (एखनो धरि सिनेमाक दृश्य जकाँ आँखिमे नाचि रहल अछि) । *ekhane(no)*—*Emph.* and coll. form of *ekhana* (q.v.).

𑒋𑒐𑒳𑒪𑓂𑒪𑒰 **एखुल्ला**—वि० । असकर, मुक्त, स्वतन्त्र, ककरो अधिकार मे नहि । [एक+खुल्ला] । लाल भौजी ३ । *ekhullā*—*Adj.* Unchecked, unrestrained.

𑒋𑒐𑒼𑒞𑒩𑒰𑒮𑒋 **एखोतरासए**—वि० । एकसए एकहत्तरि । [सं० एकसप्ततिशत] । FML 376. *ekhotarāsae*—*Adj.* One hundred seventy-one.

𑒋𑒑𑒰𑒩𑒯 **एगारह**—वि० । एक अधिक दश, दश आ एक । [सं० एकादश] । तु० क० हि० इग्यारह; अव० एगाराह; पा० एकादस; प्राकृ०एगादश; एगारस; अस० एधार; एगाह; उ० एगार; भोज० एगारह; गु० अग्यार; अक्का; सिन्धी एकवीस; एगोलस; ने० एगारह । वर्ण० ६८ (एगारह आगर बाली पललि); राम० २८६ (रथमे चक्र एगारह पाँच); अम० २८ (ई एगारह किरण

तेज वा ज्योतिक नाम); मि०; FML 142; 365 चित्रा ६८ (गत; सात वर्षक भीतर **एगारह** बेर जहल गेल छल)। *egāraha—Adj.* Eleven, 11.

एगारहम—वि०। एगारह संख्या वा वस्तु वा स्थान। [सं० एकादशम्]! मो० १७४-५५ (सभाक **एगारहम** अधिवेशनपर)। *egārahama—Adj.* The number or thing, place of elevea.

एगुन—वि०। एक गुन, समयक हेतु तुल्य अर्थमे समानता ओ असमानता क सूचक। [सं० एक+गुण]। तु० क० एकगुन्ना; दुगुन्ना (दे०) अस० एगून। FML 249. *eguna—Adj.* One time or single twined.

एगुनिआ—वि०। एक गुन केर (रस्सी आदि)। [सं० एकगुन]। तु० क० एगुनिआ; दोगुनिया। (एगुनिया रस्सी मजगूत नहि होएत)। *egunia—Adj.* Single band (rope etc.).

एगे—अव्य०। सम्बोधन सूचक ग्रा० रू०। तु० क० S. Sen 131 (एगे माइ, कनी भोर दिहीते)। *ege*—Interjectional folk form of address.

एगो—एकटा (दे०) केर ग्रा० रू०। प्रण० ६० (बबुआनी जी के एगो आँख बाँकीए रह गेलन)। *ego—Folk* form of *ekaṭā* (q.v.).

एगोटा—एकगोटा केर वा० रू०। कन्या० ५७ (एगोटा स्थूल काय नेने); प्रण० ४१ (एगोटा वजलीह)। *egoṭā—Coll.* form of *ekagoṭā* (q.v.).

एजन—ऐजन (दे०) केर वा० अथवा अशु० रू०। गोरक्ष विजय ६ (क) (एजन अवसर अछ महेन्द्र भूप)। *ejana—Coll.* Form of *aijana* (q. v.).

एटनदोटन—क्रीड़ा विशेष। एखन (दे०) केर अशु० रू०। [एक+टन्ना>टन+दुइ+टन्ना>टन]। तु० क० अटकन-मटकन। मि० भा० कोष ३९। *eṭanadoṭana*—A kind of game.

एड़—लातक प्रहार, लातसँ मारब। [एड़ि>एड़]। (तेहन एड़ मारब जे सब बदमाशी बहार भ जाएत)। *eḍa*—Kick with foot.

एड़ा—जूताक एड़ी लगक तरी। [IAL 191 एड़ी एड़+आ]। मि० भा० कोष ३९; (जूताक एड़ा खिआ क पानिक पस्थ भए गेल)। *eḍā*—Heel sole of shoes.

एड़ि—चर्य्या० १ (एड़ि ए छान्दक बान्ध करणक पाटैर आस)। *eḍi*—Heel.

एड़ी—पएरक तरक गोल भाग। [IAL 191, अड्डी>अड्डी>एड्डी]। तु० क० लहन्दा, पं० अड्डी; मार० अड़ि; उ० एड़ि; मो० एड़ि गु० एड़ी; म० एड़। मि० भा० कोष ३९; (एड़ी चोटी एक करब) = अधिक परिश्रम करब; (एड़ी [illegible] = [illegible] करब; (एड़ीक तामस मगज पर चढ़ब) = अत्यधिक [illegible]; *eḍī*—Heel.

एड़ीदोड़ी—गुल्ली डण्टाक एक खेल। [एड़ि+दौड़ब]। मि० भा० कोष ३९। *eḍidoḍi*—A kind of game of (Gulliḍaṇṭā).

एत[1]—एतेक (दे०) केर का० रू०। वि० ने० (एत गुनि मने विमुख सुमुखि तोँह मने नहि लाज); वि० पदा० मजु० ३, तालपत्र न० गु० २६९, अ० २६२ (एत सम लछन विच्छन कपट रहत कतखन जे धय); राम० १९ (बनलि सुरूप एत जन केओ परखन) मन० कृष्ण० १५ (मानिअ नहिँ एत एत बरजीअ); (एत गोट शेष कौन अपराध); चर्य्या० ३०/५, ३५/१; FML 325, 431, 430, 300. मि०। *eta*[1]—*Poet.* form of *eteka* (q. v.)

एत[2]—एतए (दे०) केर का० रू०। गो० श्र० १ अमर (एत जौँ रोखवि काँचन गौरी, गोविन्ददास पुनि गायब होरी); चन्द्र० ३३ (एत ओत उधव बधाव'; चित्रा ४० (ल जाथु एतउसँओ हमरा)। *eta*[2]—*Poet.* form of *etae* (q. v.).

एतए—सर्व०। एहिठाम, एहि स्थानपर सम्मुखस्थ। [सं० अत्र अथवा प्राकृ० एत्तह]। तु० क० बं० एतय। वि० पदा० मजु० ७१; तालपत्र न० गु० २४२, अ० २४२ (ओतए अछए पिया आसे, एतय बेड़ल गिम मनमथ पासे); वि० ने० २६० (एतए अनल बम चन्दा); राग० ६१ (देख हो गे माइ-हे जोगि एतए कतए); [एतहु>एतउ] *etae—Pron.* Here, in this place.

एतएक—एतेक (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० १५५, पं० रामनाथ झा (एतएक एसनि कजगति…………एत उरतल वरनाह)। *etaeka—Poet.* form of *eteka* (q.v.).

एतगोट—वि०। एतेक पैघ, एतेकटा। [एत+गोट]। राम० १२८ (एतगोट दर्प हमर बनवास)। *etagoṭa—Ind.* So big.

एतटा—एतेकटा (दे०) केर का रू०। चन्द्र० (अवज्ञा ऊपर एतटा शेष)। *etaṭā—Poet* form of *etekaṭā* (q.v.).

एतदतिरिक्त—क्रि० वि०। एतदिरिक्त (दे०) केर शु० रू०। एकर अतिरिक्त, एकर अलावा, एहिसँ वेशी [illegible] आओर। [एतत्(द्)+अतिरिक्त]। मो० १७१-२२ (एतदिरिक्त [illegible] मैथिली ब्राह्मण कैँ), मिथिला दर्शन ३२। *etadatirikta—Adv.* Besides this, Sanskrit form of *etadirikta* (q. v.).

एतदर्थ—क्रि० वि०। एहि निमित्त, एहि [illegible], एहि उद्देश्यसँ, तएँ, एहि अभिप्रायेँ। [एतत्(द्) (एह)—अर्थ] तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० एतदर्थ। मि० उ० [illegible] (एतदर्थ पड़ल घोल की); मो० १०३-१२ (एतदर्थ [illegible] कर्त्तव्य हो)। *etadartha—Adv.* For this reason or purpose.

𑒋𑒞𑒠𑒱𑒢 **एतदिन**—क्रि० वि० । एतेक दिन, अधिक दिनसँ । [एत + दिन] । गोरध विजय ११ (ख) (एतदिन ....मैल से हमारि); वि० पदा० मजु० ५०; न० गु० तालपत्र ६५०, ग्रि० ३०, १५६ (एतदिन शैशव लाओल साठ, अब भए मदन पढ़ाओव पाठ); मै० हि० (८–१२) २० (एतदिन तुलसीमे पानि देल) । *etadina* —*Adv.* So long, for so many days.

𑒋𑒞𑒠𑒱𑒩𑒱𑒏𑓂𑒞 **एतदिरिक्त**–क्रि०वि० । वा० रू० । एकर अलावे, एकर अतिरिक्त एहिसँ अन्य । [एतद + अतिरिक्त] । मिथिला १–२७३ (एतदिरिक्त भोजन द्रव्य देवा मे सेहो पूर्ण) । *etadirikta–Adv.* Besides this.

𑒋𑒞𑒠𑓂𑒑𑒩𑓂𑒦𑒮𑒧𑓂𑒦𑒴𑒞 **एतद्गर्भसम्भूत**—वि० । एहन जे गर्भ वा पेटमे स्थित, गर्भ महक स्थित । [एतद + गर्भ + सम्भूत] । मो० १७१–६ (एतद्गर्भसम्भूत अहाँक पुत्र बड़े पराक्रमी होएताह) । *etadgarbhasmbhūta—Adv.* Situated thus in this foetus.

𑒋𑒞𑒠𑓂𑒠𑒹𑒬(𑒬𑒲𑒨) **एतद्देश(शीय)**—वि० । एहि देश, एहि स्थान, एहि देश सम्बन्धी, एहि देशक । [एतद् + देश] । तु० क० बं० एतद्देश; एतद्देशीय । मै० सा० इ० भूमिका (अ) (एतद्देशीय भाषा कहि परिगणित भेल अछि) । *etaddeśa(śīya)—Adj.* This country or place, relating to this country.

𑒋𑒞𑒠𑓂𑒫𑒱𑒣𑒩𑒲𑒞 **एतद्विपरीत**—वि० । एकर विपरीत, एकर उनटा । [एतद् + विपरीत] । मि० २२० (एतद्विपरीतमे दुइ पयर समान राखब) । *etadviparīta—Adj.* Reverse of this, opposite of this.

𑒋𑒞𑒠𑓂𑒫𑒱𑒭𑒨𑒏 **एतद्विषयक**—वि० । एहि विषयकेर, एहि बातक । [एतद् + विषयक] । मो० १७१–२२ (पुनः अवसर पौने एतद्विषयक चर्चा करब) । *etadviṣayaka—Adj.* of this suboect.

𑒋𑒞𑒢𑒰 **एतना**—एतेक (दे०) केर पश्चिमी मै० रू० । तु० क० हा० उ० ना० ति० १०६ एतना; अव० एतना । ग्रि०; । *etanā* The western Mai. form of *eteka* (q. v.).

𑒋𑒞𑒢𑒱𑒋𑒿 **एतनिएँ**—वि० । नि० । मात्र कनिएँ, एकदम अल्प । तु० क० अव० एतनिअ । (एतनिएँ सनेस अनलहुँ) । *etaniẽ* —*Adj.* Only so little.

𑒋𑒞𑒢𑒲 **एतनी**—वि० । एतबए अत्यन्त अल्प कनिएँ । तु० क० अव० एतनी; FML 432 (हम एतनी नै लेब) । *etanī—Adj.* So little.

𑒋𑒞𑒢𑒲𑒙𑒰 **एतनीटा**—वि० । अत्यन्त छोट, पैघ नहि, एकदम छोट । मि० भा० वि० ४८; (एतनीटा बच्चा काज करैत अछि) । *etanīṭā—Adj.* Only so small.

𑒋𑒞𑒢𑒹 **एतने**—एतनी (दे०) केर वा० रू० । मि० भा० वि० ५० । *etane—Coll.* form of *etanī* (q.v.).

𑒋𑒞𑒢𑓂𑒢𑒱𑒧𑒱𑒞𑓂𑒞 **एतन्निमित्त**—क्रि० वि० । एहि कारण सँ, एहि हुआरे, एहि वास्ते । [एतद् + निमित्त] । मि० उद० १५७–२ (प्रथमतः एतन्निमित्त) । *etannimitta—Adv.* For this reason or purpose.

𑒋𑒞𑒢𑓂𑒧𑒨 **एतन्मय**—वि० । एहि तरहेँ तन्मय, एहि प्रकारेँ सम्बन्धित । [ए (इ) + तन्मय] । वर्ण० ५३ (शिरा एतन्मय शरीर) । *etanmaya—Adj.* Which is so absorbed in it.

𑒋𑒞𑒥𑒨 **एतबय**—एतबहि (दे०) केर का० ओ पूर्वी रू० । मन० कृष्ण ३६ (नारद मुनिकाँ एतबय वृत्ति); FML 431 *etabaya—Poet.* and eastern form of *etabahi* (q.v.).

𑒋𑒞𑒥𑒯𑒱(𑒯𑒳) **एतबहि (हु)**—एतबा (दे०) केर निश्च० रू० । गो० श्र० १ अमर १४ (एतबहि बचन सुनल जब माधव चलला कुंज कुटीर); मो० ९८–२ (एतबहु धन्यवाद) । *etabahi(hu)—Emph.* form of *etabā* (q.v). Even so much.

𑒋𑒞𑒥𑒰 **एतबा**—वि० । मात्रामे अधिक, कमसँ कनिएँ बेशी, मात्र एतबा । ? [सं० एतावत्] गो० श्र० १ अमर १५ (एतबा सुनि राइ पाइ मनोदुख चललिह अब निज गेह); मो० १०३–१६ (एतबा कहइ............); FML 431; प्रश० ३ (परन्तु एतबा बुझबामे भाङठ नहि रहल) । *etabā—Adj.* This much.

𑒋𑒞𑒥𑒰𑒩 **एतबार**—रवि दिन, रविवार । [सं० आदित्यवार] । तु० क० हि०, उर्दू० एतवार । FML 96. *etabāra*—Sunday.

𑒋𑒞𑒥𑒹(𑒥𑒻)(𑒥𑒲) **एतबे(बै)(बी)**—एतबय (दे०) केर वा० रू० । FML 431; मो० ९७–२ (काज एतबै); मि० ६ (एहिमे केवल एतबै ३ रहैत अछि) । *etabe(bai)(bī)—Coll.* form of *etabaya* (q.v.).

𑒋𑒞𑒥𑒼 **एतबो**—एतबहु (दे०) केर वा० का० रू० । गो० श्र० १ अमर २५ (एतबो भिनति श्याम जब कयलनि तबहु न हेरल बयान) । *etabo—Coll.* of poet. form *etabahu* (q.v.).

𑒋𑒞𑒨 **एतय**—एतए (दे०) केर विक० रू० । गो० श्र० १ अमर० १३ (प्रिय सहचरि बलि मोहि पठावल एतय अयलौं तुअ ठामा); राम० ३२ (प्रगट एतय सभ दिन ऋतुराज); पुरू० १९३ (सेवा करबाक मनोरथसँ एतय आएल छी); मिथिला मित्त ४२६ (एतय भोतय विचरैत दिव्य महिपाले), प्रश० १६२ (एहि खातिर तोरा एतय अनलियौक) । *etaya—Alt.* form of *etae* (q.v.).

𑒋𑒞𑒩𑒰𑒖 **एतराज**—क्रोध, विरोध, आक्षेप, आपत्ति । [अर०] । तु० क० हि० एतराज । FML 637. *etarāja*—Anger, objection.

𑒋𑒞𑒫𑒯𑒱 **एतवहि**—एतबहि (दे०) केर वा० रू० । वि० पदा० मजु० ९९, रामभद्रपुर पोथी १६४, (पुरुसक की दिअ एतवहि दोष); राम० ५४ (त्याग करथु मन सोच भाग्य एतवहि दिन बालक); महेश० १४ (एतवहि जिवनै कते हम देखल); पुरु० ३० (एतवहि

वचनहि सौँ अहाँक); कन्या० २ (एतवहि मे बिलरी के अवैत देखि); प्रश्न० ५५ (नहि एतवहि सँ बुझना गेल); नव० ८ (दलक कर्त्तव्य धरि सीमित छलइक); नव० ३४ (परंच विसेसरी केँ एतवहि सँ सतोष होइतइ); FML 578. *etavahi—Coll.* form of *etabahi* (q.v.).

एतवा—एतबा (दे०) केर वा० रू०। वि० ने० ४० (ए सखि एतवा भागञो तोहि); वि० ने० ७६ (एतवा निअ मने हलव विचारि); वि० पदा० मजु० २५; रामभद्रपुर पोथी ४०२ (एतवा अच्छ किछु तुलना भास); वि० पदा० १२१; तालपत्र न० गु० ६४८, अ० ८६८ (ऐतवा बोलि कहब मोरि सेवा); राम० ७२ (उत्साह अछि नहि एतणा काल), चन्द्र० ३० (एतवा रुचि तत्काल); मि० उद० १५७–१३ (एतवा कहब जे); मै० हि० सा० २ (एतवा कहि बिदा भेलाह); चित्रा ९ (बाजि एतवा भ गेली मौन माँ); पारो ५ (एतवा तो नहि बुझैत हेवहक से त नहिये)। *etavā—Coll.* form of *etabā* (q.v.).

एतवाय—एतबा (दे०) केर प्रा० रू०। वि० पदा० मजु० ३७१ (हरि हरि सिव सिव एतवाए बोली); FML 430. *etavāya—Early* Maithili form of *etabā* (q.v.).

एतवाटा—एतेक सीमा धरि। राम० १३४ (कहल हमर एतवाटा काह); मि० उद० १५८–६ (किन्तु एतवाटा अवश्य बुझैत छथि)। *etavāṭā—*Up to this extent.

एतवे(वै)—एतबे (बै) (दे०) केर वा० रू०। प्रश्न० ४५ (कुशल एतवे जे हमरालोकनि निशानक बाहर रही); मि० २५२ (भेद एतवै जे उक्त मिश्रजी अपना गामहिक नामे पाँजि चलबाओल); मि० उद० १५७–१९ (ताहि सम्बन्ध मे एतवै कहब बहुत अधिक थिक); चित्रा ३९ (एतवे दिन मे ओ कोना बिसरना गेल एह)। *etave(vai)—Adv.* So far. *Emph.* of *etavā* (q.v.).

एतवै(वो)टा—एतवहिटा (दे०) केर वा० रू०। मो० १००–६ (चिन्ता एतवैटा रहैत छन्हि), मो० ६७–६ (एतवोटा कतहु क्यो नहि कहैछ)। *etavai(vo)ṭā—Coll.* form of *etavbahitā* (q.v.).

एतवो(वौ)—एतबहु (दे०) केर वा० रू०। राम० २६२ (यावत अछि एतवो तन शक्ति); मि० ३२२ अहाँ एतवौ नहि बुझैत छिऐक); मि० उद० १५७ (एतवौ बहुत थिक)। *etavo—Coll.* form of *etabahu* (q.v.).

एतहि(हु)—एतए (दे०) केर निश्च० रू०। तु० क० बं० एतहि, उर्दू एठारे। वि० ने० (५८ एतहि जानिअ सखि पियतम कथा); वि० ने० ४४ (एतहु अधिक विमुख जाएब); गो० श्रृ० १ अमर ११ (पाबिय पिरिति एतहु नहि समुझिय दोसर मदन गोआर); राम० २५ (हिनका गौतम एतहि राखि); राम० २१२ (एतहु सकल कपि वालि किशोर); मि० उद० १५७–१४ (इहो सवलोक एतहि छलथिन्ह); पुरु० ११३ (तावत तोँ एतहि रह); FML 322, 523. *etahi(hu)—Emph.* form of *etae* (q.v.).

एताजातिक—एतेक जातिक, एतेक जातिक। प्रा० रू०। वर्ण० ६५ (एताजातिक तत्वज्ञ)। *etājātika—*Of so many castes.

एतादृश—वि०। एहन, एहि प्रकारक, एहि तरहक। [सं० एतद् + दृश—क्विप्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० एतादृश; प्राकृ० एयारिस, एईस। मोद० १७४-५८ एतादृश विश्वास आस्तिक हिन्दू जातिक अछि)। *etādṛśa—Adj.* Such.

एतावता—क्रि० वि०। पूर्वोक्त विषय द्वारा, एहि वास्ते, तएँ, एहि प्रकारेँ, एहि परिमित सँ। [सं० एतावत् = एतद् — मतुप्]। तु० क० बं०, अस०, ने०, एतावता। मो० १२८–४४ (एतावता बुझैत छी हकारासवहिक प्रस्तावमे परस्पर विरोध परिहार); मैं० हि० सा० (३–६) मि० इ० ६ (एतावता ई सिद्धान्त अछि); रंग ११४ (एतावता ई श्रीमतीजीक भातिज होइथिन्ह)। *etāvatā—Adv.* For this reason.

एतावन्मात्र—वि०। मात्र एतबे। मि० २०३ (किन्तु श्री महन्थ जी एतावन्मात्र शापानुग्रह कैल); मि० भा० वि० २३०। *etāvanmātra—Adj.* Only this much.

एति—एतेक (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० (५४६१) (एतए संगति एति परतर कोन गति); FML 431. *eti—Poet.* form of *eteka* (q.v.).

एती—वि०। एते काल (एती काल)। [सं० इयती]। FML 121. *etī—Adv.* So far long.

एतीकाल—वि०। एतेक (बेशी) समय, एतवा समय। [सं० इयत् > इयती + ई + काल]। दिरा० १४१ (एतीकाल सँ गहकौ नजरिसँ चउधरिक मूँह दिश ताकि रहल छल)। *etīkāla—Adv.* This much (time).

एतीखन—क्रि वि०। एतीकाल पर [एतद् + क्षण > खन]। मि० भा० कोष ३९। *etīkhana—Adj.* So long.

एतुका(क्का)(क्कै)—एतए (दे०) केर निश्च० रू०। मो० ३०–३१–१५१ (एहि दिन एतुक्के सौन्दर्य दर्शनीय छल); मृच्छकटिक ४४ (एतुका); मधुश्रावणी ७५ (एतुका); दिरा० १८० (लेकिन एतुका ओरिआओन परिआओन ... हैतैक)। *etukā (kkā) (kkai)—*Of this place.

एते—एतेक (दे०) केर संक्षि० वा का० रू० तु० ... एत्ते। वि० ने० ६० (देखिअ सुनिअ एते लाभ); गो० ... १७ (कैसन पराग के एते सह फुलबाए); राम० ... वानर पर एते सेना व्यर्थ पठयलहुँ); चित्रा ८७ ... सहइ छेँ)। *ete—Short* or poet. form of *eteka* ...

एतेक—क्रि वि०। ...

अत्यधिक। [सं० एतद् + क (पर्यन्त); अथवा एक पा० एतेक] । तु० क० बं०, अस०, एते क; प्राकृ० इत्तिअ; उ० एति हिं० इत्ता इतना; प्रा० मार० ईतो; सि० इत्ता; लहन्दा इत्तला; इत्ता; इक्णा; पं० इत्तला; इठण्णा; कुमा० इश्रो; इणो; इतुक; प्रा० म० ईतरो; ईतनो; म० इतका; पा० इत्तक; भोज० ईला; प्रा० गु० एतलौ; गु० इत्लूँ। गो० श्र० १ अमर २७ (तोहर प्रेम भर वचन न निकसय एतेक कि मानसि थोर); मन० कृष्ण० १६ (की फल मेल मोहि एतेक अगोरि); गौरी परिणय ५ (अति सुकुमारि-कुमारि एतेक करह कथि लागी); मो० ६७–११ (एतेक क्लेश नहि होइत छलैक); मि० उद० १५८–१५ (एतेक लेखन प्रणाली); कन्या० १ (नरिवहा लोक एतेक कतयसँ आनत); प्र० ० २ (एतेक आत्मीयता देखा रहल छथि); (एतेक तुर के धूनत) = विशेष परिश्रम के करए; BPL 1451; FML 434. *eteka—Adv.* So much, So many.

𑒋𑒞𑒹𑓀 एतेँ—प्रत्यय। प्रा० लु० रू०। (सुख देखेतेँ निश्चित मरिअइ)। *etẽ—Obs.* Suffix.

𑒋𑒞𑒺[1] एतै[1]—एतए (दे०) केर विक० रू०। महेश ५२ (एतै विषय कछु आने); मि० उद० १५७–१४ (गत अगहनमे एतै आवि)। *etai[1]—Alt.* form of *etae* (q.v.).

𑒋𑒞𑒺[2] एतै[2]—एतहि (दे०) केर वा० रू०। *etai[2]*—Coll. of *etahi* (q. v.).

𑒋𑒞𑒼 एतौ—एतहु। एतए (दे०) केर निश्च० रू०। वि० पदा० मंजु० ८४; रामभद्रपुर पोथी ४०६ (एतौ निचा ओटाओल छेम); FML 577. *etau—Emph.* form of *etae* (q.v.).

𑒋𑒞𑓂𑒞 एत्त—एत[1] (दे०) केर वा० रू०। FML 439; नव० १४ (एत्त बड़ प्रतापी भाइ हमरा दलानकेँ अपन चरण धूलिसँ पवित्र करताह ग)। *etta—Coll.* form of *eta[1]* (q. v.).

𑒋𑒞𑓂𑒞𑒯𑒱 एत्तहि—एत्त (दे०) केर निश्च० रू०। कन्या० ५८ (आब अहाँ एत्तहि छुटलहुँ)। *ettahi—Emph.* form of *etta* (q.v.).

𑒋𑒞𑓂𑒞𑒰[1] एत्ता[1]—वि०। परिमाण, सीमा, परिधि, ठेकना। [सं० इयत्ता]। तु० क० अस० इयत्ता। FML 97; (औ जी महाराज ! सभ वस्तुक एत्ता छैक)। *ettā–Adj.* Boundary, limit.

𑒋𑒞𑓂𑒞𑒰[2] एत्ता[2]—एतेक (दे०) केर ग्राम्य रू०। तु० क० इवत्ता (दे०)। FML 433 (हम एत्ता चाउर ल क की करबै)। *ettā[2]—Folk* form of *eteka* (q. v.).

𑒋𑒞𑓂𑒞𑒹 एत्ते—एते (दे०) केर निश्च० वा रू०। कीर्तिलता ५ (एत्ते लक्खयो लक्खिअइ पुरुष पसंसओ वीर); चित्रा ४४ (कोना नचइए कोना गबइए एत्ते कौँड़ा-कौँड़ी)। *ette—Coll. Emph.* form of *ete* (q.v.).

𑒋𑒟𑒰 एथा—एहिठाम (दे०) क प्रा० का० रू०। [सं० अत्रस्था]। तु० क० बं०, अस० एथा; दक्षिण हीआँ; हीयाँ; पश्चिम हिआँ; इठमाँ; अइजअ; इठवाँ; छिआछिकी एठिआँ; हीयाँ। वि० ने० ४४ (पथिक एथा लेहे विसराम); FML 435 (V.N. 18a)। *ethā*—Early Maithili form of *ehithāma* (q.v.).

𑒋𑒟𑒰𑓀 एथाँ—एहिठाम (दे०) केर प्रा० का० रू०। राम० ४५ (एथाँ मनमथ सर साजे); FML 409. तु० क० एथा (दे०) *ethā̃*—Early Maithili form of *ehithāma* (q.v.).

𑒋𑒟𑒱𑒫𑒰𑒪 एथिवाल—नृत्यादिमे चालिविशेषक नाम। वर्ण० ५२ (एथिवाल;चापल कुरुवाल, दरगराड)। *ethivāla*—Name of a turn in dancing etc.

𑒋𑒟𑒳 एथु—एथाँ (दे०) केर वा० रू०। FML 409 चर्या० १६ / ५। *ethu—Coll.* form of *ethā̃* (q.v.).

𑒋𑒟𑓂𑒟𑒢𑓂𑒞𑒩 एथ्थन्तर—एहि अन्तरमे, एहि बीचमे, अवहट्ट रू०। [एतद् + अन्तर]। तु० क० सं० एतदन्तर। कीर्त्तिलता १९ (एथ्थन्तर वत्त विचित्त किछु सुरतानहुसँ पाहअ)। *eththantara*—Within this gap; *avahttha* form.

𑒋𑒡𑒹 एधे—मध्ये केर लु० का० रू०। [सं० मध्ये]। राग० ११२ (शिव तुअ घर एधे आने)। *edhe*—P.F. of *Madhye*; in the middle.

𑒋𑒢[1] एन[1]—प्रत्यय। कर्ममे ल् ओ द् धातुसँ आवश्यकत्व अर्थमे एन प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १३६ (देन अवश्य, लेन गृहीतव्य); कीर्तिपताका १ (भीषम कीर सुहेन)। *ena[1]—Suffix* in the sense of necssary.

𑒋𑒢[2] एन[2]—एहन (दे०) केर प्रा० मै० रू०। वि० पदा० मंजु० ३६, रागत० ५५, नव० गु० ११९, श्रं० १२२ (राजा सिवसिंघ गाओल एन); पुरु० १९३ (ततय एन तरह कतोक काल गत सन्ता)। *ena[2]—Early* Maithili form of *ehana* (q.v.).

𑒋𑒢𑒧𑒹𑒢 एनमेन—अव्यय। हूबहू, देखवामे बिलकुल एक दोसराक स्वरूप। [हिं० आएना अथवा ऐन अरबी + शब्दानुकरण अथवा सं० एना + अन्वादेशेँ इदम् शब्दक एनम् + मेन]। तु० क० अनमन (दे०)। मृच्छकटिक ७०; मिहिर ३ (३१-५३); पारो ४९ (देख मे एनमेन बड़ी सन)। *enamena—Ind.* Likewise, same. Same in looks, Indentical form and colour.

𑒋𑒢𑒰 एना—अव्यय। एहि प्रकारेँ, एहि तरहेँ, एहन। [सं० अमुना]। तु० क० बं०, अस० एना। महेश० ५२ (कते एना करुणाकर); प्रण० १ (के एना केनाइ पीटि रहल अछि); FML 487. (एना नहि करी)। *enā—Ind.* In this manner, thus.

𑒋𑒢𑒰𑒋𑒢𑒲 एनाएनो—अव्यय। हस्तदर्शित दिगनुसार (दी०), हाथ द्वारा देखाओल गेल इशाराक अनुसार। [एना + एन + ई]। मि० भा० कोष ३६, एनएनी सुद्)। *enāeni—Innabes* cative. Thus (this side) and thus (that side).

𑒋𑒢𑒹 **एने**—एम्हर (दे०) केर ग्रा० रू० । ग्रि० (एने आवत) । डा० उ० ना० ति० ५७,२४१ (एने) । *ene—Folk* form of *Emhara* (q. v.).

𑒋𑒢𑒹(𑒢𑒲)𑒧𑒱𑒨𑒰 **एने(नी)मिया**—एक प्रकाराक रोगविशेष, रक्ताल्पता । [आंग्ल] मि० मित्र ३१० (कृत्तिमो सूर्यक प्रकाशक द्वारा एनेमिया और क्षयरोग आदि अनेको भयंकर रोगक नाश होइत अछि) । *ene(nī)miyā*—A kind of disease, anaemia.

𑒋𑒢𑓂𑒢 **एन्न**—एम्ह (दे०) केर पूर्वीय रू० । [सं० एतत्] । FML 439, (हौं एन्न आव) । *enna*—The eastern form of *emhara* (q.v.).

𑒋𑒢𑓂𑒢-𑒍𑒢𑓂𑒢 **एन्न-ओन्न**—एम्हर-ओम्हर (दे०) केर बा० रू० । मैथिली लेख शैली २; (रौ तोरी भला के ! ओ त एन्न ओन्न भागल फिरैत अछि) । *enna-onna—Coll.* form of *Emhara Omhara* (q.v.).

𑒋𑒢𑓂𑒢𑒲 **एन्नी**—एम्हर (दे०) केर पश्चिमी रू० [एतत् + ई] । FML 489; (हौं एन्नी कोना जेबह) । *ennī*—The western form of *Emhara* (q.v.).

𑒋𑒢𑓂𑒯𑒱𑒏𑒰 **एन्हिका**—हिनका (दे०) केर प्रा० मै० रू० । वर्ण० (३१ एन्हिककेँ रजा एस भउ); FML 409. *enhikā—Early* Maithili form of *hinakā* (q.v.).

𑒋𑒧 **एम**—एना (दे०) केर अवहट्ट रु० । कीर्त्तिलता ३८ (एम कोप्पि सुनिअ सुरतान) । *ema—Avahaṭṭha* form of *enā* (q. v.).

𑒋𑒧० 𑒋० **एम० ए०**—स्नातकोत्तर परीक्षाक नाम । *Em. e. a*—Master of Arts exminaton.

𑒋𑒧𑒯𑒩 **एमहर**—अव्य० । एहि दिशि । तु० क० सं० इत; [अस्मिन + हर] बं० ए दिके; हि० इधर । मि० भा० कोष ३६; (एमहर शीघ्र आएब) । *emahara—Ind.* This side.

𑒋𑒧𑒰𑒜𑓃 **एमाढ़**—तृण विशेष, एक प्रकारक पानिमे मेनिहार घासक नाम । [सेमार > एमार] तु० क० म० इकड़े । मि० भा० कोष ३६ । *emādha*—Name of a kind of grass.

𑒋𑒧𑓂𑒯𑒩 **एम्हर**—एमहर (दे०) केर विक० रु० । (एम्हर-ओम्हर करब) = बात पर स्थिर नहि रहब; एम्हर ओम्हर घूमब, यत्र-तत्र जाएब; (एम्हर ओम्हर मे रहब) = व्यर्थ समय बिताएब; (एम्हर कियो कुम्हड़क बतिया नहि जे आङुर देखौने सड़ि जाएत) = केओ अबल नहि अछि; मो० १७-१५ (एम्हर आउ) । *emhara—Alt.* form of *emahara* (q.v.).

𑒋𑒧𑓂𑒯𑒩𑒳𑒏𑒰 **एम्हरुका**—एम्हर (दे०) केर निश्च रु० । मो० १७४-४८ (एम्हरुका भाषा डोगरी अछि); (एम्हरुका ओम्हर आ ओम्हरुका एम्हर करब) = झगड़ा लगाएब । *emharukā—Emph.* form of *emhara* (q.v.).

𑒋𑒩𑒝𑓂𑒛 **एरण्ड**—अण्डी, एकर तेल तैयार कएल जाइछ; [illegible] तु० क० बं० एरण्ड । अम० ८४ (एरण्ड उड्डूक [illegible]) । *[illegible]*—The castor oil plant.

𑒋𑒩𑒰 **एरा**—प्रत्यय । साधारणतया भाव ने तुइ, [illegible] धातुमे एरा प्रत्यय लगाओल जाइत अछि । मै० व्याकरण ८६ [illegible] *erā*—Suffix.

𑒋𑒩𑒱𑓀𑒑 **एरिंग**—[illegible]न (दे०) कानमे पहिरबाक अउँठाक आकारक गहनाविशेष । [आंग्ल] । तु० क० हि० बाली, बं० एरिंग, उर्दू इरिङ्ग (कानमे एरिंग आ माथमे मनटीकाक शोभा त आओर विलक्षण दृष्टिगोचर भए रहल अछि) । *eringa*—Earring, an ornament which is worn on the ear.

𑒋𑒩𑒳𑒣 **एरुप**—श्रेष्ठा, अपूर्व, स्त्री० का० रू० । [एइत > ए + रूप] । वि० पदा० मजु० २१ (मन विद्यापति सुनह सुजान एतत एरुप जान) । *erupa—Fem.* Poet. form. Such high beauty.

𑒋𑒩𑒹 **एरे**—सम्बोधन सूचक शब्द । [सं० अरे] । वि० ने० ६८ (एरे राधे जानि न जान तोरे विरहे विसुख कान्ह); वि० पदा० १८५, नेपाल १३६ (एरे नागरि मन दए सुत) । *ere*—Interjectional word. Hello.

𑒋𑒪 **एल**—आएल (दे०) केर बा० रू० । (एल पानि गेल पानि बाटहि बिलाएल पानि) = बड़ कम वर्षा । *ela—Coll.* farm of *āela* (q. v.).

𑒋𑒪𑒃(𑒢) **एलइ(न)**—आएब (दे०) केर भू० रू० । विद्या २५ (हैत एलइ से सदै संयोग आ कि वियोग); नव० ३६ (लदउरवाली रामेसरी लग एलइन) । *elai(na)—Past* tense form of *āeba* (q. v.).

𑒋𑒪𑒅𑒿 **एलउँ**—आएब (दे०) केर वर्त० प्र० पु० वाच्य रू० । नव० २१ एलउँ) । *elaũ*—Present tense first person coll. form of *āeba* (q. v.)

𑒋𑒪𑒅𑒿𑒋 **एलउँए**—अएलहुँ अछि (दे०) केर बा० रू० । नव० ४१ (जाइलए त नइ एलउँए पण्डित बाबा); नव० १०५ (काल्ह अहाँक तेहेन क एलउँए जे रसगुल्ला खोआउ) । *elaũe—Coll.* form *aelhũ achi* (q.v.).

𑒋𑒪𑒅𑒿𑒯𑒹 **एलउँहे**—एलउँए (दे०) केर बा० रू० । पारो ३३ (कोन हम पैरे एलउँहेँ जे थाकब) । *elaũhẽ—Coll.* form of *elaũe* (q.v.).

𑒋𑒪𑒟𑒱𑒢𑓂𑒯 **एलथिन्ह**—अएल (दे०) केर भू० [illegible] प्रण० १६ (कहए एलथिन्ह जे ब्रजेन्द्रकैँ रह [illegible]) *elathinha—Past* tense hon. form [illegible]

𑒋𑒪𑒟𑒲𑒢 **एलथीन**—एलथिन्ह (दे० केर [illegible] १३ (खोखाइ पण्डित हिनकहि [illegible] एलथीन [illegible] — *Coll.* form of *elathinha* [illegible]

𑒋𑒪𑒢𑓂𑒯𑒱 **एलन्हि**—अएलन्हि (दे०) केर वा० रू० । नव० २० (बूझ मे नहि **एलन्हि** जे माहे आ दिगम्बर बुते ई काज कोना रोकल जेतउ) । *elanhi*—Coll. form of *aelanhi* (q.v.).

𑒋𑒪𑒯𑒳(𑒯𑒳𑒿) **एलहु(हुँ)**—अ.एब (दे०) प्र० पु० वर्त्त० रू० । वि० पदा० मजु० १३८, मि० (ई सभ **एलहु** जानी); वि० पदा० मजु० १५२ (**एलहुँ** तनिकर ज नी); महेश० १२ (की नहि **एलहुँ** एतय); चित्रा २५ (जखन तोरा लग **एलहुँ** फेर); शतदल ३ (**एलहुँ** हम जड़मति) । *elahu(hũ)*—*Present tense* first pers. form of *āeba* (q.v.).

𑒋𑒪𑒯𑒳𑒢 **एलहुन**—एलहु (दे०) केर मध्य० पुरु० अना० रू० । प्रण० २७ (नेने **एलहुन** त आब तोहीं किना दहुन) । *elahuna*—*Seocnd Person* nonh. form of *elahu* (q.v.).

𑒋𑒪𑒰[1] **एला**[1]—अएलाह (दे०) केर संक्षि० रू० । (राम **एला** आ तुरत ओहीकाल श्याम गेला) । *elā*[1]—*Short* form of *aelāha* (q.v.).

𑒋𑒪𑒰[2] **एला**[2]—इलाची, सुगन्धित खाइ वाला फलविशेष । [सं०] । तु० क० बं०, अस० एला । वर्ण० १३ (श्रीहट्टक **एला**); अम० १०२ (चन्द्रवाला **एला**) । *elā*[2]—Condommon.

𑒋𑒪𑒰𑒞𑒻𑒪 **एलातैल**—इलाचीक तेल । [सं०] । वर्ण० ११ (सुगन्ध **एलातैल**) । *elātaila*—Condommon oil.

𑒋𑒪𑒰𑒢 **एलान**—घोषणा, आदेश, प्रकाश करब । [अर०] । तु० क० उर्दू एलान । (आइ मिथिला वासी **एलान** कए रहल छथि जे मैथिलीकेँ उचित स्थान भेटओ अन्यथा क्रान्तिक मार्ग अवलम्बन कएल जाएत) । *elāna*—Announcement.

𑒋𑒪𑒰𑒫𑒢𑓂𑒡𑒏 **एलावन्धक**—वि० । सुगन्धित वस्तुक संग्राहक । [एला + वन्धक] । ल० प्र० । वर्ण० ६५ (भाषाशिर, जावाद, वेण्ठक **एलावन्धक** आइ) । *elāvandhaka*—*Adj.* Who keeps perfumes (for trade).

𑒋𑒪𑒰𑒥𑒲𑒖 **एलाबीज**—इलाचीक बीआ । [सं०] । वर्ण० ६५ (सुमेला **एलाबीज**, खण्डपर्ण गुलत्वक) । *elāvija*—Condommon seeds.

𑒋𑒪𑒰𑒯 **एलाह**—अएलाह (दे) केर वा० रू० । वि० पदा० मजु० ३८६ (पुनि **एलाह** तकर सनेस); मि० उद० १५७–२५ (हुनक गत मेला पर ई एतै **एलाह**); प्रण० ६९ (रुपया सधावए **एलाह** छथि; नव० ९ (दउगइत **एलाह**) । *elāha*—*Past tense* form of *āeba* (q.v.) Coll. form of *aelāha* (q. v.)

𑒋𑒪𑒱𑒋(𑒌) **एलिए(ऐ)**—अएलिऐक (दे०) केर का० रू० । राम० ३६ (तुपहु **एलिए** जथा गेलि हे) । *elie(ai)*—*Poet.* form of *aeliaika* (q. v.)

𑒋𑒪𑒱𑒎𑒯 **एलिऔह**—आ.एब (दे०) भू० रू० । प्रण० १३ (एहिठाम ल **एलिऔह** तैँ ने एहन भोग्य पदार्थ देखै छह) । *eliauha*—*Past* form of *āeba* (q. v.).

𑒋𑒪𑒱𑒯𑒳(𑒯𑒳𑒿) **एलिहु(हुँ)**—अएलिअहु(हुँ) (दे०) केर प्रा० का० रू० । वि० पदा० मजु० ९७; रागत० ११६, न० गु० ४०७, अ० ४११ (दुसह जाउन **एलिहुँ** माँगि); रागत० ११६ (दुसह जमुना तरि **एलिहुं** माँगि) । *elihu(hũ)*—*Old poet.* form of *aeliahu (hũ)* (q. v.).

𑒋𑒪𑒲 **एली**—एलीहि (दे०) केर संक्षि० रू० । राग० ११८ (तैँ तोहे पिया गेल **एली**); मि० । *eli*—*Short* form of *elihi* (q. v.).

𑒋𑒪𑒲𑒯(𑒯𑒱) **एलीह(हि)**—एल ह (दे०) केर स्त्री० रू० । प्रण० ८० (सभ दौड़लि दुरखा पर **एलीह**); रंग० १५१ (तौं एखन नवे **एलीह** अछि) । *eliha(hi)*—*Fem.* form of *elāha* (q. v.).

𑒋𑒪𑒳 **एलु**—(अ)एलहुँ (दे०) केर प्रा० लु० रू० । मैं० सा० इ० १२ । *elu*—*obs.* form of *(a)elahũ* (q.v.).

𑒋𑒪𑒹𑒿 **एलेँ**—आएब (दे०) वर्त्त० अना० म० पु० रू० । नव० ४२ (आब तोँ **एलेँ** हमरा बरमे आगि लगब) । *elẽ*—*Nonh.* seccond pers. Present tense form of *āeba* (q. v.).

𑒋𑒪𑒻 **एलै**—अएलइक (दे०) केर वा० रू० । चित्रा २५ (एहिना **एलै**) । *elai*—*Coll.* form of *aelaika* (q.v.).

𑒋𑒪𑒻𑒢𑓂𑒯𑒱 **एलैन्हि**—अएलैन्हि (दे०) केर वा० रू० । प्रण० ६० (ओझा पर चमकैत **एलैन्हि**) । *elainhi*—*Coll.* form of *aelainhi* (q. v.).

𑒋𑒫𑓀 **एवं**—अव्यय । एक निश्चयात्मक शब्द । आओर, एहि प्रकारेँ, एहिना । [सं० एवं] । का० रू० । वर्ण० २१; वि० पदा० मजु० १३३, पदामृत समुद्र १३१, पदकल्पतरु (**एवं** मेल विपरीत मामर देहा); FML 438. *eva(evaṁ)*—*Ind.* And, thus.

𑒋𑒫𑒘𑓂𑒔 **एवञ्च**—अव्यय । आओरो, अपितु, तथा । [सं०] । कीर्तिलता ६० (**एवञ्च** दूर दीपान्तर राउन्हि करो निद्रा हरन्ते) । *evañca*—*Ind.* And, also.

𑒋𑒫𑒧𑒮𑓂𑒞𑒳 **एवमस्तु**—अव्यय । जेहने चाहैत छी तेहने होअए वरदान । [सं०] । तु० क० हि० बं० अस०, ने०, अव एवमस्तु । (रामेसर अपन परीक्षाक कापीक पता लगाए ओ प्रो० साहेबसँ **एवमस्तु** कहाए निश्चिन्त भए गेल छथि) । *evamastu*—*Ind.* Boon that it will happen as you like.

𑒋𑒫𑒧𑓂𑒣𑓂𑒩𑒏𑒰𑒩 **एवम्प्रकार**—क्रि० वि० । एहि तरहेँ, एहि प्रकारेँ (एवं + प्रकार] । तु० क० बं० एवम्प्रकार । स्त्री शिक्षा ८६ **एवम्प्रकार** स्वामीक सेवा कय) । *evamprakāra*—*Adv.* Like this, in this manner.

𑒋𑒫𑒧𑓂𑒥𑒱𑒡 **एवम्बिध**—क्रि० वि० । एहि विधिएँ, एहि प्रकारेँ, एहि तरहेँ । [एवं + विधि > विध] । तु० क० बं०, अस०, एवम्विध । वर्ण० १ (**एवंविध** दशलंकार संयुक्ताह) FML 111,

614 *evambidha—Adv.* Like this manner.

এবহ **एवह्**—अएवह (दे०) केर वा० रू० । वि० पदा० १५३, न० गु० ७; अ० १००५ (**एवह** कोनो वेला); पारो ८ (**एवह** जे से गर्मी छुट्टीसँ पूर्व नहियें) । *evaha—Coll.* Of *aebaha* (q. v.).

এবা **एवा**—मिरजइ, चपकन उपरसँ पहिरएवला अंगा । एवा मे बटम नहि रहैत छल, केवल चोंगा जकाँ पीठ हाथ मात्र रहैत छलैक । [?] *evā*—Name of an obs. dress worn over a *capakana* (q. v.). as a cover.

এবাকাল **एवाकाल**—अएवाकाल केर वा० रू० । नव० ४७ (सभा **एवाकाल** आन किओ नहि भेटलन्हि त अही मतसुग्नकेँ सङ कडक सडगाठ पहुँचलाह) । *evākāla—Coll.* form of *aevākāla* (q. v.).

এবায **एवाय**—एकर (दे०) केर अवहट्ट रु० । कीर्तिलता ३४ (**एवाय** अभ्यन्तर करी वार्ता के जान) । *evāya—Avahaṭṭha* form of *ekara* (q. v.).

এশিআ **एशिआ**—भूमण्डलक एक भागक नाम एशिया महादेशक नाम । [सं०] । एशिया महादेशक अन्तर्गत विभिन्न राष्ट्र सभ अछि) । *eśiā*—Asia.

এষন (নে) **एषन(ने)**—एखन (दे०) केर प्रा० का० रू० । वि० ने० ३६ (**एषने** पावओ ताहि विधाता); वि० पदा० मजु० २६, रागत० ५६, नेपाल २३५, न० गु० तालपत्र २२८, प० त० १०६१ (**एषने** दूषण लागल तोहि]; FML 139; पुरु० ४१ (राजा कहल **एषन** सन्धि कय लेवक) । *eṣ(=kh)ana(ne)—Old.* Poet form of *ekhana* (q.v.).

এষনহি **एषनहि**—एषन (दे०) केर निश्च० रु० । पुरु० २१७ (**एषनहि** किएक नहि कयल जायत) । *eṣanahi—Emph.* form of *eṣ(=kh)ana* (q)v).

এষা **एषा**—ई । [सं०] । तु० क० अव० **एषा** । वर्ण० ६६ (तिरिआमहिसि पाडी कम सात हाथ षागल ओरा **एषा** दिन एक लाग); चर्या० १५।४ । *eṣā* —This.

এসকরি **एसकरि**—एकसरि (दे०) केर वा० रू० । प्रण० ६६ (तोरा **एसकरि** पौतोक त सूदि माँफ करक हेतु तंग करतौक) । *esakari—Coll.* form of *ekasari* (q. v.).

এসকরহি **एसकरहि**—एकसर (दे०) केर निश्च० वा रू० । चयनिका ७२ । *esakarahi—Emph.* Coll form of *ekasara* (q.v.).

এসকরে(রো) **एसकरे(रो)**—एकसरहि (हु) (दे०) केर वा० रू० । प्रण० ३६ (**एसकरे** कुटलन्हि अछि); नव० ६६ (**एसकरो** क्वार्टरमे रहइ छली) । *e akare (ro)—Coll.* form of *ekasarahi (hu)* (q. v.).

এসগর **एसगर**—एसकर (दे०) केर विक० रू० FML 151, 143; पारो ४० (**एसगर** नहि जा हेतहु मोतिहारी); मिहिर ३२ (२-६२-८४) (**एसगर** वृहस्पतिदो सूठ *esagara*—... form of *esakara* (q.v.).

এসগরিএ **एसगरिए**—एसगर (दे०) केर स्त्री० रू० अपूर्व रसगुल्ला ५ (**एसगरिए** अहोराति वहवै कोना) । *esagarie* *Fem.* form of *esagara* (q.v.).

এসগরুআ **एसगरुआ**—एसगर (दे०) केर स्थितिमे ... ६१ (भैया भेल **एसगरुआ**); नव० ५८ (छलीओ **एसगरुआ** *esagaruā—Coll.* In the state of *esagara* (q. v.).

এসগরে **एसगरे**—एसगर (दे०) केर निश्च० रू० । द्विरा० ११६ (हम **एसगरे** कुल असबाबो चढ़ा लेब); चित्रा ७५ (दूनू ... **एसगरे** सतघरा) । *esagare—Emph.* form of *esagara* (q.v.).

এসন(না) **एसन(ना)**—एहन (दे०) केर प्रा० लु० का० रु० । वि० ने० ४८ (**एसन** नहि महि-मण्डल जे पर बेरन जान); वि० पदा० मजु० ४७; रामभद्रपुर पोथी ४०३ (अब आवह पुनु **एसना** कासे) । *esana(nā)—Old* Obs. poet. form of *ehana* form (q.v.).

এসনি **एसनि**—एहन (दे०) केर प्रा० लु० का० रु० । वि० पदा० मजु० ५३, रामभद्रपुर पोथी ४०४ (क) (**एसनि** एक परबोधि पठइहइ पुनु न आवए अनुरागी) । *esani—Old.* obs. poet of *ehana* (q.v.).

এসনে **एसने**—एसन (दे०) केर निश्च० रू० । वि० पदा० मजु० ८४, रामभद्रपुर पोथी ४०६ (**एसने** हन लाग) । *esane—Emph.* form of *esana* (q.v.).

এঁসো **एँसो**—एहन (दे०) केर अवहट्ट रु० । कीर्तिलता ५७ (**एँसो** कटकहि लटक व जाइनेँ देखिअ बहुत) । *ẽso—Avahaṭṭha* form of *ehana* (q.v.).

এহ[1] **एह्**[1]—प्रत्यय । (अवधारण ओ समुच्चयमे इ तथा ओ शब्दसँ (इ)एह (उ)ओएह) । *eha*[1]*—Suffix* added in the sense of emphasis.

এহ[2] **एह्**[2]—अव्य । खेद, वा दुख पीड़ा सूचक शब्द । [दे०] चित्रा ३१ (**एह** धन्य रहू); (**एह** बापरौ; बड़ जोरसँ टीस मारैत अछि *eha*[2]*—Ind.* An exclamation of pain.

এহ[3] **एह्**[3]—एएह अथवा **एहन** (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० ७; नव० गु० ७६३, अ० ७५८ (भनइ विद्यापति **एह** रसभान); वि० वि० ३३ (नृप भूपतीन्द्र भन **एह** निम बानि; ... *eha*[3]*—Poet.* form of *ehana* (q.v.).

এহন **एहन**—वि० । ईदृश, एहन प्रकार, एइन ... रूपक । [सं० ईदृश] । तु० क० बं० मै० अइसन; हि० ऐसन ... पदा० मजु० २३, मि० १४, न० गु० १७, ... **एहन** ... नहि जाने); गो० श्र० १ अमर ७ (**एहन** ... प्रातक पहिल रजनि भेल भान); वि० वि० ३ **एहन** ...

आन); मा० का० २२० (कतय रहव गय एहनक दीन); हि० सा० ४ (कियैक एहन तेजोमय जल); चित्रा ३२ (एकसँ एक एहन निरुपमा गुण सुन्दरी शत-शत किशोरी के) FML 191, 433, 356, 96. (एहन जवानी मोर ने भावे ! सीक डोले तँ हँसी लागे) = अहेपे काप लागव ! *ehana—Adj.* Such.

एँहन(नि)—एहन (दे०) केर प्रा० मै० रू० । राम० ३०० (एँहन विशुद्ध आनके दार); FML (एँहन R 48); FML (एँहनि R. 74)। *ẽhana(ni)-Early* Maithili form of *ehana* (q.v.).

एहनसन—क्रि० वि० । एहि तरहक, एहि प्रकारक, एहन सन । [एहन + सं० सम] । मो० १०३–१४ (एहनसन क्रम जे हम गुरुकेँ नहि देखलियन्हि)। *ehanasana—Adv.* Like such, as if.

एहना—एहन (दे०) केर तिर्यक् रू० । वि० पदा० मजु० ६७, रागत० ६२६, न० गु० ४७३, अ० ४६१ (एहना तेजि अयलाहु निअ गेह); वि० पदा० मजु० ३२३ (एहना शिथिल कुम्हल तुअ नेह); मि० उद० ३०–१५७–६ (एहना स्थितिमे), प्रण० (एहना कठिन समयमे बहुत हिसाबसँ खर्च करक चाही); पारो ३१ (तइयो एहना ठाँ परसन ल क खेबाक चाही)। *ehanā—Poet.* and coll. form of *ehana* (q.v.).

एहनाइ—एहना (दे०) केर छिकाछिकी रू० । FML 438 । तु० क० एहनाइ = किछु एहन सन । *ehanāi—Chikāchikī* form of *ehanā* (q.v.).

एहनि—एहन (दे०) केर स्त्री का० रु० । वि० पदा० मजु० २१ (एहनि सुन्दरि गुनक आगरि); वि० पदा० मजु० ३०८ (न गुनलि एहनि भयाउनि राति); राम० २४ (कोनहु लोक एहनि के सुन्दरि); पुरु० ३४ (एहनि मति होइ छौ)। *ehani—Fem. Poet.* form of *ehana* (q.v.).

एहनिये—एहनि (दे०) केर निश्च० रू० । पुरु० ५७ (एहनिये दशा परिणत अव्यर्थ)। *ehaniye—Emph.* form of *ehani* (q.v.).

एहनी ओ(तो)हनी—वि० स्त्री । अनादरार्थक अपमान सूचक शब्द; [एहन + ई + ओहन + ई] । मिहिर १४ (२-६१-५३) (एहनी-तोहनी) (हाँ गै ! तोँ त एहनी-ओहनी माउगसँ साटि-घाटि कएने छेँ)। *ehanī o(to)hanī—Adj.* Fem. Nonh. Insignificant.

एहनु—एहन (दे०) केर पूर्वी मै० रु० । FML 434 *ẽhanu*—The eastern Maithili form of *ehana* (q.v.).

एहने(नो)—एहन (दे०) केर निश्च० रु० । राम० ३२६ (अपनहुँ सौं जौं एहने हयत); मो० ६७-१२ (बहुत शब्द एहने रहैछ); चन्द्र० ४५ (आनन्दित एहने दिवस मनाउ); मि० उद० १५७–३ (एहनो निर्व्वंसनो मिथिलामे जन्म लै); हिरा० १०५ (ओहिमे कतोक एहनो श्रद्धालु भक्त छलाह); चित्रा ३६ (एहने अनूप मोन पड़ए रूप); पारो १० (एहनो-एहनो बात बथो मुँहसँ बहार करैया)। *ehane (no)—Emph.* form of *ehana* (q.v.).

एहर—एहरि (दे०) केर वा० रु० । वि० पदा० मजु० ४०४ (एहर गोसाञे नहि, मो देहु न उपेखि)। *ehara—Coll.* form of *ehari* (q.v.).

एहरि—अव्य । हे स्वामी, हे नाथ, हे कष्टकेँ नाश कएनिहार । [हे + हर] । वि० पदा० मजु १२८, नेपाल १०५ (एहरि जति तोहे परवस पेमे बिरत रस)। *ehari—Ind.* O Hari.

एहसान—उपकार [अर०] । तु० क० हि०, एहसान; उर्दू इहसान । (अहाँक एहसान हम जन्म भरि नहि बिसरब)। *ehasāna*—Favour, help.

एहाँ—अहाँ (दे०) केर प्रा० लु० आद० मध्य० पु० मै० रू० । FML 421 (मै० सा० इ० dated 12..0 Sala) (बहुत दिन लए एँहा एतए आएल नहि छीअ); मो० १७१–२ (एहाँ अवस्था मे पढ़बाक अवसर पबैत छथि)। *ẽhā—Old* Obs. second person Maithili form of *ahā* (q.v)).

एँहाँ—अहाँ ! (दे०) केर प्रा० मै० रु० । FML 396, 435. *ẽhā—Early* Maithili form of *ahā* (q.v.).

एहा(हाँ)क—अहाँक (दे०) केर प्रा० लु० का० रु० । वि० वि० २८ (एहाक वचन गय, मेल अपमाने) वि० वि० २८ (देखिअ एहाक विलापे); मै० सा० इ० २२७ (१२२२ साल) (एहाँक)। *ehā(hā)ka—Old* Obs. poet. form of *ahāka* (q.v.).

एँहाँक—अहाँक (दे०) केर प्रा० मै० रू० । FML 396 (एँहाँक कुशल) (Maharaja Viṣṇusimha's letter to Lala Jha 1147 Sal=1739 A. D.) *ẽhāka—Early* Maithili form of *ahāka* (q.v.).

एहाङ्क—ईहामृग । [सं० ईहामृग + अंक] । वर्ण० ६४ (तीस बीस एहाङ्क आकश, देश लक्षालक्ष होइते आह)। *ehāṅka*—Name of a type of Sanskrit drama.

एँहानलोक—एहनलोक (दे०) केर प्रा० मै० रू० । FML 398 (जावत एहानलोक के लिखीअ नहि)। *ẽhānaloka—Early* Maithili form of *ehanaloka* (q.v.).

एहि—क्रि० वि० । अइ, ई, एहन, एकर, इएह, [सं० एष] । तु० क० अव० अस०, बं०, एहि । वर्ण० (जनि एहि आलिङ्गए); वि० ने० १६ (एहि वेआधि औषध तोहर अधर अमिय केर धार); वि० वि० ६ (तुहहि एहि खने लेह); मन० कृष्ण० २३ (एहिसँ सुखद साप बरु खाय); गौरी परिणय ६२ (एहि नाटक एतबा परवेश); चित्रा ६ (कविक एहि कुटीरमे बैसल रही); BPL 1002,

1113, FML 312, 409, 311, 306, 191, चन्द्र (लोकोक्ति) (एहि संसारक ई व्यवहार उत्पति धरनि होइछ संहार)। *ehi—Adv.* This, like this, like.

𑒋𑒿𑒯𑒱 **एँहि**— एहि (दे०) केर प्रा० मै० रू०। FML 429. *ẽhi—Early* Maithili form of *ehi* (q.v.).

𑒋𑒯𑒱𑒏𑒩𑒱 **एहिकरि**—हिनकर (दे०) केर प्रा० लु० मै० रू० । FML 409. *ehikari—Early* obs. Maithili form of *hinakara* (q. v.).

𑒋𑒯𑒱𑒐𑒢 **एहिखन**—एखन (दे०) केर विक० रू०। [सं०]। श्रीकृष्ण केलिमाला 40. *ehikhana-Alt.* form of *ekhana* (q. v.).

𑒋𑒯𑒱𑒐𑒢𑒹 **एहिखने**—एहिखन (दे०) केर निश्च० रू०। वि० वि० ४ (एहिखने जायव अपन निवासे)। *ehikhane—Emph.* form of *ehikhana* (q. v.).

𑒋𑒯𑒱𑒑𑒞 **एहिगत**—वि०। एहि गतिसँ वा एहि शरीर सँ। का० रू०। [एहि + गति अथवा गत अथवा गात्र > गत]। पुरु० २०० (अग्नि प्रवेश करब एहिग०)। *ehigata—Adj.* From this mood, or belonging to this body.

𑒋𑒯𑒱𑒚𑒰𑒧 **एहिठाम**— एहि स्थान वा जगह मे। [एहि + ठाम] तु० क० एहिठाँ। राम० ३६ (गुरु प्रसाद अयलहु एहिठाम); पुरु० १६४ (कारण एहिठाम जानक चाहो)। *ehiṭhāma—* This place.

𑒋𑒯𑒱𑒞𑒯 **एहितह**—एतए सँ (दे०) केर प्रा० का० रू०। [एहि + सं० तः, अथवा सं० इहतः]। श्री कृष्ण केलिमाला १० (एहितह ओहि बरु थोर कलेवे)। *ehitaha—Early* Maithili *poet.* form of *etae* (q. v.).

𑒋𑒯𑒱𑒢 **एहिन**—एहन (दे०) केर छिकाछिकी रू०। FML 434. *ehina—Chikāchiki* form of *ehana* (q.v.).

𑒋𑒯𑒱𑒢𑒰 **एहिना**—क्रि० वि०। बिनु विशेष कारणेँ, एहि तरहेँ, एही प्रकारेँ। [सं० अमुना, एह + ?ना = नहि]। तु० क० ओहिना, ओहुना (दे०)। मै० हि० सा० ७ (एहिना पठाओल गेल अछि); मो० ६७-८ (एहिना नित रहत स्वतन्त्र); मि० उद० १५६–१ (सृष्टि कैं एहिना बदलैत छी); प्रण० ४ (व्रजेन्द्र नायक एहिना उच्चारण कैलन्हि); चित्रा ९ (आइ गूड़ा कालिह खुद्दी एहिना)। *ehinā—Adv.* Thus, for no particular reason.

𑒋𑒯𑒱𑒣𑒩 **एहिपर**—एहिसँ दोसर, एहि अथवा एकहिटा पर। [एहि + उपरि > पर]। FML 385. *ehipara—Adv.* Upon this, different from this.

𑒋𑒯𑒱𑒪𑒼(𑒪𑒾)𑒏𑒱𑒏 **एहिलो(लौ)किक**—वि०। एहि पृथ्वीपर रहनिहार मनुष्य सम्बन्धी, एहि लोककेर, परलोक वा दोसर लोकमे नहि। [सं० ऐहलौकिक]। मि० उद० १५७–१६ (एहिलौकिको ग्रन्थ अनेक छल); (एहिलौकिक [illegible] परिवर्तन देखवामे नहि अवैछ)। *ehilo(lau)kika—Adj.* Related to the inhabitants of the earth.

𑒋𑒯𑒲 **एही**— एहि (दे०) केर निश्च० रू०। वि० [illegible] ५७४ (हमरि धीया के एही वर होएता); मै० हि० सा० ३–६ ३७ (सत्व, रज, तम, एही तीनू द्रव्यक त नाम प्रकृति थीक); [illegible] ४ (६१–५३); मि० उद० १५७–१ (एही एक दू मासमे); प्रण० २ (एही तर्क वितर्कमे छलहुँ)। *ehi—Coll. Emph.* form of *ehi* (q.y.).

𑒋𑒯𑒳 **एहु**—एहू (दे०) केर प्रा० मै० रू०। कीर्तिलता ७ ([illegible] चरित्त रसाल एहु थोह न रालहि गेह); गो० वि० २ (ख) ([illegible] करथु जगत एहु ब्रह्म); बं० सा० प० १३०१, न० गु० ६, अ० १००७ (विज्जावइ कविवर एहु वर गावए); पा० ३०२ (एहु [illegible] वच चान्द चकोर); FML 311, 409. *ehu—Early* Maithili form of *iho* (q.v.).

𑒋𑒯𑒳𑒢𑒰 **एहुना**— क्रि० वि०। एहू प्रकारेँ कोनहुना, [illegible] कटेँ। [एहू (दे०) + ना]। *ehunā—Adv.* Thus also, somehow also.

𑒋𑒯𑒴 **एहू**—एहि (दे०) केर निश्च० रू०। वि० राग० ५२(सुकवि एहू कण्ठहारे गाओल रूप सकल सरूप); मै० हि० सा० (३–४) २ एहू दूनू संस्कार रत्नमे चोरयवा लय लोक कटिबद्ध भय रहल अछि ; मो० ६७–२ (एहू रुपेँ मुदित होथु); मि० उद० १५८–१३ (एहूमे होइछ जे)। *ehū—Emph.* form of *ehi* (q.v.).

𑒋𑒯𑒴𑒚𑒰𑒧 **एहूठाम**—एहिठाम (दे०) निश्च० रू०। पुरु० १६७ (एहूठाम सौं आनठाम जाई)। *ehūṭhāma—Emph.* form of *ehiṭhāma* (q. v.).

𑒋𑒯𑒹 **एहे**—इएह (दे०) क प्रा० मै० रू०। तु० क० अस० एइ; S. Sen 117 एहे। वि० ने० ४४ (एहे तोर वड़ भाग); वि० पद० मजु० १३; न० गु० (हर) ३८, अ० ६४५ (एहे गउरि मोन [illegible] दोस); राग० ५० (रोस विसरि एहे नितपाअ सुजाने); वि० ने० ४ (नीति विनय गुण एहे भूप जान); FML 409. *ehe—Early* Maithili form of *ieha* (q. v.).

𑒋𑒯𑒹(𑒯𑒹𑒿)𑒢 **एहे(हेँ)न**—एहन (दे०) केर [illegible] तु० क० बं०, अस० एहेन। राग० ७४ (अरजल एहेँन [illegible] ३३७ (एहेन सृष्टि नहि दोसर ठाम); मि० उद० १५७–१६ [illegible] एहेन उपाय कैल जाइत); चित्रा ६ (भ रहल अछि एहेन कोनो [illegible] शतदल ६ (ग्रह नयनक आग्रह एहेन प्रकृति); ग्रि०। *ehe(hẽ)na—Coll.* form of *ehana* (q.v.).

𑒋𑒿𑒯𑒹𑒢 **एँहेन**—एहेन (दे०) केर प्रा० मै० रू० [illegible] ३७ (किअ हिअ देलनि एँहेन विधि [illegible] Maithili form of *ehena* (q.v.).



ऐ¹—मिथिलाक्षरक बारहम स्वरवर्ण। [सं०]। तु० क० अव०, बं०, असु०, ने० ऐ। *ai¹*—The Twelfth Vowel.

ऐ²—स्त्रीकेँ सम्बोधन करबाक शब्द। [सं० हे > अइ]। तु० क० हि०, बं०, असु०, ने०, अव० ऐ; अए। प्रवा० ४० (ऐ! एतेक जोरसँ नहि बाजू)। *ai²*—Interjectional word for drawing the attention of a woman.

ऐ³—अइ वा एहि (दे०) केर का० रू०। राम० ४४ (ऐ महानन्दसौं स्नान्त के सम्भव)। *ai³*—*Poet.* form of *Ai* or *ehi* (q. v.).

ऐ⁴—प्रत्यय। अइ केँ ऐ परिवर्तन भए जाइछ। मि० भा० वि० ६६; FML 77. (प्राकृ० चइत > चैत)। *ai⁴*—Suffix. *Ai.* is pronounced as *ai.*

ऐँ—अव्यय। हि० उच्चारणसँ पुनरावृति सूचक शब्द अर्थात् एक बेर नहि सुनल वा बुझला सन्ताँ पुनः दोसर बेर कहएबाक हेतु कहल गेल शब्द, आश्चर्य सूचक शब्द। [ए + (चन्द्र विन्दु)]। तु० क० हि० ऐँ;। *aĩ*—*Ind.* Hindi spelling of *aẽ* used for asking something to be repeated.

ऐआ—प्रत्यय। उत्पन्न भेनिहार ओ रहनिहार दूनू भव कहबैत अछि। भव अर्थमे गाम, घर, समय, तथा वन शब्दसँ ऐआ प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० ३८ (गमैआ, घरैआ, समैआ तथा बनैआ); भाव अथवा भविष्यत्कालिक क्रियामे अव धातुसँ —ऐआ प्रत्यय लगैत अछि। ल० वि० १४२ (भवैआ भविष्यत्कालिक आगमन)। *aiā*—Suffix.

ऐआम—वर्त्तमान युग, जमाना। [अर० = समय, अवधि]। वि० भा० कोष ३९। तु० क० हि० आयाम। *aiāma*—Present day.

ऐकमत्य—मतैक्य, समान वा एक रूपकेर भाव। [सं० एकमत + त्यम्]। तु० क० ने०, बं०, ऐकमत्य। मि० १८८ (जिमींदार सभ अपनामे ऐकमत्य कै)। *aikamatya*—Unanimity.

ऐकार—ऐकार वा दोलै (ै, ‌ै) केर मात्रा, ऐ आखर। [सं०]। तु० क० बं०, असु०, ने० ऐकार। (ऐकारक मात्रा लगाउ)। *aikāra*—The letter ai, especially its symbol (ै, ‌ै).

ऐकागारिक—वि०। घरक अध्यक्ष, चोर, डकैत। [सं०]। अम० २३१ (चौर ऐकागारिक स्तेन)। *aikāgārika*—*Adj.* Thief, robber, President of a house.

ऐकिक नियम—गणितक एक प्रकारक हिसाब बनयबाक एकात्मक नियम। [सं०]। तु० क० एकिक नियम। (आब हमर बौआ ऐकिक नियम सिखताह)। *aikika niyama*—*Adj.* Unitary method in arithmetic.

ऐके—एकहि (दे०) केर अशु० रू०। पुरु० ७६ (राजा कौँ ऐके वेरा)। *aike*—*Err.* form of *ekahi* (q. v.).

ऐक्य—एकता, एक भाव, एकत्व, अभिनत्व, समता। [सं० एक + ष्यञ्]। तु० क० बं०, असु०, ने० ऐक्य। रंग ८५ (ऐक्य सूत्रमे बान्हि देल); मो० ६६–६ (करैक थिक ऐक्य सौं शुभ विनीत हो याइशै)। *aikya*—Unity,

ऐखन—एइ(हि)खन वा एखन (दे०) केर बा० वा निश्च० रू०। मो० १७–१५ (सेहो दण्ड ऐखन दिअ); प्रवा० १३७ (ऐखन दरियातसँ विदा भ जाएब); पारो ५० (ऐखन कोना कहू चौधरी)। *aikhana*—*Coll.* or *Emph.* form of *ehikhana* or *ekhana* (q. v.).

ऐङ्गुद—इङ्गुदी फल। [सं०]। अम० ८० (न्यैग्रोध, ऐङ्गुद)। *aiṅguda*—The fruit *Ingudi.*

ऐँचब—क्रि०। तिर्यक होएब अर्थात् टेढ़ होएब, तिर्यक करब अर्थात् टेढ़ करब। [खींचब (दे०) अथवा अञ्च > ऐँच + अब]। भा० कोष ३६; मि० (देहकेँ एतेक ऐँचब अशुभ थीक)। *aĩcaba*—*V.* To twist (body etc.).

ऐँचाताना—वि०। जे एके दिस देखलक दोसर दिस नहि सुझलैक। [ऐँचब + तानब]। तु० क० इचात्तानी (खिचातानी)। (ऐँचाताना कहए पुकारि हम मानल कुदरा सँ हारि)। *aĩcātānā*—*Adj.* One sided, oblique-eyed.

ऐँचि—ऐंचब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। तु० क० ने० ऐचि। (देहकेँ बच्चा ऐँचि लैत छल)। *aĩcai*—*Part.* form of *aĩcaba* (q.v.).

ऐँचैत—ऐंचब (दे०) केर वर्त० रू०। विरा० ३३ (तारादाइ ऐचै–मैचेत आगाँ बढ़ि)। *aĩcaita*—*Present* tense form of *aĩcaita* (q. v.).

ऐच्छिक—वि०। इच्छासँ राखल गेल वा ग्रहण कएल गेल। [इच्छा]। तु० क० ने० ऐच्छिक। (की यौ बाबू!

ऐच्छिक विषय कओलेजमे की सब राखल अछि)। *aicchika*—*Adj.* Optional.

ऐछु ऐंछु—अछि (दे०) केर बा० रू०। रेखाचित्र ५२। *aicha* *Coll.* form of *achi* (q. v.).

ऐछुन ऐछुन—ऐसन (दे०) केर का० रू०। तु० क० बं० असo ऐछुन। वि० पदा० मञ्जु० ४२, पण्डित बाबाजी पोथी ६८ (यत किछु कइल सबहु ऐछुन भेल)। *aichana*—P.F. of *aisana* (q. v.).

ऐजन ऐंजन—सर्व०। उएह व्यक्ति (दी०), दोहराय कें पुनः उएह पोथी, गीत। [ने० शब्दकोष ५६ इएह + जन अथवा अर०]। तु० क० ने० ऐजन। मि० भा० कोष ३६। *aijana*—*Pron* Ditto, the same repeated.

ऐंठ ऐंठ—वि०। उच्छिष्ट, अइँठ, खाएल वस्तु, बचल अंश। [सं० उच्छिष्ट वा IAL Turner 1067]। तु० क० हि० जूठ, उ० अइँठा, गु० एँठि; पा० आमट्ठ; प्राकृ० अम्मुट्ठठ। वि० ने० २४२ (अँठ कए जाएत चकोरे); वि० पदा० मञ्जु० ७८, तालपत्र न० गु० २२१, रामभद्रपुर पोथी ३०६, अ० २२८ (ऐंठ कए जाएत चकोरे); पुरु० ३२ (अँठ जूठ अन्न (थल भोजन); ग्रि०; कन्या० ५६ (जहिना कुकुर ऐंठ पात देखि चारूकातसँ झपटैत अछि)। *aiṭha*—*Adj.* Tasted, leavings of a meal.

ऐंठकचा(ठा)र ऐंठकचा(ठा)र—जल मिश्रित अधिक ऐंठ। [ऐंठ + खिचाड़ > खचार > कचार (कठार = कूड़ > कुठ = समूह)]। तु० क० ऐंठ काँट। (ऐंठकचार भोजबरा आँगनमे होइत छैक); टटका गप्प ४२ (तकरा जुमा क ऐंठकठारपर फेकि देलनि)। *aiṭhaka(ṭha)ra*—Water mixed left over meal.

ऐंठकुठ ऐंठकुठ—उच्छिष्ट तत्सम उभय; अर्थात् अइँठ आओर ओहिसँ सम्पर्कित अवशेष वस्तु। [ऐंठ + कूट = समूह ढेरी]। (ऐंठकूट यदि बचल हो त कने हमरा खवासनीकें दए देबैक)। तु० क० ऐंठकाँट। *aiṭhakuṭha*—Left over meal.

ऐंठन ऐंठन—घुमाएब, वा घुमाओल, अमेठी; लटपटाएकें बाँटल। (IAL Turner 1450 आवेष्यते] तु० क० पा० अइँठणा; हि० ऐंठना; ने० ऐंठन (ऐंठन जरल न जरि गेल जोड़); PPL 115 मि० भा० कोष ३६। *aiṭhana*—Twist, yawn, arrogance.

ऐंठब ऐंठब—क्रि०। घुमाएब, घमण्ड करब, अमेठी देब। [IAL Turner 1450 आवेष्ठ्यते]। (डोरीकें खूब ऐंठब ओकर बाद कार्यमे आनब); (बेशी बदमाशी त कान ध क ऐंठब); मि० भा० कोष ३६। *aiṭhaba*—*V.* To wriggle, to twist.

ऐंठल ऐंठल—क्रि वि०। टेढ़, सुखायल, दुबरायल, घमण्डी, ऐंठब (दे०) केर भू० रू०। BPL 123; मिहि० ३५-३-११ (नेनोक देह ऐठल जाइत छैक); आमकठ २४ (राइक ऐठल हिन्दी मे सुनलन्हि)। तु० क० ऐठलाह; ऐठलराह। *aiṭhala*—*Adj.* Past tense form of *aiṭhaba* (q.v.).

ऐंठलाह(हि) ऐंठलाह(हि)—वि०। कथा नहि माननिहार वा माननिहारि। [ऐंठल + आह + इ]। (आइ काल्हिक छौड़ छौड़ी बड़ ऐठलाह(हि) भ गेल अछि); मि० भा० कोष ३६। *aiṭhalāha* (*hi*)—*Adj.* Who (he or she) does not obey.

ऐंठलि ऐंठलि—ऐठल (दे०) केर स्त्री० रू०। नक्षत्र ६६। *aiṭhali*—*Fem.* form *aiṭhala* (q. v.).

ऐंठा ऐंठा—केश बन्धक डोरी। [ऐंठब]। मि० भा० कोष ३६; व्य० विज्ञान ३३६; BPL 1767; जीमूतवाहन ६६। *aiṭhā*—String used in hair dressing of ladies.

ऐंठाइए ऐंठाइए—ऐंठ (दे०) केर निश्च० रू०। मै० सा० मञ्जरी ७। *aiṭhāie*—*Emph.* form of *aiṭha* (q. v.).

ऐंठार ऐंठार—उच्छिष्ट वा अइँठ फेकबाक स्थान। [ऐंठ + आड़]। प्रतु० ४८ (पीढ़ी ससरि क ऐठार मे चल गेलैन्ह); मि० भा० कोष ३६। *aiṭhāra*—The place where leavings of a dinner are to be thrown.

ऐंठारहि ऐंठारहि—ऐंठार (दे०) केर निश्च० रू०। निहिर ३५-२०-२१ (ऐंठारहि पर रखवावय नृप धन से कतय अयाची)। *aiṭhārahi*—*Emph.* form of *aiṭhāra* (q. v.).

ऐंठि ऐंठि—ऐंठब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। आन क २७ (दुलार कान ऐंठि देलथिन्ह)। *aiṭhi*—*Part.* form of *aiṭhaba* (q.v.).

ऐंठुआ ऐंठुआ—ऐंठल (दे०) केर विशेषण रू०। BPL 756; 769. ऐंठुआ केश)। *aiṭhuā*—*Adj.* form of *aiṭhala* (q.v.), curly (hair).

ऐंठी ऐंठी—घमण्ड (जाति वा धनक)। *aiṭhī*—*Pride* (of wealth or status).

ऐंड़ी ऐंड़ी—क्रि०। एड़ीसँ मारब, अपमान करब। उङ्कइल ३ [एड़ी]। *aiḍī*—*V.* Hit with heel, insult.

ऐंढ़ब ऐंढ़ब—ऐंठब (दे०) केर बा० रू०। ऐंढ़ी ... क्रिया रूप। मि० भा० कोष ४०; (रस्सीकें जतेक ऐंढ़ब ओतेक मजगूत होएत)। *aiḍhaba*—*Coll.* form of *aiṭhaba* (q. v.). *V.* form of *aiḍhī* (q. v.).

ऐंढ़ी ऐंढ़ी—माजक हेतु घुमाएब, गुन (रस्सी) मे लगबाक हेतु अमेढ़ी देब। [IAL Turner 1450 आवेष्ठ्यते] ... नहि दिऔक नहि त डोरी फट्टसँ टुटि जायत); मि० भा० कोष ... *aiḍhī*—Winding of string.

ऐता ऐता—हरिणक चर्मकेर नाम [...] अम० ११४ (ऐता ई हरिणक चर्मकेर नाम ...

name of a kind of skin of deer.

𑒌𑒞¹ ऐत¹-प्रत्यय । अनिष्पतिक अर्थमे प्रथम पुरुष अनादरार्थक कर्तृपद रहने ऐत प्रत्यय होइत अछि । ल० वि० २०४ (भूतमे वर्षा होइत तँ अन्न उपजैत; भविष्यमे आवहुँ कौनो अवलम्ब होइत तँ निर्वाह चलैत; वर्तमानमे सभ धातुसँ ऐत प्रत्यय होइत अछि) । ल० वि० १३८ (दौड़ैत बालककेँ देखल); ऐत प्रत्ययकेँ इत आदेश होइत अछि । ल० वि० १५२ (देखैत अएलहु केँ देखतहिँ अवलहुँ); मै० व्याकरण ८६ । *aita*¹—Suffix-

𑒌𑒞² ऐत²—वि० । अत्यधिक सुन्दर, बहुत बढ़िआँ । [अर०] । तु० क० उर्दू अएन, सं० आयत । (एहि कनियाँ क मुँह कतेक ऐत छैक) । *aita*²—*Adj*. Very excellent.

𑒌𑒞𑒫𑒰 ऐतवा—एतवा (दे०) केर अशु० बा० रू० । मि० २१५ (ऐतवा कथा सुनैत) । *aitavā*—*Erro. Coll.* form of *etavā* (q.v.).

𑒌𑒞𑒱𑒮 ऐतिस—अभिमान, घमण्ड । [ऐस+तएस] । मि० भा० कोष ४०; (एतेक ऐतिस हमरा जनु देखाउ) । *aitisa*—Pride.

𑒌𑒞𑒱𑒯𑒰𑒮𑒱𑒏 ऐतिहासिक—वि० । इतिहास जाननिहार, जे इतिहास मे होइक, इतिहास सम्बन्धी । [सं] । तु० क० हि०, बं०, अस०, राज०, अव०, ने० ऐतिहासिक, प्राकृ० ऐतिहासिअ । मौ० १०२-६ (ओकरा ऐतिहासिक दृष्टिसँ देखैत छी), जगन्नाथपुरी यात्रा ४० । *aitihasika*—*Adj*. Historical, pertaining to history, historian.

-𑒌𑒞𑒲 -ऐती-प्रत्यय । कर्म अर्थमे डाकू सभा घटक, पञ्च शब्द सँ ऐती प्रत्यय लगैत अछि । ल० वि० ४१ (डकैती; सभैती; घटकैती, पञ्चैती) कुडम शब्दसँ विवाह=क्रियामे ऐती प्रत्यय अबैत अछि । ल० वि० ४१ (हमरा देवदत्त मामा ओहिठाम कुटुमैती अछि); मि० भा० वि० ६५, २४६ । *aiti*—Suffix.

𑒌𑒞𑒲-(𑒖𑒻𑒞𑒲) ऐती-(जैती)—अबैत जाइत काल । [आएब +ऐत]+जाइत (जैती)] (ऐती जैती तीन टाका भाड़ा लगैछ) । *aitī-(jaitī)*—The act of coming and going.

𑒌𑒞𑒾𑒯 ऐतौह—आएब (दे०) केर अना० मध्य० ओ अन्य पुरु० भविष्य० रूप । प्रण० ८१ (जखन मन ऐतौह तखने विदा भ जैबह); रंग० १० (चोर ऐतौह) । *aitauha*—*nonh*. future tense second or third person form of *āeba* (q.v.).

𑒌𑒯𑒼 ऐहो—इहो (दे०) क प्रा० का० रू० । वि० पदा० मजु० १ ८६, न० गु० (हर) १, अ० (विद्यापति कविवरे एहो गाओल) मन० कृष्ण० १६ (ओहि नगरी तँह एहो निक मेल); म्रि० । *eho*—*Early* Maithili *Poet*. form of *iho* (q. v.).

𑒌𑒢 ऐन—वि० । समुचित, बिलकुल ठीक, वाजिब, कानून । [अर० अयन] । तु० क० हि० ऐन गैन न० १ (ऐन मौका हुनक जीह पिच्छड़ भ जाइन्हि); (ऐनक एन)=कलदैन, एकदम ठीक । (ऐन कानून छँटैत छइ) । *aina*—*Adj*. Proper, exact.

𑒌𑒢𑒯𑒱 ऐनहि—आएब (दे०) केर निश्च० रू० । सनेस १५ (धन्य हम जकरा ऐनहि तोँ विवश भ सभ टलइ भाभट) । *ainahi* *Emph.* form of *āeba* (q.v.).

𑒌𑒢𑒰 ऐना—अएना (दे०) केर हि० उच्चा रू० । तु० क० बं० आयना; अस० हि० आइना; उर्दू अइना; ने० ऐना, अएना; । मि० ३०० (लै ई ऐना सँ अपन-अपन मुह देख लेबै कही); ब्र० विज्ञान ३४ (ऐना सतधरा); म्रि० । *ainā*—*Coll.* Hindi spelling form of *Aenā* (q.v.).

𑒌𑒢𑒹 ऐने—अएने (दे०) केर हि० उच्चा रू० । द्विरा० १७७ (बिनु गाम ऐने उपाये नहि छन्हि); प्रश० २२ (परन्तु ऐने की ?) । *aina*—*Coll.* Hindi spelling form of *aene* (q. v.).

𑒌𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩 ऐन्द्र—इन्द्र सम्बन्धी, अर्जुन, जयन्त, बालि, सुग्रीव । [सं० इन्द्र+अण] । तु० क० बं०, अस० ने० ऐन्द्र । राम० २७२ (कहि-कहि लक्ष्मण ऐन्द्र सर) । *aindra*—Jayanta, Arjuna, Bāli, Sugrīva, relating to Indra.

𑒌𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒖𑒰𑒪𑒱𑒏 ऐन्द्रजालिक—वि० । इन्द्रजाल जननिहार, जादूगर, इन्द्रजाल सम्बन्धी । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० ऐन्द्रजालिक, मृच्छकटिक ५८ । *aindrajāljka*—*Adj.* Magical, relating to magic, a magician.

𑒌𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒡𑒢𑒳 ऐन्द्रधनु—इन्द्रधनुष (दे०) केर का० रू० । राम० २६५ (तखन ऐन्द्रधनु अशनि समान) । *aindradhanu*—*Poet.* form of *Indradhanuṣa* (q.v.).

𑒌𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒨𑒼𑒑 ऐन्द्रयोग—इन्द्रयोग केर का० रू० । राम० २५८ (ऐन्द्रयोग मुनि कर सविधान) । *aindrayoga*—*Poet.* form of *Indrayoga*.

𑒌𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒰𑒮𑓂𑒞𑓂𑒩 ऐन्द्रास्त्र—इन्द्रक अस्त्र । [स०] । रघुवंश (पाँचम) २०६ । *aindrāstra*—The weapons of Indra.

𑒌𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒱𑒨 ऐन्द्रिय—वि० । इन्द्रिय सम्बन्धी । [सं०] तु० क० बं० ऐन्द्रिय । *aindriya*—*Adj*. Relating to the senses.

𑒌𑒢𑓂𑒯𑒱 ऐन्हि—प्रत्यय । आदरार्थक अन्य पुरुष क्रियामे जोड़ल जाइछ । FML 474; (देखतिऐन्हि; जगितिऐन्ह; हँसितियैन्ह); *ainhi*—Suffix. It is added in hon. third person, transitive verbs.

𑒌𑒣𑒢 ऐपन—अइपन वा अरिपन (दे०) केर विक० रू० । राम० ५६ (उजर ऐपन मुक्ताहार); द्विरा० ६६ (पिठारसँ ऐपन द रहल छथि) । *aipana*—Alt. form of *aipana* or *aripana* (q. v.).

ऐपनहि—ऐपन (दे०) केर निश्च० रू० । द्विरा० १४० (सेर भरि चाउर मोर ऐपनहि गेल)। *aipanahi—Emph.* form of *aipana* (q. v.).

ऐब[1]—आएब (दे०) केर हि० उच्चा० वा० रू० । FML 332 (प..ना म क ऐब); FML 340. *aiba*[1]—Hindi spelling of *Coll.* form of *āeba* (q.v.).

ऐब[2]—वि० । दोष, अवगुण । [अर०] । तु० क० उर्दू ऐब । (अहाँमे समटा गुणे अछि मुदा एकटा बड़ पैघ ऐब अछि) । *aiba*[2]—*Adj.* Defect, fault.

ऐबा(क)—अएबा(क) (दे०) केर हि० उच्चा० वा० रू० । चित्रा ५९ (ओहि-राति ऐबा काल); मि० २२७ (स्वदेश ऐबा : शुभ समाचार पूर्वहि विज्ञात कराओल); FML 335, प्रण० १७६ (एतए ऐबाक और पेटी अनबाक फले की) । *aibā(ka)*—Hindi spelling of *Coll.* form of *aebā(ka)* (q.v.).

ऐबे—ऐबा (दे०) केर निश्च० रू० । पारो १६ (दशमीक छुट्टीमे ऐबे त करब) । *aiba*—Emph. form of *ailā* (q.v.).

ऐबो—ऐबा (दे०) केर निश्च० रू० । द्विरा० १३७ (कहाँसँ ऐबो कैल) । *aibo—Past* tense form of *aibā* (q.v.).

ऐया—प्रत्यय । ऐआ (दे०) केर विक० रू० । मि० भा० वि० ६०, ९०, १६०; ने० शब्दकोष ५६ ऐआ-ऐया; [अढ़ाए+ऐया=अढ़ैया] । *aiyā—Suffix* Alt. form of *aiā* (q.v.).

ऐयाम—ऐआम (दे०) केर विक० रू० । मि० भा० को० ४० । *aiyāma—Alt.* form of *aiāma* (q.v).

ऐयार—वि० । चालाक, धूर्त । [अर०] । तु० क० हि० ऐयारी । रंग १३२ (हम ऐयार सिंह छी) । *aiyāra—Adj.* Clever.

ऐयाशी—विषयासक्ति, भोग-विलास । [अर०] । तु० क० हि०, उर्दू ऐयाशी; उर्दू ऐयासी । (ऐयाशी लोकनिक वासना सतत तीव्र होइत रहैत छन्हि) । *aiyāśi*—Sensuality, life of pleasures.

ऐरावण(त)—इन्द्रक हाथीक नाम । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० राज० (ऐरावत । वर्ण ५६ (ऐरावत, पुण्डरीक); अम० (११ ऐरावत अभ्रमातङ्ग ऐरावण); मि०, राम० ६१ (चतुर चन्द ऐरावत) । *airāvaṇa(ta)*—Name of Indra's Elephant.

ऐरावती—ऐरावत (दे०) केर स्त्री० रू० । अमर० ११ (ह्रादिनी ऐरावती क्षणप्रभा) । *airāvati—Fem.* for . of *airāvata* (q. v.).

ऐल—आएल (दे०) केर हि० उच्चा० वा० रू० । चित्रा ९ (प्रकट भेल मराल ऐल समीप किछु; FML ३४४; ... १३ प्रिय तेहेन ई ऐल हेहरि) । *aila*—Hindi spelling of *Coll.* form of *āela* (q.v.).

ऐलथि(थु)न्ह—अएलथि(थु)न्ह वा एलथि-(थु)न्ह (दे०) केर हि० उच्चा० रू० । मि० उद० १२७-२१ (हुनक समीप ऐलथिन्ह); कन्या० ८ (बड़की दाइ ऐलथुन्ह); प्रण० २३ (खिचैत तिरैत ल ऐलथिन्ह) । *ailathi(thu)nha*—Hindi spelling of *Coll.* form of *aelathi (thu)nha* or *elathi(thu)nha* (q.v.).

ऐलन—अएलाह (दे०) केर ग्राम० रू० । उमाशंकर विवाह कीर्तन १३ । *ailana—Folk* form of *aelāha* (q.v.).

ऐलहुँ—अएलहुँ वा एलहुँ (दे०) केर हि० उच्चा० रू० । मि० ३११ (आरम्भ कै चुकलहुँ तखन अहाँ ऐलहुँ; क्षमा करब); ने० ३४-१९५ (आश्रममे ऐलहुँ); प्रण० (पुनः विछाओन पर ऐलहुँ) । *ailhũ*—Hindi spelling of *Coll.* form of *Aelahũ* or *Elahũ* (q.v.).

ऐलन्हि—अएलन्हि वा एलन्हि (दे०) केर हि० उच्चा० रू० । पारो १९ (कौदन कहै छै से ऐलन्हि अछि) । *ailanhi*—Hindi spelling of *Coll.* form of *aelanhi* or *elanhi* (q.v.).

ऐला[1]—अएला (दे०) केर हि० उच्चा० रू० । चित्रा ११ (रुपैया वान्हि बूढ़ ऐला सौराठ) । *ailā*[1]—Hindi spelling of *Coll.* form of *aelā* (q. v.).

ऐला[2]—रोग विशेष, छोट माँस वढ़ल मसुविर्धि । मि० भा० कोष ४० । (ऐला भेला पर महादेवकेँ एक भार भाटा चढ़औलासँ छुटि जाइत छैक) । *ailā*[2]—Mole.

ऐलान—एलान (दे०) केर अशु० रू० । कानि २८ । *ailāna*—Err. form of *elāna* (q. v.).

ऐलाह—अएलाह (दे०) केर हि० उच्चा० रू० । मि० उद० १५८-१७ (सोभे पृथ्वी औते चल ऐलाह); सो० ३७-२९ (मधुबनी ऐलाह); प्रण० ३ (हमरा संग चल ऐलाह) । *ailāha*—Hindi spelling of *Coll.* form of *aelāha* (q. v.).

ऐलिऐक—एलिऐक केर अशु० रू० । द्विरा० ११३ (जहिया सँ हम ऐलिऐक तहियासँ); प्रण० ४० (हमर नहि छल त नेने किऐक ऐलिऐक) । *ailiaka*—Err. form of *eliaika* (q. v.).

ऐलिऐन्ह—एलिऐन्ह केर अशु० रू० । ... ३५६ (हम दै ऐलिऐन्ह) । *ailiainha*—Err. ... *eliainha* (q. v.).

ऐलिऔह—एलिऔह केर अशु० रू० ...

(तेहने तेहने वात कहैत ऐलिऔह) । *ailiauha*—Err. form of *Eliauha.*

ऐलियौ ऐलियौ —**एलिऔह** केर बा० रू० । हिरा० ११८ (तौरा सभक पाछु धैने ऐलियौ) । *ailiyau—Coll.* form of *Eliauha.*

ऐलिहुँ ऐलिहुँ—**अएलहुँ** (दे०) केर प्रा० कु० का० रू० । राग० ७६ (आज पूनिमाँ तिथि जानि मोरे ऐलिहुँ उचित तोहर अभिसार) । *ailihū̃—Early* Obs. *poet.* form of *aelahū̃* (q. v.).

ऐली ऐली—**अएलीहि** (दे०) केर प्रा० कु० का० रू० । राम० ३७ (सभ जन पुनि गौरी पुजवा काल ऐली) । *ailī—Early* obs. *poet.* form of *Aelīhi* (q. v.).

ऐलैक ऐलैक —**अएलैक** (दे०) केर अशु० रू० । मि० २२० रक्तिमातिरेकेँ रुधिर उमड़ि ऐलैक); रंग ६० (बाहर चल ऐलैक प्रश० ४० देगर कै देखए ऐलैक अछि) । *ailaik*—Err. form of *aelaika* (q. v.).

ऐलैन्ह(न्हि) ऐलैन्ह(न्हि)—**अएलन्हि** (दे०) के अशु० रू० । कन्या० ५ (तै ई सभ वार्तालाप हुनका सुनमे नहि ऐलैन्ह ; प्रश० ५ (ओहाओन माँग्य ऐलैन्ह) । *ailainha(nh.)* — Err. form of *aelanhi* (q. v.).

ऐलौ(ह) ऐलौ(ह)—**अएलौह** (दे०) केर अशु० रू० । राम० २३६ (दोसरो फेरि ऐलौ); मि० ३७४ (हो न हो ई जे ऐलौह से सरकार के) । *ailau(ha)*—Err. form of *aelauha* (q v.).

ऐलौँ ऐलौँ—**अएलहुँ** (दे०) केर अशु० रू० । राम० २०४ (लाँघि कै सिन्धु ऐलौँ) । *ailaũ*—Err. form of *aelahū̃* (q. v.).

ऐव ऐव—**आएव** (दे०) केर विक० रू० । महेश० २ (तोहे पुरं ऐवउ हे); पारो ३२ (अहाँक ओहिठाम अवश्य ऐव) । *aiva* —Err. form of *āeva* (q. v.).

ऐवाक ऐवाक —**अएवाक** (दे०) केर अशु० रू० । प्रश० २ (एना ऐवाक कष्ट उठौने छथि) । *aivāka*—Err. form of *aevāka* (q. v.).

ऐवे ऐवे—**ऐव** (दे०) केर निश्च० रू० । राम० २०५ (सङ्ग लै फेरि ऐवे) । *aive*—Emph. form of *Aiva* (q v.).

ऐवेर ऐवेर—**एहिवेर** केर बा० रू० । व्यवहार विज्ञान ३ । *aivera —Coll.* form of *ehivera.*

ऐवो ऐवो—**ऐव** (दे०) केर निश्च० रू० । पारो ५८ (गाम ऐवो कैलहुँ त केरबोनिया नहि जा भेल) । *aivo*—Emph. form of *aiva* (q. v.).

ऐश ऐश—सुख, आराम, शान्ति, भोगविलास । [अ०] । तु० क० हि०, बं० ऐश । (आइ काल्हि जमीन्दारलोकनिक ऐश खतम भए गेल छन्हि) । *aiśa*—Peace, luxury.

ऐशान(न्य) ऐशान(न्य)—ईशान कोण, पूब आ उत्तर दिशाक कोण । [सं०] । तु० क० बं०, अस०, ने०, अव० ऐशान; अस० ऐसान्य; राज० ऐसान । (सम्प्रति ऐशान कोणक वायु प्रवाहित भए रहल अछि) । *aiśāna (nya)*—The northeast corner.

ऐश्वर्य ऐश्वर्य— प्रभुत्व, अधिपत्य, समृद्धि, धन-सम्पति, ख्याति, प्रसिद्धि, अणिमादि अष्टविध ऐश्वर्य । [सं० ईश्वर + ष्यञ्] । तु० क० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० ऐश्वर्य; प्राकृ० एस्सज्ज; पा० इस्सरिय; इस्सेर; सि० इसुर । वर्ण० ६ (ऐश्वर्यें महादेव); भो० ९७-२३ (ऐश्वर्यहीन भारतक अधिवासी थिकहुँ); खट्ट० ५७ (ओ अतुल ऐश्वर्यक अधिकारी भ रहल अछि); व्याकरण प्रबोध १२ । *aiśvarya*—Supremacy, prosperity, the forms of yogic power.

ऐसतैस ऐसतैस—क्रोध तथा ईर्ष्याक भाव । [ईर्ष्या + तीक्ष्ण] । मि० भा० को० ४०; प्रश० ७८ (ऐसतैस भाईत काज करबाबए लगलीह) । *aisataisa*—Threatening speech due to anger.

ऐसन ऐसन—**अइसन** वा एहन (दे०) केर प्रा० कु० मै० रू० । तु० क० प्रा० भार० इसो; ईसो; प्रा० गु० इसिउ; इस्यउ; गु० असउँ; प्राकृ० एइस; हि० ऐसा; प्रा० म० अइसा; म० असा; बं०, भोज० ऐसन । वर्ण० २ (सुताओल ऐसन); गोरक्ष विजय ५ (क) ऐसन कठिनपुर कतहु न पाए); वि० ने० १९० (ए सखि ऐसन भोर अभाग); वि० पदा० मजु० ८८, नेपाल ५, न० गु० ४२१, अ० ४२७ (तोहर बचन अभिय ऐसन); राग० ७७१ (सवतह सुनि ऐसन व्यवहारा); B.P.L 1088; FML 64, 96. *aisana* —*Early* obs. Maithilī form of *Aisana* or *ehana* (q. v.).

ऐसना ऐसना— **ऐसन** (दे०) केर का० रू० । राम० ५३ (अब आवह पुनु ऐसन कासे) । *aisanā*—P. F. *aisana* (q. v.)

ऐसनि ऐसनि—**ऐसन** (दे०) केर स्त्री रू० । वि० पदा० मजु० ३२, न० गु० (नाना) ८, अ० १००६ (ऐसनि न कहव बुधा); राग० ७२ (ऐसनि मनस रसमन्त रे); गो० श्र० १ अमर० ३४ (ऐसनि कामिनि पुरुखर दुहुक दुलह नव बाला); राम० ५१ (ऐसनि पाउति राति) । *aisani*—*Fem.* form of *aisana* (q. v.).

ऐह¹ ऐह¹—**एहि** (दे०) केर प्रा० कु० मै० रू० । गो० श्र० १ अमर० ४७ (मान भरम हम हँसि हँसि साथ न जानिय एह पड़व परमाद) । *aiha*[1]—*Early* obs Maithilī form of *ehi* (q. v.).

ऐह² ऐह्²—इएह (दे०) केर प्रा० लु० मै० रू०। पुरु० २० (ऐह हम चललहुँ)। *aiha²—Early* Obs. Maithili form of *ieha* (q.v.).

ऐहब ऐह्ब—वि०। अइहव (दे०) केर वि० रू०, अविधवा, सधवा, सौभाग्यवती, BPL 1277; मि० भा० कोष ४०; (आइ ऐहब भोजन कराओल जाएत)। *aihaba—Adj.* A woman whose husband is alive, alt. of *a-ihava.*

ऐहलौकिक ऐहलौकिक—वि०। एहि लोक सम्बन्धी, एहि विश्व सम्बन्धी। [सं०]। तु० क० बं० ऐहलौकिक। मिहिर ३४-४-११ (समस्त ऐहलौकिक सौभाग्यकैँ प्राप्त करथि)। *aihalaukika—Adj* Of this world.

ऐहव ऐह्व—ऐहब (दे०) केर वा० रू०। व्य० विज्ञान ७ (हम दस गोट ऐहवे सुहव सँ चरहकड़ी दिन; ... २५। *aihava—Coll.* form of *aihaba* (q.v.).

ऐहिक ऐहिक—वि०। सांसारिक, एहि ..., लोक सम्बन्धी। [सं० इह + ठञ्]। तु० क० बं०, ..., ऐहिक। मो० ६७–१ (ऐहिक प्रशस्त करू)। *aihika—Adj.* Pertaining to this world or life.

ऐहिलौकिक ऐहिलौकिक—एहलौकिक (दे०) केर अशु० रू०। मि० उद० १५०–१६ (आध्यात्मिक वा ऐहिलौकिक ...)। *aihilaukika—Err.* form of *aihalaukika* (q.v.).

ऐहैन ऐहैन—एहेन (दे०) केर अशु० वा० रू०। मि० ३६= (मेवा मेदैक ने पुत्र पौत्रादि एहैन खाथि)। *aihaina—Err.* form of *ehena* (q. v.).

ओ

ओ¹ ओ¹—मै० क दसम, संस्कृत मिथिलाक्षरक तेरहम स्वर वर्ण, एकर उच्चारण स्थान कण्ठ आओर ओष्ठ मानल जाइछ। तु० क० बं०, अस०, ने० ओ। (ए, ऐ ओ औ)। *o¹*—Thirteenth vowel.

ओ² ओ²—प्रत्यय। संस्कृत भाषामे अवधारणमे एव तथा समुच्चयमे अपि शब्दक प्रयोग होइछ तकर स्थान मिथिला भाषामे कतहु ओ प्रत्यय लगाओल जाइछ। [हु (प्रत्यय > हो > ओ (प्रत्यय)]। ल० वि० १५१ (राम + ओ = रामो; कालि + ओ = कालिओ; जाएब + ओ = जएबो; दहाएब + ओ = दहएबो; पाओल + ओ = पाओलो)। *o²*—Suffix for emphasis or conjunction.

ओ³ ओ³—सर्व०। स्त्री वा पुरुषकेँ कहल वा इशारासँ देखाओल गेल शब्द; परोक्ष निर्देश। [सं० असौ]। तु० क० बं०, अस०, ने०, अव० ओ। वर्ण० ३ (ओ दण्डायुध); गो० शृ० १ अमर० १६ (नै जानिय रतिरस ओ सुख सम्पद की फल तुअ अनुरागे); गो० शृ० १ अमर० २६ (तुहुँ सुतलि रसमय परयंक। ओ तरि आयल पाँतर पंथ); मन० कृष्ण० ६ (ओ कन्या ल) मो० ७३ (हँसी ठट्ठाक ओ राजनियम विरुद्ध लेख); पुरु० १६६ (ओ एक समय); प्रण० ४ (ओ व्रजेन्द्रनाथक एहिना उच्चारण कैलन्हि); B. P. L 964; 1088, 1092, 1083; चित्रा (७ हमही थिकहुँ ओ देवता); FML 285 (ओ कहलथीन्ह); FML 290 (ओ गेल); FML 89 (ओ मोछा नेल); FML 285 (ओ आओति); FML 290 (ओ गेलाह) *o³—Pron.* That (He, She).

ओ⁴ ओ⁴—अव्यय। आओर, एवं, तथा। [आओर (दे०) केर संक्षि०]। राम० (बाल) ५ (पार्वती ओ शम्भुकाँ); मो० ६७–२ (रजौराधीश युग ओ श्रीनगर भूनाथ काँ); मि० उद० १५७–१ (प्रबन्ध ओ नियम भय रहल छैक); वि० व० १८ (ब्राह्मणगण ओ रङ्क)। *o⁴—Ind* And.

ओँ ओँ—ओंकार, ब्रह्मवाचक शब्द। [सं०]। FML 474, 477, 500. *õ—Brahma.*

ओअ ओअ—ओ³ वा ओहन (दे०) केर प्रा० का० रू०। राम० ४४ (कैसनि मेलि ओअ रीति)। *oa—Early Poet.* Form of *o* or *ohana* (q.v.).

ओआक ओआक—पक्षिविशेष। उवाक (दे०) केर वि० रू०। [उ + वक]। मि० भा० कोष ४८। *oāka*—Name of a bird.

ओआजिब ओआजिब—वि०। उचित, ठीक। [अ० वाजिब]। तु० क० हि०, उर्दू० वाजिब। मि० भा० कोष ४८ (अहाँक सभटा गप्प ओअजिब अछि)। *oājiba—Adj.* Proper, right.

ओआरब ओआरब—क्रि०। ओरिआएकेँ राखब, मालक आगाँ घास ओआरि दिऔ तखन ओकरा दूहू बेसी क। [सं० ... ओआर + अब] तु० क० ओगारब (दे०)। *oāraba—V.* Place something for use. To give plenty of grass etc. for placing it before cattle as a meal.

ओआरन्ट ओआरन्ट—आदेश, आज्ञा, पकड़क निमित्त सरकारी कागत। [आँग्ल]। मि० ३८४ (गवर्नमेण्ट ओआरन्टक सिपाहीकेँ वेष बदलवा)। *oāranṭa*—Warrant.

ओआरी ओआरी—ओअरब (दे०) केर ... कृष्ण० १२ (तैल सिन्दुर सभ देलन्हि ओआरि ...)। ... form of *oāraba* (q. v.).

ओआरे ओआरे ...

ओइ ओइ—ओहि (दे०) केर ...

गइवा बहिनथी)। पारो० ३ (ओइदिन)। *oi—Coll* form of *Ohi* (q.v.).

𑒍𑒃𑒚𑒰𑒿 **ओइठाँ**—ओहिठाम (दे०) केर बा० रू०। FML 425. *oithā—Coll.* form of *ohiṭhāma* (q.v.).

𑒍𑒃𑒚𑒱𑒂𑒿(𑒨𑒰𑒿) **ओइठिआँ(याँ)**—ओहिठाँ (दे०) केर छिकाछिकी रू०। FML 435. *oiṭhiā(yā)—Chikāchiki* form of *ohiṭhā* (q. v.).

𑒍𑒃𑒢𑒥𑒰𑒩 **ओइनबार**—एक गोट प्रसिद्ध वंशक नाम। मिथिला तत्व विमर्श पूर्वार्द्ध १३३। *oinavāra*—Name of famous dynasty.

𑒍𑒃𑒢𑒱𑒏𑒃(𑒩) **ओइनिकइ(र)**—उम्हरे सँ, अवितहिँ। प्रा० छु० प्र० [ओहि + कइ]। तु० क० ओन्नीएसँ। वर्ण० ४५ (ओइनिकइ (Foot note) बाइनाद धाल दुइ सुधाल भउअह)। *oinikai(ra)*—Even from there.

𑒍𑒃𑒩𑒲 **ओइरी**—धान्य विशेष, नीवार, एकर खेती नहि होइछ स्वतः पानिमे होइछ, कुटबाक काज नहि होइत छैक, सुखाए कए फूकि देला सँ एकर चाउर तैआर भए जाइछ। [सं० नीवार]। ग्रि०, मि० भा० कोष ४०। *oiri*—Name of a kind of paddy.

𑒍𑒄 **ओई**—ओहि (दे०) केर प्र० का० रू०। राम० २१३ (की सुख भुजि छथि ओई देशमे)। *oi—Old* poet form of *ohi* (q v.).

𑒍𑒋𑒢𑒰 **ओएना**—जुआक प्रभेद वा ओकर कोनो चालि। [?]। वर्ण० २५ (चेन्धा मनमला, ओएना)। *oenā*—A kind of gambling or its trick.

𑒍𑒋𑒯 **ओएह**—ओ^3 (दे०) केर बा० निश्च० रू०। उएह (दे०) केर विक० रू०। धातुपाठ ७७; (ओएह थिकाह); (ओएह आबि रहल छथि)। *oeha—Alt.* of *ueha, coll.* or emph. form of O^3 (q. v.).

𑒍𑒏 **ओक**—आश्रय, घर, पक्षी। [सं० उच + क > ओकस्]। चन्द्र० ५२ (हम दुर्नय ओक)। *oka*—Shelter, home, bird.

𑒍𑒏𑒩 **ओकर**—हुनकर (दे०) केर अना० बा० रू०। राम० २५० (ओकर जनु विश्वास करु मन); मि० २२२ (ओकर धैर्य तथा तथा साहस देखि); मि० उद० १५३–२५ (ओकर विवेचना करै लगलथिन्ह); मो० १७१-८ (ओकर पीठ पर चढ़ि गेलाह); प्रण० ५१ (ओकर दूनू बाँहि पकड़ि); चित्रा १३ (तामसे भए गेलइ धोर ओकर मन); B. P. L 1486. डा० उ० ना० तिवारी १३, ४२ FML 406. *okara—Nonh. Coll.* Form of *Hunkara* (q.v)).

𑒍𑒏𑒩𑒯𑒱 (𑒯𑒳) **ओकरहि (हु)**—ओकर (दे०) केर निश्च० रू०। मि० उद० १५६-१७ (ओकरहि बुभि पड़ैत छैक); मो० ६६ ५ (कओरहु निबटाइ लितहुँ); मि० २२३ (ओकरहू नीचाँ खसाओल)। *okvrahi(hu)—Emph.* form of *okara* (q.v.).

𑒍𑒏𑒩𑒰 **ओकरा**—हुनका (दे०) केर अना० बा० रू०। वि० ने० १४८ (ओकरा हृदय रहए नहि लागि); मि० २०० (आओर ओकरा जिबैत); मो० ६७–१२ (ओकरा गुप्तकर वाहि मध्य रोग छैक); मि० उद० १५८–११ (व्यास द्वारा ओकरा पौलन्हि); प्रण० ७ (ओकरा ओकर कि की कहैत); *okarā—Nonh. Coll.* form of *Hunakā* (q. v.).

𑒍𑒏𑒩𑒲 **ओकरी**—ओकर (दे०) केर ग्रा० रू०। FML 286 (ओकरी माए); (ओकरी ओकरी नानी केँ)। *okarī—Folk* form of *Okara* (q.v.)

𑒍𑒏𑒩𑒹(𑒩𑒼) **ओकरे(रो)**—ओकर (दे०) केर निश्च० रू०। राम० ११७ (ठाढ़ भेला ओकरे दिश ध्यान); मि० उद० १५३–८ (ओकरे सूत्र पहिरि); मो० १३८–१६ (ओते लाभ ओकरे देने); चित्रा ८ (ओकरे अमृत पीवासँ वंचित करए); मि० २२४ (जाहिमे ओकरो प्रतिद्वन्दी कमलाकान्त मेलाह); प्रण० १६१ (ओकरो पेटिएमे राखि लेलन्हि); पारो ७ (अवस्था ओकरो एतबे छै)। *okare ro)—Coll.* form of *okara* (q.v.).

𑒍𑒏𑒰 **ओका**—छोट छोट बच्चा सभक खेलक पहिल शब्द, बच्चासभ ठाढ़ भएकेँ एक गोटए राजा आ चोरक निर्णय करै अछि। [शब्दानुकरण ओका बोका तीन तुरुका]। *okā*—First word in a children's play.

𑒍𑒏𑒰𑒃𑒞^{1} **ओकाइत^{1}**—वि०। धन, विभव, शक्ति बल। [अर०]। (हमरा ई ओकाइत नहि अछि जे घरो देखब आ बाल बच्चाक (पालन करब)। *okāita^{1}—Adj.* Welth. energy.

𑒍𑒏𑒰𑒃𑒞^{2} **ओकाइत^{2}**—ओकाएब (दे०) केर वर्त० रू०। पारो ३७ (तेसर चारिम मासमे स्त्रीगण केँ एहिना जी ओकाइत छैक)। *okāita^{2}—Present* tense form of *okāeba* (q.v).

𑒍𑒏𑒰𑒋𑒥 **ओकाएब**—वि०। वमनोपस्थिति युक्त होएब, जी हदमराएब, वमनक सम्भावना होएब। तु० क० प्राकृ० ओकिअ; उ० ओकिबा; गु० ओकउँ; म० ओक्णे; हि० ओक [ओक (ध्वन्यानुकरण) + अब]। मि० भा० कोष ४०; (एतेक जी ओक एब ठीक नहि)। *okāeba-V.* To have a sensation of vomitting.

𑒍𑒏𑒰𑒨 **ओकाय**—ओकाएब (दे०) केर वर्त० रू०। पारो ६७ (ओकर जी ओकाय लगलैक)। *okāya—Present* form of *Okāeba* (q.v.).

𑒍𑒏𑒰𑒩 **ओकार**—ओ केर मात्रा वा आखर ((ो) (ो)। [सं०]। (ओकारक मात्रा लगाउ)। *okāra*—The mark of o (ो, ो).

𑒍𑓀𑒏𑒰𑒩 **ओंकार**—ओङ्कार (दे०) केर वि० रू०। तु० क० बं० ओंकार। अम० ३६ (ओंकार प्रणव)। *õkāra—Alt.* form of *oṅkāra* (q.v.).

ओकारान्त—वि० । जकरा अन्तमे ओ अक्षर हो, यथा फोटो । (ओकारान्त शब्द समुच्चय बोधक सेहो मानल जाइछ) । *okārānta—Adj*. Word which has at the end the letter O.

ओकालतनामा—मोकदमा चलएबाक हेतु ओकील केँ देल गेल पत्र वा कागत, ओकील नियुक्त करबाक कागत । [अर० वकालत + नामा] । तु० क० बं०, असo, ओकालतनामा । (हम अपन ओकालतनामा वीरचन्द्र एडवोकेटकेँ देल अछि) । *okālatanāmā*—Power of attorney.

ओकालति—संज्ञा । ओकीलक कार्य वा व्यवसाय । [अर० वकालत] । तु० क० असo ओकालति; बं० उकालती । मि० उद० १५७–२६ (ओकालति छोड़ि रहल छथि); मिहिर ४ (२–६१–५३); विडम्बना ६६; चयनिका ७७ । *okālati*—Pleadership.

ओकासी—उकासी (दे०) केर अशु० वा० रू० । नव० १०४ (गपशप हँसी ओकासी) । *okāsī—Erro. Coll* form of *ukāsī* (q. v.).

ओकिएला(ह)—क्रि० । रद करए लगलाह । [ओके + अएलाह] । त्रिफला १ । *okielā(ha)—V.* Began vomitting.

ओकील—मुकदमा मे बहस वा तर्क देनिहार । ओकालति कएनिहार । [अर० वकील] । तु० क० भोज० ओकील । नव० १५ (कोनो ओकीलक मोहर्रिर); FML 604. *okīla*—A pleader.

ओके—ओकरा (दे०) प्रा० मै० लु० रू० । वर्ण० ४५ (ओके भूमि पालि राषि उभरि एक ठार भउअइ) । *oke—Early* Maithili obs. form of *Okarā* (q.v.).

ओकैलैन्ह—ओकाएब (दे०) केर भू० रू० । द्विरा० २०५ (मारखण्डीक जी ओकैलैन्ह) । *okailainha*—*Past* tense form of *okāeba* (q.v.).

ओक्कर—ओकर (दे०) केर वा० रू० । चिवा ७२ (ककरा छैक पुछारी ओक्कर आब) । *okkara—Coll.* Form of *Okara* (q.v.).

ओखनि(नी)—ओहि क्षण, तखन (दे०) केर दक्षिणी मै० रू० । FML 437. *okhani(nī)*—The southern Maithili form of *takhana* (q. v.).

ओंग—अङ्ग (दे०) केर प्रा० लु० मै० रू० । वि० पदा० मजु० १३०, तालपत्र न० गु० ७१६, अं० ७१५ (जावे न ओंग तरुनत भेल । तावे से कन्त दिगन्तर गेल) । *õga—Early* Obs. Maithilī form of *aṅga* (q. v.).

ओगएरह —अव्यय । सभ, आओर-आओर, आदि । [अर० वगैरः = आदि] । तु० क० अस० ओगाइरह । ... (मुखिया आ फतुरो ओगएरह) । *ogaera...—Ind.* ... on and so forth.

ओंगठनियाँ—पृथ्वी पर लोटब ... [अंग + ठाम + या] रंग १३ (ज्योतिषी जी ओंगठनियाँ दैत्य छलाह) । *õgathaniyā—Folk* form. Rolling on the ground.

ओगर—चाउर विशेषक नाम । तु० क० बरोगर, धरम जे पाठि मे होइछ । वर्ण० ६६ (लोंहुरी प्रभृति ओगर हैमन्तक पीटल) । *ogara*—Name of kind of rice.

ओगरब—क्रि० । रक्षार्थ लगमे रहब, रक्षा करब, तकमीना करब । [कोड़ > गोड़ + अब = तुकाएब । अथवा गोप > रक्षा करब + अब] । मि० भा० कोष ४० (यदि वस्तु नहि ओगरब तँ नष्ट भए जायत) । *ogaraba—V.* To protect.

ओगरबाह(हिनी)—वि० । रक्षक, रक्षा कएनिहार वा कएनिहारि । [ओगरब + आह + इनी] । मि० भा० कोष ४०; (ओगरबाह ओगरबाहिनी सभ की मुँहे तकैत रहए) । *ogarbāha(hinī)—Adj.* Who he (or she) protects.

ओगरबाहि—रक्षकता, रक्षा । [ओगरब + आहि] । (की आमक गाछीक ओगरबाहि अहाँ करैत छी ।); मि० भा० कोष ४०; पारो १० (हमरालोकनिकेँ ओगरबाहि सँ फुरसति भेटि गेल रहए) । *ogarabāhi*—Protection.

ओगरबाही—वि० । रक्षा करबाक हेतु देल गेल वेतन वा पारिश्रमिक । [ओगरब + आही] । मि० भा० वि० ६५; कुमार २२ । *ogarabāhī—Adj.* Wages for protecting (something).

ओगरी—ओगरब (दे०) केर इच्छार्थक रू० । रातदत्त ६ (अनेक हित सदिखन धन ओगरी) । *ogarī—Opta.* form of *Ogaraba* (q.v.).

ओगरैछ—ओगरब (दे०) केर वर्त्त० रू० । मल्हार ५२ । *ogaraicha—Present* tense form of *Ogaraba* (q.v.).

ओगला—उगल (दे०) केर प्रा० लु० रू० । वर्ण० ४५ (ओगला सैचानक अइसनि आँषि कएले) । *ogalā—Obs.* P.F. of *Ugala* (q.v.).

ओगारब—क्रि० । मालकेँ घास देब ... [... और अथवा उगरबा अथवा सं० उद्धारतम] । मि० भा० कोष ४० ... आगाँमे घास ओगारब तखन खूब दूध होएत) । *ogāraba*— To give plenty of grass to cattle for ...

ओघ—क्रि० वि० । समूह, ... गणेश खण्ड ५४; सु० ६० १७ (आनन्द ओघ ...) । ...—

Adv. A lot of, stream.

ওঁঘঢ়তিযহুঁ **ओंघढ़तियहुँ**—ओंङडायब (दे०) केर इच्छा० रू०। राम० २६५ (ओंघढ़तियहुँ कपिदल संहार)। *õghaḍhatiyahũ*—Opta. form of *Oṅghaḍāeba* (q.v.).

ওঁঘড়া **ओंघड़ा**—ओङ(ड़)ड़ाएब (दे०) केर भू० क्रि० रू०। पारो ६४ (असद्दे कम्बल पर ओंघड़ा जाइ)। *õghaḍā*—*Past* form of *Oṅghaḍhḍāeba* (q. v.).

ওঁঘড়াঞ **ओंघड़ाइ**—ओङ(घ)ड़ाएब (दे०) केर इच्छा० रू०। चित्रा १६ (घर आङनमे ओंघड़ाइ छलौं)। *oghaḍāi*—*Opta.* form of *Oṅaḍhāeba* (q. v.).

ওঁঘড়াও **ओंघड़ाओ**—ओङ्ढ़ाएब (दे०) केर आज्ञा रू० नव० ६० (ओ आब हुआ.हुआ करओ आ माइट मे ओंघड़ाओ)। *oghaḍāo*—*Imp.* form of *Oṅghaḍāeba* (q. v.).

ওঁঘড়ায(এ) **ओंघड़ाय(ए)**—ओङ्ढाय केर पू० का० क्रि० रू०। कन्या० ५ (खिलटी हँसैत-हँसैत ओंघड़ाय लागल) अर्चना १८। *ogharāya*-*Past kae.* form of *Oṅaḍhāya* (q.v.).

ওঁঘড়ৈল **ओंघड़ैल**—ओङ्ढ़ाएब (दे०) केर वि० रू०। त्रिफला २१। *oghaḍaila*—*Adj.* form of *Oṅaḍhāeba* (q.v.).

ওঁঘরাএল **ओंघराएल**—ओङ्ढ़ाएब (दे०) केर भूत० रू०। मिथिला दर्शन ५-१० (आमक मास ओंघराएल फिरै छै त)। *ogharāela*—*Past* tense form of *Oṅaḍhāeba* (q.v.).

ওঁঘায **ओंघाय**—ओङ्ही (दे०) केर पू० क्रि० रू०। प्रण० ६० (कैओ कनेओ ओंघाय बला नहि)। *oṅghāya*—*Past* form of *Oṅahi* (q. v.).

ওঙঠওনে **ओंङठओने**—क्रि०। कोनो ठाम अङ्ग के रखने। नव० ४६ (झक-उबी खम्हेलोमे पीठ ओंङठओने बइसल रहए)। *oṅaṭhaOne*—Resting on (something); pr. cont. form of *Oṅaṭhaeba* (q. v.).

ওঙঠন(নী) **ओङठन(नी)**—जाहिमे सटि पीठक भरें बैसी से। [ओङठ+अन+ई]। तु० क० ओठगन (दे०)। मि० भा० कोष ४० (अपनेक ओङठन बड्ड बढ़ियाँ अछि)। *oṅaṭhana(nī)*—Something on which one rests one's back.

ওঙঠব **ओङठब**—क्रि०। पीठक भरें बैसब, कोनो वस्तु पर पीठक भरें ओङठि कए बैसब। [अँगस्थ+अब]। मि० भा० वि० ४०; (कोनो वस्तु पर ओङठब से मेटि नहि रहल अछि)। *Oṅaṭhaba*—*V.* To sit by making something as support on the back side.

ওঙঢ়া **ओङढ़ा**—ओङ्ढ़ाएब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। प्रण० २५८ (सुटकेस खत्तामे ओङढ़ा गेलैन्ह)। *oṅaḍhā*—*Part.* form of *Oṅaḍhāeba* (q. v.).

ওঙঢ়াইত **ओङ्ढ़ाइत**—ओङ्ढ़एब (दे०) केर वर्त० रू०। कन्या० ५७ (ढन ढनकड ओङ्ढ़ाइत गंगाजीक धारेमे जाक विश्राम लेलक)। *oṅaḍhāita*—*Present* tense form of *Oṅghaḍāeba* (q. v.).

ওঙঢ়া(ড়া)এব **ओङढ़ा(ड़ा)एब**—क्रि०। लुढ़कि कए वा ढबरि कें आश्रयक अभावसँ खसब, कोनो वस्तु कें लोटाएब, गुड़काएब। [सं० अङ्ग+सं० ओहाक् ओङठा+अब]। (ऊँच पर सँ टीनकें ओङ्ढ़ाएब से नीक होएत)। *oṅaḍhāeba*—*V.* To roll down.

ওঙঢ়ায **ओङढ़ाय**—ओङ्ढ़ाएब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। कन्या० ७६ (सुर्यमुखी ओङ्ढ़ाय लागलि)। *oṅaḍhāya*—*Part.* form of *oṅ(ḍ)ahāeba* (q. v.).

ওঙহী **ओङ्ही**—निन्न, आलस। [अन्य], जीमूतवाहन ५१। *oṅahī*—Sleep, sleepiness.

ওঙ্কার **ओङ्कार**—परब्रह्म केर सूचक ॐ शब्द। [सं० ओं+कार]। तु० क० हि० ओंकार; असo प्राकृ० ओङ्कार। राम० ३३६ (ओ सावित्री ओ ओङ्कार)। *oṅkāra*—The sacred syllable *Om*.

ওচিত্য **ओचित्य**—औचित्य (दे०) केर अशु० वा० रू०। मो० ११-१२ (ओतेक ओचित्य आस्माक सम्बन्धमे देल जाइछ)। *ocitya*—*Erro.* Coll. form of *Aucitya* (q. v.).

ওছ **ओछ**—वि०। छोट, कृपण, नीच। [सं० तुच्छ प्राकृ० उच्छ]। तु० क० प्राकृ० उच्छ; दामोली उंच्छँ; सि० ओछो; लहन्दा ओछा; पं० ओछा; कुमा० ओच्छो; उ० ओछ; भोज० ओछ; हि० ओछा; प्राकृ० गु० उछउँ गु० ओछुँ; म० ओत्सा। मि० भाषा कोष ४०; (सभक हृदय ओछ नहि होइत छैक); (ओछ व्यक्तिसँ माँगब उचित नहि)। *ocha*—*Adj.* Mean, small, miser.

ওছওনা **ओछओना**—आस्तरण (दे०), सुतबाक हेतु ओछाओन, जाहि पर लोक सुतए। [सं० आस्तरण]। मि० भा० कोष ४० (ओछओना ठीक क दियौक)। *ochaOnā*—Bed.

ওছওলক **ओछओलक**—ओछाएब (दे०) केर भू० रू०। नव० १०४ (कम्बल ओछओलक आ पड़ि रहल)। *ochaolaka*—Past tense form of *ochāeba* (q. v.).

ওছবৈত **ओछबैत**—ओछाएब (दे०) केर वर्त० रू०। प्रण० ४१ (कम्बल ओछबैत बजलाह)। *ochabaita*—*Present* tense form of *ochāeba* (q. v.).

ওছব(বা) **ओछब(बा)**—ओछएबाक भाव वा क्रिया। ओछाएब (दे०) केर वा० रू०। धातु पाठ ४९; कन्या० १०४ (शतरंजी ओछबा देबैक)। *ochava(vā)*—*Coll.* form of *ochāeba* (q. v.).

ওছবৈত **ओछवैत**—ओछबैत (दे०) केर विक० रू०। धातु पाठ ४८। *ochavaita*—*Alt.* form of *ochabaita* (q. v.).

ওছা¹ ओछा¹—ओछाए (दे०) केर वा० रू०। प्रग ५० (हौलमे ओछा देलकैन्ह)। *ochā*¹—*Coll.* form of *Ochāe* (q. v.).

ওছা² ओछा²—ओछ (दे०) केर का० रू०। वि० १५६ (ओछा सओ हरि न करिअए सरिपरि); FML 360. *ochā*²—*Poet.* form of *Ocha* (q. v.).

ওছাএ ओछाए—ओछाएब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। वि० पदा० मञ्जु० ५५५ (आँचर ओछाए हमहुँ संग देल); राम० १६ (सुनहुँ चिन्ता सेज ओछाओन ओछाए); आमक० ४४ (तौनी ओछाए ठेहुन मोड़ने पड़ल)। *ochāe*—*Part.* form of *Ochāeba* (q. v.).

ওছাএব ओछाएब—क्रि०। पसारब, ओछाओन केँ सरिआएकेँ सुतबाक हेतु तैयार करब। [आस्तरण + अब]। तु० क० उदू' उछूइबा। (ओछाओन ओछाएब तकर बाद किछु करब)। *ochāeba*—*V.* To spread (a bedding).

ওছান(ওন) ओछान(ओन)—सुतबाक हेतु ओछाओलवस्त्रादि, सुतबाक साधन। [सं० आस्तरण अथवा आच्छादन, अवच्छादन]। राम० १६ (सुनहुँ चिन्ता सेज ओछाओन ओछाए); FML 94, 316; प्रग० ५ ओछाओन माँगय पैलैन्ह); पारो ६५ (खाट पर ओछाओन मेल)। *ochāona*—Bed for sleeping.

ওছাওল ओछाओल—ओछाएब (दे०) केर भू० रू०। द्विरा० १८८ (कम्बल चौपेत क ओछाओल गेलैन्ह)। *ochāola*—*Past* tense form of *Ochāeba* (q. v.).

ওছায় ओछाय—ओछाए (दे०) केर विक० रू०। राम० १०४ (शयन कयल जत घास ओछाय); FML 305. *ochāya*—*Alt.* form of *ochāe* (q. v.).

ওছাহ(হি) ओछाह(हि)—वि०। नीच प्रकृतिक, अधलाह विचारक। [ओछ + आह + ई] मि० भा० कोष ४० (ओछाह वा ओछाहि सँ गप्प करबामे भोन नहि लगैछ)। *ochāha(hi)*—*Adj.* A man (or woman) of bad nature.

ওছী ओछी—वि०। नीक नहि, तुच्छ; एक प्रकारक गारि। [सं० तुच्छ]। का० रू०। वि० पदा० मञ्जु० १०५; नेपाल २२८, न० गु० तालपत्र ६०७, अ० ६१३ (एहओ जुगुति नहि ओछी)। तु० क० अनुदार। *ochī*—*Adj.* Not good, *Poet.* form.

ওছে ओछे—ओछ (दे०) केर का० रू०। तुच्छ, अच्छ प्रा० वि० पदा० मञ्जु० ६२; नेपाल २५३ (ओछे ओ जाति जोलहा जेओ)। *oche*—*Poet.* form of *Ocha* (q. v.).

ওছৈ(ছো)(ছৌ)ন ओछै(छो)(छौ)न—ओछाओन (दे०) केर वा० रू०। कपाल कुण्डला २६ (अपन मनसावरमे ओछैन कए देलथिन्ह); FML 96 ओछोन; वेकफिल्डक पादरी २४ (ओछौन)। *ochai(cho)(chau)na*—*Coll.* form of *ochāona* (q. v.).

ওছৌনা ओछौना—ओछाओन (दे०) केर प्रा० रू०। BPL 637. *ochaunā*—*Folk* form of *ochāona* (q. v.).

ওছৌল(ক) ओछौल(क)—ओछाएब (दे०) केर भू० रू०। कन्या० २२ (ताहि परअपन अङ्गपोछा ओछौलक); त्रिरूप २१ (ओछौल); ज्वाला ३५ (ओछौल); कान्ति ३२ (ओछौल)। *ochaula(ka)*—*Past* of *ochāba* (q. v.).

ওজ ओज—तेज, बल, शक्ति, योग्यता, काव्यक गुण विशेष, प्रताप। [सं० ओजस्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज०, भोज, ओज०; पा० ओजा; प्राकृ० ओय, ओया, सि० ओद। वर्ण० ४७ (उचित, अनाकलित, ओज); राग० १०३ (पिअ मुख दुहुक तेज ओज); खट्ट० (तरुणीक गाल पर जे ओज वनि जाइत अछि); प्रग० ११८ (मुखमण्डलमे ओजक लाली नहि आएल अछि; मैथिल मित्र ५१४–१२१ (नव ओज दान होयत महान); प्रवास ओरक ११२। *oja*—Strength, vigour, a quality of poetry.

ওজন ओजन—तौल, जोख, भारक परिमाण, तराजू द्वारा परिमाण निर्णय। [अर० वज़न]। तु० क०, बं०, अस०, ने० ओजन मि० भा० वि० ४८। *ojana*—Weight.

ওজনগর ओजनगर—वि०। भरिगर, हल्लुक नहि, भारी। [ओजन + गर]। FML 630 (ओजनगर बात)। *ojanagara*—*Adj* Weighty.

ওজস্বনী ओजस्वनी—वि०। ओजस्वी (दे०) केर स्त्री० रू०। प्रग० २३६ (ओजस्वनी महिला छैथीह); नव० १२ (द्रौपदी ओ सुभद्रा सन सुन्दरी ओजस्वनी)। *ojasvanī*—*Fem.* form of *ojasvī* (q. v.).

ওজস্বিতা ओजस्विता—तेज, कान्ति, दीप्ति, प्रभाव। [सं०]। तु० क० हि० ओजस्विता। रामायण शिक्षा ५७, मि० उद० १५०–२६ (ओजस्विता पसरल अछि)। *ojasvitā*—Sharpness, vigour, impressiveness.

ওজস্বী ओजस्वी—वि०। तेजस्वी, बलवान, शक्तिशाली, ओजगुण युक्त। [सं० ओजस्विन्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने० अव०, राज० ओजस्वी; प्राकृ० ओयंसि। मिहिर ३८–५–४ (नरेन्द्रनाथ दास अत्यन्त ओजस्वी शब्दमे); प्रग० २०० (किन्तु वीर रसक ओजस्वी कवित्त सुनि पड़ा गेल)। *ojasvī*—*Adj.* Forceful, strong.

ওজহ ओजह—कारण, मतलब, भाव। [अर० वजह]। मिहिर ४१–१८–१६–६ (लगनक ओजह सँ काए दिन ल क एको कनमा दूध नहि बाँच पबैत अछि); मैथिली भाषा १०; पारो ४५ (बाह जे मेल तकर की ओजह?)। *ojaha*—Reason.

ওজহা ओजहा—ओझा (दे०) केर अशु० रू०। व्यवहार विज्ञान ३०। *ojahā*—*Err.* form of *ojhā* (q. v.).

ওজা ओजा—ओज (दे०) केर प्रा० का० लु० रू०। वि० पदा० मञ्जु० ५५२ (ताहि तर तरुन पयोधर धनी। ओजा संकर कृष्ण जनी)। *ojā*—P. F. of *oja* (q. v.).

ওজাৰ **ओजार**—एकटा गेयधर्मक नाम। तु० रू०। वर्ण० ४७ (ओज, मञ्जारग, ओजार)। *ojāra—obs*. A Musical term.

ওজিত **ओजित**—वि०। बढ़वैत, प्रकाशित, ओजसँ परिपूर्ण। [सं० ओजस्]। मि० मित्र १२७ (एहि भावनाकेँ ओजित करैछ)। *ojita—Adj.* Declared forcefully.

ওজিনিবাৰ **ओजिनिवार**—ओइनिवार (दे०) केर वा० रू०। व्य० वि० ५१। *ojinivāra—Coll.* form of *oinivāra* (q. v.).

ও(ঔ)জী **ओ(औ)जी**—एवज, प्रतिनिधि (दी०), प्रमुख व्यक्ति केर स्थान पर दोसर व्यक्ति। [अर०]. मि० भा० कोष ४० (हुनका ओजी पर हम छी)। *oa(u)jī*—Act of Officiating.

ওজীৰ **ओजीर**—सचिव, मन्त्री, आमात्य, [अर० वजीर]। तु० क० असo, भोज० ओजीर; (ओजीर साहेब सम्प्रति भ्रमणक हेतु बहार गेलाह)। *ojira*—Secretary, minister.

ওঝড়া **ओझड़ा**—ओझरा (दे०) केर वा० रू०। मिहिर ४०-१३-११ (ओझड़ा गेल छैन्ह)। *ojhaḍā—Coll.* form of *ojharā* (q. v.).

ওঝৰ **ओझर**—ओझल (दे०) केर वा० रू०। द्विरा० ४१ (अपना आँखिसँ ओझर नहि करैत छिऐक)। *ojhara—Coll.* form of *ojhala* (q. v.).

ওঝৰা(এ) **ओझरा(ए)**—ओझराएब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। मिहिर १३ (२-६२-५३) ३३-३ (तिमिर मे ओझरा रहल छी)। *ojharā(e)*—*Part.* form of *ojharāeba* (q. v.).

ওঝৰাইত **ओझराइत**—ओझराएब (दे०) केर वर्त्त० रू०। मिहिर ३५-८ (ओझराइत छी सत्यक पथमे) *ojharāita—Present* tense form of *ojharāeba* (q. v.).

ওঝৰাউ **ओझराउ**—ओझराएब (दे०) केर आज्ञा० रू०। ज्वाला २५। *ojharāu—Imp.* form of *ojharāeba* (q. v.).

ওঝৰাএব **ओझराएब**—क्रि०। अनायासेँ उद्धारक अयोग्य होएब (दी०); बाझब, लटपटाए जाएब, अवरुद्ध होएब, बाधित होएब, बाधामे पड़ब। [सं० अवरुन्धयते अथवा प्राकृ० ओरुज्झन]। मि० भा० कोष ४०; (यदि अहाँक बातमे ओझराएब त ओझराएले रहब)। *ojharāeba—V.* To be obstructed, entangled, dishevelled.

ওঝৰাএ(য)ল **ओझराए(य)ल**—ओझराएब (दे०) केर वर्त्त० ओ० भूत० रू०। वि० पदा० मजु० २१८ (अधर सुधाएल केस ओझराएल); मिहिर ११ (२-६१-५३); प्रवा० ११ (काँटमे ओझराएल छी); स्त्री शिक्षा १२० (ओझरायल छलैन्ह)। *ojharāe(ya)la—Present* and *Past* tense form of *Ojharāeba* (q. v.).

ওঝৰাবী **ओझराबी**—ओझराएब (दे०) केर इच्छा० रू०। गुदगुदी २६ (कोनो गपकेँ ओझराबी की नहि से हमरा उपर निर्भर करैछ)। *ojharāvī—Opt.* form of *Ojharāeba* (q. v.).

ওঝৰাহটি **ओझराहटि**—एक दोसरासँ आबद्ध होयब, बाधा, अवरुद्ध वा बझबाक भाव वा अवस्था। [ओझराएब (दे०) + हट + इ] FML 261. *ojharāhaṭi*—Entanglement.

ওঝৰেলহা **ओझरेलहा**—वि०। ओझराहटि (दे०) केर वि० रू०। त्रिफला १३। *ojharelahā—Adj.* form of *ojharāhaṭi* (q. v.).

ওঝৰৈব **ओझरैब**—ओझराएब (दे०) केर विक० रू०। FML 157. *ojharaiba—Alt.* form of *ojharāeba* (q. v.).

ওঝৰৈল **ओझरैल**—ओझराएल (दे०) केर विक० रू०। मिहि० ३८-५-७ (यात्रीजीक रचना वर्तमान युगक समसँ कइ सत्य समसँ ओझरैल)। *ojharaila—Alt.* form of *ojharāela* (q. v.).

ওঝৰোট(ঠ) **ओझरोट(ठ)**—ओझराहटि (दे०) केर वा० रू०। FML 243 (ओझरोठ); मि० भाषा कोष ४० (ओझरोट)। तु० क० ओझराव। *ojharoṭa(ṭha)—Coll.* form of *ojharāhaṭi* (q. v.).

ওঝল **ओझल**—क्रि० वि०। दृष्ट नहि अछ, व्यवधान, ओट। [सं० अव + मल् प्राकृ० ओहज्मन]। तु० क० राज० पं० हि०, गु० प्रण० ओझल। ५७ (आँखिक ओझल कोना होमय दितथि)। *ojhala*—Away from visibility.

ওঝা **ओझा**—समधि, जमायकेँ आदरार्थक शब्द, भूत-प्रेतकेँ झाड़निहार गुनी। [सं० उपाध्याय प्राकृ० ओज्झाअ]। तु० क० बं०, असo, ओजा; ओझा गु० झा, अव० ओझा। वि० नै० २५४ (केओ बोल ओझा आनि चाहु); कीर्तिलता २१ (कतहुँ ओझा पोजा); मि० वि० २४ (ओझाक लेखेँ गाम बताह; गाम लेखेँ ओझा बताह); प्रवा० ६० (ओझा पर तमकै एलैन्ह); ओझा केँ गाय छुटल बाए मेल = कोनो वस्तुमे अति लीन भए जाएब। *ojhā*—A title of the Maithil Brāhmins, hon. form of addressing son-in-law or his father, a professional Sorcerer.

ওঝৈগিৰী **ओझैगिरी**—यन्त्र मन्त्र प्रयोग क व्यवसाय (दी०)। [ओझा + गिरी]। (की औ ! एतए केओ ओझैगिरी करैत छथि की नहि ?); मि० भा० कोष ४०। *ojhaigirī*—The act of professing the use of yantra-mantra for curing (the effects of evil spirts etc).

ওট¹ **ओट¹**—अढ़, व्यवधान, ओझल रुकावट वा पर्दा जाहिसँ कोनो वस्तु नहि देखाइ पड़ैक। [सं० अवरुन्धन]। तु० क० हि०, पं०, सि०, लहन्दा, गु० ओट; कु० वोट; म० ओटी; ओट। राम० ३४

(लता ओटसँ राम लक्षमण); महेश० ६८३ (सासु ओट-ओटसँ देखथि); खट्ट० ४६ (गाछक ओटसँ छथिक किछ मारलथिन्ह)। तु० क० कर अटो। *oṭa*¹—Shelter, screen, obstruction.

ওটে² **ओट²**–रोक, गाड़ी केवाड़, वा कोनो पहिआके रोकबाक हेतु ओट लगाओल जाइछ। *oṭa*²—A check for the wheels of a cart.

ওঁটেবঁ **ओँटब**—क्रि०। बाड़ (कपास) मे सँ ओकर बीआ बहार कए साफ करब। [औँटब]। BPL 1017. *õṭaba—V.* To disentangle the seeds from cotton.

ওটেয **ओटय**—ओँटब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। कन्या १६ (वश लागल चरखा ओटय)। *oṭaya—Part.* form of *Aŭṭaba* (q. v.).

ওটাওল **ओटाओल**—लोटाओल (दे०) केर प्रा० मै० रू०। वि० पदा० मजु० ८४, रामभद्र पुर पोथी ४०६ (एतौ निचा ओटाओल हेम)। *oṭāola—Early* Maithili form of *loṭāola* (q. v.).

ওটিত **ओटित**—उनटाएब, चित्त गोटी राखब। [उनटा]। तु० क० पट कौड़ी, चित्त कौड़ी। वर्ण० २६ (ओटित पाट)। *oṭita*—Act of turning up cowries

ওঁটী **ओँटी**–नाभीसँ नीचा भाग (पेटमे)। [भोँटो (दे०); सं० वस्ति]। मि० भाषा कोष ४२ (ओटी मे कने-कने दर्द भए रहल छन्हि)। *õṭī*—Stomach below navel.

ওঠ¹ **ओठ¹**–ठोर, ओष्ठ, मुँहक दूनू ऊपर ओ निचुलका भाग, अधर। [सं० ओष्ठ]। तु० क० पा० ओट्ठ, प्राकृ० ओट्ठ, उटो, होट्ठ हुटो; कु० उँठ, कश्मीरी वुठ, अव० ओँठ,म० ओठ ओँठ, गु० ओठ होठ, हि०, भोज० ओठ; उ० ओंठ, लहन्दा, प० होठ, होँठ। वि० ६६ (तजे ओठ पातरि कि बोलिबो तोहि); वि० पदा० मजु० ३३२ ने० (ओठ मलिन भेल चन्दा); सुभद्राहरण ४८ (ओटचाटि पिबात घूटब सन दशा मम जानबे); राम० २८६ (दाँतय ओठ काटय दशभाल); महेश १६८ (ओठ आबिके बटैल); FML 160,344. *oṭha*¹—Lip.

ওঠ² **ओठ²**—प्रत्यय। भाव अर्थात् (क्रियामे) ओझर, आदि सँ ओठ प्रत्यय लगैत अछि। ल० वि० १४१ (ओझरोठ फरिछोर, घरिओठ)। *oṭha*²—Suffix.

ওঠগ(ঙ)ন **ओठग(ङ)न**—उपवासार्थ रात्रिक अन्तमे भोजन करब (जितिया व्रतमे)। [ओठङ्गि+अन]। व्यवहार विज्ञान २४४ (तैँ जितिया पावनि जकाँ ओठगन करथि); मै० लो० ८६; BPL P259, *oṭhaga(ṅa)na*–To take meal at the end of night early morning resting against something (like a wall, pillar) for fasting.

ওঠগ(ঙ)ন(নী) **ओठग(ङ)न(नी)**—ओठङन (नी) (दे०) केर विक० रू०। मि० भा० कोष ४१। *oṭhaga(ṅa) na(nī)* —*Alt.* form of *oṭhga(ṅa)ana(nī)* (q. v.).

ওঠগব **ओठगब**—ओठङब (दे०) केर विक० रू०। [ओठ+अङ्ग+अब]। मि० भाषा कोष ४१। *oṭhagaba—Alt.* form of *oṅaṭhaba* (q. v.).

ওঠঙলি **ओठङलि**—ओठङब (दे०) केर स्त्री० रू०। ... ४ (सन्दुक सँ ओठङलि पार्वती प्रतिमा जकाँ निश्चेतन ...)। *oṭhaṅali—Fem.* form of *oṅaṭhala* (q. v.).

ওঠঙা **ओठङा**—ओठङब (दे०) केर क्रि० रू०। नव० ... (भरिगर माथा के अपन पीठमे ओठङा लेलथीन्ह)। *oṭhaṅā—Opta.* form of *oṭhaṅāe* (q. v.).

ওঠঙি **ओठङि**—ओठङब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। मिहिर १३ (२-६१-५३); प्रण० १८६ (ओ मसनदि पर ओठङि कए)। *oṭhaṅi—Part.* form of *oṭhaṅaba* (q. u.).

ওঠবা **ओठवा**—ओठ (दे०) केर ग्रा० रू०। मैथिली लोकगीत १३७। *oṭhavā—Folk* form of *oṭha* (q. v.).

ওঠহিঁ **ओठहिँ**—ओठ (दे०) केर निश्च० रू०। वर्ण० २३ (ओठहिँ लागा राखी)। *oṭhahĩ—Emph.* form of *oṭha* (q. v.).

ওঠে **ओठे**–ओठहिँ (दे०) केर वा० रू०। द्विरा० १०६ (गाड़े कटहर ओठे तेल)। *oṭhe—Coll.* form of *oṭhahĩ* (q. v.).

ওঠেঁগ **ओठेँग**—ओठङि (दे०) केर वा० रू०। मिथिला दर्पण १२४। *oṭhẽga—Coll* form of *oṭhaṅi* (q. v.).

ওঠঁগ **ओठँग**—ओठङ (दे०) केर विक० रू०। धनु घट २०। *oṭhãga—Alt.* form of *oṭhaṅa* (q. v.).

ওড **ओड**—एक जाति विशेषक नाम। [सं० ओड़ देश]। वर्ण० १ (ओड शुण्डि, साव)। *oḍa*—A name of a race.

ওডকার **ओडकार**—शिल्पी विशेष। [सं०]। वर्ण० ६३ (वयकार, ओडकार शिशिकार प्रभृति अनेक चोषा)। *oḍakāra* Name of a technician.

ওডফলিত **ओडफलित**–नृत्य विशेष जाहिमे उछलबाक क्रिया रहैछ। [उत्फलित]। वर्ण० ५० (ओडफलित अवच्छेद)। *oḍa-phalita*—Style of a dance.

ওডহুল **ओडहुल**—ओड़हुल (दे०) केर प्रा० मै० रू०। वर्ण० ४५ (ओडहुलक माला एक हीक)। *oḍahula—Early* Maithili form of *oḍahula* (q. v.).

ওডী **ओडी**—ओड़री (दे०) केर प्रा० रू०। ... ६-२५) (M 204) (U. R.). *oḍī—Early* form of ... (q. v.).

ওড়¹ **ओड़¹**—एक जाति। तु० क० ओड़ ... ओड़]। FML 163. *oḍa*¹—A Caste.

ওড়² **ओड़²**—अन्त, शेष, ... [सं० ...]

वि० पदा० मजु० ६४, ता० न० गु० ३३४, अ० ३६१ (माननि मान आवहु कर ओड़), वि० पदा० मजु० १२५, तालपत्र न० गु० ६८६, अ० ६८४ (अकुलिन बोल नहि ओड़ धरि निरबह धरए अपन व्यवहारे); वि० पदा० मजु० ५३८ से सबे पेम ओड़ धरि न रहल)। *oḍa*²—End; rest, last.

ওড়³ **ओड़³**—प्रत्यय। भाव अर्थात् (क्रियामे) घिसिअब, धातुसँ ओड़ प्रत्यय लगैत अछि। ल० वि० १४१ (घिसिओड़ (अवक लोप)। *oḍa*³—Suffix.

ওড়নী **ओड़नी**—डोम आदिक वाद्य विशेष? (दी०)। मि० भा० कोष ४१। *oḍani*—A kind of musical instument of doma caste.

ওড়নে **ओड़ने**—ओठंठिकए बैसब, सटओने। नव० [ओर (दे०)+ने] ५५ (जेठि ओ छोटि जनी चउकठिमे पीठ ओड़ने बइसलि रहथि); चन्द्रकला ८३। *oḍane*—*Coll.* form of *oṅaṭhala* (q.v.).

ওড়ল **ओड़ल**—क्रि०। पकड़ल, ओडिदेल, थाम्हल। [ओट]। वि० पदा० मजु० १४४, तालपत्र न० गु० ६५५, अ० ८७३ (नाह निरदय तेजि पड़ाएल ओड़ल हमर माथ)। *oḍala*—*V.* Kept as obstruction.

ওড়ল পেরব **ओड़ल पेरब**—क्रि०। मालकेँ ठेहुनसँ उपर आनब ओड़ल कहबैत अछि ओहिसँ नीचा पेड़ल कहबैत अछि। [ओट अल+पएर+अब]। *oḍala Peraba*—*V.* To tie the feet of a milch cow on the knee and below it.

ওড়হা **ओड़हा**—चना अथवा मकैक ओरहा ओकर काँचे दाना केँ महुर महुर आगिमे पकाएब [उ+दग्ध]। *oḍahā*-Slightly fried green gram or maize seeds.

ওড়হাডারহী **ओड़हाडारही**—क्रि० वि०। तङ्ग करब, अकच्छ करब। ओरहा+डाह+ई, [ओरहा हेवा योग डाह देव अर्थात् ताप देव]। चीनीक लड्डू ४३। *oḍhādārahī*—*Adv.* To get disturbed.

ওড়হাতিএ **ओड़हातिए**—वि०। अदतिआ, आढ़त पर रहनिहार। जतए थोकमाल राखल रहत तकरा आढ़त कहल जाइछ। [आढ़त+इआ] विश्व भूषण १२। *oḍahatie*—*Adj.* Who the stock of wholesale material.

ওড়হি **ओड़हि**—ओड़² (दे०) केर निश्च० रू०। मो० १०७–१६ (ओड़हि करथि सुजान)। *oḍhahi*—*Emph.* form of *oḍa*² (q. v.).

ওড়হুল **ओड़हुल**—पुष्प विशेष (दी०), एकर फूल लाल रंगक होइछ तथा ई अनेक मुँहक होइछ यथा पंचमुखी, एकमुखी आदि, एकर गाछ वेश पैघ झमटगर होइछ तथा एकर पात हरियर पानक आकारक होइछ। तु० क० सं० जपा। प्रख० २१ (माथ पर ओड़हुलक फूल सन पाग); अम० ६२ (ई दूह ओड़हुलक नाम)। *oḍahula*—A kind of flower, Chinese rose.

ও(উ)ড়িআ **ओ(उ)ड़िआ**—उड़ीसा वा उड़ीसाक भाषा। [सं० उत्कल]। मि० भा० कोष ४१ (ओड़िआ प्रान्त विहारक दक्षिण भागमे अछि)। *o(u)ḍiā*—Orissa, the language of Orissa.

ওড়িআণে **ओड़िआणे**—चर्या ४/३ (मणिकुले वहिआ ओड़िआणे समान)। *oḍiāne*—

ওড়িকা **ओड़िका**—दूध लाइबाक तथा परसबाक पात्र विशेष जे नारिकेरिक खोइआके आरीसँ काटि बनाओल जाइछ। [औँरब+क कतृकै]। जयवार १०; मि० भा० कोष ४१। *oḍikā*—A ladle made of coconut.

ওঢ়এ **ओढ़ए**—ओढ़ब (दे) केर वर्त्त० रू०। वि० पदा० मजु० ५७५ (आप ओढ़ए मृगछलवा)। *oḍhae*—*Present* tense form of *oḍhaba* (q. v-).

ওঢ়ক **ओढ़क**—गीत वा संगीतक एकगोट कला विशेष। तु० क० ढोलक (हि०)। वर्ण० ४८ (यावल, ओढ़क मालति)। *oḍhaka*—An art of music.

ওঢ়থি **ओढ़थि**—ओढ़ब (दे०) केर आद० वर्त्त० अन्य पुरू० रू०। चन्द्र० ७५ (अपने ओढ़थि बघचाम)। *oḍhathi*—*Hon. V.* Present tense third person form of *oḍhaba* (q. v.).

ওঢ়ন **ओढ़न**—ओढ़ना (दे०) केर का० रू०। वि० पदा० मजु० ५७३ (वसन विहुन ओढन बघछाला) चन्द्र० १६४ (धर ओढ़न बघछाला)। *oḍhana*—*Poet.* form of *oḍhanā* (q, v.).

ওঢ়না **ओढ़ना**—देह झाँपबाक वा ओढ़बाक कोनो वस्त्र विशेष। [प्राकृ० ओड्ढणा]। तु० क० उर्दू ओढ़णा; भोज०, अव०ओढ़ना। BPL 133, द्विरा १६३ (मिश्रजी केँ ओढ़ना तरसँ ज्ञान भेलैन्ह)। *oḍhanā*—Cover for the body.

ওঢ়নাএব **ओढ़नाएब**—क्रि०। उनटि पुनटि सर्वाङ्ग लगाएब। [ओढ़न+अब]। मि० भा० कोष ४१। *oḍhanāeba*—*V.* To place (something) on all limbs.

ওঢ়নিহার **ओढ़निहार**—वि०। जे वस्त्र ओढ़ए। [ओढ़ना+हार]। मि० ४०८ (कम्बल ओढ़निहारो व्यक्तिबहुँके इनाम मे शाल दोशाला देल गेलैक)। *oḍhanihāra*—*Adj.* Who covers himself.

ওঢ়নী **ओढ़नी**—ओढ़बाक छोट वस्त्र (दी०), स्त्रीकेँ ओढ़बाक वस्त्र। [ओढ़न+ई]। मि० भा० कोष ४१; ग० प० ६३ (खराब कियो ओढ़नी); म० वि० १३२ (बघचाम लालपेट छोपी ओढ़नी); सलोमा ४२ (सातटा ओढ़नी आनि देत); अम० १५० (निवीत प्रावृत ओढ़नीक नाम); *oḍhanī*—Small thin wrapper for body, covering for a female.

ওঢ়ব **ओढ़ब**—क्रि०। वस्त्रसँ शरीरकेँ झाँपब सलगा वा

तुराइसँ [ऊर्ध्व + धारण + अब] । तु० क० उर्दू ओढ़िबा; हि० ढ़कना । मि० भा० कोष ४१; (कम्बल ओढ़ब कि चद्दरि) । *odhaba—V.* To cover the body with cloth, to wrap the body.

ओढ़बा **ओढ़बा**—ओढ़ब (दे०) केर वा० रू० । मो० ६६–६ (ओढ़बा ले कम्बल पर्याप्त नहि) । *odhabā—Coll.* form of *odhaba* (q. v.).

ओढ़ल(ला) **ओढ़ल(ला)**—ओढ़ब (दे०) विशे० भूत रू० । (हम तौनी ओढ़ल); मो० ६७–११ (ओढ़ला सँ फल एतबैटा) । *odhava—Adj. Past* form of *odhaba* (q. v.).

ओढ़व **ओढ़व**—ओढ़ब (दे०) केर विक० रू० । जयवार १४२ । *odhava—Alt.* form of *odhaba* (q. v.).

ओढ़वैत **ओढ़वैत**—ओढ़ब (दे०) केर वर्त० रू० । द्विरा० ४८ (ओढ़वैत छलहुं) । *odhavaita—Pres.* tense form of *odhava* (q. v.).

ओढ़ाए **ओढ़ाए**—ओढ़ाएब (दे०) केर पू० क्रि० रू० । प्रख० ७१ (नेनाक चादर सँ ओढ़ाए) । *odhāe—Part.* form of *odhāeba* (q. v.).

ओढ़ाएब **ओढ़ाएब**—प्रेरणा० क्रि० । वस्त्रसँ सर्वाङ्ग झाँपब । [ओढ़ + अब] । (वस्त्रसँ बच्चाकेँ ओढ़ाएब तखन कोनो कार्य करब) । *odhāeba—V. Passive* To cover the body (some one) wtih cloth.

ओढ़ाबा **ओढ़ाबा**—पहिरबाक वस्त्रादि । [ओढ़ + आवा] । FML 212. *odhābā*—Dress.

ओढ़ावे **ओढ़ावे**—ओढ़ाएब (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० ५७५ (सक्के ओढ़ावे भोला साल दोसलवा) । *odhāve —Poet.* form of *odhāeba* (q. v.).

ओढ़ि(ढ़ी) **ओढ़ि(ढ़ी)**—ओढ़ब (दे०) केर आज्ञा० क्रि० रू० । चन्द्र० १५३ (जागल सतत ओढ़ि बघछाला); मि० उद० १५९-११ (मिथ्याक कन्था ओढ़ि जनतामे); द्विरा० ३४ (आँचरकेँ दोवर क के ओढ़ी); नव० ६३ (आधा धोतो ओढ़ि लेलन्हि) । *odhi(dhī) —Part. Imp.* form of *odhaba* (q. v.).

ओढ़ुल **ओढ़ुल**—ओड़हुल (दे०) केर विक० रू० । मि० भा० कोष ४१ । *odhula—Alt.* form of *odahula* (q.v.)

ओढ़ू **ओढ़ू**—ओढ़ब (दे०) केर आज्ञा० रू० । महेश० ४४ (पाग माथ ओढ़ू) । *odhū—Imp.* form of *odhaba* (q. v.).

ओत **ओत**—ओतए (दे०) केर का० वा वा० रू० । वि० ने० १३४ (नयन ओत मेले सबे किछु आन); वि० पदा० मजु० ६८, तालपत्र न० गु० २७१, अ० ३६८ (दीठिहुक ओत देसाँतर रे), चन्द्र० ३३ (एत ओत उधव बधाव) । चित्रा ४२ (मुद्रा ओत नहि ल सकैत छी इच्छो मालक नाम); नव २३ (गहना गुड़िआक अमार लागल रहइत हेतइ ओकरा ओत); पारो १७ (दू दिन हनरे ओत); FML 548, 522. *ota—Coll* and poet. form of [illegible] (q. v.).

ओतए **ओतए**—ओहिठाम, ओहि स्थान पर, [illegible] तत्र] । बं० ओथा, हि० वहाँ । वि० पदा० मजु० ७६ न० गु० तालपत्र २४२, अ० २४२, (ओतए अछए पिआ आसे); प्रख० [illegible] (ओतए गेला पर बुझल जेतैक) । *otae—Ind.* There.

ओतना **ओतना**—ओतबा (दे०) केर दक्षिणी मै० रू० । [एतावत] । तु० क० भोज०, अव० ओंतना हि० उतना; बं० [illegible] । FML 431 *otanā*—The Southern maithili form of *otabā* (q. v.).

ओतनी **ओतनी**—अव्यय । ओहि परिमाणक अल्प, [illegible], ओते, ओतेक । [एतनी] । मि० भा० कोष ४१; मि० भा० वि० ४८ । *otanī—Ind.* That much.

ओतने **ओतने**—अव्य० । ओतवे, ओहि अल्प परिमाणक मि० भा० कोष ४१; (ओतने हम नहि लेब) । *otane—Ind.* That little.

ओतपोत **ओतपोत**—ओतप्रोत (दे०) केर वा० रू० । शतदल ६४ (ओतपोत खिल्ली लगाउ) । *otapota—Coll.* form of *otaprota* (q. v.).

ओतप्रोत **ओतप्रोत**—वि० । सराबोर, नीक जकाँ मिलल, डुबल, सर्वाङ्ग, व्याप्त, भरल । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, अव० ओत-प्रोत; राज० ओतपोत । द्विरा० ६ (मानसिक संकीर्णतासँ ओतप्रोत छैन्ह) । *otaprota—Adj.* Fully dissolved, fully filled, soaked, extending in all directions.

ओतबए **ओतबए**—ओतबा (दे०) केर निश्च० रू० । मन० कृष्ण० ४ (ओहि छओहुँ काँ ओतबए भवितव्य) । *otabae— Emph.* form of *Otabā* (q. v.).

ओतबस्थित **ओतबस्थित**–क्रि० वि० । तदवस्थित, [illegible] [उद्स्थित; ओतबा + अवस्थित] । मि० भा० कोष ४१; (अहँक वस्तु ओत अवस्थित अछि) । *otabasthita—Adv obs.* In the same state.

ओतबा **ओतबा**—क्रि० वि० । तत्परिमाण, ओत, ओतेक [सं० एतावत्] मि० भा० कोष ४१; मो० १३१–१० (ओतबा कई-लोकनिक खुजल मुँहे नहि करैत छी) FML 431. *otabā— Ind.* That much.

ओतबाय **ओतबाय**—ओतबए (दे०) केर [illegible] FML 431. *otabāya—Alt* form of [illegible]

ओतबे **ओतबे**—ओतबए केर विक० [illegible] (सुनि-सुनि कि कहत ओतयक लोक [illegible] (अपने लोकनिक ओतय आएब [illegible]

ओतय); FML 435. *otabe*—*Emph.* form of *otabā* (q. v.).

𑒓𑒞𑒥𑒺 **ओतबै**—ओतबए (दे०) केर अशु० रू० । मि०-२६४ (उत्तर ओतबै हुनक पाबि); मि० उद० १५३–५ (संस्कृत विद्याक आदर ओतबै बहुत)। *otavai*—*Err.* spelling of *otabae* (q. v.).

𑒓𑒞𑒯𑒱(𑒯𑒳) **ओतहि(हु)**—ओतए (दे०) केर निश्च० रू०। वि० पदा० मजु० ११० (मोहि पति भल मेल ओतहि ओढओ मेल); चन्द्र० ३४० (एतहु ओतहु पुरहुतै) मि० उद० ९५३–२६ (ओतहु जाय कनेक जलपान कय)। *otahi (hu)*—There itself.

𑒓𑒞𑒰 **ओता**—अओता केर अशु० रू०। राम० ४८ (पति ओता अवच्छेद)। *otā*—*Err.* form of *aotā*.

𑒓𑒞𑒱 **ओति**—ओतबा (दे०) केर का० रू०। मन० कृष्ण० ३४ (केओ नहि बुझल वृष्टि भेल ओति)। *oti*—*Poet.* form of *otabā* (q. v.).

𑒓𑒞𑒲𑒏𑒰𑒪 **ओतीकाल**—क्रि० वि०। ओतबा काल (दी०)। [ओत+ई+काल]। मि० भाषा० कोष ४१; ओतीकाल सँ हम ठाढ़ छी)। *otīkāla*—*Adv.* That much time.

𑒓𑒞𑒲𑒐𑒢 **ओतीखन**—क्रि० वि०। ओतबा क्षण वा समय (दी०)। [ओती+क्षण>खन]। मि० भा० कोष ४१ (ओतीखन हम ठाढ़ नहि रहब)। *otīkhana*—*Adj.* That much time.

𑒓𑒞𑒲𑒩𑒰𑒞𑒱 **ओतीराति**—क्रि० वि०। ओतेक राति (दी०) [ओती+रात्रि>राति]। मि० भा० कोष ४१ (ओतीरातिकेँ हम असगरे कोना आएब)। *otīrāti*—*Adv.* That much night.

𑒓𑒞𑒳𑒏𑓂𑒏𑒰 (𑒏𑓂𑒏𑒹) **ओतुक्का(क्के)**—वि०। ओहीठामक, ओही स्थानक। [ओत FML 229]। द्विरा० ७० (ई ओतुक्के बदल छैक); रत्न ५२ (ई ओतुक्का ध्यान मग्न छथि); नव० ६८ (ओतुक्का मिडिल पास); पारो ६५ (कहैत रहए तोर ओतुक्का हाल समाचार)। *otukkā (kke)*—*Ind.* Of that very place.

𑒓𑒞𑒹(𑒏) **ओते(क)**—ओतबा (दे०) केर निश्च० रू०। वि० ने० २६० (ओतएक तन्त उदन्त न जानिअ); वि० पदा० मजु० ७६, राग० त० ६६, न० गु० ३०६, अ० २६३ (न हम काहुक डीठि निबारबि न हम करब ओते); FML 431, 385, 435 प्रण० ९६५ (नफामे ओतेक वस्तु हाथ लागि गेलैक)। *ote (ka)*—*Emph.* form of *otabā* (q. v.).

𑒓𑒞𑒺 **ओतै**—ओतए (दे०) केर अशु० रू०। महेश ७५ (आनन्द रहथि एतय औतै); मोद ७३ (कवर) (जनिका औतै जतबा मूल्य अवशिष्ठ अछि); मि० उद० १५७–२५ (अपना औतै किछु खिचड़ी खैलन्हि)। *otai*—*Err.* spelling of *otae* (q. v.).

𑒓𑒞𑓂𑒞[1] **ओत्त[1]**—ओतबा (दे०) केर छिकाछिकी रू०। FML 431. *otta*[1]—*Chikāchikī* form of *Otabā* (q. v.).

𑒓𑒞𑓂𑒞[2] **ओत्त[2]**—ओत[2] (दे०) केर बा० रू०। चित्रा ४७ (हम ओत्त धरि)। *otta*—*Coll.* form of *ota*[2] (q. v.).

𑒓𑒞𑓂𑒞𑒯𑒱 **ओत्तहि**—ओत्त[2] (दे०) केर निश्च० रू०। कन्या० १२ (छुट्टीमे ओत्तहि रहि गेलाह); द्विरा० ४१ (चललथिन्ह ओत्तहि सँ शिक्षा देमय)। *ottahi*—*Emph.* form of *otta*[2] (q. v.).

𑒓𑒞𑓂𑒞𑒹 **ओत्ते**—ओते (दे०) केर उत्तरी मै० रू०। FML 431; (ओत्ते हम कि करबइ)। *otte*—The Northern Maithili form of *ote* (q. v.).

𑒓𑒟𑒨 **ओथय**—ओतय (दे०) केर प्रा० लु० मै० रू०। मा० का० २१५ (पाओब मान ओथय जाथित)। *othaya*—*Early.* Obs. Maithilī form of *Otaya* (q. v.).

𑒓𑒠𑒢 **ओदन**—अन्न, भात। [सं० उन्द+युच्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव० ओदन; प्राकृ० ओदण। गोविन्द श्रृङ्गार १ अम० ३० (हरिक रीति विरह जिवति तेजि ओदन पान); अम० २४ (अल्प गरम ओदन आदि द्रव्यमे प्रयुक्त रहथि)। *odana*—Boied rice as food.

𑒓𑒠𑒩[1] **ओदर[1]**—उदर (दे०) केर का० रू०। तु० क० भोज० ओदर। वि० पदा० मजु० ५६१ (जाहि ओदर सँ बाहर भेलि)। *odara*[1]—*Poet.* form of *udara* (q. v.).

𑒓𑒠𑒩[2] **ओदर[2]**—ओदरब (दे०) केर मू० रू०। [सं० वि> ओ+दृ] धातु पाठ ६१। *odara*[2]—Root of *odaraba* (q. v.).

𑒓𑒠𑒩(𑒛)𑒥𑒻 **ओदर(ड़)ब**—क्रि०। स्व. विदरण (दी०), स्वतः अलग होयब, स्वतः फाटब। [ओदर+अब]। मि० भा० कोष ४१; कुड़हरि के जोर सँ काठ पर पटकला सँ नेरक ओदरब असम्भव नहि)। *odaraba*—V. To get peeled.

𑒓𑒠𑒩𑒱 **ओदरि**—ओदरब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। कन्या० ६० (ओकर कनखा ओदरि गेल छलैक)। *odari*—*Part.* form of *odaraba* (q. v.).

𑒓𑒠𑒰𑒅𑒖(𑒠) **ओदाउज(द)**—वि०। घमण्ड, अहँ, टक्कर, दाबी, प्रतिस्पर्धा। [उत+दर्प+अज]। वैदेही १६–२१७ (दूनू रानीमे स्वामीक समसँ बढ़ि प्रेयसी होयबाक ओदाउज छन्हि)। *odāuja (da)*—*Adj.* Vie, compete.

𑒓𑒠𑒰𑒩 **ओदार**—विदरण (दी०), कोनो वस्तुक अलग भेला परक वस्तु। [ओ+दृ]। मि० भा० कोष ४१; धातुपाठ ६५; वैदेही १५–२५८ (तेकर खलरी ओदार जेकर माउस मजेदार)। *odāra*—Peel.

𑒓𑒠𑒰𑒩𑒥𑒻 **ओदारब**—क्रि०। विदारण (दी०), अलग करब, चीरब। [ओदार+अब]। मि० भाषा कोष ४१; (गाछसँ बकलोइया ओदारब तखन मानस अछत)। *odāraba*—To peel.

ওদাৰল **ओदारल**—ओदारब (दे०) केर भूत० रू० । (जारन ओदारल अछि); डा० उ० ना० ति० ११८ । *odārala Past* tense form of *odāraba*.

ওদাবর্ত **ओदावर्त**—परिच्छेद (दी०) । [उत + आवर्त] । मि० भा० कोष ४१ । *odāvarta*—Keeping under separate heads.

ওদাসোখা **ओदासोखा**—वि० । किछु शुष्क किछु तीतल वस्त्रादि (दी०) । [आर्द्र + शुष्क + आ] । मि० भा० कोष ४१ । *odāsokhā—Adj.* Somewhat wet and somewhat dry (cloth).

ওদি **ओदि**—गुर्विणीक स्वाभाविक रोग । [सं० दोहद] । मि० भा० कोष ४१ । *odi*—A kind of natural disease of pregnant woman.

ওধক **ओधक**—बोधक (दे०) केर वा० रू० । मिहिर ३८–६–११ (आनन्द ओधक प्रवाह) । *odhaka—Coll.* form of *bodhaka* (q. v.).

ওধি **ओधि**—बाँसक नीचाँक (बीआ वा) जड़ि । [अधः] । मि० भा० कोष ४१; चित्रा ८२ (जहिना ज्वैल बँसबिटीक दमगर ओधि); वैदेही १३-६३ (ओधि कोड़ो गाछ फुनगी छीप) । *odhi*—Bamboo root.

-ওন **-ओन**—प्रत्यय । साधारणतया भाव अर्थमे ओन प्रत्यय बदरी आदि शब्द सँ लगाओल जाइछ । मि० भा० वि० ९० (बदरिओन) । FML 477. *-ona—Suffix.* It is added for making abstract noun.

ওনা[1] **ओना[1]**—प्रत्यय । साधारणतया खेल, लड़ आदि धातुसँ ओना प्रत्यय लगाओल जाइछ । मै० व्याकरण ९० (खेलौना लड़ोना) । *onā*[1]*—Suffix.*

ওনা[2] **ओना[2]**—अव्यय । ओहि तरहेँ, ओहि प्रकारेँ । [ओहिना] । मि० ह (ओना तँ मधुप जकाँ केवल रसग्रहण कैने कोनो दोषदायक नहि); प्रण० २१७ (तोरा ओना करैत छलौक); नव० १८ (ओना हुनक नाम एकटा नहि दूटा रहइन्ह) । *onā*[2]*—Ind.* That manner, that type.

ওনাওনী **ओनाओनी**—अव्यय । हस्त निर्दिष्ट दूर सरल दिगनुसार (दी०) अर्थात् हाथ द्वारा दूरमे देखाओल गेल दिशाक अनुसार) [ओना + ओन + ई] । तु० क० एना-एनी । मि० भाषा शब्द कोष ४१ (औ बौआ ! आहाँ ओना ओनी सुति रहू) । *onā onī=Ind.* A side pointed by one hand.

ওনামাসী **ओनामासी**—शिक्षारम्भमे सिखाओल जाइछ, सिद्धि रस्तु केर बाद । [ॐ नमः सिद्धः] । तु० क० मराठी ओनामा । (ओनामासी ढङ्ग गुरुजी खसल चितङ्ग तइ पर सँ हम तइ पर सँ करङिक थम्म) । तु० क० औँजी सिद्धिरस्तु (दे०) *onāmāsī*—Formula of bowing down for sucess (in learning), a kind of benedition.

ওনারবঁ **ओनारब**—उगाँरब (दे०) अथवा उनारब (दे०) केर विक० रू० । तु० ओगारब; ओवारब । FML 174. *onāraba—Verbal* form of *ugāraba* (q. v.). or form of *uṅaraba* (q. v.). or *unāraba* (q. v.).

ওন্ন **ओन्न**—ओमहर (दे०) केर दक्षिणी मै० रू० । FML 439. *onna*—The southern form of *omahara* (q. v.).

ওন্নী **ओन्नी**—ओमहर (दे०) केर पश्चिमी रू० । FML 439. *onnī*—The western form of *omhara* (q.v.).

ওন্হ **ओन्ह**—ओम्हर (दे०) केर छिकाछीकी रू० । तु० क० अ० ओन्ह; FML 477. *onha—Chikāchākī.* form of *omhara* (q. v.).

ওপ **ओप**—आभा कान्ति,चमक, दीप्ति, छवि । लु० रू० [सं० दिव् अथवा प्राकृ० ओप्प] । तु० क० हि०, राज०, अव०:ओप । वर्ष० ४७ (छवि ओप कला कान्ति) । *opa – Obs.* Shining.

ওফ[1] **ओफ[1]**—रौदक आगर (दी०) [?] मि० भा० वि० ४१ (ओफ) । *opha*[1]—Brilliance of sunlight.

ওফ[2] **ओफ[2]**—अव्यय । दुख, खेद, आश्चर्य सूचक शब्द । तु० क० हि० ओफ । (ओफ ! हाथसँ छुटि गेल) । *opha*[2]—Oh, expression of regret.

ওবা **ओबा**—वमनयुक्त संक्रामक रोग विशेष, हएजा । मि० भा० कोष ४१, (टिकजरुआक वास्ते ओबा फौती नहि अबैछ) । *obā*—Cholera.

ওভৰকোট **ओभरकोट**—कोट परसँ पहिरएबला कोट । [आंग्ल] । चयनिका ३; व्यवहार विज्ञान २३ (ओभरकोट, गलमकोट, हाफपेन्ट) । *overakoṭa*—Overcoat.

ওম **ओम**—प्रणव मन्त्र, मङ्गल, ब्रह्म । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असo, राज०, अव० ओम । अम० ३६ (ओम शब्दक अर्थ थिक ब्रह्मा, विष्णु, महेश) । *oma*—The sacred syuable om.

ওমহৰ **ओमहर**—अव्यय । ओहि दिशि, ओहि भाग । [ओ (दे०) अथवा उत् अथवा] । तु० क० उधर (हि०) । मि० भा० कोष ५१; चित्रा ३१ (अहाँ ओमहर हो जैना);FML 439. *omahara—Ind.* That side.

ওমহুৰকা **ओमहुरका**—ओम्हरुका (दे०) केर वा० रू० । आनक० ११२ (ओमहुरका लोक सभ उकठल पहाड़ी पुनचढ ... *omahurakā—Coll.* form of *omharukā* ...

ওম্হৰ **ओम्हर**—ओमहर (दे०) केर विक० रू० ... १७४–११ (तावत ओम्हर सहायता करैत छथि ... अपने मने हनहनाइत कहाँ बढ़ल जाइत छथि ... देखबह हथकड़ी सँ बद्धकर) । *omhara*— ...

hara (q. v.).

ওম্হরহি **ओम्हरहि**—ओम्हर (दे०) केर निश्च० रू० । मि० उद० १५९-१३ (ओम्हरहि पड़ाएल) । *omharahi*—**Emph.** form of ***omahara*** (q. v).

ওম্হরুকা **ओम्हरुका**—वि० । ओहिभागक, ओहिदिशाक । [ओम्हर+उका] । पारो ६५ (ओम्हरुका भकुआ भातमे तकरा सनैत हम कहलियैक) । *omharukā*—*Adj*. Belongiag to that side.

ওম্হরে(রৈ) **ओम्हरे(रै)**-ओम्हर (दे०) केर निश्च० रू० । मि० उद० १५७-२१ (ओम्हरे देखलन्हि जे रघरक्किनी खलखल), कपाल कुण्डला २७ (ओम्हरे देखए लगलाह) । *omhare(rai)*—*Coll*. form of *omhara* (q. v.).

ওর[1] **ओर[1]**-अन्त, शेष । [सं० अवर अथवा छोर (दे०)] । तु० क० हि०, बं० अस० ने०, राज० ओर । वि० पदा० मजु० ६०, नेपाल तालपत्र न० प्र० २०६ (ओर धरि मेल न बोली); वि० पदा० मजु० १६७, ९५, रामभद्रपुर पोथी ४०४ (ख) ओर धरि मेल विचारि); गो० शृ० १ अमर० ४६ (जानल है सखि मौनक ओर । पिया परदेशिया चलल मोहि छोड़); BPL 964, 1088, FML 95, 333, ग० प० ३७ (आएल जीवन ओर) । *ora[1]*—End.

ওর[2] **ओर[2]**—दिशा, सीमा । [सं० अवर अथवा छोर (दे०)] । तु० क० हि० बं०, अस०, ने० ओर । राम० ३६ (शिव शिव धुनि शुनियऽ चहु ओर); महेश० ६ (एकवेरि मोर ओर) । *ora[2]*—Side, itermnation.

ওর[3] **ओर[3]**—आओर (दे०) केर प्रा० मै० रू० । FML 425, 425. *ora[3]*—*Early* Maithili form of *āora* (q. v.).

ওরক **ओरक**—दोसराक, अनकर । [अओर+क अथवा आर+क] । FML 425 (ओरक बात की करैत छी) । *oraka*—Of another, of others.

ওরগ(ওট) **ओरग(ओट)**—सर्पाकार आसन । [सं० उरग] । वर्ण० १० (सिंहासन, सुखासन ओरग ओरगओट प्रभृति ये अनेक राज प्रक्रिया तें आस्थान भीतर इतर लोक सओ व्यावृत राजा बुझिय सँ आस्थान) । *oraga(oṭa)*—Seat of the shaye of a as pest.

ওরঙ্গল **ओरङ्गल**—शिकारीक एक प्रभेद । [सं० उरग+अङ्ग] । वर्ण० ३६ (दरङ्गल ओरङ्गल, जुराठी, धुरिकार) । *ora-ṅgala*—A kind of hunter.

ওরনে **ओरने**--ओढ़ने (दे०) केर विक० रू० । बिरा० २०४ (झारखण्डी चूर ओरने घट-घट करैत पिउने जाथि) । *orane*—*Alt*. form of *orane* (q. v.).

ওরমল **ओरमल**—उरमा (दे०) केर ग्रा० रू० । मै० लो० ९३ । *oramala*—*Folk* form of *uramā* (q. v.).

ওরস **ओरस—औरस** (दे०) केर वा० रू० । मि० मित्र ४२६ (ओरस पुत्र समान पूजा पालथि ओ नटवर) । *orasa*—*Coll*. form of *Aurasa* (q. v.).

ওরসিঅর **ओरसिअर**—सर्वेक्षण कार्यनिहार, अन्दाज लगौनिहार । [आंग्ल] । FML 144. *orasiara*—Overseer.

ওরহা **ओरहा**--साक्षात् आगिसँ छिम्मड़ि सहित पक्व द्विदल (दी०) अर्थात् कोनो वस्तुक छिम्मड़ि सहित आगिमे पकाओल । ओठराक विक० रू० । [उद+दग्ध] । मि० भा० कोष ४१; अन्हेर नगरी द (मटर खेसारी ओरहा); BPL 177· *orahā*—*Alt*. of *oḍahā* (q. v.),

ওরা[1] **ओरा[1]**—ओर[1] (दे०) केर का० रू० । वि० पदा० मजु० ३८८ (कैलन्हि जन्मक ओरा) । *orā[1]*—*Poet*. form of *ora* (q. v.).

ওরা[2] **ओरा[2]**—वि० । ओड़ल, छानल । [ओर] । वर्ण० ६९ (तेरिआमहिसि पाड़ी कम सात हाथ धागल ओरा एथा एक दिन लाग) । *orā[2]*—*Adj*. With tied up legs.

ওরা[3] **ओरा[3]**—अमड़ा, मुगराहा बैर । तु० क० अओरा [सं० आमलक] । FML 96. *orā[3]*—Hogplum.

ওরাশ **ओराश**--ओरास । [FML 276 ओर] । FML (S. N. 11. 6. 114 ओराश) । *orāśa*—Breadth.

ওরাহব **ओराहब**—क्रि० । साक्षात आगिमे छिम्मड़ि सहित चना आदि पकाएब (दी०), [ओरहा+अब] । मि० भा० कोष ४१, (आगिमे मकइक बालि ओरहब तखन खाएब) । *orāhaba*—Frying dry in fue (green) palses with seeds.

ওরি[1] **ओरि[1]**—स्त्री रोग विशेष, जखन स्त्रीगण के पेटमे बच्चा रहैत ओहि अवस्थामे ई रोग होइछ । एहिमे देह फुलि जाइत छैक तथा देह पीअर भए जाइत छैक । [उरस] । मि० भा० कोष ४२; (गे मैआ ! ई त ओरिक लछन सब छिऐक) । *ori[1]*—A kind of female disease in the prigonant stage.

ওরি[2] **ओरि[2]**—भारक (प्रथम भागक सदृश) द्वितीय भाग । [ओर+इ] । मि० भा० कोष ४२ । *ori[2]*—Second side of a *Bhāra* (q. v.).

ওরি[3] **ओरि[3]**-नेढ़ाए कए, अर्पण कए क, ओड़ब केर पू० क्रि० रू० । [सं० अर्प] । मिहिर ३५-८-११ (सम्पति देने छल देह ओरि) । *ori[3]*—*Part*. form of *Oraba* (q. v.).

ওরিঅওন **ओरिअओन**—ओरिआओन (दे०) केर विक० रू० । [सं० अभियोजन] । नव० २ (पंडिताइन सभ वस्तुक ओरिआओन कैने रहथि); मृच्छ ३ । *oriaona*—*Alt* form of *oriāona* (q. v.).

ওরিআ[1] **ओरिआ[1]**—उड़ीसा देशीय । [सं० औड्रियक] । FML *oriā*—Of Orissa (language, man etc).

ওৰিস্বা² ओरिआ²—ओरिआएब (दे०) केर पू०क्रि० रू० । नव० २४ (बड़का प्रकाश यन्त्रकेँ ओरिआक रखवा लेलन्हि)। *oriā²—Part* form of *oriāeba* (q. v.).

ওৰিস্বাওন ओरिआओन—प्रबन्ध, व्यवस्था [ओरिआ + ओन]। मि० भा० कोष ४२; द्विरा० ४५ (अन्न-तीमनक ओरिआओन अछि की नहि)। *oriāona*—Management.

ওৰিস্বাএবঁ ओरिआएब—क्रि०। वस्तु ठीक करब (दी०) सरिआएब। [ओरिआ + अब]। मि० भा० कोष ४२; (वस्तु जात ओरिआएब से नहि)। *oriāeba—V.* To keep rightly.

ওৰিস্বাএল ओरिआएल—ओरिआएब (दे०) केर भू० रू०। मो० ६८-२ (की मडुवा खैवा लै ओरिआएल)। *ariāela ela—Past* tense form of *oriāeba* (q. v.).

ওৰিস্বান ओरिआन—ओरिआओन (दे०) केर वा० रू०। मि० ८० (जाह तोह ओरिआन करह गै)। *oriāna—Coll* form of *oriāona* (q. v.).

ওৰিস্বানী ओरिआनी—वि०। प्रबन्धित, व्यवस्थित वस्तु [ओरिआन + ई]। चित्रा २७ (दच्छिना योग ओरिआनी मे); FML 212 *oriānī—Adj.* Managed thing.

ওৰিস্বায ओरिआय—ओरिआएब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। मि० ८१ (ओकर सम्भार ओरिआय; म० वि० १२० (वस्तु विवाहक गिरि ओरिआय)। *oriāya—Part* form of *oriāeba* (q. v.).

ওৰিস্বাবও ओरिआवओ—ओरिआएब (दे०) केर प्रेरणा० रू०। लठौवलि ११२ (तो ओरिआवओ अपन समान)। *oriāvao—Caus* form of *oriāeba* (q. v.).

ওৰিস্বাবথি(থু) ओरिआवथि(थु)—ओरिआएब (दे०) केर इच्छा० रू०। लठौवली १११। *oriāvathi (thu)—opta.* form of *oriāeba* (q. v.).

ওৰিৱাবয ओरिआवय—ओरिआएब (दे०) केर वा० रू०। लठौवलि ११२। *oriāvaya—Coll* form of *oriāeba* (q. v.).

ওৰিস্বাবহ ओरिआवह—ओरिआएब (दे०) केर प्रेरणा० रू०। लठौवलि १११। *oriāvha—Cause*. form of *oriāeba* (q. v.).

ওৰিস্বাবহি(স্ত্র) ओरिआवहि(हु)—ओरिआएब (दे०) केर निश्च० रू०। लठौवलि १११। *oriāvahi(hu)—Emph.* form of *oriāeba* (q. v.).

ওৰীস্বাৰী ओरीआवी—ओरिआएब (दे०) केर इच्छा० रू०। लठौवलि ११२। *oriāvī—opta.* form of *oriāeba* (q. v.).

ওৰিঔন ओरिऔन—ओरिआओन (दे०) केर वा० रू०। चित्रा १४ (कन्यादानक ओरिऔन करु ग)। *oriauna—Coll* form of *oriāona* (q. v.).

ওৰিঔলে ओरिऔलै—ओरिआएल (दे०) केर वा० रू०। व्य० वि० १४६। *oriaule—Coll* form of *oriāela* (q. v.).

ওৰিযা ओरिया—ओरिआ (दे०) केर विक० रू०। क्रान्ति ५४; पारो १८ (ओकरा पुनि ओरिया क लिफाफ मे धैल)। *oriyā—Alt.* form of *oriā* (q. v.).

ওৰিযাওন ओरियाओन—ओरिआओन (दे०) केर विक० रू०। पारो ४५ (मोतिहारी जैवाक सभ ओरियाओन भेल वृत्त छल)। *oriyāona—Coli.* form of *oriāona* (q. v.).

ওৰিযানী ओरियानी—ओरियानी² (दे०) केर वा० रू०। BPL 1252, मिहिर ३४-१२-११ (ओरियानी लग कुर्सी काठ तुल्य भै ठाढ़ि हटा लट छन ताकथि)। *oiiryānī Coll.* form of *oriānī²* (q. v.).

ওৰে ओरे—अरे (दे०) केर प्रा० का० रू०। राग० ८० तन्हि मन अछ ओहे माँन); राम २११ (ओरे से दिन भेल); महेश० १४ (शिव-शिव कहिओ ओरे जागह)। *ore—Early* Poet form of *Are* (q. v.).

ওল¹ ओल¹—खाद्य कन्द विशेष। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अ०, राज० म० उत्तल; उ० ओल, ओलुअ, उल। व०० २५ (चुआ ओल कुम्हर); मि० वि० १९६ (ओल खम्हारु, वेल जे अनायास उत्पन्न होइन्ह); चित्रा ५८ (खूब खैइह ओल ओ अरिकोंछ)। *ola¹*—The Telingu potato; amorphophallus Campanulatna; Bignonia Indica.

ওল² ओल²—ओर (दे०) केर प्रा० पै० तु० रू०। वि० ने० ४ (सुन्दरि नहि मनोरथ ओल); कीर्तिलता २३ (एक हाट करेओ ओल; औकी हाट करेओ ओल); FML 302. V. S. P 70 (सुमुखि मोरे ओल नहि होए)। *ola²—Early obs.* Maithili torm of *ora* (q. v.).

ওলকৈত ओलकैत—क्रि०। लोकैत [ओलब (दे०)। तु० क० औलैत। चन्द्र २४७ (कयति श्री उकैत ओलकैत वाढ़ चौर)। *olakaita*—V. playing, pampering.

ওলকোবী ओलकोबी—गाँठकोबी, कन्द विशेष। [ओल + कोबी]। तु० क० अस० ओलकबि। मि० भा० कोष ४२; ओलकोबीक तरकारी खूब स्वादिष्ट होइछ)। *olakobī*—A kind of cabboge.

ওলতী ओलती—ओसारासँ बड़ल चारक निचला भूमि जतए चारक पानि खसैत छैक। [ओर + ती]। तु० क० हि० ओलती। BPL 1252; मि० ७७ (ओलतीक जलतर लघुशंका निवृत कैलन्हि); वैदेही १११-४ (फराकेसँ ओलती उजरलाहा वरेरी देखि के चोर के दुनदुनाइत कोठीक अन्दाज भऽ सकइछ)। *olatī*—The eaves.

ওলবঁ **ओलब**—क्रि० । गर्दा तर करैत हाथ घुमाए नीक वस्तु केँ उपर आनब । [ओल + अब] । मि० भा० कोष ४२ (चाउर के ओलब तखन सभटा नीकहा चाउर उपर आओत) । *olaba*—*V.* Bring out unwanted parts and leave the substance cleanias to wisnnowk.

ওলৰবঁ **ओलरब**—क्रि० । पलरब (दी०) आलसक कारणे चारू नाल चितऽ भए पड़ब । [उल्लुण्ठ > ओलर + अब] । मि० भा० कोष ४२; (एना यदि करजक दिनमे ओलरब तँ सभटा काज पड़ले रहि जाएत) । *olaraba*—*V.* To lie downfreely for rest.

ওলবল **ओलरल**—पसरल । ओलरब (दे०), केर भू० रू० । मिथिला दर्शन १२० (आशा असह शीतसँ बाँचल ओलरल नार पुआर मे । *olarala*—*Past* tense form of *olaraba.*

ওলা **ओला**—अतिसंशोधित वर्तुलाकार चीनी (दी०), मेघसँ खसय वला बर्फक टुकड़ा । पाथर । [सं० उपल] । तु० क० हि०, राज०, बं० ओला मि० भा० कोष ४२; (आइ सकुरी दिश वेश पैघ पैघ ओला खसलैक) । *olā*—A small purfive round lump of sugar, hail (ice).

ওলিআ **ओलिआ**—सिद्ध मनमौजी मुसलमान बाबाजी । [अर०] । मि० भा० कोष ४२ । *oliā*—A Muslim saint.

ওলিপালি **ओलिपालि**—ओलब (दे०) केर पू० क्रि० रू० । बं० शब्दकोष ६३१ (ओलिपालि कए सभ घास गायक आगू दए दियौक) । *olipāli*—*Part.* form of *olaba* (q. v.).

ওলে **ओले**—ओले² (दे०) केर वा० रू० । वि० पदा० मजु० ६२, २५३ (ओले धरि नहि बुलए ओ से) । *ole*—*Coll.* form of *ola*[2] (q. v.).

ওল্তী **ओल्ती**—ओलती (दे०) केर वा० रू० । ससरफानी ८१ । *olti*—*Coll.* form of *olatī* (q. v.).

ওল্ল **ओल्ल**—ओल¹ (दे०) केर प्रा० मै० लु० रू० । Sarvanand's 11-4-57) (ओल्ल); FML 76 (ओल्ल S. N. 11.4-57) । *olla*—*Early* Maithili obs. form of *ola* (q. v.).

ওবারী **ओवारी**—भीतर (तै चमकैत) । [सं० अवर, अभ्यन्तर] । वर्ण० ५२ (ओवारी दीप लेसल) । *ovārī*—Inside (lamp).

ওবাস **ओवास**—ऊर्ध्ववस्त्र । [सं० ऊर्ध्व + वास] । वर्ण० ६३ (बिकवहिक आठरक ओवास कें) । *ovāsa*—Upper garment.

ওশ **ओश**—ओस (दे०) केर अशु० वा० रू० । वनकुसुम ६ (दुबदाबक ओशक अंशु ढाल, । *ośa*—*Erro. Coll.* form of *Osa* (q. v.).

ওষধি **ओषधि**—औषधि (दे०) केर का० रू० । वर्ण० ४२ औषधिक प्रभाव एवम्विध मीषणता); राम० २६० (ओषधि संजीवनक समीप) । *oṣadhi*—*Poet.* form of *Auṣadhi* (q. v.).

ওষধীশ **ओषधीश**—चन्द्रमा, कपूर । [सं०] । तु० क० हि० ओषधीश । अम० २० (ओषधीश निशापति) । *oṣadhīśa*—The moon, comphor.

ওষ্ঠ **ओष्ठ**—ठोर, ओठ । [सं०] । तु० क० हि० बं०, अस०, ने० ओष्ठ; पा० ओट्ठ; प्राकृ० ओट्ठ होट्ठ; हुटो; काश्मी वुट्ठ कु० ऊँठ; ओठ उ० भीज०, ओठ; अव० ओँठ, होँठ । ब्य० वि० १४० (ओष्ठमे चुम्बन); मौ० १३०–१५ (शोकावस्थाक कारण ओष्ठ द्वय सद्ध भै गेल छैक); द्विरा० १६४ (वर्ण सन्धि विचार ओष्ठ सन्धि पर जाय समाप्त होइछ) । *oṣṭha*—Lip.

ওস **ओस**—बिनु मेघक आकाश पतित अति सूक्ष्म तुषार; हिम, बरफ । [सं० अवश्याय अथवा प्राकृ० ओआस] । तु० क० बं०, हि०, ने०, अव०, ओस; बंह ओस । चित्रा ५१ (हिम शुभ्र ओस सँ धौत गात); प्रतिपदा एक अध्ययन ३७; FML 139. *osa*—Dew.

ওসথি **ओसथि**—क्रि० । उसिनब, गर्म करब । [उष्ण] । डाक वचनावली भाग प्रथम १० । *osathi*—*V.* Hon. Boil.

ওসয়ৈত **ओसयैत**—क्रि० । उसिनैत । गर्म करैत । [उष्ण] । धातुपाठ ५१ । *osayaita*—*V.* Having boiled.

ওসরা **ओसरा**—ओसारा (दे०) केर वा० रू० । BPL 1242; डा० उ० ना० ति० ७५, ११८ । *osarā*—*Coll.* form of *osārā* (q. v.).

ওসাএবঁ **ओसाएब**—क्रि० । बसातसँ अन्नकेँ साफ करब (दी०) । [ओसब + अब] । BPL 497; मि० भा० कोष ४२ । *osāeba*—*V.* To winnow.

ওসাওন **ओसाओन**—ओसओनिहारक वेतन, पारिश्रमिक, ओसयला सँ पृथक भेल तृणादि । [ओसाब + आओन] । मि० भा० कोष ४२; मि० भा० वि० ८१ । *osāona*—Wages for winnowing; the husks separated by winnowing.

ওসাওল **ओसाओल**—ओसाएब (दे०) केर भू० रू० । अमर २०४; (ओसाएल धान कोठीमे रखबाक दुआरे नष्ट भए रहल अछि) । *osāola*—*Past* tense form of *osāeba* (q. v.).

ওসারা **ओसारा**—घरक वाह्य अनावृत कोष्ठ (दी०) । [सं० उत् + आश्रय] । तु० क० हि० ओसारा । मौ० १३०–१७ (दूनू गोटे राक्षस मन्त्रीक घरक ओसारा पर जाइत छथि); मि० दर्शन २० (फेर अस्पतालक ओसारा पर ठाढ़ छल); कन्या० १५३ (ओसारा पर ठाढ़ि छलि); BPL 1243. *osārā*—Veranda.

ওসীঅতনামা **ओसीअतनामा**—मरबासँ पहिने अपन उत्तराधिकारक हेतु लिखल गेल कागत । [अर० वसिअतनामा] । FML 256. *osiatanāmā*—Will.

ওসুলৈত **ओसुलैत**—ओसूल (दे०) केर पू० क्रि० रू० । खट्ट १७१ (बातबातमे कर ओसुलैत छथिन्ह) । *osulaita*—

Part. form of *osūla* (q. v.).

ওসূল **ओसूल**—आसादित (आदेय धन) (दी०); [अर० वसूल] । रंग १०५ (हमरासँ **ओसूल** करै लागयि त कोन आश्चर्य); मि० भा० कोष ४२ । *osūla*—Collection of (wealth).

ওসূলী **ओसूली**—आदेय धनक आसादान । [ओसूल + ई] । मि० भा० कोष ४२ । *osūlī*—The act of collecting the dues.

ওসৌনী **ओसौनी**—अन्न ओसाएब वा अन्न ओसएबाक कार्य । [ओसाएब + औनी] । प्रण० १४२ (कोन नक्षत्रमे **ओसौनी** करी); FPL 497. *osaunī*—The act of winnowing grain.

ওস্তা **ओस्ता**—वैद्य विशेष (दी०) । [उस्ताद] । मि० भा० कोष ४२ । *ostā*—Expert (medical practitioner).

ওস্তাজ **ओस्ताज**—ओस्ताद (दे०) केर वा० रू० । FML 156. *ostāja*—*Coll* form of *ostāda* (q. v.).

ওস্তাদ **ओस्ताद**—पार्थ, उपदेशक, शिक्षक, निपुण । [फा० उस्ताद] । तु० क० बं०, अस०, ओस्ताद; अर०, उर्दू, **उस्ताद**; भोज० ओस्ताद । (आब एतय एक **ओस्ताद** अपने सभक समक्ष प्रस्तुत होएताह) । *ostāda*—Master; proficient, instructor, skilful expert.

ওস্তাদী **ओस्तादी**—शिक्षा देबाक कार्य, निपुणता, चालाकी, अनुभव, नीक जकाँ व्यक्त करब । [फा० उस्तादी] । तु० क० बं०, अस०, ओस्तादी । FML 623. *ostādī*—The state of being an expert, teacher, specialist.

ওহ[1] **ओह[1]**—अव्यय । (डर, दुख, खेद, आश्चर्य सूचक शब्द) । [सं० ओः] । तु० क० हि०, बं०, अस०; ने०, अव०, राज० ओह । FML 570; (ओह ! ई गप हम कथमपि नहि मानब) । *oha[1]*—*Intery.* (Expressing surpise, grief, wonder, displeasure, and fear or just indicatinga negative).

ওহ[2] **ओह[2]**—ओ[2] मै (दे०) केर प्रा० मै० लु० रू० । वि० पदा० मजु० ५१० (ओह सिद्धेश्वर थिका मोर पति हे); मन० कृष्ण० १९ (एक दिन **ओह** मानथु मोर पोस); राम० १४६ (निकटहि कुटि देखक थिक **ओह**) । *oha[2]*—*Early.* Obs. *Maithilī* form of O[3] (q. v.)

ওহও **ओहओ**—ओ(उ)एह वा ओहो (दे०) केर प्रा० लु० रू० । वि० ने० ९० (**ओहओ** कान्ह जदुकुल गोप); मन० कृष्ण० ४ (**ओहओ** हमहि हलधर अवतार); FML 406. *ohao*—*Early* Obs Maithili form of *o(u)eha* or *oha* (q. v.).

ওহদযিতেঁ **ओहदयितेँ**—ओहदा (दे०) केर पू० क्रि० रू० । वर्ण० १५ (अहदयितेँ ओहदा अवलोकन); FML 233. *ohadayitẽ*—*Part.* form of *ohadā* (q.v.).

ওহদা **ओहदा**—पद, स्थान, आसन । [फा०] । तु० क० हि० ओहदा । वर्ण १५ (ओहदयितेँ ओहदा अवलोकन) । *ohadā*—Post, position.

ওহন **ओहन**—वि० । ओहि प्रकारक, ओहि तरहक, [ओहि + सम] । मन० कृष्ण० १४ (ओहन महाप्रभु ओहन विकट); नव० ९ (अनका लेखे ओहन प्रियदर्शन केओ नहि); FML 317 (ओहन काज करब तेँ लाग) । *ohana*—*Adj.* That kind; that sort of, in that way.

ওহনা **ओह्ना**—ओहन (दे०) केर छिकाछिकी रू० । FML 438. *ohanā*—*Chikāchikī* form of *ohnā* (q. v.).

ওহনি **ओहनि**—ओहन (दे०) केर स्त्री० रू० । मन० कृष्ण ९ (ओहनि दुर्ग जमुना भेल थाहि) । *ohani*—*Fem.* form of *ohana* (q. v.).

ওহনে **ओहने**—ओहन + हि (दे०) केर वा० रू० । मन० कृष्ण २ (ओतहु मनोरथ **ओहने** रहल) । *ohane*—*Coll.* form of *ohana + hi* (q. v.).

ওহন্তূ **ओहन्तू**—वि० । स्त्री.पशु, ओहएबा योग्य, बाहबाक योग्य । [ओहाएब अथवा उह + अन्तू] । तु० क० बहन्तू । FML 20. *ohantū*—*Adj.* A Female animal fit for paising.

ওহরিয়া **ओहरिया**—ओहार (दे०) केर ग्रा० रू० । तु० क० डा० उ० ना० ति० २४२, मै० लोकगीत १८७ । *ohariya* *Folk* form of *ohāra* (q. v.).

ওহরী **ओहरी**—ओडी (दे०) केर प्रा० लु० मै० रू० । Sarvananda 11-9-65 *oharī*—*Early obs.* form of *odī* (q. v.).

ওহাএব **ओहाएब**—क्रि० । बाहब (दी०); स्त्री पशुक पाल खाएब वा गर्भ धारण करब । [सं० उह + आएब] । मि० भा० कोष ४२; BPL 1115. *ohāeba*—*V.* To copulate (of animals).

ওহার **ओहार**—आवरण, परदा, झाँप । [सं० आवार] । तु० क० हि०, भोज० ओहार । हिरा० २०८ (**ओहार** तर दमाद बौके छथि) । *ohāra*—Cover made of cloth, screen.

ওহারি **ओहारि**—ओकर (दे०) केर प्रा० मै० रू० । वि० ने० २६६ (तोहि बिनु नागरि कओने ओहारि) । FML 406. *ohāri*—*Early* Maithili form of *okara* (q. v.).

ওহারী(লী) **ओहारी(ली)**—ओहाली केर प्रा० लु० मै० रू० । चारक जड़िक ओर या अन्त । V. P. 97 Sarvanand (11-2-14); FML 121 **ओहारी** (विवाद चिन्तामणि ६७ नं० अग्रसर); BPL 490. *ohārī(lī)*—Edge of a thatched roof.

ओहासी—बलिष्ठ भूरत सहित जल (दो०); विशेष पानिक कारणेँ एक खेतसँ आरि टपि दोसर खेतमे विशेष तीव्र गतिसँ पानि बहब वा खसब चारपरसँ ओलतीमे नीचा पानिक खसब। [सं० वह + आशु वा अंश] । व्य० नि० ११४ (सब ओहासी मे भसिआ गेलैन) । *ohāsi*—Where the water of all the land naturally falls.

ओहि—अव्यय । ओ, ओइ, दूरक हेतु संकेत । [सं० ओ + हि] । तु० क० अव० ओहि; हि० उस । वि० ने० २०६ (तोहि नहि डर ओहि नहि लाज); मन० कृष्ण० २ (ओहि अवसर धरनी मेल आनू) चित्रा २२ (थिक ककर दिन जैत ओहि पर); FML 408. *ohi*—*Ind*. That itself, used in the sense of distance).

ओहिठाम—अव्यय । ओहि जगह वा स्थान पर । [ओहि + ठाम] । राम० ३०३ हम आयव ओहिठाम) । *ohiṭhāma*—*Ind*. That place.

ओहिना—अव्यय । ओहि तरहेँ, ओही प्रकारेँ । [ओहन + हि > आ] । मो० १०७ (ओहिना छोट जेठ भाईक स्त्री पर मातृवत भाव राखथि); प्रण० ५ (दिगम्बर ओहिना रहि गेलाह); चित्रा ३९ (ओकरा तँ ओहिना मोन छिअइ) । *ohinā*—*Ind*. Verily of that sort or kind.

ओहिया—तहिआ (या) (दे०) केर पूर्वीय मै० रू० । FML 437. *ohiyā*—The eastern Maithili form of *tahiā(yā)* (q. v.).

ओही—ओहि (दे०) केर निश्च० रू० वि० ने० । (ओही पाप त तुरुक कहाबै लागल); २० चित्रा (ओही मे ई मुलुक बह जाय) । *ohī*—*Emph*. form of *ohi* (q. v.).

ओहीन(नु)—ओहन (दे०) केर पूर्वीय रू० । FML 434. *ohīna(nu)*—The eastern Maithily form of *ohana* (q. v.).

ओहु—ओहि (दे०) केर निश्चय रू० । FML 406; 296 (ओहु राहु मीत) । *ohu*—*Emph*. form of *ohi* (q. v.).

ओहुना—ओहिना (दे०) केर बा० रू० । पारो ४६ (ओहुना दऽ दिते) । *ohunā*—*Coll* form of *ohinā* (q. v.).

ओहू—ओहु (दे०) केर बा० रू० । वि० पदा० मजु० २५, रामभद्रपुर पोथी ४०२ (ओहू राहु भीत पहु निसंक); प्रण० २६ (सेठ जी व्यापारिक बुद्धि ओहू काल संग नहि छोड़लक); चित्रा २८ (ओहू दिन देखने रहिअउ जे) । *ohū*—*Emph*. form of *ohu* (q. v.).

ओहे¹—ओ³ (दे०) केर प्रा० मै० रू० । राम० ८० (पिआ मन ओहे संदेस); FML 406. *ohe¹*—*Early* Maithili form of *O³* (q. v.).

ओहे²—ओएह (दे०) केर प्रा० मै० रू० । वि० वि० ४ (मिलब सुजन गए ओहे मोरा काज) । *ohe²*—*Early* Maithili form of *Oeha* (q. v.).

ओहेन—ओहन (दे०) केर बा० रू० । पारो ४४ (ओहेन गोर देह); FML 434. *ohena*—*Coll* form of *ohana* (q. v.).

ओहो¹—ओ³ (दे०) केर निश्च० रू० । मि० उद० १५१–७ (अन्यथा ओहो किछु नहि); मो० ६७–२ (ओहि सबहि की करत उद्यम); प्रण० १४५ (ओहो शीघ्रतासँ विदा भेलाह); चित्रा १७ (ओहो भए गेला बेस समर्थ) । *oho¹*—*Emph*. form of *O³* (q. v.).

ओहो²—अव्यय । (आनन्द ओ विस्मय सूचक शब्द) तु० क० बं०, असा०, ने०, हि० ओहो । (ओहो ! अहूँ आबि गेलहुँ) । *oho²*—*Intej*. (exptenig aseotment or jug).

ओहो³—ओहो¹ (दे०) केर प्रा० मै० रू० । मि० २०१ (ओहौ अपना गुरु मझरौनीक तान्त्रिक) । *ohau³*—*Early* Maithili form of *Oho¹* (q. v.).

𑒌

औ¹—मिथिलाक्षरक चौदहम स्वर वर्ण, एकर उच्चारण स्थान कण्ठ ओष्ठ मानल जाइछ [सं०] तु० क० बं० असा० ने०; अव० राज०, हि० औ । (ए, ऐ, ओ, औ) । *au¹*—The fourteenth vowel in Maithili script.

औ²—प्रत्यय । विक् आदि धातु जे धातु पाठमे परिगणित अछि ताहिसँ पर औ प्रत्ययकेँ आउ आदेश होइछ । ल० वि० १०६ । FML 76-77 *au²*—Suffix.

औ³—अव्यय । अपनासँ सम वा छोटकेँ सम्बोधन करबाक शब्द । [सं० अहो] । तु० क० असा० औ । मो० ६७–३ (निन्दासँ लोभ अछि जानु ओ); मो० १५७–८ (औ यौ (दे०) बाबूलोकनि); प्रण० १० (औ परमेश्वर बाबू !); (औ विलाँ ! अपने लोकनिकेँ); मि०; FML 474. *au³*—*Ind*—term used in addressing

a person of an inferior or equal rank.

𑒎𑒿² औँ²—औ² (दे०) केर वा० रू०। *āũ²—Coll.* for u of *au²* (q. v.).

𑒎𑒰(𑒨𑒰𑒿)¹ **ओआ(आँ¹)**—प्रत्यय। प्रभेद अर्थमे उजर-आदि शब्दसँ—आ प्रत्यय लगाओल जाइछ। ल० वि० ४४, ३६ (अमत शब्दसँ—हा-तथा-औआ प्रत्यय); मधुर शब्दसँ—हा,-बा, तथा औआ तीन प्रत्यय (मधुरहा, मधुरबा, मधुरौआ); कर्ममे चोरब आदि धातुसँ। औआ प्रत्यय (चोरौआ, छपौआ; लुकौआ। सर्वत्र 'अब' क लोप होइत अछि)। ल० वि० १३६; मि० मा० भा० विद्योतन साधारणतया भाव अर्थमे गाम आदि शब्दसँ औआ प्रत्यय लगैत अछि। मि० भा० वि० ५८ (गोआँ)। *auā(ā̃)¹*—Suffix.

𑒎𑒂 **औआ²**—औआएब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। मिथिला दर्शन १०–३७ (जे भयसँ भुवनमीर औआ रहल छथि) *auā²—Parti.* form of *auāeba* (q. v.).

𑒎𑒰𑒋𑒥 **औआएब**—क्रि०। व्याकुल होएब (दी०) आकुल होएब [औ + अब]। मि० भा० कोष ४२; (यदि स्थिर चित्त नहि करबतैं आकुल औआएब)। *auāeba-V.* To be perplexed

𑒎𑒏¹ **औक¹**—प्रत्यय। प्रेरणामे धातुसँ पर क्रियाफल अना-दरणीय सन्ताँ-औक प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० ६६ (नोकर नेना लग रहौक, ओकर कार्य देखौक); प्रेरणामे धातुसँ पर क्रियाफल अना-दरणीय तोँ शब्दार्थगत सन्ताँ औक प्रत्यय अबैछ। ल० वि० ६६ (लोक तोरा देखौक, तोहर कार्य करौक) इच्छामे धातुसँ पर क्रियाफल अनादरणीय तोँ शब्दार्थगत सन्ताँ-औक प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० १०१ (रओ लोक सभ तोरा पर प्रसन्न रहतौक); FML 474. *auka¹—Suffix.*

𑒎𑒏² **औक²**—क्रि०। सं०। वमन (दी०) बोकार (बोकरब)। [शब्दानुकरण]। तु० क० ओक, बोकरब। मि० वि० भा० कोष ४२; (बस पर चढ़ला पर स्त्रिगणादिकेँ औक होएबाक सम्भव रहैछ)। *-auka²*—Vomit.

𑒎𑒏³ **औक³**—वि०। लु० प्र० संख्या एक केर प्राचीन रू०। (औक मौक चौक चीरा जाओ बजार खाओ खीरा = एकटा पचीसी खेलक घर लिखबाक रोचक फकड़ामे घर संख्या एक हेतु औक प्रयुक्त होइछ। *auka³*—Obs. Adj. one.

𑒎𑒏𑒚 **औकठ**—[सं०]। अधलाह काठ, नीक काठ नहि, सारिल रहित। [अकाठ]। तु० क० अस० आओकाठ; अकाठ,अकठ। (औकठ केर नाव मजगूत होइछ)। *aukaṭha—Adj.* Wood of inferior quality.

𑒎𑒏𑒩𑒰 **औकरा**—ओकरा (दे०) केर अशु० रू०। मि० मि० २११ (औकरा मारैक हेतु)। मो० ९८–६ (औकरा कातहिमे ठाढ़ भै कपैत रही से निमित अछि)। *aukarā—Err.* form of *okarā* (q. v.).

𑒎𑒿𑒏𑒮𑒲 **औँकसी**—गाछसँ फल फुल वा पात तोड़बाक हेतु लग्गीमे बान्हल टेढ़ छोट-छीन मकुआ। [सं० अंकुश]। चन्द्रकला २। *aukasī*-Device tied at the top of a bamboo pote for easy plucking of fruit etc. from high trees.

𑒎𑒏𑒰𑒞(𑒞𑒱) **औकात(ति)**—सामर्थ्य, ताकत हैसियत, शक्ति। [अ०] तु० क० राज० औकात। मिहिर १९ (२–६१–५३) (औकात)। *aukāta(ti)*—Force, energy.

𑒎𑒏𑒰𑒩(𑒼) **औकार(ो)**—औकार मात्रा वा अक्षर 'मान-विसाने' नामक मिथिला मरते नाम। [सं०] तु० क० ने० औकार। मि० भा० कोष २ (औकार मात्रा लगओलासँ खपचारसँ औपचारिक शब्द बनत)। *aukāra*—The letter 'au' or its mark.

𑒎𑒐𑒠 **औखद**—औषध (दे०) केर वा० रू०। तु० क० बं० औखद। FML 771 *aukhada—Coll.* form of *auṣadha* (q. v.).

𑒎𑒐𑒡 **औखध**—औषध (दे०) केर वा० रू०। FML 525; मि० भा० कोष ४२। *aukhadha—Emph.* form of *auṣadha* (q. v.).

𑒎𑒐𑒡𑒰𑒩 **औखधार**—औषध विद्या उपयोगी (दी०)। [औखध + आर] मि० भा० कोष ४२। *aukhadhāra*—Useful in medical science.

𑒎𑒐𑒢 **औखन**—अखन (दे०) केर निश्च० रू०। तु० क० एहुखन (दे०)। वि० व० ४० (निपुण योग साधन औखन); मो० १००–२१ (छल औखन मैथिल बड़ पण्डित) कन्या ५४ (एकटा पाग-धारी औखन आबि रहल छथि); प्रण० ३५(औखन देह सिहरि उठैत अछि); चित्रा २ (औखन धरि जे भाँपि रहल अछि)। *aukhana*—Emph. of *okhan* (q. v.).

𑒎𑒒𑒙 **औघट**—वि०। अघट (दे०) केर वा० रू०। [अव + घट] तु० क० राज० औघट। मि० मिहिर [सं० अवघट] ३४–४–११ औघट-घाट अटाक नागर)। *aughaṭa—Adj. Coll.* form of *Aghaṭa* (q. v.).

𑒎𑒒𑒛𑓃 **औघड़**—कुढब, अनसोहात गढ़ल, कुरूप, असुन्दर, अविवेकी, कार्य मे नीक अधलाह नहि कएनिहार। [सं० अवघट्ट अथवा अव + गढ़ल]। वि० वि० ३६ (नाम खराब दास औघड एक); मैथिली लेख शैली ६। *aughaḍa—Adj.* Ugly, indiscriminate.

𑒎𑒿𑒒𑒰𑒋𑒪𑒹 **औँघाएले**—औँघाएल (दे०) केर वा० रू०। मिहिर ३८–३१–७ (स्त्रीवर्ग अयन जीविकाक हेतु औँघाएले आँखिएँ जातमे अन्न दैत)। *aũghāela—Coll.* form of *aũghā ela* (q. v.).

𑒎𑒒𑒛𑓃𑒰𑒨𑒱𑒞 **औघड़ायित**—ओँघड़ायित (दे०) केर वा० रू०। रामा० २६५ औँघड़ायित दौड़ल से फेर)। *aũghaḍā-yita—Coll.* form of *oghaḍāyita* (q. v.).

औँघाइत—औंघाएब (दे०) वर्त्त० रू० । पारो। ५ (औँघाइत काल मक द केओ अहाँक समद कहियो वारि देने हो)। *aũghāita*—*Present* tense form of *aũghāeba* (q. v.).

औँघाएल—क्रि० । झुकनी लागब, ओङ्हीक कारणे लागब वा झुकब। [सं० अवघूर्ण]। तु० क० हिं० ऊँघना ऊँघाना; पं० ऊँघणा। (रातिकेँ देरीसँ सभ दिन सुतबाक कारणे औँघाएब स्वाभाविक थिक)। *aũghāeba*—*V.* To be slightly sleepy's to doze.

औँघायले—औंघाएले (दे०) केर वा० रू०। प्रण० ६ (ई कनेक औँघाएलेज काँ उत्तर देलिपेन्हि)। *aũghāyale*—Whild stillsleepy.

औँघाएल—औंघाएब (दे०) केर वर्त्त० रू०। प्रि०; हम औंघाएल छी)। *aũghāela*—*Present* tense form of *aũghāeba* (q. v.).

औँघाह(हि)—वि० । औंघीसँ युक्त पुरुष स्त्री (दी०)। [औंघाएब] मि० भा० कोष ४२। *aũghāha(hi)*—*Adj.* A male female who is sleepy.

औँघी—नीन्दक पूर्वरूप। मि० भा० कोष ४२; प्रि०; कन्या० ८३ (आब औँघी छोड़); पारो ३३ (पवन की औँघी लागल अछि)। *aũghi*—Sleepness.

औचक—अचक वा अचानक (दे०) केर का० रू०। चन्द्र० ३३० (औचक प्राण पक्षि उडि जायत)। *aucaka*—*Poet* form of *abukka* or *acānchaka* (q. v.).

औचिती—औचिती (दे०) केर वा० रू०। A Tricingual Dictionary 91; मि० २३२ (अर्थात् औचिती देखाओल)। *auditi*—*Coll.* form of *Uciti* (q. v.).

औचित्य—उपयुक्तता, न्यायता, उचितक भाव। [सं० उचित+ष्यञ्]। तु० क० हि०, बं०, अस०, ने०, अव०, राज० औचित्य। रमेशचन्द्र ३; अमर बापू ४; मिहिर १४ (२-६१-५३)। *aucitya*—Propriety.

औजी[1]—प्रत्यय स्त्रीक बोध अभिप्रेत रहला पर उभयलिङ्ग शब्दसँ भाए शब्दसँ औजी प्रत्यय तथा भाए केँ म आदेश। ल० वि० ६६; (भौजी); मि० भा० वि० १०९। *auji*[1]—Suffix.

औजी[2]—अव्यय सम वा अपनासँ छोटक हेतु सम्बोधन सूचक शब्द। [सं० अहो]। रंग० ४१ (औजी। अहाँक सिम्पटन अछि); मङ्कार २१। *auji*[2]—*Ind.* Interjectional word for inferior or equal.

औट—प्रत्यय। सधारणतया शिला शब्दसँ औट प्रत्यय लगैछ। ल० वि० ५२ (शिला निर्मित पिसबाक पात्र सिलौट मि० भा० वि० ८७; FML 94 *auta*—Suffix.

औँट[1]—औट (दे०) केर वा० रू०। कन्या० ८० (लालकाकीक जी पीते औँट म गेलैन्ह)। *aũta*[1]—*Coll.* form of *āta* (q. v.).

औँट[2]—औँटब (दे०) केर पू० क्रि० रू०। प्रणा० ७७ (हटि क पानि औँटत सूरसार करए लगलाह)। *aũta*[2]—*Past.* form of *Aũṭaba* (q. v.).

औँटन—दुग्धादिक पाक (दी०), औंटबाक क्रिया। [I A L Turner 64-1420 आवर्तन]। तु० क० पा० आवटन; प्राकृ० आयट्टण; उ० अउटण; हिं० औंटना; लहन्दा आटण; सि० आटणु; म० अटणें। मि० भा० कोष ४२; (दूधमे बेशी औँटन लागए देबैक)। *aũṭana*—The act of stirring milk over a fire.

औँटब—क्रि०। दुग्धादिक पाक (दी०); आगि पर कोनो वर्तनमे दूध दए ओकरा गर्म करब। [IAL Turner 64-1420 आवर्तयति]। तु० क० हि० औटन; उ० आउटिबा; बं० औटण; अस० औटिवा; भोज० अयँटिल; गु० अवटवावुँ प्राकृ० आयट्टइ; पा० आवट्टेति। मि० भा० कोष ४३; (दूध औँटब हमरो सिखाए दिअ)। *aũṭaba*—*V.* The out of sterring milk over a fire.

औँटल—औँटल (दे०) केर प्रा० रू०। वर्ण० ६९ (अवतँ रह वर्षक बेटिया तेँ औटल)। *auṭala*—*Early.* Coll form of *aũṭaba* (q. v.).

औँटल—औटब (दे०) केर भू० रू०। रंग ७५ (एकादशाह दिन जे दूध औँटल गेलन्हि)। *aũṭala*—*Past* tense form of *aũṭaba* (q. v.).

औँटाइत—औटब (दे०) केर भू० रू०। मि० दर्शन ७ (औट इत दूधक सोन्होंन गन्द भाँजीक नाकमे उछलि कए पैसि गेलै)। *aũṭaita*—*Past* tense form of *Aũṭaba* (q. v.).

औटि—औटब (दे०) सेर पू० क्रि० रू०। वि० ने० २५० (उपरल कनक औटि बढ़एथल)। *auṭi*—*Past* form of *Aũṭaba* (q. v.).

औटी—प्रत्यय। साधारणतया काजर ओ चून शब्दसँ औटी प्रत्यय अबैत अछि। ल० वि० ५२ (काजर रखबाक पात्र कजरौटी; चून रखबाक पात्र चुनौटी)। *auṭi*—*Suffix.*

औँटैत—औँटब (दे०) केर भू० रू०। धातु पाठ ३१; पारो २९ (पारो दूध औँटैत छल)। *aũṭaita*—*Past* tens form of *Aũṭaba* (q. v.).

औँठ—वस्त्रादिक प्रान्त (दी०); वस्त्र वा सूतबाक साधनक कोर वा दूनू कातक अन्तिम अंश। [ओढ़ना अछओनाक औँठ मोड़ि देलासँ ओकरा फटबाक संभावना नहि होइ छैक] [सं ओष्ठ] *aũṭha*—Edge of a cloth.

मि० भा० कोष ४३, (साड़ीक औँठ के नीक जकाँ सीबि दियौक)। *aũṭha*—Edge of the clothes etc.

ঔঠাওন **औठाओन**—अठाबन (दे०) केर पूर्वीय रू०। FML 371. *auṭhāona*—The eastern form of *aṭhābana* (q. v.).

ঔঁঠা **औँठा**—अँगुठा, अँगुठाक भूषण (दी०); पएरक बुढ़वा अँगुरी; तथा ओकर चानीक गहना विशेष। [सं० अङ्गुष्ठ + आ]। कन्या० ७६ (पैरक औँठा के भीजैत बजलीह); प्रण० १४४ (गुरुक औँठामे यवक चिन्ह देखबामे एलैन्ह); पारो ४ (हमरा देखैतहि दाहिना पैरक औँठाक नहसँ माटि खखोड़े लागल)। *aũṭhā*---Toe, oranament of toe.

ঔঁঠিযা **औँठिया**—वि०। घुमल, ऐँठल, अँगुठी आकारक (केश)। [ऐँठल]। अम० १४६ (औँठिया लटकेँ टारि माथ पर क देलकैक)। *aũṭhiyā--Adj.* Curly.

ঔঁঠী **औँठी**—अउँठी (दे०) केर वि० रू०। राम० २१५ (कर औँठी केश मध्य नुका रखने छी)। *aũṭhī—Alt.* form of aunṭhī (q. v.).

ঔড়ব **औड़ब**—५ स्वर वाला राग रागिनीक वर्गीकरणक पारिभाषिक शब्द। [सं०]। जीमूत वाहन १२। *auḍaba*—A techuical musical word.

ঔড়া **औड़ा**—औंरा (दे०) केर वा० रू०। [सं० आमलक]। तु० क० भोज० अँवँरा; अव० औंरा, म० आँवला; गु० आवलूँ हि० आँवला; उ० औँला अँर्वा; प० आम्ला; आँउला; लहन्दा आवला; सि० आँवरा; आँविरो। *auḍā—Coll.* form of amara or *Aurā* (q. v.).

-ঔড়ী **-औड़ी**—प्रत्यय। तिल आदिसँ औड़ी प्रत्यय लगैत अछि। ल० वि० ५२ (तिल मिलाए बनाओल बड़ी तिलौड़ी; कुम्हर मिलाए बनाओल कुम्हड़ौरी)। *-auḍī*—A suffix.

ঔঢরঢরন **औढरढरन**—अढ़रनढ़रन (दे०) केर वा० रू०। केर वा० रू०। (अ + ढ़रन + ढरन) खट्ट० १२८ (बर देमय काल औढ़रढ़रन)। *audharadharana—Coll.* form of *adharanadharaua* (q. v.).

ঔণচালিস **औणचालिस**—उनचालिस (दे०) केर प्रा० मै० रू०। FML 369. *auṇacālisa—Cate.* Maithili form of *unacālisa* (q. v.).

ঔণসট্ঠি **औणसट्ठि**—उनसठि (दे०) केर प्रा० मै० रू०। FML 37 । *auṇasaṭṭhi*—Cate Maithili form of *unasaithi* (q. v.),

ঔত[1] **औत**[1]—प्रत्यय। पात्र अर्थमे काठसँ औत प्रत्यय लगैत अछि। ल० वि० ५२ (काठक पात्र कठौत); अपत्य तथा साक्षात् सन्तति अर्थमे माउस, पिउसि, पित्ती, बहिनि, समधि ओ सौतिनि शब्द सँ औत प्रत्यय लगैत अछि। ल० वि० ४७ (मसिऔत, पित्तिऔत, बहिनौत, समधौत, सतौत); मि० भा० वि० ८०। *-auta*[1]—A suffix.

ঔত[2] **औत**[2]—आओत (दे०) केर वा० रू०। शतदल ३५ (लट फुजल औत की तोहरतर)। *auta*[2]*—Coll.* form of *āota* (q. v.).

ঔতকলি **औतकलि**—उत्कल केर भाषा। [सं० औत्कल]। वर्ण० ४४ (सावली, द्रावली, औतकलि)। *autakali*—Language of *utkala.*

ঔতম **औतम**—चौदह मनुमेसँ एक केर नाम। उत्तम नामक मनुक वंशज। [सं० औत्तमी]। वर्ण० ५८ (चाक्षष औतम, तामस, रैवत)। *autama*—One of the 14 Manus.

ঔতহি(হু) **औतहि(हु)**—आओत (दे०) केर निश्च० रू०। चन्द्र० ५७ (जत हे औतहि वाला); चित्रा २७ (गे क्यो नहि औतहु काज)। *autahi (hu)—Emph.* form of *āota* (q. v.).

ঔতা(হ) **औता(ह)**—अओताह (दे०) केर विक० रू०। राम १७८ (औता करता माया मानुष); मो० १७४–११ (तखन योग्य पुरुष कहाँ सँ औताह); मि० २६७ (श्रीमान ड्योढ़ी मौड़ागढ़ी औताह); कन्या० १२ (मास दिनसँ बाँकी रहतैन्ह त औताह); पारो १७ (दसमीक तातिलमे गाम औताह); कान्ति १६। *autā(ha)—Alt* form of *aotāha* (q. v.).

ঔতী (হ) **औती (ह)**—औतीहि[1] (दे०) केर वा० ओ० का० रु०। राम० ३२५ (हमर प्रतिष्ठित औती नारि); द्विरा० १०३ (बुच्चीदाइ औतीह कोना ?)। *autī(ha)—Coll.* or poet. form of *autihi* (q. v.).

ঔতীহি **औतीहि**—औताह (दे०) केर स्त्री० रू०। मो० ९७-२२ (देवी कुटीमे औतीहि)। *autihi—Fem.* form of *autāha* (q. v.).

ঔতে **औते**—आओत (दे०) केर वा० रू०। मैथिलीमे विहारी १३। *aute—Coll.* or poet. form of *āota* (q. v.).

ঔতৈক **औतैक**—आएब (दे०) अना० भविष्य० रु०। मि० ३१६ (नहि जैताह तँ आपस चल औतैक); द्विरा० १८० (जखन समय औतैक त बूझल जेतैक)। *autaika—Nonh* future tense form of *aeba* (q. v.).

ঔতৈন্হ **औतैन्ह**—आएब (दे०) आद० मध्य० पुरु० भवि० रू०। प्रण० ७६ (तावत दड औतैन्ह)। *autainha—Hon.* Second person future tense form of *āeba* (q. v).

ঔৎপাতিক **औत्पातिक**—उत्पात वा उपद्रव सम्बन्धी। [सं० तु० क० अस०, ने० बं० औत्पातिक। (कोनो औत्पातिक विचारधारा सँ कएल गेल हो)। *autpātika*—Ominous.

ঔৎসুক্য **औत्सुक्य**—आग्रह, उत्कण्ठा, उत्सुकता। [सं०]। तु० क० हि०, बं०; अस०, ने० औत्सुक्य। एकावली परिचय ३८। *autsukya*—Curiosity.

ঔথিন্হ **औथिन्ह**—आएब (दे०) केर आद० मध्य० एवं अन्य० पुरु० भवि० रू० । दिरा० १७६ (नहि औथिन्ह त चिन्हबनि कौना ?) *authinha*—*Hon* Second or third person form of *āeba* (q. v.).

ঔদনিক **औदनिक**—वि० । भनसिआ, पाचक सम्बन्धी । [सं० ओदन्+ठक्>इक्] । अम० २०५ (आरालिक, आन्धसिक, सूद औदनिक) *audanika*—*Adj*. Relating to, Cook.

ঔদরিক **औदरिक**—वि० । पेटू, खाधुर । [सं० उदर+ठक्>इक्] । अम० २४३ (आदभून औदरिक) । *audarika*—*Adj*. A glutton.

ঔদার্য **औदार्य**—उदार गुण, उदारता, महत्त्व, आपकता, सबलता । [सं० उदार+ष्यञ्] । तु० क० हि०, बं०, असु०, ने०, अव औदार्य वर्ण० ५१ (औदार्य; माधुर्य); अमरनाथ झा; झङ्कार ३६ । *audārya*—Magnanimity, Sincerity, generosity.

ঔদাসীন্য **औदासीन्य**—उदासीनता, उपेक्षा, वैराग्य । [सं० उदासीन+ष्यञ्] । तु० क० हि०, बं०, असु०, ने० औदासीन्य । मो० १३२–२४ (मिथिला मातृभाषा पर औदासीन्य ?); प्रवास जीवन १७६ । *audāsinya*–Indifference, detachment.

ঔদাস্য **औदास्य**—उदासीनता, वैराग्य, उपेक्षा । [सं० उत्+आस—अच्+ष्यञ्] । तु० क० हि०, ने०, असु०, बं० औदास्य । विडम्बना ८३ । *audāsya*—Indifference, detachment.

ঔদ্ধত্য **औद्धत्य**—धृष्ठता, चंचलता, उजड्पन । [सं० उद्धत+ष्यञ्] । तु० क० हि०, बं०, ने० औद्धत्य । मिहिर २३ (२-६१-५४) (औद्धत्य प्रदर्शन); वेकफिल्डक पादरी । *auddhatya*—Impudence.

ঔদ্যোগিক **औद्योगिक**—वि० । व्यवसाय वा व्यापारसँ सम्बन्ध रखनिहार । [सं० उद्योग+ठक्>इक्] । तु० क० हि०, बं०, ने० औद्योगिक मिथिला औद्योगिक व्यापार १०२ । *audyogika*—*Adj*. A person who is related with Industry.

ঔধত্য **औधत्य**—औद्धत्य (दे०) केर वा० रू० । मि० ३७३ (ओ औधत्य वश श्रद्धाँक अपमान कथमपि नहि करताह) । *audhatya*—*Coll*. form of *auddhatya* (q. v.).

ঔনাঈত **औनाइत**—औनाएब (दे०) केर वर्त्त० रू० । कन्या० १४६ (भीतरहि भीतर औनाइत रहैत अछि) । *aunāita*—*Present* tense form of *aunāeba* (q. v.).

ঔনাএব **औनाएब**—क्रि० । औलबौल होएब, अनवस्थिति (दी०) । [सं० अच] । मि० भा० कोष ४३ (कतबो औनाएब तैयो बच्चा पतए नहि भेटत) । [सं० अन्ध] *aunāeba*—V. To be utterly perplexed, to be lost in the darkness.

ঔনাপথারী **औनापथारी**—आकुलता पूर्वक अन्वेषण (दी०); व्यग्रता पूर्वक ताकवाक क्रिया । [औन्हब+पथार] । (एकटा बच्चा भेता मे हेराएला उत्तर औनापथारी उठि जाइत छैक) । *aunāpathāri*—The researching with Anxiety.

ঔন্হ **औन्ह**—औन्हब (दे०) केर पू० क्रि० रू० । मि०; (वर्तनके औन्ह दियौक) *aunha*—*Part.* form of *aunhaba* (q. v.).

ঔন্হবে **औन्हब**—क्रि० । कोनो वस्तुकेँ मुँहक भरेँ कएके न्यूब्जीकरण (दी०) । [IAL 804 अवमूर्ध अथवा (दी०) औन्ह+अब अथवा सं० न्यूब्जीकरण] । तु० क० प्राकृ० अमुद्दग; लहन्दा अमुन्धा; मूधा; पं० ऊँधा; कु० उँदो; हि० औंधा; ओंधा; गु० उँधुँ [वर्तन के औन्हब); मि० भा० कोष ४३ । *aunhaba*—*V*. To turn orver the head, or makre up side down.

ঔন্হল **औन्हल**—औन्हब (दे०) केर भू० रू० । चित्रा ११ (हाथ बुलन्हि औन्हल छाँछ जकाँ) । *aunhala*—*Past* tense form of *aunhaba* (q. v.).

ঔন্হা **औन्हा**—मिरगा विशेष, बिना मुँहवला गुड़ (बाओ) [औन्हब+आ] । मि० भा० कोष० ४२; (रमेशकेँ औन्हा गुर भऽ गेलैन्ह अछि) । *āunhā*—A kind of cook, a boil without opening.

ঔন্হাপথারী **औन्हापथारी**–औनापथारी (दे०) केर वा० रू० । मि० भा० कोष ४३; औन्हापथारी उठब=व्याकुलता पूर्वक अन्वेषणक हेतु सभकेँ चिन्तित होएब । *aunhāpathāri*—*Coll* form of *aunāpathāri* (q. v.).

ঔন্হি **औन्हि**—औन्हब (दे०) केर पू० क्रि० रू० । मिथिला १–३८७ (माथ पर वस्त्र औन्हि कै स्त्री जा सकैछ) । *aunhi*—*Part* form of *aunhaba* (q. v.).

ঔন্হী **औन्ही**—पएरक आँगुरीमे पहिरबाक गहना । [सं० मन्जरी] । तु० क० अव० औन्ही । ग्रि०; व्यवहार विज्ञान ४१६ (औन्ही आंगुरमे पतिक दोष झाँपी); मि० भा० कोष ४३ । *aunhi*—An ornament of foot finger.

ঔপচারিক **औपचारिक**—वि० । उपचार सम्बन्धी, देखाबटी । सं० तु० क० हि०, बं०, असु०, ने० औपचारिक (औपचारिक रूपमे कार्य सम्प्रति भए रहल अछि) । *aupacārika*—*Adj*. Formal relating to *imposition*.

ঔপনিবেশিক **औपनिवेशिक**—वि० । उपनिवेश सम्बन्धी, नव बसाओल गेल प्रदेश । [सं०] । तु० क० हि०, बं०, असु०, ने० औपनिवेशिक रमेश चन्द्र ६ । *aupaniveśika*—*Adj*. Colonial.

ঔপনিষদ **औपनिषद**—वि० । उपनिषद सम्बन्धी, ब्रह्मप्रतिपादक ग्रन्थ । [सं०] । तु० क० बं० औपनिषद । (औपनिषद ज्ञान सभ विद्वानकेँ नहि रहैछ) । *aupanisda*—*Adj*.

Relating to the *upaniṣads.*

औपन्यासिक—वि० । उपन्यासमे वर्णन करबाक योग्य, अद्भुत, उपन्यास सम्बन्धी, [सं०] । तु० क० बं०, ने०, अव०, हि० औपन्यासिक । प्रबं० २७६ (औपन्यासिक घटना मेल) । ***aupanyāsika—Adj.*** A Novelist, pertaining to a novel.

औपम्य—उपमा, तुलना, सादृश्य । [सं० उपमा + ष्यञ्] तु० क० बं० औपम्य । (विराट औपम्य देबा जोकर पदार्थक किछु विशेष विशेषता होइछ) । *aupamya*—Similarity, comparability.

औपसर्गिक—वि० । उपसर्ग सम्बन्धी । [सं०] तु० क० बं०, हि०, असं० औपसर्गिक । (औपसर्गिक नियम मिथिला भाषामे विशेष रूप मानल जाइछ) । *aupasargika—Adj.* Relating to a prefix.

औँफे—औफ[1] (दे०) केर करण कारकमे वा० रू० । मि० २६८ (रौदक औँफे बैसल छाहरि दिश कनेक कनेक अमलक्के तकितहुँ) । *auphé-Coll.* Instrumental form of *auph*[1] (q. v.).

औबल (लि)—औवल (दे०) केर वा० रू० । मि० भा० कोष ४३; FML 382. *aubala(li)—Coll.* form of *auvala* (q. v.).

औबलि—प्रत्यय । भाव अर्थात क्रियामे देखौ आदि धातुसँ परस्पर क्रियामे औबलि प्रत्यय होइत अछि । ल० वि० १४२ देखौबलि; लठौबलि । *aubali*—A suffix.

और[1]—आओर आर वा (दे०) केर हि० रू० । तु० क० पा० ऊपर; प्राकृ० अवर; लहन्दा; पं० होर; कु० अरको; अस० आरु; वि० आर, आरु; उ० आर; हि० और प्रा० मार० और; सि० अवर; प्रा० अव० अरु वि० पदा० मजु० ५४६ (और साँठल पकमाने); शतदल २ (रहलै की चिन्ता और शान्ति); पारो १९ (ओहि बाड़ीमे और की रहैक) । *aura*[1]—Hindi form of *āora* or *āra* (q. v.).

और[2]—आरु (दे०) केर वा० रू० । (वाड़ीमे और दमाइन ओ तेकुना अछिए) । *aura*[2]*—Coll.* form of *āru* (q. v.).

औरस—वि० । विधिवत विवाहिता स्त्रीसँ जन्मल सन्तान, आत्मजात । [सं० उरस् + अण्] । तु० क० हि०, बं०, असं०, ने० अव० राज० औरस पा० ओरस; प्राकृ० उरस; ओरस सि० ओरय; प्रा० म० वोरस । वर्ण० ६५ (औरस, क्षेत्रज, पौन बर्भव, पौषिक, दत्तक); म० वि० ७८ (शिवक औरस पुत्र विनु नहि मरन दुष्ट महावली); मि० १३३ (जखन औरस पुत्र होएबाक बहुत प्रकारक यत्न कैलहुँ); रंग० १०५ (जखन अपन औरस पुत्रक ओ हाल) । *aurasa–Adj.* (Child) produced by oneself.

औरहु—और (दे०) केर निश्चय० रू० । मैथिली बन्धु १९५२-५७ (एकरा औरहु नष्ट भ्रष्ट कए) । *aurahu—Emph.* form of *aura* (q. v.).

औरा—अओरा (दे०) केर वा० रू० । ग्रि० । *aurā—Coll* form of *aorā* (q. v.).

औरि(री)—वि० । क्रोध । [सं० अरि] वि० पदा० मजु० ५७७ (गौरी औरी ककरा पर करतो); गौरी परिणय १३ (गौरिक औरि सम्भारत को लय की देत भोजन ताहि) । *auri(rī)—Adj.* Anger.

औरो—और[1] (दे०) केर वा० रू० । वि० पदा० मजु० ५५१ (मानि समान औरो नहि दोसर); मि० उद० १५८-२१ (औरो जे अवनीश होथि); मो० ९७-२ (औरो सबहि); प्रबं० ६४ (औरो उछन्नर करत) । *auro—Emph.* form of *aura*[1] (q. v.).

और्व—वाड़वानल भृगुवंशी ऋषि [सं० ऊर्व + अण्] । अम० १३ (और्व वाड़व वडवानल) । *aurva* —The subterranean fire.

और्ध्वदैहिक—अन्त्येष्टि क्रिया विषेय, प्रेतकार्य [सं० ऊर्ध्वदेह + ठञ्] । तु० क० अस० बं० और्ध्वदैहिक । मि० ३५९ (हुनका और्ध्वदैहिक क्रियाक हेतु २०००) रु० नगदक संग फरमाइसमे भेटलन्हि) । *aurdhvadaihika*—Relating to funeral rites.

औल—वि० । अतिशय गर्म । [सं० आतप] IAL Turner 50-1419 आतपल] । तु० क० ने० औल । मि० भा० कोष ४३ (औलबौल)=गरमीसँ मनक व्याकुली भाव (दी०); (अकाजु औल त बुझि पड़ैत अछि जेना सिद्ध कए देत) । *aula*—Hot.

औलि—सं० मौलिकेर अपभ्रंश, का० रू० माथ । मै० सा० इ० ने० १६३ नाटक १७ (हम शताब्द (आध औलि मण्डन फुलमाले; आध तरङ्गित सुरसरि धारे); सुन्दर संयोग ३२ । *auli*—Poetic form of Sanskrit *mauli* (head).

औलिआ—अत्यधिक पहुँचल व्यक्ति, सिद्ध, मित्र । [फा० ओ अर०] तु० क० हि० औलिया । FML 638 । (मुसलमान फकीर, निष्कपट मनमौजी लोक) । *auliā*—Friendly saint, hermit.

औवल—वि० । मुख्य, प्रथम, प्रधान, उत्तम, सर्वश्रेष्ठ [अर०] । तु० क० हि० औवल । मै० सा० इ० ३०-११९९ साल (खेतक औवल विगहाक) । *auvala—Adj.* First, Chief, Great.

औवलि—प्रत्यय । औबल[2] (दे०) केर वा० रू० । मि० भा० वि० ९३; मि० भा० प्र० २९; लठौवलि २३३ । *auvali—Coll.* form of *auvala* (q. v.).

𑒎𑒭𑒠 **औषद**—औषध (दे०) केर वा० रू० । तु० क० अव० **औषद** । वि० ने० १६ (पहि वेआधि, औषद तोहर अधर अमिअ केर धार); राग० ७२ (आन औषद कर आन वेआधी) । *auṣada*—*Coll.* form of *auṣadha* (q. v.).

𑒎𑒭𑒠𑒰𑒩𑓂𑒟 **औषदार्थ**—औषध वा दवाईक हेतु । [औषध + अर्थ] । प्रण० ११८ (औषदार्थ मदिरो मांस भक्षण मे दोष नहि लगैत छैक) । *auṣadārtha*—For the purpose of medicine.

𑒎𑒭𑒡(𑒡𑒲) **औषध(धि)**—दवाई, रोग नाशक द्रव्य । [सं० ओषधि + अण्] । तु० क० हि०, बं०, असo ने० अव० औषद, राज० औसध पा० ओखध; प्राकृ० ओसद ओसह; उ० उसो; उसुआ; गु० ओसड़ सि० ओसुअ म० औषधि । वर्ण० ४५ (औषध खएले), राम० २३५ (औषध करइ जाइ निन गेह); पुरु० २४५ (बहुत वैद्य औषध कयल); । *auṣadhai(dhi)*—Medicine.

𑒏

𑒏[1] **क**[1]—मिथिलाक्षर लिपिक प्रथम व्यञ्जन वर्ण, एकर उच्चारणक स्थान कण्ठ होइत अछि । [सं०] तु० क० दे० बं० आदि क । *ka*[1]—The first consonant letter in Tirhuta Script.

—𑒏[2] **क**[2]—षष्ठी विभक्ति [सं० प्रा० कृत > कर > क] । कारण, निमित्त, हेतु इत्यादि कारण वाचक शब्द योग मे ओकर समानाधिकरण विशेषण वाचक शब्दसँ षष्ठी अबैत अछि । पढ़बाक कारणेँ एलहुँ, देखबाक हेतु गेलाह, अधिकरणार्थक अव्यय कहाँ, जहाँ, तहाँ इत्यादि अधिकरण रूप अर्थ छोड़ि केवल स्थान अर्थ मे प्रयुक्त होइत अछि । तखन ओहि शब्दसँ सम्बन्ध मे षष्ठी विभक्ति होइत अछि । ई पण्डित कहाँक थिकाह ल० वि० ७८ । एतएक कुशल जानब, ओतएक कुशल अपेक्षित । चर्या १ (एहि एक छान्दक बाध कारणक पाटैर आस); कीर्तिलता-७ (ओइनी वंश प्रसिद्ध जगक वसु करइ वा सेव); गो० स्मृ० ६६ (अधर पहीर दशन मग जोति, रोचन तिलक मैनाक जोति पा० ह० सभासार लोकक लोग-मन कृष्ण० २ (धरनिक सञ्च सबजन गेल; राम० बालककाण्ड २६ (जानकिनाथक करिय प्रणाम) । —*ka*[2]—Post—position form in genitive sense.

𑒏𑒋 **कए**—विभक्ति । FML 64 (Rāg. 101) *kae*—Postpositional form.

𑒏𑒃[1] **कइ**[1]—वि० । अनेक, बहुत, एकसँ अधिक । अवहट्ठ तु० रू० हि० । [सं० कति] कीर्तिलता ५ (वीर पुरुष कइ जम्मिअइ नाह न जम्पइ नाम); वि० पदा० मजु० १२३ मि० (मास मास कइ दिवस गमाओलि) । *kai*[1]—*Adj.* Many, several.

𑒏𑒃[2] **कइ**[2]—कके (दे०) केर प्रा० रू० । वि० पदा० मजु० २११ (इ जदि अति कि कसि कइ काटी) । *kai*[2]—*Early* form of *kake* (q. v.).

𑒏𑒃𑒋 **कइए**—क्रि० । कए (दे०) केर निश्च० रू० । वि० पदा० मजु० १२२, नेपाल ६३ ख, न० गु० ६५४ अ० ७६८ (अवधि कइए पिया गेला); वि० पदा० मजु० ६६ राग त० ६२, नेपाल २२६ (कोप कइए परओमल मानव रुक० परि० ५६ (कइए प्रणाम भगति अनुरूप) । *kaie*—*Emph* form of *kae* (q. v.).

𑒏𑒃𑒋𑒏 **कइएक**—वि० । अनेक, अनगनित, बहुत, एकसँ अधिक [सं० कति + एक] तु० क० हि० कइ एक मन० कृष्ण० ७४ (से विधि रहलाह कइएक बेरी); खट्ट० १३० (ओहिमे कइएकटा पड़ैत छलैक) । *kaieka*—*Adj.* Several.

𑒏𑒃𑒏 **कइक**—वि० । अनेक, बहुत, बेशी, अनगनित । [सं० एक + एक] । FML 477, *kaika*—*Adj.* countless, many.

𑒏𑒿𑒃𑒔𑒲 **कँइची**—लोहाक बनल औजार, जाहिसँ कपड़ा कागज आदि कतरल जाइछ । [फा०] तु० क० कैंची (हि०) । FML 153. *kāici*—Scissors.

𑒏𑒃𑒙𑒰𑒿 **कइठाँ**—कतएक ठाम [सं० कति + स्थान > कतैकइ ठाम] । (दे०) केर वा० रू० । FML 436. तु० क० अव कइठा *kaiṭhā*—*Coll.* form of *kataeka ṭhama* (q. v.).

𑒏𑒃𑒙𑒱𑒂𑒿 **कइठिआँ**—कतए (दे०) केर छिकाछिकी रू० । FML 436. *kaiṭhiā*—*Chikāchiki* form of *katae* (q. v.)

𑒏𑒃𑒞𑒥𑒹 **कइतबे**—कैतव (दे०) केर वा० रू० । वि० पदा० मजु० १००, तालपत्र न० गु० ४५०, अ० ४४५ (कइतबे हास गोप ती मे कएलए) । राम० ४ कइतबे वारि सखी जन संग । *kaitabe* *Coll.* form of *kaitava* (q. v.).

𑒏𑒃𑒟𑒱𑒢 **कइथिन**—कायस्थक स्त्री । [कायस्थ + नी] । FML 220. *kaithina*—A kayastha woman.